वार्षिक रिपोर्ट

2016 - 2017

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय

वार्षिक रिपोर्ट

2016-17

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना
एवं प्रशासन विश्वविद्यालय
17–बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली–110016

© jk"Vªh; 'kSf{kd ;kstuk ,oa iz'kklu fo'ofo|ky;] 2017
¼Hkkjr ljdkj }kjk fo'ofo|ky; vuqnku vk;kx vf/kfu;e 1956 dh /kkjk 3 ds varxZr ?kksf"kr½

jk"Vªh; 'kSf{kd ;kstuk ,oa iz'kklu fo'ofo|ky; ds fy, dqylfpo] U;wik }kjk izdkf'kr rFkk eSllZ fockl izsl izk- fy-] vks[kyk bMfLVª;y ,fj;k] Qsl&AA] ubZ fnYyh&110020 esa fMtkbu vkSj eqfnzr

विषय सूची

v/;k;		
1.	विहंगावलोकन	1
2.	अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम	37
3.	अनुसंधान	55
4.	पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं	85
5.	कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं	91
6.	प्रकाशन	95
7.	न्यूपा में सहायता अनुदान योजना	99
8.	प्रशासन और वित्त	105

vuqyXud		
I.	संकाय का अकादमिक योगदान	111
ifjf'k"V		
I.	न्यूपा परिषद के सदस्य	217
II.	प्रबंधन बोर्ड के सदस्य	219
III.	वित्त समिति के सदस्य	220
IV.	अकादमिक परिषद के सदस्य	221
V.	अध्ययन बोर्ड के सदस्य	223
VI.	संकाय और प्रशासनिक स्टाफ	225
VII.	वार्षिक लेखा	229
ys[kkijh{kk fjiksVZ		273

1 विहंगावलोकन

विहंगावलोकन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर अपने महत्वपूर्ण और व्यापक शैक्षणिक कार्यकलापों के साथ देश के शिक्षा संस्थानों के नेटवर्क में विशेष स्थान रखता है।

इसकी स्थापना आरंभिक रूप से फरवरी 1962 में यूनेस्को तथा भारत सरकार के बीच हस्ताक्षरित समझौते के अंतर्गत शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये एशिया क्षेत्रीय केंद्र के रूप से हुई थी। इस केंद्र का मुख्य कार्य एशिया के शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये शैक्षिक योजना, प्रशासन तथा विद्यालय पर्यवेक्षण से संबंधित समस्याओं पर अनुसंधान तथा अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन तथा सदस्य राज्यों को तकनीकी सहायता प्रदान करना था।

1 अप्रैल 1965 से शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये एशिया क्षेत्रीय केंद्र का नाम बदलकर एशिया शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान कर दिया गया। यूनेस्को तथा भारत सरकार के बीच दस वर्ष के समझौते के समाप्त होने के बाद, एशिया संस्थान को भारत सरकार द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया और तत्पश्चात 1970 में शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के लिये राष्ट्रीय स्टाफ कालेज की स्थापना की गई। पुनः इस कालेज का पुनर्गठन किया गया और 31 मई 1979 को इसका विस्तार करते हुये इसको राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) के रूप में पुनः पंजीकृत किया गया।

शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन के क्षेत्र में न्यूपा द्वारा किये गये महत्वपूर्ण कार्यों को देखते हुये संस्थान को वर्ष 2006 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत इसे 'मानद विश्वविद्यालय' का दर्जा प्राप्त हुआ जिसके अंतर्गत इसे डिग्री प्रदान करने की शक्ति प्रदान की गई और पुनः नाम परिवर्तन के बाद इसे राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) कहा जाने लगा।

इसे आगे 'राष्ट्रीय विश्वविद्यालय' के नाम से संबोधित किया जायेगा। अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तरह यह पूर्णतः भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है।

न्यूपा का विज़न और मिशन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय का उद्देश्य 'ज्ञान के उन्नयन से एक मानवीय अधिगम समाज का निर्माण करना है'। इस विज़न के अंतर्गत राष्ट्रीय विश्वविद्यालय शैक्षिक नीति, उच्च स्तरीय शिक्षण के साथ योजना तथा प्रबंधन, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में सेवायें प्रदान करने हेतु मिशन के रूप में कार्य कर रहा है।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय का उद्देश्य 'ज्ञान के उन्नयन से एक मानवीय अधिगम समाज का निर्माण करना है'। इस विज़न के अंतर्गत राष्ट्रीय विश्वविद्यालय शैक्षिक नीति, उच्च स्तरीय शिक्षण के साथ योजना तथा प्रबंधन, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में सेवायें प्रदान करने हेतु मिशन के रूप में कार्य कर रहा है।

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यनीतिक उद्देश्य निम्नांकित हैं :

- शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी नीतियों, योजना तथा कार्यक्रमों के निर्माण और क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय तथा संघ क्षेत्रों के स्तर पर सांस्थानिक क्षमता का सुदृढ़ीकरण तथा स्कूल, समुदाय, जिला, राज्य/संघ प्रदेशों तथा राष्ट्रीय स्तर पर एक त्वरित, सहभागिता और जवाबदेह शैक्षिक अभिशासन तथा प्रबंधन प्रणाली का सांस्थनीकरण।

- शैक्षिक सुधारों का अनुसमर्थन करने और शिक्षा क्षेत्र के विकास कार्यक्रमों की प्रभावी योजना, डिजाइन, कार्यान्वयन और अनुश्रवण को बढ़ावा देने के प्रयोजन से अपेक्षित ज्ञान और कौशलों से सुसज्जित शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के क्षेत्र में युवा पेशेवरों सहित और शिक्षाविदों सहित विशेषीकृत मानव संसाधनों के समूह का विस्तार करना;

- शैक्षिक क्षेत्र में उभरती तथा वर्तमान चुनौतियों का सामना करने हेतु तथ्य आधारित जवाबदेही एवं प्रभावी कार्यक्रम क्रियान्वयन को बढ़ावा देने हेतु शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन एवं संबंधित विषयों के ज्ञान आधार में वृद्धि;

- शैक्षिक क्षेत्र विकास लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु प्रभावी शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार तथा बेहतर शैक्षिक नीतियों के क्रियान्वयन हेतु शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार, अनुसंधान परिणामों, नवाचारों तथा सर्वोत्तम व्यवहार समेत सूचना तथा ज्ञान की साझेदारी एवं पहुंच में सुधार;

- अंतरशास्त्रीय जिज्ञासाओं को प्रोत्साहन देते हुये शैक्षिक नीति निर्माण, शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार/तकनीक शिक्षा के सभी चरणों तथा व्यवस्था में, तथा रणनीतिक उपागम शैक्षिक योजना प्रक्रियाओं, अभिशासन तथा प्रबंधन में सुधार हेतु तथा अंतरशास्त्रीय जिज्ञासाओं में नेतृत्वकारी भूमिका जो शैक्षिक नीति–निर्माण तथा देश में शैक्षिक योजना तथा प्रशासन व्यवहार का निर्माण करती है।

मुख्य कार्य

अपने मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय विश्वविद्यालय निम्नांकित मुख्य कार्यों में संलग्न है :

- शिक्षा के सभी चरणों में शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन में नेतृत्वकारी भूमिका प्रदान करना;
- सर्वोत्तम प्रशिक्षित शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के कैडर के गठन हेतु प्री–डाक्टरल, डॉक्टरल तथा पोस्ट डॉक्टरल कार्यक्रमों और व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों सहित अध्यापन के विकसित अंतरशास्त्रीय कार्यक्रमों का विकास तथा आयोजन और साथ में शैक्षिक नीतियों योजना तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा, क्रियान्वयन, अनुश्रवण हेतु सतत् सांस्थानिक क्षमता का निर्माण करना;
- शैक्षिक लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अनुसंधान एजेंडा तथा वचनबद्धता को स्वरूप देना, क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिये आवश्यक समर्थन हेतु नये ज्ञान का सृजन तथा तथ्य आधारित नीति निर्माण और बेहतर शैक्षिक योजना और प्रबंधन व्यवहार/तकनीक का प्रयोग करना;
- केंद्रीय तथा राज्य सरकारों को तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थानों को उनकी शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन से संबंधित क्षमता निर्माण तथा अनुसंधान आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु तकनीकी समर्थन प्रदान करना और उन्हें शैक्षिक नीतियों, योजनाओं तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा, अनुश्रवण तथा मूल्यांकन में सुधार हेतु मदद करना;
- शैक्षिक क्षेत्र के विकास कार्यक्रमों के मूल्यांकन तथा निर्माण हेतु राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों को परामर्श सेवायें प्रदान करना;
- शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान तथा नवीन ज्ञान के सृजन हेतु सूचना तथा विचारों के समाशोधन गृह के रूप में कार्य, शैक्षिक नीतियों, योजना तथा प्रशासन में विशेष रूप से, विचारों/अनुभवों के आदान–प्रदान तथा नीति–निर्माताओं, शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के बीच नीतिगत चर्चा हेतु विचार मंच प्रदान करना, प्रभावी नीतियों तथा शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन तकनीक/व्यवहार को शिक्षा क्षेत्र संबंधी चुनौतियों को सामना करने हेतु चिह्नित करना तथा शिक्षा क्षेत्र संबंधी विकास लक्ष्यों/उद्देश्यों को प्राप्त करना;
- शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में सुधार हेतु संयुक्त प्रयासों/कार्यक्रमों तथा अनुसंधान अध्ययनों को प्रोत्साहन देने के लिए संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था के अंतर्गत कार्यक्रमों, निधि एवं एजेंसियों समेत राष्ट्रीय

तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों एवं संगठनों के साथ नेटवर्किंग तथा सहयोग;

- शैक्षिक क्षेत्र के विकास में उभरती हुई प्रवृत्तियों का मूल्यांकन तथा विश्लेषण, शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में उभरती हुई चुनौतियों की पहचान तथा शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु उपयुक्त नीति निर्माण तथा कार्यक्रम हस्तक्षेप के निर्माण को सुगम बनाने के लिए शैक्षिक क्षेत्र विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्रगति का मूल्यांकन।

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के उपरोक्त कार्य राज्य तथा संघशासित प्रदेश एवं केंद्रीय स्तर पर सरकारों तथा संस्थानों के साथ निकटतम संपर्क तथा सहयोग द्वारा आयोजित किये जाते हैं। उच्च स्तरीय शिक्षा के साथ राष्ट्रीय विश्वविद्यालय कार्यक्रम क्रियान्वयन तथा मूल्यांकन एवं शिक्षा व्यवस्था की योजना तथा प्रबंधन से संबंधित मुद्दों को संबोधित करता है। विश्वविद्यालय का एक मुख्य पहलू जमीनी स्तर पर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का संबंध द्वि–रूप कार्य प्रणाली है। विश्वविद्यालय अपने ज्ञान आधार में वृद्धि वास्तविकता क्षेत्र में अनुसंधान तथा क्षेत्र कार्यकर्ताओं के साथ स्कूल, कालेज, राज्य तथा केंद्रीय सरकार के विभिन्न स्तरों पर विभागों के साथ संपर्क द्वारा करता रहा है। राष्ट्रीय संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय राज्यों/संघशासित प्रदेशों की शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन संबंधी क्षमता निर्माण को पूर्ण करने हेतु संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षण, राज्य सरकारों तथा राज्य संस्थानों के साथ निकटवर्ती संपर्क, उनकी शैक्षिक व्यवस्था का समालोचनात्मक अध्ययन, नीतियां तथा कार्यक्रम एवं उन्हें व्यावसायिक परामर्श तथा तकनीकी समर्थन हेतु प्रयासरत है। विश्वविद्यालय अपने ऐसे कार्यक्रमों की शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के क्षेत्र में एक थिंक टैंक (प्रसार केन्द्र) बना हुआ है। विश्वविद्यालय अपने अधिकांश क्षमता निर्माण के कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी विशेषज्ञता, अनुभव और अन्तर्दृष्टि जमीनी स्तर के शैक्षिक कार्यकर्त्ताओं को हस्तान्तरित कर रहा है। इस प्रकार से विश्वविद्यालय की इस दोहरी भूमिका ने अपने अध्यापन तथा अनुसंधान के अकादमिक कार्य को व्यापक प्रामाणिकता प्रदान की है।

अकादमिक ढांचा तथा समर्थन सेवाएं

विश्वविद्यालय के अकादमिक ढांचे में विभाग, केंद्र, विशेष पीठ हैं जो शिक्षा के विशिष्ट पक्षों को संबोधित करते हैं तथा तकनीकी समर्थन एकक/समूह तथा अकादमिक समर्थन प्रणाली अपने संबंधित विषयगत क्षेत्रों से जुड़ी विकास तथा क्रियान्वयनकारी गतिविधियों के प्रति उत्तरदायी हैं। विश्वविद्यालय के संकाय में प्रोफेसर, सह–प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर तथा राष्ट्रीय अध्येता सम्मिलित हैं जो शिक्षा नीति, योजना तथा प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं। प्रत्येक विभाग अंतरशास्त्रीय विषयों के आधार पर संयोजित है और वे ज्ञान, विद्वता तथा अन्य अध्ययन कार्यक्रमों और अनुसंधान क्षेत्रों, सामान्यतः शिक्षा, और विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन में विशेष तौर पर संसाधन प्रदान करते हैं। प्रत्येक विभाग के पास अनुसंधान/परियोजना सहायकों तथा अनुसचिवीय स्टाफ के अतिरिक्त विषय विशेषज्ञ के रूप में संकाय सदस्य हैं। अकादमिक विभाग का अध्यक्ष प्रोफेसर होता है। विभाग विभिन्न प्रशिक्षण तथा अनुसंधान कार्यक्रमों के निष्पादन और विकास तथा उनको प्रदान किये गये क्षेत्रों में परामर्श तथा सलाहकारी सेवाएं प्रदान करते हैं।

समीक्षाधीन वर्ष के अंतर्गत, विश्वविद्यालय के अकादमिक कार्यक्रमों का आयोजन आठ अकादमिक विभागों तथा विशेष पीठ विश्वविद्यालय मानक एवं मूल्यांकन एकक, परियोजना प्रबंधक एकक, भारत–अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (आई.ए.आई.ई.पी.ए.) तथा दो केंद्रों द्वारा किया गया जिन्हें अकादमिक तथा प्रशासनिक सेवा एककों द्वारा समर्थन प्रदान किया गया।

vdknfed lxBu

foHkkx

- शैक्षिक योजना
- शैक्षिक प्रशासन
- शैक्षिक वित्त
- शैक्षिक नीति
- विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा
- उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा
- शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली
- शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास

dUn

- राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र
- उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र

,dd

- विद्यालय मानक एवं मूल्यांकन एकक

vkbl,vkbbih,

- भारत–अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

leFku lok,

- पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र
- कंप्यूटर केन्द्र
- प्रकाशन एकक
- परियोजना प्रबंधन एकक
- डिजीटल अभिलेखागार
- हिन्दी कक्ष/प्रशिक्षण कक्ष

ihB rFkk jk"Vh; v/;rk

- मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ
- अध्यापक विकास और प्रबंधन पीठ
- न्यूपा राष्ट्रीय अध्येता

अकादमिक विभाग

'kf{kd ;ktuk foHkkx % केंद्रीकृत नियोजन से हटकर विकेंद्रीकृत योजनाओं पर बल के साथ, न्यूपा के प्रमुख विभागों में से एक यह विभाग, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर संस्थागत योजना के आगतों, प्रक्रियाओं, और उत्पादों के एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करता है। पारंपरिक अर्थों में व्यापक योजना से हटकर आज, आर्थिक उदारीकरण की पृष्ठभूमि में, ध्यान रणनीतिक योजना पर स्थानांतरित हो गया है। हाल के दिनों में, गरीबी कम करने और स्थायी विकास को बढ़ावा देने के लिए एक साधन के रूप में शिक्षा पर दबाव के साथ न केवल शैक्षिक योजना का दायरा समष्टि स्तर पर रणनीतिक योजना के संस्थानीकरण को कवर करना है बल्कि विकेन्द्रीकरण को बढ़ावा देने और शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए स्कूल मैपिंग, सूक्ष्म नियोजन और स्कूल सुधार योजना के रूप में स्थानीय स्तर की योजना तकनीकों का प्रयोग करना भी है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निकायों को परामर्श उपलब्ध कराने के साथ–साथ शिक्षण और प्रशिक्षण, शैक्षिक योजनाकारों के पेशेवर विकास, अनुसंधान और क्षमता विकास कार्यक्रमों के माध्यम से किया जाता है। विभाग शैक्षिक विकास में पहल का निदान और मूल्यांकन के लिए महत्वपूर्ण डेटा विश्लेषण और संकेतकों के प्रयोग हेतु शिक्षा पदाधिकारियों की क्षमताओं में सुधार करने में लगा हुआ है। विभाग एम.फिल. और पी–एच.डी. के विभिन्न केंद्रिक और वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के संचालन, शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में राष्ट्रीय डिप्लोमा (डेपा) और अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) शिक्षण कार्यक्रमों के संचालन में योगदान देता है।

'kf{kd i'kklu foHkkx % शैक्षिक प्रशासन विभाग का मुख्य उद्देश्य प्रशासन और प्रबंधन के विविध आयामों अनुसंधान, अध्ययन, प्रशिक्षण तथा ज्ञान के प्रसार में सक्रिय रूप से संलग्नता है। विभाग का एक मुख्य शैक्षिक क्षेत्र सरोकार एक समृद्ध ज्ञान आधार का विकास करना और शैक्षिक प्रशासन तथा प्रबंधन के विविध आयामों पर शैक्षिक प्रशासकों तथा शोधार्थियों को एक मजबूत पेशेवर अनुसमर्थन का निर्माण करना है। अपने लक्ष्य के अनुसार शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर ठोस डाटा बेस का निर्माण किया है। रिपोर्ट की अवधि के दौरान विभाग ने कई अध्ययन किये और एक बड़े पैमाने पर शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण, शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना और जिला एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन के आयोजन के साथ कई दूरगामी अेर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किये। कार्यशालाओं, सम्मेलनों एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से राज्यों और भारत के केन्द्र शासित प्रदेशों भर में करीब एक हजार और तीन सौ राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर की शिक्षा अधिकारियों तक विभाग ने अपनी पहुंच बनाई।

'kf{kd i'kklu e uokpkj ij jk"Vh; lEeyu dh ;ktuk vkj ijLdkj lekjkg] 5&7 ekp] 2017

विभाग ने जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना को कार्यान्वित किया। पुरस्कार योजना का मूल उद्देश्य क्षेत्र स्तर पर शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और अच्छी प्रथाओं को पहचानना, पुरस्कार देना और प्रसारित करना है। नई दिल्ली में शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों पर दो/तीन दिवसीय डीईओ और बीईओ सम्मेलन के साथ राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में चुनिंदा डी.ई.ओ. और बी.ई.ओ. को पुरस्कार दिये गए। इस वर्ष नवाचारों पर शैक्षिक प्रशासन पुरस्कार समारोह के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 5–7 मार्च, 2017 से नई दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित प्रवासी भारतीय केंद्र में किया गया था। सम्मेलन के प्रतिभागियों में विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 150 जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों के अलावा अच्छी संख्या में संसाधन व्यक्ति और शिक्षा विशेषज्ञ भी थे। श्री प्रकाश जावड़ेकर, माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार ने

पुरस्कार समारोह के अवसर पर उपस्थित होकर चयनित अधिकारियों को पुरस्कार वितरित किए। नवाचारों और अच्छी प्रथाओं के लगभग 78 मामलों को सम्मेलन और पुरस्कार कार्यों के दौरान साझा किया गया।

ftyk vkSj Cykd Lrjh; f'k{kk vf/kdkfj;ksa dk jkT; Lrjh; lEesyu

जिला और ब्लॉक स्तरीय शिक्षा अधिकारियों के चार राज्य स्तरीय सम्मेलन तीन राज्यों – तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और झारखंड में लगभग 1000 जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों के अलावा राज्य और क्षेत्रीय स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए आयोजित किये गए। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री–सह–शिक्षा मंत्री ने समारोह का उद्घाटन किया। शैक्षिक योजना और प्रशासन पर बी.ई.ओ. और डी.ई.ओ. के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन वारंगल, तेलंगाना, 5–6 अक्टूबर, 2016 को आयोजित किया गया। शैक्षिक योजना और प्रशासन पर डी.ई.ओ. और बी.ई.ओ. के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन 6–7 जनवरी, 2017 को रांची, झारखंड में, शिक्षा मंत्री, झारखंड द्वारा उद्घाटन किया गया। संसदीय सचिव, शिक्षा, छत्तीसगढ़ और कुलपति, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर ने मुख्य अतिथि और मानद अतिथि के रूप में सम्मेलन के समापन सत्र में भाग लिया। न्यूपा के अन्य संकाय सदस्यों के अलावा, कुलपति, न्यूपा ने भी तीन राज्यों में राज्य स्तरीय सम्मेलनों में भी भाग लिया।

foHkkx }kjk vk;kftr vU; dk;Øe

v½ मौजूदा आचरण और नवाचार, शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर अंतरीप क्षेत्रीय कार्यशाला, 19–21 अप्रैल, 2016।

c½ आंध्र प्रदेश के डिग्री कॉलेजों के प्रधानाध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, 16–20 मई, 2016।

l½ शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना का कार्यान्वयन, अप्रैल 2016–मार्च 2017।

n½ राज्य स्तर और जिला स्तर की महिला प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम।

;½ राज्य स्तर के शैक्षिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम।

o½ जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक शासन में नेतृत्व पर अभिविन्यास कार्यक्रम।

foHkkx esa vuqla/kku ifj;kstuk,¡

v½- 'kSf{kd ç'kklu ij rhljk vf[ky Hkkjrh; lo{k.k ¼30 twu] 2016 rd çk- d- ls tkjh vkSj 31 tqykbZ] 2017 rd Mk- vkj-,l- R;kxh] ifj;kstuk çHkkjh jgsA 01 vxLr] 2017 ls çk- dqekj lqjs'k ifj;kstuk çHkkjh gSA

23 राज्यों में शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षण कार्य, तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण परियोजना के अंतर्गत पूरा किया गया और अंतिम अवस्था राज्य रिपोर्ट नीचे दी गई सूची के अनुसार प्रस्तुत की गईः

1. आंध्र प्रदेश
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम
4. बिहार
5. छत्तीसगढ़
6. गोवा
7. कर्नाटक
8. केरल
9. मध्य प्रदेश
10 महाराष्ट्र
11. मणिपुर
12. मिजोरम
13. नागालैंड
14. ओडिशा
15. सिक्किम

16. उत्तराखंड

17. गुजरात

18. हरियाणा

19. हिमाचल प्रदेश

20. पंजाब

21. तमिलनाडु

22. तेलंगाना

23. उत्तर प्रदेश

पश्चिम बंगाल में सर्वेक्षण कार्य पूरा होने वाला है। रिपोर्ट का प्रारंभिक मसौदा राज्य द्वारा प्रस्तुत किया गया है। डा. मंजू नरूला रिपोर्ट तैयार करने के लिए राज्य के साथ समन्वय कर रही हैं।

c½- 'kf{kd ç'kklu d rhljs vf[ky Hkkjrh; lo{k.k ls lcfa/kr fo"k;xr v/;;u

शिक्षा प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण के मूल प्रस्ताव और उसके अनुमोदन के अनुसार, विभाग ने परियोजना के तहत विषयगत अध्ययन पर प्रारंभिक कार्य शुरू कर दिया है। परियोजना के तहत विभिन्न विषयगत अध्ययन किए जाने प्रस्तावित हैं।

l½- अनुसंधान अध्ययन, ^xSj&f'k{k.k xfrfof/k;ka vkSj f'k{kk ij mldk iHkko e f'k{kdk dh Hkkxhnkjh(भारत के चयनित राज्यों का अध्ययन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित। डा. विनीता सिरोही और डा. मंजू नरूला द्वारा चलाया जा रहा है। डेटा विश्लेषण प्रक्रिया में है और अप्रैल 2017 तक प्रस्तुत कर दी जाएगी।

n½- lk>k ftEenkfj;k vkSj fcgkj ,o e/; insf'k e çkFkfed f'k{kk d çc/ku (प्रोफेसर कुमार सुरेश) e LFkkuh; fudk;k dh {kerk ij v/;;u dk elkSnk fjiksV(अंतिम रिपोर्ट मसौदे में कुछ आवश्यक संशोधनों के साथ प्रस्तुत की जायेगी।

;½- 0;kfIr ijh{k.k dh lL—fr% lkekftd& lkL—frd pkyd vkSj ,f'k;k&ç'kkar {ks= e ;qokvk ij çHkko (प्रो. कुमार सुरेश)

यूनेस्को बैंकाक के गुणवत्ता शिक्षा अनुभाग के अनुरोध पर भारत पर एक रिपोर्ट तैयार की जा रही है। यह अध्ययन युवाओं को "परीक्षण की संस्कृति" के पीछे सामाजिक–सांस्कृतिक चालकों और शिक्षा की प्रासंगिकता पर उनके प्रभाव और आकांक्षाओं को बेहतर समझने के लिए प्रस्तावित है।

'kf{kd foÙk foHkkx % इस विभाग का दोहरा उद्देश्य शिक्षा के सभी स्तरों– राष्ट्रीय, प्रादेशिक तथा विश्वस्तर पर आर्थिक तथा वित्तीय पक्ष पर अनुसंधान करना तथा उसे प्रोत्साहित करना है तथा विकासशील देशों और भारत में शिक्षा क्षेत्र की वित्तीय योजना तथा प्रबंधन से जुड़े कर्मियों के क्षमता निर्माण और ज्ञान का सृजन करना है। विभाग के कार्यक्रम/गतिविधियां– अनुसंधान, अध्यापन, प्रशिक्षण तथा परामर्श हैं जो नीति, योजना तथा विकास, शिक्षा के सार्वजनिक तथा निजी वित्त पोषण, सरकारी तथा निजी संसाधनों की लामबंदी, शिक्षा के सभी स्तरों पर संसाधनों का आवंटन तथा उपयोग, प्राथमिक से उच्च, तथा संसाधन आवश्यकताओं के आकलन से जुड़े मुद्दों के इर्द–गिर्द केंद्रित हैं। अधिकांशतः शोध के क्षेत्र शिक्षा के वित्त पोषण, कार्यक्रम और नीतिगत मुद्दों से संबंधित हैं। परामर्शकारी सेवाएँ नीतिगत मुद्दों पर केंद्रित हैं। अध्यापन के विषय में शिक्षा का अर्थशास्त्र और शैक्षिक वित्त पोषण से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम के विषय योजना तकनीक और प्रबंधन प्रणाली पर आधारित हैं।

'kf{kd uhfr foHkkx % शैक्षिक नीति विभाग शैक्षिक अभिशासन और प्रबंधन में वर्तमान समस्याओं के समाधान के लिए शैक्षिक नीति का अध्ययन, शैक्षिक समस्याओं का मूल्यांकन और विश्लेषण, नीति तथा व्यवहारों का मार्गदर्शन तथा परिणामों को समझने के लिए प्रतिबद्ध है। चूँकि अपने मिशन में यह प्रतिबद्ध है, शैक्षिक क्षेत्र में प्रासंगिता और गुणवत्ता, समता, पहुँच जैसे अवरोधकों के प्रति ज्ञान के वर्धन में, इसलिए यह

विभाग समय–समय पर विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर हितधारकों, व्यवहारकर्त्ताओं तथा भारत में शैक्षिक व्यवस्था को प्रमाणित करने वाली जननीति मुद्दों पर चर्चाएं आयोजित करता है। उपरोक्त मुद्दों के साथ शैक्षिक अनुसंधान और शैक्षिक नीति के बीच शैक्षिक संस्थानों में अध्ययन अधिगम और प्रदर्शन के बेहतर लिंकेज को स्थापित करने हेतु यह विभाग अनुसंधान पर बल देता है। अनुसंधान का उद्देश्य केवल शैक्षिक प्रतिभास की जटिलताओं को दर्शाना ही नहीं होता। बल्कि कार्रवाई के लिए संस्तुतियों प्रदान करना भी होता है। समाज में वर्तमान परिवर्तनों और शिक्षा पर इसके प्रभाव को देखते हुए, विभाग समय–समय पर हितधारकों द्वारा आवश्यक कार्रवाई के लिए गुंज–यंत्र के रूप में कार्य करता है। विभाग योजनाकारों प्रशासकों, क्रियान्वयनकर्त्ताओं तथा विद्वानों के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान करता है जिससे कि वे वर्तमान ढांचे, प्रक्रियाओं और भारत में संगठित शिक्षा के सांस्कृतिक संदर्भ में प्रभावी और नैतिकता से कार्य कर सकें।

fo|ky; vkSj vukSipkfjd f'k{kk foHkkx % विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा विभाग व्यापक रूप से अधिकार–आधारित और समेकित ढांचे के अंतर्गत पूर्व–स्कूल शिक्षा, समग्र स्कूल शिक्षा, अनौपचारिक और प्रौढ़ साक्षरता से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेष बल देता है। यह गुणवत्ता, समता, सामाजिक न्याय और समेकन की सैद्धांतिक समझ विकसित करने का प्रयास करता है। यह विभाग संस्थान के रूप में स्कूलों और स्कूल तथा अनौपचारिक शिक्षा में हो रहे बदलावों पर नीतियों तथा व्यावहारिक हस्तक्षेपों हेतु अनुभवजन्य आधार प्रदान करने के उद्देश्य से शोध अध्ययन करता है। यह विभाग शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम एवं एम.फिल, पी–एच. डी. के कुछ पाठ्यक्रमों के अध्यापन सहित राज्य, जिला स्तर के अधिकारियों के लिये कार्यशालाएं और क्षमता विकास के कार्यक्रम आयोजित करता है। यह योजनाओं तथा नीतियों के अध्ययन तथा निर्माण में केन्द्र तथा राज्य सरकारों को परामर्श सेवाएं प्रदान करता है। यह विभाग सह–क्रियात्मक संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ अनुभव और विशेष क्षमता साझा करता है। वर्तमान में व्यावहारिक ज्ञान के मद्देनजर यह विभाग कमोबेस सीमित चार क्षेत्रों– अधिकार आधारित ढांचे के अंदर स्कूली शिक्षा में समता गुणवत्ता और समावेशन, अध्यापक विकास और प्रबंधन, स्कूल नेतृत्व एवं स्कूली मानकों के मूल्यांकन पर विशेष बल दे रहा है। संकाय के सदस्य राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र में भी कार्य करते हैं और विद्यालय मानक और मूल्यांकन एकक में भी संबद्ध हैं।

mPprj vkSj 0;kolkf;d f'k{kk foHkkx% यह विभाग वर्षों से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को लगातार अनुसंधानात्मक अनुसमर्थन और नीतिगत सुझाव प्रदान करता रहा है। विभाग के विश्व व्यापार संगठन कक्ष ने गेट्स के अंतर्गत प्राप्त अनुरोधों के विश्लेषण और भारत की सहमति की पुष्टि करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। विभाग ने उच्चतर शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण के विविध आयामों पर अध्ययन किया और उन पर विमर्श हेतु संगोष्ठियां आयोजित की तथा उनके निष्कर्षों का प्रसारण किया। यह विभाग उच्चतर शिक्षा के लिये विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं को अंतिम रूप देने में सहयोग करता रहा है। यह विभाग विशेषज्ञों, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, संकायाध्यक्षों और कुलसचिवों के सम्मेलन और संगोष्ठियों के आयोजन में यू.जी.सी. का सहयोग करता रहा है।

इस विभाग ने कार्य निष्पादन आधारित उच्चतर शिक्षा पर विश्व सम्मेलन आयोजित करने हेतु यूनेस्को क्षेत्रीय सम्मेलन के आयोजन ओर भारतीय उच्चतर शिक्षा में कार्य निष्पादन आधारित वित्त पोषण पर योजना आयोग – विश्व बैंक प्रायोजित संगोष्ठी के आयोजन में भी सहयोग किया है। वार्षिक कार्यक्रमों के अंतर्गत यह विभाग विभिन्न श्रेणियों के कॉलेज प्राचार्यों के लिये नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। विभाग विश्वविद्यालयों तथा कालेजों को उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच के विभिन्न आयामों तथा अकादमिक सुधार पर संगोष्ठियां आयोजित करने में अकादमिक समर्थन प्रदान करता है। विभाग राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रम– एम.फिल. तथा पी–एच.डी. कार्यक्रमों के केंद्रिक तथा वैकल्पिक पाठ्यक्रमों में सक्रिय रूप से

भाग ले रहा है और इसके शोधार्थियों का अतिरिक्त शोधनिर्देशन कर रहा है।

'kf{kd if'k{k.k vkj {kerk fodkl foHkkx % यह विभाग शैक्षिक प्रशासकों की क्षमता में सुधार के लिये राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर सहसंबंध विकसित करने पर विशेष बल देता है। शिक्षा विभाग में प्रशिक्षित दलों का वृहद सृजन हेतु विभाग स्थायी और समर्पित सांख्यानिक प्रबंधन को सृजित करने के उद्देश्य से राज्य संस्थानों को सशक्त बनाने हेतु कार्यक्रमों की संरचना तैयार करता है। चरणबद्ध तरीके से पूरे राष्ट्र में डी.ई.ओ./बी.ई.ओ. के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राज्य सम्मेलनों के द्वारा देश में जारी शैक्षिक सुधार नीतियों और कार्यक्रमों की स्पष्टता हेतु आधारभूत स्तर पर पहुंचने का प्रयास किया जाता है। कार्यक्रम विषयगत और संवर्ग आधारित पाठ्यक्रम होते हैं, विशेषतौर से अधिष्ठापन और प्रोन्नत स्तर पर।

इसके अलावा यह विभाग लंबी अवधि के दो डिप्लोमा कार्यक्रम, एक राष्ट्रीय और दूसरा अंतरराष्ट्रीय शिक्षा कर्मियों के लिये आयोजित करता है। शैक्षिक योजना और प्रशासन में राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित करता है तथा शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

यह विभाग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा में क्षमता निर्माण रणनीति और प्रशिक्षण में अनुसंधान करता है। स्कूल और उच्च शिक्षा स्तर के प्रशासकों और क्षेत्रीय कार्यकर्त्ताओं के विभिन्न संवर्ग की शैक्षिक प्रशिक्षण आवश्यकताओं के मूल्यांकन पर इसका मुख्य बल होता है।

'kf{kd icèku lpuk i.kkyh foHkkx % शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग शोध और क्षमता विकास संबंधित कार्य करता है और भारत सहित विश्व के विभिन्न देशों की शिक्षा का आंकड़ा आधार और प्रबंधन सूचना प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए तकनीकी परामर्श देता है। यह विभाग भारत में प्रारंभिक शिक्षा की प्रबंधन सूचना प्रणाली (एम आई एस) और आंकड़ा आधार को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय और यूनीसेफ के सहयोग से जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (डाइस) का प्रबंधन करता है। इसके अलावा यह विभाग शैक्षिक सांख्यिकी के मुद्दों और शिक्षा के समकालीन मुद्दों पर सम्मेलन/संगोष्ठियां और शैक्षिक योजना में मात्रात्मक विधियों पर कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है और सांख्यिकी तथा शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली पर परामर्श प्रदान करता है। विभाग के संकाय सदस्य मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली के निर्माण हेतु गठित विशेषज्ञ समिति में सक्रिय रूप से शामिल हैं। तद्नुसार स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली की दिशा में वर्ष 2012–13 से देशभर में समान आंकड़ा प्रपत्र में पहले कदम के रूप में डाइस और सेमीस का समेकित आंकड़ा संगृहित किया गया है। वर्ष 2015–16 के दौरान स्कूल शिक्षा प्रदान कर रहे 1.5 मिलियन स्कूलों से आंकड़ा एकत्र किए गए।

bl foHkkx }kjk vk;kftr dN dk;Øek@lxkf"B;k@dk;'kkykvk d fo"k; fuEufyf[kr g % एजुसेट द्वारा डाइस पर संवेदनशीलता कार्यक्रम, शैक्षिक शोध में डाइस आंकड़ों का उपयोग और स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली आदि। यह विभाग विकासशील देशों के लिए ईएमआईएस पर सुनियोजित पाठ्यक्रम के साथ–साथ पीजीडेपा के भाग के रूप में शैक्षिक योजना में मात्रात्मक विधि पर पाठ्यक्रम का अध्यापन करता है। विभाग का संकाय ईएमआईएस और स्कूली शिक्षा से संबंधित पक्षों पर भारत सरकार के साथ–साथ राज्य सरकारों को परामर्शकारी सेवाएं प्रदान करता है।

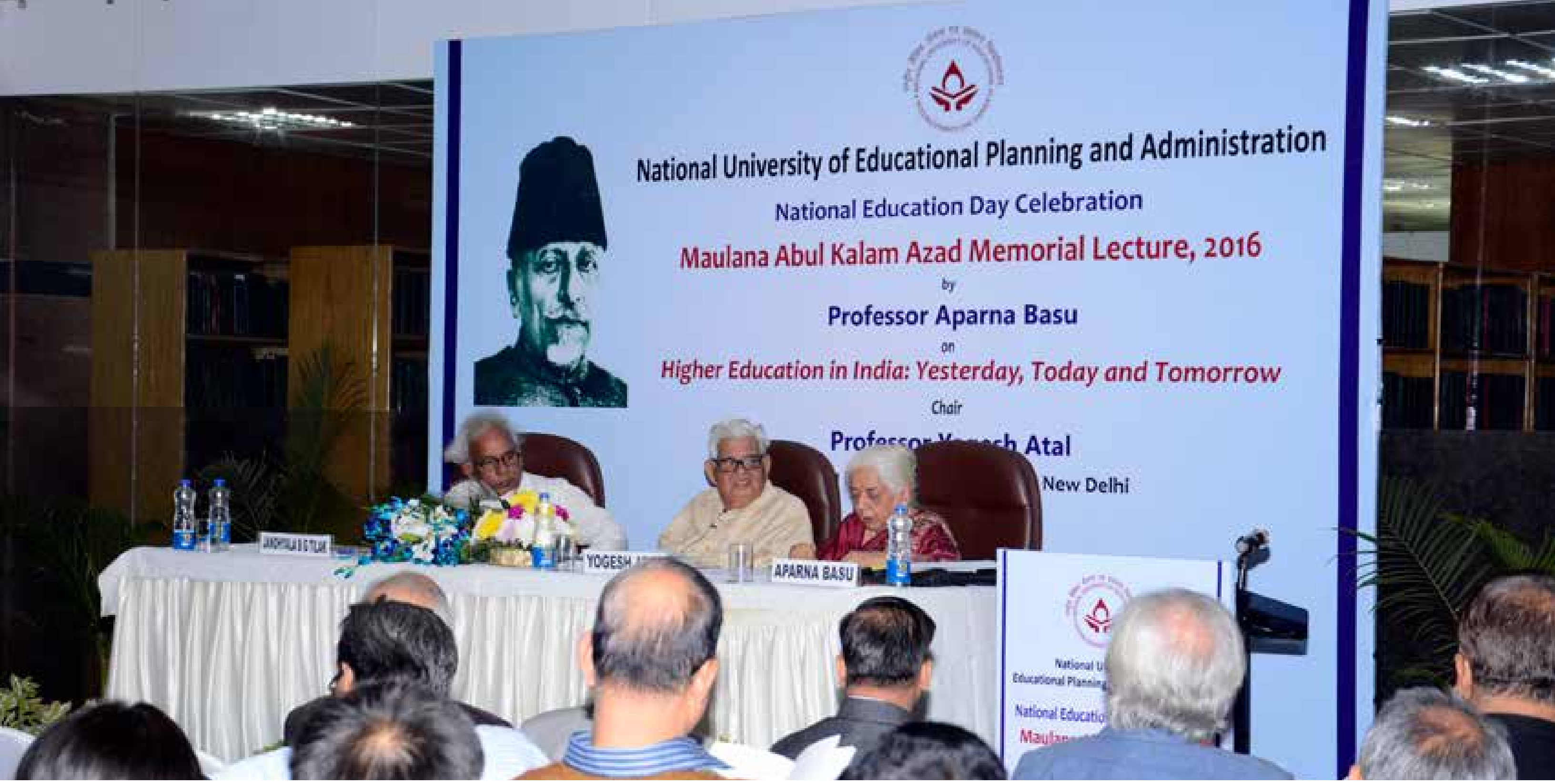

विशेष पीठ

ekSykuk vCqy dyke vktkn ihB% यह पीठ स्वतंत्र भारत के शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के पहले मंत्री मौलाना आज़ाद के योगदान को स्मरण करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 2008 में स्थापित किया गया है। पीठ का मुख्य अनुसंधान क्षेत्र 1950 के दशक के अंतिम वर्षों के दौरान मौलाना आजाद के योगदान की खोज करते हुए एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के विकास पर अध्ययन करना है। यह पीठ राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष, मौलाना आजाद स्मारक व्याख्यान का आयोजन करता है। यह पीठ मौलाना आज़ाद के दर्शन और वैश्विक विचारों व अन्य संबंधित मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन भी करता है।

v/;kid fodkl vkSj izca/ku ihB% राजीव गांधी स्थापना पीठ, अध्यापक विकास और प्रबंधन पीठ जून 2013 से प्रारंभ हुई। यह भारत भर में प्रबंधन प्रणालियों और अध्यापक विकास की प्रभाविकता में सुधार करने हेतु नीतियों तथा आचरण का विकास के लिए विश्लेषण और अनुसंधान को बढ़ावा देने की अभिव्यक्ति है। प्रावधान, आवंटन और शिक्षा प्रणालियों की मांगों को पूरा करने के लिए अध्यापकों का उपयोग, प्रभावी ढंग से कार्य निष्पादन हेतु वर्तमान शिक्षकों की आवश्यकताओं को पूरा करना; और व्यवसायीकरण और स्कूल/संस्थागत नेतृत्व का क्षमता विकास अंतःसंबंध है। हालांकि, यहाँ एक सुसंगत नीति और कार्यक्रम रूपरेखा की कमी है जो उन्हें एक साथ जोड़ सके है और ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तरों पर शिक्षक विकास और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं से संबंधित मुद्दों को संबोधित कर सके। प्रोफेसर विमला रामचंद्रन को आर.जी.एफ. पीठ का प्रोफेसर प्रभारी नियुक्त किया गया है।

ihB dh fo'k"k xfrfof/k;ka esa 'kkfey g%

- विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में शिक्षकों और संबंधित शैक्षिक प्रबंधन मुद्दों की कार्यशील स्थितियों पर स्वतंत्र और सहयोगात्मक अनुसंधान। यह आशा की जाती है, सूचित निर्णय लेने और नीतियों के सुसंगत ढांचे के निर्माण के लिए आवश्यक ज्ञान के आधार को समृद्ध करेगा।
- राज्य मंत्रालयों और अन्य राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों के संस्थानों को तकनीकी सहायता प्रदान करना ताकि उन्हें शिक्षक विकास और प्रबंधन प्रथाओं में सुधार करने में मदद मिल सके।

- अनुमोदित कार्यक्रम हस्तक्षेप में शामिल हितधारकों और राज्य स्तरीय शिक्षा प्राधिकरणों को सम्मिलित करते हुए अध्यापक विकास और प्रबंधन से जुड़े मुद्दों पर नीतिगत संवाद को बढ़ावा देना और सुविधा प्रदान करना।
- प्रलेखन और ज्ञान एवं सूचना की जानकारी का प्रचार–प्रसार, शोध निष्कर्षों समेत, सर्वोत्तम प्रथाओं और राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर हितधारकों के बीच नवाचारों सहित सूचित निर्णय लेने की सुविधा।
- प्रभावी शिक्षक विकास और प्रबंधन प्रथाओं को अपनाने के लिए समर्थन।

nk ifj;ktuk,a py jgh g%

नौ राज्यों में प्रारंभिक और माध्यमिकः इन दो स्तरों पर सरकारी स्कूलों में सभी श्रेणियों के कार्यरत शिक्षकों (नियमित और अनुबंध शिक्षकों) के लिए काम की परिस्थितियों वेतन तथा व्यवहार, तैनाती की नीतियों का दस्तावेजीकरण और विश्लेषण (स्थानान्तरण, पोस्टिंग, व्यावसायिक विकास और विकास) सरकार के अधिसूचना, आदेश और शिक्षक प्रबंधन में शामिल महत्वपूर्ण प्रशासकों के साथ राज्य–स्तरीय क्षेत्र–आधारित अध्ययनों के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें सरकारी सूचनाओं, शिक्षकों के प्रबंधन में शामिल प्रमुख प्रशासकों के आदेश, साक्षात्कार शामिल हैं।

केंद्र

jk"Vh; fo|ky; urRo dæ

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र (एनसीएसएल) ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के साथ विद्यालय नेतृत्व को सशक्त बनाने के लिए और विद्यालयों को बदलने के लिए सर्व शिक्षा अभियान और आरएमएसए, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के समर्थन के साथ 2012 में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन विश्वविद्यालय में स्थापित की गई थी, एनसीएसएल के लिए प्रमुख प्राथमिकता स्कूल परिवर्तन के लिए स्कूल के प्रमुखों को तैयार करना है। एनसीएसएल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के माध्यम से देश भर के स्कूलों में विविधता को संबोधित करने में सक्षम एक लचीली रूपरेखा को लागू करता है। इसमें प्राथमिक से माध्यमिक तक के स्कूलों के पूरी श्रृंखला को शामिल करने की कल्पना की गई है, जिसमें विभिन्न प्रकार के प्रबंधन, भौगोलिक स्थान, आकार, स्कूल के प्रकार आदि के तहत स्कूल शामिल हैं। नेतृत्व कार्यक्रमों में हाल में शामिल मौजूदा स्कूल प्रिंसिपलों और प्राथमिक से उच्च माध्यमिक के शिक्षकों जो सरकारी और सरकारी सहायता स्कूलों में कार्यरत हैं उन्हें भी संबोधित करता है।

केंद्र का मकसद देश के प्रत्येक विद्यालय तक पहुंचना है, जिससे हर स्कूल उत्कृष्ट हो और हर बच्चा शिक्षित हो। केंद्र की अपनी दृष्टि और मिशन निम्नांकित वक्तव्य के रूप में व्यक्त हैः

fotu% Ldwyk ds :ikUrj.k gsrq ubZ ihf<+ ds urkvks dks fodflr djuk ftlls iR;sd cPpk f'kf{kr vkSj iR;sd Ldwy mRÑ"V gksA

fe'ku% xq.koÙkkiw.kZ f'k{kk inku djus ds fy, Ldwy Lrj ij urRo {kerk esa of) ds fy, lLFkk fuekZ.kA

इस मिशन को प्राप्त करने के लिए, रा.वि.ने. केन्द्र, न्यूपा ने एक दीर्घकालिक और सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल क्षेत्रों से सभी स्तरों पर पेशेवरों और व्यवहारकर्त्ताओं की भागीदारी के साथ सतत आधार पर राष्ट्र–व्यापी स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम शुरू किया है।

इसे प्राप्त करने हेतु, केंद्र ने राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर चार प्रमुख कार्यों की अवधारणा की है जो एनसीएसएल कार्यक्रम की रूपरेखा की गतिविधियों में समाहित है।

pkj e[; dk;%

ikBîØe vkSj lkexh fodkl

{kerk fuekZ.k

uVofdZx vkSj lLFkk fuekZ.k

vuqla/kku vkSj fodkl

2016–17 में केंद्र द्वारा पूर्ण गतिविधियां इस प्रकार हैः

LVSM 1% ikBîØe vkSj lkexh fodkl

स्कूल नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रम रूपरेखा और पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क प्रासंगीकरण, अनुकूलन और मणिपुरी में अनुवाद किया।

स्कूल नेतृत्व विकास पर पुस्तिका, प्रासंगीकरण, अनुकूलन और मिजो में अनुवाद किया गया है।

ई–सामग्री, स्व–अधिगम शिक्षण सामग्री, प्राथमिक से माध्यमिक स्कूल प्रमुखों के लिए स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑन लाइन कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम का आकलन के साथ संदर्भ संसाधन सामग्री और प्रक्षेपणों के लिए तैयार है।

पाठ्यक्रम अनुवाद के लिए कार्यशाला और कार्यक्रम की रूपरेखा एवं मराठी हस्तपुस्तिका 15–24 मार्च 2016।

पाठ्यक्रम अनुवाद के लिए कार्यशाला और प्रोग्राम डिजाइन और असमिया में हस्तपुस्तिका 2–6 मई, 2016।

माध्यमिक विद्यालय प्रधानाध्यापकों के लिए स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स के लिए संसाधन पुस्तिका 31 दिसंबर, 2016 को प्रारंभ किया गया।

LVSM 2% {kerk fuekZ.k

Ldwy urRo vkSj çca/ku ij v,uykbu dk;Øe

एनसीएसएल मूडल मंच का उपयोग करके स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम की रूपरेखा और अवधारणा राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र द्वारा की गई हैः (i) ई–कटेन्ट पठन सामग्री या मॉड्यूल के रूप में; (ii) संदर्भ पठन सामग्री पावर प्वाईन्ट प्रस्तुतियाँ, केस स्टडीज, ऑडियो, वीडियो और कई अन्य प्रकार (iii) स्व–अधिगम सामग्री, अभ्यास और गतिविधियाँ और (iv) आकलन के लिये एकाधिक विकल्प वाले प्रश्न, कार्य, व्यवहार अभ्यास, चर्चा मंच और विभाग। ग्रेडिंग प्रणाली एमसीक्यू, सहकर्मी कार्य और चर्चा मंच पर आधारित है। इस कार्यक्रम में 7 पाठ्यक्रम निष्पादित किये जाने हैं। इसमें स्कूल नेतृत्व पर, स्व–विकास अध्यापन–अधिगम रूपांतरण, निर्माण और दल का नेतृत्व, अग्रणी नवाचार, अग्रणी भागीदारी और अग्रणी स्कूल प्रशासन शामिल है। जिस पर विभिन्न इकाइयों को डिजाइन किया गया है। इस कोर्स को बुनिदयादी पाठ्यक्रम के रूप में रखा है। आगे के वर्षों में मध्यम और उन्नत पाठ्यक्रम को डिजाइन किया जाएगा।

प्रतिभागियों के लिए आवश्यक शर्तें कंप्यूटर और इंटरनेट अभ्यास के साथ भागीदारी, प्रश्नों पर विचार, कार्य और चर्चा मंचों में भागीदारी, बुनियादी कौशल, होना है, प्रतिभागियों को अधिगम हेतु एक सप्ताह में न्यूनतम तीन

Ø- l-	xfrfof/k;k	fnukad	Ø- l-	xfrfof/k;k	fnukad
1.	आंध्र प्रदेश राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास	20 जनवरी, 2017	8.	जम्मू और कश्मीर राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास	02 फरवरी, 2017
2.	महाराष्ट्र राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास	21 जनवरी, 2017	9.	उत्तराखंड राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास	18 फरवरी, 2017
3.	झारखंड राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास	24–26 जनवरी, 2017	10.	तेलंगाना राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास	03 मार्च, 2017
4.	मध्य प्रदेश राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास	30–31 जनवरी, 2017	11.	गुजरात राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास	04 मार्च, 2017
5.	छत्तीसगढ़ राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास	02–03 फरवरी, 2017	12.	मेघालय राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास	16–17 मार्च, 2017
6.	मिजोरम राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास	07–09 फरवरी, 2017	13.	असम राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास	21 मार्च, 2017
7.	केरल राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास	09 फरवरी, 2017	14.	गोवा राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास	24 मार्च, 2017

घंटे व्यतीत करने होते हैं और 3–4 महीने के अंतराल में कार्यक्रम को पूरा करता है।

कार्यक्रम न्यूपा वेबसाइट/वेब पोर्टल पर है। केंद्र जल्द ही बेहतर गति और पहुंच के लिए एनआईसी मेघराज क्लाउड पर कार्यक्रम को स्थानांतरित करेगा।

एक दिवसीय परामर्श सह–उन्मुखीकरण कार्यक्रम चयनित राज्यों में ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए स्वीकार्यता, ग्रहणशीलता और तत्परता की जांच करने के लिए केंद्र द्वारा आयोजित किया गया था। आयोजित कार्यक्रम का विवरण नीचे दिया गया है:

jk"Vªh; Lrj dk {kerk fuekZ.k dk;ZØe

- स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर 02–30 जून, 2016 के दौरान एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स।
- स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर 15 जुलाई, 2015 से 15 जुलाई, 2016 के दौरान एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम।
- स्कूल नेतृत्व के लिए अभिविन्यास, जिला और ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों का क्षमता निर्माण, 26–31 दिसंबर, 2016।

jkT; lalk/ku lewg dk jkT; Lrjh; {kerk fuekZ.k dk;ZØe

- असम राज्य में 02–11 मई 2016 के दौरान स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए एसआरजी के दूसरे बैच का क्षमता निर्माण।
- मध्य प्रदेश राज्य में 02–11 जुलाई, 2016 के दौरान स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए एसआरजी के दूसरे बैच का क्षमता निर्माण।

- छत्तीसगढ़ राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए एसआरजी के दो बैचों में क्षमता निर्माण, प्रथम बैचः 26 सितंबर–03 अक्टूबर, 2016 और द्वितीय बैचः 17–23 अक्टूबर, 2016।
- नागालैंड राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए एसआरजी की क्षमता निर्माण, 21 सितंबर–अक्टूबर 01, 2016।
- राजस्थान राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए एसआरजी की क्षमता निर्माण, 17–26 अक्टूबर, 2016।
- उत्तर प्रदेश राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए एसआरजी का क्षमता निर्माण, 15–24 नवंबर, 2016।
- झारखंड राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए एसआरजी की क्षमता निर्माण, 05–14 दिसंबर, 2016।
- जम्मू और कश्मीर राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए एसआरजी की क्षमता निर्माण, 02–12 जनवरी, 2017।
- जम्मू और कश्मीर के डाइट प्राचार्यों के लिए स्कूल नेतृत्व विकास पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 29 जनवरी–03 फरवरी, 2017।
- केरल राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए एसआरजी की क्षमता निर्माण, 04–10 फरवरी, 2017।
- मेघालय राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए एसआरजी की क्षमता निर्माण, 20–29 फरवरी, 2017 और 22–23 फरवरी, 2017।
- गोवा राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए एसआरजी की क्षमता निर्माण, 13–23 मार्च, 2017
- महाराष्ट्र राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए एसआरजी की क्षमता निर्माण, 17–22 जनवरी, 2017।
- झारखंड राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए एसआरजी की क्षमता निर्माण, 24 जनवरी–02 फरवरी, 2017।
- छत्तीसगढ़ में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की प्रतिक्रिया कार्यशाला और समीक्षा, 11–12 अगस्त, 2016।
- मध्य प्रदेश में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की प्रतिक्रिया कार्यशाला और समीक्षा, 26–30 सितंबर, 2016।
- उत्तर प्रदेश में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की प्रतिक्रिया कार्यशाला और समीक्षा, 25–26 नवंबर, 2016।
- त्रिपुरा में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की प्रतिक्रिया कार्यशाला और समीक्षा, 22–25 दिसंबर, 2016।
- सिक्किम में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की प्रतिक्रिया कार्यशाला और समीक्षा, 09–10 जून, 2016।
- ओडिशा में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की प्रतिक्रिया कार्यशाला और समीक्षा, 27 फरवरी–03 मार्च, 2017।
- तेलंगाना में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की प्रतिक्रिया कार्यशाला और समीक्षा, 22–23 अगस्त, 2016 और 27–28 नवंबर, 2016।
- हिमाचल प्रदेश में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की प्रतिक्रिया कार्यशाला और समीक्षा, अक्टूबर 06–07, 2016।
- तमिलनाडु में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की प्रतिक्रिया कार्यशाला और समीक्षा, 27–28 सितंबर, 2016 और 12 अक्टूबर, 2016।
- राजस्थान में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की प्रतिक्रिया कार्यशाला और समीक्षा, 24–25 जनवरी, 2017।

LV‌M 3% uVofdx vkj lLFkkxr fuek.k

- स्कूल नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय समीक्षा और योजना कार्यशाला, फरवरी 21–22, 2017।
- राष्ट्रीय सलाहकार समिति न्यूपा, 28 मार्च, 2017 को एनसीएसएल की बैठक।
- 12 स्कूल नेतृत्व अकादमियाँ 12 राज्यों (असम, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, मिजोरम, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, त्रिपुरा,

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड) में कार्यक्रम की स्थिरता के लिए स्थापित किए गए थे और स्कूल नेतृत्व अकादमियां के मुख्य कार्य हैं:

- ✓ एसआरजी का प्रवर्धन
- ✓ स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स, माध्यमिक विद्यालय के नवनियुक्त स्कूलों के प्रमुखों के लिए अधिष्ठापन कार्यक्रम के रूप में।
- ✓ सर्वोत्तम विद्यालय नेतृत्व प्रथाओं का प्रलेखन।
- ✓ राज्य में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम और स्कूल आधारित परिवर्तन की समीक्षा।

3-1- jkT;ksa esa Ldwy urRo vdknfe;ksa dh LFkkiuk ds fy, ijke'khZ cSBd

- उत्तर प्रदेश में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 25–26 नवंबर, 2016।
- गुजरात में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 18 अप्रैल, 2016।
- हिमाचल प्रदेश में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 25 मई, 2016
- जम्मू और कश्मीर में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 30–31 मई, 2016।
- सिक्किम में स्कूल लीडरशिप अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 11 जून, 2016।
- हरियाणा में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 19 सितंबर, 2016।
- उत्तराखंड में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 20 सितंबर, 2016।
- झारखंड में स्कूल लीडरशिप अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 24–25 जनवरी, 2017।
- मध्य प्रदेश में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 30–31 जनवरी, 2017।
- छत्तीसगढ़ में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 02–03 फरवरी, 2017
- मिजोरम में स्कूल लीडरशिप अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 07–09 फरवरी, 2017।
- केरल में स्कूल लीडरशिप अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 10 फरवरी, 2017।
- आंध्र प्रदेश में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 19 जनवरी, 2017।
- तेलंगाना में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 23–24 फरवरी, 2017।

LV¶M 4½ vuqla/kku vkSj fodkl

19 राज्यों के स्कूल प्रमुखों की 40 सर्वोत्तम प्रथाओं का संग्रह।

mPp f'k{kk uhfr vuqla/kku dsaæ ¼lhihvkj,pbZ½

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सीपीआरएचई) भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नीति अनुसंधान और समर्थन नीति और नियोजन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा एक विशेष संस्थान के रूप में स्थापित किया गया है। भारत में उच्च शिक्षा की योजना और नीति बनाने में एक विचार मंच के रूप में कार्य करने के लिए सीपीआरएचई का व्यापक मिशन है। केंद्र नीति, योजना की तैयारी में मदद और भारत में उच्च शिक्षा के विकास के लिए कार्यक्रमों की रूपरेखा के लिए अनुसंधान साक्ष्य के सृजन में योगदान की अपेक्षा रखता है। केंद्र वर्तमान राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर अपनी गतिविधियों और अनुसंधानों को केंद्रित करता है।

केंद्र की नियमित गतिविधियों निम्नलिखित हैं:

i) विनिर्दिष्ट क्षेत्रों में अनुसंधान परियोजनाओं का आयोजन;

ii) नीतिगत संवादों का आयोजन;

iii) इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट (आईएचईआर) का वार्षिक प्रकाशन;

iv) एक चयनित विषय पर प्रतिवर्ष एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का संगठन; और

v) प्रत्येक वर्ष एसएचईसी के अध्यक्षों और उपाध्यक्षों की बैठक का आयोजन।

वर्ष 2016–17 की गतिविधियों में निम्नलिखित शोध अध्ययन विषयों को क्रियान्वित किया:

1) उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और भेदभाव

2) भारत में उच्च शिक्षा का प्रबंधन और प्रशासन

3) भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम

4) भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्तपोषण: धन का प्रवाह और उसके उपयोग का अध्ययन

5) भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता: बाहरी और आंतरिक गुणवत्ता का अध्ययन

6) भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार

7) उच्च शिक्षा की सफलता और सामाजिक गतिशीलता: अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के लिए कोचिंग योजनाओं पर एक अध्ययन

8) उच्चतर और तकनीकी संस्थानों की एकाग्रता और अधिपूर्ति

9) शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) के कार्यान्वयन का मूल्यांकन

Hkkjr mPp f'k{kk fjikVZ ¼vkbZ,pbZvkj½ 2016] द्वितीय 'भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2016' उच्च शिक्षा में समता पर केंद्रित है। आईएचईआर 2016 सेज, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित की जा रही है।

Hkkjr mPp f'k{kk fjikVZ ¼vkbZ,pbZvkj½ 2017% केंद्र ने सहकर्मी समीक्षा बैठक का आयोजन किया और गुणवत्ता और शिक्षण–अधिगम पर आईएचईआर रिपोर्ट 2017 की पांडुलिपि का मसौदा संस्करण तैयार किया, जिसे 2018 की शुरुआत में सेज, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित किया जाएगा।

mPp f'k{kk dk foÙkiks"k.k esa uokpkj ij varjkZ"Vªh; laxks"Bh% ब्रिटिश काउंसिल के साथ संयुक्त रूप से विभिन्न देशों के लगभग 100 शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं ने उच्च शिक्षा के वित्तपोषण के वैकल्पिक साधनों को विकसित करने में उनके विविध अधिगम अनुभवों को साझा करने हेतु संगोष्ठी आयोजित, 16–17 फरवरी, 2017।

Nk= fofo/krk vkSj HksnHkko ij jk"Vªh; laxks"Bh% सीपीआरएचई अनुसंधान परियोजना 'छात्र विविधता और भेदभाव' के आधार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 27–28

फरवरी, 2017 को आयोजित की गई। संगोष्ठी के उद्देश्य विविधता, इक्विटी और भारत में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में भेदभाव पर एक राष्ट्रीय बातचीत शुरू करने के लिए किया गया था। संगोष्ठी का आयोजन एक साथ शिक्षाविदों, शिक्षाविद और नीति निर्माताओं को छात्र जनसंख्या की सामाजिक विविधता के बदलते स्वरूप पर संस्थागत प्रतिक्रिया और एक धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक स्थान के रूप में भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों के रूपांतरण हेतु किया गया।

lxk"Bh fjikVZ% ज्ञान साझा करने और प्रसार करने हेतु, सीपीआरएचई केंद्र द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों की रिपोर्ट प्रकाशित की गई। एन.वी. वर्गीज और सायंतन मंडल, सीपीआरएचई/न्यूपा और ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली, 2016 की रिपोर्ट अध्यापन अधिगम और उच्च शिक्षा में नई प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रकाशित की गई।

'kks/k i=% केंद्र ने एक अनुसंधान आलेख श्रृंखला का प्रकाशन प्रारंभ किया और चार अनुसंधान दस्तावेज़ 2016–17 की अवधि के दौरान इस श्रृंखला के तहत प्रकाशित किए गए।

i.k ifj;kstukvksa dh vuqla/kku fjiksVZ% यह केंद्र शुरू किये गये अनुसंधान कार्यों और पूर्ण अनुसंधान कार्यों की रिपोर्ट प्रकाशित करता है। केंद्र में निम्नलिखित शोध रिपोर्ट उपलब्ध हैं:

i) f'k{kd vkj f'k{k.k ij ifMr enu eksgu ekyoh; jk"Vh; fe'ku ¼ih,e,e,e,u,eVhVh½ ;kstuk% एक मूल्यांकन, एन.वी. वर्गीज, अनुपम पचौरी और सायंतन मंडल, नई दिल्ली, सीपीआरएचई/न्यूपा, 2017।

ii) mPp f'k{kk e| fofo/krk vkj HkknHkko% भारत के चयनित राज्यों में संस्थानों का अध्ययन, निधि एस. सभरवाल और सी.एम. मलिश, नई दिल्ली, सीपीआरएचई/न्यूपा, 2016।

iii) mPp f'k{kk e| fofo/krk vkj HkknHkko% प्रोफेसर आशा सिंह, डॉ. फज़ल अहमद और डॉ. बर्ना गांगुली, द्वारा बिहार में चयनित संस्थानों का एक अध्ययन, नई दिल्ली सीपीआरएचई/न्यूपा, 2016।

iv) mPp f'k{kk e| fofo/krk vkj HkknHkko% उत्तर प्रदेश में चयनित संस्थाओं का एक अध्ययन, प्रोफेसर निधि बाला, डा. श्रवण कुमार और डा. रोमा स्मार्ट जोसेफ, नई दिल्ली, सीपीआरएचई/न्यूपा 2016।

v) mPp f'k{kk e| fofo/krk vkj HkknHkko% कर्नाटक में चयनित संस्थाओं का अध्ययन, डा. श्रीजीत अलाथुर, प्रोफेसर ए.एच. सिक्येरिया और डा. बी. वी. गोपालकृष्ण, नई दिल्ली, सीपीआरएचई/न्यूपा, 2016।

vi) mPp f'k{kk e| fofo/krk vkj HkknHkko% महाराष्ट्र में चयनित संस्थानों का अध्ययन, डा. एच.ए. हुड्डा, डा. ए.वी. तलमाले और डा. ए.सी. बंकर, नई दिल्ली, सीपीआरएचई/न्यूपा, 2016।

vii) mPp f'k{kk e| fofo/krk vkj HkknHkko% केरल में चयनित संस्थानों का अध्ययन, प्रोफेसर के.एक्स. जोसेफ़, डा. टी.डी. साइमन और डा. के. राजेश, नई दिल्ली, सीपीआरएचई/न्यूपा, 2016।

viii) mPp f'k{kk e| fofo/krk vkj HkknHkko% दिल्ली में चयनित संस्थानों का एक अध्ययन डा. सी. वी. बाबू और डा. सत्येंद्र ठाकुर, नई दिल्ली, सीपीआरएचई/न्यूपा, 2016।

एकक

Ldy ekud vkj eY;kdu ,dd% स्कूल मानक और मूल्यांकन एकक मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में स्कूल मानक और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (शाला सिद्धि) में अग्रणी भूमिका अदा कर रहा है। एडनेक्स्ट के भाग के रूप में – स्कूल शिक्षा में आईसीटी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शाला सिद्धि 7 नवंबर, 2015 को माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा शुरु किया गया था।

'kkyk flf)% x|.koÙkk l|/kkj d| fy, Ldy eY;kdu dh fn'kk e| ,d igy

स्कूलों की महत्वपूर्ण भूमिका, इसकी प्रभावशीलता और सुधार के संदर्भ में बदलती शिक्षा के संदर्भ में सभी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है। सीखने के लिए संस्थागत स्थान के रूप में स्कूल को अब शिक्षार्थियों के प्रदर्शन में सुधार करने और शैक्षिक उद्देश्यों को महसूस करने के लिए महत्वपूर्ण एजेंसी के रूप में मान्यता प्राप्त है। इसलिए, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा की मांगों को पूरा करने के लिए, व्यापक और समग्र स्कूल मूल्यांकन प्रणाली पर जोर दिया जा रहा है, जो कि स्कूल सुधार की पहल है।

इस प्रयास के तहत, न्यूपा ने स्कूल मानकों और मूल्यांकन पर एक एकक समर्पित किया है। यह एकक शाला सिद्धि–अनुसंधान और विकास, क्षमता निर्माण और तैयारी, संस्थागत व्यवस्था और रणनीतिक योजना और कार्यान्वयन से संबंधित चार प्रमुख गतिविधियों में कार्यरत है। कार्यक्रम प्रवर्धन के माध्यम से देश के सभी स्कूलों तक पहुँच बनाता है और अंततः राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा एक स्थायी वार्षिक कार्य के रूप में स्कूल मूल्यांकन कर रहा है। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने अलग–अलग समय पर शाला सिद्धि कार्यक्रम को लागू किया है, इसलिए उनकी प्रगति के विभेदक स्तर अग्रणी है।

शाला सिद्धि कार्यक्रम बनाने का मुख्य उद्देश्य मानकों और प्रक्रियाओं के एक सहमत सेट को स्थापित करना और संदर्भित करना है जिसे सभी स्कूलों को एक स्थायी तरीके से प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। यह माध्यम के रूप में "स्कूल मूल्यांकन और लक्ष्य के रूप में स्कूल सुधार" की कल्पना करता है। स्कूल मूल्यांकन का यह दृष्टिकोण स्कूलों को एक वृद्धिशील तरीके से सुधार के लिए उनकी ताकत और अवसरों को समझने की सुविधा देता है।

çe|[k mís';

शाला सिद्धि कार्यक्रम बनाने के प्रमुख उद्देश्य हैंः

1. मानकों और प्रक्रियाओं के एक सहमत सेट को स्थापित करने और संदर्भित करने के लिए जिसे

सभी स्कूलों को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

2. एक तकनीकी रूप से वैचारिक ढांचे, कार्यप्रणाली, उपकरणों और स्कूल मूल्यांकन की प्रक्रिया को विकसित करने के लिए जो भारतीय स्कूलों की विविधता के अनुरूप हो।
3. स्थायी और सतत तरीके से स्कूल सुधार के लिए अग्रणी स्व और बाह्य मूल्यांकन को संस्थागत बनाने के लिए प्रणाली और स्कूलों की क्षमता विकसित करना।
4. स्कूल सुधार के लिए अग्रणी कार्रवाई के प्राथमिकता के लिए सहायक साक्ष्यों के आधार पर सामूहिक रूप से व्यावसायिक निर्णय लेने के लिए प्रत्येक स्कूल को सशक्त बनाना।
5. उपयुक्त नीतिगत हस्तक्षेप के माध्यम से स्कूल की विशिष्ट आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायी होने के लिए प्रणाली को सुविधाजनक बनाना।
6. एक पारदर्शी और जवाबदेह स्कूल शिक्षा प्रणाली के निर्माण के लिए साक्ष्य आधारित निर्णय लेने और नीति निर्माण को सक्षम करना।

çeq[k miyfC/k ¼2016&2017½

शाला सिद्धि कार्यक्रम के विकास की प्रक्रिया ने बहुत व्यवस्थित दृष्टिकोण का पालन किया। यह सबूतों के आधार पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शोधों द्वारा दृढ़ता से समर्थित है। कार्यक्रम *"सभी बच्चे सीख सकते हैं"* और *"सभी स्कूल में सुधार कर सकते हैं"* की धारणा पर आधारित है। यह कार्यक्रम आगे 1.53 मिलियन विविध भारतीय स्कूलों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने और उन्हें सुधार के लिए कार्रवाई करने की सुविधा प्रदान करने के लिए कार्यप्रणाली पर ध्यान केंद्रित करता है।

तालिका 1 : 2016–17 में मुख्य उपलब्धियाँ

lky	fØ;k,¡
	vuqla/kku vkSj lkexzh fodkl% vo/kkj.kk] dk;Zç.kkyh vkSj :ijs[kk dk fodkl
2016-17	• स्कूल मूल्यांकन पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार की समीक्षा – सबक सीखा • भारत में संस्थागत स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन: एक परियोजना का प्रस्ताव • स्कूल मानक और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (कार्यक्रम दस्तावेज) • स्कूल मानक और मूल्यांकन ढांचा • स्कूल मूल्यांकन डैशबोर्ड • स्कूल मानक और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (सूचना विवरणिका)
	vuqdyu] lkexzh vkSj nLrkostksa dk lnHkhZdj.k vkSj vuqokn
2016-17	• स्कूल मानक और मूल्यांकन रूपरेखा (16 भाषाएँ) • स्कूल मूल्यांकन डैशबोर्ड (16 भाषाएँ) • स्कूल मानक और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (कार्यक्रम) • दस्तावेज) (16 भाषाएँ) • स्कूल मानक और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (सूचना विवरणिका) • (16 भाषाएँ) • प्रत्येक स्कूल को शाला सिद्धि दस्तावेजों का मुद्रण और वितरण • (ऑनलाइन और हार्ड कॉपी)
	vkbZVh leFkZr lgk;rk
2016-17	• शाला सिद्धि के लिए आईटी सक्षम सहायता –वेब पोर्टल फिल्मों और डिजीटल सामग्री का विकास और विकास

	jk"Vh; lykgdkj cBd vkj fo'k"kK dk;l'kkyk,i
	• स्कूल मूल्यांकन के लिए अवधारणा, रणनीतियों और ढांचे को विकसित करने के लिए सर्वसम्मति बनाने के लिए राष्ट्रीय सलाहकार बैठक और विशेषज्ञ समूह कार्यशालाओं की श्रृंखला का आयोजन किया।
	jkT; fof'k"V {kerk fuekZ.k dk;Øe
	• न्यूपा ने 34 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रमों हेतु सुविधा प्रदान करी। • कार्यान्वयन के लिए तैयारियों का निर्माण करने के लिए राज्यों/संघ शासित प्रदेशों ने जिला/ब्लॉक और क्लस्टर स्तर पर कार्यशालाओं की श्रृंखला का आयोजन किया। • स्व–मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए स्कूलों को सहायता प्रदान करना और डैशबोर्ड की हार्ड कॉपी भरना।

Ldy vkdyu vkj eY;kdu d fy, nLrkot dk vuql/kku vkj fodkl

1. Ldy eY;kdu ij jk"Vh; vkj vrjk"Vh; çFkkvk dh leh{kk &lcd l lh[k
2. 'kkyk flf)&Ldyh ekud vkj eY;kdu ij vk/kkfjr dk;Øe –एक कार्यक्रम दस्तावेज़ तैयार किया।
3. Ldy ekud vkj eY;kdu ¼'kkyk flf)½ ij jk"Vh; dk;Øe –विवरणिका तैयार की गई।
4. 'kkyk flf) &Ldy ekud vkj eY;kdu Ýeodl ¼,l,lbl,Q½ –स्कूल मानक और मूल्यांकन फ्रेमवर्क स्कूल मूल्यांकन के लिए एक व्यापक उपकरण के रूप में विकसित हुआ। यह स्कूलों को केंद्रित और रणनीतिक तरीके से अच्छी तरह से परिभाषित मानदंडों के अनुरूप अपने महत्वपूर्ण प्रदर्शन क्षेत्रों का मूल्यांकन करने में सक्षम बनाता है। फ्रेमवर्क सात मुख्य आयामों की पहचान करता है और मूल्यांकन और सुधार के लिए कार्रवाई हेतु संदर्भ बिंदु के रूप में 46 बुनियादी मानकों की भी पहचान करता है।
5. Ldy eY;kdu M'kckMl – स्कूल में सुधार के लिए कार्रवाई के साथ–साथ स्कूल की व्यापक मूल्यांकन रिपोर्ट।
6. Ldy Lo&eY;kdu d fy, fn'kkfunl'k & दिशानिर्देश का उद्देश्य स्कूल के स्व–मूल्यांकन प्रक्रिया को क्रमबद्ध और निर्देशित तरीके से सुविधाजनक बनाना है। स्कूलों को सटीक पेशेवर निर्णय लेने के लिए दिशानिर्देश का पालन करने की आवश्यकता है।
7. Ldy cká&eY;kdu d fy, fn'kkfunl'k – दिशानिर्देश का उद्देश्य स्कूल के बाह्य–मूल्यांकन प्रक्रिया को क्रमबद्ध और निर्देशित तरीके से सुविधाजनक बनाना है। स्कूलों को सटीक पेशेवर निर्णय लेने के लिए दिशानिर्देश का पालन करने की आवश्यकता है।
8. oc ikVy e Ldy Lo&eY;kdu M'kckMl viykM dju d fy, mi;kxdrk iqfLrdk
9. dk;kUo;u j.kuhfr vkj i;lo{k.k :ijs[kk& प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लिए एक विस्तृत *''कार्यान्वयन रणनीति और पर्यवेक्षण रूपरेखा''* विकसित और संचारित की गई। न्यूपा ने 33 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम की सुविधा प्रदान की।

vkbl-Vh- l{ke leFku &oc ikVy fodkl vkj çcU/ku

शाला सिद्धि एक समर्पित और इंटरैक्टिव वेब पोर्टल द्वारा समर्थित है। वेब पोर्टल में प्रोग्राम संबंधी सभी दस्तावेज होते हैं जिन्हें सभी उपयोगकर्ताओं द्वारा डाउनलोड किया जा सकता है। वेब पोर्टल में एक इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म है, जिसमें प्रत्येक स्कूल अपनी स्व–मूल्यांकन रिपोर्ट ऑनलाइन जमा कर सकता है। बाह्य मूल्यांकनकर्ताओं को अपनी मूल्यांकन रिपोर्ट प्रदान करने के लिए उसी वेब पोर्टल का उपयोग करने की आवश्यकता होती है। एक समेकित स्कूल मूल्यांकन रिपोर्ट स्व और बाह्य रिपोर्ट दोनों को मिलाकर ऑनलाइन बनाई जाती है।

वेब पोर्टल का मुख्य उद्देश्य स्कूल के प्रदर्शन से संबंधित जानकारी और सार्वजनिक क्षेत्र में ग्रेडिंग रिपोर्ट उपलब्ध कराना है। व्यवसायी, नीति निर्माता, अन्य सभी हितधारक जानकारी उपयोग कर सकते हैं, इस प्रकार पारदर्शिता और स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। डेटा की गतिशील प्रकृति उपयोगकर्ताओं के लिए लचीलापन सुनिश्चित करती है। स्कूल मूल्यांकन डेटा का उपयोग बहु–सांस्कृतिक अनुसंधान के लिए भी किया जा सकता है।

शाला सिद्धि कार्यक्रम एक समर्पित और उपयोगकर्ता के अनुकूल वेब पोर्टल (www-shaalasiddhi-nuepa-org) द्वारा समर्थित है। निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध हैं:

1. भाषा विकल्पों के साथ सभी शाला सिद्धि कार्यक्रम संबंधी दस्तावेज;
2. सभी पावर पॉइंट और वीडियो;
3. कार्यक्रम संबंधित स्थिति रिपोर्ट;
4. स्व–मूल्यांकन डैशबोर्ड अपलोड करने के लिए प्रत्येक स्कूल के लिए लॉगिन सुविधाएं;
5. बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं के लिए प्रवेश की सुविधा;
6. विविध प्रकृति की गतिशील रिपोर्ट

6-1 Ldy eY;kdu fjikV

- व्यक्तिगत स्कूल की स्व–मूल्यांकन रिपोर्ट
- बाहरी–मूल्यांकन रिपोर्ट
- समेकित रिपोर्ट

6-2 fLFkfr vkj fuxjkuh fjikV

- राष्ट्रीय, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों, जिलों, ब्लॉकों इत्यादि पर पर्यवेक्षण हेतु स्थिति रिपोर्ट।

6-3 xfMx fjikV

- प्रत्येक स्कूल, ब्लॉक, जिला, राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों और राष्ट्रीय समेकित ग्रेडिंग रिपोर्ट (ए–बी–सी)
- विभिन्न स्तरों के लिए समेकित ग्रेडिंग रिपोर्ट (ए–बी–सी)–प्रारंभिक, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक
- विभिन्न प्रबंधन–सरकार, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी के लिए समेकित ग्रेडिंग रिपोर्ट (ए–बी–सी)
- प्रत्येक महत्वपूर्ण प्रदर्शन आयाम/क्षेत्रों पर ग्रेडिंग रिपोर्ट (ए, बी, सी) प्रत्येक महत्वपूर्ण प्रदर्शन आयाम के अनुरूप स्कूल के प्रदर्शन को समझने के लिए।
- स्कूल, ब्लॉक, जिला, राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों और राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक मुख्य मानकों पर स्तरवार (LI-II-III) रिपोर्ट तैयार की गई है।

{kerk fuek.k dk;Øe

सही अर्थों में शाला सिद्धि कार्यक्रम को लागू करने के लिए तैयारियों का निर्माण करने के लिए राष्ट्रीय, राज्य, जिला ब्लॉक और क्लस्टर स्तरों पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया गया। लगभग 1.5 लाख शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों, प्रधान शिक्षकों और शिक्षकों सहित तैयारियों, रणनीतिक योजना और शाला सिद्धि कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए प्रशिक्षित किया गया।

- राष्ट्रीय स्तरः न्यूपा ने राष्ट्रीय सलाहकार की श्रृंखला राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा अधिकारियों, स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों के लिए रणनीतियों, नवाचारों और मुद्दों पर अनुभवों के आदान–प्रदान करने, शाला सिद्धि कार्यक्रम की चुनौतियों पर विचार–विमर्श हेतु आयोजित किया।
- राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रमः एक बड़ी पहल के रूप में, न्यूपा ने शाला सिद्धि कार्यक्रम को लागू करने के लिए राज्य स्तरीय क्षमता निर्माण कार्यशालाओं और कोर ई समूह की बैठकों की सुविधा प्रदान की। कार्यक्रम 32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पहले ही पूरा हो चुका है। इन क्षमता निर्माण कार्यक्रमों ने कार्यक्रम को सही परिप्रेक्ष्य में लागू करने के लिए गति पैदा की है।
- जिला, ब्लॉक, क्लस्टर और स्कूलः सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने स्व–मूल्यांकन प्रक्रिया में संलग्न करने हेतु स्कूलों की सुविधा के लिए विभिन्न स्तरों पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

Lo&eY;kdu dk fy, Ldyk dh r;kjh vkj lyXurk

- सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने स्कूल स्व–मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू की है। प्रत्येक स्कूल

को शाला सिद्धि दस्तावेजों का मुद्रण और वितरण (ऑनलाइन और हार्ड कॉपी) किया गया।

- स्व मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए स्कूलों को सहायता प्रदान करना और डैशबोर्ड की हार्ड कॉपी भरना
- वेब पोर्टल पर स्व–मूल्यांकन डैशबोर्ड अपलोड करना
- ऑनलाइन स्कूल स्व–मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार करना
- स्कूल ग्रेडिंग रिपोर्ट कार्ड

'kkyk flf) dk;Øe dk dk;kUo;u vkj lLFkkxrdj.k

U;ik }kjk jk"Vh; igy

1. न्यूपा में स्कूल मानकों और मूल्यांकन पर एक समर्पित एकक की स्थापना;
2. शाला सिद्धि कार्यक्रमों को समग्र मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय तकनीकी समूह (एनटीजी) का गठन;
3. संबंधित राज्यों द्वारा शाला सिद्धि के संस्थागतकरण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए स्कूल मूल्यांकन के लिए सामग्री विकसित करने के लिए एक सामूहिक मंच प्रदान करने, जागरूकता पैदा करने, क्षमता निर्माण करने और तैयार करने के लिए राष्ट्रीय सलाहकार बैठक की संगठित श्रृंखला;
4. सामग्री के विकास और दस्तावेजों के अनुवाद के लिए कार्यशालाओं की श्रृंखला आयोजित करी;
5. क्षमता विकास के लिए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विशिष्ट विशिष्ट कार्यशालाएँ और शाला सिद्धि कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तैयार करना।

वर्ष के दौरान आयोजित कार्यशालाएं (अप्रैल 2016–मार्च 2017)
स्कूल मानक और मूल्यांकन एकक (यूएसएएसई)

rkfydk&2% U;ik }kjk dk;Øe

Ø-l-	dk;Øe dk uke	fnukd	çfrHkkfx;ksa dh la[;k
1.	शाला सिद्धि के दस्तावेजों के अनुवाद के लिए कार्यशालाएँ – एसएसई फ्रेमवर्क, डैश बोर्ड और सूचना विवरणिका हिंदी में	20–25 जून, 2016	15
2.	शाला सिद्धि के दस्तावेजों के अनुवाद के लिए कार्यशालाएँ – एसएसई फ्रेमवर्क, डैश बोर्ड और सूचना विवरणिका हिंदी में	27–30 जून 2016	14
3.	स्व और बाह्य मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने और अनुवाद पर कार्यशालाएं	21–23 फरवरी, 2017	6
4.	स्व और बाह्य मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने और अनुवाद पर कार्यशालाएं	07–10 मार्च, 2017	7
5.	शाला सिद्धि पर राष्ट्रीय परामर्शी बैठक (स्कूल मानक और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम)	06–07 फरवरी, 2017	155

rkfydk&3% jkT; fof'k"V {kerk fuekZ.k dk;ZØe

Ø- l-	dk;ZØe dk uke	jkT;ksa dk uke	U;wih }kjk jkT; fof'k"V 'kkyk fl) dk;Z'kkyk	çfrHkkfx;ksa dh la[;k
1	आंध्र प्रदेश के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	आंध्र प्रदेश	02 नवंबर 2016	179
2	असम के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	असम	28–29 सितंबर, 2016	371
3	चंडीगढ़ के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	चंडीगढ	16 नवंबर 2016	170
4	छत्तीसगढ़ के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	छत्तीसगढ़	5–6 अक्टूबर, 2016	75
5	दादरा और नगर हवेली के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	दादरा और नगर हवेली	26–27 अगस्त, 2016	60
6	दमन और दीव के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	दमन और दीव	अगस्त 26–27, 2016	120
7	दिल्ली के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	दिल्ली	06 अगस्त, 2016	3150
8	गोवा के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	गोवा	22–23 सितंबर, 2016	221
9	गुजरात के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	गुजरात	28–29 मार्च, 2017	170
10	हरियाणा के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	हरियाणा	17 नवंबर, 2016	30
11	हिमाचल प्रदेश के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	हिमाचल प्रदेश	10–11 नवंबर, 2016	110
12	जम्मू और कश्मीर के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	जम्मू और कश्मीर	28–29 नवंबर, 2016	56
13	झारखंड के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	झारखंड	08–09 दिसंबर, 2016	160
14	केरल के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	केरल	28–29 नवंबर, 2016	60
15	महाराष्ट्र के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	महाराष्ट्र	11 जनवरी 2016	200

Ø- l-	dk;Øe dk uke	jkT;ksa dk uke	U;ik }kjk jkT; fof'k"V 'kkyk fl f) dk;Z'kkyk	çfrHkkfx;ksa dh la[;k
16	मणिपुर के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	मणिपुर	2–3 सितंबर, 2016	400
17	मेघालय के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	मेघालय	18 जनवरी, 2016	70
18	मिजोरम के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	मिजोरम	10–11 जनवरी, 2017	92
19	नागालैंड के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	नागालैंड	20–21 अक्टूबर, 2016	114
20	ओडिशा के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	ओडिशा	22–23 नवंबर, 2016	75
21	पुडुचेरी के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	पुडुचेरी	24–26 फरवरी, 2016	26
22	पंजाब के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	पंजाब	15 नवंबर, 2016	35
23	राजस्थान के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	राजस्थान	27 अक्टूबर, 2016	120
24	सिक्किम के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	सिक्किम	4–5 नवंबर, 2016	62
25	तमिलनाडु के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	तमिलनाडु	19 सितंबर, 2016	413
26	तेलंगाना के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	तेलंगाना	04–05 सितंबर, 2016	125
27	त्रिपुरा के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	त्रिपुरा	5–6 दिसंबर, 2016	55
28	उत्तर प्रदेश के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	उत्तर प्रदेश	24–25 अक्टूबर, 2016	30
29	उत्तराखंड के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	उत्तराखंड	23 अगस्त 2016	65
30	पश्चिम बंगाल के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	पश्चिम बंगाल	16–17 दिसंबर, 2016	52

तालिका-4: राज्यों द्वारा स्कूल मानकों और मूल्यांकन रूपरेखा का अनुवाद

Ø-l-	jkT;k dk uke	lnHkZ vkj vuqokn	fLFkfr	lekiu dh frfFk
1.	आंध्र प्रदेश	तेलुगू	पूर्ण	14–11–2016
2.	असम	असमिया, बोडो	पूर्ण	16–11–2016
3.	कर्नाटक	कन्नड़	जारी	जारी
4.	केरल	मलयालम	पूर्ण	20–03–2017
5.	महाराष्ट्र	मराठी	पूर्ण	20–03–2016
6.	ओडिशा	ओडिया	पूर्ण	16–01–2017
7.	पंजाब	पंजाबी	पूर्ण	07–08–2016
8.	तमिलनाडु	तमिल	पूर्ण	16–08–2016
9.	तेलंगाना	तेलुगु	पूर्ण	18–12–2016
10.	त्रिपुरा	बंगला	पूर्ण	25–01–2017
11.	पश्चिम बंगाल	बंगला	पूर्ण	20–12–2016
12.	न्यूपा द्वारा विकसित शाला सिद्धि दस्तावेज	अंग्रेजी	पूर्ण	17–05–2015
13.	न्यूपा द्वारा विकसित शाला सिद्धि दस्तावेज	हिंदी	पूर्ण	29–12–2016

ifj;kstuk izca/ku ,dd ¼ih-,e-;w-½ राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) समर्थन और गृह स्तर प्रबंधन एवं प्रायोजित अनुसंधान के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।

यह एकक शिक्षा नीति और शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (व्यक्ति शोध) के क्षेत्र में अध्ययन के लिए न्यूपा सहायता योजना के कार्यान्वयन हेतु न्यूपा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और अध्ययन सेमिनार, मूल्यांकन आदि के लिये अनुदान सहायता योजना विभाग के सभी बाह्य वित्त–पोषित और आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं के उचित समन्वय के लिये प्रशासन की एक केन्द्रीकृत प्रणाली के रूप में कार्य करता है।

यह एकक सामान्य रूप से, परियोजना अनुमोदन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिये परियोजना कार्यान्वयन में प्रगति की निगरानी और संबंधित समर्थन सेवाएँ प्रदान करने सहित न्यूपा में किए गए विभिन्न परियोजनाओं के प्रबंधन के लिये प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है। यह सभी मामलों में धन और घरेलू व्यय के लेखा सहित न्यूपा – परियोजना भर्ती और नियुक्तियों से संबंधित मुद्दों को संबोधित करता है।

पीएमयू विभिन्न परियोजनाओं के लेखांकन, परियोजना स्टाफ की भर्ती, बजट के अलावा विश्वविद्यालय में चल रहे और पूर्ण अनुसंधान परियोजनाओं से संबंधित सभी कार्य की देखभाल करता है।

पीएमयू एकक में अध्यक्ष, कुलपति द्वारा चयनित किया जाता है। इसके अलावा पांच अन्य अकादमिक तथा समर्थन स्टाफ भी चयनित किये जाते हैं। समर्थन स्टाफ में परियोजना परामर्शदाता, परियोजना प्रबंधक तथा कनिष्ठ परामर्शदाता सम्मिलित हैं।

भारत अफ्रीका संस्थान

Hkkjr vÝhdk 'kSf{kd ;kstuk ,oa iz'kklu laLFkku ¼vkbZ-,-vkbZ-bZ-ih-,½ %

भारत अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान अप्रैल 2008 में आयोजित भारत–अफ्रीका मंच सम्मेलन के संकल्पों के कार्यान्वयन हेतु बनाई गई कार्यवाई योजना के ढांचे के अंतर्गत स्थापित एक अखिल अफ्रीकी संस्था है। यह संस्थान बुरूण्डी गणराज्य की राजधानी बुजुम्बुरा में स्थित है। राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), भारत सरकार की तरफ से आईएआईईपीए की स्थापना, संचालन तथा प्रबंधन संबंधी कार्य कर रहा है। इस संस्थान का मुख्य कार्य क्षमता विकास करना है। इसके शैक्षणिक कार्यक्रमों/गतिविधियों का प्रथम चरण भवन नवीनीकरण और परिसर विकास संबंधी अन्य गतिविधियों के पूरा होने के तीन–चार माह बाद ही शुरु करने का प्रस्ताव है।

इसके प्रथम चरण में निम्नलिखित गतिविधियां शामिल होंगी– (i) अफ्रीकी संघ सदस्य देशों की शैक्षिक योजनाकारों और प्रशासकों को प्रशिक्षण प्रदान करना, (ii) शैक्षिक नीति शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में अफ्रीकी संघ सदस्य देशों की शिक्षा प्रणाली से संबंधित मुद्दों पर शोध और केस अध्ययन, (iii) देश और क्षेत्र/महाद्वीप स्तरों पर शिक्षा के विकास की प्रवृत्तियों का विश्लेषण और आकलन, (iv) अफ्रीका संघ देशों को क्षमता विकास और शोध से संबंधित विशिष्ट शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन की जरूरतों को पूरा करने में तकनीकी सहायता प्रदान करना, (v) अफ्रीकी संघ देशों में शैक्षिक योजना और प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए परस्पर अनुभवों और कार्य व्यवहारों को साझा करना, (vi) अफ्रीका और अफ्रीका के बाहर के शिक्षा शोध से जुड़े शोधकर्त्ताओं तथा संस्थानों का नेटवर्क बनाना, (vii) सामान्यतः शैक्षिक विभाग और विशेषकर अफ्रीका संघ सदस्य देशों में शैक्षिक योजना एवं प्रबंधन संबंधी मुद्दों पर नीतिगत परिसंवाद।

इसके प्रथम चरण के दौरान आयोजित कार्यक्रमों/गतिविधियों के विस्तार के साथ दूसरे चरण के दौरान संस्थान शैक्षिक योजना और प्रशासन पर लम्बी अवधि का उन्नत डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित करेगा जिसमें अफ्रीका संघ सदस्य देशों के प्रशिक्षित शैक्षिक योजनाकारों और प्रशासकों में बढ़ोतरी के लिये समिश्रित उपागम पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शामिल किए जाएंगे।

अकादमिक अनुसमर्थन सेवा एकक

iqLrdky; vkSj izys[ku dsUnz vkSj fMftVy vfHkys[kkxkj% राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में एक अत्याधुनिक पुस्तकालय है जिसमें शैक्षिक नीति, शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन और अन्य सहायक विषयों से संबंधित पुस्तकों और अन्य सामग्री का समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र अपने पाठकों को विभिन्न सेवाएं जैसे–सीएएस, एसडीआई, संदर्भ सेवाएं वेब ओपैक, प्रसारण और फोटोकापी की सुविधाएं प्रदान करता है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर संसाधनों की साझेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डेलनेट का सदस्य भी है। वर्तमान में पुस्तकालय में अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों, जैसे–यूएनओ, यूएनडीपी, यूनेस्को, आईएलओ, यूनीसेफ, विश्व बैंक, ओईसीडी आदि द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों की रिपोर्टों के अलावा 59,208 से अधिक पुस्तकों/दस्तावेज़ों तथा 7,616 जर्नलों का समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय में शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन तथा अन्य सहायक क्षेत्रों से संबंधित 250 जर्नल मंगाए जाते हैं। इसके अलावा पुस्तकालय पाठकों के लिए ऑन लाइन जर्नल डाटाबेस, जैसे–जेएसटीओआर, एलसेवियर और सेज भी मंगाता है। न्यूपा के प्रलेखन केंद्र में अधिकारिक रिपोर्टों, केंद्र तथा राज्य सरकारों के प्रकाशनों, शैक्षिक सर्वेक्षणों, पंचवर्षीय योजनाओं और जनगणना रिपोर्टों आदि सहित लगभग 17,993 दस्तावेज हैं। प्रलेखन केंद्र के पास महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टें और शैक्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट हैं जो शैक्षिक शोध अेर नीति निर्माण के लिए जरूरी हैं। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में एक डिजीटल अभिलेखागार बनाया गया है। भारत में शिक्षा के सभी क्षेत्रों, स्तरों और पक्षों पर शोध और संदर्भ के स्रोत के रूप में एक स्थान पर सभी दस्तावेजों की साफ्टकापी सुलभ करवाई जा सके। इसका मुख्य उद्देश्य प्रयोक्ता समुदाय का निर्माण करना है जो कि विश्वविद्यालय के कार्यों का एक विस्तार है। नवीनतम सूचना संप्रेषण प्रौद्योगिकी के रूप में उच्च स्तरीय स्वचालित डिजीटल स्कैन का उपयोग डिजाइन, संग्रह और डिजीटल दस्तावेजों की पुनः प्राप्ति के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। इस डिजीटल अभिलेखागार में प्रयोक्ता सुलभ बहुखोजी विकल्पों के साथ अंतनिर्हित उपयोगों सहित साफ्टवेयर उपलब्ध है।

वर्ष 2013 में शैक्षिक प्रलेखों का एक fMthVy vfHkys[kkxkj स्थापित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य सभी शैक्षिक प्रलेखों को एक स्थान पर डिजीटल रूप में संग्रहित करना है। डिजीटल अभिलेखागार में 11,000 से अधिक अभिलेख संग्रहित हैं और सतत् इनकी संख्या में वृद्धि की जा रही है। प्रलेखों को मुख्यतः 18 श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है और इसी क्रम में आगे भी केंद्र, राज्य, जिला, ब्लॉक स्तर पर उप वर्ग बनाए गये हैं। डिजीटल अभिलेखागार में आज़ादी के बाद से शिक्षा प्रणाली के सभी स्तरों तथा क्षेत्रों से संबंधित नीतिगत तथा अन्य अभिलेख सुलभ करवाए जाते हैं ताकि नीति विश्लेषकों, योजनाकारों, शोधार्थियों एवं अभिरुचि रखने वाले अन्य विद्वानों को एक स्थान पर आवश्यक सामग्री सुलभ करवाई जा सके और उन्हें संदर्भ

सामग्री और आंकड़ों के लिए कहीं और नहीं जाना पड़े। डिजीटल अभिलेखागार न्यूपा का विस्तारित कार्य है जो प्रयोक्ता समुदाय को समर्पित है।

dI;Vj dnz % कंप्यूटर केंद्र विश्वविद्यालय की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी जरुरतें पूरा करता है। यह केंद्र विश्वविद्यालय के सभी प्रशिक्षणार्थियों और स्टाफ सदस्यों को कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधाएं प्रदान करता है। नेटवर्क संसाधन को पहुंचाने के लिए सभी संकाय और स्टाफ को नेटवर्क प्वाइंट सुलभ किए गए हैं। न्यूपा डोमेन से सभी संकाय और स्टाफ सदस्यों के व्यक्तिगत ई–मेल खाता खोले गए हैं। सभी संकाय सदस्यों को 1 जीबीपीएस की इंटरनेट कनेक्टिविटी दी गई है। सभी स्टाफ सदस्यों को डेस्कटॉप और संकाय सदस्यों को लैपटाप आवंटित किए गए हैं। विश्वविद्यालय में समुचित नेटवर्क सुरक्षा का रखरखाव किया जा रहा है। केंद्र में आधुनिकतम सुविधाएं हैं, जैसे–आईबीएम–ई सिरीज सर्वर जो तीव्र अर्थनेट से जुड़ा है। वर्तमान में निम्नलिखित आधारभूत सुविधाएं हैं–उन्नत कैट–6 केबल, केंद्रीकृत कंप्यूटिंग सुविधा, जिसमें उच्च कार्यनिष्पादन वाले सर्वर्स, क्लाइंट पी सी, इंटरनेट से अपलिंक और अन्य सेवाएं और अति सक्षम बहुकल्पिक यू पी एस के जरिए पर्याप्त रूप में अनवरत पावर आपूर्ति उपलब्ध है।

idk'ku ,dd % न्यूपा में शिक्षा के शोध और विकास के प्रसार–प्रचार हेतु प्रकाशन कार्यक्रम है। न्यूपा प्रकाशन एकक विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अन्य संबंधित सामग्रीरिपोर्टों, पुस्तकों, जर्नलों, न्यूज़लेटर, अनुसंधान आलेखों, तथा अन्य प्रकाशनों के माध्यम से शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान तथा विकास की सूचनाओं के प्रचार–प्रसार हेतु महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन हैं : जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, 'परिप्रेक्ष्य' हिन्दी जर्नल तथा एंट्रीप न्यूज़लेटर इत्यादि। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का प्रकाशन एकक मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की विशिष्ट आवश्यकताओं को भी पूर्ण करता है।

fgnh d{k % यह कक्ष शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में व्यावसायिक प्रकाशनों के अनुवाद के माध्यम से अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा प्रसार में अकादमिक सहायता प्रदान करता है। यह कक्ष राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में भी प्रशासन और संकाय को सहयोग देता है।

अभिशासन और प्रबंधन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत घोषित एक मानित विश्वविद्यालय है जो सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत है। इस राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों में शामिल हैं : अध्यक्ष, कुलाधिपति, कुलपति, परिषद, प्रबंधन बोर्ड, अकादमिक परिषद, वित्त समिति और अध्ययन बोर्ड तथा विश्वविद्यालय के प्रबंधन बोर्ड द्वारा घोषित ऐसे अन्य प्राधिकरण। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रधान शैक्षणिक और कार्यकारी अधिकारी हैं।

U;ik ifj"kn % न्यूपा परिषद विश्वविद्यालय का सर्वोच्च निकाय है जिसका प्रमुख अध्यक्ष होता है। परिषद का मुख्य कार्य कार्यालय ज्ञापन में निर्धारित राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के लक्ष्यों को कार्यान्वित करना है। न्यूपा परिषद राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के सभी मामलों के सामान्य पर्यवेक्षण का उत्तरदायी है। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार न्यूपा परिषद के अध्यक्ष हैं। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति इसके उपाध्यक्ष हैं। परिषद के पदेन सदस्य हैं : सचिव, भारत सरकार, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सचिव, भारत सरकार, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, निदेशक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, और वित्त सलाहकार, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार। परिषद के अन्य सदस्य हैं– अध्यक्ष द्वारा नामित तीन विख्यात शिक्षाविद्, अध्यक्ष द्वारा नामित राज्य/संघ

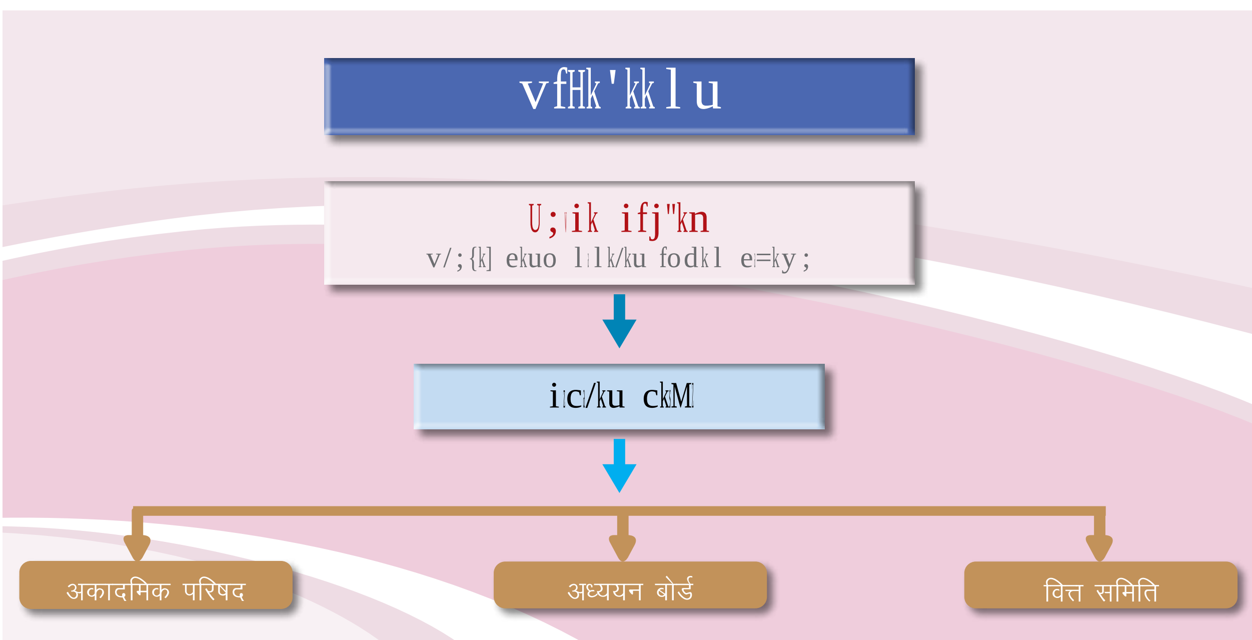

क्षेत्र प्रतिनिधि (5 प्रभागों में से प्रत्येक प्रभाग से एक–एक प्रतिनिधि) और अध्यक्ष द्वारा नामित न्यूपा संकाय का एक सदस्य। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव परिषद के सचिव हैं। दिनांक 31 मार्च 2017 के अनुसार न्यूपा परिषद के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–I में प्रस्तुत है।

icaeku cksMZ % प्रबंधन बोर्ड राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का प्रमुख कार्यकारी निकाय है। राष्ट्रीय विश्वद्यिालय के कुलपति प्रबंध बोर्ड के पदेन अध्यक्ष हैं। अन्य सदस्य हैं : राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के अध्यक्ष द्वारा नामित तीन सदस्य मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार का एक नामिती, वि.अ.आ. के अध्यक्ष का एक नामिती, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के संकाय डीन, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के दो संकाय सदस्य (एक प्रोफेसर और एक सह–प्रोफेसर/सहायक प्रोफेसर), कुलसचिव, न्यूपा, प्रबंधन बोर्ड का सचिव होता है। 31 मार्च, 2017 के अनुसार प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–II में दी गई है।

foÙk lfefr % वित्त समिति की मुख्य भूमिका विश्वविद्यालय की लेखा की जांच करना और व्यय के प्रस्तावों की समीक्षा करना है। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय की वार्षिक लेखा और वित्तीय आकलनों को वित्त समिति के सम्मुख रखा जाता है और समिति की टिप्पणियों के साथ इसे अनुमोदन के लिए प्रबंधन बोर्ड को प्रस्तुत किया जाता है। वित्त समिति विश्वविद्यालय की आय और संसाधनों के आधार पर वार्षिक आवर्ती और गैर आवर्ती व्यय की सीमाऐं तय करती है। विश्वविद्यालय के कुलपति वित्त समिति के पदेन अध्यक्ष हैं; इसके अतिरिक्त न्यूपा परिषद के अध्यक्ष द्वारा नामित दो व्यक्ति, कुलपति द्वारा नामित एक व्यक्ति, वित्तीय सलाहकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का एक प्रतिनिधि होता है। वित्त अधिकारी, वित्त समिति के सचिव का कार्य करता है। 31 मार्च 2017 के अनुसार वित्त समिति के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–III में दी गई है।

vdknfed ifj"kn % न्यूपा अकादमिक परिषद विश्वविद्यालय का शीर्षस्थ अकादमिक निकाय है। अकादमिक परिषद शिक्षा, प्रशिक्षण, शोध और परामर्श के स्तर पर सतत सुधार और अंतर–विभागीय सहयोग, परीक्षा और परीक्षण आदि के प्रति उत्तरदायी होता है। इसका पदेन अध्यक्ष कुलपति होता है। अकादमिक परिषद में शामिल हैं : विश्वविद्यालय के संकाय डीन, अकादमिक विभागों के अध्यक्ष, और अध्यक्ष द्वारा मनोनीत तीन शिक्षाशास्त्री जो विश्वविद्यालय की गतिविधियों से जुड़े हुए क्षेत्रों से संबंधित हों और विश्वविद्यालय की सेवा में न हों, कुलपति द्वारा चक्रानुसार नामित एक सहायक प्रोफेसर और तीन सहयोजित सदस्य जो शैक्षणिक स्टाफ के सदस्य न हों और अकादमिक परिषद द्वारा विषय विशेषज्ञ के आधार पर सहयोजित किए गए हों। न्यूपा का कुलसचिव परिषद का सचिव होता है। 31 मार्च 2017 के अनुसार सदस्यों की सूची परिशिष्ट–IV में दी गई है।

v/;;u cksMZ% न्यूपा के कुलपति अध्ययन बोर्ड के पदेन अध्यक्ष हैं। इसके सदस्य हैंः संकाय–डीन, विभागाध्यक्ष, कुलपति द्वारा नामित एक सह–प्रोफेसर, और एक सहायक प्रोफेसर और कुलपति द्वारा सहयोजित अधिकतम दो विषय विशेषज्ञ। अध्ययन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31 मार्च, 2017 के अनुसार परिशिष्ट–V में दी गई है।

dk;Zcy vkSj lfefr;ka % कुलपति द्वारा विशिष्ट कार्यक्रमों के लिए समय–समय पर विशेष कार्यबलों और समितियों का गठन किया जाता है। विभिन्न परियोजनाओं के लिए विशेषज्ञों को शामिल करके परियोजना सलाहकार समितियां गठित की जाती हैं। विशेषज्ञों से गठित परियोजना सलाहकार समिति विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के निरीक्षण और सलाह देने के लिए कार्य करती है। कुलपति की अध्यक्षता में शोध अध्ययन सलाहकार बोर्ड गठित किया गया है। इसमें अन्य विशेषज्ञों के साथ–साथ सभी विभागाध्यक्ष इसके सदस्य होते हैं। कुलसिचव इस समिति के सदस्य सचिव हैं जो सहायता योजना के अंतर्गत शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करती है।

प्रशासन और वित्त

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ढांचे में तीन अनुभाग–अकादमिक प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, सामान्य प्रशासन और दो कक्ष–प्रशिक्षण कक्ष और एम.फिल., पीएचडी कक्ष हैं। कुलसचिव सभी अनुभागों के प्रभारी हैं। कुलसचिव न्यूपा परिषद, प्रबंधन बोर्ड और अकादमिक परिषद के सचिव भी हैं। कुलसचिव को प्रशासनिक कामकाज में प्रशासनिक अधिकारी, प्रशिक्षण अधिकारी और अनेक अनुभाग अधिकारी अनुसमर्थन प्रदान करते हैं।

कुलसचिव अकादमिक अनुसमर्थन सेवा एककों, जैसे– पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र, कंप्यूटर केंद्र, एवं डिजीटल अभिलेखागार, प्रकाशन एकक और हिंदी कक्ष के कार्यकलापों के प्रति उत्तरदायी हैं। वित्त अधिकारी वित्त और लेखा अनुभाग के प्रभारी है। अनुभाग अधिकारी (लेखा) वित्त अधिकारी का अनुसमर्थन करता है।

LVkQ dh la[;k ¼2016&17½

31 मार्च, 2017 के अनुसार विश्वविद्यालय की कुल स्टाफ संख्या 162 थी।

वर्ष 2016–17 के दौरान विश्वविद्यालय को कुल 2826.98 लाख रुपये का अनुदान मिला (गैर–योजना मद में 1816.11 लाख रुपये और योजना मद में 1010.87 लाख रु. प्राप्त हुए। वर्ष के आरंभ में विश्वविद्यालय के पास योजना और गैर–योजना, दोनों मदों में 446.92 लाख रुपये शेष थे। वर्ष के दौरान कार्यालय और छात्रावास से 74.48 लाख रुपए की प्राप्ति हुई। योजना और गैर–योजना मदों में इस वर्ष का व्यय 2800.23 लाख रुपये था।

दूसरे संगठनों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों की मद में इस वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय के पास 868.57 लाख रुपये थे और 1114.64 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि प्राप्ति हुई। प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों पर वर्ष में कुल 783.19 लाख रुपये खर्च किए गए। (परिशिष्ट–VII)

परिसर और भवन आधारभूत सुविधा

विश्वविद्यालय के पास एक चार–मंजिला कार्यालय, सुसज्जित स्नानघरयुक्त 60 कमरों वाला एक सात मंजिला छात्रावास और एक आवास–क्षेत्र है। इस आवास क्षेत्र में टाइप–I के 16, टाइप–II से V तक के 8–8 क्वार्टर और एक कुलपति आवास हैं।

विश्वविद्यालय के पास बिंदापुर, द्वारका में टाइप–III के 25 क्वार्टर हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में सुसज्जित प्रशिक्षण कक्ष, कंप्यूटर केंद्र, अंतरराष्ट्रीय डायनिंग हाल, जिम और क्लास रूम हैं।

विश्वविद्यालय ने हाल ही में परिसर में अर्जित 2100 वर्ग मीटर के भूखंड में नया अकादमिक भवन के निर्माण के लिये अपेक्षित कदम उठाए हैं। इसके लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण ने लीज डीड जारी कर दिया है।

2 अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

एम.फिल. और पी–एच.डी.

oLrqr% fo'ofo|ky; dh ,e-fQy vkSj ih-,p-Mh- mikf/k;k¡ fo'ks"k :i ls 'kSf{kd uhfr] ;kstuk vkSj iz'kklu ij dsfUnzr gSaA blds }kjk fo'ofo|ky; fofHkUu i"BHkwfe ds 'kks/kdrkZvksa dks l'kDr vkSj l{ke cukrk gSA

राष्ट्रीय विश्वविद्यालयः एक फीडर संस्थान है जो प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के स्तरों पर शैक्षिक प्रशासन से संबंधित जरुरत के अनुसार शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन में विशेषज्ञता से युक्त मानव संसाधनों का विकास करता है ऐसे विशेषज्ञ जो अंतरशास्त्रीय कार्यक्रमों/एम.फिल. और पी–एच.डी. उपाधियों के पाठ्यक्रमों या प्रशिक्षण कार्यक्रमों के द्वारा तैयार किये जाते हैं। वे व्यापक एवं गतिशील संदर्भों में समुचित योजनाओं और कार्यनीतियों के निर्माण या सांस्थानिक प्रबंधन के सीमित भूमिकाओं से जुड़े मामलों के समाधान हेतु पूर्णतः सक्षम होते हैं।

वस्तुतः विश्वविद्यालय की एम.फिल. और पी–एच.डी. उपाधियाँ विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन पर केंद्रित हैं। इसके द्वारा विश्वविद्यालय युवा शोधकर्त्ताओं को सशक्त और सक्षम बनाता है और शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में उनका करियर तैयार करता है। न्यूपा यह कार्य कर रहा है और इसके माध्यम से यह शैक्षिक नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों की डिजाइन, कार्यान्वयन और अनुश्रवण करने हेतु विशेषज्ञ और सक्षम मानव संसाधन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। पूर्व डाक्टोरल और डाक्टोरल कार्यक्रमों का महत्व इसमें अंतर्निहित गतिशील और लचीले उपागम के द्वारा है जिसमें यह शिक्षा और सामाजिक विकास के अन्य सहायक क्षेत्रों से जुड़कर नवाचारी बहुशास्त्रीय पाठ्यक्रमों का विस्तार करता है।

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पूर्व डाक्टोरल और डाक्टोरल कार्यक्रम में शामिल हैंः (i) पूर्णकालिक एम.फिल. कार्यक्रम (ii) पूर्णकालिक पी–एच.डी. कार्यक्रम और (iii) अंशकालिक पी–एच.डी. कार्यक्रम। ये कार्यक्रम वर्ष 2007–08 में आरंभ किए गए थे। एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रम विभिन्न पृष्ठभूमि के शोधकर्मियों की शोध क्षमता के निर्माण के लिए डिजाइन किए गए हैं जो शैक्षिक नीति, योजना प्रशासन तथा वित्त के संबंधित क्षेत्रों में व्यापक ज्ञान और कौशल प्रदान करते हैं। एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रमों के अंतर्गत पूरे किए गए शोध अध्ययनों से अपेक्षा की जाती है कि ये नीति निर्माण, शिक्षा

सुधार कार्यक्रमों तथा क्षमता विकास संबंधी गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ–साथ ज्ञान आधार को समृद्ध करने में भारी योगदान करेंगे। एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रमों के अंतर्गत शोध के व्यापक क्षेत्रों में शामिल हैं– शैक्षिक नीति, शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन, शैक्षिक वित्त, शैक्षिक प्रबंधन, सूचना प्रणाली, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, शिक्षा में समता और समावेशन, शिक्षा में लैंगिक मुद्दे, अल्पसंख्यक शिक्षा, तुलनात्मक शिक्षा और शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण।

एम.फिल. डिग्री कार्यक्रम की अवधि दो वर्ष है। इस दो वर्षीय एम.फिल. डिग्री कार्यक्रम के अंतर्गत एक वर्ष का पाठ्यक्रम कार्य (30 क्रेडिट) है। इसके बाद एक वर्ष लघु शोध प्रबंध (30 क्रेडिट) के लिए है। दो वर्ष के एम.फिल. पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरांत और निर्धारित आर्हता (वर्तमान में 10 प्वाइंट स्केल पर) 6 एफ जी पी ए या इससे अधिक का ग्रेड पाने वाले शोधार्थी पी–एच.डी. कार्यक्रम में दाखिला प्रक्रिया में हिस्सा ले सकते हैं। पी–एच.डी. कार्यक्रम में दाखिला लेने की तिथि के दो वर्ष बाद ही शोधार्थी अपने शोध प्रबंध जमा करा सकते हैं।

पी–एच.डी. में सीधे दाखिला लेने वाले शोधार्थियों को दाखिला की पुष्टि हेतु एक वर्ष का प्रारंभिक पाठ्यक्रम पूरा करना पड़ता है। इसके बाद वे दो वर्ष के शोध कार्य के उपरांत ही वे उपाधि हेतु शोध प्रबंध विश्वविद्यालय में जमा कर सकते हैं।

अंशकालिक पी–एच.डी. में सीधे दाखिला लेने वाले शोधार्थियों को पी–एच.डी. में दाखिला की पुष्टि से पहले एक वर्ष का प्रारंभिक पाठ्यक्रम पूरा करना पड़ता है। अंशकालिक पी–एच.डी. के शोधार्थी दाखिला की पुष्टि के कम से कम चार वर्ष बाद अपना शोध प्रबंध विश्वविद्यालय में जमा कर सकते हैं।

fooj.k	,e-fQy-	ih&,p-Mh- i.kdkfyd	ih&,p-Mh- va'kdkfyd	;ksx
वर्ष 2016–17 में नामांकन	12	10	-	22
वर्ष 2016–17 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रम कर रहे विद्यार्थियों की कुल संख्या	21 (वर्ष 2015–16 में नामांकित विद्यार्थियों सहित)	22 (वर्ष 2007–08 से 2016–17 तक नामांकित विद्यार्थियों सहित)	23 (वर्ष 2007–08 से 2016–17 तक नामांकित विद्यार्थी)	66
वर्ष 2016–17 के दौरान स्नातक विद्यार्थी की कुल संख्या	16	03	0	19

डिप्लोमा कार्यक्रम

ihth fMIykek dk;Øe ds N% ?kVd gSa ¼i½ ikB~;Øe rS;kjh dk;Z ¼ii½ vkeus&lkeus ikB~;Øe dk;Z ¼iii½ ifj;kstuk dk;Z ¼iv½ ifj;kstuk dk;Z dk eY;kadu vkSj vfrfjDr iek.k i= fooj.k vkSj ¼v½ mUur ikB~;Øe dk;Z vkSj ¼vi½ vfre eY;kadu vkSj ihth fMIykek iek.k&i= forj.kA

'kSf{kd ;kstuk vkSj iz'kklu esa LukrdksÙkj fMIykek ¼ihthMsik½

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय वर्ष 1982–83 से शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में विशेष रूप से डिजाइन, डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित कर रहा था। आरंभ में यह कार्यक्रम विभिन्न राज्यों/संघ क्षेत्रों के जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए पूर्व प्रवेश पाठ्यक्रम के रूप में डिजाइन किया गया था। यद्यपि वर्ष 2014–15 से इस कार्यक्रम में पाठ्यक्रम को संवर्धित करके इसमें परिवर्तन किया गया है और इसके डेपा मूलभूत से पीजीडेपा (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन)– शैक्षिक योजना और प्रशासन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा) में बदल दिया गया है। प्रतिभागियों के कार्य और भूमिकाओं तथा उनकी संस्थाओं जैसे एससीईआरटी/सीमेट/डाइट/डीईओ/बीईओ और राज्य सरकारों के शिक्षा निदेशालयों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम को संबर्धित किया गया है।

एक वर्षीय पीजीडेपा कार्यक्रम को मौजूदा डेपा में व्यापक रूपांतरण के बाद निर्मित किया गया है जो एक सघन दीर्घकालिक कार्यक्रम है जो देश में पेशेवर रूप से शैक्षिक प्रशासकों का संवर्ग का विकास सुनिश्चित करेगा। इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

(i) शैक्षिक योजना और प्रबंधन की मूलभूत अवधारणाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराना।

(ii) शैक्षिक प्रशासन के क्षेत्र में बेहतर निर्णय कार्य के लिए प्रतिभागियों में योजना और प्रबंधन कौशल के विकास हेतु सक्षम बनाना।

(iii) प्रतिभागियों में शैक्षिक कार्यक्रमों और परियोजनाओं के पर्यवेक्षण और मूल्यांकन योग्यता का विकास करना।

पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम का निरूपण करते समय मूलतः इस बात का ध्यान दिया गया था कि प्रतिभागी को इस पाठ्यक्रम के लिए न्यूपा में तीन माह से अधिक अवधि के लिए प्रवास न करना पड़े और वह अपने कार्य स्थल पर पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सके। इसके अनुसार इसे 12 महीने के पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रम में रूपातंरित किया गया है। अनेक शिक्षा विभाग इस पाठ्यक्रम हेतु अपने अधिकारियों को लंबी अवधि के लिए प्रतिनियुक्त नहीं कर सकते हैं इसलिए पीजीडेपा कार्यक्रम को इस रूप में नियोजित किया गया है कि आमने–सामने पाठ्यक्रम कार्य हेतु प्रतिभागियों को न्यूपा में 3 महीने से अधिक अवधि के लिए प्रवास न करना पड़े। इस पाठ्यक्रम में निम्नलिखित कार्य शामिल हैं: कार्यस्थल पर पाठ्यक्रम तैयारी कार्य, न्यूपा में आमने–सामने पाठ्यक्रम कार्य, कार्यस्थल पर परियोजना कार्य, मुक्त और दूरवर्ती अधिगम प्रणाली के द्वारा उन्नत पाठ्यक्रम और न्यूपा में संगोष्ठी सहित कार्यशाला में परियोजना कार्य प्रस्तुति।

तालिका 2.1:

jk"Vh; fMIykek dk;Øek e jkT;@l?k 'kkflr {k=kokj Hkkxhnkjh			
jkT;@l?k {k=	f}rh; ih-th-&Mik	r`rh; ih-th-&Mik	;kx
अरुणाचल प्रदेश	1	-	1
आसाम	6	1	7
दिल्ली	-	1	1
हिमाचल प्रदेश	1	1	2
जम्मू और कश्मीर	1	1	2
कर्नाटक	2	3	5
मध्य प्रदेश	2	1	3
महाराष्ट्र	-	1	1
मिजोरम	-	2	2
मणिपुर	-	2	2
नागालैण्ड	3	-	3
पंजाब	3	2	5
तमिलनाडु	2	3	5
सिक्किम	2	1	3
उत्तराखंड	2	3	5
उत्तर प्रदेश	1	-	1
दिल्ली	1	-	1
चंडीगढ़	1	-	1
छत्तीसगढ़	2	1	3
;kx	**30**	**23**	**53**

पीजीडेपा के पाठ्यक्रम कार्य निम्नलिखित चरणों में संपादित किए जाते हैं:

चरण 1 : पाठ्यक्रम तैयारी कार्य (कार्य स्थल)

चरण 2 : आमने–सामने पाठ्यक्रम कार्य (न्यूपा)

चरण 3 : परियोजना कार्य (कार्य स्थल)

चरण 4 : परियोजना कार्य का मूल्यांकन और अंतरिम प्रमाण–पत्र वितरण (न्यूपा)

चरण 5 : उन्नत पाठ्यक्रम कार्य (कार्य स्थल); इसके बाद

चरण 6 : अंतिम मूल्यांकन और पीजीडेपा प्रमाण–पत्र वितरण (न्यूपा)

द्वितीय पीजीडेपा कार्यक्रम में 15 राज्यों/संघ क्षेत्रों के 30 प्रतिभागी शामिल हुए। यह सितंबर 2015 से जुलाई 2016 के दौरान आयोजित किया गया।

डिप्लोमा कार्यक्रम का संयोजन शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग ने किया। शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में राज्यवार और संघीय भागीदारी का विवरण तालिका 2.1 में प्रदर्शित है :

'kSf{kd ;kstuk vkSj iz'kklu esa varjjk"Vªh; fMIykek ¼vkbZMsik½

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय 1985 से विकासशील देशों के पेशेवरों के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 6 माह का अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम के विद्यार्थी एशिया, अफ्रीका, मध्य एशियाई गणराज्यों, दक्षिणी अमरीका और कैरिबियाई क्षेत्रों के देशों से आते हैं। इस कार्यक्रम के तीन घटक हैं– (i) सघन पाठ्यचर्या कार्यक्रम; (ii) अनुप्रयुक्त कार्य और (iii) लघु शोध प्रबंधन। आईडेपा की अवधि छः माह है और यह दो चरणों में पूरा किया जाता है। पहले चरण में तीन माह का सघन पाठ्यचर्या है जो राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित किया जाता है। यह चरण आवासीय है और प्रतिभागियों से अपेक्षा की जाती है कि वे इस चरण के दौरान परिसर में निवास करें। दूसरे चरण में

प्रतिभागी को स्वदेश में राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में क्षेत्र आधारित शोध परियोजना अध्ययन करना होता है।

आईडेपा कार्यक्रम की पाठ्यचर्या में केंद्रिक पाठ्यक्रम और वैकल्पिक पाठ्यक्रम, प्रायोगिक अभिविन्यास और अप्रयुक्त कार्य शामिल हैं। पाठ्यचर्या कार्य के विषय हैंः शिक्षा और विकास से संबंधित अध्ययन, विकासशील देशों में शैक्षिक विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्र, शैक्षिक योजना और प्रशासन परियोजना नियोजन, शिक्षा में व्यष्टि स्तरीय योजना शिक्षा में, वित्तीय योजना और प्रबंधन, जनशक्ति योजना, शैक्षिक योजना में मात्रात्मक तकनीकें, शैक्षिक प्रबंधन, शोध प्रविधि और सांख्यिकी और शैक्षिक प्रबंधन और सूचना प्रणाली। अनुप्रयुक्त कार्य में शामिल हैं : विषयगत संगोष्ठियां डिप्लोमा कार्यक्रम के अभिन्न घटक हैं जो प्रत्येक प्रतिभागी या प्रतिभागियों के समूह को शैक्षिक योजना और प्रशासन से संबंधित विषयों से जुड़े वस्तुगत आंकड़ों और अनुभवों के आधार पर अपने विचार व्यक्त करने और उनका परस्पर आदान–प्रदान करने के अवसर प्रदान करती हैं। संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण के एक भाग के रूप में प्रतिभागियों को अपने देश की शिक्षा प्रणाली की विशिष्ट प्रवृत्तियों को प्रस्तुत करने और परस्पर आदान–प्रदान करने का अवसर प्रदान किया जाता है। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को स्वदेश में उनके कार्यों की प्रासंगिकता और जरुरतों के विशिष्ट क्षेत्र में शोध परियोजना की रूपरेखा बनाने में सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशलों के बीच संबंध स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में चरण–I के दौरान प्रत्येक प्रतिभागी के लिए एक शोध निर्देशक नियुक्त किया जाता है जो दूसरे चरण के कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी के परियोजना कार्य का निर्देशन करता है।

कार्यक्रम का दूसरा चरण प्रतिभागी के स्वदेश में आयोजित होता है। इसमें प्रत्येक प्रतिभागी को प्रथम चरण के दौरान निर्धारित क्षेत्र कार्य आधारित शोध परियोजना पर कार्य करना पड़ता है। शोध परियोजना कार्य (तीन माह की अवधि) पूरा करने के बाद प्रतिभागी को अपना लघुशोध प्रबंध विश्वविद्यालय को प्रस्तुत करना पड़ता है। लघु शोध प्रबंध की प्राप्ति और तदुपरांत राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के संकाय द्वारा उसके मूल्यांकन के बाद प्रतिभागी को डिप्लोमा की उपाधि प्रदान की जाती है।

वर्ष 2016–17 के दौरान विश्वविद्यालय ने 32वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा का दूसरा चरण पूरा किया जिसका प्रथम चरण 1 फरवरी से 30 अप्रैल 2016 को आयोजित किया गया था। उसमें 19 देशों के 26 प्रतिभागी शामिल हुए। 32वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का दूसरा चरण 1 मई से 31 जुलाई 2016 के दौरान आयोजित किया गया।

33वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का प्रथम चरण 1 फरवरी 2017 को शुरु हुआ और इसके प्रथम घटक की अध्यापन–अधिगम गतिविधियां 30 अप्रैल 2017 तक पूरी की गईं। 33वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम में 20 देशों से कुल 26 प्रतिभागी शामिल हुए। इसका दूसरा चरण 1 मई से 31 जुलाई 2017 के दौरान प्रतिभागियों के स्वदेश में नियत किया गया जो परियोजना कार्य पर आधारित था।

अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का संयोजन शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग करता है। शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रमों की देशवार भागीदारी का विवरण तालिका 2.2 में प्रदर्शित है।

तालिका 2.2:

vrjjk"Vh; fMIykek dk;Øeks esa ns'kokj Hkkxhnkjh			
ns'k dk uke	32oka fMIykek	33oka fMIykek	;kx
अफगानिस्तान	3	2	5
अरमेनिया	1	-	1
बांग्लादेश	1	1	2
भूटान	3	1	4
केमेरून	-	2	2
कम्बोडिया	-	2	2
कांगो	1	1	2
क्यूबा	1	-	1
इथोपिया	-	2	2
फिजी	1	-	1
घाना	2	1	3
गिनी बिसाऊ	-	1	1
इंडोनेशिया	1	-	1
किरगिस्तान	1	-	1
लाओस	1	-	1
लिथुआनिया	-	1	1
मेडागास्कर	-	1	1
मलेशिया	1	-	1
मालवी	1	-	1
मॉरीशस	-	2	2
मंगोलिया	-	1	1
म्यांमार	-	1	1
नेपाल	-	1	1
नाइजीरिया	3	1	4
फिलीपीन्स	1	-	1
सेनेगल	-	1	1
साउथ सूडान	-	1	1
सूडान	1	-	1
तजाकिस्तान	1	-	1
तंजानिया	1	2	3
उजबेकिस्तान	-	1	1
वियतनाम	1	-	1
;kx	**26**	**26**	**52**

तालिका 2.3:

lHkh dk;Øeks esa ns'kokj Hkkxhnkjh 2016&17		
Ø- l-	ns'k	Hkkxhnkjksa dh la[;k
1.	अफगानिस्तान	8
2.	अरमेनिया	1
3.	आस्ट्रेलिया	1
4.	बांग्लादेश	1
5.	भूटान	4
6.	कांगो	1
7.	क्यूबा	1
8.	फिजी	1
9.	फ्रांस	1
10.	घाना	2
11.	इंडोनेशिया	1
12.	केन्या	1
13.	किरगिस्तान	1
14.	लाओस	1
15.	मेडागास्कर	1
16.	मालवी	1
17.	मलेशिया	1
18.	मॉरीशस	1
19.	नेपाल	2
20.	नाइजीरिया	5
21.	फिलीपीन्स	1
22.	रूस	2
23.	श्रीलंका	63
24.	सूडान	1
25.	तजाकिस्तान	2
26.	तंजानिया	2
27.	त्रिनिदाद एंड टोबागो	1
28.	यू.के.	4
29.	वियतनाम	1
30.	जिम्बाम्बवे	2
	;kx	**115**

तालिका 2.4:

0;kolkf;d fodkl dk;Øeksa esa jkT;@la?k 'kkflr {ks=kokj Hkkxhnkjh 2016&17		
Ø- la-	jkT;@la?kh; {ks=	Hkkxhnkjksa dh la[;k
1.	आंध्र प्रदेश	882
2.	अरुणाचल प्रदेश	58
3.	असम	724
4.	बिहार	701
5.	छत्तीसगढ़	312
6.	गोवा	72
7.	गुजरात	781
8.	हरियाणा	942
9.	हिमाचल प्रदेश	761
10.	जम्मू और कश्मीर	102
11.	झारखण्ड	149
12.	कर्नाटक	1062
13.	केरल	212
14.	मध्य प्रदेश	821
15.	महाराष्ट्र	1213
16.	मणिपुर	57
17.	मेघालय	43
18.	मिजोरम	39
19.	नागालैण्ड	40
20.	ओडिशा	310
21.	पंजाब	768
22.	राजस्थान	891
23.	सिक्किम	52
24.	तेलगांना	117
25.	तमिलनाडु	312
26.	त्रिपुरा	46
27.	उत्तराखंड	152
28.	उत्तर प्रदेश	1065
29.	पश्चिम बंगाल	96
30.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	5
31.	चंडीगढ़	46
32.	दादरा और नगर हवेली	6
33.	दमन और दीव	8
34.	दिल्ली	815
35.	लक्षद्वीप	4
36.	पुडुचेरी	12
	;ksx	**13676**

व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

शैक्षिक योजना और प्रशासन में सुधार हेतु सांस्थानिक क्षमता निर्माण के लिए विभिन्न वर्गों के शिक्षा कर्मियों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम विश्वविद्यालय के प्रमुख कार्यकलाप के रूप में सतत जारी है। वर्ष 2016–17 के दौरान राष्ट्रीय विश्वविद्यालय ने शिक्षा के विभिन्न विकास क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों और शिक्षा नीति योजना, प्रशासन के विविध पक्षों से जुड़े 149 अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, सम्मेलन और बैठकें आयोजित कीं। इन कार्यक्रमों के विषय थे : स्कूलों की योजना और प्रबंधन, उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन, माध्यमिक स्तर पर स्कूल प्रावधानों का आकलन, शैक्षिक वित्त की योजना और प्रबंधन, और स्कूल नेतृत्व आदि। इन कार्यक्रमों के प्रतिभागी थे जिला और राज्य स्तर के शिक्षाकर्मी, शिक्षा निदेशक और राज्य स्तर के अन्य अधिकारी, केंद्र, राज्य और जिला स्तर के शैक्षिक संस्थानों के प्रमुख, विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव और अन्य प्राधिकारी, कालेज प्राचार्य और कालेजों तथा उच्च शिक्षा के वरिष्ठ प्रशासक, विश्वविद्यालय तथा समाजविज्ञान शोध संस्थानों के नवनियुक्त प्राध्यापक आदि। ये कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित किए जाते हैं। वर्ष 2016–17 के दौरान राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम, संगोष्ठियां, सम्मेलन और बैठकें आयोजित की गईं :

'kf{kd ;kstuk foHkkx

- सामरिक योजना पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, वित्त पोषण और श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता विकास (सभी व्यय शिक्षा मंत्रालय, श्रीलंका सरकार द्वारा वहन), 15–28 मई, 2016।
- सामरिक योजना पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, वित्त पोषण और श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता विकास, 04–16 जुलाई, 2016।
- सामरिक योजना पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, वित्त पोषण और श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता विकास, 05–17 दिसंबर, 2016।
- सामरिक योजना पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, वित्त पोषण और श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता विकास, 29 अगस्त–01 सितंबर, 2016।

- बिहार में जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास के लिए राज्य स्तरीय संसाधन व्यक्तियों का प्रशिक्षण, 08–11 नवंबर, 2016।
- शिक्षा में आर्थिक अनुप्रयोगों पर कार्यशाला, 05–09 दिसंबर, 2016।
- ओडिशा के शिक्षक शिक्षा संस्थानों के प्राचार्यों के लिए शिक्षक शिक्षा की योजना पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 27–30 मार्च, 2017।

'kf{kd ç'kklu foHkkx

- शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर क्षेत्रीय कार्यशाला: मौजूदा आचरण और नवाचार, 19–21 अप्रैल, 2016।
- आंध्र प्रदेश के सरकारी डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 16–20 मई, 2016।
- शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (भाग ए), 28 जुलाई, 2016।
- तेलंगाना में 23–24 सितंबर, 2016 को शैक्षिक योजना और प्रशासन पर डी.ई.ओ. और एम.ई.ओ. के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन।
- तेलंगाना में शैक्षिक योजना और प्रशासन पर डीईओ और एमईओ के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन, 05–06 अक्टूबर, 2016।
- रायपुर, छत्तीसगढ़ में बीईओ के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन, 15–16 दिसंबर, 2017।
- राज्य स्तर और जिला स्तर की महिला प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम, 28 नवंबर–02 दिसंबर, 2016।
- राज्य स्तरीय शैक्षिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम, 05–09 दिसंबर, 2016।
- डीईओ और बीईओ के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन, रांची, झारखंड 06–07 जनवरी, 2017।
- जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक शासन में नेतृत्व पर अभिविन्यास कार्यक्रम, 09–13 जनवरी, 2017।

- शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों का राष्ट्रीय सम्मेलन और पुरस्कार समारोह (भाग ब), 05–07 मार्च, 2017।

'kf{kd foÙk foHkkx

- राज्यों में वित्तीय योजना और शिक्षा के प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम, 06–10 फरवरी, 2017।
- उत्तर पूर्वी राज्यों में कॉलेज वित्त की योजना और प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम, 05–09 दिसंबर, 2016।
- शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक बजट पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 22–24 मार्च, 2017।

'kf{kd uhfr foHkkx

- नीति परिप्रेक्ष्य में स्वामी विवेकानंद के शैक्षिक विचारों पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः युवा सशक्तीकरण और स्वदेशी ज्ञान प्रणाली, 07–08 जुलाई, 2016।
- भारत में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के साथ संलग्नता पर राष्ट्रीय कार्यशालाः आचरण और एक विचार के रूप में स्वायत्तता, 12 जनवरी, 2017।
- प्राथमिक स्तर पर वंचित बच्चों (एससी और एसटी) की शिक्षा पर अभिविन्यास कार्यक्रमः नीतिगत मुद्दे और कार्यक्रम हस्तक्षेप, 19–24 सितंबर, 2016।

- पूर्वोत्तर राज्यों में प्राथमिक शिक्षा के प्रबंधन में संविधान की छठी अनुसूची के तहत स्थानीय प्राधिकरण और स्वायत्त जिला परिषदों के कामकाज पर अभिविन्यास कार्यशाला, 05–09 दिसंबर, 2016।
- शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक अनुसंधान विधियों पर अभिविन्यास कार्यशाला, 17–28 नवंबर, 2016।
- सार्वजनिक क्षेत्र और शिक्षा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठीः शैक्षिक नीति के लिए संभावनाएं और चुनौतियां, 16–17 मार्च, 2017।
- आरटीई के तहत स्कूल प्रबंधन समितियों के सुदृढ़ीकरण की रूपरेखा पर उन्मुखीकरण कार्यशाला, मार्च, 2017।

fo|ky; vkj vukipkfjd f'k{kk foHkkx

- भारत में प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार पर कार्यशाला, 14–16 दिसंबर, 2016।

- प्राथमिक स्तर पर स्कूल प्रबंधन के विकेंद्रीकरण के क्षेत्र अनुभवों पर कार्यशाला, 07–11 नवंबर, 2016।

mPp vkj 0;kolkf;d f'k{kk foHkkx

- भारत और ऑस्ट्रेलिया में अनुसंधान उत्कृष्टता और अधिगम, 18–19 जुलाई, 2016।

- उच्च शिक्षा में विशिष्ट पाठ्यक्रम (एससी) 1 – विश्वविद्यालय और इसके शासन, 19–30 सितंबर, 2016।

- उच्च शिक्षा में विशेष पाठ्यक्रम (एससी) 3 – निजीकरण, अंतर्राष्ट्रीयकरण और रोजगार, 12–23 दिसंबर, 2016।
- विश्वविद्यालय प्रशासन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठीः उभरते मुद्दे और चिंताएं, 23–24 मार्च, 2017।

'kf{kd çc/ku lpuk ç.kkyh foHkkx

- राज्य एमआईएस अधिकारियों की तकनीकी कार्यशालाः सभी स्कूल निगरानी व्यक्तिगत ट्रैकिंग और विश्लेषण (एएसएमआईटीए), 14–15 जुलाई, 2016।

- स्कूल शिक्षा योजना और निगरानी में संकेतक का उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 02–24 मार्च, 2017।
- (दो दिवसीय) छात्र डाटाबेस प्रबंधन सूचना प्रणाली (एसडीएमआईएस), यू–डाईस के एक भाग के रूप में पांच क्षेत्रीय कार्यशालाएं, अगस्त–सितंबर, 2017।

'kf{kd çf'k{k.k vkj {kerk fuekZ.k foHkkx

- शैक्षिक योजना और प्रशासन (पीजीडेपा) में तीसरा पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा, 01 सितंबर –30 नवंबर 2016।
- 01 फरवरी–30 अप्रैल, 2017, शैक्षिक योजना और प्रशासन (आईडेपा) प्रथम चरण, 32वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा।
- शैक्षिक प्रशासकों के लिए क्षमता निर्माण में अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, (विदेश मंत्रालय, भारत सरकार), जुलाई 18– 12 अगस्त, 2016।
- उनके प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए प्रशासकों के लिए क्षमता निर्माण की वैश्विक प्रथाओं पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 05–06 मार्च, 2017।
- सातवां वार्षिक अभिविन्यास कार्यक्रम, अल्पसंख्यक प्रबंधित उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए (दिसंबर, 2017) क्षेत्र आधारित – न्यूपा/एमएएनएनयू, हैदराबाद के सहयोग से), 19–23 दिसंबर, 2016।
- मुस्लिम अल्पसंख्यक प्रबंधित वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्रमुखों के लिए संस्थागत निर्माण पर वार्षिक कार्यक्रम, 02–06 जनवरी, 2017।
- शैक्षिक योजना और प्रशासन में तीन राज्य स्तरीय सम्मेलन, डीईओ/बीईओ/डीआईओएस (गोवा, मध्य प्रदेश और जम्मू और कश्मीर) के लिए , 30 जून–01 मई, 2016।
- अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में कार्यरत आश्रम स्कूलों के प्रमुखों का क्षमता निर्माण – आंध्र प्रदेश, 18–22 जनवरी, 2017।

- अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में कार्यरत आश्रम स्कूलों के प्रमुखों का क्षमता निर्माण – नासिक

jk"Vªh; fo|ky; usr`Ro dsUæ

सर्व शिक्षा अभियान और आरएमएसए के अन्तर्गत एडब्ल्यूपीबी बैठक और कार्यशालाएं (राष्ट्रीय स्तर)

- एक दिवसीय राष्ट्रीय सलाहकार समिति की बैठक, 28 मार्च, 2017।
- विद्यालय नेतृत्व के लिए अभिविन्यास पर जिला और ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों का क्षमता निर्माण, 26–31 दिसंबर, 2016।

ikBîØe vkSj lkexzh fodkl

- विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम का विकास।
- पाठ्यक्रम और प्रोग्राम डिजाइन और हैंडबुक के असमिया अनुवाद के लिए कार्यशाला, गुवाहाटी, 02–06, 2016।
- कार्यक्रम और प्रोग्राम डिजाइन और हैंडबुक के मराठी अनुवाद के लिए कार्यशाला, 15–24 मार्च, 2017।

jkT; lalk/ku leg dk {kerk fuekZ.k dk;ØZe ¼jkT; Lrj½

- राजस्थान, राज्य में 17–26 अक्टूबर, 2016 को स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) का क्षमता निर्माण।
- स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) का क्षमता निर्माण, केरल राज्य में अनौपचारिक रूप से अनुवाद का काम शुरू हुआ, फरवरी 04–10, 2017।
- मेघालय राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) का क्षमता निर्माण, 20–29 फरवरी, 2017।
- महाराष्ट्र राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) का क्षमता निर्माण, 17–22 जनवरी, 2017।
- मध्य प्रदेश राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) का क्षमता निर्माण, 02–11 जुलाई, 2016।
- उत्तर प्रदेश राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) का क्षमता निर्माण, 16–24 नवंबर, 2016।
- झारखंड राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) का क्षमता निर्माण, 05–14 दिसंबर, 2016।
- नागालैंड राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) का क्षमता निर्माण, 21 सितंबर–01 अक्टूबर, 2016।
- गोवा राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) का क्षमता निर्माण, 14–24 मार्च, 2017।
- छत्तीसगढ़ राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) का क्षमता निर्माण (चरण–I और चरण–II) (26 सितंबर–03 अक्टूबर, 2016)।
- गुवाहाटी, असम में 02–06 मई 2016 के दौरान स्कूल नेतृत्व विकास पर अनुवाद और संवेदीकरण कार्यशाला।
- गुवाहाटी, असम, 02–11 मई, 2016, में विद्यालय नेतृत्व विकास पर एसआरजी कार्यशाला
- जम्मू और कश्मीर, 02–12 जनवरी, 2017, राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) की प्रथम बैच का क्षमता निर्माण, ।

- ओडिशा के शिक्षक शिक्षा संस्थानों के प्राचार्यों के लिए शिक्षक शिक्षा की योजना पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 27–30 मार्च, 2017
- जम्मू और कश्मीर के डाइट प्राचार्यों के लिए स्कूल नेतृत्व विकास पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 29–30 जनवरी, 2017।

p;fur jkT;k e Ldy urRo dk;Øe dh leh{kk

- समीक्षा और प्रतिक्रिया, छत्तीसगढ़ में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की कार्यशाला, 11–12 अगस्त, 2016।
- समीक्षा और प्रतिक्रिया, मध्य प्रदेश में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की कार्यशाला, 25–26 नवंबर, 2016।
- समीक्षा और प्रतिक्रिया, उत्तर प्रदेश में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की कार्यशाला, 25–26 नवंबर, 2016।
- समीक्षा और प्रतिक्रिया, तेलंगाना में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की कार्यशाला, 22–23 अगस्त, 2016 और 27–28 नवंबर, 2016।
- समीक्षा और प्रतिक्रिया, हिमाचल प्रदेश में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की कार्यशाला, अक्टूबर 06–07, 2016।
- समीक्षा और प्रतिक्रिया, तमिलनाडु में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की कार्यशाला, 27–28 सितंबर, 2016।
- समीक्षा और प्रतिक्रिया, राजस्थान में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की कार्यशाला, 24–25 जनवरी, 2017।
- समीक्षा और प्रतिक्रिया, सिक्किम में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम की कार्यशाला, 09–10 जून, 2016।

ijke'k@{kerk fuek.k dk;Øe% uVofdx vkj lLFkkxr fuek.k

- राष्ट्रीय समीक्षा स्कूल नेतृत्व विकास पर योजना कार्यशाला, 21–22 फरवरी, 2017।
- एक महीने का स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर सर्टिफिकेट कोर्स, 02–30 जून, 2016।

vU; dk;Øe

- गुजरात में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 18 अप्रैल, 2016।
- हिमाचल प्रदेश में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 25 मई, 2016।
- जम्मू–कश्मीर में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 30–31 मई, 2016।
- 11 जून, 2016 को सिक्किम में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक।
- हरियाणा में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 19 सितंबर, 2016।
- 20 सितंबर, 2016 को उत्तराखंड में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक।
- झारखंड में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 24–25 जनवरी, 2017।
- छत्तीसगढ़ में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 02–03 फरवरी, 2017
- मिजोरम में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 07–09 फरवरी, 2017।
- 10 फरवरी, 2017 को केरल में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक।
- आंध्र प्रदेश में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक, 19 जनवरी, 2017।
- तेलंगाना में 23–24 फरवरी, 2016 को स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए परामर्शी बैठक।

Ldy urRo fodkl ij v,uykbu dk;Øe d fy, vfHkfoU;kl

- हरियाणा राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए पूर्व–अभिविन्यास, 05 जनवरी, 2017।
- आंध्र प्रदेश राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 20 जनवरी, 2017।
- महाराष्ट्र राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 21 जनवरी, 2017।

- झारखंड राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 02 फरवरी, 2017।
- मध्य प्रदेश राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 11 जून, 2016 और 30–31 जनवरी, 2017।
- छत्तीसगढ़ राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 02–03 फरवरी, 2017।
- मिजोरम राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 07–09 फरवरी, 2017।
- केरल राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 09 फरवरी, 2017।
- जम्मू और कश्मीर राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 02 फरवरी, 2017।
- उत्तराखंड राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 18 फरवरी, 2017।
- तेलंगाना राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 03 मार्च, 2017।
- गुजरात राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 04 मार्च, 2017।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के केंद्र शासित प्रदेश में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 14 मार्च, 2017।
- मेघालय राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 16–17 मार्च, 2017।
- गोवा राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 24 मार्च, 2017।

mPp f'k{kk uhfr vu|l/kku dæ

- उच्च शिक्षा का वित्तपोषणः निधि का प्रवाह और उपयोग का एक अध्ययन, 06 अप्रैल 2016।
- 'भारत में उच्च शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन' पर अनुसंधान अध्ययन कार्यक्रम, 08 अप्रैल, 2016।
- भारत में उच्च शिक्षा के प्रबंधन और शासन पर अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला, 11–12 अप्रैल, 2016।
- भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों के वित्तपोषण पर अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला, 18–19 अप्रैल, 2016।
- उच्च शिक्षा स्नातक रोजगार पर अनुसंधान पद्धति कार्यशाला, 12 मई, 2016।
- भारत में उच्च शिक्षा में विविधता और भेदभाव पर अनुसंधान पद्धति कार्यशाला, 07–08 जून, 2016
- भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर) उच्च शिक्षा में अध्यापन–शिक्षा और गुणवत्ता, 23 जून, 2016।
- भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम पर विशेषज्ञ समिति की बैठक, 25 जुलाई, 2016।
- उच्च शिक्षा स्नातक के रोजगार पर अनुसंधान पद्ध ति कार्यशाला, 04–05 अगस्त, 2016।
- अनुसंधान परियोजना के लिए अनुसंधान रिपोर्ट पर शोध कार्यप्रणाली कार्यशालाः भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ताः संस्थागत स्तर पर बाह्य और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का एक अध्ययन, 08–09 अगस्त, 2016।
- भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों के वित्तपोषण पर अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशालाः धन का प्रवाह और उनके उपयोग का अध्ययन, 23–24 अगस्त, 2016।
- भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम पर अनुसंधान पद्धति कार्यशाला, 30–31 अगस्त, 2016।
- भारत में उच्च शिक्षा के प्रबंधन और शासन पर शोध कार्यप्रणाली कार्यशाला, 07–08 सितंबर, 2016।
- विशेषज्ञ समिति बैठक, भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और भेदभाव पर मॉड्यूल, 15 सितंबर, 2016।

- भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर) उच्च शिक्षा में शिक्षण–अधिगम और गुणवत्ता, 27 सितंबर, 2016।
- भारत में उच्च शिक्षा में विविधता और भेदभाव पर अनुसंधान सलाहकार समूह, 29 सितंबर, 2016।

Ldy ekud vkj eY;kdu ,dd

- शाला सिद्धि पर राष्ट्रीय परामर्शी बैठक, 06–07 फरवरी, 2017।
- शिक्षा के क्षेत्र में व्यावसायिक सार्वजनिक नीति निर्माण पर अभिविन्यास कार्यक्रम, नवंबर 21–25, 2016।
- एसएसई फ्रेमवर्क, डैशबोर्ड और सूचना विवरणिका, हिंदी में शाला सिद्धि के दस्तावेजों के अनुवाद के लिए कार्यशाला, 20–25 जून, 2016।
- आंध्र प्रदेश के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 02 नवंबर, 2016।
- असम, 28–29 सितंबर, 2016 के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
- स्व और बाह्य मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देशों के अंतिमकरण और अनुवाद पर कार्यशालाएं, 21–23 फरवरी, 2017।
- स्व और बाह्य मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देशों के अंतिमकरण और अनुवाद पर कार्यशालाएं, 07–10 मार्च, 2017।
- शाला सिद्धि पर राष्ट्रीय परामर्शी बैठक (स्कूल मानक और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम), फरवरी 06–07, 2017।
- 16 नवंबर, 2016 को चंडीगढ़ के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
- छत्तीसगढ़ के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 05–06 अक्टूबर, 2016।
- 26–27 अगस्त, 2016 को दादरा और नगर हवेली के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
- दमन और दीव के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 26–27 अगस्त, 2016।

- दिल्ली के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 06 अगस्त, 2016।
- गोवा, 31 जनवरी, 2017 के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
- गुजरात, 28–29 मार्च, 2017 के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
- हरियाणा के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 17 नवंबर, 2016।
- हिमाचल प्रदेश के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 10–11 नवंबर, 2016।
- जम्मू और कश्मीर के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 28–29 नवंबर, 2016।
- झारखंड के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 08–09 दिसंबर, 2016।
- केरल के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 28–29 नवंबर, 2016।
- महाराष्ट्र राज्य, शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 11 जनवरी, 2016।
- मणिपुर के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 02–03 सितंबर, 2016।
- मेघालय के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 18 जनवरी, 2016।
- मिजोरम के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 10–11 जनवरी, 2017।
- नागालैंड के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 20–21 अक्टूबर, 2016।
- ओडिशा के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 22–23 नवंबर, 2016।

- पुदुचेरी के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 24—26 फरवरी, 2016।
- पंजाब के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 15 नवंबर 2016 ।
- राजस्थान के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 27 अक्टूबर, 2016
- सिक्किम के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 04—05 नवंबर, 2016।
- तमिलनाडु, के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 19 सितंबर, 2016 ।
- तेलंगाना के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 04—05 सितंबर, 2016।
- त्रिपुरा के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 05—06 दिसंबर, 2016।
- उत्तर प्रदेश के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 24—25 अक्टूबर, 2016।
- उत्तराखंड के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 23 अगस्त, 2016।
- पश्चिम बंगाल के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 16—17 दिसंबर, 2016।

vU; dk;Øe

- मूडल एम.एम.एस. के साथ शिक्षण ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर कार्यशाला[8—10 अगस्त, 2016।
- मूडल एमओओसी का उपयोग कर प्रौद्योगिकी, के साथ शिक्षण पर कार्यशाला, जुलाई 11—13, 2016।
- वर्ष 2016—17 के दौरान, डिप्लोमा कार्यक्रमों के अलावा, विश्वविद्यालय ने 149 अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं/सेमिनार, सम्मेलन और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बैठकें आदि का आयोजन किया।
- कुल 13,676 प्रतिभागियों में से 13,561 (तालिका 2.4) भारतीय प्रतिभागी थे और अन्य देशों और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से 115 (तालिका 2.3) प्रतिभागी थे।

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस

विश्वविद्यालय प्रतिवर्ष 11 अगस्त को अपना स्थापना दिवस मनाता है। प्रथम स्थापना दिवस व्याख्यान 2007 में प्रो. प्रभात पटनायक, उपाध्यक्ष, केरल राज्य योजना बोर्ड, 'आल्टरनेटिव पर्सपेक्टिवस आन हायर एजुकेशन इन द कांटेक्स्ट आफ ग्लोबलाईजेशन' पर दिया गया। 2008 में 'डिजाईनिंग आर्किटेक्यर फार लाईफ साईकिल एप्रोच' पर प्रो. एम.एस. स्वामीनाथन, संसद सदस्य (राज्य सभा), यूनेस्को इकोटेक्नोलॉजी पीठ, एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउन्डेशन ने दिया, तीसरा व्याख्यान 2009 में प्रो. आंदेबेतिल, राष्ट्रीय अनुसंधान प्रोफेसर तथा प्रोफेसर ऐमिरेटस, समाजशास्त्र, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'यूनिवर्सीटीज़ इन द टवेन्टी फर्स्ट सेंचूरी' विषय पर दिया। 2010 में चौथा व्याख्यान प्रो. मृणाल मिरी, अध्यक्ष, सेंटर फार द स्टडी आफ डवलपिंग सोसायटीज़ ने 'एजुकेशन, ऑटोनामी एंड अकाउन्टेबिलिटी' विषय पर दिया। सातवां स्थापना दिवस व्याख्यान प्रो. कृष्ण कुमार, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'एजुकेशन एंड मोर्डनटी इन मोर्डन इंडिया' विषय पर दिया। आठवां स्थापना दिवस व्याख्यान अगस्त 2014 में इमेजिंग नॉलेजः ड्रीमिंग डेमोक्रेसी' पर प्रो. शिव विश्वनाथन, प्रोफेसर, स्कूल आफ गवर्नमेन्ट एंड पब्लिक पॉलिसी, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनीवर्सीटी ने दिया। दसवां स्थापना दिवस व्याख्यान अगस्त 2016 में रिपोर्ट की समीक्षाधीन अवधि के दौरान टी.एन. मदान, माननीय प्रो. इंस्टीट्यूट ऑफ इकानमिक ग्रोथ, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने ''एम.आई.एम एजुकेटड पर्सन? रिफलेक्टिंग आन बिसोमिंग एंड बीईंग'' पर दिया।

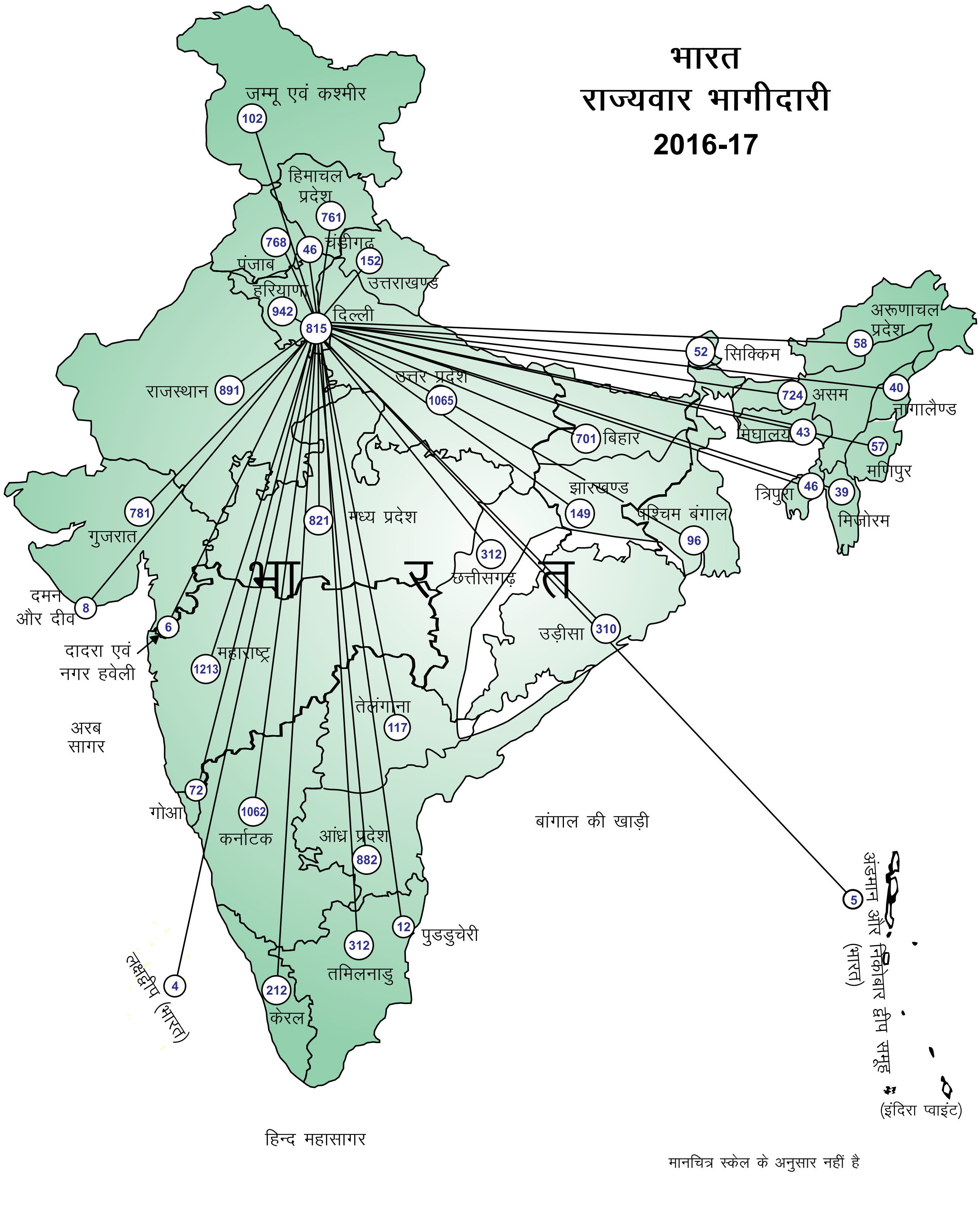
भारत
राज्यवार भागीदारी
2016-17
जम्मू एवं कश्मीर 102
हिमाचल प्रदेश 761
पंजाब 768
चंडीगढ़ 46
उत्तराखण्ड 152
हरियाणा 942
दिल्ली 815
राजस्थान 891
उत्तर प्रदेश 1065
सिक्किम 52
अरुणाचल प्रदेश 58
असम 724
नागालैण्ड 40
मेघालय 43
मणिपुर 57
बिहार 701
झारखण्ड 149
पश्चिम बंगाल 96
त्रिपुरा 46
मिजोरम 39
गुजरात 781
मध्य प्रदेश 821
छत्तीसगढ़ 312
भा र त
दमन और दीव 8
दादरा एवं नगर हवेली 6
महाराष्ट्र 1213
उड़ीसा 310
तेलंगाना 117
अरब सागर
गोआ 72
कर्नाटक 1062
आंध्र प्रदेश 882
बांगाल की खाड़ी
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (भारत) 5
पुडडुचेरी 12
तमिलनाडु 312
लक्षद्वीप (भारत) 4
केरल 212
(इंदिरा प्वाइंट)
हिन्द महासागर
मानचित्र स्केल के अनुसार नहीं है

3 अनुसंधान

अनुसंधान

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय शिक्षा क्षेत्र विकास लक्ष्यों की प्राप्ति को सुनिश्चित करने के लिए साक्ष्य–आधारित विकल्पों एवं कार्यनीतियाँ बनाने के लिए नवीन ज्ञान जुटाने हेतु शैक्षिक नीति, नियोजन और प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के साथ, अंतर–अनुशासनात्मक अनुसंधान और अध्ययनों का संचालन, सहायता और प्रचार कर रहा है। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय दोनों मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान, मौजूदा नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा और मूल्यांकन, शैक्षिक नियोजन तकनीकों और प्रशासन संरचनाओं और भारत के विभिन्न राज्यों में प्रक्रियाओं और अन्य देशों में प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है। कार्य अनुसंधान पर जोर दिया जाता है, जिसमें अनुदैर्ध्य अध्ययन शामिल हैं, जो शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन

में सुधार के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नया ज्ञान उत्पन्न कर सकता है।

एम.फिल और पीएच.डी. कार्यक्रम के अलावा राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा समर्थित अनुसंधान कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों द्वारा अनुसंधान अध्ययन, अन्य एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधानय अंतरराष्ट्रीय सहयोग अध्ययनय कार्यक्रम मूल्यांकन अध्ययनय और आंकड़ा प्रबंधन अध्ययन शामिल हैं। अनुसंधान अध्ययन में प्राथमिकता के मुद्दे शामिल हैं जो शिक्षा प्रणाली में उभरने की संभावना रखते हैं या जिन मुद्दों का भारतीय शिक्षा प्रणाली वास्तव में सामना करती है। रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान, 15 शोध अध्ययन पूरे किए गए, जबकि 47 अध्ययन प्रगति पर थे।

पूर्ण शोध अध्ययन

(31 मार्च, 2017 तक)

1- tutkrh; {ks=ksa esa çkFkfed vkSj mPp çkFkfed f'k{kk ds fy, miyC/k lqfo/kkvksa dk vkdyu

अन्वेषक: प्रो. के. सुजाता

अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत की।

2- xSj&f'k{k.k xfrfof/k;ksa esa f'k{kdksa dk lekos'k vkSj f'k{kk ij blds çHkko% Hkkjr ds pqfuank jkT;ksa esa ,d v/;;u

अन्वेषक: डा. विनीता सिरोही, मंजू नरूला

अन्वेषकों द्वारा प्रदान की गई नवीनतम जानकारी के रूप में रिपोर्ट सम्पन्न स्थिति में।

3- ijh{k.k dh lL—fr% lekfJr d&lkL—fr d lapkyd vkSj ,f'k;k&ç'kkar {ks= esa ;qokvksa ij çHkko ¼;wusLdks us ,f'k;k&ç'kkar {ks= ds ukS n'kksa ds cMs v/;;u ds ,d Hkkx ds :i esa v/;;u dk vuqjks/k fd;k½

अन्वेषक: प्रोफेसर कुमार सुरेश

प्रस्तुत रिपोर्ट प्रकाशनाधीन

4- d,ytsa vkSj fo'ofo|ky; ds Nk=ksa ds fy, dsaæh; {ks= Nk=o`fÙk ;kstuk dk e/;kof/k eY;kadu

अन्वेषक: डॉ. वेट्कुरी पी.एस. राजू

अंतिम रिपोर्ट एमएचआरडी को प्रस्तुत।

5- Hkkjr esa mPp f'k{kk esa f'k{kd Hkrh% jk"Vªh; ik=rk ijh{kk ¼usV½ dh Hkwfedk

अन्वेषक: प्रो. एन.वी. वर्गीज, डॉ. गरिमा मलिक और डा. धर्म रक्षित गौतम

अंतिम रिपोर्ट नवंबर 2015 में यूजीसी को सौंपी गई। परियोजना पूरी हो गई।

सीपीआरएचई रिसर्च पेपर सीरीज 8 के रूप में 'भारत में उच्च शिक्षा में शिक्षक भर्ती: नेट परिणाम का विश्लेषण' शीर्षक वाली परियोजना पर आधारित शोध पत्र अक्टूबर 2017 में प्रकाशित होने की संभावना है।

6- f'k{kd vkSj f'k{k.k ¼ih,e,e,e,u,eVhVh½ ;kstuk ij iafMr enu eksgu ekyoh; jk"Vªh; fe'ku ds dk;kZUo;u dk eY;kadu

अन्वेषक: प्रो.एन.वी. वर्गीज, डॉ. अनुपम पचौरी और डॉ. सयतन मंडल

अध्ययन पूरा हो गया है और सिफारिशों के साथ मूल्यांकन रिपोर्ट मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) को जनवरी 2017 में सौंपी गई थी।

7- ,l,l, ds ykxw gksus ds ckn lekurk ifj.kke% iwohZ fnYyh vkSj vtesj ftys esa QhYMoZd

अन्वेषक: प्रो. रत्ना सुदर्शन

मई 2016 से पहले पूरा होने की अपेक्षा है।

8- çkFkfed vkSj ek/;fed fo|ky; ds f'k{kdksa ds dkedkth gkykr ij 9 jkT; v/;;u

अन्वेषकः प्रो. विमला रामचंद्रन (पीआई), डॉ. अनुपम पचौरी, प्रेरणा गोयल चटर्जी और निखिल माथुर

रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

9- iatkc esa f'k{kdksa ds dkedkth gkykr dk ,d v/;;u% [kkdk cukus dh uhfr vkSj ifjikfV

अन्वेषकः डॉ. अनुपम पचौरी और प्रो. विमला रामचंद्रन

अन्वेषक द्वारा प्रदान की गई नवीनतम जानकारी अनुसार संपन्न स्थिति।

10- rfeyukMq esa mPp f'k{kk ds fy, uhfrxr #>ku& foLrkj] –f"V] Qksdl vkSj foÙk lkeF;Z ds –f"Vdks.k ij çfrLi/khZ jktuhfr

अन्वेषकः डॉ. ए. मैथ्यू

(i) मसौदा रिपोर्ट संपन्न;

(ii) प्रकाशनः 'तमिलनाडु उच्च शिक्षा नीति में प्रतियोगी राजनीति', द इंडियन जर्नल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, वॉल्यूम 39, नंबर 2, अप्रैल–जून 2016, पीपी.1–18

11- dsjy esa mPp f'k{kk fodkl ij uhfrxr laokn% lekurk ,oa de futhdj.k gsrq vUos"kd% M,- ,- eSF;w

(i) मसौदा रिपोर्ट संपन्न;

(ii) प्रकाशनः 'केरल में उच्च शिक्षा पर नीतिगत संवाद', द इंडियन जर्नल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, वॉल्यूम 39, नंबर 4, 2016, पीपी.53–78।

12- dukZVd mPp f'k{kk esa uhfr fodkl% fo'ks"kK leg dh flQkfj'kksa ij ljdkj dh çfrfØ;k

अन्वेषकः डॉ. ए. मैथ्यू

(i) मसौदा रिपोर्ट संपन्न;

(ii) प्रकाशनः 'कर्नाटक उच्च शिक्षा नीति में समावेश और निजीकरण के पहलू', द इंडियन जर्नल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, वॉल्यूम 39, नंबर 3, जुलाई–सितंबर, 2016, पीपी. 71–92

13- ikVhZ vkSj tkfr ds fopkj vk/kz çns'k esa mPp f'k{kk uhfr >qdko iSnk djrs gSa

अन्वेषकः डॉ. ए. मैथ्यू

(i) मसौदा रिपोर्ट संपन्न;

(ii) प्रकाशनः 'आंध्र की शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाः एपी और तेलंगाना में उच्च शिक्षा पर इरादा और अनपेक्षित प्रभाव, कॉलेज पोस्ट, अप्रैल–जून, पृ. 3–9; 24–25;

(iii) एनआईईपीए ऑकेजनल पेपर के रूप में प्रकाशन प्रक्रिया में है।

14- f'k{kk _.kksa ij C;kt lfClMh dh dsaæh; {ks= ;kstuk dk eW;kadu% ykHkkfFkZ;ksa dh lkekftd&vkfFkZd çkQkby dk fo'ys"k.k

अन्वेषकः डॉ. गीता रानी

नवीनतम जानकारी के रूप में अन्वेषक द्वारा प्रदान की गई संपन्न स्थिति।

15- jk"Vªh; vuqla/kku çkQslj ;kstuk% ,d eqY;kadu

अन्वेषकः प्रोफेसर एन वी वर्गीज और डॉ. गरिमा मलिक

अध्ययन पूरा हो गया है और सिफारिशों के साथ मूल्यांकन रिपोर्ट मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) को सौंप दी गई है

अनुसंधान अध्ययन (जारी)

(31 मार्च, 2017 तक)

1- 'kSf{kd ç'kklu vkSj fo"k;xr v/;;u dk rhljk vf[ky Hkkjrh; losZ{k.k

अन्वेषक: प्रो. के. सुजाता और डॉ. आर.एस. त्यागी

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) ने सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को कवर करते हुए दो शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षण (1973 में, और दूसरा 1990 में) किया था। सर्वेक्षण का मूल उद्देश्य व्यवस्था की बदलती मांग के लिए शैक्षिक प्रशासन की स्थिति और इसकी जवाबदेही की जांच करना था। पिछले दो दशकों के दौरान, अनेक नीतिगत पहल और शैक्षिक कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप प्रशासनिक ढांचे में सुधार और विभिन्न स्तरों, राज्य, क्षेत्र, जिला, उप–जिला और संस्थागत स्तर पर कार्य कर रहे हैं। इन पहलकदमियों और हस्तक्षेपों ने शैक्षिक शासन में नए आयाम जोड़े हैं। विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक प्रशासन की स्थिति की जांच करने और शैक्षिक शासन में बदलाव का पता लगाने के लिए, न्यूपा ने 2013 में तीसरा अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण शुरू किया जिसमें अनेक विषयगत अध्ययन शामिल थे, जिसमें शैक्षिक प्रशासन और शासन के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया था। सर्वेक्षण के विशिष्ट उद्देश्य हैं:–

- सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में संरचनाओं, प्रणाली और प्रक्रिया की अवधि में शैक्षिक प्रशासन की वर्तमान स्थिति की जांच करना।
- शैक्षिक प्रशासन की प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कार्यनीति तैयार करने के लिए हस्तक्षेप के प्रमुख मुद्दों और क्षेत्रों की पहचान करना तथा
- राष्ट्रीय, राज्य और संघ राज्य–क्षेत्रों के स्तर पर स्कूली शिक्षा के संचालन में सुधार के उपाय सुझाना।

cMs losZ{k.k ds Hkkx ds :i esa fuEufyf[kr v/;;u vkSj xfrfof/k;k¡ dh xbZ gSa&

- डॉ. आर.एस. त्यागी द्वारा केरल में शैक्षिक प्रशासन पर पायलट अध्ययन;
- डॉ. मंजू नरुला द्वारा बिहार में शैक्षिक प्रशासन पर पायलट अध्ययन (अंतिम रूप में)
- इन पायलट अध्ययनों के आधार पर, तीसरे सर्वेक्षण के लिए उपकरणों को अंतिम रूप दिया जा रहा है; तथा
- प्रो. कुमार सुरेश द्वारा एमपी और बिहार में प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन में स्थानीय निकायों की साझा जिम्मेदारियों और क्षमताओं पर अध्ययन।
- 23 राज्य रिपोर्टों की प्रतिलिपि संपादन और संपादकीय प्रक्रिया। पश्चिम बंगाल का मसौदा पूरा। राज्य से अंतिम रिपोर्ट का इंतजार है। समीक्षा की प्रक्रिया में परियोजना के तहत विषयगत अध्ययन।

2- 'kSf{kd ç'kklu dh lajpuk vkSj dk;kZ dk v/;;u ¼'kSf{kd ç'kklu ds rhljs vf[ky Hkkjrh; losZ{k.k ds Hkkx ds :i esa fo"k;xr v/;;u½

अन्वेषक: प्रो. कुमार सुरेश, डॉ. मंजू नरुला और डॉ. विनीता सिरोही

प्रस्तावित परियोजना संरचना और शैक्षिक प्रशासन के कार्यों के पहलू पर संसाधन सामग्री की विशिष्टता को देखते हुए विशेष महत्व रखती है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्यों पर शायद ही कोई जानकारी उपलब्ध है। शिक्षा विभाग की वेबसाइटें, निश्चित रूप से संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के शैक्षिक प्रशासन की संरचना पर बुनियादी जानकारी शामिल करती हैं, लेकिन ये मुख्य रूप से सचिवालय और निदेशालय स्तरों तक सीमित हैं। ज्यादातर मामलों

में, निदेशालय स्तर से नीचे शैक्षिक प्रशासनिक ढांचे की जानकारी बहुत कम है। सभी स्तरों और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में शैक्षिक प्रशासनिक ढांचे की जानकारी की अनुपलब्धता के अलावा शैक्षिक प्रशासन के प्रत्येक और हर स्तर से जुड़ी कार्यात्मक जिम्मेदारी पर कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। शैक्षिक विकास के लिए केंद्र प्रायोजित योजनाओं की पूरी श्रृंखला ने शैक्षिक प्रशासन में नए आयाम जोड़े हैं। राज्यों में कार्यक्रम कार्यान्वयन प्रारूप ने प्रशासन के समानांतर ढांचे भी बनाए। अनेक मामलों में, राज्यों में शिक्षा की समानांतर संरचना और मुख्यधारा के प्रशासनिक ढांचे के बीच शायद ही कोई सीधा संबंध है। इसी तरह, वर्षों से अकादमिक सहायता प्रणाली की संरचना का विस्तार हुआ है।

mís';

- शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्यों पर विस्तृत जानकारी एकत्र करना।
- एसएसए/आरएमएसए/एमडीएम/आरटीई, आदि की शुरूआत के विकास के लिए विशिष्ट संदर्भ के साथ, वर्षों में हुए परिवर्तनों का दस्तावेजीकरण करना।
- शैक्षिक प्रशासन के भीतर संरचनाओं और कारकों की विविधता को बांधना
- शैक्षिक प्रशासन में एक समर्पित पोर्टल के माध्यम से या जारी अद्यतनीकरण के प्रावधान के साथ मौजूदा व्यवस्था के हिस्से के रूप में शैक्षिक प्रशासन पर सभी प्रासंगिक जानकारी सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराने के लिए प्रारंभिक कार्य शुरू हुआ।

  आंकड़ा संग्रह के लिए रूपरेखा और उपकरण अंतिम रूप देने की प्रक्रिया जारी

3- 'kSf{kd ç'kklu esa ftyk vkSj Cy,d f'k{kk vf/kdkfj;ksa dh fLFkfr] Hkwfedk vkSj ftEesnkfj;ka ¼r`rh; vf[ky Hkkjrh; 'kSf{kd losZ{k.k ds Hkkx ds :i esa fo"k;xr v/;;u½

अन्वेषकः प्रोफेसर कुमार सुरेश, डॉ. मंजू नरूला और डॉ. वी. सुचरिता

जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारी फील्ड स्तर पर महत्वपूर्ण शैक्षिक अधिकारी हैं। वे स्कूलों के प्रभावी कामकाज को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिला और ब्लॉक स्तर पर शैक्षिक प्रशासन उनकी निगरानी और समर्थन के मामले में स्कूलों से निकटता से जुड़ा हुआ है। वे स्कूलों और उच्च स्तर के शैक्षिक प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। स्कूल स्तर पर सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों का कार्यान्वयन इन अधिकारियों की महत्वपूर्ण कार्यकारी जिम्मेदारियों को दर्शाता है। भूमिका और जिम्मेदारियों के विस्तार के संपूर्ण सप्तक को समझना महत्वपूर्ण है और यह भी कि कैसे ये अधिकारी फील्ड स्तर पर अधिकारियों की क्षमता में उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं।

v/;;u dk mís';

1. जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों की स्थिति और बदलती भूमिकाओं और जिम्मेदारियों, यदि कोई हो, का अध्ययन करना।
2. राज्य/जिला और ब्लॉक स्तर के शैक्षिक प्रशासन में शुरू किए गए आरटीई, 2009 और अन्य विकास कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप, डीईओ और बीईओ की कार्यकारी जिम्मेदारियों के बारे में जो बदलाव आए हैं, उनका अध्ययन करना
3. डी.ई.ओ. और बीईओ की प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आकलन करना।

अध्ययन मुख्य रूप से तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण शैक्षिक प्रशासन के साथ–साथ जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों से संबंधित क्षेत्र–आधारित डाटा संग्रह पर उपलब्ध डाटाबेस पर आधारित होगा। शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण की राज्य रिपोर्ट में जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा प्रशासन के बारे में कुछ बुनियादी जानकारी शामिल है, जिसमें वर्णनात्मक प्रारूप के अनुसार स्थिति, भूमिका और कार्यकारी जिम्मेदारियां शामिल हैं। हालांकि, विश्लेषणात्मक आयाम शामिल नहीं हैं। वर्णनात्मक आंकड़ों का विश्लेषण एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य से किया जाएगा। वर्तमान अध्ययन मुख्य रूप से क्षेत्र अध्ययन के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों और जानकारी के अलावा इन आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित होगा। प्रारंभिक कार्य तैयारी की प्रक्रिया के तहत आंकड़ा संग्रह के लिए ढांचे और उपकरणों से संबंधित है।

4- 'kSf{kd ç'kklu esa uokpkj vkSj vPNh vkpj.k ¼rhljs vf[ky Hkkjrh; losZ{k.k ç'kklu ds Hkkx ds :i esa fo"k;xr v/;;u½

अन्वेषकः प्रोफेसर कुमार सुरेश और डॉ. वी. सुचरिता

पिछले कुछ वर्षों में, स्कूल शिक्षा क्षेत्र ने बड़े पैमाने पर विस्तार का अनुभव किया है। इस तरह के विस्तार क्षेत्र का प्रबंधन करना अपने आप में एक चुनौती है। इस तरह की प्रणाली के प्रबंधन की चुनौती संस्थागत स्तर से राज्य स्तर तक शुरू होने वाले विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक प्रशासन द्वारा विभिन्न पहलकदमियों के साथ बातचीत द्वारा की जाती है। ये पहल, कई मामलों में, नवीन प्रथाओं के रूप में सामने आती हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, विभिन्न स्तरों पर स्कूली शिक्षा की सार्वजनिक प्रणाली के कामकाज में सुधार के लिए अनेक नवचारी पहल की गई हैं। अभिनव पहलकदमियों के क्षेत्र भी विविध हैं। यह इस पृष्ठभूमि में है कि प्रस्तावित अध्ययन का उद्देश्य विभिन्न राज्यों और संघ राज्य–क्षेत्रों में शैक्षिक प्रशासन के क्षेत्र में की गई विभिन्न नवाचार पहलकदमियों को एक साथ लाना है।

mís';%&

- विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और अच्छी प्रथाओं का अध्ययन करना।
- कुछ नवाचारों और अच्छी प्रथाओं के मामले केस अध्ययन के रूप में विकसित करना।
- नवाचारों और अच्छी प्रथाओं का प्रसार

यह अध्ययन भारत के राज्यों और संघ राज्य–क्षेत्रों से एकत्र किए गए आंकड़ों पर आधारित होगा। शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और अच्छी प्रथाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रारूप विकसित किया जाएगा और प्रारूप राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। राज्यों से अनुरोध किया जाएगा कि वे शैक्षिक प्रशासन के विभिन्न स्तरों पर अपनाए गए किसी भी नवाचार और अच्छी प्रथाओं के बारे में जानकारी प्रदान करें। नवाचारों और अच्छी प्रथाओं के मामलों के बारे में विस्तृत जानकारी क्षेत्र दौरों के साथ–साथ क्षेत्रीय/राज्य/राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला के माध्यम से एकत्र की जाएगी। अनुसंधान प्रस्ताव समीक्षा की प्रक्रिया के तहत है। समीक्षा प्रक्रिया के पूरा होने के बाद शुरू होने की संभावना है।

5- Hkkjr esa 'kSf{kd 'kklu esa l?kokn vkSj l?k&jkT; lca/k ¼rhljk vf[ky Hkkjrh; losZ{k.k 'kSf{kd ç'kklu ds Hkkx ds :i esa fo"k;xr v/;;u½

अन्वेषकः प्रोफेसर कुमार सुरेश

संघीय प्रणालियों में शिक्षा का प्रशासन संवैधानिक रूप से अनिवार्य न्यायिक विनिर्देश और सरकार के गठन के स्तर के लिए जिम्मेदारियों के सौंपे जाने पर आधारित है – आमतौर पर दो स्तरों के बीच – सरकार–संघीय और घटक इकाइयां। कुछ मामलों में, शिक्षा के संचालन की जिम्मेदारी विशेष रूप से घटक इकाइयों के साथ रहती है। संघीय इकाइयों के लिए नीति और वित्तीय स्वायत्तता स्वाभाविक रूप से जिम्मेदारियों के वितरण के पैटर्न से जुड़ी हुई है। यह क्रमशः शिक्षा के शासन में संघीय सरकारों और घटक इकाइयों के बीच संबंधों की प्रकृति को निर्धारित करता है। विधायी, प्रशासनिक और वित्तीय स्वायत्तता के संदर्भ में जिम्मेदारियों और क्षमता के वितरण के पैटर्न का एक तुलनात्मक मानचित्रण संघीय प्रणालियों में विविधताओं की विस्तृत श्रृंखला को दर्शाता है।

mís';%&

- शैक्षिक संघवाद और संघ–राज्य संबंधों की प्रकृति को प्रभावित करने वाले संवैधानिक संदर्भ और संवैधानिक विकास का अध्ययन करना।
- शिक्षा से संबंधित निर्णय लेने में राज्यों की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारक के रूप में समरूपता का अध्ययन करना।
- संघ–राज्य और अंतर–राज्य और अंतर–संस्थागत समन्वय निकायों की भूमिका और समन्वय की प्रक्रिया का पता लगाने के लिए।
- शिक्षा में संघ–राज्य संबंधों में आवर्ती सरोकारों का पता लगाने के लिए।

v/;;u fuEufyf[kr ç'uksa dh tkap djus dk ç;kl djsxk%&

- शिक्षा के क्षेत्र में संघ–राज्य संबंध के बदलते आयाम क्या हैं?

- शिक्षा के क्षेत्र में केंद्र–राज्य संबंध नीति निर्माण और कार्यान्वयन को कितना प्रभावित करते हैं?
- शिक्षा में पात्रता वितरण पर राजनीति कितना प्रभाव डाल रही है?
- शिक्षा में पुनर्निर्धारित संगामिति ने शिक्षा से संबंधित निर्णय लेने में राज्यों की क्षमता को कितना प्रभावित किया है?
- संघ–राज्य और अंतर–राज्य और अंतर–संस्थागत समन्वय की प्रकृति क्या है?

अध्ययन प्राथमिक और माध्यमिक दोनों आंकड़ों पर डेस्क और फील्ड–आधारित अनुसंधान का एक संयोजन होगा। इसके तीन घटक होंगे। पहला, संघ–राज्य संबंधों को प्रभावित करने वाले संवैधानिक और उत्तर–संवैधानिक विकास का अध्ययन होगा। यहां, संदर्भ के प्रमुख बिंदु अधिनियम, अधीनस्थ विधान और नीतिगत पहल और सुधार होंगे, जिसमें केंद्र प्रायोजित योजनाएं भी शामिल होंगी। दूसरा, मुख्य रूप से स्कूली शिक्षा पर केंद्रित होगा और तीसरा उच्च शिक्षा पर केंद्रित होगा। अनुभवजन्य अंतर्दृष्टि के लिए, कुछ राज्यों को अध्ययन के लिए मामले के रूप में लिया जाएगा। अध्ययन में शामिल किए जाने वाले आयामों का विवरण विशेषज्ञों और परियोजना सलाहकार समिति के सदस्यों के परामर्श से पूरा किया जाएगा।

अनुसंधान प्रस्ताव समीक्षा की प्रक्रिया के तहत है। समीक्षा प्रक्रिया के पूरा होने के बाद अध्ययन शुरू होने की संभावना है।

6- dæh; çk;kftr ek/;fed f'k{kk d fy, Nk=kvk d çkRlkgu dh jk"Vªh; ;ktuk dk ,d eY;kdu v/;;u ¼,e,pvkjMh l vujk/k½ vUo"kd% M,- oVdjh ih-,l-jkt

अध्ययन का उद्देश्य एनएसआईजीएसई योजना के तहत देश में विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता के प्रभाव का मूल्यांकन करना है।

गहन अध्ययन तीन राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में आयोजित किया जाएगा। नमूना राज्यों का चयन देश के विभिन्न क्षेत्रों से प्रोत्साहन के उपयोग पैटर्न के आधार पर किया जाएगा। सरकारी सहायता प्राप्त और स्थानीय निकाय स्कूलों में कक्षा IX और X में अध्ययनरत प्रत्येक नमूना राज्य की कम से कम 350 लाभार्थी छात्राओं का चयन किया जाएगा।

अंतरिम रिपोर्ट एमएचआरडी को सौंपी गई है। क्षेत्र से प्राथमिक डाटा का संग्रह, डाटा की कोडिंग और प्रविष्टि प्रगति पर है। अंतिम रिपोर्ट 31 अगस्त, 2018 तक प्रस्तुत करने के लिए तैयार हो जाएगी।

7- ^jk"Vªh; lk/ku&lg&;kX;rk Nk=ofÙk ;ktuk* dh dæ çk;kftr ;ktuk dk eY;kdu v/;;u

अन्वेषक: डॉ. वेटुकुरी पी.एस.राजू

भारत सरकार और राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों ने वर्षों में शिक्षा की घरेलू लागत के बोझ को कम करने में मदद के लिए अनेक छात्रवृत्ति, वित्तीय सहायता योजनाओं और प्रोत्साहन की घोषणा की है। सामाजिक रूप से हाशिए पर रहने वाले समूह (जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक समुदाय और छात्राएं) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (जैसे गरीबी रेखा से नीचे के परिवार) और इन लोगों की छात्रवृत्ति और प्रोत्साहन के विशेष लक्ष्य समूह हैं। छात्रवृत्ति का उद्देश्य मेधावी छात्रों की पहचान करना और उन्हें माध्यमिक और साथ ही उच्चतर शिक्षा को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रेरित करना है। ऊपर उठाए गए सभी मुद्दों के मद्देनजर, स्कूल स्तर पर केंद्र और राज्य सरकारों ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और वंचित समूहों के बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा को पूरा करने के लिए अनेक छात्रवृत्ति और प्रोत्साहन योजनाएं शुरू की हैं। इस तरह की योजनाओं में से एक राष्ट्रीय साधन–सह–छात्रवृत्ति योजना'(एनएमएमएसएस) को मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने 2008 में ग्यारहवीं योजना अवधि के दौरान स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के माध्यम से आरंभ किया था।

mís';%&

- केंद्र प्रायोजित राष्ट्रीय साधन–सह–योग्यता छात्रवृत्ति योजना की कार्यान्वयन प्रक्रिया का अध्ययन करने के लिए।
- 2008–09 से 2016–17 की अवधि के दौरान विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा राष्ट्रीय

साधन–सह–योग्यता छात्रवृत्ति योजना के उपयोग और उपलब्धि पैटर्न का अध्ययन करने के लिए।

- समाज के आर्थिक और सामाजिक रूप से वंचित वर्गों के छात्रों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता के प्रभाव का आकलन।
- छात्रों को छात्रवृत्ति राशि के संवितरण से संबंधित प्रभावी कार्यान्वयन और मुद्दों में आने वाली चुनौतियों की पहचान करना।
- योजना में सुधार के लिए सुझाव और सिफारिशें देना।

अध्ययन का उद्देश्य केन्द्र प्रायोजित राष्ट्रीय साधन–सह–योग्यता छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएसएस) के तहत देश के विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता के प्रभाव का मूल्यांकन करना है। अध्ययन माध्यमिक और प्राथमिक डाटा का उपयोग करके वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का उपयोग करके किया जाएगा।

अंतरिम रिपोर्ट एमएचआरडी को सौंपी गई। क्षेत्र से प्राथमिक डाटा का संग्रह, डाटा की कोडिंग और फीडिंग प्रगति पर है। अंतिम रिपोर्ट 31 अगस्त, 2018 तक तैयार हो जाएगी।

8- Hkkjr esa rqyukRed 'kSf{kd ykHk dh LFkkfud xfr'khyrk

अन्वेषकः प्रो. मोना खरे

प्रस्ताव विकास, प्रस्तुति और अनुमोदन, साहित्य समीक्षा, भारतीय संदर्भ में प्रासंगिक संकेतकों की पहचान के लिए विचार–विमर्श पूरा हो चुका है। स्कूल शिक्षा विकास के लिए सारणीकरण और डाटा विश्लेषण पूरा। पहले तीन मसौदा अध्याय तैयार। उच्च शिक्षा विकास के संकेतक की पहचान की गई है और माध्यमिक स्रोतों से डाटा संकलन प्रगति पर है। पहचान किए गए स्थानिक विकास और डाटा संकलन के समग्र सूचकांक के निर्माण के लिए संकेतक प्रगति पर हैं। जिला स्तर पर डाटा की उपलब्धता का पता लगाने के लिए, राज्य के चुनिंदा अधिकारियों से संपर्क किया जाता है। शोध अध्ययन से निकाले गए तीन पत्र, सेमिनार में प्रस्तुत किए गए, प्रकाशन के लिए स्वीकार किए गए हैं, कुछ महीनों में प्रकाशित होने की उम्मीद है।

9- Hkkjr esa bathfu;fjax f'k{kk dk fodkl

अन्वेषकः प्रो. जंध्याला बी. जी. तिलक

ब्रिक्स देशों में उच्च शिक्षा पर अंतरराष्ट्रीय तुलनात्मक अध्ययन के एक हिस्से के रूप में, दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु में 2009–10 में लगभग 40 इंजीनियरिंग संस्थानों पर भारी मात्रा में आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। सर्वेक्षण में इन संस्थानों में लगभग 7000 छात्र शामिल थे। छात्र सर्वेक्षण छात्रों की अनेक विशेषताओं पर आंकड़े प्रदान करता है – उनकी सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक पृष्ठभूमि, शिक्षा पर उनका खर्च, और इंजीनियरिंग शिक्षा की गुणवत्ता और इसी तरह के पहलुओं पर उनकी धारणा।

हाल के दिनों में भारत में बहुत कम अध्ययन हुए हैं जिन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों की सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि का विश्लेषण किया है। दिनांकित अध्ययनों में डॉ. वी.के.आर.वी.राव द्वारा 1962 में दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्ययन शामिल हैं। 1970 के दशक में पश्चिम बंगाल में बिकास सान्याल द्वारा आईआईईपी अध्ययन।

वित्तपोषण, फीस, ऋण और अन्य पहलुओं से संबंधित नीति–निर्धारण के लिए छात्रों की पृष्ठभूमि का एक विस्तृत विश्लेषण महत्वपूर्ण माना जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक अध्ययन पूरा हो चुका है और अंतिम परिणाम स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया था। भारत में एकत्र किए गए डाटा की भारी मात्रा का उपयोग करते हुए, भारत में इंजीनियरिंग शिक्षा के विकास पर एक अध्ययन तैयार किया जा रहा है, जो निम्नलिखित पहलुओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा हैः–

- इंजीनियरिंग शिक्षा के लिए विकासः सार्वजनिक और निजी।
- इंजीनियरिंग शिक्षा के लिए छात्र कौन हैं?
- इंजीनियरिंग शिक्षा की मांग के निर्धारकों की जांच करना।

ऐसे कारक जो निजी शिक्षा के विकास की व्याख्या करते हैं। इंजीनियरिंग शिक्षा की लागत (घरेलू और सार्वजनिक)।

मई 2016 तक, अध्ययन का रिपोर्ट लेखन प्रगति पर था। कुछ अध्यायों के मसौदे पूरे हो चुके थे और बाकी प्रगति पर थे।

10- e,Mîy% mPp f'k{kk lLFkkuk e fofo/krk vkj HkknHkko

अन्वेषकः डॉ. निधि एस. सभरवाल और डॉ. सी. एम. मालिश

मॉड्यूल के लेखकों की पहली बैठक 16 मार्च, 2017 को हुई थी। बैठक में प्रत्येक मॉड्यूल के समग्र दृष्टिकोण और सामग्री की सामूहिक समझ विकसित करने में मदद मिली।

मॉड्यूल के लिए पहचाने गए क्षेत्रों में शामिल हैंः–

मॉड्यूल 1ः उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और सामाजिक समावेशः अवधारणा और दृष्टिकोण

मॉड्यूल 2ः उच्च शिक्षा में छात्र विविधता का वर्गीकरण

मॉड्यूल 3ः परिसरों में अकादमिक एकीकरण प्राप्त करने के लिए तरीके

मॉड्यूल 4ः उच्च शिक्षा में भेदभाव के रूप

मॉड्यूल 5ः परिसर में सामाजिक समावेश

मॉड्यूल 6ः छात्र विविधता के प्रबंधन के लिए संस्थागत तंत्र

मॉड्यूल 7ः छात्र विविधता, नागरिक शिक्षा और लोकतांत्रिक भागीदारी

इन मॉड्यूलों का लेखन प्रगति पर है।

11- Hkkjr e mPp f'k{kk Lukrdk dk jkstxkj vkj jkstxkj&'khyrk

अन्वेषकः प्रोफेसर मोना खरे

अध्ययन के लिए अनुसंधान प्रस्ताव 2015 में विकसित किया गया था। प्रस्ताव विशेषज्ञों को भेजा गया था और 26 अक्टूबर 2015 को आयोजित विशेषज्ञ समिति की बैठक में प्रस्तुत किया गया था। अनुमोदन के उपरान्त मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान उपकरण विकसित किए गए थे। 12 मई, 2016 को बाहरी विशेषज्ञों के एक समूह के साथ अनुसंधान उपकरणों पर एक चर्चा बैठक आयोजित की गई। राज्य की टीमों का गठन किया गया और टीम के सदस्यों की पहचान की गई। अनुसंधान उपकरणों को अंतिम रूप देने के बाद, छात्रों और कॉलेज के संकाय/प्रशासन के परिप्रेक्ष्य को उत्पन्न करने के लिए दिल्ली यूनिवर्सिटी कॉलेज में एक प्रायोगिक सर्वेक्षण किया गया था। नियोक्ताओं और कर्मचारियों के परिप्रेक्ष्य उत्पन्न करने के लिए केनरा बैंक में भी सर्वेक्षण किया गया था। प्रदत्त प्रश्नावली के अलावा, सर्वेक्षण में एफजीडी और साक्षात्कार शामिल थे। पूरी गतिविधि अगस्त और नवंबर 2016 के बीच पूरी हुई। प्रायोगिक सर्वेक्षण का आंकड़ा प्रविष्टि और विश्लेषण पूरा हो गया और उपकरण पक्के हो गए। पहली कार्यप्रणाली कार्यशाला 18–19 जनवरी, 2017 को आयोजित की गई जिसमें 17 राज्य टीमों के सदस्यों ने भाग लिया। अनुसंधान उपकरणों पर गहन चर्चा की गई और उनके साथ उनके संबंधित राज्यों में क्षेत्र सर्वेक्षण करने के लिए साझा किया गया।

i) बैंगलोर विश्वविद्यालय, बैंगलोर के सहयोग से "जैंडर बजटिंग इन एज्यूकेशन" पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

ii) हैदराबाद में हिटाची और एली कंपनियों में "भारत में उच्चतर शिक्षा स्नातकों का रोजगारशीलता और रोजगार योग्यता" पर गोल–मेज सम्मेलन और एफजीडी का आयोजन और संचालन किया गया।

iii) ओरिएंटल, लखनऊ में 'भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलता' परियोजना पर गोलमेज सम्मेलन और एफजीडी आयोजित और संचालित।

iv) सिस्को, बेंगलुरु में "भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलता" परियोजना पर गोलमेज सम्मेलन और एफजीडी का आयोजन और संचालन किया गया।

V) एचसीएल, लखनऊ में "भारत में उच्चतर शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलता" पर गोलमेज और एफजीडी का आयोजन और संचालन।

vi) टीसीएस, बेंगलुरु में 'भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलता' परियोजना पर गोलमेज सम्मेलन और एफजीडी का आयोजन और संचालन।

vii) महिंद्रा–टेक, नोएडा में "भारत में उच्चतर शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगारशीलता" पर राउंड–टेबल और एफजीडी का आयोजन और संचालन किया गया।

viii) रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस, नई दिल्ली में "भारत में उच्चतर शिक्षा स्नातकों के रोजगारशीलता और रोजगारयोग्यता" पर गोलमेज–सम्मेलन और एफजीडी का आयोजन और संचालन किया।

ix) बैंगलोर विश्वविद्यालय में परियोजना 'भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलता' पर कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आमने–सामने साक्षात्कार आयोजित और संचालित किया गया।

x) मुंबई विश्वविद्यालय में परियोजना 'भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलता' पर कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आमने–सामने साक्षात्कार आयोजित किया गया।

xi) दिल्ली विश्वविद्यालय में परियोजना 'भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलता' पर कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आमने–सामने साक्षात्कार आयोजित और संचालित किया गया।

xii) हैदराबाद में हिताची और एली कंपनियों के परियोजना 'भारत में उच्चतर शिक्षा स्नातक की रोजगार और रोजगारशीलता' पर कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आमने–सामने साक्षात्कार आयोजित और संचालित किया गया।

xiii) लखनऊ में एचसीएल और ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनियों में 'भारत में उच्चतर शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगारशीलता' पर कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आमने–सामने साक्षात्कार आयोजित किया गया।

xiv) राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई में 'भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलता' परियोजना पर कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आमने–सामने साक्षात्कार आयोजित और संचालित किया।

xv) महिंद्रा–टेक, नोएडा में परियोजना 'भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगार शीलता' पर कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आमने–सामने साक्षात्कार आयोजित और संचालित किया।

xvi) रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस, नई दिल्ली में 'भारत में उच्चतर शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलता' पर कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आमने–सामने साक्षात्कार आयोजित और संचालित किया गया।

राज्यों में आंकड़ा संग्रह पूरा हो गया है।

जनवरी 2018 में राज्य टीमों के लिए दूसरी कार्यप्रणाली कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

अध्ययन से प्रकाशित दो शोध पत्र इस प्रकार हैं:–

i) टेकिंग द स्किल्स मार्च फॉरवर्ड इन इंण्डिया – ट्रांजिशनिंग टू द वर्ल्ड ऑफ वर्क, (2016) इन माथियाज पिल्ज एड इंडिया: प्रीपेरेशन फॉर वर्क ऑफ द वर्ल्ड, स्प्रिंगर वी.एस.

ii) स्नातक रोजगार: भारत की चुनौती पोस्ट 2015 विकास एजेंडा, भारतीय आर्थिक जर्नल में, दिसंबर 2015, पृ. 97–111

12- Hkkjr esa mPp f'k{kk dh xq.koÙkk% lLFkkxr Lrj ij ckgjh vkSj vkarfjd xq.koÙkk vk'oklu dk ,d v/;;u

अन्वेषक: डॉ. अनुपम पचौरी

शोध अध्ययन एक बहु–राज्य और बहु–संस्थागत अध्ययन है जिसका उद्देश्य बाहरी गुणवत्ता आश्वासन (ईक्यूए) की संरचना और कार्यों, उनके अंतर–संबंध और 10 उच्च शिक्षा संस्थानों में संस्थागत स्तर पर गुणवत्ता आश्वासन, प्रतिभागियों की भागीदारी, पांच राज्यों अर्थात कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, राजस्थान और तेलंगाना से मिश्रित तरीकों के माध्यम द्वारा।

परियोजना कार्यान्वयन चरण में है, और इस अनुसंधान परियोजना के तहत पूरी की जाने वाली गतिविधियाँ हैं:–

i) अध्ययन के लिए अनुसंधान प्रस्ताव सीपीआरएचई आंतरिक संकाय की बैठक में 24 सितंबर, 2014 को बनाया और प्रस्तुत किया गया था।

ii) फीडबैक के बाद और साहित्य समीक्षा के मद्देनजर, प्रस्ताव को संशोधित किया गया और 08 जनवरी,

2015 को आयोजित विशेषज्ञ समिति की बैठक में प्रस्तुत किया गया।

iii) पांच राज्यों में से प्रत्येक चयनित विश्वविद्यालयों से पांच विश्वविद्यालयों और एक संबद्ध कॉलेज से पांच संस्थागत स्तर की टीमों का गठन किया गया है।

iv) मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान उपकरणों को विकसित किया गया है जिसमें छात्रों और संकाय सर्वेक्षण प्रश्नावली, संकाय और छात्रों के साथ एफजीडी के लिए फोकस समूह चर्चा विषय, चयनित विश्वविद्यालयों और संस्थागत नेतृत्वकर्ताओं में संस्थागत नेताओं के लिए साक्षात्कार कार्यक्रम शामिल हैं।

v) उच्च शिक्षा में अनुसंधान में लगे बाहरी विशेषज्ञों/शोधकर्ताओं के एक विशेषज्ञ समूह के परामर्श से अध्ययन के लिए शोध उपकरणों का विश्लेषण किया गया है।

vi) अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

vii) परियोजना प्रारंभ की जा चुकी है।

viii) प्रश्नावली को नियमबद्ध किया जा रहा है और शोध टीमों की सुविधा के लिए कोडबुक विकसित की जा रही है।

ix) तीसरी अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला सितंबर 06–07, 2017 को आयोजित की जाएगी, जहां मसौदा रिपोर्ट और संश्लेषण रिपोर्ट साथियों की टिप्पणियों के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

x) संश्लेषण रिपोर्ट के मसौदे को अंतिम रूप दिया जा रहा है; अंतिम बार प्रस्तुत करने के लिए राज्य रिपोर्टों को संशोधित की गई है।

13- Hkkjr esa mPp f'k{kk dk 'kklu vkSj çcU/ku

अन्वेषक: डॉ. गरिमा मलिक

अनुसंधान का उद्देश्य राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर उच्च शिक्षा कार्यों के शासन और प्रबंधन को समझने के साथ–साथ उच्च शिक्षा संस्थानों को कैसे संचालित और प्रबंधित किया जाना है।

अनुसंधान परियोजना के विशिष्ट उद्देश्य हैं:

i) राष्ट्रीय, राज्य और संस्थागत स्तरों पर शासन संरचना और प्रक्रियाओं के विकास पर चर्चा करना।

ii) राज्य स्तर पर महत्वपूर्ण कर्त्ताओं और उनकी भूमिका का अध्ययन करना और यह अध्ययन करना कि शिक्षा मंत्रालय, शिक्षा निदेशालय, राज्य उच्च शिक्षा परिषद और उच्च शिक्षा संस्थान कैसे परस्पर संपर्क करते हैं; तथा

iii) विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शासी निकायों की भूमिका और कार्यप्रणाली का अध्ययन करना; संस्थागत स्तर पर उच्च शिक्षा के प्रबंधन का अध्ययन करना।

परियोजना कार्यान्वयन के अधीन है, और इस अनुसंधान परियोजना के दौरान पूरी होने वाली गतिविधियाँ हैं:

i) अनुसंधान प्रस्ताव बनाना;

ii) 04 दिसंबर 2014 को आयोजित विशेषज्ञ समिति की बैठक में प्रस्ताव की समीक्षा;

iii) मात्रात्मक और गुणात्मक उपकरण विकसित;

iv) अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला सामग्री विकसित; तथा

v) अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

तीसरी अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला 11–12 सितंबर, 2017 को आयोजित की जाएगी, जहां साथियों की टिप्पणियों के लिए मसौदा राज्य रिपोर्ट और संश्लेषण रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

संश्लेषण रिपोर्ट के मसौदे को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अंतिम रूप से प्रस्तुत करने के लिए राज्य रिपोर्टों को संशोधित किया गया है। फरवरी 2017 में सीपीआरएचई शोध पत्र श्रृंखला 5 के रूप में प्रकाशित 'भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का शासन और प्रबंधन' शीर्षक से शोध पत्र।

14- Hkkjr esa lkoZtfud mPp f'k{kk laLFkkuksa dk foÙkiks"k.k% fuf/k;ksa dk çokg vkSj mudk mi;ksx dk v/;;u

अन्वेषक: डॉ. जिनुशा पाणिग्राही

अनुसंधान का उद्देश्य अनुदान के संदर्भ में प्राप्त संसाधनों के उपयोग के पैटर्न के साथ–साथ भारतीय संदर्भ में

आय–जनक गतिविधियों के माध्यम से संसाधन आवंटन का अध्ययन करना। अध्ययन के उद्देश्य नव–उदारवादी बाजार सिद्धांत की पृष्ठभूमि में उच्च शिक्षा संस्थानों के वित्त पोषण के विविध स्रोतों का अध्ययन करना, ताकि संसाधनों की पर्याप्तता या अपर्याप्तता का विश्लेषण किया जा सके, ताकि विविध संसाधनों द्वारा अतिरिक्त संसाधनों के जुटाव में सापेक्ष चुनौतियों को समझा जा सके, उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा संसाधनों के व्यय और उपयोग के पैटर्न का विश्लेषण करना, धन की कमी के कारण किए जाने वाली गतिविधियों की पहचान करना। यह परियोजना पांच राज्यों अर्थात बिहार, ओडिशा, पंजाब, तेलंगाना और उत्तराखंड में 10 उच्च शिक्षा संस्थानों का एक केस अध्ययन है।

- तीसरी शोध कार्यप्रणाली 25–26 सितंबर, 2017 को आयोजित की जाएगी, जहां मसौदा रिपोर्ट और संश्लेषण रिपोर्ट साथियों की टिप्पणियों के लिए प्रस्तुत की जाएगी।
- संश्लेषण रिपोर्ट के मसौदे को अंतिम रूप दिया जा रहा है; अंतिम रूप से प्रस्तुत करने के लिए राज्य रिपोर्टों को संशोधित किया जाता है।
- फरवरी 2017 में सीपीआरएचई शोध पत्र श्रृंखला 6 के रूप में प्रकाशित 'रिसोर्स एलोकेशन एंड इनोवेटिव मेथड्स ऑफ फाइनेंसिंग हायर एजुकेशन इन इंडिया' शीर्षक से शोध पत्र।

15- Hkkjrh; mPp f'k{kk esa f'k{k.k vkSj vf/kxe

अन्वेषक: डॉ. सायंतन मंडल

परियोजना का उद्देश्य भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षण और अधिगम के पहलुओं का विश्लेषण करना है। अनुसंधान परियोजना एक बहु–राज्य, बहु–संस्थागत अध्ययन है और छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के राज्यों में प्रत्येक के उच्च शिक्षा संस्थानों (एक विश्वविद्यालय और इसके संबद्ध कॉलेजों में से एक) के चुने हुए सेट पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में शिक्षण और अधिगम की जांच के लिए मिश्रित–तरीकों के दृष्टिकोण को नियोजित करता है।

परियोजना कार्यान्वयन की प्रक्रिया में है, और इस अनुसंधान परियोजना के तहत पूरी की जाने वाली गतिविधियाँ हैं:–

i) अनुसंधान प्रस्ताव के विकास में शामिल प्रारंभिक कार्य

ii) अनुसंधान उपकरण का विकास

iii) अनुसंधान टीमों का चयन

iv) उपकरण बैठक में विशेषज्ञों के साथ चर्चा में भागीदारी

v) परियोजना की योजना

vi) भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम पर कार्यशाला के लिए तैयार दस्तावेज

vii) अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला का संचालन करना।

viii) तीसरी शोध कार्यप्रणाली कार्यशाला 29–30 अगस्त, 2017 को आयोजित की जाएगी, जहां साथियों की टिप्पणियों के लिए मसौदा राज्य रिपोर्ट और संश्लेषण रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

ix) संश्लेषण रिपोर्ट के मसौदे को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अंतिम रूप से प्रस्तुत करने के लिए राज्य रिपोर्टों को संशोधित किया गया है।

शोध पत्र जिसका शीर्षक है "टीचिंग–लर्निंग इन हायर एजुकेशन: कॉन्सेप्ट ऑफ इवोल्यूशन एण्ड एन अटैम्प्ट टुवर्डस डैवलपिंग अ न्यू टूल ऑफ एनैलिसिस" जो कि सीपीआरएचई शोध पत्र श्रृंख्ला 9 के रूप में आने वाला है।

16- mPp f'k{kk dh lQyrk vkSj lkekftd xfr'khyrk% fo'ofo|ky;ksa vkSj d,ysa tkks esa v-tk-@v-t-tk-@v-fi-o- vkSj vYil[;dks ds fy, dkfpsx ;kstukvksa ij ,d v/;;u

अन्वेषक: डॉ. मलिश सी.एम. और डॉ. निधि एस. सभरवाल

केस स्टडी संस्थानों के अनुसंधान समन्वयकों के साथ पहली अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला 02–03 मई, 2017 को आयोजित की जाएगी, ताकि अनुसंधान उपकरण और अनुसंधान कार्यान्वयन प्रक्रिया पर एक साझा समझ विकसित की जा सके। आंकड़ा विश्लेषण अच्छी तरह से प्रगति कर रहा है। अधिकांश राज्यों में सीपीआरएचई अनुसंधान समन्वयकों द्वारा क्षेत्र का दौरा पूरा कर लिया गया है।

17- Hkkjr e pfunk jkT;k e vkj,e,l, d rgr ftyk ek/;fed f'k{kk ;ktuk d fodkl ij dk; vuql/kku ifj;ktuk

अन्वेषकः प्रो. ए.एम.आई.ए. जैदी, प्रो. के.एस. बिस्वाल और डॉ. एन.के. मोहंती

यह आरएमएसए के तहत एक कार्य अनुसंधान के तहत अपने जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं (परिप्रेक्ष्य और वार्षिक योजनाओं) की तैयारी में राज्यों द्वारा पालन की जाने वाली योजना प्रक्रिया, कार्यप्रणाली और तकनीकों की गंभीर समीक्षा करने का प्रयास है। मूल उद्देश्य योजना निर्माण के लिए मौजूदा सक्षम करने की स्थितियों और संस्थागत, तकनीकी और अन्य बाधाओं को समझना है और कार्यान्वयन के लिए आरएमएसए रूपरेखा को किस हद तक समझा और जिला स्तर की योजना और माध्यमिक शिक्षा के प्रबंधन में लागू किया जाता है। इसके अलावा, डीएसईपी के निर्माण में संस्थागत, तकनीकी और व्यावसायिक बाधाओं का आकलन करने वाले योजना प्रक्रिया बैंड की खोज करने वाले जिला स्तर पर शायद ही कोई अध्ययन किया गया हो। इसलिए, अध्ययन का उद्देश्य शैक्षिक नियोजन में क्षमता निर्माण गतिविधियों के प्रभावी डिजाइन और वितरण के लिए प्रशिक्षकों के रूप में न्यूपा संकाय की व्यावसायिक दक्षताओं को बढ़ाने के लिए कार्य अनुसंधान के माध्यम से अतिरिक्त ज्ञान उत्पन्न करना है। इस संदर्भ में, तमिलनाडु और ओडिशा में कार्य अनुसंधान कार्यान्वित किया जा रहा है। शोध को लागू करने के लिए तमिलनाडु के चार जिलों (अर्थात सलेम, थेनी, कुड्डलोर और मदुरै) और ओडिशा के दो जिलों (अर्थात केंजर और गंजम) को चुना गया है।

अध्ययन का चरण I पूरा हो गया है और रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया गया है। दूसरे चरण में, तमिलनाडु और ओडिशा के पूरे चार नमूना जिला अनुसंधान दल अपने मॉडल को अंतिम रूप दे रहे हैं। जिला माध्यमिक शिक्षा योजना जून, 2018 में न्यूपा में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की साझा कार्यशाला में प्रस्तुत की जाएगी। इस कार्यशाला के बाद, चार जिला अनुसंधान दल अपने अंतिम डीएसईपी जमा करेंगे। चार डीएसईपी के साथ चरण I की रिपोर्ट परियोजना को पूरा करने के लिए न्यूपा को प्रस्तुत की जाएगी।

18- Hkkjr e ek/;fed f'k{kk e lkotfud&futh feJ.k% vkdkj vkj bu&Ldy lfo/kk, vkj bVd çkQkby

अन्वेषकः डॉ. एन.के. मोहंती और प्रो. एस.एम. आई.ए. जैदी

शिक्षा में निजी क्षेत्र की भूमिका में बहस को ध्यान में रखते हुए, सामान्य रूप से, और शिक्षा सेवा के वितरण में सार्वजनिक–निजी मिश्रण, वर्तमान मैक्रो–स्तरीय अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक विद्यालय नेटवर्क की संरचना और आकार, प्रबंधन और क्षेत्र, सुविधाओं के मामले में उनकी विशेषताओं, स्टाफिंग पैटर्न और सभी राज्यों में सामाजिक पृष्ठभूमि के मामले में छात्र प्रोफाइल को ध्यान में रखना। अध्ययन आय समूह द्वारा राज्य में जनसंख्या के वितरण के लिए सार्वजनिक और निजी संस्थानों में भागीदारी दरों को जोड़ने का प्रयास भी करेगा। यह विशेष रूप से माध्यमिक शिक्षा के प्रावधानों और क्षेत्रीय भूमिका में क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने के लिए आरएमएसए कार्यनीतियों की जांच करने के लिए प्रबंधन और समानता के लिए उनके निहितार्थ, माध्यमिक शिक्षा में भागीदारी दरों में पैटर्न खोजने में मदद कर सकता है। उदाहरण के लिए, अध्ययन कुछ राज्यों (जैसे, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश) में माध्यमिक स्कूल नेटवर्क के बाजार–संचालित के बजाय संस्थागत रूप से संचालित निर्माणों के निहितार्थों को देखने में मदद करेगा। । यह अध्ययन विभिन्न राज्यों में माध्यमिक शिक्षा को व्यवस्थित और वितरित करने के तरीके के बारे में जानकारी प्रदान करेगा।

अध्ययन के विशिष्ट उद्देश्य निम्नलिखित हैं:–

i. प्रारंभिक और माध्यमिक स्तरों पर संस्थागत मिश्रण (सार्वजनिक–निजी) के पैटर्न की स्थापना;
ii. स्कूल के प्रावधानों, स्टाफिंग पैटर्न और इंटेक विशेषताओं द्वारा सार्वजनिक और निजी संस्थानों की प्रोफाइल बनाना;
iii. स्कूलों के मिश्रण में विस्तारित पहुंच और समानता पर संभावित प्रभावों के लिए आरएमएसए के लिए निहितार्थ की पहचान करना तथा
iv. आरएमएसए के तहत कार्यक्रम की योजना और संसाधनों के आवंटन के लिए निहितार्थ।

यह अध्ययन प्रमुख राज्यों में माध्यमिक स्कूल नेटवर्क को प्रोफाइल करने और संस्थागत तथा अन्य कारकों का पता लगाने का प्रयास करेगा, जो कि राज्यों में माध्यमिक शिक्षा के विभिन्न मॉडलों के लिए योगदान देता है (उदाहरण के लिए, सरकारी सहायता प्राप्त संस्थानों या गैर–सहायता प्राप्त संस्थानों का बड़ा हिस्सा और सरकार प्रबंधित संस्थान)। यह इंटेक आकार, स्कूल में सुविधाओं, सहभागिता दरों और ग्राहक समूह की सामाजिक–आर्थिक विशेषताओं के संदर्भ में सरकारी सहायता प्राप्त और निजी संस्थानों को भी प्रोफाइल करेगा। यह राज्यों में माध्यमिक शिक्षा वितरण प्रणाली और समानता तथा गुणवत्ता में सुधार के लिए उनके निहितार्थ में अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा।

अब तक, संबंधित साहित्य की समीक्षा की गई है। यू–डीआईएसई और अन्य स्रोतों से सहायक आंकड़े और जानकारी एकत्र की गई है। आंकड़ा विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन प्रगति पर है। अध्ययन के चरण–1 की रिपोर्ट जून, 2018 तक पूरी होने की आशा है।

19- mPp 'kf{kd cfg&çokl d dkj.kk vkj ifj.kke ij ,d LFkkfud ifjç{;% fgekpy çn'k dk ,d dsl v/;;u

अन्वेषकः डॉ. सुमन नेगी

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य इस तरह के प्रवास प्रवाह की अधिक विस्तृत जानकारी प्राप्त करना और उन मुख्य कारणों की पहचान करना है जो शिक्षा और इसके आगे के परिणामों की तलाश करने के लिए किसी के अपने मूल स्थान से बाहर जाने का कारण बनते हैं। अधिकांश शोधों में शिक्षा और प्रवास के बीच संबंधों की जांच या आर्थिक कुशल प्रवास के उत्प्रेरक रूप में शिक्षित अथवा शैक्षिक अर्हता के संदर्भ से अधिक की गई है, क्योंकि अनेक अध्ययनों/रिपोर्टों ने कहा है कि पिछले साल के प्रवास को कुशल पेशेवरों और विद्वानों लोगों में देखा गया है (खड़रिया 1999 स्वार्ड और राव 2009)। लोगों के प्रवास पर शोध का ध्यान मुख्य रूप से आर्थिक कारणों और उसके परिणामों पर केंद्रित रहा है। शिक्षा विशेषकर 25 वर्ष से कम आयु के लोगों की प्रवास के कारण के रूप में, प्रवासन का एक बहुत महत्वपूर्ण पहलू भी है।

यह अध्ययन निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए किया जाएगाः–

1. लैंगिक और सामाजिक समूहों में जनसांख्यिकीय, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक पहलुओं से संबंधित घटकों के साथ शैक्षिक प्रवासियों के संघटन की जांच करना।
2. व्यक्तिगत, घरेलू और संस्थागत दृष्टिकोण से शैक्षिक बहि–प्रवास के मुख्य कारणों की पहचान करना।
3. क्षेत्र से इस तरह के प्रवास के मुख्य परिणामों की पहचान करना।

'kks/k ç'u

1. कौन अपने बच्चों को बाहर भेजता है, क्यों और कहाँ?
2. क्या यह निवास स्थान पर उपलब्ध कम शैक्षणिक गुणवत्ता और सुविधाओं के कारण है जो युवाओं को दूसरे केंद्र में स्थानांतरित करने के लिए विवश कर देती है या गंतव्य पर इसके आकर्षक कारक अधिक मजबूत हैं।
3. प्रवास के स्रोत पर ऐसी शैक्षिक प्रवासन प्रक्रिया के परिणाम क्या हैं?
4. गंतव्य और उसकी दूरी के चुनाव में आय की क्या भूमिका है?
5. शैक्षिक प्रवास में स्थानीय या सामुदायिक परिवेश की भूमिका?

अध्ययन प्राथमिक और सहायक दोनों डाटाबेस को संबोधित करेगा और रूप में गुणात्मक और मात्रात्मक होगा। डी–3 सीरीज प्रवास तालिकाओं के सहायक आंकड़ों का इस्तेमाल प्रवास प्रवाह के पैटर्न का विश्लेषण करने के लिए किया जाएगा, अर्थात प्रवास और बहि–प्रवास दोनों में और सामान्य रुप से हिमाचल प्रदेश से/को भारत के विभिन्न राज्यों में और विशेष रूप से शिक्षा प्रवास करने के कारणों में से एक के रूप में संरचित प्रश्नावली को विकसित किया जाएगा और उन परिवारों को प्रदान किया जाएगा जिनके पास कम से कम एक सदस्य है जिसने वरिष्ठ माध्यमिक स्तर की स्कूली शिक्षा पूरी कर ली है और 17 से 24 वर्ष की आयु में हैं। एकत्रित जानकारी को विभिन्न उपलब्ध सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग करके सारणीबद्ध और विश्लेषित किया जाएगा। विश्लेषण के परिणामों के

आधार पर, व्यापक रिपोर्ट तैयार और प्रस्तुत की जाएगी। अंतिम रिपोर्ट का मसौदा तैयार किया जा रहा है और इस परियोजना के जुलाई 2018 तक पूरा होने की आशा है। अधिकांश कार्य, जैसा कि प्रस्तावित है, पूरा हो चुका है। प्राथमिक आंकड़ों से संबंधित कुछ पहलुओं को व्यवस्थित और विश्लेषिण किया जा रहा है।

20- t।.Mj ij ,d 'kf{kd ,Vyl% ,d ftyk Lrjh; çLrqfrdj.k

अन्वेषकः डॉ. सुमन नेगी और प्रो. मोना खरे

ये मानचित्र उपयोगी जानकारी की दृश्य प्रस्तुतियाँ हैं जो विचारों और डिजाइनों को संप्रेषित करती हैं। वे मॉडलिंग और आंकड़ा परतों की एक श्रृंखला के रूप में स्थानिक जानकारी के आयोजन के लिए एक प्रभावी रूपक प्रदान करते हैं। आज इन ग्राफिकल या छवि प्रस्तुति का उपयोग सीखने और सिखाने के संसाधनों के रूप में किया जा रहा है। इसलिए, उपकरण 'मैप' के महत्व के प्रकाश में, विभिन्न चीजों के लिए सूचना का प्रस्तुतिकरण किया जा सकता है, जिनमें से एक शिक्षा और इससे संबंधित घटक हो सकते हैं।

न्यूपा, संगठन के रूप में, राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक आंकड़ों को एकत्र, समेकित और विश्लेषित करता है। संयोग से, शिक्षा के लिए जिला सूचना प्रणाली (डीआईएसई) और अब शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (यूडीआईएसई) न्यूपा का एक अभिन्न अंग है और दुनिया भर में शैक्षिक आंकड़ों का मुख्य स्रोत है। यह भारत के 15 लाख से अधिक स्कूलों के लिए वार्षिक आधार पर विस्तृत सांख्यिकीय जानकारी एकत्र करता है, और इन इकाइयों के डाटाबेस आसानी से ऑनलाइन और नियमित प्रकाशन के माध्यम से उपलब्ध हैं। इन शैक्षिक आंकड़ों के प्रसार को और सुविधाजनक बनाने के लिए, सूचना प्रसार के अन्य अनुपूरक रास्ते भी तलाशे जा सकते हैं। इनमें से एक जीआईएस और मानचित्र आधारित सूचना प्रसार है जो कि एटलस के रूप में दुनिया भर में एक प्रभावी माध्यम है।

भारत जैसे विविधता वाले देश में विकास प्रक्रिया बहुत सारी असहमति और भेदभाव से ग्रस्त हैं। लैंगिक असमानता उन मुख्य क्षेत्रों में से एक है जहां असमानता सभी सामाजिक–आर्थिक पहलुओं में दिखाई देती है, और इस प्रक्रिया में शिक्षा भी पीछे नहीं है। शैक्षिक विकास के विभिन्न पहलुओं से संबंधित आंकड़ा पहुंच और भागीदारी के मामले में सभी जैंण्डर में भारी अंतर प्रस्तुत करते हैं, जो ग्रामीण आबादी, हाशिए की जाति और दूरदराज के स्थानों में अधिक दिखाई देते हैं।

इस संदर्भ में, अध्ययन उन शिक्षा आँकड़ों का उपयोग करने का प्रयास करता है जो न्यूपा भारत में विभिन्न जिलों में इन लैंगिक अंतरालों को इकट्ठा और समेकित करता और खाका बनाता है। एक संक्षिप्त विश्लेषणात्मक नोट भी प्रस्तुतिकरण संकेतकों का समर्थन करने के लिए आंकड़ा प्रस्तुतिकरण के अन्य रूपों के साथ प्रदान किया जाएगा। यह पहल शैक्षिक योजना, नीति निर्माण, शिक्षाविदों और अनुसंधान से संबंधित लोगों को सुविधा प्रदान करने का एक प्रयास है। एक शैक्षिक प्रक्रिया और इसके आउटपुट में इनपुट को मुख्य रूप से डाटा–सेट के माध्यम से दर्शाया गया है। हमारा उद्देश्य यहां शैक्षिक विकास की इन बारीकियों को पकड़ना है और मानचित्रण उपकरण का उपयोग करते हुए मानचित्रों के माध्यम से उनका प्रस्तुतिकरण करना है।

अध्ययन के विशिष्ट उद्देश्य हैंः–

i. लैंगिक संबंधित संकेतकों का प्रस्तुतिकरण करने के लिए डीआईएसई और यूडीआईएसई डाटा का उपयोग करने के लिए;

ii. राष्ट्रीय स्तर पर कुछ लौकिक प्रवृत्तियों का प्रस्तुतिकरण करने के लिए; तथा

iii. कुछ सांख्यिकीय रूप से गणना की गई डाटा प्रवृत्तियों का प्रस्तुतिकरण करने के लिए।

fØ;k ç.kkyh

यूनिसेफ द्वारा डिजाइन डेविन सिस्टम का उपयोग करके मानचित्र बनाए जाएंगे। एक जिला इस सॉफ्टवेयर में उपलब्ध सीमाओं का तीसरा और सबसे निचला स्तर है और इस स्तर और उससे ऊपर के आंकड़ों का भी प्रस्तुतिकरण किया जा रहा है। ईएमआईएस, न्यूपा के विभाग को यूनिसेफ द्वारा यह सॉफ्टवेयर प्रदान किया गया है और वह परियोजना के लिए इसे साझा करने के लिए तैयार है। डीआईएसई और यूडीआईएसई आंकड़ों का उपयोग विभिन्न चयनित संकेतकों का प्रस्तुतिकरण करने के लिए किया जाएगा जो शैक्षिक पहुंच और

भागीदारी में लैंगिक अंतर को दर्शाते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर संकेतकों से संबंधित अस्थायी रुझान और संबंधित संकेतकों पर संक्षिप्त विश्लेषण का उपयोग प्रस्तुतिकरण के लिए भी किया जाएगा।

कुछ संकेतक, जिनका प्रस्तुतिकरण किया जाएगा, वे इस प्रकार हैंः–

- स्कूली शिक्षा में बने रहने की दरें
- विशिष्ट आयु–समूहों में जनसंख्या में वृद्धि
- अनुमानित जनसंख्या और इसकी वृद्धि
- सकल नामांकन अनुपात
- निवल नामांकन अनुपात
- विद्यार्थी उपलब्धि और पुनरावृत्ति
- लैंगिक समता सूचकांक

जुलाई 2018 तक अध्याय तैयार कर लिए जाने की संभावना है। डाटा को एकत्र कर व्यवस्थित किया गया है। कुछ मानचित्र जिला स्तर पर भी तैयार किए गए हैं।

21- vkfM'kk e ek/;fed Lrj e vuqlfpr tkfr d cPpk d chp Nk=ofÙk ;kstuk vkj 'kf{kd xfr'khyrk dk v/;;u ¼U;wik çk;kftr½

अन्वेषकः डॉ. एस.के. मलिक

संविधान को अपनाने के बाद से, हम उच्च प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण को प्राप्त करने के लिए प्रयास कर रहे हैं। हमने देश में प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण को प्राप्त करने के लिए नब्बे के दशक में डीपीईपी कार्यक्रम और 21 वीं शताब्दी की शुरुआत में सर्वशिक्षा अभियान शुरू किया। ड्रॉप–आउट दर बहुत अधिक है, शिक्षा की गुणवत्ता अपेक्षिक स्तर की नहीं है, और आउट–ऑफ–स्कूल बच्चों की संख्या बढ़ रही है। सभी सुधारों के बावजूद, हम अभी भी पीछे हैं। जहां तक शैक्षिक संकेतकों का संबंध है, वंचित वर्गों के बच्चे अन्य समूहों से पीछे हैं। आरटीई अधिनियम के तहत, प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय के लिए एसएमसी स्थापित करना अनिवार्य है। इसी तरह, आरएमएसए ने पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकायों, समुदाय, शिक्षकों, अभिभावकों और अन्य हितधारकों को माध्यमिक शिक्षा के प्रबंधन में स्कूल प्रबंधन समितियों और अभिभावक–शिक्षक संघों जैसे निकायों के माध्यम से योजना, कार्यान्वयन और निगरानी मूल्यांकन प्रक्रिया में शामिल किया है। । आरएमएसए के तहत, यह सुझाव दिया गया है कि राज्य केंद्र प्रायोजित योजनाओं, केंद्रीय क्षेत्र योजना और राज्य योजनाओं का लाभ उठाएं, जिसमें निःशुल्क आवास और भोजन की सुविधा, छात्राओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदाय जैसे छात्रों के वंचित समूहों को छात्रवृत्ति और नकद प्रोत्साहन प्रदान करें। अब, यह अध्ययन करना महत्वपूर्ण है कि माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति योजना कैसे उपयोगी है।

अध्ययन के उद्देश्य निम्नलिखित हैंः–

क) माध्यमिक स्तर के पूरा होने और उच्च ग्रेड के लिए अनुसूचित जाति के बच्चों की शैक्षिक गतिशीलता पर छात्रवृत्ति योजना की प्रभावशीलता का अध्ययन करने के लिए;

ख) योजनाएं पूरा होने की दर और अवस्थांतर दर से संबंधित इनपुट और परिणामों की अवधि में योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन का पता लगाने के लिए;

ग) छात्रवृत्ति योजनाओं के कार्यान्वयन में पदाधिकारियों द्वारा सामना की गई समस्याओं और बाधाओं का पता लगाने के लिए;

घ) अनुसूचित जाति के बच्चों द्वारा माध्यमिक शिक्षा पूरी न करने के कारणों का पता लगाना; तथा

ड) छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त उपायों का पता लगाने के लिए।

साहित्य की समीक्षा संपन्न है। आंकड़ा संग्रह करने के लिए क्षेत्र को चुना गया है; ओडिशा के दो जिले – पहला है जगतसिंहपुर और दूसरा है खोरधा। प्राथमिक स्तर का आंकड़ा संग्रह से नमूना जिलों में से एक जगतसिंहपुर में पूरा हो गया है, और आंकड़ा संग्रह का दूसरा चरण ओडिशा के खोरधा जिले में जून, 2018 के दूसरे सप्ताह में शुरू होगा।

22- p;fur jkT;k e fu'kYd vkj vfuok;Z f'k{kk dk vf/kdkj ¼vkjVhbZ½ vf/kfu;e] 2009 d rgr p;fur jkT;k e futh Ldyk e detkj oxk

vkj ofpr legk d cPpk d fy, 25 çfr'kr lhVk d çko/kku d dk;kUo;u dk v/;;u% uhfr vkj 0;ogkj

अन्वेषकः प्रो. अविनाश कुमार सिंह

उपरोक्त अनुसंधान परियोजना कार्यान्वयन के प्रारंभिक चरण में है, जिसमें विषय के अनुसंधान और विकास से संबंधित साहित्य की समीक्षा और अनुसंधान उपकरणों का विकास शामिल है। साहित्य समीक्षा के तहत, चयनित राज्यों के प्रोफाइल और राज्यों में आरटीई मानदंडों का अनुपालन, माध्यमिक आधिकारिक आंकड़ों के आधार पर तैयार किया जा रहा है। अध्ययन के तहत निर्धारित मानदंडों पर चुने गए 10 राज्यों में शामिल हैंः केरल, कर्नाटक, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय। इसके अलावा, आंकड़ा संग्रह के उपकरण के फार्मेट तैयारी के तहत हैं। निम्नलिखित उपकरण डिजाइन किए गए हैंः—

- घरेलू सूचना अनुसूचियां
- स्कूल सूचना अनुसूची
- मुख्य शिक्षक और अन्य शिक्षकों के लिए अनुसूची
- बच्चों के लिए अनुसूची (वंचित समूह और कमजोर वर्ग)
- उन बच्चों के माता—पिता और अन्य सामुदायिक सदस्यों के लिए अनुसूचियां
- स्कूल शासी समितियों के सदस्यों के लिए अनुसूचियां
- विभिन्न स्तरों पर शिक्षा पदधारियों के लिए सूचियाँ (क्लस्टर, ब्लॉक, जिला, राज्य)

अध्ययन की प्रारंभिक कार्यप्रणाली कार्यशाला आयोजित की गई है जिसमें आंकड़ा संग्रह के मसौदा उपकरण विकसित और अंतिम रूप दिए गए हैं। उन्हें जल्द ही पायलट किया जाएगा। राज्य स्तरीय संसाधन संस्थानों/अनुसंधान अन्वेषकों की पहचान के लिए प्रक्रिया जारी है। हालांकि अप्रैल 2015 में अनुसंधान परियोजना को अनुमोदित किया गया था, अनुसंधान कर्मचारियों की भर्ती में समस्याओं के कारण अनुसंधान परियोजना में देरी हुई है। परियोजना अनुसंधान सलाहकार समिति के माध्यम से नए समय के साथ अनुसंधान परियोजना को जल्द ही पुनःआरंभ किया जाएगा।

23- vkjVhbZ d rgr lekurk dk iqujh{k.k% uhfr ifjçs{; vkj ykdfç; /kkj.kk,a

अन्वेषकः डॉ. नरेश कुमार

यह अध्ययन फील्ड क्षेत्र और दौरा किए गए स्कूलों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करता है। अध्ययन में समुदाय के साथ मिलकर स्कूलों के काम करने के बारे में भी विस्तार से बताया गया है। अध्ययन बताता है कि सरकारी स्कूलों की विफलता का प्रमुख कारण 'सामाजिक भरोसे की कमी' है। भरोसा बनाने का कोई तरीका नहीं है निजी स्कूल प्रणाली, मुख्य रूप से एलबीएस ने यह महसूस किया है — और इसलिए वे इसका लाभ उठाने के लिए उपयोग कर रहे हैं। अध्ययन में निजी स्कूल प्रणाली को देखने का आग्रह किया गया है। अब तक, हम निजी स्कूल प्रणाली (विशेष रूप से एलबीएस) के खिलाफ बहस करते रहे हैं लेकिन हमने कभी इस प्रणाली को समझने की कोशिश नहीं की। यदि क्षेत्र में 10 एलबीएस हैं, तो क्षेत्र अंतर्दृष्टि मुझे सूचित करती है — प्रत्येक स्कूल अलग—अलग गुणवत्ता का प्रदर्शन करने की कोशिश करेगा। प्रतियोगिता के कारण, प्रत्येक स्कूल बने रहने के मोड में चलता है, इसलिए, कुछ क्षेत्रों में विशेषज्ञता की कोशिश करता है जो माता—पिता को प्रभावित कर सकते हैं। अध्ययन से पता चलता है कि, बहुत हद तक, निजी स्कूल सरकारी स्कूलों की तुलना में माता—पिता के साथ एक करीबी संबंध स्थापित करने में सक्षम हैं। इस तरह, एलबीएस भारतीय इतिहास में एक बड़ी घटना के रूप में सामने आया है — जो एक जीवंत 'सार्वजनिक क्षेत्र' बना सकता है जहां विविध पृष्ठभूमि के बच्चे भाग लेते हैं। अंतिम संकलन प्रक्रियाधीन है।

24- Hkkjr e çkFkfed Lrj ij cPpk dh Ldwy Hkkxhnkjh e lq/kkj d fy, Hkkxhnkjh% dk;Z vuqla/kku

अन्वेषकः डॉ. मधुमिता बंद्योपाध्याय

दौरा किए गए सभी 42 स्कूलों, 252 शिक्षकों, 103 एसएमसी, 1286 छात्रों की मूल्यांकन स्थिति और 4031 छात्रों की कच्ची जानकारी, छह राज्यों अर्थात् हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, ओडिशा, कर्नाटक और मिजोरम में आंकड़ा प्रविष्टि की गई है। एसपीएसएस स्प्रेडशीट में कुल मिलाकर 5,02,079 प्रविष्टियाँ की जा

रही हैं। पांच राज्यों (हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, ओडिशा, कर्नाटक और मिजोरम) की स्कूल रिपोर्ट (फोकस और गैर–फोकस) पूरी हो चुकी हैं और एक राज्य मध्य प्रदेश की – प्रगति पर है। दो राज्यों – हरियाणा और हिमाचल प्रदेश से बच्चों के सीखने के आकलन पर आंकड़ा प्रविष्टि पूरी हो चुकी है और अन्य राज्यों की प्रविष्टियाँ चल रही हैं। एक राज्य (हरियाणा) के क्षेत्र का दूसरा दौरा किया गया है। 2017–18 के दौरान ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों द्वारा किए गए हस्तक्षेप के बारे में जानकारी एकत्र की गई है और अब आंकड़ा संकलन और विश्लेषण के लिए प्रगति पर है। वर्तमान में, परियोजना विस्तार के लिए विचाराधीन है। अंतिम पीएसी बैठक के दौरान परियोजना की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत की गई थी। दूसरे दौर के क्षेत्र के दौरे में सुझाव शामिल किए जा रहे हैं।

25- Hkkjrh; mPp f'k{kk lLFkkvk e Lok;Ùkrk

अन्वेषकः डॉ. नीरू स्नेही

उच्च शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता का मुद्दा भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था में सुधारों की शुरुआत करने की कार्यसूची का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। स्वायत्तता प्रदान करना यह दर्शाता है कि स्वायत्तता समस्याओं का सामना करने के लिए रामबाण है। परियोजना का उद्देश्य यह पता लगाना है कि भारतीय उच्च शिक्षा संस्थाओं में सामान्य रूप से और स्नातक कॉलेजों में विशेषतः स्वायत्तता किस हद तक कायम है अर्थात कितनी स्वायत्तता दी जानी चाहिए; क्या महाविद्यालयों के लिए स्वायत्तता होनी चाहिए; स्वायत्तता किस खंड को दी जानी चाहिए – प्रबंधन, शिक्षक, छात्र; और स्वायत्तता किससे – केंद्र, राज्य, विश्वविद्यालय, यूजीसी?

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थाओं, विशेष रूप से, स्नातक संस्थाओं के कामकाज में स्वायत्तता की भूमिका को समझना है; स्नातक संस्थाओं को स्वायत्तता देने में हितधारकों की भूमिका की जांच करना; स्वायत्त संबद्ध कॉलेजों के साथ संबद्ध कॉलेजों के कामकाज का विश्लेषण और तुलना करना, और; स्वायत्त और गैर–स्वायत्त संबद्ध कॉलेजों के कामकाज में अनुभव का दस्तावेजीकरण करने के लिए।

इस परियोजना को शुरू करने में शामिल कार्यप्रणाली उच्च शिक्षा संस्थाओं में स्वायत्तता की अवधारणा को समझने, स्वायत्तता प्रदान करने में हितधारकों की भूमिका, विभिन्न संस्थानों के कामकाज में मौजूदा स्वायत्तता के प्रभाव को समझने के उद्देश्य पर आधारित है। अध्ययन सामग्री विश्लेषण और तुलनात्मक अध्ययन का मिश्रित बैग होगा। इस संबंध में, विश्वविद्यालयों और उनके कॉलेजों के अधिनियमों, विधियों और परिनियमों के साथ–साथ विश्वविद्यालयों के लिए राज्यों के कृत्यों और स्थिति का विश्लेषण किया जा रहा है। इसके अलावा, उच्च शिक्षा प्रणाली में स्वायत्तता की अवधारणा के विकास का विश्लेषण किया जा रहा है।

दस राज्य विश्वविद्यालयों और संबद्ध कॉलेजों से एकत्र आंकड़ों का विश्लेषण किया जा रहा है। रिपोर्ट लेखन जारी है।

26- mPp f'k{kk e foÙkik"k.k vkj foÙklkeF;l ¼;thlh foÙk ikf"kr½

अन्वेषकः प्रो. सुधांशु भूषण

उच्च शिक्षा में नीति एक कठिन कार्य है जब यह विस्तार और गुणवत्ता सुधार के मद्देनजर सामर्थ्य के मुद्दे पर आता है। हालांकि, एक ओर, सार्वजनिक खर्च महत्वपूर्ण है, और संसाधनों को जुटाने और गरीबों को सब्सिडी देने के तरीके खोजने पड़ते हैं, उच्च शिक्षा के निजी (घरेलू) वित्तपोषण का सवाल भी उठता है। निजीकरण के प्रति बढ़ते रुझान के मद्देनजर उच्च शिक्षा का घरेलू वित्तपोषण महत्व प्राप्त करता है। उच्च शिक्षा के निजीकरण ने फीस की बढ़ती प्रवृत्ति को जन्म दिया है और उच्च शिक्षा को वित्तपोषित करने के लिए घरेलू बोझ को जोड़ा है। यह वित्त सामर्थ्य के मुद्दों को उठाता है। इसलिए वित्त सामर्थ्य अनुशासन की पहुंच और पसंद पर इसका प्रभाव है। वित्तसामर्थ्य विभिन्न सामाजिक और अर्थशास्त्र समूहों में भिन्न रुझान दिखा सकती है। यह ग्रामीण और शहरी संदर्भों और विभिन्न व्यवसाय श्रेणियों के बीच भी भिन्न हो सकता है। उपर्युक्त के प्रकाश में, अनुसंधान परियोजना का केंद्रीय उद्देश्य निजीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति के संदर्भ में वित्तसामर्थ्य का अध्ययन करना है।

26 मई, 2016 को, अनुसंधान रिपोर्ट का प्रारूपण प्रगति पर था; प्रस्तुत करने की संभावित तिथि जून, 2016 के अंत में थी।

27- fcgkj esa mPp f'k{kk dk 'kklu

अन्वेषकः प्रो. सुधांशु भूषण

उच्च शिक्षा शासन विभिन्न आयामों पर सभी राज्यों में भिन्न होता है। यह विश्वविद्यालयों के राज्य सरकारों और कुलपति के कार्यालय के संबंध में भिन्न होता है। विश्वविद्यालयों के कामकाज का मार्गदर्शन करने वाले अधिनियम, कानून और परिनियम भी अलग–अलग हैं। उच्च शिक्षा के निजीकरण की तीव्रता भिन्न होती है। छात्रों की सामाजिक संरचना और शिक्षकों की कमी के निजीकरण की तीव्रता में भी भिन्नता है। राज्य सरकार की नीतियां और कार्यक्रम राज्यों में अलग–अलग हैं। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता और मान्यता की स्थिति अलग–अलग है। हालाँकि, राज्यों के उच्च शिक्षा प्रशासन का कोई व्यवस्थित प्रलेखन नहीं है। नतीजतन, उच्च शिक्षा के शासन के बारे में बुनियादी जानकारी के संबंध में भी, जब आवश्यकता होती है तब जानकारी एकत्र की जाती है।

mís';

1. विभिन्न राज्यों में उच्च शिक्षा के शासन पर श्रृंखला संस्थागत संरचना, शासन, नीतियों, परिपाटियों, उच्च शिक्षा संस्थानों के वित्त पोषण पर बुनियादी जानकारी प्रदान करने में मदद करेगी।
2. शासन की श्रृंखला कुछ राज्यों में अच्छी परिपाटियों को उजागर करेगी और अन्य राज्यों को अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।
3. श्रृंखला केंद्र सरकार और नियामक परिषद को शासन में भिन्नता को समझने और नीति और योजना के माध्यम से परिपाटियों को कारगर बनाने में मदद करेगी।
4. शासन की श्रृंखला नेटवर्क अकादमिक, प्रशासन को विकसित करने और राज्यों में सहयोग को बढ़ावा देने में मदद करेगी।
5. शिक्षकों की सामाजिक संरचना और उनके सेवानिवृत्ति की अवधि और पारिश्रमिक के संदर्भ में छात्रों को समझने में मदद मिलेगी।
6. उच्च शिक्षा के शासन पर श्रृंखला सही जानकारी और वास्तविक परिपाटियों में अंतर–राज्य विविधताओं के आधार पर व्यवस्थित तरीके से उच्च शिक्षा में सुधार लाने में मदद करेगी।

विभाग तीन वर्ष में सभी राज्यों के लिए ''उच्च शिक्षा शासन'' पर एक श्रृंखला प्रकाशित करने का प्रस्ताव करता है। पहले वर्ष में, बिहार और तमिलनाडु के लिए दो प्रायोगिक परियोजनाएं शुरू की जाएंगी और इसके बाद, सभी राज्यों को कवर करने वाली पूरी परियोजना के लिए उपकरण तैयार किए जाएंगे। बिहार राज्य के लिए प्रायोगिक का कार्य डॉ. सुधांशु भूषण द्वारा किया जाएगा और, तमिलनाडु के लिए, डॉ. पी. दुरईसामी द्वारा किया जाएगा। उपकरणों को अंतिम रूप देने के बाद, 2016–17 और 2017–18 के दौरान पूरी परियोजना को सभी राज्यों में शुरू किया जाएगा। उच्च शिक्षा में शासन के विभिन्न पहलुओं पर राज्यवार प्रकाशन होगा। दस्तावेज मुख्य रूप से राज्य के उच्च शिक्षा विभागों, विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से प्राप्त माध्यमिक जानकारी पर आधारित होगा। क्षेत्र का काम जनवरी, 2018 से शुरू होगा।

28- fcgkj vkSj rfeyukMq esa mPp f'k{kk ds 'kklu ij çk;kfxd v/;;u vkSj ifj;kstuk dk laiUu djukA

अन्वेषकः प्रो. सुधांशु भूषण

राज्य में उच्च शिक्षा संस्थानों के शैक्षिक शासन में संबंधित अधिनियमों, कानूनों और परिनियमों द्वारा निर्देशित विश्वविद्यालयों का शासन शामिल है। सभी कॉलेज विश्वविद्यालयों द्वारा संबद्ध हैं, और शैक्षणिक शासन विश्वविद्यालयों द्वारा नियंत्रित किया जाता है, जबकि वित्त और प्रशासनिक पहलुओं को राज्य सरकारों द्वारा नियंत्रित किया जाता है। सभी विश्वविद्यालयों को कुलाधिपति के कार्यालय के तहत भी शासित किया जा रहा है, जिनकी विश्वविद्यालयों के अधिनियमों और कानूनों के तहत महत्वपूर्ण भूमिका है। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के शासन के तीन पहलू हैं – अकादमिक, प्रशासनिक और वित्तपोषण। उच्च शिक्षा, कई राज्यों में उच्च शिक्षा परिषदों की निगरानी में भी है। तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के संबंध में, कई राज्यों ने संबंधित राज्य विश्वविद्यालयों की स्थापना की है जो विशिष्ट तकनीकी/व्यावसायिक कॉलेजों को नियंत्रित करते हैं।

शासन प्रणाली में आईटी परिपाटियों, प्रवेश और परीक्षा आदि में कुछ नवाचारों को छोड़कर शायद ही कोई बदलाव आया हो, शिक्षण और सीखने की प्रक्रियाएं काफी हद तक पुरानी हैं। अनेक मुद्दों पर, निर्णय राज्य सरकार के स्तर पर या विश्वविद्यालय स्तर पर केंद्रीकृत होते हैं, जिससे कॉलेजों के लिए स्वायत्तता कम हो जाती है।

29- ;&Mhvkb,lb vkdMk dk mi;kx djd Ldy f'k{kk ij vul/kku dk;Øe

अन्वेषक: प्रो. अरुण सी मेहता

जिला शिक्षा प्रणाली (डीआईएसई) देश में स्कूली शिक्षा पर आंकड़ा और सूचना के सबसे महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक के रूप में उभरा है। 42 जिलों में प्राथमिक शिक्षा को कवर करने वाले जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डीईपीई) के हिस्से के रूप में 1994 में इसकी शुरुआत के बाद से, इसने पूरे देश में स्कूली शिक्षा के पूरे स्पेक्ट्रम को कवर करने के लिए एक लंबा रास्ता तय किया। डीआईएसई (जो प्रारंभिक शिक्षा पर आंकड़ा एकत्र करता है) और एसईएमआईएस (जो माध्यमिक शिक्षा पर आंकड़ें एकत्र करता है) के एकीकरण के साथ यूनिफाइड–डीआईएसई का उदय प्राथमिक विद्यालयों से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों तक शुरू होने वाली संपूर्ण स्कूल शिक्षा प्रणाली को कवर करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यू–डीआईएसई की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि किसी भी स्कूल में पढ़ाए जाने वाले स्तरों/ग्रेडों से आंकड़ा एकत्र करने के लिए एकल डीसीएफ की डिजाइनिंग की जाती है, जिसमें कुछ समस्याओं से बचने के लिए स्कूल में पढ़ाया जाता है जैसे कि प्रयासों की दोहराव, दोहरी गिनती, डीसीएफ का लगातार भरना आदि कि जब कई एजेंसियां आंकड़े एकत्र कर रही हैं।

यू–डीआईएसई अब देश में स्कूली शिक्षा प्रदान करने वाले 1.5 लाख से अधिक स्कूलों से आंकड़े एकत्र करता है। यू–डीआईएसई के तहत, स्कूल में यूनिट के रूप में आंकड़ा एकत्र किया जाता है। यू–डीआईएसई सभी प्रकार के स्कूलों को शामिल करता है – प्राथमिक; उच्च प्राथमिक के साथ प्राथमिक; केवल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय; प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक के अनुभाग वाले समग्र विद्यालय।

स्वीकृत और कार्यान्वित नौ अध्ययनों में से, छह रिपोर्ट प्राप्त हुई हैं। मई, 2016 में न्यूपा संकाय की तीन रिपोर्टों का इंतजार किया गया था।

30- ;&Mhvkb,lb MkVk dk mi;kx d çkFkfed f'k{kk ij vul/kku dk;Øe

अन्वेषक: प्रो. अरुण सी मेहता

ईएमआईएस विभाग ने डाटा का उपयोग करते हुए प्राथमिक शिक्षा पर अनुसंधान कार्यक्रम 'शुरू किया है। अनुसंधान कार्यक्रम विश्वविद्यालयों, आईसीएसएसआर अनुसंधान संस्थानों आदि में काम करने वाले शोधकर्ताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने का अवसर प्रदान करता है, प्राप्त हुए 37 प्रस्तावों में से नौ को कुलपति, न्यूपा द्वारा निर्धारित एक अनौपचारिक समिति द्वारा अनुमोदित किया गया, जिन्होंने एक दिन की कार्यशाला का आयोजन किया। सुझावों के आधार पर, सभी शोधकर्ताओं ने अपने प्रस्तावों को संशोधित किया। अनुसंधान कार्यक्रम न्यूपा द्वारा वित्तपोषित है। पहली किस्त जारी की जा रही है।

31- Ldy f'k{kk d Hk&LFkkfud lpuk ç.kkyh dk ,d çk;kfxd v/;;u

अन्वेषक: अनुगुला एन रेड्डी

स्कूली शिक्षा के लिए भू–स्थानिक सूचना प्रणाली विकसित करने के प्रायोगिक परियोजना के दो उद्देश्य हैं। पहला है, भू–स्थानिक सूचना प्रणाली स्कूल शिक्षा के विकास में विभिन्न राज्य सरकारों के अनुभवों की समीक्षा करना, स्कूलों के भू–स्थानिक आंकड़ों के संग्रह में और शैक्षिक योजना और निगरानी में उनका उपयोग करना। दूसरा उद्देश्य ब्लॉक में स्कूली शिक्षा के लिए भू–स्थानिक सूचना प्रणाली का एक प्रोटोटाइप विकसित करना और स्थानीय स्तर पर शैक्षिक योजना में भू–स्थानिक आंकड़ों की पद्धति और अनुप्रयोगों का प्रदर्शन करना है। भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) वेबसाइटों पर जाकर और वेबसाइटों की सामग्री की जांच, और वेबसाइट पर विभिन्न उपकरणों की उपलब्धता की समीक्षा करके राज्य के अनुभवों की समीक्षा की जा रही है, जिनका उपयोग स्कूल स्थान और निगरानी के नियोजन में किया जा सकता है। इसके बाद शिक्षा के लिए जीआईएस विकसित करने और योजना और निगरानी के लिए उसी का उपयोग करने के लिए अपनाई जाने वाली परिपाटियों पर गहन चर्चा के लिए

राज्यों का दौरा किया जाएगा। एक प्रोटोटाइप भौगोलिक सूचना प्रणाली विकसित करने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। हरियाणा में एकत्र किए गए स्कूलों के आंकड़ों का भू–स्थान पहले ही सुलभ किया जा चुका है। लेकिन इन आंकड़ों और प्रायोगिक की मदद से प्रोटोटाइप जीआईएस विकसित करने की योजना बनाई गई है। मई 2016 में, आंकड़ा संग्रह किया गया था; आंकड़ा विश्लेषण जारी था।

32- Hkkjr esa ek/;fed f'k{kk ds foLrkj dh lhek,¡% Nk= çokg iSVuZ dk fo'ys"k.k vkSj çkFkfed f'k{kk dh vkrafjd n{krk ¼dkbZ Hkh ctVh; leFkZu 'kkfey ugha gS½

अन्वेषक: प्रो. के.एस. बिस्वाल

अध्ययन आरएमएसए के तहत भारत में माध्यमिक शिक्षा के विस्तार के लिए नीति मार्गदर्शन नोट विकसित करते हुए 2009 में (प्रो कीथ लेविन यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स, यूके) और न्यूपा की टीम द्वारा किए गए पहले के काम का विस्तार है । इस शोध का उद्देश्य प्राथमिक से उच्च प्राथमिक, और उच्च प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक अवस्थांतर दर की संभावना को ध्यान में रखकर प्राथमिक विद्यालय में प्राथमिक स्तर के माध्यम से राज्य–वार प्रवाह दरों का अनुमान लगाना है। यह यू–डीआईएसई आंकड़ों और अन्य स्रोतों जैसे ऑल इंडिया स्कूल एजुकेशन सर्वे (एआईएसईएस), एमएचआरडी प्रकाशन, भारत की जनगणना, आदि का उपयोग करके प्राप्त किया जा सकता है। अध्ययन में ओडिशा और तमिलनाडु को दो राज्यों के रूप में लिया गया है ताकि स्कूली शिक्षा के माध्यम से छात्र प्रवाह का अनुमान लगा सकें।
अध्ययन के विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार हैं:

i. ग्रेड I से लेकर ग्रेड X से छात्र प्रवाह की गतिशीलता को समझने के लिए क्योंकि उन्होंने माध्यमिक विद्यालय के विस्तार की गतिशीलता और लागत को प्रभावित किया है;

ii. छात्रों के प्रवाह पैटर्न के आधार पर राज्य और जनसंख्या उप–समूहों के समूहों की पहचान करने के लिए जिन्हें उल्लिखित लक्ष्यों को प्राप्त करने की संभावना के विभिन्न स्तरों को प्रतिबिंबित करने के लिए समूहित किया जा सकता है;

iii. आरएमएसए द्वारा निर्धारित लक्ष्य और अनुमानित छात्रों के बीच के अंतराल की पहचान करने के लिए और पहचान की गई वृद्धि पर मुख्य बाधाओं का वर्णन करना;

iv. माध्यमिक विद्यालयी शिक्षा के विस्तार की लागत और निहितार्थों का अनुमान लगाने के लिए और माध्यमिक विद्यालय में क्षमता के विस्तार के लिए निवेश के वर्तमान स्तरों के साथ इनकी तुलना करना; तथा

v. योजना बनाने और केस अध्ययनों (द्वितीय चरण में) को समझने के लिए कि कौन से कारक विभिन्न समुदायों के भीतर माध्यमिक स्कूल तक पहुँच के लिए मांग को गढते एवं आपूर्ति और प्रभाव को प्रभावित करते हैं।

वर्तमान में, प्रासंगिक डाटा एकत्र किया जा रहा है; और संबंधित साहित्य की समीक्षा की जा रही है। मुख्य रूप से यू–डीआईएसई और एमएचआरडी प्रकाशनों और भारत की प्रकाशनों की जनगणना आंकड़ों के आधार पर, तमिलनाडु के लिए प्रक्षेपण मॉडल का निर्माण प्रगति पर है।

33- fnYyh esa çh&Ldwy f'k{kk çnku djus okyh futh ÝSapkbZth dk ,d v/;;u

अन्वेषक: डॉ. सविता कौशल

प्री–स्कूल शिक्षा को अब प्राथमिक विद्यालय की तैयारी के लिए अनिवार्य आवश्यकता माना जा रहा है। इस जरूरत को पूरा करने के लिए, पिछले दो दशकों में देश में प्री–स्कूलों की संख्या में तेजी से विस्तार हुआ है। हाल के वर्षों में, प्री–स्कूल शिक्षा प्रदान करने के लिए निजी फ्रेंचाइजी के सक्रिय उद्भव हुए हैं। इस अध्ययन के उद्देश्य चयनित निजी फ्रेंचाइजी प्रो–स्कूल के शैक्षणिक और प्रशासनिक ढांचे और शासन का विश्लेषण करना था। इसके अलावा, चयनित निजी प्री–स्कूलों में प्रदान की गई प्रवेश प्रक्रियाओं और अवसंरचनात्मक सुविधाओं की भी जांच की गई। इन स्कूलों में भाग लेने वाले बच्चों की पृष्ठभूमि का भी अध्ययन किया गया था। इस अध्ययन में शिक्षकों द्वारा अपनाई गई उपलब्धियों और कमियों के साथ–साथ दिल्ली, (30) और हरियाणा (10) के निजी फ्रेंचाइजी प्री–स्कूलों के कामकाज से संबंधित

पाठ्यक्रम संचालन की तकनीकों का भी पता चला। चयनित नमुना प्री–स्कूलों के प्रशासनिक कर्मचारियों के सदस्यों, शिक्षकों और बच्चों के माता–पिता से एकत्र किया गया था। छोटे फ्रेंचाइजी प्री–स्कूलों के मामले में, नमूना में चार शिक्षकों और प्रशासनिक कर्मचारियों के सदस्यों को शामिल करने के लिए ध्यान दिया गया था। परियोजना की मसौदा रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अध्ययन 30 जून, 2018 तक पूरा होने की संभावना है।

34- vu|lfpr tkfr d cPpk d chp f'k{kk% jktLFkku d nk xkok dk xgu v/;;u

अन्वेषकः प्रोफेसर बी के पांडा

आजादी के बाद से, संवैधानिक लोकतंत्र की संरचना ने सामाजिक–आर्थिक सोपान को आगे बढ़ाने के लिए रास्ते खोल दिए हैं, जिसमें अवसर की समानता और स्वतंत्र भारत में विकास योजना के मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में सामाजिक न्याय को मान्यता दी गई है। संवैधानिक संरक्षण और बेहतर शैक्षिक और आर्थिक सुविधाओं के साथ, यह उम्मीद है कि यह बेहतर सामाजिक गतिशीलता के लिए एक प्रेरक कारक के रूप में कार्य करेगा, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों को गैर–अनुसूचित आबादी से इन के बराबर होने में सक्षम करेगा।

इसलिए, यह सवाल उठता है कि स्कूली शिक्षा ने किस हद तक इन समुदायों को अपनी सामाजिक और आर्थिक स्थितियों में सुधार करने में सक्षम बनाया है। इसके अलावा, यदि स्कूल इन समुदायों के बच्चों को आकर्षित करने की स्थिति में नहीं है, तो स्कूली शिक्षा के माध्यम से इन बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में बाधा डालने वाले कारकों को गहराई से समझने की आवश्यकता है। इस तरह की धारणाओं के आधार पर, अध्ययन के लिए निम्नलिखित उद्देश्यों को प्रेरित किया गया हैः

- राजस्थान राज्य में अनुसूचित जाति के छात्रों के बीच शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारणों को समझने के लिए;
- अधिक विस्तार से समझने के लिए, अनुसूचित जाति के घरों की तुलना में समुदाय और शिक्षा के लिए उनकी प्राथमिकता/आकांक्षा;
- अनुसूचित जाति के परिवारों में अपने बच्चों के लिए शिक्षा प्राप्त करने में विभिन्न सामाजिक–आर्थिक बाधाओं की पहचान करना; तथा
- अनुसूचित जाति के छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए राज्य की नीतियों में किए गए प्रावधानों को समझना।

प्रशासनिक बाधाओं के कारण परियोजना ठप हो गई थी; लेकिन, अब इसे पुनःआरंभ किया जा रहा है।

35- f'k{kk e jkT; Lrjh; {kerk fuek.k lLFkkuk dk leyk pukRed eY;kdu

अन्वेषकः नजमा अख्तर और डॉ. सविता कौशल

ऊपर दी गई परियोजना के लिए अनुमोदन की अधिसूचना अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित किए जाने के बावजूद दो साल की देरी हुई। अधिसूचना जारी करने में देरी के बावजूद, अब स्थिति यह है कि इसके लिए फील्ड कार्य शुरू करने के लिए कोई कर्मचारी नियुक्त नहीं किया गया है। कई बार अनुरोध किया गया है कि प्रावधान के अनुसार हमें स्टाफ प्रदान किया जाए। प्रशासन विभाग से इन सभी सीमाओं के साथ, यह सूचित करना है कि वर्तमान में परियोजना के लिए साहित्य समीक्षा का संग्रह चल रहा है।

36- jktLFkku d 'kf{kd :i l fiNM Cy,d vkj xj&'kf{kd :i l fiNM Cy,d e lkekft d xfr'khyrk vkj Ld|y çc/ku dk r|yukRed v/;;u

अन्वेषकः डॉ. मोना सेदवाल

शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई), 2009 ने राष्ट्र भर के स्कूलों में बच्चों को लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजस्थान में भी, आरटीई ने स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) और जमीनी स्तर पर काम कर रहे अन्य शैक्षणिक संस्थानों पर प्रमुख जिम्मेदारियों को बढ़ावा देकर इसे एक वास्तविकता बना दिया है। इसी तर्ज पर, भारत सरकार ने शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक (ईबीबी) की पहचान की है जहाँ सभी के लिए शिक्षा को वास्तविकता बनाने के लिए ठोस प्रयास किए गए हैं।

उपर्युक्त चर्चा से को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान अध्ययन में स्कूल प्रबंधन में जाति की गतिशीलता के प्रकाश

में एसएमसी की संरचना के प्रभाव की जांच करने का प्रस्ताव है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 के अनुसार, राजस्थान में राज्य में एससी की 59 श्रेणियां हैं। राजस्थान राज्य में 17 प्रतिशत एससी और 13 प्रतिशत एसटी शामिल हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, साक्षरता 53 प्रतिशत है।

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैः–

- ईबीबी और गैर–ईबीबी गांवों में स्कूल प्रबंधन पर इसके सामाजिक संरचना, इसके संबंध और प्रभाव का आकलन करने के लिए।
- स्कूल प्रबंधन के कामकाज और स्कूल प्रबंधन के सदस्यों के रवैये और ईबीबी और गैर–ईबीबी में एससी समुदाय से आने वाले बच्चों के प्रति मुख्याध्यापक के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
- ईबीबी और गैर ईबीबी में बीईओ, डीईओ, डायट और एसआईईआरटी द्वारा प्रदान किए गए शैक्षिक इनपुटों की मदद से एसडीपी को विकसित करने और इसे लागू करने में स्कूल प्रबंधन की भागीदारी का अध्ययन करना।
- यह अध्ययन करने के लिए कि ईबीबी और गैर–ईबीबी में एससी जनसंख्या के लिए गाँव स्तर पर स्कूल प्रबंधन की कार्यप्रणाली कितनी समावेशी है।
- सामग्री और कार्यप्रणाली के साथ–साथ एसएमसी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभाव का मूल्यांकन करने और ईबीबी और गैर–ईबीबी गांवों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों में एससी सदस्यों की भागीदारी दर का आकलन करने के लिए।

अध्ययन का सहायक डाटा प्राथमिक और सहायक डाटा दोनों के संग्रह और विश्लेषण पर आधारित होगा। बड़े सर्वेक्षण के लिए सर्वेक्षण और केस अध्ययन के दृष्टिकोण को अपनाया जाएगा, और बाद में, बड़े सर्वेक्षण के आधार पर, एससी आबादी की बहुलता के आधार पर सामाजिक गतिशीलता के गहन अध्ययन के लिए दो गांवों का चयन किया जाएगा। ब्लॉक में समूहों की संख्या को ध्यान में रखा जाएगा और इसका लगभग 50 प्रतिशत, या यदि समूहों की संख्या कम है, तो उन सभी को अनुसूचित जाति की जनसंख्या के आधार पर अध्ययन के लिए लिया जाएगा। लेकिन, बुनियादी पैरामीटर गांव में एससी आबादी की हिस्सेदारी और स्कूल प्रबंधन में इसके प्रतिनिधित्व पर होगा। घरेलू सर्वेक्षण दो ब्लॉकों में आयोजित किया जाएगा जो गहन अध्ययन के लिए गांवों के चयन का आधार बनेगा। स्कूल प्रबंधन को प्रभावित करने वाली सामाजिक गतिशीलता को प्रतिबिंबित करने के लिए चुनिंदा स्कूलों पर जाति अध्ययन विकसित किया जाएगा। प्रारंभिक कार्य किया जा रहा है।

37- Hkkjr esa 'kgjh efyu cfLr;ksa esa f'k{kk esa cPpksa dh Hkkxhnkjh dk leykpukRed eY;kadu

अन्वेषकः डॉ. सुनीता चुघ

- इस परियोजना को स्थानीय संस्थानों और शोधकर्ताओं के सहयोग से देश भर के दस शहरों में चलाया जा रहा है। तीन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें नमूना डिजाइन, डाटा संग्रह के लिए उपकरणों को अंतिम रूप दिया गया। रिपोर्ट लेखन का प्रारूप, शहर प्रोफाइल पर चर्चा की गई।
- सभी अनुसंधान समन्वयकों के साथ समन्वय और डाटा की छंटनी नियमित रूप से की जा रही है।
- घरों से डाटा संग्रह आठ शहरों में, और शेष दो शहरों (मुंबई और रायपुर) में बहुत प्रगत चरण में पूरा किया गया है। भोपाल और हैदराबाद में स्कूल सर्वेक्षण किया गया है। हैदराबाद के स्कूलों का दौरा स्कूलों से डाटा संग्रह प्रक्रिया की देखरेख करने और फोकस समुह चर्चा करने के लिए किया।
- भोपाल, लखनऊ, हैदराबाद, भुवनेश्वर, कोलकाता, लुधियाना और कानपुर के संबंध में आंकड़ा प्रविष्टि समाप्त हो गई है। अन्य दो शहरों के मामले में आंकड़ा प्रविष्टि पूर्णता के उन्नत चरणों में है। आंकड़ों की निरंतर निगरानी और सफाई की जा रही है।
- वर्तमान में (जुलाई से) परियोजना के काम में गति आई है क्योंकि तीन डाटा एंट्री ऑपरेटर और एक जूनियर सलाहकार को नियुक्त किया गया है।
- घरेलू आंकड़ों के आधार पर लखनऊ और हैदराबाद के लिए एक छोटी रिपोर्ट तैयार की गई है।

- रिपोर्ट प्रारूप के बारे में चर्चा करने के लिए अनुसंधान समन्वयकों की बैठक बुलाई गई थी।
- माध्यमिक आंकड़ों के आधार पर आठ शहरों का प्रोफाइल तैयार किया गया है।
- अनुसंधान के निष्कर्षों को साझा करने पर दिसंबर 2018 में एक संगोष्ठी आयोजित करने का प्रस्ताव। सेमिनार में भाग लेने के लिए अनुसंधान समन्वयकों, शिक्षा अधिकारियों और शिक्षाविदों को आमंत्रित किया जाएगा।

38- Ldwy esa fof'k"V vf/kxe fn0;kaxrk okys cPpksa dks 'kkfey djus ds fy, uhfr vkSj ifjikfV;ksa ij ,d v/;;u

अन्वेषकः डॉ. वीरा गुप्ता

स्कूली शिक्षा में बच्चों द्वारा सामना किए जाने वाले दिव्यांगताओं की भिन्न प्रकृति के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ, सीखने की दिव्यांगता शैक्षणिक और नीतिगत चिंता के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभरी है। आरटीई अधिनियम –2009 और पीडब्ल्यूडी विधेयक–2012 दोनों ने समस्या से निपटने के लिए सीखने की दिव्यांगता को अपने दायरे में शामिल किया है। हालांकि नीतिगत पहल की जा रही है, लेकिन मूल्यांकन और कार्यक्रम संबंधी हस्तक्षेप के संबंध में संस्थागत और स्कूल स्तरों पर बहुत स्पष्टता नहीं है। सीखने की प्रकृति गोवा में 45% (डीआईएसई, 2011–12) से लेकर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में दिव्यांगता 0% विशिष्ट अधिगम अक्षमता (एसएलडी) से राज्यों में बहुत भिन्न है। यह समझने की आवश्यकता है कि नीति और परिपाटियों के संदर्भ में सीखने की विशिष्ट दिव्यांगता से संबंधित वर्तमान और उभरती समस्याओं से निपटने के लिए स्कूल और संस्थागत स्तरों पर सीखने की दिव्यांगता की अवधारणा को कैसे संचालित किया जाता है। प्रस्तावित अनुसंधान इस दिशा में एक ईमानदार कदम है। भले ही भारत में एसएलडी पर नीति एक नवजात अवस्था में है, लेकिन क्षेत्र में उपलब्ध सर्वोत्तम परिपाटियों के साक्ष्य जुटाने के लिए खोजपूर्ण अध्ययन की आवश्यकता है। प्रस्तावित अध्ययन नीति और नीति प्रक्रियाओं के निर्माण के लिए सबूतों को प्रस्तुत करने के उद्देश्य से जमीनी स्तर पर वास्तविकता का पता लगाने के उद्देश्य से है। इसलिए, अध्ययन में डिस्लेक्सिया के विशिष्ट संदर्भ के साथ स्कूली शिक्षा में दिव्यांग बच्चों को सीखने की नीति को शामिल करने की नीति और व्यवहार का प्रस्ताव है।

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैंः–

अ. नीतियों और परिपाटियों के संदर्भ में एसएलडी और कार्यक्रम के हस्तक्षेप की समस्या की प्रकृति और परिमाण का पता लगाने के लिए।

ब. भारत में विशिष्ट राज्यों में एसएलडी के लिए पहचान, संदर्भ और शैक्षिक हस्तक्षेप के लिए राज्य और जिला स्तर की नीतियों और परिपाटियों का अध्ययन करना।

स. एसएलडी के सीखने के प्रतिफलों पर कार्यक्रम के हस्तक्षेप के प्रभाव का अध्ययन करने और क्षेत्र में उपलब्ध सर्वोत्तम परिपाटियों का दस्तावेजीकरण करने के लिए।

द. मूल्यांकन, निदान, शिक्षण कार्यनीतियों और कार्यक्रम प्रावधानों के लिए एसएलडी पर नीति निर्माण के लिए इनपुट प्रदान करना।

अध्ययन बीआरसी और स्कूल स्तर पर माध्यमिक दस्तावेज के क्षेत्र–आधारित अनुभवजन्य डाटा और विश्लेषण दोनों के संयोजन पर आधारित है। यह एसएलडी की पहचान, मूल्यांकन और हस्तक्षेप के लिए जिलों, बीआरसी और स्कूलों से संबंधित राज्य सरकारों द्वारा जारी दिशा–निर्देशों, परिपत्रों और आदेशों का विश्लेषण करेगा। इसके अलावा, परिचालन वास्तविकताओं का पता लगाने के लिए क्षेत्र–आधारित अनुभवजन्य डाटा एकत्र किया जाएगा और उनका विश्लेषण किया जाएगा। स्कूल आधारित अनुभवजन्य डाटा चयनित स्कूलों से एकत्र किया जाएगा। डाटा अवलोकन और साक्षात्कार अनुसूची की मदद से एकत्र किया जाएगा। ये शिक्षकों, परामर्शदाताओं और छात्रों के लिए डिजाइन किए जाएंगे। क्षेत्र–आधारित डाटा 30 स्कूलों से एकत्र किया जाएगा। रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

39- LFkkuh; Ldwy çcU/ku lwpuk ç.kkyh

अन्वेषकः प्रो. के. श्रीनिवास

चूंकि आरएमएसए–टीसीए बंद है, इसलिए अध्ययन का चरण–1 शुरू नहीं किया जा सका। अकादमिक परिषद के विचार के लिए प्रस्ताव को संशोधित और पुनः

प्रस्तुत किया गया है। परियोजना के संचालन के लिए पूर्व–सॉफ्टवेयर विकास कार्य पूर्ण हो गए हैं। सॉफ्टवेयर डेवलपर की पहचान और चयन चल रहा है।

40- ,e-ih- vkj fcgkj es çkFkfed f'k{kk ds çcèku es LFkkuh; fudk;ks dh lk>k ftEesnkfj;ks vkj {kerk ij v/;;uA

अन्वेषक: प्रो. कुमार सुरेश

प्राथमिक विद्यालय शिक्षा भारत के प्रबंधन की कल्पना समुदाय, राज्य सरकार और स्थानीय निकायों के बीच एक साझा जिम्मेदारी के रूप में की गई है। स्थानीय सरकार और शिक्षा दोनों से संबंधित विभिन्न नीति दस्तावेज ने प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन में स्थानीय शासन और सामुदायिक भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया है। स्कूल की विभिन्न गतिविधियों में स्थानीय निकायों की भागीदारी के साथ स्कूल प्रबंधन समिति का प्रावधान इस संबंध में महत्वपूर्ण है। आरटीई अधिनियम, 2009 केंद्र, राज्य और स्थानीय सरकारों के बीच तीन–तरफा भागीदारी को निर्धारित करता है। अधिनियम के प्रावधान के अनुसार, प्रारंभिक शिक्षा का प्रबंधन सरकार के तीन व्यवस्थाओं/स्तरों/क्षेत्रों–केंद्रीय, राज्य और स्थानीय – की एक साझा जिम्मेदारी है।

अधिकांश संघों में, शक्तियों और जिम्मेदारियों को एक संघीय ढांचे के दो व्यवस्थाओं के बीच साझा किया जाता है। यह केवल दोहरी नीति संरचना है जिसे औपचारिक और संवैधानिक मान्यता प्राप्त है। बहुत कम संघ हैं जो स्थानीय स्तर पर सरकार की तीसरी व्यवस्था का प्रावधान करते हैं।

v/;;u dk mís';

यह उपर्युक्त संदर्भ में है कि प्रस्तावित अध्ययन राज्य और स्थानीय निकायों के बीच संबंधों और दो राज्यों में प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन में क्षमता की जांच करने का प्रयास करता है। अध्ययन का उद्देश्य स्थानीय निकायों की क्षमता के दोनों आयामों, अधिकार के बंटवारे के संघीय मोड के संदर्भ में राज्य के साथ उनके संबंधों के मानचित्रण के लिए आधिकारिक दस्तावेजों – अधिनियमों, परिपत्रों, आदेशों आदि का विश्लेषण करना है।

यह अध्ययन क्षेत्र आधारित व्यावहारिक आंकड़ों और अधिकारिक दस्तावेज, दोनों के संयोजन पर आधारित होगा। एक तरफ यह माध्यमिक शिक्षा के प्रबंधन में स्थानीय निकायों की क्षमता को प्रभावित करते केंद्र सरकार तथा संबद्ध राज्यों की सरकारों द्वारा जारी दस्तावेज अधिनियमों, परिपत्रों, आदेशों और दिशानिर्देशों का तथा दूसरी तरफ राज्य एवं स्थानीय सरकारों के बीच संबंध का विशलेषण करेगा। अध्ययन की मसौदा रिपोर्ट संपन्न हुई; स्थानीय प्रशासन से संबंधित विषयगत अध्ययन के अंग के रुप में अधिक जानकारी की शामिल करने के उपरान्त संपन्न रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

41- çkFkfed Lrj ij efLye cPpks ds chp&xSj&ukekadu vkSj M‚,ivkmV ds dkj.k% vkèkz çns'k vkSj mÙkj çns'k dk rqyukRed v/;;u

अन्वेषक: डॉ. वेटुकुरी पी.एस. राजू

अध्ययन का मुख्य उद्देश्य भारत में दो राज्यों में प्रारंभिक स्तर पर मुस्लिम बच्चों के गैर–नामांकन और ड्राप–आउट के कारणों की पहचान करना है। तदनुसार, प्रारंभिक स्तर पर मुसलमानों के बीच गैर–नामांकन और ड्राप–आउट के कारणों के मुद्दे को संबोधित करते हुए अनुसंधान/शैक्षणिक नियोजन की प्रकृति का प्रारंभिक मूल्यांकन करने के लिए उपलब्ध साहित्य की समीक्षा पूरी हो गई है। साहित्य की समीक्षा से पता चलता है कि कोई भी पर्याप्त शोध या अकादमिक साहित्य नहीं पाया गया है जो प्राथमिक स्तर पर मुसलमानों के बीच गैर–नामांकन और ड्राप–आउट को जानने की कोशिश में जुटा है। इसके अलावा, प्रासंगिक माध्यमिक डाटा भी एनएसएसओ, डीआईएसई और जनगणना रिपोर्ट से एकत्र किए गए हैं। मसौदा तैयार है और परियोजना रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अंतिम रिपोर्ट 31 मई, 2018 तक तैयार होने की उम्मीद है।

42- ukxfjd f'k{kk vkSj ykdrkf=d fu;kstu ds fy, mPp f'k{kk% mPp f'k{kk laLFkkuks es fofo/krk vkSj Hkkxhnkjh dk v/;;u

अन्वेषक: डॉ. निधि एस. सबरवाल और डॉ. मलिश सी.एम

परियोजना संपन्न संश्लेषण रिपोर्ट और छह राज्य रिपोर्ट प्रस्तुत।

फरवरी 2017 में इस विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी और संगोष्ठी पर तैयार एक रिपोर्ट।

20 जून, 2017 को विविधता और भेदभाव पर नीति की संक्षिप्त समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक आयोजित की जाएगी।

नीति का संक्षिप्त नाम 'नीति संक्षिप्ति 1: भारत में उच्च शिक्षा के लिए समान पहुँच; नीति संक्षिप्ति 2% भारत में उच्च शिक्षा में अकादमिक एकीकरण हासिल करना; नीति संक्षिप्ति 3% भारत में सामाजिक रूप से समावेशी उच्च शिक्षा परिसरों का विकास, नवंबर 2017 में प्रकाशित होने की उम्मीद है।

जुलाई 2016 में सीपीआरएचई रिसर्च पेपर सीरीज 3 के रूप में प्रकाशित 'भारत में उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और नागरिक अधिगम' शीर्षक से शोध पत्र।

रिसर्च पेपर 'स्टूडेंट डायवर्सिटी एंड सोशल इंक्लूजन: एन इम्पिरिकल एनालिसिस ऑफ हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस इन इंडिया' शीर्षक पर आधारित है, जो आगामी सीपीआरएचई शोध पत्र सीरीज 10 के रूप में है।

43- mPp vkj rduhdh lLFkkuk e l?kurk vkj vf/kd vkifr

अन्वेषक: प्रोफेसर एन.वी. वर्गीज, डॉ. जिनुशा पाणिग्राही और सुश्री अनुभा रोहतगी

अंतिम रिपोर्ट जून 2017 में एमएचआरडी को सौंपे जाने की संभावना है। शोध पत्र 'भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों की सघनता: एक क्षेत्रीय विश्लेषण' शीर्षक पर आधारित है, जो सीपीआरएचई शोध पत्र श्रृंखला 11 के रूप में आने वाला है।

44- fut h MhEM fo'ofo|ky; e Qhl dk fu/kkj.k

अन्वेषक: डॉ. जिनुशा पाणिग्राही

शोध प्रस्ताव एमएचआरडी द्वारा प्रस्तुत और अनुमोदित किया जाता है। दोनों गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान उपकरण विकास की प्रक्रिया में हैं। चयनित संस्थानों में अध्ययन को लागू करने से पहले एक प्रायोगिक अध्ययन शुरू किया जाएगा।

45- jkT;k e mPp f'k{kk lLFkkuk dk 'kf{kd 'kklu

अन्वेषक: प्रो. सुधांशु भूषण

भारतीय उच्च शिक्षा में कम संख्या में केंद्रीय विश्वविद्यालय (42), बड़े राज्य संचालित विश्वविद्यालय (290), राज्य निजी विश्वविद्यालय (201) और डीम्ड विश्वविद्यालय (49) शामिल हैं। हालाँकि सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के वित्त पोषण के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है, लेकिन केंद्र सरकार भी योजना के वित्तपोषण के तहत राज्य विश्वविद्यालयों का समर्थन करती रही है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का मुख्य अधिदेश विश्वविद्यालयों की शिक्षा के मानकों को बनाए रखना है।

सभी विश्वविद्यालयों को कुलाधिपति के कार्यालय के तहत भी शासित किया जा रहा है जिनकी विश्वविद्यालयों के अधिनियमों और विधियों के तहत महत्वपूर्ण भूमिका है। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के शासन के तीन पहलू हैं। – शैक्षणिक, प्रशासनिक और वित्तीय। उच्च शिक्षा, अनेक राज्यों में उच्च शिक्षा प्रभावी रूप से भी है। परिषदों की निगरानी में तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के संबंध में अनेक राज्यों ने संबंधित राज्य विश्वविद्यालयों की स्थापना की है जो विशिष्ट तकनीकी/व्यावसायिक कॉलेजों को नियंत्रित करते हैं। सभी विश्वविद्यालयों को विभिन्न समितियों, परिषदों और निकायों के अंतर्गत चलाया जाता है।

v/;;u dk mí';

- विभिन्न राज्यों में उच्च शिक्षा के शासन पर श्रृंखला, संस्थागत संरचना, शासन, नीतियों, परिपाटियों, उच्च शिक्षा संस्थानों के वित्त पोषण पर बुनियादी जानकारी प्रदान करने में मदद करेगी।
- शासन की श्रृंखला कुछ राज्यों में अच्छी परिपाटियों को उजागर करेगी और अन्य राज्यों को अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।
- श्रृंखला केंद्र सरकार और नियामक परिषदों को शासन में भिन्नता को समझने और नीति और नियोजन हस्तक्षेप के माध्यम से प्रथाओं को कारगर बनाने में मदद करेगी।
- शासन पर श्रृंखला नेटवर्क शिक्षाविदों, शासन को विकसित करने में मदद करेगी और राज्यों में सहयोग को बढ़ावा देगी।
- यह छात्रों को सामाजिक संरचना, अनुशासनात्मक वरीयताओं, सहायता प्रणालियों और शिक्षकों की रचना में भिन्नता, अधिवर्षता की शर्तों और उनके पारिश्रमिक के संदर्भ में समझने में मदद करेगी।

- उच्च शिक्षा के शासन पर श्रृंखला, वास्तविक जानकारी में सही जानकारी और अंतर–राज्य विविधताओं के आधार पर व्यवस्थित तरीके से उच्च शिक्षा में सुधारों को पेश करने में मदद करेगी।

çLrkfor ;kstuk

विभाग तीन साल में सभी राज्यों के लिए ''उच्च शिक्षा शासन'' पर एक श्रृंखला प्रकाशित करने का प्रस्ताव करता है। पहले वर्ष में, बिहार और तमिलनाडु के लिए दो प्रायोगिक परियोजनाएं शुरू की जाएंगी और इसके बाद, सभी राज्यों को कवर करने वाली पूरी परियोजना के लिए उपकरण तैयार किए जाएंगे। बिहार राज्य के लिए प्रायोगिक डॉ. सुधांशु भूषण और तमिलनाडु के लिए डॉ. पी. दुरिसामी द्वारा किया जाएगा। टूल्स को अंतिम रूप देने के बाद, 2016–17 और 2017–18 के दौरान सभी राज्यों में परियोजना शुरू की जाएगी। उच्च शिक्षा में शासन के विभिन्न पहलुओं पर राज्यवार प्रकाशन होगा। दस्तावेज मुख्य रूप से राज्य के उच्च शिक्षा विभागों, विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से प्राप्त सहायक जानकारी पर आधारित होगा। शासन में संस्थागत संरचना, शासन मोड, छात्रों की भागीदारी, शिक्षक भर्ती, कार्यक्रम, वित्तपोषण, कुलपतियों की नियुक्ति, कुलपति कार्यालय, राज्य सरकार और विश्वविद्यालयों, स्वायत्त और संबद्ध कॉलेजों, व्यावसायिक संस्थानों और निजीकरण के साथ संबंध पर राज्यवार बुनियादी जानकारी शामिल होगी। अध्याय–वार विश्लेषण न्यूपा में विकसित टेम्प्लेट पर आधारित होगा। हालांकि, प्रत्येक अध्याय में, टेम्पलेट के साथ प्रासंगिक जानकारी होने के अलावा, लेखक के प्रतिबिंब के लिए पर्याप्त अवसर रहेगा।

46- Hkkjrh; futh fo'ofo|ky; vf/kfu;ek vkj 'kYd dk fofu;eu ¼,e,pvkjMh d vuqjk/k ij ifj;kstuk dk v/;;u½

अन्वेषकः डॉ. संगीता अंगोम

स्वतंत्रता के बाद से भारत में निजी तौर पर वित्तपोषित संस्थान अस्तित्व में हैं, लेकिन उन्हें निजी विश्वविद्यालयों के रूप में मान्यता नहीं दी गई थी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विश्वविद्यालयों के रूप में वर्गीकृत अनेक निजी विश्वविद्यालय या संस्थान या जो खुद को विश्वविद्यालय के रूप में परिभाषित करते हैं, हाल ही में सामने आए हैं। इनमें से अनेक विश्वविद्यालय राज्य वित्तपोषित विश्वविद्यालयों के समान बहु–विषयक व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं; हालाँकि, एकल धारा विशेषज्ञता प्रदान करने वाले संस्थान भी अस्तित्व में हैं।

भारत सरकार ने राज्य सभा में निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना और विनियमन विधेयक, 1995 पेश किया और विचार प्राप्त करने के लिए स्थायी समिति को भेजा गया। तब से, इस विषय पर विभिन्न मंचों पर चर्चा की गई लेकिन संसद में इसे पारित नहीं किया गया।

v/;;u dk mís';

- अध्ययन के औचित्य के प्रकाश में, प्रस्ताव अध्ययन के निम्नलिखित विशिष्ट उद्देश्यों को रेखांकित करता हैः
- चयनित निजी विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक ढांचे और शासन का विश्लेषण करना।
- चयनित निजी विश्वविद्यालय की आय और व्यय पैटर्न के स्रोतों की जांच करना।
- प्रवेश प्रक्रियाओं और चयनित निजी विश्वविद्यालय में प्रदान की गई अवसंरचनात्मक सुविधाओं की जांच करना।
- शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया और कार्यभार के पैटर्न का अध्ययन करना।
- यह पहचानने के लिए कि पाठ्यक्रमों के प्रकार बाजार–उन्मुख हैं या नहीं।
- निजी विश्वविद्यालय में उपलब्धि (यों) या कमियों, यदि कोई हो, का पता लगाना।
- भारत में उच्च शिक्षा के विकास में निजी विश्वविद्यालयों की भूमिका और योगदान का समग्र मूल्यांकन करना।

अनुसंधान विधि को वर्णनात्मक के रूप में जिम्मेदार माना जा सकता है और यह प्राथमिक और सहायक दोनों प्रकार के डाटा पर आधारित होगा। अध्ययन सबसे अधिक प्रासंगिक आधिकारिक दस्तावेज का उपयोग करने की कोशिश करेगा और विकास, भूमिकाओं, समस्याओं, अवसरों और सरकार की प्रतिक्रियाओं के साथ–साथ निजी विश्वविद्यालयों की पूरी तस्वीर देगा। उच्च शिक्षा

के विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान करने वाले 23 निजी विश्वविद्यालयों (राज्य विधानमंडल के अधिनियमों के माध्यम से स्थापित) में से पांच निजी विश्वविद्यालयों के एक नमूने का अध्ययन करने के लिए चयन किया जाएगा। पांच विश्वविद्यालयों को अलग–अलग शासन शैलियों का प्रस्तुत करने के लिए सावधानी से चुना जा सकता है। अध्ययन में भारत में निजी डीम्ड विश्वविद्यालय शामिल नहीं हैं।

10% संकाय और 2% छात्र विभिन्न पहलुओं पर जानकारी का नमूना तैयार करेंगे। डाटा एकत्र करने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरणों में छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रश्नावली और प्रशासन में शामिल व्यक्तियों और अध्यक्षों के लिए एक साक्षात्कार अनुसूची का संचालन किया जाएगा। सरकारी प्रतिनिधियों के लिए एक अलग प्रश्नावली का उपयोग देश में निजी विश्वविद्यालयों की भूमिका पर राय बनाने के लिए भी किया जाएगा।

1. साहित्य समीक्षा प्रगति पर है

2. उपकरण तैयारी प्रगति पर है

3. नमूना विश्वविद्यालयों के साथ संचार प्रगति पर है। मार्च 2018 से मई के अंत तक फील्ड विजिट की योजना बनेगी।

47- çf'k{k.k vko';drkvk dh igpku dju d fy, 'kf{kd ç'kkldk d oreku dh rqyuk e Hkfo";ijd dk;k ,o Hkfedkvk dh leykpukRed tkp dju d fy, ,d xgu v/;;u

अन्वेषक: प्रोफेसर बी के पांडा और डॉ. मोना सेदवाल

ई–नेटवर्क के माध्यम से रिपोर्ट और पुस्तकों के रूप में दस्तावेज ज्ञान की उपलब्धता की प्रतीक्षा किए बिना दुनिया भर से ज्ञान प्राप्त करने की तकनीक और गुंजाइश के आगमन ने सूचना और ज्ञान तक पहुंचने की समय–सीमा के अवरोध को हटा दिया है। परिणामस्वरूप, एक तरफ ज्ञान और सूचना का निरंतर प्रवाह, हमारे ज्ञान को अद्यतन कर रहा है, और दूसरी तरफ, यह हर पल अप्रचलित भी हो रहा है। इस प्रकार नए ज्ञान के साथ तालमेल बनाए रखना और निरंतर आधार पर उसे प्राप्त करना और उसका सदुपयोग करना एक बड़ी चुनौती है। शैक्षिक प्रशासक को नवीनतम तकनीकी ज्ञान से लैस करने और कर्मियों को बेहतर और कुशलतापूर्वक प्रदर्शन करने में सक्षम बनाने के लिए सूत्रधार की भूमिका को अनुकूलित करने की आवश्यकता है।

v/;;u dk mís';

- शैक्षिक प्रशासकों को प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण के भविष्य के आयामों की पहचान करना;
- शैक्षिक प्रशासकों की क्षमता के निर्माण के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करना;
- मौजूदा प्रशिक्षण सुविधाओं और ऐसे संस्थानों की क्षमताओं को समझने के लिए जो शैक्षिक प्रशासकों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं;
- शैक्षिक और प्रशासनिक दोनों क्षेत्रों के संदर्भ में शैक्षिक प्रशासकों के व्यावसायिक विकास के लिए एक मॉडल प्रशिक्षण ढांचा विकसित करना; तथा
- एक मॉडल कार्यक्रम विकसित करना जो संसाधनों के संदर्भ में संभव हो, और कार्यान्वयन के संदर्भ में प्रभावी हो, प्रशिक्षण के कार्यान्वयन में स्थायी हो और मूक्स/ई–लर्निंग के नवीनतम तरीकों के उपयोग की लागत प्रभावी और आउटरीच व्यवहार्यता हो।

v/;;u dk foLrkj

अध्ययन में शामिल किया जाएगा: (1) जिन राज्यों में शैक्षिक प्रशासक राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से चुने गए हैं, (2) वे शैक्षिक प्रशासक जो अनुभव के आधार पर प्रवेश कर रहे हैं, इत्यादि। शैक्षिक प्रशासकों की भर्ती अनुकूलित प्रक्रियाओं से संबंधित है और राज्य अकादमियों और अन्य संस्थानों के माध्यम से उनके प्रशिक्षण के लिए प्रावधानों की राज्य स्तर की जानकारी को एकत्र किया जाएगा। शैक्षिक प्रशासकों से प्रशिक्षण के रूप में विषयों की आवश्यकताओं के बारे में सटीक जानकारी भी एकत्र की जाएगी।

अध्ययन तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा, जो तीन–चार वर्षों में देश के सभी राज्यों को शामिल करेगा। हालांकि, अध्ययन के पहले चरण को केवल 18 महीने तक ही सीमित रखा जाएगा, इस अध्ययन की खोज आगे के अनुसंधान के संचालन का आधार बनेगी।

समीक्षा का काम प्रगति पर है।

4 पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

ज्ञान और सूचना की साझेदारी

राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों ने शैक्षिक नीतियों, योजना और प्रबंधन से संबंधित मौजूदा और नवीनतम ज्ञान को सुलभ बनाने के लिए श्रृंखलाबद्ध कार्य आरंभ किए हैं। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन के क्षेत्र में ज्ञान और सूचना प्रलेखन और प्रसारण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहा है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र द्वारा वर्ष 2016–17 में की गई प्रमुख गतिविधियां निम्नलिखित हैं :

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

विश्वविद्यालय का पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र विश्वविद्यालय के संकाय और स्टाफ सदस्यों, देश–विदेश के शोधकर्ताओं, विश्वविद्यालय के एम.फिल. तथा पी.एच.डी. के विद्यार्थियों, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों और अतिथि संकाय सदस्यों तथा पाठकों की सूचना संबंधी जरुरतों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन एवं अधिगम केंद्र के रूप में कार्य करता रहा है। पुस्तकालय, विश्वविद्यालय के अध्यापन, अधिगम और शोध में सहयोग के लिए आधुनिक अध्यापन– अधिगम सामग्री, कंप्यूटर तथा इलेक्ट्रानिक सुविधाएं जैसे– वाई–फाई से सुसज्जित है।

पिछले चार–पांच वर्षों के अन्तर्गत पुस्तकालय ने अपनी संग्रह नीति में व्यापक परिवर्तन किया है। पुस्तकालय लगभग 80 प्रतिशत जर्नल मुद्रित और ऑनलाईन स्वरूप में मंगाता है। हालांकि, पुस्तकों को मुद्रित रूप में ही प्राथमिकता दी जाती है।

पाठकों की सुविधा के लिए पुस्तकों तथा अन्य सामग्री के संपूर्ण संग्रह को चार प्रमुख अनुभागों– सामान्य, संदर्भ, श्रृंखला, और क्षेत्र अध्ययन संग्रह में वर्गीकृत किया गया है। समीक्षित काल में पुस्तकालय में 363 नई पुस्तकों/दस्तावेजों का संग्रह किया गया। वर्तमान वर्ष में पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र के पास संयुक्त राष्ट्र, युनेस्को, ओ.ई.सी.डी, आई.एल.ओ., यूनिसेफ, विश्व बैक आदि अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों और सम्मेलनों की रिपोर्टों इत्यादि के अलावा 60,109 पुस्तकों और दस्तावेजों का संग्रह है। समीक्षाधीन वर्ष 2016–17 में पुस्तकालय ने शैक्षिक योजना, प्रशासन, प्रबंधन तथा इससे संबंधित विषयों पर 250 राष्ट्रीय तथा अतंर्राष्ट्रीय जर्नल एवम् 14 पत्रिकाएं मंगाई। इन पत्र–पत्रिकाओं से 1,402 प्रमुख आलेखों का सूचीकरण किया गया। समीक्षाधीन वर्ष 2016–17 में पुस्तकालय ने 7,881 जर्नलों को उपयोगकर्त्ताओं को सूचना प्रदान करने के लिए जिल्द में तैयार किए। न्यूपा ने चार आनलाईन डाटाबेस एलसेवियर सेज, एमेराल्ड, डाटाबेस तथा जे. स्टोर खरीदे। पुस्तकालय के पास 523 ई–बुक का संग्रह है। न्यूपा पुस्तकालय में मल्टीमीडिया केंद्र है। वीडियो कैसेट, ऑडियो कैसेट, फिल्म, माइक्रोफिल्म, माइक्रोचिप्स और सी.डी. के रूप में गैर–मुद्रित सामग्री उपलब्ध है।

न्यूपा पुस्तकालय ने नई आनलाइन सूचना सेवाएँ जैसे कि– ''न्यूज फ्लैश'', 'न्यूपा इन द प्रेस', एस.डी.आई. (न्यूपा संकाय के अकादमिक कार्य का प्रसार) तथा 'न्यू अराईवल' प्रारम्भ किया है। पुस्तकालय ने विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम की ग्रन्थ सूची तैयार की है। उपभोक्ताओं को संदर्भ सामग्री, आलेखों, रिपोर्टों इत्यादि के लिये फोटोग्राफी सेवाएँ प्रदान की गई हैं।

न्यूपा पुस्तकालय में सभी गतिविधियाँ, जैसे सूची बनाना, प्राप्तियाँ, प्रसार तथा श्रेणी नियंत्रण पूर्णरूप से कम्प्यूटरीकृत है। इसके लिये लिबसिस 7 साफ्टवेयर पैकेज का नवीनतम वर्ज़न का प्रयोग किया जा रहा है। न्यूपा में लैन से इंटरनेट या फिर इंटरानेट के माध्यम से सीधे या यू.आर.एल. के माध्यम से न्यूपा की वेबसाईट पर वेब ओपेक का प्रयोग करके ओपेक का उपयोग किया जा सकता है। इसके माध्यम से न्यूपा पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, जर्नलों और लेखों का डाटाबेस देख सकते हैं।

राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संसाधनों की साझेदारी को बढ़ावा देने हेतु न्यूपा पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र डेलनेट का सदस्य हैं इससे न्यूपा पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र में उपलब्ध शैक्षिक योजना और प्रशासन पर वृहद रूप से उपलब्ध अमूल्य अधिकारिक दस्तावेज़ों के पहचान की सुविधा उपलब्ध हुई है। आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुये सभी दस्तावेज़ों तथा रिकार्ड का डिजीटलीकरण हेतु परियोजना चलाई जा रही है। यह अपेक्षा की जा रही है कि इससे देश में शिक्षा पर वृहद ऑनलाईन अभिलेखीय सूचना उपलब्ध हो पायेगी।

डिज़ीटल संसाधनों की पहुंच

इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय संकाय तथा अनुसंधानविदों के बीच विभिन्न प्रकार की सूचना की साझेदारी, संपर्कता, सहभाजन के लिए इंटरनेट गतिविधियों को सुदृढ़ तथा विकसित किया गया है। यह सूचना तथा ज्ञान का संग्रह, सृजन, हस्तांतरण तथा एकीकरण करता है। इसके डिज़ीटल संसाधन जैसे पुस्तकें, आलेख, अनुसंधान अध्ययन, समसामयिक आलेख श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट, सम्मेलन संगोष्ठी के कार्यकलाप, विख्यात शिक्षाविद् व्याख्यान श्रृंखला, दृश्य–श्रव्य व्याख्यान, समिति तथा समिति रिपोर्टें, इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। यह सभी संसाधन पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र के वेब पृष्ठ [http://www.nuepa.org/libdoc/index.html, पर भी उपलब्ध हैं। प्रलेखन केन्द्र शिक्षा तथा इससे संबंधित क्षेत्रों के 5,000 दस्तावेज़ों के डिजीटल अभिलेख उपलब्ध कराता है। यह दस्तावेज़ इंटरनेट या इंटरानेट के माध्यम से [http://www.nuepa.org.archives/index.html, पर देखा जा सकता है।

इसके अतिरिक्त नई प्राप्तियों की सूची, नए जर्नलों तथा बंद किऐ जाने वाले जर्नलों की सूची, पाक्षिकों के वर्तमान घटक; जे. स्टोर तथा ऑनलाईन जर्नल डाटाबेस का सम्पूर्ण टेक्स्ट एक्सेस; संदर्भ ग्रंथ सूची – मांग पर प्रेस कतरनें, साहित्य की खोज तथा इलैक्ट्रानिक दस्तावेज़ वितरण प्रणाली (ई.डी.डी.एस.) के लिये इंटरनेट के माध्यम से चौबीस घंटे की पहुंच पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र को विस्तारित की गई हैं। इससे अंतः पुस्तकालय ऋण तथा डेलनेट के माध्यम से पुस्तकों, दस्तावेज़ों, आलेखों, इत्यादि के लिये प्रयोगकर्त्ता की आवश्यकताओं को पूर्ण करने में सुदृढ़ीकरण हुआ है।

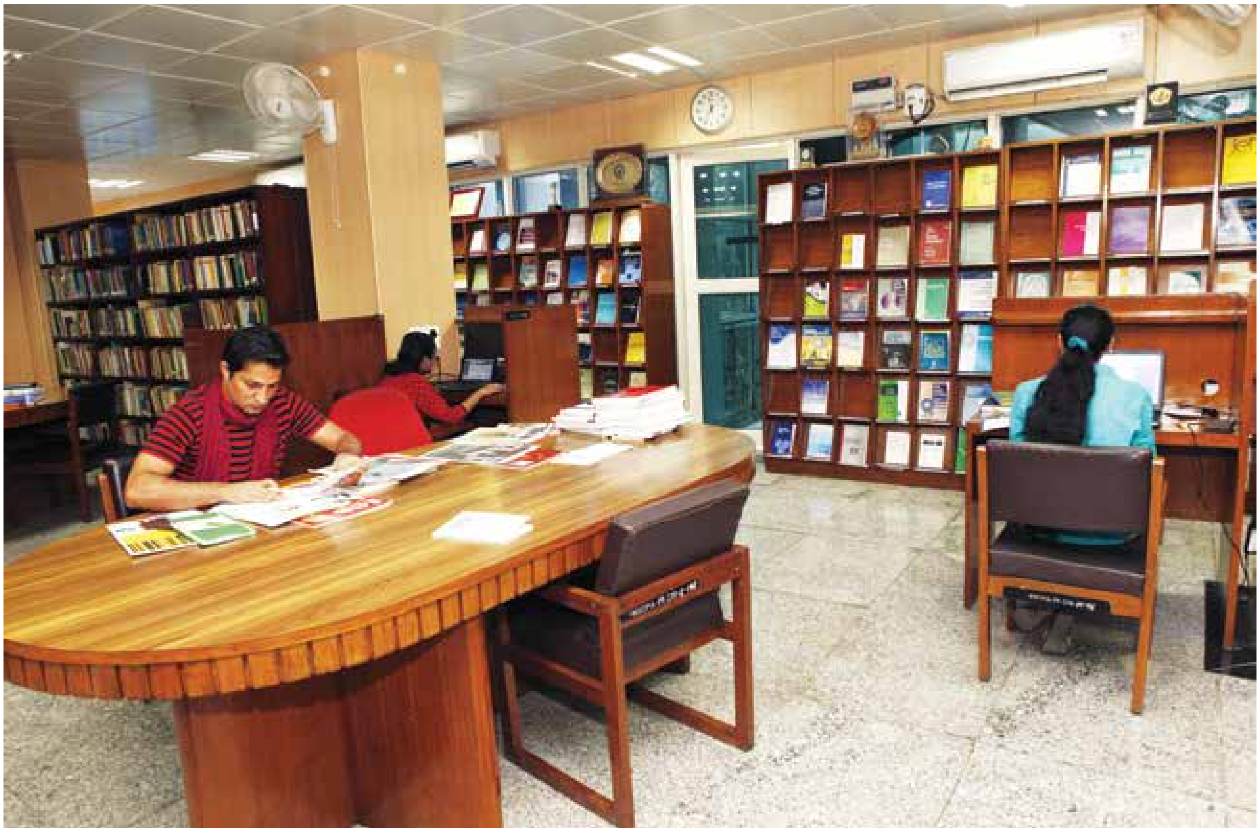

5 कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

VINOD TRIVEDI

कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

कंप्यूटर केंद्र विश्वविद्यालय की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। नेटवर्क विश्वविद्यालय की रीढ की हड्डी है तथा इसके सक्रिय संघटकों को कंप्यूटर केंद्र द्वारा संचालित, रखरखाव तथा नियंत्रित किया जाता है। कंप्यूटर केंद्र एन.एम. ई.आई.सी. टी परियोजना के अंतर्गत एन.के.एन./एम.टी.एन.एल. द्वारा प्रदान की गई 1 जी.बी.पी.एस ऑप्टिकल फाइबर इंटरनेट संपर्कता से सुसज्जित है। विश्वविद्यालय में सतत रूप से हर समय इंटरनेट की संपर्कता 24x7x365 सुनिश्चित करने के लिए इंटरनेट से 10 एम.बी.पी.एस. का बैकअप की सुविधा उपलब्ध है। कंप्यूटर केंद्र सभी स्टाफ सदस्यों, प्रशिक्षुओं, परियोजना स्टाफ, कार्यक्रम भागीदारों, अनुसंधानविदों को कंप्यूटर सुविधा तथा इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराता है। नेटवर्क संसाधनों का प्रयोग करने हेतु सभी स्टाफ सदस्यों तथा संकाय सदस्यों को उच्च गति वाली इंटरनेट संपर्कता तथा नेटवर्क प्वाइंट प्रदान किये गये हैं। न्यूपा डोमेन पर सभी स्टाफ तथा संकाय सदस्यों को व्यक्तिगत ई–मेल खाता की सुविधा दी गई है। कुलपति तथा अन्य सभी संकाय सदस्यों के निवास पर ब्राड–बैन्ड इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराई गई है। सभी स्टाफ सदस्यों तथा संकाय को डैस्कटाप/लैपटाप कंप्यूटर सुविधा दी गई है। कंप्यूटर केंद्र की सुविधाएं बिना किसी व्यावधान के लगातार 12 घंटे उपलब्ध रहती हैं। कंप्यूटर केन्द्र पर विश्वविद्यालय के अपने कंप्यूटरों तथा संबंधित उपकरणों के रखरखाव की जिम्मेदारी है।

कंप्यूटर केन्द्र विश्वविद्यालय की दैनिक अकादमिक तथा गैर अकादमिक गतिविधियों में सूचना प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने हेतु सुविधाएं प्रदान करता है। कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रकार के नवीनतम कंप्यूटर और प्रिंटरों तथा मल्टी–फंक्शन डिवाईज़ेज से सुसज्जित है। विश्वविद्यालय के सभी तलों पर सभी कमरे नेटवर्क (विंडोज़ सर्वर 2012आर2) से जुड़े हुए हैं।

न्यूपा भवन से न्यूपा हास्टल को उच्च गति इंटरनेट संपर्कता उपलब्ध कराई गई है। न्यूपा छात्रावास के सभी तलों के कमरों में अतिथियों के लिये प्रमाणित तथा सुरक्षित वाई–फाई संपर्कता उपलब्ध–कराई गई है।

यह केंद्र अकादमिक एककों को प्रशिक्षण, अनुसंधान, मात्रात्मक आंकड़ा विश्लेषण और प्रणाली स्तर के प्रबंधन संबंधी मुद्दे तथा दूसरे कार्यकलापों में सहायता प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त गैर–अकादमिक एककों जैसे – पुस्तकालय, प्रशासन तथा वित्त विभागों को भी सहायता प्रदान की जाती है। संस्थान की डाटा प्रोसेसिंग तथा वर्ड प्रोसेसिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के अलावा कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों/कार्यक्रमों के लिए अन्य विशिष्ट कंप्यूटर आधारित सेवाएं प्रदान करता है।

लेखा अनुभाग को भी कंप्यूटर अनुप्रयोग के लिए समर्थन दिया जाता है। इसमें शामिल है, वेतन संगणना, आयकर गणना, पेंशन, भविष्य निधि गणना आदि। इसके लिए एस.पी.एस.एस. सांख्यिकी पैकेज नेटवर्क वर्जन सर्वर के साथ स्थापित किया गया है ताकि प्रयोगकर्त्ता नेटवर्क पर गणना कर सकें। कंप्यूटर केंद्र दैनिक गतिविधियों के लिये ओपन स्रोत साफ्टवेयरों को प्रोत्साहन देता है।

विश्वविद्यालय की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आधुनिक डाटा केन्द्र स्थापित किया गया है। डाटा केन्द्र उच्च गुणवत्तायुक्त डाटा सर्वर तथा वेब सर्वर से जुड़ा है जोकि चौबीसों घंटे 24x7x365 उपभोक्ताओं के लिये ऑन–लाईन उपलब्ध है। डाटा सेंटर समर्पित समानांतर यू.पी.एस. सिस्टम से समर्थ है जो सर्वर को पावर बैक–अप प्रदान करता हैं। घरेलू डाटा सेंटर को सुदृढ़ बनाने हेतु एस.ए.एन. स्टोरेज़ के साथ ब्लेड सर्वर को प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में इंटरनेट संलग्नता में वृद्धि तथा समर्थतता हेतु एवं डाटा केन्द्र का इंटरनेट लिंक हेतु बैक–अप कनेक्टिविटी के लिये 10 एम.बी.पी.एस. रेडियो फ्रीक्वेन्सी लिंक (आर.एफ. लिंक) किया गया है।

भारत सरकार के मुख्य कार्यक्रम, सर्व शिक्षा अभियान और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के फ्लैगशिप कार्यक्रम के अन्तर्गत जाने–माने कार्यक्रम एकीकृत शैक्षिक जिला प्रणाली सूचना (यू–डाईस) के लिये सर्वर का रखरखाव संगणक केंद्र करता है। इसके अलावा संगणक केंद्र का डाटा केंद्र राष्ट्रीय विद्यालय मानक एवं मूल्यांकन – शाला सिद्धि के राष्ट्रीय कार्यक्रम के वेब पोर्टल का रखरखाव भी करता है।

6 प्रकाशन

NIEPA PUBLICATIONS

प्रकाशन

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का प्रकाशन एकक विश्वविद्यालय द्वारा की गई शोध और विकास गतिविधियों के निष्कर्षों के प्रकाशन और प्रसारण द्वारा ज्ञान की साझेदारी संबंधी कार्यकलापों का अनुसमर्थन व्यापक स्तर के लिए करता रहा है। विश्वविद्यालय के उद्देश्यों को पूरा करने के अनुक्रम में प्रकाशन एकक समसामयिक आलेख/जर्नल/पाक्षिक न्यूजलेटर, पुस्तकें, एम.फिल. और पी–एच.डी. की विवरणिका और प्रशिक्षण कार्यक्रम का कैलेण्डर प्रकाशित करता है। यह विभिन्न राज्यों/संघ क्षेत्रों के शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षणों की रिपोर्टों की श्रृंखला भी प्रकाशित करता है। प्रकाशन एकक कंप्यूटरों तथा प्रिंटरों से सुसज्जित है और विश्वविद्यालय के डीटीपी कार्य भी करता है।

वर्ष 2016–17 के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन निकाले गए – जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (अंग्रेजी), परिप्रेक्ष्य (हिंदी) जर्नल और सी.पी.आर.एच.ई. अनुसंधान आलेख, एम.फिल तथा पी–एच.डी. कार्यक्रमों की विवरणिका तथा पाठ्यचर्या गाईड। विश्वविद्यालय ने अनेक शोध और संगोष्ठियों/सम्मेलनों की रिपोर्टें पुस्तक और मोनोग्राफ के रूप में प्रकाशित की। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने निम्नांकित प्रमुख प्रकाशन निकाले :

जर्नल

- जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, जिल्द XXX, 2016 (अंक 1,2, 3 और 4)
- परिप्रेक्ष्य (शैक्षिक योजना और प्रशासन में सामाजिक–आर्थिक संदर्भ हिन्दी जर्नल) जिल्द XXII, 2015 (अंक 1, 2 और 3)

vrjhi U;wtysVj

- अंतरीप न्यूज़लेटर (जुलाई–दिसम्बर 2013–जुलाई दिसंबर 2015)
- अंतरीप न्यूज़लेटर (जनवरी–जून 2016)

lelkef;d vkys[k

- न्यूपा समसामयिक आलेख सं. 47ः जेंडर इक्वॉलिटी आउटकम्स ऑफ द एस.एस.ए.ः रत्ना एम. सुदर्शन द्वारा एक अध्ययन, नई दिल्ली, न्यूपा, 84 पृष्ठ
- न्यूपा समसामयिक आलेख सं. 48ः डिसेन्ट्रेलाईजेशन मेंनेजमेंट ऑफ एलिमेंट्री एजुकेशन एंड रोल ऑफ सेल्फ.गर्वनेंस इंस्टीट्यूशन, आर.एस. त्यागी, नई दिल्ली, न्यूपा, 40 पृष्ठ
- न्यूपा समसामयिक आलेख सं. 49ः इन्क्लूसन थ्रू आर.टी.आई. ए केस स्टडी ऑफ टू प्राईवेट स्कूल्स इन दिल्ली, के. सुजाता और वी. सुचारिता, नई दिल्ली, न्यूपा, 41 पृष्ठ

lh-ih-vkj-,p-b- 'kks/k vkys[k

- सीपीआरएचई अनुसंधान आलेख 3ः स्टूडेन्ट डाइवरस्टी एंड सिविक लर्निंग इन हायर एजुकेशन इन इंडिया, निधि एस. सभरवाल और सी.एम. मलिश, नई दिल्लीः न्यूपा पृष्ठ 72
- सीपीआरएचई अनुसंधान आलेख 4ः रिमेजिंग इंडिया हायर एजुकेशनः ए सोशल इकोलॉजी ऑफ हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन, विलियम जी टेरेनी और निधि एस. सभरवाल, नई दिल्लीः न्यूपा, पृष्ठ 40

- सीपीआरएचई अनुसंधान आलेख 5: गर्वनेन्स एंड मैनेजमेंट ऑफ हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूटशन इन इंडिया, गरिमा मलिक, नई दिल्लीः न्यूपा पृष्ठ 48
- सीपीआरएचई अनुसंधान आलेख 6: रिसोर्स अलोकेशन एंड इनोवेटिव मेथड्स ऑफ फाइनेंसिंग हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूटशन इन इंडिया, जिणुशा पाणिग्राही, नई दिल्लीः न्यूपा पृष्ठ 48

fu%'kYd izdk'ku%

- सीपीआरएचई रिपोर्ट 2015–16
- स्कूल लीडरशिप डवलपमेंटः ए हैंडबुक (मिजो एडीसन)
- एमआईएन एजुकेटेड पर्सन?: रिफ्लेक्शंस ऑन बिकमिंग एंड बीइन्ग, प्रोफेसर टी.एन. मदान
- हायर एजुकेशन इन इंडियाः येस्टरडे, टूडे एंड टूमारो, प्रो. अर्पणा बसु
- अनुसंधान, प्रकाशन और प्रशिक्षण गतिविधियों का संकलन (न्यूपा के दस वर्ष) 2006–16
- विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन पर एन.सी.एस.एल. के एक महीने का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
- शैक्षिक प्रशासन में नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वोत्तम व्यवहार और नवाचार 2016–17 का संकलन 5–7 मार्च 2017
- 'उच्च शिक्षा में वित्तपोषण में नवाचार' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए ब्रोशर (16–17 फरवरी, 2017)
- मा.सं.वि. मंत्रालय/स्कूल मानक और मूल्यांकन एकक, न्यूपा के लिये प्रकाशन

अ) शाला सिद्धि : सुधार के लिये मूल्यांकन (अंग्रेजी संस्करण)

– स्कूल स्टैन्डर्ड एंड इवाल्यूशन फ्रेमवर्क

– नेशनल प्रोग्राम ऑन स्कूल्स स्टैन्डर्ड्स एंड इवाल्यूशन

– स्कूल इवाल्यूशन डैश बोर्ड

ब) शाला सिद्धि : सुधार के लिये मूल्यांकन (हिंदी संस्करण)

– स्कूल मानक और मूल्यांकन फ्रेमवर्क

– स्कूल मानक और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम

– स्कूल मूल्यांकन डैशबोर्ड

vU;

इन प्रकाशनों के अतिरिक्त, न्यूपा ने निम्नांकित प्रकाशन प्रकाशित किये : विवरणिका (एम.फिल. तथा पी–एच.डी. कार्यक्रम) 2016–17; ईयर प्लानर 2017; शीट प्लानर 2017; डेस्क कैलेंडर 2017; ग्रीटिंग कार्ड; शाला सिद्धि के लिए ब्रोशर; आईडेपा और पीजीडेपा तथा अन्य कार्यक्रमों के लिए घोषणा पत्र; राईटिंग पैड; शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रमाण–पत्र; स्थापना दिवस तथा मौलाना आजाद शिक्षा दिवस एवं अन्य दूसरे कार्यक्रमों के लिए पोस्टर आदि।

fefe;kxkQ izdk'ku% समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने विभिन्न अनुसंधान अध्ययनों के मिमियोग्राफ, प्रतिलिपि प्रकाशन, न्यूपा द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों/संगोष्ठियों की पठन सामग्री, रिपोर्टें प्रकाशित किए।

U;ik oclkbV dk ;kxnku% न्यूपा ने ज्ञान और सूचना के वृहद प्रचार–प्रसार के लिए वेबसाइट का निर्माण किया है। प्रकाशन विभाग ने अपने प्रकाशनों से संबंधित निम्नांकित अद्यतन सूचनाएं अपलोड करने हेतु उपलब्ध कराई है : न्यूपा के समूल्य तथा निःशुल्क प्रकाशनों की वृहद सूची तथा न्यूपा के लिए निजी प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की सूची; जेपा के वर्तमान तथा भविष्य के अंकों के बारे में सूचना; न्यूपा प्रशिक्षण कार्यक्रम का कैलेंडर तथा न्यूपा एट ए ग्लान्स; एम.फिल और पी–एच.डी. प्रोग्राम की विवरणिका; निगम ज्ञापन और नियम (न्यूपा); हिंदी जर्नल परिप्रेक्ष्य; न्यूपा समसामयिक आलेख को अपलोड करना; न्यूपा वार्षिक रिपोर्ट (अंग्रेजी तथा हिंदी संस्करण) 2014–15, तथा वेब वर्ज़न ऑफ डाईस पब्लिकेशन इत्यादि।

7

न्यूपा में सहायता अनुदान योजना

न्यूपा में सहायता अनुदान योजना

कार्य योजना के विस्तार के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और कार्यवाही योजना में उनकी पुनः व्याख्या के विभिन्न मानकों का क्रियान्वयन हेतु उद्देश्यों का वृहद प्रचार आवश्यक है तथा शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत गैर–सरकारी संगठनों तथा स्वैच्छिक एजेंसियों तथा सामाजिक संगठनों के साथ निकटतम सहयोग आवश्यक है। नीति के क्रियान्वयन में बेहतर समन्वयन हेतु, राष्ट्रीय तथा स्थानीय स्तर पर समर्थन व्यवस्था समेत अंतःशास्त्रीय उपागम आवश्यक है।

इस संदर्भ में ये आवश्यक हैंः (अ) देश में शैक्षिक नीतियों तथा कार्यक्रमों के प्रति वृहद जागरूकता पैदा करना, (ब) नीति उन्मुख अध्ययनों तथा संगोष्ठियों को आरंभ करना ताकि मध्य–पाठ्यक्रम सुधार, संशोधन तथा नीति हस्तक्षेपों के साथ समायोजन किया जा सके (स) अध्यापकों, छात्रों, युवाओं तथा महिलाओं और संचार माध्यमों को प्रायोजित संगोष्ठी के आयोजन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके साझा मंच प्रदान करना। (द) शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारी तथा अच्छे व्यवहार एवं सफल प्रयोग को बढ़ावा देना (य) राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा कार्य योजना की समीक्षा को सुविधाजनक बनाना।

उपरोक्त प्रयोजन के लिये, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने सहायता अनुदान कार्यक्रम कार्यान्वित किया है जिसके अंतर्गत योग्य संस्थानों तथा संगठनों को वित्तीय सहायता शिक्षा नीति के प्रबंधन तथा क्रियान्वयन पक्ष पर सीधे प्रभाव डालने वाली गतिविधियों के आधार पर प्रदान की जायेगी। इसके अंतर्गत सम्मेलनों का आयोजन, प्रभावी तथा मूल्यांकन अध्ययन, सर्वोत्तम विकल्पों पर परामर्शकारी अध्ययन, भारत सरकार को सलाह देने हेतु तथा व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने हेतु मॉडल, विडियो फिल्म इत्यादि का निर्माण सम्मिलित हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने इस विश्वविद्यालय के माध्यम से यह योजना संचालित की है जो सहायता अनुदान समिति के द्वारा इसे संचालित करता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता अनुदान योजना के तहत विभिन्न संस्थानों से प्राप्त प्रस्तावों के मूल्यांकन तथा अनुमोदन के लिए एक समिति का गठन किया गया है। 31 मार्च, 2017 के अनुसार इस समिति के निम्नांकित सदस्य हैंः

1. प्रोफेसर ए.के. सिंह – अध्यक्ष
2. प्रोफेसर ए.के. शर्मा – सदस्य
3. प्रोफेसर उमा मेदुरी – सदस्य
4. प्रोफेसर एन.आर. भानुमूर्ति – सदस्य
5. प्रोफेसर नीलम सूद – सदस्य
6. प्रोफेसर कुमार सुरेश – सदस्य
7. प्रोफेसर वीरा गुप्ता – सदस्य
8. प्रोफेसर प्रमिला मेनन – सदस्य
9. प्रोफेसर के. बिस्वाल – सदस्य
10. श्री बसवराज स्वामी – सदस्य सचिव

सहायता अनुदान समिति ने इस योजना के अन्तर्गत अनुदान हेतु आवेदन के रिकार्ड और प्रस्तावों पर निगरानी हेतु डाटाबेस विकसित करने का निर्णय लिया। इसके अनुसार डाटाबेस तैयार किया गया और सहायता अनुदान समिति की बैठकों में प्रस्तुत किया गया।

समीक्षाधीन वर्ष 2016–17 के दौरान समिति ने निम्नांकित सहायता अनुदान की संस्तुति प्रदान की। जिसका विवरण नीचे तालिका में प्रस्तुत है :

अप्रैल 2016 से मार्च 2017 के दौरान संस्तुत प्रस्तावों की सूची

Ø- l-	çLrko l- ,oa frfFk	laxBu dk uke	ifj;kstuk dk 'kh"kZd	LohÑr lgk;rk vuqnku jkf'k
1.	प्रस्ताव संख्या 2016041801 प्रस्ताव तिथि 12 अप्रैल, 2016	नेपाल अध्ययन केंद्र, वाराणसी	''लोकतंत्र, संविधान के विकास के लिए और नेपाल में परिणामस्वरूप संघर्ष के लिए शिक्षाः दक्षिण एशियाई संदर्भ'' पर संगोष्ठी	अनुशंसित रू. 3,00,000/–
2.	प्रस्ताव संख्या 2016042701 प्रस्ताव तिथि 30 अप्रैल, 2016	महाराष्ट्र सेवा सदन शिक्षा कॉलेज	सभी शिक्षार्थियों की जरूरतों को पूरा करने पर संगोष्ठी	अनुशंसित रू. 3,00,000/–
3.	प्रस्ताव संख्या 2016080201 प्रस्ताव तिथि 3 अगस्त, 2016	अलीगढ़ हिस्टोरियन सोसाइटी, अलीगढ़	''भारत और उसके भागः वर्तमान और अतीत'' पर संगोष्ठी	अनुशंसित रू. 3,00,000/–
4.	प्रस्ताव संख्या 2016080202 प्रस्ताव तिथि 2 अगस्त 2016	तेजा ग्रामीण विकास सोसाइटी, कुरनूल, आंध्र प्रदेश	''शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के प्रभावी कार्यान्वयन में स्कूल प्रबंधन समितियों (एसएमसी) की महत्वपूर्ण भूमिका'' पर संगोष्ठी	अनुशंसित रू. 3,00,00/–
5.	प्रस्ताव संख्या 2016072801 प्रस्ताव तिथि 29 जुलाई, 2016	भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद	''भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस लोगों के स्वास्थ्य और भारत में जीवन की गुणवत्ता'' पर सम्मेलन (अंतर्राष्ट्रीय)	अनुशंसित रू. 5,00,000/–
6.	प्रस्ताव संख्या 2016073102 प्रस्ताव तिथि 8 अगस्त 2016,	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति	7वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''तुलनात्मक शैक्षिक नियतिः दर्शन, दुविधा और चुनौतियाँ''	अनुशंसित रू. 5,00,000/–
7.	प्रस्ताव संख्या . ... प्रस्ताव तिथि 01 सितंबर, 2016	सोसाइटी फॉर एजुकेशन एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट, नई दिल्ली	''ग्रामीण और शहरी भारत के बीच अंतर को कम करने के लिए उच्च शिक्षा'' पर सम्मेलन	अनुशंसित रू. 1,49,000/–
8.	प्रस्ताव संख्या 2016091702 प्रस्ताव तिथि 17 सितंबर, 2016	द इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी, नई दिल्ली	''53वें वार्षिक सम्मेलन	अनुशंसित रू. 3,00,000/–
9.	प्रस्ताव संख्या 2016100901 प्रस्ताव तिथि 25 अक्टूबर, 2016	इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस, दिल्ली	"इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस के 77वें सत्र" पर संगोष्ठी	अनुशंसित रू. 3,00,000/–

Ø- l-	çLrko l- ,oa frfFk	laxBu dk uke	ifj;kstuk dk 'kh"kZd	Lohd`r lgk;rk vuqnku jkf'k
10.	प्रस्ताव संख्या 2016102201 प्रस्ताव तिथि 28 अक्टूबर, 2016	नव युग समाजिक सेवा संस्थान, यू.पी.	''बचपन की देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा नीति'' पर संगोष्ठी	अनुशंसित रू. 3,00,000 / –
11.	प्रस्ताव संख्या 2016110701 प्रस्ताव तिथि 07 नवंबर, 2016	ग्रामीण एकीकृत विकास संगठन, आंध्र प्रदेश	''नेशनल एकेडमिक डिपोजिटरी योजना के कार्यान्वयन'' पर दो–दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला	अनुशंसित रू. 2,70,000 / –
12.	प्रस्ताव संख्या 016111003 प्रस्ताव तिथि 10 नवंबर, 2016	शारदा महिलामंडल	''शिक्षक शिक्षाः नई शिक्षा – नई चुनौतियां'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	अनुशंसित रू. 2,70,000 / –
13.	प्रस्ताव संख्या 2016113003 प्रस्ताव तिथि 30 नवंबर, 2016	मदर टेरेसा सोशल सर्विस सोसाइटी, कोथापटनम, आंध्र प्रदेश	''विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा और चुनौतियाँ'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	अनुशंसित रू. 3,00,000 / –
14.	प्रस्ताव संख्या 2016121901 प्रस्ताव तिथि 19 दिसंबर, 2016	साल्वेशन, नई दिल्ली	''अल्पसंख्यकों के लिए उच्च शैक्षिक नीतियांः समस्याएं और संभावनाएं'' पर संगोष्ठी	अनुशंसित रू. 3,00,000 / –
15.	प्रस्ताव संख्या 2017010601 प्रस्ताव तिथि 06 जनवरी, 2017	सोसाइटी फॉर पीपुल एजुकेशन एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट, अनंतपुर, आंध्र प्रदेश	''शिक्षा में समेकन हेतु संकल्पना'' पर सेमिनार	अनुशंसित रू. 2,70,000 / –
16.	प्रस्ताव संख्या 2016033101 प्रस्ताव तिथि	स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल मैनेजमेंट एंड ट्रेनिंग, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश	''माध्यमिक स्तर पर विज्ञानः अधिगम में सुधार के लिए स्थिति और सुझाव रणनीतियाँ पर अनुसंधान अध्ययन''	अनुशंसित रू. 500000 / –
17.	प्रस्ताव संख्या 2016060101 प्रस्ताव तिथि 01 जून, 2016	मध्य प्रदेश विज्ञान सभा, भोपाल, मध्य प्रदेश	''जनजातीय बच्चों के स्कूल त्याग दर की प्रकृति का विश्लेषण'' अनुसंधान अध्ययन	अनुशंसित रू. 500000 / –
18.	प्रस्ताव संख्या 2016061401 प्रस्ताव तिथि	सस्त्र विश्वविद्यालय, तमिलनाडु	''उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच एक उल्लेखनीय डिजिटल अधिगम परिवेश (कैंडल) सृजन पर अनुसंधान अध्ययन	अनुशंसित रू. 500000 / –
19.	प्रस्ताव संख्या 2016100301 प्रस्ताव तिथि 06 अक्टूबर, 2016	प्रजायत्ना, बेंगलुरू	''कर्नाटक में आरटीई की धारा 12(1)(सी) पर प्रभाव का मूल्यांकनः और अधिगम पर आरटीई 12(1)(सी) के प्रभाव का आकलन और बच्चों के अधिगम हेतु मनोसामाजिक परिणामों पर अनुसंधान अध्ययन	अनुशंसित रू. 500000 / –

Ø- l-	çLrko l- ,oa frfFk	laxBu dk uke	ifj;kstuk dk 'kh"kZd	LohÑr lgk;rk vuqnku jkf'k
20	प्रस्ताव संख्या 2017012501 प्रस्ताव तिथि 25 जनवरी, 2017	अवतार स्मृति शिक्षा एवम् कल्याण समिति	''योजना कार्यान्वयन में स्कूल प्रबंधन समितियों (एसएमसी) और पंचायती राज संस्थानों की भूमिका'' पर संगोष्ठी	अनुशंसित रू. 3,00,000/–
21.	प्रस्ताव संख्या 2017011701 प्रस्ताव तिथि 17 जनवरी, 2017	एसोसिएशन फार ग्लोबल रूरल अलर्ट, अनंतपुर	''पसंद आधारित क्रेडिट सिस्टमः चुनौतियां और सुझाव'' पर संगोष्ठी	अनुशंसित रु. 3,00,000/–
22.	प्रस्ताव संख्या 2017011803 प्रस्ताव तिथि 18 जनवरी, 2017	मेघना ग्रेस शिक्षा समिती और स्वैच्छिक संगठन, कुरनूल, आंध्र प्रदेश	''चिंताएं और समावेशी शिक्षा की चुनौतियां'' विषय पर संगोष्ठी	अनुशंसित रु. 3,00,000/–
23.	प्रस्ताव संख्या 2017011703 प्रस्ताव तिथि 17 जनवरी, 2017	नेथ्रा एजुकेशनल सोसाइटी, कुरनूल, आंध्र प्रदेश	भारत में 'चिंता और बड़े पैमाने पर ऑनलाइन ओपन पाठ्यक्रम (एमओओसी) की चुनौतियों पर संगोष्ठी'	अनुशंसित रु. 3,00,000/–
24.	प्रस्ताव संख्या 2017012701 प्रस्ताव तिथि 27 जनवरी, 2017	इलाशेयर सेवा संस्थान, मधुबनी	साक्षर भारत कार्यक्रम – एसबीपी की भूमिका पर संगोष्ठी	अनुशंसित रु. 3,00,000/–
25.	प्रस्ताव संख्या 2017020502 प्रस्ताव तिथि 5 फरवरी, 2017	मोनालिसा शिक्षा एवम समाज कल्याण समिति, भिंड	मध्य प्रदेश के भिंड जिले के मेहगांव ब्लॉक में शिक्षा के अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत स्थानीय प्राधिकरण संरचना और सामुदायिक लोगों के नियमों और जिम्मेदारियों पर संगोष्ठी	अनुशंसित रु. 3,00,000/–
26.	प्रस्ताव संख्या 2017020801 प्रस्ताव तिथि	सेवा भारती, चित्तूर, आंध्र प्रदेश	उपस्थिति में सुधार और स्कूल छोड़ने की दर में कमी के लिए स्वच्छ विद्यालय योजना की भूमिका पर संगोष्ठी,	अनुशंसित रु. 3,00,000/–
27.	प्रस्ताव संख्या 2017021101 प्रस्ताव तिथि 11 फरवरी, 2017	माता कामेश्वरी फाउंडेशन (एमकेएफ)	डिस्लेक्सिक छात्रों की चुनौतियां और उसके उपचारात्मक पहल पर प्रभाव 'के लिए संगोष्ठी	अनुशंसित रु. 3,00,000/–
28.	प्रस्ताव संख्या 2017020802 प्रस्ताव तिथि 2 फरवरी, 2017	ग्रामीण कल्याण संस्थान, नीमापाड़ा, पुरी, उड़ीसा	''बचपन की देखभाल राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2013 के कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दे'' पर संगोष्ठी	अनुशंसित रु. 3,00,000/–

8

प्रशासन और वित्त

प्रशासन और वित्त

प्रशासन

विश्वविद्यालय के पास हाउसकीपींग तथा सुरक्षा सेवाओं के लिये बाह्य सेवा–स्रोतों के अतिरिक्त निम्नांकित स्वीकृत पद हैं।

प्रशासन तथा अकादमिक एंव तकनीकी समर्थन सेवाएं प्रशासन के कार्य के अनुसार स्थापित अनुभागों द्वारा नियंत्रित तथा समन्वित की जाती हैं।

इसके अनुभाग कार्यकलापों के अनुसार स्थापित किये गए हैं जिन्हें संगठनात्मक आरेख में प्रदर्शित किया गया है। विश्वविद्यालय में स्वीकृत पदों के अलावा विभिन्न अकादमिक और अनुसचिवीय पदों पर 70 परियोजना कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं।

ckg; lox in	l[;k
कुलपति	01
कुलसचिव	01
lox in	
संकाय (प्रोफेसर, सह–प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर)	42
अकादमिक समर्थन स्टाफ़	11
प्रशासन, वित्त, सचिवीय तथा अन्य तकनीकी स्टाफ	70
सहायक स्टाफ (एम.टी.एस.)	37
कुल	162

समीक्षाधीन वर्ष 2016–17 के अंतर्गत, निम्नांकित नियुक्तियां/सेवानिवृत्तियां की गईं।

lsokfuo`fÙk;k

lewg ^,*

क्र.सं.	नाम	पद	सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	प्रो. के. सुजाता	प्रोफेसर	30.6.2016
2.	डा. आर.एस.त्यागी	सह–प्रोफेसर	31.7.2016

lewg ^lh*

क्र.सं.	नाम	पद	सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	श्री बी.आर. पाहवा	सहायक	28.2.2017

समूह 'डी' (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति)

lewg ^Mh*

क्र.सं.	नाम	पद	सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	श्री के.के. हरिदासन	एम.टी.एस.	28.2.2017

पुनः नियुक्ति

क्र.सं.	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. रश्मितादास स्वैन	सह–प्रोफेसर	18.1.2017

वित्त तथा लेखा विभाग

न्यूपा में वित्त तथा लेखा सेवाएं लेखा अनुभाग द्वारा संचालित की जाती हैं जिसका अध्यक्ष वित्त अधिकारी होता है जिसके अंतर्गत अनुभाग अधिकारी, लेखाकार और कार्यालय के आठ सदस्य तथा अनुसचीवीय स्टाफ होता है। यह अनुभाग बजट की तैयारी, मासिक वेतन तथा पेंशन बिल, अन्य व्यक्तिगत प्रतिपूर्ति जैसे चिकित्सा, एल.टी.सी. बिल, अग्रिम इत्यादि, वस्तुओं की खरीद के लिये बिल भुगतान प्रक्रिया, कार्य, संविदा इत्यादि, पूर्व लेखा परीक्षा, बाह्य परीक्षा के साथ समन्वयन तथा वित्त तथा लेखा से जुड़े अन्य मसलों के लिये उत्तरदायी होता है।

यह सभी वित्तीय मसलों पर समयबद्ध परामर्श देता है तथा वित्तीय भागीदारी, लेखा बयान, उपयोगिता प्रमाण–पत्र इत्यादि हेतु सभी प्रस्तावों के परीक्षण हेतु प्रभावी सहायता प्रदान करता है। वित्त अधिकारी वित्त समिति का सदस्य सचिव होता है जो विश्वविद्यालय के वित्त, निर्देशन तथा विभिन्न श्रेणियों के लिये व्यय की सीमा तय करता है। पिछले पांच वर्षों में मंत्रालय से प्राप्त अनुदान निम्नांकित है :

ikIr vu|nku dk 0;kjk ¼2012&2017½ ¼#- yk[k e½

क्र. सं.	शीर्ष	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
1.	सहायता अनुदान (योजना)	1129.80	1185.00	1206.97	1425.28	1010.87
	सहायता अनुदान (योजनेतर)	1070.44	1415.00	1511.60	1769.80	1816.11
	आंतरिक प्राप्तियां	101.87	102.81	71.75	131.70	74.47
	;kx	**2302.11**	**2702.81**	**2790.32**	**3326.78**	**2901.45**
2.	व्यय (योजना)	1325.69	1,272.97	1239.00	1239.97	1078.42
	व्यय (योजनेतर)	1307.54	1441.86	1643.35	1690.36	1721.81
	;kx	**2633.23**	**2714.83**	**2882.35**	**2930.33**	**2800.23**
3.	आंतरिक प्राप्तियां व्यय के प्रतिशत के रूप में	1%	1%	1%	1%	1%
4.	सहायता अनुदान व्यय का प्रतिशत	100%	100%	100%	100%	100%

उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि वर्ष 2012–13 से 2016–17 के दौरान सहायता अनुदान में व्यापक रूप से वृद्धि हुई है और इसी अनुपात में इसका व्यय भी बढ़ा है। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि न्यूपा अपनी मुख्य गतिविधियों को पर्याप्त महत्व दे रहा है।

राजभाषा कार्यान्वयन/ हिंदी कक्ष

हिंदी कक्ष

हिंदी कक्ष अनुवाद की सुविधा के माध्यम से अनुसंधान प्रशिक्षण और प्रशासन में अकादमिक सहायता प्रदान करता है। यह कक्ष विभिन्न प्रकाशनों के हिंदी संस्करण प्रकाशित करने के साथ–साथ राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में भी सहायता प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय के हिंदी कक्ष द्वारा वर्ष 2016–17 के दौरान रोजमर्रा के कार्यों के अलावा निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्य किए गए:

(क) हिंदी में प्रगामी प्रयोग के लिए विश्वविद्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें आयोजित की गईं।

(ख) शैक्षिक योजना और प्रशासन के सामाजिक–आर्थिक संदर्भ से संबंधित हिंदी जर्नल परिप्रेक्ष्य के तीन अंक प्रकाशित किए गये।

(ग) हिंदी में निम्नलिखित सामग्री का अनुवाद करके उन्हें प्रकाशन के लिए तैयार किया गया:

   (i) वार्षिक रिपोर्ट : 2015–16

   (ii) प्रशिक्षण कार्यक्रम : 2016–17

   (iii) हैंडबुक, पाठ्यचर्या तथा अनेक शोध उपकरणों का हिंदी अनुवाद

   (iv) परिपत्रों, पत्रों, अधिसूचनाओं, नोटिस, कार्यालय ज्ञापनों आदि का हिन्दी अनुवाद

(घ) हिंदी दिवस समारोह : हिंदी दिवस के उपलक्ष में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

   (i) हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 14–28 सितम्बर 2016 के दौरान हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस दौरान अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गए। हिंदी पखवाड़े के दौरान हिंदी निबंध प्रतियोगिता, हिंदी प्रारूपण और टिप्पण प्रतियोगिता, हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता, हिंदी टाइपिंग प्रतियोगिता, हिंदी प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त वर्ग 'डी' के कर्मचारियों के लिये हिंदी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

   (ii) हिंदी कक्ष ने योग और स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग किया।

(ङ) एनसीएसएल, सीपीआरएचई तथा शाला सिद्धि के लिए अनेक प्रशिक्षण सामग्री तथा शोध उपकरणों का हिंदी अनुवाद।

अनुलग्नक

संकाय का अकादमिक योगदान

संकाय का अकादमिक योगदान

शैक्षिक योजना विभाग

, l-,e-vkbZ-,- tinh
¼foHkkxèk;{k½

vu|lèkku vkys[k@ys[k idkf'kr

'डवलपमेंट ऑफ एलीमेंट्री एजुकेशन इन नॉर्थ–ईस्ट इंडिया, ट्रेंड्स, इश्यू एंड चेलेंजेज' इन अनुपम हाजरा (संपादक) 'ससटेनेबल डवलपमेंट इन नॉर्थ–ईस्ट इंडिया: इश्यू, चेलेंजेज एंड पॉलिसी मेजर्स' 2017 में प्रकाशित, कन्सैप्ट पब्लिशिंग कम्पनी।

jk"Vªh;@vrjjk"Vªh;@cBd] lxkf"B;k vkSj lEeyuk e Hkkxhnkjh

'शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन', 'मौजूदा आचरण और नवाचार' अप्रैल 19–21, 2016 को आईएसआईडी इंस्टीट्यूशनल एरिया, वसंत कुंज, नई दिल्ली में न्यूपा द्वारा आयोजित एंट्रिप क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया, इस कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता भी की, 19 अप्रैल, 2016।

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार, प्रवासी भारतीय केन्द्र, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में न्यूपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, मार्च 05–07 2017 को तमिलनाडु के प्रतिनिधियों की प्रस्तुति पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

egRoi.k ijke'k vkSj lykgdkj lok,

सामरिक योजना, वित्त पोषण और शिक्षा की गुणवत्ता विकास, न्यूपा में श्रीलंका, के शिक्षा अधिकारियों के लिए (के. बिस्वाल और एन.के. मोहंती के साथ–साथ) क्षमता निर्माण कार्यक्रम 08–27 मई, 2016

श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता विकास सामरिक योजना, वित्त पोषण पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, न्यूपा (के. बिस्वाल और एन.के. मोहंती के साथ), जून 10–26 जुलाई, 2016

27 जुलाई, 2016 को मानव संसाधन प्रबंधन और विकास, श्रम अर्थशास्त्र अनुसंधान और विकास (NILERD) के सर्टिफिकेट कोर्स के लिए 45 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के आधे दिन की यात्रा समन्वित और आयोजित, न्यूपा।

सामरिक योजना, वित्त पोषण और शिक्षा की गुणवत्ता विकास पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए 25 जुलाई–07 अगस्त, 2016 न्यूपा (के. बिस्वाल और एन.के. मोहंती के साथ)

5–08 सितम्बर 2016, गुवाहाटी, असम में उत्तर–पूर्वी राज्य के लिए माध्यमिक शिक्षा निगरानी और योजना के लिए परिणाम फ्रेमवर्क के उपयोग पर कार्यशाला (के बिस्वाल और एन.के. मोहंती के साथ)

पटना, बिहार में नवम्बर 7–11, 2016, बिहार में जिला माध्यमिक शिक्षा योजना का विकास के लिए राज्य स्तरीय संसाधन व्यक्तियों की ट्रेनिंग (के बिस्वाल और एन.के. मोहंती के साथ)

फरवरी 17, 2017 को जनशक्ति सूचना प्रणाली अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम और श्रम अर्थशास्त्र अनुसंधान और विकास (NILERD), पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, जनशक्ति अनुसंधान के 49 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों के आधे दिन की यात्रा का समन्वयन और आयोजन।

egRoi.k cBdk e Hkkxhnkjh

एससीईआरटी की कार्यकारी समिति बैठक में भाग लिया, दिल्ली सितंबर 08, 2016 को ओल्ड सचिवालय, दिल्ली।

सदस्य, एससीईआरटी, आर के पुरम में मध्य अवधि पीएसी बैठक में भाग लिया, दिल्ली दिसंबर 01, 2016 ।

सदस्य, एससीईआरटी, दरियागंज में मध्य अवधि पीएसी बैठक में भाग लिया, दिल्ली दिसंबर 02, 2016 ।

एक सदस्य के रूप में, डाईट, कड़कड़डूमा की मध्य अवधि पीएसी बैठक में भाग लिया, दिल्ली दिसंबर 05, 2016 एससीईआरटी ।

एक सदस्य के रूप में डाईट, केशवपुरम की मध्य अवधि पीएसी बैठक में भाग लिया, दिल्ली दिसंबर 07, 2016 एससीईआरटी ।

एक सदस्य के रूप में दिसंबर 27, 2016 को भाग लिया, विभाग सलाहकार बोर्ड (डी ए बी) सीआईईटी बिल्डिंग एनसीईआरटी में, एनसीईआरटी की आरएमएसए परियोजना प्रकोष्ठ की बैठक ।

एक सदस्य के रूप में एस.सी.ई.आर.टी और दिल्ली के डाईट के पुनर्गठन पर केन्द्र प्रायोजित योजना और शिक्षक शिक्षा का पुनर्गठन, सचिव शिक्षा, भारत सरकार की अध्यक्षता के अनुसार विशेषज्ञ समिति की बैठक में भाग लिया और चर्चा करी। दिल्ली 04 जनवरी, 2017 दिल्ली सचिवालय, आईपी एस्टेट, नई दिल्ली ।

एक सदस्य के रूप में एससीईआरटी, डिफेंस कालोनी में एससीईआरटी, दिल्ली की परीक्षा सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया, फरवरी 02, 2017 ।

एक सदस्य के रूप में 20 फरवरी, 2017 को मोती बाग डाईट की वार्षिक पी.ए.सी. बैठक में भाग लिया।

एक सदस्य के रूप में 20 फरवरी, 2017 को मोतीबाग डाईट की वार्षिक पी.ए.सी बैठक में भाग लिया ।

एक सदस्य के रूप में 21 फरवरी, 2017 को कड़कड़डूमा की वार्षिक पीएसी बैठक में भाग लिया।

एक सदस्य के रूप में मार्च 01, 2017 को केशवपुरम की वार्षिक पीएसी बैठक में भाग लिया

एक सदस्य के रूप में मार्च 02, 2017 को दरियागंज की वार्षिक पीएसी बैठक में भाग लिया।

एक सदस्य के रूप में मार्च 03, 2017 को आरके पुरम की वार्षिक पीएसी बैठक में भाग लिया।

एक सदस्य के रूप में एससीईआरटी, दिल्ली एससीईआरटी, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली की वार्षिक बैठक में भाग लिया, पीएसी 15 मार्च, 2017।

एक सदस्य के रूप में, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली की शिक्षा संकाय की संकाय समिति की बैठक में भाग लिया, 15 मार्च, 2017

lLFkku dk cgkj 0;k[;ku

मानव संसाधन योजना और विकास में सर्टिफिकेट कोर्स के अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के लिए शैक्षिक योजना पर दो व्याख्यान, 08 जुलाई, वर्ष 2016, राष्ट्रीय श्रम अर्थशास्त्र अनुसंधान और विकास संस्थान, पूर्व में आईएएमआर, नरेला, नई दिल्ली।

शिक्षक शिक्षा 2012 के दिशा निर्देशों और शिक्षक शिक्षा ए.डब्ल्यू.पी 2017–18 पर व्याख्यान, नवंबर 17–18, 2016 रायपुर एससीईआरटी, छत्तीसगढ़ की ओर से आयोजित अभिविन्यास कार्यशाला में 'शिक्षक शिक्षा के लिए योजना' पर व्याख्यान दिए।

डाईट दरियागंज द्वारा आयोजित, दक्षिण दिल्ली नगर निगम स्कूल प्रधानाध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में, 'स्कूल स्तर पर प्राथमिक शिक्षा के लिए योजना' पर व्याख्यान दिया। 20 जनवरी, 2017

टी.ई. और एससीईआरटी ओडिशा और शैक्षिक योजना विभाग, न्यूपा द्वारा एससीईआरटी में, ओडिशा, भुवनेश्वर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'ओडिशा के शिक्षक शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों के लिए शिक्षक शिक्षा के लिए योजना पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम' में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया 27 –30, मार्च 2017।

,u-d-- ekgrh

çf'k{k.k dk;Øe@dk;Z'kkyk,@lxfBr@vk;kstu

मई 8–22, 2016 के दौरान न्यूपा, नई दिल्ली में आयोजित, सामरिक योजना, वित्त पोषण और श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता विकास, पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम (प्रो समिया जैदी और प्रो के. बिस्वाल के साथ)

श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता विकास, सामरिक योजना, वित्त पोषण, पर क्षमता निर्माण न्यूपा, नई दिल्ली में 10 जून से 26 जुलाई 2016 तक कार्यक्रम आयोजित।

श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता विकास सामरिक योजना, वित्त पोषण, पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम न्यूपा, नई दिल्ली में आयोजित (प्रो. जैदी और प्रो. के. बिस्वाल के साथ) जुलाई 25 से अगस्त 07, 2016।

असम, गुवाहाटी में 5–8 सितम्बर, 2016 से आयोजित 'योजना के लिए परिणाम रूपरेखा और माध्यमिक शिक्षा की निगरानी के उपयोग' पर कार्यशाला (प्रो. जैदी और प्रो. के. बिस्वाल के साथ)।

पटना, बिहार में जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास के लिए, नवंबर 7–11, 2016 के दौरान राज्य स्तरीय संसाधन व्यक्तियों की ट्रेनिंग आयोजित (प्रो. जैदी और प्रो. के. बिस्वाल के साथ)।

जिला स्तर पर माध्यमिक शिक्षा के लिए योजना के कार्रवाई अनुसंधान और मॉडल से सीख पर आयोजित राष्ट्रीय स्तर साझेदारी कार्यशाला (प्रो. जैदी और प्रो. के. बिस्वाल के साथ), अक्टूबर 4–6, 2016, न्यूपा, नई दिल्ली।

çf'k{k.k lkexh vkj ikBîØe fodflr vkj fu"ikfnr

संपादित एम.फिल./पीएचडी के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रम सं सीसी–6 (शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत योजना तकनीक) (प्रो. के. बिस्वाल के साथ) 2016–18।

फरवरी 2017 में शैक्षिक योजनाः कोर्स समन्वयक के रूप में, आई.डी.ई.पी.ए कोर्स 204 का आयोजन किया।

आई.डी.ई.पी.ए कोर्स संख्या 205 मार्च, 2017, कार्य प्रणाली और शैक्षिक योजना की तकनीकः संपादित।

कोर्स समन्वयक, आयोजित पी.जी.डी.ई.पी.ए कोर्स संख्या 903: शैक्षिक योजनाः अवधारणा, प्रकार और दृष्टिकोण सितंबर, 2016 ।

कई अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों और नीपा के शैक्षिक योजना पाठ्यक्रम के संपादन के साथ जुड़े ।

संशोधित, आरएमएसए पर बल देते हुए माध्यमिक शिक्षा में जिला योजना पर मिथ्याभ्यास अगस्त 2016 (प्रो के० बिस्वाल के साथ)।

संशोधित, यू.पी.ई के लिए एक भावी योजना का विकास पर मिथ्याभ्यास सितंबर, 2016 (डा. बिस्वाल के साथ)।

क्षेत्र निदान पर मिथ्याभ्यास का विकासः पहुंच और भागीदारी के संकेतक, अगस्त 2016 (प्रो. जैदी के साथ)।

क्षेत्र निदान पर मिथ्याभ्यास का विकासः आंतरिक क्षमता के संकेतक अगस्त 2016 (प्रो. जैदी के साथ)।

महत्वपूर्ण परामर्श और सलाहकारी सेवाएँ मानव संसाधन विकास मंत्रालय, यूजीसी, राज्य सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और राष्ट्रीय संस्थानों के लिए प्रस्तुत

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आरएमएसए के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए आरएमएसए के तहत राज्य और जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं (परिप्रेक्ष्य और एडब्ल्यु एंड बी.) की तैयारी के लिए विभिन्न राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की।

आरएमएसए की विभिन्न परियोजना मंजूरी बोर्ड बैठक मई, 2016 से फरवरी, 2017 के दौरान भाग लिया, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली में आयोजित।

vU; 'kS{kf.kd vkj 0;kolkf;d ;ksxnku

श्री वी.एन. सदातचारवेल, वरिष्ठ व्याख्याता, डाईट, पालयमपट्टि, तमिलनाडु 'तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में अरूपूकोटाई ब्लॉक में प्राथमिक स्तर पर स्कूल विकास गतिविधियों में एसएमसी की भूमिका' डेपा 2016 शोध प्रबंध शीर्षक का मूल्यांकन और पर्यवेक्षण किया ।

पर्यवेक्षित, डेपा 2015 शोध प्रबंध शीर्षक 'भांगा उपाजिला में ग्रामीण माध्यमिक विद्यालय में त्यागदर के कारण (बांग्लादेश का एक उप–जिला), मोहम्मद काजी फोयजल, वरिष्ठ सहायक सचिव, बांग्लादेश गणराज्य सरकार।

एम.फिल./पीएचडी के प्रवेश समिति के सदस्य के रूप में एम.फिल./पीएचडी में प्रवेश के लिए प्रसंस्करण अनुप्रयोगों और अन्य संबंधित गतिविधियों में सहायता प्रदान की, 2016–18।

एम.फिल./पीएचडी में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा के संचालन में सहायता प्रदान की, 2016–18।

vu|lèkku vè;;u

तमिलनाडू और ओडिशा में आर.एम.एस.ए. के अंतर्गत कार्य अनुसंधान परियोजना शुरू की गई। इन दो प्रतिदर्श राज्यों में राज्य परियोजना अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद (परियोजना दल में एस.एम.आई.ए. जैदी और प्रो. के. बिस्वाल के साथ) इन दो राज्यों में अनुसंधान परियोजना का क्रियान्वयन किया गया। हमने कई राज्य और जिला स्तर पर कार्यशाला का आयोजन किया और प्रासंगिक आंकड़ा और सूचना एकत्र करी। आंकड़ा विश्लेषण और परियोजना के चरण–1 की रिपोर्ट की तैयारी पूर्ण हो चुकी है।

l|eu uxh

(कृपया ध्यान दें ड. नेगी 21/08/2015 से 22/02/2016 तक मातृत्व अवकाश पर थी। इसके बाद 30/09/2016 तक वह बाल देखभाल अवकाश पर थीं, और दिनांक 03.10.16 से ड्यूटी पुनः शुरू की।)

fjikVl dk vrxr o"kl dk nkjku lxk"Bh@ lEeyu e Hkkxhnkjh%

30 नवंबर से 1 दिसंबर, 2016 के दौरान नई दिल्ली में ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित 'पाठ्यक्रम में बुनयादी कौशल–सतत भविष्य के लिए अधिगम सम्मेलन में भाग लिया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदानगढ़ी द्वारा आयोजित अंतःविषय स्कूल और अंतर विषय अध्ययन, प्रवासन और डायसपोरसः उभरते विविधता और विकास की चुनौतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'हिमाचल प्रदेश का एक केस स्टडीः समझ शैक्षिक बाहर प्रवासन' – आलेख प्रस्तुत किया, नई दिल्ली 22–23 मार्च 2017।

lkoltfud fudk;k d fy, ijke'k vkj 'kf{kd lgk;rk%

भविष्य सतत शिक्षण के लिए पाठ्यक्रम में कोर कौशल और शिक्षक सम्मेलन 30 नवंबर से 1 दिसंबर, 2016 ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित दो दिन के सम्मेलन के लिए ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली के लिए सम्मेलन रिपोर्ट तैयार करी।

çf'k{k.k lkexh fodflr

'शैक्षिक अनुसंधान में सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग' एम.फिल कार्यशाला समन्वित 9–21 अक्टूबर, 2016।

संसाधन व्यक्ति, प्राथमिक स्तर पर स्कूल प्रबंधन के विकेंद्रीकरण के क्षेत्र अनुभव पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 7–11 नवंबर, 2016, न्यूपा।

'शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक अनुसंधान पद्धति' उन्मुखीकरण कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति, 17–28 नवंबर, 2016 न्यूपा।

'श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए सामरिक योजना, वित्त पोषण और शिक्षा की गुणवत्ता विकास पर क्षमता निर्माण डेबूटस्ट्रैप' समन्वय में सहायता प्रदान की, 5–17 दिसंबर, 2016 न्यूपा।

राष्ट्रीय श्रम अर्थशास्त्र, अनुसंधान और विकास (NILERD) संस्थान के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की यात्रा समन्वित, 17 फरवरी, 2017 न्यूपा।

संकेतक और स्कूल शिक्षा की योजना और पर्यवेक्षण में संकेतक अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति 20–24 मार्च, 2017, न्यूपा।

शैक्षिक प्रशासन विभाग

d|ekj l|j'k

çdk'ku

कुमार सुरेश एंड वी. सुचारिता, 2017. *कम्पेडियम ऑफ इनोवेशन्स एंड गुड प्रैक्टिस इन एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन,* नई दिल्लीः न्यूपा

कुमार सुरेश, 2016. 'सिटीजनशिप एंड अफरमेशन ऑफ ग्रुप डिफ्रेंसः कंस्टीट्यूशनल मोड ऑफ नेगोशिएटिंग रिलिजियस आइडेंटिटीज इन इंडिया'. अनवर आलम एंड कॉनरेड पेजीवियर (संपादक). *स्टेट्स एंड मुस्लिम इन यूरोप एंड इंडियाः पॉलिटिक्स ऑफ एकोमोडेशन ऑफ इस्लामिक आइडेंटिटीज,* न्यू सेंचुरी पब्लिकेशन

lxks"Bh@lEesyu@dk;Z'kkykvksa esa Hkkxhnkjh

vrjjk"Vªh;%

'शक्ति संरचनाएं, संघर्ष के संकल्प और सामाजिक न्याय', सोहना के पास गेटवे रिसॉर्ट दमदमा लेक में आयोजित सामाजिक विज्ञान और मानविकी के लिए यूरोपीय संघ–भारत मंच और नॉर्वे के अनुसंधान परिषद, द्वारा आयोजित शैक्षिक संगोष्ठी में भाग लिया, 13–14 अक्टूबर वर्ष 2016, भारत।

एस.डी.जी–4 शिक्षा 2030 उपयोग हेतु अनुसंधान शक्ति प्राप्त करने के लिए ई.आर.ई – नेट क्षेत्रीय विशेषज्ञ बैठक' यूनेस्को, बैंकॉक, में भाग लिया, 24–25 नवंबर 2016, थाईलैंड

तीन यूरोपीय विश्वविद्यालयों (एडिनबर्ग विश्वविद्यालय नॉटिंघम विश्वविद्यालय, ब्रिस्टल विश्वविद्यालय और तीन भारतीय विश्वविद्यालयों (दिल्ली विश्वविद्यालय, बर्दवान विश्वविद्यालय और केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद) के सहयोग से 'निरंतरता और भारतीय संघवाद में बदलाव' शीर्षक से लिवरहुलम इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क परियोजना के हिस्से के रूप में 'भारत में शैक्षिक संघवाद की रूपरेखा बदलना' पर आलेख प्रस्तुत किया, कार्यशाला 5–6 दिसंबर 2016) के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित।

'वैश्वीकरण और शिक्षा के क्षेत्र में नीति सुधार के कार्यवृत को आकार देना' 'वैश्विकरण और भारत में संघीय शासन'; उभरते मुद्दे और चुनौतियां, पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया। कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय 19 और 20 जनवरी, 2017।

'उच्च शिक्षा में नीति सुधार के एक संचालक के रूप में वैश्वीकरणः भारत और थाईलैंड की सहभागिता और संदर्भीकरण' पर आलेख प्रस्तुत किया, 11वें एन.आर.सी. टी.–आईसीएसएसआर संयुक्त सम्मलेन; भारत–थाईलैंड बॉण्ड संगोष्ठी; अतीत, वर्तमान और भविष्य, थाईलैंड राष्ट्रीय अनुसंधान परिषद (एन.आर.सी.टी.), भारतीय सामाजिक विज्ञान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा आयोजित, भारत, 21–22 फरवरी 2017, द एम्प्रेस होटल, थाईलैंड, चियांग माई में भाग लिया

16–17, फरवरी 2017 के दौरान ब्रिटिश परिषद उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र न्यूपा द्वारा भारत पर्यावास केन्द्र,नई दिल्ली में आयोजित 'उच्च शिक्षा के वित्त पोषण में नवाचार' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, निजी उच्च शिक्षा संस्थानों और उद्यमशील विश्वविद्यालय पर एक पूर्ण अधिवेशन की अध्यक्षता की, 17 फरवरी, 2017।

jk"Vªh;

नीति सुधार और भारत में शैक्षिक संघवाद के पुनर्गठन की रूपरेखा के मिलान' पर आलेख प्रस्तुत किया। राजनीति विज्ञान विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा, महेन्द्रगढ़ द्वारा आयोजित, 'भारत में संघवाद और विकेंद्रीकरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, 28–29 सितंबर, 2016।

'छात्र विविधता, नागरिक अधिगम और लोकतांत्रिक नागरिकताः मानक फ्रेमवर्क और भारत और उच्च शिक्षा के संस्थागत संदर्भ', भारत में उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और भेदभाव पर सी.पी.आर.एच.ई., न्यूपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और आलेख प्रस्तुत किया, 27–28 फरवरी 2017।

'शिक्षा और सार्वजनिक क्षेत्रः रचनावादी विवरणात्मक संबंध', 17 मार्च 2017, सार्वजनिक क्षेत्र और शिक्षा संभावनाएं तथा शैक्षिक नीति के लिए चुनौतियां, शैक्षिक नीति विभाग, न्यूपा द्वारा आयोजित, राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और पैनल चर्चा में पैनलिस्ट के रूप में प्रस्तुतिकरण दिया,मार्च 16–17, 2017

उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'मुद्दे और चुनौतियां',विश्वविद्यालयों के अभिशासन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और उच्च शिक्षा में अभिशासन संबंधी मुद्दों पर एक सत्र की अध्यक्षता की। 23 से 24 मार्च 2017।

मुद्दे और चुनौतियां; लिंग, स्कूल और समाज पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी, वक्ता के रूप में आमंत्रित, डा. एच.एस. गौड़ केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश, 27–28 मार्च, 2017 शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 'समता और उच्च शिक्षा के संस्थानों में समेकन; लैंगिक मुद्दों से संबंधित चिंताएं' पर प्रस्तुतिकरण, 27 मार्च 2017

'युवाओं में रोजगार सुनिश्चित करने हेतु केरल मॉडल शिक्षा की चुनौतियां' 9 फरवरी, 2017 को एमईएस कीवियम कॉलेज, वलांचरे, मल्लपुरम, केरल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण।

एक संसाधन व्यक्ति के रूप में दो प्रस्तुतियाँ दीः 1. बदलते शिक्षा परिदृश्य में प्राचार्य नेतृत्व और 2. शिक्षा विभाग, असम विश्वविद्यालय और शैक्षिक वित्त विभाग की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में उच्च शिक्षा के संस्थान में विविधता और समता का प्रबंधन, सिलचर, असम।

पैनल चर्चा में पैनलिस्ट, यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र (अकादमिक स्टाफ कॉलेज), जामिया मिलिया इस्लामिया, 9 जून, 2016 को आयोजित 'उच्च शिक्षा में नया एजेंडा' के विषय पर प्रस्तुतिकरण दिया।

dk;Øe@lEeyu@dk;'kkykvk dk vk;ktu

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन पर डी.ई.ओ एवं एम.ई.ओ. के लिए राज्य स्तरीय सम्मलेन आयोजित, हैदराबाद, तेलंगाना, 23–24 सितंबर 2016

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में डी.ई.ओ एवं एम.ई.ओ. के लिए राज्य स्तरीय सम्मलेन आयोजित वारंगल, तेलंगाना, 5–6 अक्टूबर 2016

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में डी.ई.ओ एवं बी.ई.ओ. के लिए राज्य स्तरीय सम्मलेन आयोजित रायपुर, छत्तीसगढ़, 15–16 दिसंबर 2016

रांची, झारखंड जनवरी 6–7, 2017, शैक्षिक योजना एवं प्रशासन पर डी.ई.ओ एवं बी.ई.ओ. के लिए राज्य स्तरीय सम्मलेन आयोजित।

प्रवासी भारतीय केन्द्र, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में शैक्षिक प्रशासन में नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन, (5–7 मार्च 2017) का आयोजन किया।

रिसर्च स्कॉलर्स के लिए लेखन कौशल पर कार्यशाला का आयोजन किया, 29 अगस्त–2 सितंबर , 2016 न्यूपा

जनवरी 2–15, 2017 के दौरान जामिया मिलिया से एम. एड. छात्रों के लिए दो सप्ताह का इंटर्नशिप कार्यक्रम।

ijke'k vkj lkotfud fudk;k d fy, vdknfed lgk;rk

यूजीसी नियमन में निर्धारित विश्वविद्यालय के मानदंडों को पूरा करने के मानकों का आकलन करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में मध्य प्रदेश में एक विश्वविद्यालय की यात्रा।

दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया, इग्नू आदि की डॉक्टरेट शोध के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में सेवा

अनुसंधान अध्ययन बोर्ड, ग्रामीण विकास विभाग, एस.ओ. सी.ई, इग्नू, नई दिल्ली, सदस्य

सदस्य, शैक्षिक सलाहकार समिति, मानव संसाधन विकास केंद्र, रायपुर विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़

सदस्य, शासकीय निकाय, सेंट जेवियर्स शिक्षा कॉलेज, (स्वायत्त) पलयामकोट्टाई, तमिलनाडु

सदस्य, शासकीय निकाय, तारा गवर्नमेंट कॉलेज (स्वायत्त), संगारेड्डी, मेडक जिला, तेलंगाना

सदस्य, शिक्षा संकाय विशेषज्ञ समिति, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

शिक्षा विभाग, जामिया, मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, विशेषज्ञ सदस्य

U;ki d cgj 'kf{kd fudk;k e lnL;rk

आजीवन सदस्य, भारतीय सामाजिक सोसायटी।

आजीवन सदस्य, आईआईपीए, नई दिल्ली।

अन्य शैक्षिक योगदान

1- lEiknd% न्यूपा समसामयिक आलेख श्रृंखला

2- ,e-fQy- vkj ih&,p-Mh- dk i;Zo{k.k

सुश्री मोनिका मैनी द्वारा "भारतीय सार्वजनिक विश्वविद्यालय में शिक्षकों और छात्रों की एकता का पूर्वालोकन; लोकतंत्र में विश्वविद्यालय विचार" पर एम.फिल. निबंध का पर्यवेक्षण

चार पी–एच.डी. विद्वानों; सुश्री सोनाली चितालकर, सुश्री पूजा शुक्ला, सुश्री अनुराधा बोस और मनाशी थपलियाल नवानी (सह पर्यवेक्षक) के शोध अध्ययनों का पर्यवेक्षण।

3- ihthMhik ifj;kstuk dk;Z dk i;Zo{k.k

श्री दुर्गेशवर सैकिया के अध्ययन तिनसुकिया जिले के विशेष संदर्भ के साथ असम के चाय बागान प्रबंधन स्कूलों में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन पर एक अध्ययन का पर्यवेक्षण पीजीडेपा परियोजना 2016 में पूर्ण और प्रदान की गयी।

4- ,e-fQy-@ih&,p-Mh- dk;Øe e f'k{k.k vkj leUo;u

शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन में समन्वयक, कोर पाठ्यक्रम सीसी–07 हेतु समन्वयक और पच्चीस सत्र संचालित

5- leUo;d] lerk vkj cgqlkL—frd f'k{kk oSdfYid ikBîØe vklh&07 vkj 10 l= lapkfyr

सीसी–01 के पाठ्यक्रम टीम के एक सदस्य के रूप में शिक्षा में राजनीतिक परिप्रेक्ष्य पर 10 सत्र संचालित

शैक्षिक प्रशासन में उन्नत पाठ्यक्रम में समन्वय और पीजीडेपा में शिक्षण

पाठ्यक्रम के समन्वयक के रूप में, संचालन की विस्तृत रूपरेखा तैयार और अन्य लोगों के साथ पाठ्यक्रम संचालित।

6- vkbMhik dkl% 'kf{kd ç'kklu ij ikBîØe lapkfyr

7- vkef=r O;k[;ku

3 अगस्त, 2016 को 'मुद्दे और चिंताएं: संरचना और नीति के निर्माण की प्रक्रिया पर प्रस्तुति' राजनीति

विज्ञान के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में, यूजीसी—मानव संसाधन विकास केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली।

नीतियां और संस्थागत आचरण, विषय विविधता और उच्च शिक्षा में इक्विटी, सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति (सी.एस.ई.आई.पी.) बीएचयू के अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित, एक विशेष व्याख्यान दिया, मार्च 20, 2017।

मानवाधिकार में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'बहुलवाद और भारतीय समाज'/यूजीसी—मानव संसाधन विकास केंद्र (अकादमिक स्टाफ कॉलेज), जामिया मिलिया इस्लामिया, 30 अप्रैल, 2016।

8- एक संसाधन व्यक्ति के रूप में सेवा और शैक्षिक प्रशासन विभाग और शैक्षिक नीति विभाग, न्यूपा द्वारा प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण के आयोजित कार्यक्रमों में 15 से अधिक व्याख्यान दिए।

9- पर्यवेक्षकों का आबंटन के लिए समिति में शामिल, न्यूपा के विभिन्न शैक्षिक निकायों के सदस्य के रूप में योगदान; एम.फिल./पी—एच.डी. कार्य की प्रगति की समीक्षा करने हेतु समिति; एम.फिल./पी—एच.डी. कार्यक्रम की संचालन समिति; छात्र परामर्श केंद्र, सलाहकार समिति के सदस्य और कार्यक्रमों के संचालन से संबंधित न्यूपा के विभागों के विभिन्न कार्यदलों के रूप में योगदान

10- शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार की योजना का कार्यान्वयन, प्रमुख गतिविधियों में से एक, अप्रैल 2016 – मार्च 2017

fouhrk fl jkgh

lxk"Bh@lEesyu es Hkkxhnkjh@dk;Z'kkykvks es Hkkxhnkjh

23–24 सितम्बर 2016, के दौरान शैक्षिक योजना एवं प्रशासन पर राज्य स्तरीय सम्मेलन तेलंगाना, हैदराबाद राज्य के सहयोग से न्यूपा द्वारा आयोजित, सम्मेलन में भागीदारी

गैर—शिक्षण गतिविधियों में शिक्षकों की भागीदारी शिक्षा पर उसके प्रभाव पर परियोजना, मानव संसाधन विकास मंत्रालय समीक्षा बैठक में भाग लिया, 2 नवंबर, 2016।

15–16 दिसंबर 2016 के दौरान शैक्षिक योजना एवं प्रशासन पर राज्य स्तरीय सम्मेलन, छत्तीसगढ़ राज्य के सहयोग से न्यूपा द्वारा आयोजित में भाग लिया।

dk;Z'kkyk,@lEesyu@çf'k{k.k dk;Øe lxfBr

'गैर—शिक्षण गतिविधियों में शिक्षकों की भागीदारी और शिक्षा पर उसका प्रभाव' 21 सितम्बर और 13 अक्टूबर 2016, संगठित, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अध्ययन के लिए दो विशेषज्ञ समिति की बैठक

'गैर—शिक्षण गतिविधियों में शिक्षकों की भागीदारी और शिक्षा पर इसका प्रभाव' 28 नवंबर, 2016 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय पर अध्ययन के लिए जिला समन्वयकों की बैठक आयोजित

समन्वयक, राज्य स्तरीय शैक्षिक प्रशासक, 5–9 दिसम्बर 2016, शैक्षिक प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पर सम्मेलन के आयोजन में सहायता प्रदान की। भाग–1 – आवेदन और छत्तीसगढ़ के मामले का अध्ययन हेतु सत्यापन की जांच करने के लिए योगदान दिया। भाग–2 – राष्ट्रीय पुरस्कार कार्य 6–7 मार्च, 2017

çf'k{k.k lkexh vkj ikBîØe fodfl r@ l pkfy r%

शिक्षा और विकास पर आईडेपा कोर्स पाठ्यक्रम संशोधन में योगदान दिया है और कौशल विकास के घटक को सम्मिलित किया

परामर्श और रिपोर्ट अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायताः

'गैर–शिक्षण गतिविधियों में शिक्षकों की भागीदारी और शिक्षा पर उसके प्रभाव पर शोध अध्ययन का आयोजन किया। भारत के कुछ चयनित राज्यों का एक अध्ययन' (जारी)।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अध्ययन के लिए केस स्टडी रूपरेखा विकसित

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

एम.फिल. / पी–एच.डी. कोर्स सीसी 1 – 11 सत्र

एम.फिल. / पी–एच.डी. कोर्स सीसी 7 – 1 सत्र

शैक्षिक प्रशासन पर पीजीडेपा कोर्स 6 सत्र

आईडेपा – 2 सत्र

शैक्षिक प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम – 5 सत्र

राज्य और जिला स्तर पर महिलाओं व्यवस्थापकों के लिए शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन में अभिविन्यास कार्यक्रम सह कार्यशाला – 1 सत्र

शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर अभिविन्यास कार्यक्रम – 2 सत्र

शैक्षिक प्रशासन पर पीजीडेपा एडवांस कोर्स के संयोजक

पीएच.डी. छात्र, पीजीडेपा और आईडेपा प्रतिभागी को अनुसंधान मार्गदर्शन

दो सप्ताह का इंटर्नशिप कार्यक्रम, जामिया मिलिया के एम.एड. छात्र, जनवरी 2–15, 2017,

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यताः

क्लीनिकल साइकोलोजिस्ट के आजीवन सदस्य

इंडियन एसोसिएशन अप्लाइड साइकोलोजी के आजीवन सदस्य

मंजू नरूला

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यक्रम समन्वित

शैक्षिक प्रशासन और प्रवंधन के राज्य और जिला स्तर महिलाओं व्यवस्थापकों के लिए प्रबंधन पर अभिविन्यास–सह–कार्यशाला, नवम्बर 28 से 2 दिसंबर 2016

शैक्षिक प्रशासन (भाग–1) में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार – चयन (प्रो. सुरेश कुमार और डा. वी. सुचरिता के साथ)।

नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन, शैक्षिक प्रशासन में अच्छे कार्य और पुरस्कार समारोह (भाग–1), मार्च 5–7, 2017 (प्रो कुमार सुरेश, डा. विनीता सिरोही और डा. वी सुचरिता के साथ)

कार्यशाला/सम्मेलन आयोजित

पश्चिम बंगाल में शैक्षिक प्रशासन पर तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला अप्रैल 18–19, 2016

कोलकाता में दो दिवसीय कार्यशाला सर्वेक्षण, 'संरचनाएं, प्रक्रियाओं और भावी संभावनाएं पश्चिम बंगाल में शैक्षिक प्रशासन' की ड्राफ्ट रिपोर्ट पर चर्चा, फरवरी 14–15, 2017

कोलकाता में एक दिवसीय बैठक 'संरचनाएं, प्रक्रियाओं और भावी संभावनाएं पश्चिम बंगाल में शैक्षिक प्रशासन' पर चर्चा करने के लिए सर्वेक्षण, 28 सितम्बर, 2016

डीईओ / बी.ई.ओ के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन पर राज्य स्तरीय सम्मेलन का समन्वय कार्य, झारखण्ड, जनवरी 6–7, 2017 (प्रो कुमार सुरेश के साथ)

समन्वय, डीईओ / बी.ई.ओ के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन पर राज्य स्तरीय सम्मेलन, छतीसगढ़– दिसंबर 15–16, 2016 (प्रो कुमार सुरेश के साथ)

lxk"Bh@lEesyu@dk;Z'kkyk,¡ esa Hkkxhnkjh

सातवीं सी.ई.एस.आई अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक शैक्षिक नियति सम्मेलनः 'माध्यमिक शिक्षा में निजी क्षेत्र की भूमिकाः दृष्टिकोण. दुविधाएँ और चुनौतियां 2016 पर आलेख पत्र प्रस्तुत किया, नवम्बर 19–21, 2016, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति ।

डीईओ/बी.ई.ओ के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन पर राज्य स्तरीय सम्मेलन में भाग लिया, झारखण्ड, जनवरी 6–7, 2017

vU; 'kS{kf.kd vkj 0;kolkf;d ;ksxnku

çdk'ku

इंडियन एजुकेशन इन द एरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन, संपा. बुक– पिवोटल इश्यू इन इंडियन एजुकेशन, (2017), कल्प्ज़ पब्लिकेशंस, नई दिल्ली।

रोल ऑफ प्राइवेट सैक्टर इन सेकेण्डरी एजुकेशन (2016), कंटम्पोरेरी रिसर्च स्पैक्ट्रम वाल्यूम 2, इश्यू काउंसिल आफ एडुलाइट, कल्याणी, नाडिया, पश्चिम बंगाल, भारत

vU; 'kS{kf.kd xfrfof/k;ksa esa Hkkxhnkjh

जनवरी 2–15, 2017 से दो सप्ताह जामिया मिलिया में एम.एड छात्रों की इंटर्नशिप कार्यक्रम में शामिल

बिहार और राजस्थान 'राज्य अनुभवों पर सत्र की अध्यक्षता की' (एसएसए व आरएमएसए), 10 नवंबर, 2016 – 'प्राथमिक स्तर पर स्कूल प्रबंधन के विकेंद्रीकरण के क्षेत्र अनुभव' पर कार्यशाला 7 से – 11 नवंबर 2016, न्यूपा डा. मधुमिता बंधोपाध्याय द्वारा समन्वित ।

जनवरी 9–13, 2017, डा. वी सुचरिता द्वारा समन्वित, जिला स्तर शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर अभिविन्यास कार्यक्रम, 12 जनवरी, 2017 को शिक्षक प्रबंधन पर सत्र की अध्यक्षता

'माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भूमिका' पर एक सत्र– 27 अक्टूबर 2016 शिक्षा के क्षेत्र में गुणवता अनुसंधान विधि में अभिविन्यास कार्यक्रम, डा. नरेश कुमार द्वारा समन्वित

"दल प्रबंधन" पर एक सत्र जनवरी 9–13, 2017 डा. वी. सुचरिता द्वारा समन्वित, जिला स्तर शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर अभिविन्यास कार्यक्रम, 12 जनवरी, 2017

आईडेपा में संरचना और कार्य पाठ्यक्रम शैक्षिक प्रबंधन में 30 मार्च, 2017 को 'अध्यापक प्रबंधन' पर एक सत्र

शैक्षिक प्रबंधनः संरचना और कार्य 11 अप्रैल, 2017 पर 'संस्थागत मूल्यांकन' पर आईडेपा में एक सत्र।

1. ihthMhik% समन्वयक, 'शैक्षिक प्रबंधन' में अध्यापन और कार्य का मूल्यांकन (द्वितीय चरण और चतुर्थ चरण), प्रतिभागी का पर्यवेक्षण

2. vkbMhik में शैक्षिक प्रशासन पाठ्यक्रम में शिक्षण। प्रतिभागी का पर्यवेक्षण

lfefr;ksa esa lnL; & U;kik

एम.फिल./पीएचडी कार्यक्रम के लिए स्क्रीनिंग समिति।

लिखित परीक्षा स्क्रिप्ट का मूल्यांकन

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

अखिल भारतीय आध्यापक–शिक्षक संघ, आजीवन सदस्यता

भारत तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी, आजीवन सदस्यता

शिक्षा और आर्थिक विकास के लिए सोसायटी

oh lqpfjrk

çdk'ku

गोइंग टैक्टिल रैदर दैन स्ट्रेटेजिकः एन इंटरवेनशन दैट हैलप्ड स्कूल पास द ग्रेड, कन्टमप्रेरी एजुकेशन

डॉयलॉग, 13 : 2, पीपी. 213—230, सेज (प्रो. जी. रमेश, आईआईएम बंगलौर के साथ)

राइट टू क्वालिटी एजुकेशन थ्रू सोशियल इंक्लूजनः ए स्टडी आफ टू प्राइवेट स्कूल्स इन दिल्ली, न्यूपा ओकेजनल पेपर सिरीज, न्यूपा ओकेजनल पेपर 49 (प्रो. के. सुजाता, न्यूपा के साथ)

सह—संपादक, (प्रो. कुमार सुरेश के साथ) द कंपेडियम ऑन इनोवेशंस एंड बैस्ट प्रैक्टिस इन एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन, 2016—17, न्यूपा

lEesyu e¡ Hkkxhnkjh

23—24 सितंबर, 2016, 'वंचित समूहों की शिक्षा' पर एक सत्र पंचायती राज और ग्रामीण विकास, तेलंगाना राज्य संस्थान, हैदराबाद में आयोजित तेलंगाना के राज्य स्तरीय सम्मेलन में भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम / कार्यशालाओं का आयोजन

जिला स्तरीय शिक्षा अधिकारियों के लिए 'शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व' पर एक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। जनवरी 9—13, 2017

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन में शामिल, मार्च 5—7, 2017

ikB~;Øe l¡ikfnr%

,e-fQy-%

शैक्षिक प्रशासन पाठ्यक्रम में तीन सत्रों का संपादन (कोर्स सं. सीसी—07)

ihthMik

'शैक्षिक प्रशासन' पाठ्यक्रम में पांच सत्र का संपादन (कोर्स सं. 907)

vkbMik

आईडेपा प्रतिभागियों के लिए 'प्रतिभागियों की संगोष्ठी' में मूल्यांकनकर्ता और सुविधाकर्ता, 10 मार्च, 2017।

vu|lèkku ifj;kstuk,¡ 'kq: dh

(एक दल के सदस्य के रूप में) (188—आर.ए.एस—0401) आईआईईपी द्वारा शिक्षा नीति और सुधार के कार्यान्वयन में शिक्षा मंत्रालय को मजबूत बनाना — यूनेस्को।

ekxZn'kZu vkSj i;Zos{k.k

एक एम.फिल. छात्र, सुश्री नीलांजना मोइत्रा को उसके शोध प्रबंध 'झारखंड के उच्च शिक्षित आदिवासी युवाओं के बीच रोजगार के समर्थक और बाधाओं को समझना' के लिए मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण

पीजीडेपा भागीदार को उसकी परियोजना 'शाला सिद्धि कार्यक्रम का प्रभाव' स्कूलों के सुधार और प्रदर्शन परः देवास, जिला मध्य प्रदेश, का एक अध्ययन के लिए' सुश्री सुरभि पराशर को मार्गदर्शन

vU; 'kS{kf.kd vkSj O;kolkf;d ;ksxnku

28 नवंबर से 2 दिसंबर, 2016 न्यूपा, नई दिल्ली — राज्य और जिला स्तर व्यवस्थापकों, के लिए महिला शैक्षिक प्रशासक अभिविन्यास कार्यशाला में 'कार्यस्थल पर उत्पीड़न के मुद्दों' पर एक समूह सत्र की अध्यक्षता

राज्य स्तरीय शैक्षिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रबंधन पर 'कार्मिक प्रबंधन के मुद्दे' अभिविन्यास कार्यक्रम में एक समूह में काम, सत्र की अध्यक्षता, 9—13 दिसंबर, 2016, न्यूपा, नई दिल्ली

एम.फिल. / पी—एच.डी. अनुप्रयोगों के लिए 'प्रारंभिक एम.फिल. / पी—एच.डी. आवेदन स्क्रीनिंग समिति' में सदस्य।

एम.फिल. / पी—एच.डी. की प्रवेश परीक्षा के लिए अन्वीक्षण

23—24 मार्च, 2017 से न्यूपा, नई दिल्ली में आयोजित विश्वविद्यालयों अभिशासन मुद्दे और चुनौतियां पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में समापन सत्र में रैपोरिटर।

शैक्षिक वित्त विभाग

tè;kyk chth fryd

fo'k"k 0;k[;ku

पच्चीसवां प्रोफेसर सुरेश चंद्र शुक्ला स्मारक व्याख्यान, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली (17 मार्च 2017)।

vu|lèkku nLrkos t çdkf'kr

यूनियन–स्टेट रिलेशन इन इंडिया हायर एजुकेशन, न्यूपा ओकेजनल पेपर 50 (नई दिल्लीः न्यूपा, 2017. http://www.nuepa.org/New/download/Publications/Occasional_Paper-50_Prof.JBGTilak.pdf). 'टू अपीयर इन *हायर एजुकेशन फेडरेशनः रेगूलेशन एंड स्ट्रक्चर ऑफ हायर एजुकेशन इन 'फैडरल टाइप' सिस्टम्स* (संपादक इसाकफ्रोमिन, मार्टिन कॉरनाय एंड साइमन मार्गिसन). मास्कोः नेशनल रिसर्च युनिवर्सिटी हायर एजुकेशन आफ इकोनोमिक्स (फोर्थकमिंग)

प्रोमोशन इन एकेडमिक प्रोफेशन इन इंडियाः अपवार्ड मोबिलिटी ऑफ टीचर्स इन हायर एजुकेशन इन *रिकालिब्रेटिंग करियर इन एकेडमियाः प्रोफेशनल एडवांसमेंट पॉलिसीज एंड प्रैक्टिसेज इन एशिया जर्नल ऑफ एजुकेटर्स एंड एजुकेशन* (युनिवर्सिटीसेंस मलेशिया) 31 (2016): 85–113 http://apjee.usm.my/APJEE_31_2016/APJEE%2031_Art%206(85-114).pdf

ऑन प्लानिंग युनिवर्सिटी डवलपमेंटः शिबोलेथ और स्टाइलाइज्ड फैक्ट्स? ग्ट प्रो. सुरेश चन्द्र शुक्ला मेमोरियल लैक्चर, नई दिल्लीः जामिया मिलिया इस्लामिया. (17 मार्च, 2017)

jktpou'ku vkQ xoueasV LdwYl] *vkbZvkbZ1h DokVjyh* bu iis1 ¼2017½

हाउ इज केरल डूइंग इन हायर एजुकेशन? *राजगिरि जर्नल ऑफ सोशियल डवलपमेंट* 8(1) (जून 2016)

साउथ–साउथ कोपरेशनः इंडियाज प्रोग्राम ऑफ डवलपमेंट असिस्टेंस – नेचर, साईज एंड फंक्शनिंग इन शोको यामदा (संपादक) *पोस्ट–एजुकेशन–फोरल एंड ससटेनेबल डवलपमेंट पैराडिज्म : स्ट्रक्चरल चेंज विद डायवरसिफाइंग एक्टर्स एंड नॉर्म्स (इंटरनेशनल पर्सपैक्टिव्ज़ ऑन एजुकेशन एंड सोसायटी, वाल्यूम 29)* इमेराल्ड ग्रुप पब्लिशिंग लिमिटेड, 2016, पीपी 301'326

इक्विटेबल एक्सेस टू एजुकेशन एंड स्किल डवलपमेंट एंड प्राइवेटाइजेशन ऑफ हायर एजुकेशन, टीएचएफ वर्किंग पेपर नं. 4/2016. सिंगापुरः द हैड फाउन्डेशन

ग्लोबल रैंकिंग, वर्ल्ड क्लास युनिवर्सिटीज एंड डायलेमा इन हायर एजुकेशन पॉलिसी इन इंडिया, *हायर एजुकेशन फार द फ्यूचर* 3(2) (जुलाई 2016): 1–18

पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप इन एजुकेशन. टीएचएफ डिसकशन पेपर नं. 3/2016. सिंगापुरः द हैड फाउन्डेशन.

ए डिकेड आफ अप एंड डाउन इन पब्लिक एक्सपेंडीचर ऑन हायर एजुकेशन, इन *इंडियाः हायर एजुकेशन रिपोर्ट.* (संपादकः एन.वी. वर्गीज एंड जी. मलिक) लंदनःरूटलेज/न्यूपा, 2016, पीपी 307–332.

vkyi[k

वी क्रिएट स्पेस्लिस्ट इन पॉलिसी प्लानिग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, करियर 360, (3 मई 2017) (इंटरव्यू)

http://www.university.careers360.com/articles/we-create-specialists-in-policy-planning-and-administration-says-prof-b-g-tilak-nuepa

रिजुवेनेटिंग पब्लिक युनिवर्सिटी, *एजुकेशन वर्ल्ड* 18(5) (मई 2016) पी. 36 http://educationworldonline.net/index.php/page-article-choice-more-id-4903

द विगनिंग (ऑन बैचलर डिग्री प्रोग्राम), एक्सपर्ट व्यू, एजुकेशन टाइम्स – टाइम्स ऑफ इंडिया (16 मई 2016) http://www.educationtimes.com/article/26/201604292016042920023285135b87d87/The-Beginning-.html

laxks"Bh@lEesyu esa Hkkxhnkjh

सर्व शिक्षा अभियान, शिक्षा की गुणवत्ता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। केरल, थिरुवनंतपुरम (26 मार्च 2017) उद्घाटन भाषण,

'भारत का विचार' अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्लीः इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय और भारत शिक्षण मंडल (23–25 फरवरी, 2017)

उच्च शिक्षा में वित्त का नवाचार, पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आंध्र प्रदेश, ब्रिटिश काउंसिल और श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति पैनलिस्ट, (20 फरवरी 2017)

आजादी बाद उच्च शिक्षा में उपलब्धियांः उच्च शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी विश्वविद्यालय के कुलपति/ भारतीय विश्वविद्यालय/एसोसिएशन की 91वीं वार्षिक बैठक। तिरुपतिः श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय (5–6 फरवरी 2017) एक पूर्ण सत्र की अध्यक्षता,

भारत में उच्च शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः विजन 2030 पर मुख्य भाषण, लखनऊः उत्तर प्रदेश सरकार (महाराजा बिजली पासी सरकारी कॉलेज) 28 जनवरी 2017।

इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन का राष्ट्रीय सम्मेलन में एक विशेष व्याख्यान दिया, मथुराः पी.डी.डी.यू पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, (27–29 दिसंबर 2016)

स्कूल शिक्षा में ध्यान केंद्रित समूह बच्चों को शामिल करने के लिए रणनीतियां पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में समापन भाषण, हैदराबादः राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान (21–22 दिसंबर 2016)।

शिक्षा गुणवत्ता सूचकांक पर क्षेत्रीय कार्यशाला। नीति आयोग, गुवाहाटी (12 दिसंबर) और भोपाल (14 दिसंबर 2016) एक संक्षिप्त टिप्पणी प्रस्तुत,।

भारतीय समाज श्रम अर्थशास्त्र का 58वां वार्षिक सम्मेलन। गुवाहाटीः भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान' (24–26 नवंबर 2016) मुख्य विषय पर भाषण।

भारत तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी का वार्षिक सम्मेलन। तिरुपतिः श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय (19–21 नवंबर 2016) समापन भाषण।

शिक्षा 2030 पर दूसरी एशिया प्रशांत बैठकः बैंकॉक, यूनेस्को (16–18 नवंबर 2016) पैनलिस्ट एक पूर्ण पैनल।

जी–20 शिक्षा बातचीतः शिक्षा अनुसंधान, नीति निर्माण और अभिनव 2030 की ओर। बीजिंगः शिक्षा विज्ञान के राष्ट्रीय संस्थान (12 नवंबर 2016) मुख्य वक्ता।

एसडीजी–4 के लिए संकेतक तकनीकी परामर्श ग्रुप की बैठक। शिक्षा यूनेस्को संस्थान स्पेन, मैड्रिड, स्पेन सरकार (26–28 अक्टूबर 2016)।

भारत में उच्च शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। तिरुवनंतपुरमः केरल विश्वविद्यालय। (24 अक्टूबर 2016) उद्घाटन भाषण।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड आर्थिक एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन। वाराणसीः काशी विद्यापीठ (23 अक्टूबर 2016) मुख्य भाषण,

कौशल भारतः भारत में शिक्षा, रोजगार, और रोजगार नियुक्ति थ्री.ई चुनौती। नई दिल्लीः एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (5 अक्टूबर, 2016) की राष्ट्रीय परिषद तकनीकी सत्र की अध्यक्षता।

शिक्षा पर वरिष्ठ ब्रिक्स मंत्रियों की बैठक और ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की चौथी बैठक। नई दिल्लीः भारत सरकार (28–30 सितंबर, 2016)।

प्रधानाध्यापकों का सम्मेलनः औद्योगिक नवाचार के साथ शैक्षणिक नेतृत्व का सह–संबंध। हैदराबादः कौशल और तेलंगाना अकादमी, ज्ञान और कौशल फिक्की (27 सितंबर, 2016)। उद्घाटन भाषण।

राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला। लखनऊः उच्च शिक्षा विभाग (22 सितंबर, 2016) मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान।

मापन उत्पादकता, एपीओ–एनपीसी कार्यशाला उच्च शिक्षा, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरूचिरापल्ली, (19–20 सितंबर, 2016) पर तीन तकनीकी सत्र में प्रस्तुतियां,

गुणवत्ता पर वैश्विक सम्मेलन, उच्च शिक्षा, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरू (16–17 सितंबर 2016) एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता,

शिक्षा पर वरिष्ठ अधिकारियों की तकनीकी बैठक सार्क फ्रेमवर्क की कार्रवाई। नई दिल्लीः मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, (15 सितम्बर 2016) एक तकनीकी सत्र में एक ही विषय पर चर्चा का नेतृत्व किया,

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने पर सम्मेलन। एशियाई उत्पादकता संगठन (जापान) और, इंडोनेशिया जकार्ता गणराज्य की सरकार इंडोनेशियाः (अगस्त 29–1 सितंबर 2016) दो मुख्य वक्ता के रूप प्रस्तुतियों दी, एक सत्र की अध्यक्षता की और दो पैनल सत्र में पैनलिस्ट, जकार्ता

झारखंड में समावेशी और सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। रांचीः मानव विकास के लिए संस्थान (दिल्ली) 29 जुलाई 2016 एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता,

आंध्र प्रदेश शिक्षक महासंघ के 18वें सम्मेलन 'निजी विद्यालय के खतरेः सरकारी स्कूलों के कायाकल्प जवाब है' में मुख्य भाषण, गुंटूर (23 जुलाई 2016)

उच्च शिक्षा के भविष्य पर ऐआईईसी की परामर्शदात्री बैठक की अध्यक्षता। नई दिल्लीः ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग (20 जुलाई 2016)।

सामाजिक क्षेत्र के मुद्दों और सतत् विकास लक्ष्यों के भारतीय परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। नई दिल्लीः सामाजिक विकास के लिए परिषद (15–16 जुलाई 2016), पैनलिस्ट।

साक्षर भारत की ओर पर राष्ट्रीय सम्मेलन। नई दिल्लीः राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण, भारत सरकार (28 जून 2016), पैनलिस्ट।

टी (थिंक) 20, 2016 चीन, नवाचार, नई अर्थव्यवस्था और स्ट्रक्चरल रिफॉर्म पर जी–20 फोरम सम्मेलन, झेजियांग विश्वविद्यालय, (स्थानः अंजी), चीन (18–19 जून 2016) मुख्य वक्ता और पैनल के सदस्य)।

सतत समृद्धि, खुशहाली और नवाचार पर संगोष्ठी, लैस, फिनिश अकादमी, हेलसिंकी, फिनलैंड (9–10 जून 2016)।

दिल्ली को एक समावेशी सिटी बनाने पर संगोष्ठी। नई दिल्लीः मानव विकास के लिए संस्थान (28 अप्रैल 2016) पैनलिस्ट।

शासन, भागीदारी और नीति निर्धारण। नई दिल्लीः दिल्ली विश्वविद्यालय, मिरांडा हाउस (12 अप्रैल 2016)। मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

एशिया–प्रशांत क्षेत्र में स्कूल वित्त पर विशेषज्ञ की बैठक। बैंकॉकः यूनेस्को क्षेत्रीय कार्यालय (31 मार्च–1 अप्रैल 2016) क्षेत्रीय रिपोर्ट पर चर्चा और एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

thouh lph vkj 'k{kf.kd fof'k"Vrk

lphc)

लर्नड इंडियाः एजुकेशनिष्ट हू'ज हू (नई दिल्लीः रिफॉसिमेंटो इंटरनेशनल, 2017)

फेमस इंडियाः नेशन हू'ज हू (दिल्लीः रिगरडोइंक 2017)

vU;

संपादक, शैक्षिक योजना एवं प्रशासन की पत्रिका

i;Zo{k.k

न्यूपा में 2 पी–एच.डी. शोध (प्रगति पर)

ekuk [kj

çdk'ku

''टेकिंग द स्किल मार्च फौरवर्ड इन इंडिया– ट्रांजिशनिंग टू द वर्ल्ड ऑफ वर्क, (2016) इन मैथियस पिज एड इंडियाः प्रेपेरेशन फॉर द वर्ल्ड ऑफ वर्क, स्प्रिंगर वीएस

ट्राइंगुलर मॉडल ऑफ आउटकम बेस्ड हायर एजुकेशन परफॉरमेंस इंटरनेशनल सेमीनार ऑन टीचिंग–लर्निंग एंड न्यू टैक्नोलॉजी इन हायर एजुकेशन, नई दिल्ली, 2016 (फोर्थकमिंग)

द वरच्यु साइकल ऑफ ग्रोथ, इंप्लायमेंट एंड एजुकेशन इन इंडिया – पाथ टू इक्विटेबल डवलपमेंट, काउंसिल फॉर सोशियल डवलपमेंट, नई दिल्ली (प्रकाशनाधीन)

vu lèkku nLrkot@y[k çdkf'kr

चैलेंजेज ऑफ फाइनेंसिंग एलिमेंट्री एजुकेशन इन इंडियाः पास्ट ट्रेन्ड्स एंड फ्यूचर पोटेंशियल (2016) एकेडमिक इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन मल्टीडिसिप्लीनरी स्टडीज एंड एजुकेशन, एआईसीएमएसई 2016 (ऑक्सफोर्ड) कॉफ्रेंस प्रोसीडिंग आईएसबीएन नं. 978–1–911185–16–1 (ऑनलाईन). एफएलई लर्निंग लि. यू.के.

डिस्प्रीटीज इन ग्रेजुएट इम्प्लायबिलिटी स्किल, इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2016 : इक्विटी (वर्गीज़ एन.वी. निधि सभरवाल और मलिश सी.एम. के साथ) रूटलेज (फ्रांसिस और टेलर), साउथ एशिया एडीशन, नई दिल्ली, (आगामी)

lxks"Bh@lEeyu@dk;Z'kkykvksa esa Hkkxhnkjh

jk"Vªh;@varjk"Vªh;

क्वींस कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता, ऑक्सफोर्ड, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, ब्रिटेन 18 अगस्त वर्ष 2016।

आलेख प्रस्तुत 'भारत में वित्त पोषण प्राथमिक शिक्षा की चुनौतियां विगत रुझान और भविष्य के संभावनाएं' ए.आई. सी.एम.एस.ई 2016 (ऑक्सफोर्ड): बहु अनुशासनात्मक अध्ययन और शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक सम्मलेन ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, ब्रिटेन, 18 से 20 अगस्त, 2016।

'अंतर्राष्ट्रीयकरण अनुसंधान के क्षेत्र में मुख्यता रुझान' आसियान 6 में उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण पर संकेतक विशेषज्ञ बैठक में पैनल सदस्य के रूप में प्रस्तुत आलेख, 3–4 नवंबर, 2016, बैंकॉक, थाईलैंड।

अंतर्राष्ट्रीयकरण संकेतक – नक्शे या जाल? समूह प्रस्तुति और आसियान–6 में उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण पर संकेतक विशेषज्ञ बैठक में सूत्रधार, 3–4 नवंबर 2016, बैंकॉक, थाईलैंड।

अतीत के रुझान और भविष्य में संभवनाएं (2016) भारत में प्राथमिक शिक्षा के वित्त पोषण की चुनौतियां। बहु अनुशासनिक अध्ययन और शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक सम्मेलन में कार्यवाही, ऑक्सफोर्ड, 18–20 अगस्त, 2016।

पर्यटन और आतिथ्य पर विशेष ध्यान (10–12 जनवरी, 2017 आई.सी.सी.पी.एम.एस) सेवाओं के विपणन में परिवर्तनशील मानदंड पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्षता और सत्र में महत्वपूर्ण वक्ता।

"भारत में शिक्षा, रोजगार और विकास का दुष्चक्र, समाज विकास परिषद् द्वारा आयोजित, नीतियाँ, संभावनाएं और भविष्य की दिशाएंः सतत् विकास के लक्ष्यों और सामाजिक क्षेत्र के मुद्दों पर भारतीय परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया, आई.आई.सी, नई दिल्ली, 15–16 जुलाई, 2016।

'शिक्षा सहायता और भारत में अंतर्राष्ट्रीय सहयोगः परिवर्तनशील गतिशीलता, बढ़ता सहयोग' अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन और अर्थशास्त्र विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'संपूर्ण जीवन के लिए आर्थिक विकास की रणनीति', सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत, 10–11 जून, 2016।

आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित शोध कार्य प्रणाली कार्यशाला उद्घाटन भाषण, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, 1 मार्च, 2017 ।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सत्र में मुख्य भाषण, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर, संपूर्ण जीवन के लिए आर्थिक विकास की रणनीति, (10–11 जून, 2016) (इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन का शताब्दी वर्ष समारोह)।

नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय (सभागार), नई दिल्ली में 9 दिसंबर 2016 को ''शैक्षिक प्रशासन में नवाचार'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन (हरियाणा और सिक्किम) की प्रस्तुति पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

आईसीएसएसआर प्रायोजित कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति, शोध कार्यप्रणाली, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, 1–10 मार्च, 2017 ।

पुस्तक विमोचन और भारत पर चर्चा संगोष्ठीः काम की दुनिया के लिए तैयारी – "शिक्षा प्रणाली और, स्कूल से लेकर कार्य संक्रमण 2016 स्प्रिंगर प्रकाशन आईआईएम बैंगलोर में 12 फरवरी, 2017 को लेखक के रूप में योगदान जर्मनी के कोलोन विश्वविद्यालय और भारतीय प्रबंधन संस्थान बैंगलोर के साथ सहयोग।

19 जनवरी, 2017 को भारत पर्यावास केन्द्र, लोधी रोड, नई दिल्ली में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने पर" राष्ट्रीय कार्यशाला में गुणवत्ता में सुधार लाने और परिणाम मापन पर गोल मेज सम्मेलन।

विशेषज्ञ समवर्ती सत्र/जूरी/ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन (एनआरसी) आईआईसी, नई दिल्ली–3 में 'भारत में प्रबंधन शिक्षा का भविष्य' में अध्यक्षता।

dk;'kkyk,@lEeyu@çf'k{k.k dk;Øe

बंगलौर विश्वविद्यालय, बंगलौर के सहयोग से शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक बजट पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला, मार्च, 2017।

सार्वजनिक वित्त और राष्ट्रीय नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) भारत सरकार, नई दिल्ली संयुक्त रूप से व्यय प्रबंधन आयोग (ईएमसी) के साथ, 07 जनवरी, 2016 को हाल ही में विकसित शिक्षा परिणाम रूपरेखा पर चर्चा के लिए एक दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श बैठक का आयोजन किया।

एफ.जी.डी संगठित 'रोजगार और भारत में उच्च शिक्षा के स्नातक' परियोजना पर आयोजित गोलमेज सम्मेलन, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई ।

संगठित और आयोजित गोलमेज और परियोजना पर 'रोजगार और भारत में उच्च शिक्षा के स्नातक' एफ.जी. डी महिंद्रा टेक, नोएडा।

संगठित और आयोजित गोलमेज और परियोजना पर एफ.जी.डी 'रोजगार और भारत में उच्च शिक्षा के स्नातक' रिलायंस निप्पॉन, जीवन बीमा, नई दिल्ली।

संगठित और आयोजित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई में परियोजना 'रोजगार और भारत में उच्च शिक्षा के स्नातक' पर कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साक्षात्कार।

संगठित और आयोजित महिंद्रा–टेक, नोएडा में परियोजना 'रोजगार और भारत में उच्च शिक्षा के स्नातक' पर कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साक्षात्कार।

संगठित और आयोजित रिलायंस निप्पॉन, जीवन बीमा, नई दिल्ली में परियोजना 'रोजगार और भारत में उच्च शिक्षा के स्नातक' पर कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साक्षात्कार।

राज्य टीम के लिए सी.पी.आर.एच.ई. में रोजगार परियोजना के लिए क्रियाविधि विज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया।

(6 राज्यों से 6 विश्वविद्यालयों के 17 प्रतिनिधियों की भागीदारी ।

çf'k{k.k lkexh vkj ikBîØe fodfl r

निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में शिक्षण में भागीदारी

एम.फिल./पी–एच.डी. – सी.सी.3, सी.सी.5 और ओसी 11।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में राष्ट्रीय डिप्लोमा (डेपा)

,e-fQy-@ih&,p-Mh- dk;l dk i;lo{k.k

1- ih&,p-Mh- dk;l ¼tkjh½

शोविक मुखर्जी (रिसर्च स्कॉलर) – पश्चिम बंगाल के बर्दवान जिले में माध्यमिक स्तर विद्यालय में छाया शिक्षाः एक बहुस्तरीय विश्लेषण।

सुमित कुमार (रिसर्च स्कॉलर) – भारत में उच्च शिक्षा के लिए ज्ञान आधारित उद्योग और प्रवास के स्थानिक वितरण के बीच अंतर–संबंध।

2- ,e-fQy- vè;;u ¼çLrqr½

सुहैल अहमद मीर (रिसर्च स्कॉलर) – भारत में शिक्षा के क्षेत्र में अवसर की असमानता (प्रदान की गई)

सुश्री संध्या दुबे – भारत में उच्च शिक्षा की पहुंच के विभिन्न स्तरों पर सार्वजनिक शिक्षा खर्च का प्रभावः एक पैनल आंकड़ा विश्लेषण (प्रस्तुत)

3- Mik@vkbMik% Mik Hkkxhnkj d dk;l dk i;lo{k.k

iBu lkexh dk fodkl%

(1) सूचना गाइड, पठन सामग्री और रिपोर्टः शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक बजट पर कार्यशाला ।

(2) शैक्षिक रूप से पिछड़े जिलों की पहचान करने के लिए वैकल्पिक उपागम (अनुसंधान मोनोग्राफ)

मोनोग्राफ का पहला मसौदा तैयार किया गया है। अंतिम संशोधन और संपादन प्रगति पर ।

सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता/परामर्श

'शिक्षा प्रदर्शन सूचकांकः वैकल्पिक तरीके' पद्धति टिप्पणी तैयार, व्यय प्रबंधन आयोग (ईएमसी) के अनुरोध पर, भारत सरकार, उपयोग, लक्ष्य और परिणामों पर ध्यान

केंद्रित करने के माध्यम से व्यय को मापने के लिए शैक्षिक प्रदर्शन में भारतीय परिचालन दक्षता में सुधार हेतु।

विषय पर आलेख तैयार 'शिक्षा वित्तपोषण सरकारी–निजी भागीदारी, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी की खोज भी शामिल है' के रूप में नई दिल्ली में स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता पर राष्ट्रीय कार्यशाला के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वांछित।

ईबीबी (जून, 2016) को पुनर्परिभाषित करने के लिए जो वर्तमान परिदृश्य में अधिक उपयुक्त होगा, सुझाव मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार के लिए, मापने और शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लाकों की पहचान के लिए निर्धारित पैरामीटर पद्धति टिप्पणी तैयार करने पर नोट।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदानः

जारी अनुसंधान परियोजनाः अनुसंधान समन्वयक/प्रधान अन्वेषकः 'रोजगार और भारत में उच्च शिक्षा के रोजगार स्नातक'

अध्ययन का उद्देश्य उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार की मांग और आपूर्ति पक्ष पहलुओं का आकलन करना है।

ifj;kstuk dk 'kh"kZd% 'kSf{kd fodkl esa rqyukRed ySfxd LFkkfud xfr'khyrk

lky% ¼2014 ls py jgh 'kks/k ifj;kstuk ds fy,½

संयुक्त अनुसंधान परियोजना का शीर्षकः लैंगिक पर शैक्षिक एटलसः जिला स्तरीय प्रस्तुतीकरण (2014 से)

प्रशासनिक गतिविधियाँ

समन्वयक, रखरखाव और न्यूपा वेब पोर्टल का प्रबंधन

सदस्य, पर्यवेक्षकों के आबंटन के लिए समिति

सदस्य, एम.फिल. और पी–एच.डी. प्रवेश समिति

सदस्य, एम.फिल./पी–एच.डी. प्रवेश परीक्षा के लिए प्रश्नों की स्थापना के लिए समिति।

डीएसी, उच्च शिक्षा विभाग

डीएसी, शैक्षिक वित्त विभाग

डीएसी, शैक्षिक योजना विभाग

सदस्य – एम.फिल. पाठ्यक्रम संशोधन और पुनर्गठन समिति।

कुलपति द्वारा निर्देशित, मंत्रालय में विभिन्न बैठकों में भाग लिया ।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सलाहकार, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), धौलपुर हाउस, साक्षात्कार के संचालन के लिए, नई दिल्ली।

सदस्य, शिक्षा क्षेत्र में सूचकांक पर उप–समिति सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय, नई दिल्ली

सदस्य, स्थायी अनुसंधान उप समिति सलाहकार समिति (आरएसी), राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय संस्थान (नोएडा)।

सदस्य, विभागीय सलाहकार बोर्ड (डी ए बी) योजना एवं अनुश्रवण विभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम के लिए शिक्षण अधिगम सामग्री के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ, यूजीसी में, जयपुर – दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो

पुस्तक प्रस्ताव के समीक्षकः सिप्रगन्सर, सिंगापुर।

संपादकीय सलाहकार बोर्डः हिमगिरी शिक्षा की समीक्षा "ISSN 2321-6336

विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए बाहरी परीक्षक (पी–एच.डी. मूल्यांकन)

विभिन्न विश्वविद्यालयों और अन्य सरकार के लिए चयन समिति के सदस्य।

ohih,l jktq

çdk'ku

iqLrd@vè;k;

चैप्टर ऑन 'पर्सपैक्टिव्ज़ इश्यूज एंड चैलेजेज इन इंप्लेमेंटेशन ऑफ डायरैक्ट बेनेफिट ट्रांसफर इन सेंट्रली स्पॉन्सर्ड स्कीम्स इन एजुकेशन विद स्पेशल रिफ्रेंस टू एनएसआईजीएसई स्कीम' बाई आईआईपीए, नई दिल्ली (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)

इनोवेशन मैथड्स आफ फाइनेंसिंग हायर एजुकेशनः ए स्टडी आफ पीएम स्पेशल स्कोलरशिप स्कीम फॉर जम्मू एंड कश्मीर स्टूडेंट, सीपीआरएचई/न्यूपा, नई दिल्ली (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)

vuqlèkku nLrkost@ys[k@uksV~l

इन्फोरमेशन एंड कम्यूनिकेशन टैक्नोलॉजी एंड इनोवेटिव पेडागाजिक प्रैक्टिस इन हायर एजुकशन इन इंडिया, इन इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस रिसर्च इन साइंस एंड इंजीनियरिंग, 8/2016, वाल्यूम 5, पृ. 880–887, रैफर्ड, 2319–83594

vuqlèkku

vuqlèkku vè;;u iwjk fd;k

'जम्मू एवं कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री के विशेष छात्रवृत्ति योजना' मध्यावधि मूल्यांकन (उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)

py jgh 'kksèk ifj;kstuk

एक तुलनात्मक अध्ययन (ड्राफ्ट चरण): आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्तर पर गैर नामांकन और मुस्लिम बच्चों का स्कूल त्यागदर।

'कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की केन्द्रीय क्षेत्र स्कीम का मध्यावधि मूल्यांकन (भारत के उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार) (ड्राफ्ट चरण)

laxks"Bh@lEesyu@dk;Z'kkyk,a

jk"Vªh;

''शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार'' पर दो दिवसीय संगोष्ठी। राष्ट्रीय प्रवासी भारतीय केन्द्र, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में 5–7 मार्च 2017।

शैक्षिक नीति विभाग, न्यूपा द्वारा आयोजित 'नीति के परिप्रेक्ष्य में स्वामी विवेकानंद की शैक्षिक विचार' पर एक दिन की चर्चा बैठक में भाग लिया। 12 जनवरी, 2017।

'भारतीय शिक्षा कांग्रेस के छठे राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, सूरजकुंड, फ्रेंचाइज भारत और एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, 26–27 मई 2016।

पूर्व प्रस्तुत एम.फिल. न्यूपा द्वारा आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया 4–5 अप्रैल 2016

varjjk"Vªh;

उच्च शिक्षा के वित्त पोषण में अभिनव तरीकेः जम्मू एवं कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना का एक अध्ययन' पर आलेख प्रस्तुत भारत पर्यावास केन्द्र, नई दिल्ली 'उच्च शिक्षा के वित्त पोषण में नवाचार' सी.पी.आर.एच.ई., न्यूपा और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, नई दिल्ली। (16–17 फरवरी, 2017)।

भारत में हाल में विज्ञान, प्रबंधन, शिक्षा और प्रौद्योगिकी, जेएसडी विद्यापीठ, और विश्व सम्मेलन, सिरसा द्वारा आयोजित अंतरर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत, 'सूचना और संचार प्रौद्योगिकी और भारत में उच्च शिक्षा में अपने अभिनव अध्यापन आचरण', अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया। (27 अगस्त, 2016)

''वित्त पोषण शिक्षाः प्रोत्साहन, इक्विटी और प्रक्रिया उच्च शिक्षा संस्थानों भारत में वंचित समूहों का सामाजिक

दायित्व', पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी। दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, (21–22 जुलाई, 2016)

दर्शन, दुविधाएं और चुनौतियां पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, तिरुपति (19–21 नवंबर 2016) श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय और तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी, भारत द्वारा आयोजितः तुलनात्मक शैक्षिक नियति एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारत में वित्त पोषण उच्च शिक्षा के अभिनव तरीके'' पर आलेख प्रस्तुत।

çf'k{k.k dk;Øe@dk;Z'kkyk,¡

परिणाम आधार प्रबंधन के लिए अनुश्रवण और मूल्यांकन' कार्यक्रम, राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, नई दिल्ली, 14–16 फरवरी 2017

''शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर एंट्रीप क्षेत्रीय कार्यशालाः मौजूदा आचरण और नवाचार'' एंट्रीप फोकल प्वाइंट / न्यूपा और आईआईईपी / यूनेस्को द्वारा आयोजित आईएसआईडी, वसंत कुंज, नई दिल्ली, 19–21 अप्रैल, 2016

सी.पी.आर.एच.ई. / न्यूपा, नई दिल्ली में 12 मई, 2016 को भारत में 'उच्च शिक्षा के रोजगार स्नातक' पर सी.पी.आर.एच.ई. / न्यूपा अनुसंधान परियोजना अनुसंधान उपकरण कार्यशाला

न्यूपा, नई दिल्ली में ''प्रौद्योगिकी मूडल उपयोग के साथ शिक्षण'' पर कार्यशाला, 11–13 जुलाई, 2016

लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम 'अनुसंधान और प्रकाशन' मानविकी विभाग, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू), दिल्ली द्वारा आयोजित 25–29 जुलाई 2016

आन्ध्र प्रदेश के राज्यकीय डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में, शैक्षिक प्रशासन विभाग, न्यूपा द्वारा आयोजित ''भारत में वित्त पोषण उच्च शिक्षा में छात्रवृत्ति / प्रोत्साहन की भूमिका'' पर भाग लिया। और सत्र में भागीदारी। आंध्र प्रदेश, 16–20 मई, 2016

dk;Z'kkyk,@lEesyu@çf'k{k.k dk;Øe

'राज्यों में वित्तीय योजना और शिक्षा का प्रबंधन' पर अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित, न्यूपा, नई दिल्ली में 6–10 फरवरी, 2017।

'योजना और पूर्वोत्तर राज्यों में कॉलेज वित्त के प्रबंधन' अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम, 5–9 दिसंबर, 2016।

'शिक्षा में लिंग बजट' पर अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजन 22–24 मार्च, 2017 बंगलौर विश्वविद्यालय, बंगलौर (सह कार्यक्रम समन्वयक)।

कोर्स नं 207 समन्वित और निर्माणः शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में वित्तीय योजना अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा 'वित्तीय योजना और शिक्षा में प्रबंधन' (32वां आईडेपा)।

निर्माण और समन्वित, पाठ्यक्रम सं 903ः 'शैक्षिक योजना' शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा), न्यूपा, नई दिल्ली

çf'k{k.k lkexh vkj ikB~Øe fodflr vkj fu"ikfnr

'योजना और स्कूल वित्त के प्रबंधन' में अभिविन्यास कार्यक्रम, प्रशिक्षण सामग्री, न्यूपा, नई दिल्ली में विकसित और निष्पादित

'पूर्वोत्तर राज्यों में कॉलेज वित्त योजना और प्रबंधन' में प्रशिक्षण कार्यक्रम' में प्रशिक्षण सामग्री विकसित और निष्पादित। असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में (32वें आईडेपा) अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कोर्स नं 207 'वित्तीय योजना और शिक्षा में प्रबंधन' की प्रशिक्षण सामग्री विकसित और निष्पादित। न्यूपा, नई दिल्ली।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (पीजीडेपा) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा में 'शैक्षिक योजना': कोर्स नं 903 प्रशिक्षण सामग्री विकसित और निष्पादित। न्यूपा, नई दिल्ली।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) में 'परियोजना का कार्य और लेखन',पाठ्यक्रम सं. 905: प्रशिक्षण सामग्री विकसित और निष्पादित। न्यूपा, नई दिल्ली

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

शोध प्रबंध के लिए पीजीडेपा प्रतिभागी को मार्गदर्शन।

शोध प्रबंध के लिए पीजीडेपा प्रतिभागी को मार्गदर्शन।

आंध्र प्रदेश सरकार के डिग्री कालेजों के प्रधानाध्यापकों के लिए नेतृत्व पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति। न्यूपा, 16–20 मई, 2016

वारंगल में तेलंगाना राज्य के डीईओ और बीईओ के लिए के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन पर राज्य स्तरीय सम्मेलन के लिए संसाधन व्यक्ति, 5–6 अक्टूबर, 2016

एंट्रीप क्षेत्रीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति 'शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधनः मौजूदा आचरण और नवाचार', न्यूपा, नई दिल्ली, 19–21 अप्रैल, 2016

संसाधन व्यक्ति, 09–13 जनवरी 2017 न्यूपा, नई दिल्ली में शैक्षिक प्रशासन विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तर शिक्षा अधिकारियों के शासन में नेतृत्व पर उन्मुखीकरण के लिए कार्यक्रम 'स्कूल शिक्षा के वित्तपोषण' पर सत्र लिया।

परामर्श और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के मध्यावधि मूल्यांकन, दो केन्द्र प्रायोजित योजनाओं के अध्ययन का आयोजन।

'राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क' पर एक बैठक में भाग लिया, एआईसीटीई लागू करने के संदर्भ में, नई दिल्ली, 22 जून, 2016।

U;ik d ckgj ç[;kr fudk;k dh lnL;rk

आजीवन सदस्य, भारत तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी (सी.ई.एस.ई), नई दिल्ली

(आई.आई.ई.पी./यूनेस्को अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थान), पेरिस के पूर्व छात्र सदस्य

विभिन्न प्रशासनिक और शैक्षणिक समितियों में सदस्य

एम.फिल./पी–एच.डी. प्रवेश परीक्षा के आयोजन समिति, सदस्य।

एम.फिल./पी–एच.डी. आवेदकों के लिए जाँच समिति, सदस्य।

परियोजना स्टाफ जाँच चयन समिति और साक्षात्कार बोर्ड के सदस्य

एम.फिल./पी–एच.डी. प्रवेश परीक्षा और अन्य परीक्षाओं के लिए अन्वीक्षण कार्य

न्यूपा की निविदा ओपन समिति के सदस्य

न्यूपा के समूह 'बी' और 'सी' कर्मचारियों के एम.ए.सी.पी. समिति के सदस्य

चयनित लेख पर चर्चा बैठक के आयोजन के लिए न्यूपा स्टडी सर्कल समूह के सदस्य (मासिक)

आमंत्रित व्याख्यान, मुख्य भाषण, की अध्यक्षता/पीठासीन सम्मेलन/संगोष्ठियाँ

सामाजिक विज्ञान के लिए अनुसंधान क्रियाविधि पर राष्ट्रीय कार्यशाला, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में 'साहित्य समीक्षा' पर व्याख्यान 30 अगस्त 2016।

ऑनलाइन डाटा खोज और इंटरनेट के उपयोग पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 'सामाजिक विज्ञान के लिए शोध कार्यप्रणाली' महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक, रोहतक, 30 अगस्त 2016।

जे.एस.डी. विद्यापीठ, सिरसा में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'शिक्षा' पर सत्र, 27 अगस्त, 2016

'अनुसंधान और प्रकाशन' पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम अनुसंधान अनुदान के लिए रास्ते, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली 29 जुलाई, 2016।

शैक्षिक नीति विभाग

vfouk'k dqekj flag

çdk'ku

iqLrd vè;k;

2017 'द कमिंग क्राइसिस ऑफ सोशियल साइंस एजुकेशन इन इंडिया – इश्यू एंड पर्सपैक्टिव' इन गोवर्धन वान्खेड़े एंड इवान रैड (संपादक) असैसिंग हायर एजुकेशनः फुटप्रिंट ऑफ मार्जिनालाइज्ड ग्रुप्स, अकर बुक्स, नई दिल्ली, पीपी 276–289

''पॉलिसी रिफॉर्म एंड एजुकेशन डवलपमेंट इन ए फेडरल कॉन्टेक्स्टः रिफ्लेक्शंस ऑन एन अनइवन प्रोसेस ऑफ चेंज इन बिहार'', अविनाश कुमार सिंह संपादन, *एजुकेशन एंड इम्पावरमेंट इन इंडियाः पॉलिसीज एंड प्रैक्टिसेज,* रूटलेज, लंदन एंड न्यूयार्क, 2016, पीपी. 159–178।

iqLrd

2016 (संपादित) एजुकेशन एंड इम्पावरमेंट इन इंडियाः पॉलिसीज एंड प्रैक्टिसेज, रूटलेज, लंदन एंड न्यूयार्क

lxks"Bh@lEesyuksa esa Hkkxhnkjh

संगठित, मौलाना आजाद मेमोरियल लेक्चर – 2017, 11 नवंबर, 2016 (प्रो अपर्णा बसु द्वारा दिया)

स्वामी विवेकानंद के शैक्षिक विचारों पर चर्चा बैठक का आयोजन, 12 जनवरी, 2017, न्यूपा, नई दिल्ली।

नीतियों और प्रथाओं पर स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों और युवा सशक्तिकरण पर चौथी राष्ट्रीय नीति संगोष्ठी का आयोजन, 2–3 मार्च, 2017 न्यूपा, नई दिल्ली।

आईएसईसी, बंगलौर में आरटीई के तहत स्कूल प्रबंधन समितियों के सुदृढ़ीकरण के लिए फ्रेमवर्क पर राष्ट्रीय अभिविन्यास कार्यशाला आयोजित, 20–25 मार्च, 2017

Hkkxhnkjh@vkys[k@O;k[;ku@okrkZ

मार्च–अप्रैल, 2017 के दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, सर्व शिक्षा अभियान के संयुक्त समीक्षा मिशन के सदस्य के रूप में कार्य।

अनुसंधान और नीति लिंकेजः शिक्षा के क्षेत्र में लोगों की भागीदारी पर रचना, प्रक्रिया और नीति अनुसंधान के परिणाम को साझा करना 'तुलनात्मक शैक्षिक नियतिः विजन, दुविधाएं और चुनौतियां' पर आलेख प्रस्तुत, सी.ई.एस.आई. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति 19–21 नवंबर, 2016

30 मार्च, 2017 'संविधान क्लब, नई दिल्ली में आरटीई के 7वें राष्ट्रीय सोकिंग कन्वेंशन में सामुदायिक भागीदारी और शिक्षा के क्षेत्र में अधिकारिता' पर एक भाषण दिया

जिला स्तर और ब्लॉक स्तर शिक्षा अधिकारी (डीईओ और बीईओ) रायपुर में राज्य स्तरीय सम्मेलन में वंचितों की शिक्षा और विकेन्द्रीकृत शैक्षिक शासन' पर वार्ता (6–7 मार्च, 2017) और रांची (6–7 जनवरी, 2017)

i;Zos{k.k vkSj ekxZn'kZu

श्री अजय कुमार चौबे, न्यूपा में उनके पीएच.डी. अध्ययन ''स्कूल और समुदाय में बहिष्करण की गतिशीलता'' में मार्गदर्शन प्रदान (अंशकालिक),

सुश्री लबोनी दास, पीएच.डी. मार्गदर्शन प्रदान ''अलाभकारी वर्गों की भागीदारी के संदर्भ में सामाजिक न्याय और प्राथमिक शिक्षा में स्थानीय शासन'' पर अध्ययन, (अंशकालिक)

पीएचडी अध्ययन ''शिक्षा, संस्कृति और आजीविकाः जम्मू–कश्मीर में खानाबदोश पेस्टोरालिस्ट बकरवाल का एक अध्ययन में श्री साजद अहमद को मार्गदर्शन प्रदान।

''पहचान और उच्च शिक्षा में भागीदारीः दिल्ली में चयनित शिक्षण संस्थानों में पूर्वोत्तर जातीय अल्पसंख्यक छात्रों का अध्ययन में पीएचडी छात्रा, सुश्री डालसी गंगमेई को मार्गदर्शन प्रदान।

नाना एटीन प्रोस्पर को डेपा शोध प्रबंध में शिक्षा, पुनर्वास और कैमरून में शांतिः जाडो बडजीरी में मध्य अफ्रीकी शरणार्थी बच्चों की एक केस अध्ययन में मार्गदर्शन प्रदान।

परामर्श और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

एम.फिल./पी–एच.डी. कार्यक्रम 2016–17, शिक्षा और परिप्रेक्ष्य पर कोर पाठ्यक्रम समन्वित और पढ़ाया

पीजीडेपा और आईडेपा 2016–17, अनिवार्य पाठ्यक्रम पढ़ाया

2016–17 के दौरान विभिन्न समितियों में सदस्य (अनुसंधान सलाहकार समिति, प्रवेश समितियों) न्यूपा

अध्यक्ष, अनुदान सहायता समिति, न्यूपा 2016–17 के रूप में कार्य (जारी)

euh"kk fiz;e

çdk'ku

iqLrd vè;k;

2016: ''पॉलिसी रिफार्म एंड एजुकेशनल डवलपमेंट इन फेडरल कॉटैक्स्टः रिफ्लेक्शंस ऑन एन अनईवन प्रोसेस आफ चेन्ज इन बिहार'', अविनाश कुमार सिंह, संपादित, *एजुकेशन एंड इम्पावरमेंट इन इंडियाः पॉलिसीज एंड प्रैक्टिसेज,* रूटलेज, लंदन एंड न्यूयार्क, 2016 पीपी. 159–178

2017: ''फ्रॉम क्लाइन्ट टू सिटीजन्सः लर्निंग फ्रॉम ब्राजील बोल्सा फैमिलिया प्रोवाइड्स अर्पच्युनिटीज टू दिल्ली'' एन जयराम संपादित *सोशल डायनामिक्स ऑफ द अर्बन,* स्प्रिंगर

2017: *''एजुकेशनल पॉलिसी एंड डवलपमेंट'', इन जॉर्ज डब्ल्यु. नॉब्लिट (संपादित) ऑक्सफोर्ड रिसर्च इंसाइक्लोपेडिया ऑफ एजुकेशन,* न्यूयार्क।

if=dk ys[k

2017: ''पालिटिकल प्रोसेस अन्डर द माइक्रोस्कोपः कम्पेरेटिव इथनोग्राफी एज एन अप्रोच टू अन्डरस्टेंडिंग डेमोक्रेसी एंड इलैक्शंस इन इंडिया'', *नोट्स ऑन मैथड्स, स्टडीज इन इंडियन पॉलिटिक्स,* सेज, वाल्यूम 5, नम्बर 1, नई दिल्ली

lxks"Bh@lEesyuksa esa Hkkxhnkjh

भारत पर्यावास केन्द्र, नई दिल्ली में 'उच्च शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी' का आयोजन, 4–5 मार्च, 2016।

Hkkxhnkjh@vkys[k@0;k[;ku@okrkZ

'पथ निर्भरता, शैक्षिक विकास और केरल मॉडलः विवादस्पद इतिहास विहंगावलोकन', आमंत्रण व्याख्यान, नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली, 13 जून 2017।

''ग्राहकवाद के बीच नागरिकता के लिए गरीब लोगों की राजनीतिः उत्तर प्रदेश और बिहार से तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य, *'इंडिया @ 70 शासन और लोकतांत्रिक चुनौतियां'* पर अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार, के.के. सेंटर क्लेरमॉन्ट एमसी केना कॉलेज 13–15 अप्रैल, 2017

18 मार्च, 2017 'आधार से परिप्रेक्ष्यः 2017 राज्य चुनावों को समझना' आमंत्रित व्याख्यान, शनिवार चर्चा समूह, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली।

16 मार्चः 'शैक्षिक नीति के लिए अग्रदूत के रूप में सार्वजनिक क्षेत्र उद्‌भवः केरल प्रतिरूप को समझना, राष्ट्रीय, शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी, नई दिल्ली, ''सार्वजनिक क्षेत्र एवं शिक्षा संभावनाएं तथा चुनौतियां, मार्च 16–17, 2017

2016%

19 दिसंबरः ''गंडा'' सार्वजनिक दृढ़ताः लोकतांत्रिक राजनीति' दिल्ली के शहरी परिधि में जल आपूर्ति के लिए ''फिक्सर'', 'दिल्ली में बुनियादी शहरी सेवाः नागरिक, राज्य, और राजनीति' पर संगोष्ठी, दिसंबर 19–20, 2016, एशियाई अध्ययन संस्थान, अंतर्राष्ट्रीय लीडेन और उन्नत अध्ययन संस्थान जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित।

9 दिसंबरः 'डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से एकीकृत अधिगम', आमंत्रित व्याख्यान, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली

7 दिसंबरः 'भारत में उच्च शिक्षाः प्रशासन, विनियमन, और स्वायत्तता', आमंत्रित व्याख्यान और प्रस्तुति, सांसदों के समूह, संसदीय अनुसंधान अध्ययन (पीआरएस) संविधान क्लब, नई दिल्ली

25 नवंबर, आमंत्रित व्याख्यान, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशियल साइंस, पटना

24 अक्टूबरः आमंत्रित व्याख्यान टाटा एनर्जी रिसर्च इंस्टीट्यूट/सार्वजनिक नीति विश्लेषण के परिप्रेक्ष्य में कार्यान्वयन अध्ययन'

7 सितम्बरः 'एम.एम. झा स्मारक व्याख्यान, भारत के लिए एक नई शिक्षा नीति के बारे में सोचः कैसे सामान्य स्कूल प्रणाली प्रासंगिक है?', पटना

6 सितम्बर 2016: संसद सदस्यों के विधायी सहायकों के लिए 'शासन, विनियमन, और स्वायत्तताः भारत में उच्च शिक्षाः विशेष आमंत्रित व्याख्यान, पी.आर.एस

23 जूनः स्कूल नेतृत्व पर ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस कार्यशाला; वाराणसी का सनबीम स्कूल समूह, 'पेशे और व्यवसाय के रूप में शैक्षिक नेतृत्व' पर विशेष आमंत्रित व्याख्यान

7 जूनः 'समझना लोकतंत्रः भारतीय राज्यों 2014–16 में उभरते चुनावी मुद्दे' 'पहचान से रुचियों तकः शहरी और ग्रामीण भारत में निर्वाचन बदलाव के मात्रात्मक और गुणात्मक स्पष्टीकरण' अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया, शहरी और ग्रामीण भारत में निर्वाचन बदलाव को समझाते हुये (ई.ई.सी.यू.आर.ई.) सम्मेलन, 7–8 जून 2016 यूरोपीय सामाजिक अनुसंधान परिषद, लंदन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स और राजनीतिक विज्ञान, ब्रिटेन।

'बड़ा एन या छोटा एन?ः एक अनुसंधान रणनीति के रूप में प्रकरण विधि' गुणात्मक अनुसंधान विधि कार्यशाला, डॉ नरेश कुमार, शिक्षा नीति विभाग

'बाधाओं के खिलाफः दंतेवाड़ा में शैक्षिक पहल', शैक्षिक नीति विभाग द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम, डॉ एस.के. मलिक।

शैक्षिक नीति विभाग द्वारा, कार्यक्रमः 'क्रियान्वयन अध्ययन के परिप्रेक्ष्य; सार्वजनिक नीति विशलेषण': डॉ वीरा गुप्ता।

न्याय और विश्वविद्यालय के विचार', रॉल्स और सेन के साथ संलग्नता, न्यूपा पोस्ट ग्रेजुएट प्रमुखों और शिक्षण अधिगम क्षमता विकास तथा प्रशिक्षण हेतु संकायाध्यक्षों की कार्यशाला, उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, न्यूपा–पटना, 8–10 दिसंबर 2014

उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, 'भारत में उच्च शिक्षाः संस्थान और रोजगार', प्रशिक्षण कार्यक्रम, जबलपुर, प्रोफेसर कौसर विजारत, नवंबर 2014

ijke'k vkj lkoZtfud fudk;ksa dks fy, vdknfed lgk;rk

एम.फिल. कार्यक्रमः पाठ्यक्रम सं. सीसी–4: शैक्षिक नीति'

डिप्लोमा कार्यक्रमः स्कूल लीडरशिप–यूनिट–4, रूपांतरण को समझना

, l-d- efyd

çdk'ku

''रोल ऑफ स्कूल मेंनेजमेंट कमिटी इन क्वालिटी स्कूल एजुकेशन – इश्यूज, चैलेंजेज एंड प्रोसपैक्ट्स'' पत्र में सह–लेखक नेशनल कांफ्रेंस ऑन 'क्वालिटी स्कूल एजुकेशन' इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली (ए.के. सिंह एंड एस.के. मलिक)।

lxk"Bh@lEeyuk e Hkkxhnkjh

'प्राथमिक स्तर पर वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों की शिक्षाः नीति मुद्दे और हस्तक्षेप' पर अभिविन्यास कार्यक्रम, न्यूपा, नई दिल्लीः 19–24 सितंबर, 2016।

'स्थानीय प्राधिकरण और स्वायत्त परिषद, पूर्वोत्तर राज्यों में प्राथमिक शिक्षा के प्रबंधन में कार्यकरण' पर आयोजित अभिविन्यास कार्यशाला, होटल राजधानी रीजेंसी, गुवाहाटीः मार्च 14–18, 2016।

'आरटीई के तहत स्कूल प्रबंधन समितियों के सुदृढ़ीकरण के लिए फ्रेमवर्क पर अभिविन्यास कार्यशाला (प्रो. ए.के. सिंह के साथ) 20–25 मार्च, 2017 आईएसईसी, बेंगलुरू।

Hkkxhnkjh@vkys[k@0;k[;ku@okrk

'युवा सशक्तिकरण और स्वदेशी ज्ञान प्रणाली' नीति परिप्रेक्ष्य में स्वामी विवेकानंद के शैक्षिक विचार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी, न्यूपा, नई दिल्ली, 12 जनवरी, 2017।

स्कूल मानक और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रमः शाला सिद्धि पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक में भाग लिया, भारत पर्यावास केन्द्र, नई दिल्ली, 06–07 फरवरी, 2017।

उच्च शिक्षा में वित्त पोषण में नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भारत पर्यावास केन्द्र, नई दिल्ली, 16–17 फरवरी, 2017।

उच्च शिक्षा में विविधता और भेदभाव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी न्यूपा, नई दिल्ली, फरवरी 27–28, 2017।

भारत में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के साथ संबंधः एक विचार और इसके अभ्यास के रूप में स्वायत्तता पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया, (न्यूपा, नई दिल्ली, 9–10 मार्च, 2017।

शिक्षा के लिए संभावनाएं और चुनौतियां 'सार्वजनिक क्षेत्र और शिक्षा' दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। न्यूपा, नई दिल्ली, 16–17 मार्च, 2017।

i;o{k.k vkj ekxn'ku

'उजबेकिस्तान में शिक्षा प्रणाली के सुधार में सिविल सोसायटी संस्थाओं की भूमिका' विषय पर डेपा प्रतिभागी को मार्गदर्शन।

विषय 'सामुदायिक भागीदारी' पीजीडेपा भागीदार को मार्गदर्शन असम के धेमाजी जिले के तहत मुरकोंगसेलेक ब्लॉक में प्राथमिक स्कूल – कामकाज में एसएमसी की भूमिका के संदर्भ में एक केस अध्ययन

परामर्श और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

एम.फिल./पी–एच.डी. में शिक्षण वैकल्पिक पाठ्यक्रम सं.–05 (सामुदायिक भागीदारी और शिक्षा के क्षेत्र में स्थानीय प्रशासन

प्रशिक्षण कार्यक्रम और अनुसंधान समूह के सदस्य

एम.फिल./पी–एच.डी. के सदस्य कोर्स

एम.फिल./पी–एच.डी. के लिए प्रवेश जांच समिति के सदस्य

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन के जर्नल में संपादकीय समर्थन (न्यूपा जर्नल)

प्रशिक्षण सामग्री विकसित/विकसित

परियोजना कार्य के लिए ग्रंथ सूची/संदर्भ कैसे तैयार करने के लिए?

uj'k dekj

çdk'ku

iLrd

2016: न्यूपा के 10 साल 2006–16. न्यूपाः नई दिल्ली

l xk"Bh@lEeyu@dk;'kkykvk e Hkkxhnkjh okrkyki

'जनांकिकीय संक्रमणः यह एक वरदान या भारत के विकास के लिए बने है?' पर वार्तालाप। 05 अप्रैल 2016 डॉ जयन जोस थॉमस, आईआईटी दिल्ली से।

'शिक्षण और अधिगम की छात्रवृत्ति में बेहतरीन अवधारणाओं की तलाश' पर वार्तालाप, प्रोफेसर एंड्रिया वेब, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, 25 अप्रैल, 2016।

के. अशोक राव, द्वारा 'मध्यान्ह भोजन योजना की व्यापक समीक्षा और हस्तक्षेपः एसएसएमआई और मानव संसाधन विकास मंत्रालय का एक अध्ययन पर वार्तालाप। स्वामी शिवानंद स्मारक संस्थान (एसएसएमआई), 11 मई, 2016

प्रो. ईश्वर भारद्वाज द्वारा 'तनाव मुक्त और स्वस्थ के लिए योग' पर वार्तालाप। मानव चेतना और योग विज्ञान विभाग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, 11 जून, 2016।

डॉ फ्रांसिस्को मारमोलेजो विश्व बैंक द्वारा 'उच्च शिक्षा नीति में वैश्विक रुझान' पर वार्तालाप। 01 सितम्बर, 2016

डॉ गुंजन सोंधी, रिसर्च एसोसिएट द्वारा 'लैंगिक और शैक्षणिक गतिशीलताः अनपैकिंग नॉलेज हब पर वार्तालाप। भूगोल विभाग, मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन, 30 नवंबर, 2016

'युवाओं में रोजगार कौशल को बढ़ाना' प्रों शैली किनाश, निदेशक अध्ययन और अध्यापन, उच्च शिक्षा के एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा वार्तालाप। बॉण्ड विश्वविद्यालय, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया, 21 नवंबर, 2016।

'शिक्षा जो बहुसांस्कृतिक है' सिटी कॉलेज, न्यूयॉर्क (संयुक्त राज्य) के टीम के साथ वार्तालाप सह चर्चा 04 जनवरी, 2017

'उच्च शिक्षा और सार्वजनिक सामान' प्रो. साइमन मॉग्रेंशन, इंटरनेशनल उच्च शिक्षा (यूसीएल इंस्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन) और निदेशक ईएसआरसी/एचईएफसीईई के प्रोफेसर द्वारा वार्तालाप (ग्लोबल सेंटर फॉर ग्लोबल हायर एजुकेशन)। 09 जनवरी, 2017

'विश्वविद्यालय के संस्थागत रचना का विकासः एडम स्मिथ, विल्हेम वॉन हम्बोल्ट और चार्ल्स इलियट' हाइन्ज–डीटर मेयेर सह–प्रोफेसर, शिक्षा शासन और नीति, स्टेट युनिवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क (सनी) अल्बानी, द्वारा वार्तालाप। 13 जनवरी, 2017

डॉ अहमद मुस्ताक रजा चौधरी, उपाध्यक्ष, बीआरएसी, बांग्लादेश द्वारा 'एमडीजी से एसडीजी युग में बांग्लादेश में शिक्षा' पर वार्तालाप। 19 जनवरी, 2017

डॉ जोहानिस अर्पेलैनेन, कोलंबिया विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा, 'ग्रामीण विद्युतीकरण में जाति पूर्वाग्रह सार्वजनिक नीति में भेदभाव के अध्ययन के लिए तरीके' पर वार्तालाप। 16 जनवरी, 2017।

'कौन तय करता है कि विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय क्या है' डॉ मिशेल ढेर, शैक्षिक अध्ययन विभाग, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा वार्तालाप। 01 फरवरी, 2017

'अजीब स्थानों में उद्यमः 21वीं सदी के लिए स्नातक तैयार करना' पर प्रो रे भूमि, उच्च शिक्षा विभाग, डरहम विश्वविद्यालय, शैक्षणिक अभ्यास के लिए डरहम के केंद्र के निदेशक द्वारा वार्तालाप। 01 मार्च, 2017

'बजवर्ड युनिवर्सिटी–इंडस्ट्री इंटरफेस के माध्यम से खोज'ः 'उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए चुनौतियां और संभावनाए' डॉ राजीव दुबे, समाजशास्त्र विभाग, त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा द्वारा वार्तालाप। 14 मार्च 2017

dk;'kkyk

शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान पद्धति का आयोजन, दो सप्ताह कार्यशाला। 17–28 अक्टूबर, 2017

l xk"Bh

'शैक्षिक नीति के लिए संभावनाएं और चुनौतियांः सार्वजनिक क्षेत्र और शिक्षा' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन। मार्च 16–17 मार्च 2017

Hkkxhnkjh@vkys[k@0;k[;ku@okrkZ

आलेख शीर्षक 'क्या स्कूली शिक्षा असमान बनाता है? संस्थागत मॉडलिंग और सामाजिक विश्वास' राज्य, समाज और अर्थव्यवस्था पर डॉ बी.आर. अंबेडकर का परिप्रेक्ष्य पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में उसकी दृष्टि, रिविजिटिंग और मिशन' एचएसयू, हैदराबाद द्वारा आयोजित। 23 फरवरी, 2017

संसाधन व्यक्ति, योजना और निगरानी प्रभाग, एनसीईआरटी द्वारा आयोजित 'भारत के उत्तरी राज्यों में नो–डिटेंशन पॉलिसी का एक अध्ययन' दो दिवसीय कार्यशाला। 19–20 दिसंबर, 2016।

'सामाजिक विविधता, बहिष्कार और उच्च शिक्षाः शैक्षणिक कार्यों की तहकीकात' राष्ट्रीय संगोष्ठी में सी.पी.आर.एच.ई., न्यूपा द्वारा आयोजित आलेख प्रस्तुतीकरण के लिए आमंत्रित। 27 फरवरी, 2017

कला और सामाजिक विज्ञान के स्कूल, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब में 'भारत में निजी स्कूल' पर एक विशेष व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित। 23 मार्च, 2017

'नीति परिप्रेक्ष्य और परिधी' शिक्षा कौशल और डिजिटलीकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2016 (ड्राफ्ट), स्कूल एजुकेशनल स्टडीज, डॉ हरीसिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर (मध्य प्रदेश) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में एक सत्र की अध्यक्षता के लिए आमंत्रित। 29–30 मार्च, 2017

नई शिक्षा नीति की ओरः कार्य प्रणाली पर टिप्पणी शिक्षा कौशल और डिजिटलीकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2016 (ड्राफ्ट) के लिए मुद्दे। स्कूल एजुकेशनल स्टडीज, डॉ हरीसिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर (मध्य प्रदेश) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में व्याख्यान के लिए आमंत्रित। 29–30 मार्च, 2017

i;Zos{k.k vkSj ekxZn'kZu

2016–17– पीजीडेपा शोध प्रबंध पर्यवेक्षण पर 'छत्तीसगढ़ में एससीईआरटीः स्थिति और चुनौती (छात्र–ज्ञान प्रकाश द्विवेदी)

2016–17– एमफिल शोध प्रबंध पर्यवेक्षण, 'उच्च शिक्षा में भेदभाव अर्थ और व्यवहार को समझना' (छात्र– बगेश कुमार)

2016– विश्वविद्यालय शिक्षण और शोध' (एम.फिल छात्रों द्वारा प्रस्तुत) सीसी–5 समूह परियोजना के कार्य का पर्यवेक्षण।

परामर्थ और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

f'k{k.k ,oa l=

एम.फिल. अनिवार्य पाठ्यक्रम 'अनुसंधान क्रियाविधि–द्वितीय' (सीसी–5) सिखाया

सिखाया आईडेपा अनिवार्य पाठ्यक्रम (कोर्स सं.202) 'शिक्षा और विकासः एक अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य।

lkoZtfud fudk;ksa dks fy, leFkZu

लक्षद्वीप, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान, राज्यों के लिए वार्षिक योजना एवं बजट के अनुमोदन के लिए पीएबी–एमडीएम की एक दिवसीय बैठक में भागीदारी। 08 अप्रैल, 2016।

लक्षद्वीप, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान, राज्यों के लिए शिक्षक शिक्षा मूल्यांकन बोर्ड (टीईएबी) की 8वीं बैठक में भागीदारी, 08 अप्रैल, 2016।

चंडीगढ़, नगालैंड, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल, राज्यों के लिए वार्षिक योजना एवं बजट के अनुमोदन के लिए पीएबी–एमडीएम बैठक में भागीदारी, 12 अप्रैल, 2016।

चंडीगढ़, नागालैंड, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल, राज्यों के लिए वार्षिक योजना एवं बजट के अनुमोदन के लिए टीईएबी बैठक में भागीदारी, 12 अप्रैल 2016।

आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मेघालय, राज्यों के लिए वार्षिक योजना एवं बजट के अनुमोदन के लिए पीएबी–एमडीएम बैठक में भागीदारी 21 अप्रैल, 2016

आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मेघालय, राज्यों के लिए वार्षिक योजना एवं बजट के अनुमोदन के लिए टीईएबी बैठक में भागीदारी, अप्रैल 21 अप्रैल, 2016।

बिहार, पंजाब और उत्तराखंड, राज्यों के लिए वार्षिक योजना एवं बजट के अनुमोदन के लिए पीएबी–एमडीएम बैठक में भागीदारी, 29 अप्रैल, 2016।

ओडिशा राज्य के लिए वार्षिक योजना एवं बजट के अनुमोदन के लिए पीएबी–एमडीएम बैठक में भागीदारी, 04 मई, 2016।

सदस्य, प्रवेश समिति अधिसूचना सं. एफ.11–21/2013–14/एए/एसकॉम के अनुसार। 04–05 मई, 2016

सदस्य प्रवेश समिति अधिसूचना सं. एफ.11–21/2013–14/एए/एसकॉम के अनुसार। 05 मई, 2016।

राष्ट्रीय संचालन–सह–निगरानी समिति (एनएसएमसी), की 10वीं बैठक, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, 22 जून, 2016

एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रमों 2016–17 में प्रवेश के लिए प्राप्त आवेदनों की जांच। 31 मई, 2016

एम.फिल और पी–एच.डी. कार्यक्रमों 2017–18 के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा की लिखित टेस्ट स्क्रिप्ट का मूल्यांकन और अन्वीक्षण। 25 जून, 2016

एम.फिल./पी–एच.डी. छात्रों के प्रवेश और मूल प्रमाण पत्रों का संग्रह। 11 जुलाई, 2016

स्कूल एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

uhye lin

lxk"Bh@lEeyu@dk;'kkykvk e Hkkxhnkjh

18 अप्रैल, 2016 को वायएमसीए, नई दिल्ली में: एडवोकेसी के लिए एजेंडा तय करना राष्ट्रीय कार्यशाला' में भाग लिया।

बाल विवाह को कम करने पर अनुसंधान प्रसार कार्यशाला। चिल्ड्रेन इनवेस्टमेंट फंड फाउंडेशन, इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिसर्च ऑन वुमन एंड इंस्टीटयूट और फिस्कल स्टडीज एंड यंग लाइव्स द्वारा आयोजित 24 मई, 2016

विज्ञान भवन में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित नेशनल एकेडमिक डिपोजिटरी पर जागरूकता के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन, 9 सितंबर, 2016

एसडीजी की प्राप्ति में पंचायती राज संस्थाओं के प्रभावी भागीदारी पंचायती राज मंत्रालय द्वारा आयोजित, राष्ट्रीय परामर्श, 3 अक्टूबर, 2016

कोलकाता में आयोजित भारत में स्कूल शिक्षा बोर्ड परिषद (कोबसे) का पैंतालिसवां वार्षिक सम्मेलन 3–5 नवंबर, 2016

विकेंद्रीकरण मुद्दों पर सत्रः स्कूल ईसीसीई की नीति और अभ्यास के क्षेत्र के अनुभवों पर कार्यशाला 8 नवम्बर, 2016

संसाधन व्यक्ति, स्कूल मानकों और मूल्यांकन, पर राज्य स्तरीय कार्यशाला, केरल, 29 नवम्बर, 2016

न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित स्कूल मानक और मूल्यांकन, पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक में भागीदारी 6 फरवरी, 2017।

शैक्षिक प्रशासन, में नवाचारों पर राष्ट्रीय सम्मेलन महाराष्ट्र और उत्तराखंड की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करने के लिए सत्र–5 के लिए सह–अध्यक्ष। 5–7 मार्च, 2017

ijke'k vkj lkoltfud fudk;k d fy, vdknfed lgk;rk

बोत्सवाना में विकलांगता वाले बच्चों के लिए समावेशी बचपन देखभाल अभ्यासों के मूल्यांकन के लिए किए गए डॉक्टरेट कार्य जुलाई, 2016

नेपाल में आयोजित होने वाले कोबसे की 45वीं वार्षिक सम्मेलन के लिए एजेंडा पर चर्चा के लिए सार्क देशों में इंटर बोर्ड सहयोग के लिए क्षेत्रों की खोज विषय पर 2 जून, 2016 को आयोजित कोबसे की कार्यकारी समिति की बैठक

बचपन शिक्षा पर केंद्र के अध्ययन समिति की बैठक। जामिया मिलिया इस्लामिया, 29 जून, 2016।

सदस्य, एसीसी–01 और सीएनसीसी–02, के दस्तावेज़ों के लिए एसओसीई और इग्नू के बाल विकास पर मॉडरेशन कमेटी की बैठक। 23 अगस्त, वर्श 2016

स्कोप, इग्नू, के स्कूल बोर्ड की चौवनवीं बैठक 19 अप्रैल, 2016 को आयोजित

सदस्य, वरिष्ठ सलाहकार के पद के लिए चयन समिति (समावेशी शिक्षा) एडसिल में सर्व शिक्षा अभियान आरएमएसए और सलाहकार (आईई) 5 सितंबर, 2016 और 31 मई, 2016

कोलकाता में आयोजित भारत में स्कूल शिक्षा बोर्ड की परिषद की कार्यकारी समिति (कोबसे) की बैठक। 2 नवंबर, 2016

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा आयोजित स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा और सुरक्षा दिशानिर्देश बैठक 10 मई, 2016

आलेख एसीसी–1, डीईसीई–1 और सीएनसीसी इग्नू में 23 अगस्त, 28 अक्टूबर 2016 और 31 मार्च, 2017

f'k{k.k@'k{kf.kd ;kxnku

v- Vhe f'k{k.k vkj eY;kdu%

कोर पाठ्यक्रम सीसी–03ः शोध कार्यप्रणाली और सांख्यिकी (यूनिट) एम.फिल./पी–एच.डी. कार्यक्रम

पाठ्यक्रम संख्या 905 परियोजना का काम और शैक्षिक योजना एवं प्रशासन पर पीजी डिप्लोमा में लेखन (पीजीडेपा)

c- M,DVjV dk;l dk i;lo{k.k%

दिल्ली विश्वविद्यालय में चिकित्सा शिक्षा के छात्रों की भागीदारीः एक लिंग–आधारित विश्लेषण, पर प्रस्तुत। 9 दिसंबर, 2016

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शीघ्र हस्तक्षेपः सेवा प्रदाता की भूमिका (जारी) सितंबर, 2016 में अंतिम सबमिशन, डिग्री से सम्मानित 10 नवम्बर, 2016।

l- Ldy yhMjf'ki ij ihth fMIykek e vu lekku ifj;ktuk dk;l dk eY;kdu

छात्र नेतृत्वः कक्षा लेन–देन में छात्र आवाजें, मौखिक परीक्षा/प्रस्तुति 8 जून 2016।

U;ik@ckgj d vU; dk;l

24 मई, 2016 को आयोजित शैक्षणिक परिषद की बैठक।

पर्यवेक्षक, न्यूपा एम.फिल./पी–एच.डी. में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा। 25 जून, 2016

सदस्य, 4 जुलाई, 2016 को न्यूपा में अनुभाग अधिकारी और लेखाकार के पद के लिए चयन समिति

11 जुलाई, 2016 को न्यूपा में पीजीडेपा 2016–17 के टास्क फोर्स की बैठक

30 जून, वर्ष 2016 और 23 अगस्त, 2016 को डॉक्टरेट विद्वानों के संगठित पूर्व प्रस्तुत संगोष्ठी

एम.फिल. की मौखिक परीक्षाओं का आयोजन और संचालन 19, 21 और 27 जुलाई, 2016; 3, 4, 9 अगस्त 2016; 6, 16, 23 और 30 जून, 2016; 29 अगस्त, 2016; 9 और 16 सितंबर, 2016

सदस्य, न्यूपा में महिला चिकित्सा अधिकारी के लिए, साक्षात्कार 29 सितंबर, 2016 को आयोजित चयन समिति

अध्यक्ष, आंतरिक शिकायत समिति, 26 जुलाई, 2016 को बैठकों के रूप में एक जांच का आयोजन किया और मानव संसाधन विकास मंत्रालय को रिपोर्ट प्रस्तुत की।

5 जुलाई, 2016; 8 दिसंबर, 2016 और 3 फरवरी 2017 पर एससीईआरटी की कार्यकारी समिति, की बैठक, दिल्ली।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में एमडीएम, सर्व शिक्षा अभियान और आरएमएसए पर परियोजना मंजूरी बोर्ड की बैठक

15 फरवरी 2017 को शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में शासी परिषद की बैठक

'दिल्ली विश्वविद्यालय में चिकित्सा शिक्षा में छात्रों की भागीदारी पर कार्य करने वाले अपने स्वयं के डॉक्टरेट छात्र की पूर्व संगोष्ठीः एक लिंग आधारित विश्लेषण'। न्यूपा, 10 जून, 2016

'सेवा प्रदाता की भूमिका विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चे के लिए शीघ्र हस्तक्षेप' अपने डॉक्टरेट छात्र की मौखिक परीक्षा पर काम किया, 26 अगस्त, 2016

24 मई, 2016 को शैक्षणिक परिषद न्यूपा की बैठक

U;ik ij lfefr;ka esa Hkkxhnkjh

सदस्य, एम.फिल./पी–एच.डी. संबंधी स्थायी सलाहकार समिति। कार्यक्रम बैठकें मई 5/11 पर 2016; 3 नवंबर, 2016 और 13 दिसम्बर, 2016; 10 मार्च, 2017

सदस्य, 'यूजीसी पोस्ट डॉक्टोरल फैलोशिप' के मूल्यांकन पर समिति, की बैठकें। 28 जुलाई, 2016 4 अगस्त, 2016; 27 अक्टूबर, 2016

अध्यक्ष के रूप में, परीक्षा समिति, दिशा–निर्देशों की समीक्षायें अधिसूचना के लिए परिणाम के समेकन

अध्यक्ष, हाउस आबंटन समिति, 11 मई, 2016, 13 दिसम्बर, 2016 को बैठक

सदस्य, राष्ट्रीय सलाहकार समूह, एनसीएसएल बैठक, 28 मार्च, 2017

सदस्य, अनुदान सहायता समिति, बैठकें 27 अक्टूबर, 2016; 5 फरवरी 2017 और 29 मार्च, 2017

ç[;kr fudk;ksa esa lnL;rk

सदस्य, एशिया–पैसिफिक रीजनल नेटवर्क इन अर्ली चाइल्डहुड

सदस्य, ईसीडी के अधिकार के लिए गठबंधन

सदस्य, हाल की शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक षोध' जर्नल के लिए संपादकीय बोर्ड

सदस्य, कोबसे (भारत में स्कूल शिक्षा बोर्ड की परिषद) की कार्यकारी परिषद।

सदस्य, अध्ययन समिति – प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा केन्द्र जामिया मिलिया इस्लामिया

eèkfe rk c|kikè;k;

çdk'ku

पुस्तक में अध्यायः

''अचीविंग द गोल्स ऑफ यूनिर्वस्लाइजेशन ऑफ एलिमेंट्री एजुकेशन थ्रू इन्टर–सैक्टोरल कन्वरजेंस''

अजीत मंडल द्वारा संपादित पुस्तक में अध्याय *पिवोटल इश्यू इन इंडियन एजुकेशन,* कल्ज पब्लिकेशंस, 2017, आईएसबीएनः 978–93–512–8259–4

''अचीविंग एंड इक्विटी इन एलिमेंट्री एजुकेशन इन इंडियाः पॉलिसी एंड प्रैक्टिसेज'' दीपा इदनानी द्वारा संपादित पुस्तक में अध्याय *राइट टू एजुकेशन एंड स्कूलिंग,* रावत पब्लिकेशंस, जयपुर, इंडिया, 2017, आईएसबीएनः 978–81–316–0839–5

'kksèk i=@çdkf'kr y[k

प्रजेंट स्टेटस ऑफ इन्फ्रास्ट्रक्चर फैसिलिटी इन स्कूल्स इन इंडियाः फ्रॉम नेशनल एंड स्टेट लेवल पर्सपैक्टिव, यू–डाईस में उपलब्ध न्यूपा वेबसाइट http://udise.in/Downloads/Paper_on_Physcial_Facilities_(Draft_prepared_for_CABE)_-_Report.pdf, 2016

अचीविंग मिलेनियम डवलपमेंट गोल (एमडीजी)ः एलिमेंट्री एजुकेशन फ्रॉम जेण्डर पर्सपैक्टिव इन इंडिया इन एंट्रीप न्यूजलेटर ऑन एजुकेशन ऑफ मार्जिनालाइज्ड ग्रुप्सः पॉलिसी, प्रोग्राम्स एंड चैंलेजेज, वाल्यूम 19 नं. 2, जुलाई–दिसम्बर 2013, वाल्यूम 21 नं. 2 जुलाई–दिसम्बर 2015, पीः 20

बुक रिव्यू फॉर जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा) वाल्यूम 30, नं. 1, जनवरी 2016 पीपी. 73ः *'फिक्सिंग द ब्रोकन प्रोमिज ऑफ एजुकेशनल फॉर ऑलः फाइंडिंग फ्रॉम द ग्लोबल इनिशियेटिव ऑन आपट–ऑफ–स्कूल चिल्ड्रेन,* बाई बैल, शिना, ह्यूबलर, फ्रीड्रिच, मोटीवन्स, अलबर्ट, हटोरी, हिरोयुकी, वॉल्थम, मॉर्क एंड हॉक, एन्जेला (2015), यूनिसेफ एंड यूनेस्को, इंस्टीट्यूट फॉर स्टेटिस्टिक, कनाडा आईएसबीएनः 978–92–9189–161–0

l×xks"Bh@lEesyu esa Hkkxhnkjh

l×xks"Bh@Hkkjr esa lEesyu

प्रवासन गतिशीलता और शिक्षाः प्रवासन और प्रवासी भारतीयों के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का एक केस अध्ययन 'उभरती विविधता और विकास चुनौतियां' पर आलेख प्रस्तुत, इग्नू, नई दिल्ली, 22–23 मार्च, 2017।

परिणाम के आधार प्रबंधन (आरबीएम) के लिए निगरानी और मूल्यांकन पर तीन दिन का कार्यक्रम में भाग लिया। राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद कॉन्फ्रेंस हॉल, नई दिल्ली, 22–23 फरवरी, 2017।

सेंटर फॉर रिसर्च इन रूरल एंड इन्डस्ट्रीयल डवलपमेंट (सीआरआरआईडी), चंडीगढ़ के वार्षिक सम्मेलन 'भारत में माध्यमिक शिक्षा मात्रा, गुणवत्ता और समानता' पर आलेख प्रस्तुत। 9–10 दिसंबर, 2016

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन 2016 'मुद्दे, प्रवृत्ति और चुनौतियां शिक्षकों और भारत में शिक्षक शिक्षा' पर आलेख प्रस्तुत। शिक्षा के संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, द्वारा आयोजित 7–8 दिसंबर 2016

fons'k esa vrjk"Vªh; dk;Øe

सन फैलोशिप और सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी (सीईयू), बुडापेस्ट, हंगरी, में शिक्षा के अभिनव फाइनेंसिंग पर समर यूनिवर्सिटी कोर्स में भाग लिया 25–29 जून, 2016।

ijke'kZ vkSj lkoZtfud fudk;ksa dks fy, vdknfed lgk;rk

सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए पथ निर्माण, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली 20 दिसंबर, 2015, 14 जून, 2016 तक राष्ट्रीय स्तर उप समिति बैठकों की एक केब श्रृंखला में भाग लिया।

20 अप्रैल, 2016 को एनएसी की आरटीई, न्यूपा, नई दिल्ली, उप–समिति के लिए बैठक के सदस्य

प्री–स्कूल शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा के लिए आरटीई अधिनियम, 2009 का विस्तार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, के उप समिति बैठक में भाग लिया। 12 मई, 2016

माध्यमिक शिक्षा और प्री–स्कूल शिक्षा के लिए आरटीई अधिनियम, 2009 का विस्तार पर केब की राष्ट्रीय स्तर उप समिति बैठक, में भाग लिया मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली 19 अक्टूबर, 2016

लड़कियों की शिक्षा, केब की उप–समिति की बैठक मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, 18 मार्च, 2017 ।

dc mi&lfefr;k d fy, vky[k e ;kxnku fd;kA

'भारत में स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के वर्तमान स्थिति राष्ट्रीय और राज्य स्तर के दृष्टिकोण', सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए पथ निर्माण पर केब उप समिति के लिए आलेख प्रस्तुत। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली

माध्यमिक और पूर्व प्राथमिक शिक्षा में आरटीई का विस्तार के लिए 'वर्तमान स्थिति और भविष्य की चुनौतियां भारत में माध्यमिक शिक्षा' पर संकल्पना आलेख पर केब उप–समिति, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, 2016 में नई दिल्ली

çf'k{k.k dk vk;ktu fd;k vkj lkexh fodflr

प्राथमिक स्तर पर स्कूल प्रबंधन के विकेंद्रीकरण, के क्षेत्र अनुभव पर कार्यशाला का आयोजन किया और पीपीटी की प्रस्तुति। न्यूपा, नई दिल्ली, 7–11 नवंबर, 2016

विकेंद्रीकरण की नीति और आचरणः अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय अनुभव

स्कूल शिक्षा में माता–पिता की भागीदारी

अनुसंधान के माध्यम से विकेंद्रीकरण को बढ़ावा देनाः बराबर का उदाहरण

भारत में प्राथमिक स्कूल, में बच्चों की भागीदारी में सुधार पर कार्यशाला का आयोजन किया और पीपीटी प्रस्तुत किया। न्यूपा, नई दिल्ली, 14–16 दिसंबर, 2016

भागीदारी कार्रवाई अनुसंधान परियोजना की यात्रा का अवलोकनः संक्षिप्त शोध रिपोर्ट की साझेदारी

dk;Øe ij çdk'k Mkyk

'भारत में शिक्षा प्रणाली' पर एक चर्चा बैठक का आयोजन किया और भारत के स्कूल शिक्षा पर प्रस्तुतिकरण दिया विभिन्न विश्वविद्यालयों, संयुक्त राज्य अमेरिका से आगंतुकों के लिए, 4 नवंबर, 2016 (प्रो ए.के. सिंह के साथ संयुक्त रूप से)

संयुक्त राज्य अमेरिका के छात्रों के लिए भारत में शिक्षा नीति पर बैठक, समन्वित चर्चा, विदेश में अध्ययन कार्यक्रम, सीसीएनवाई, 4 जनवरी 2017

U;ik d ckgj ç[;kr fudk;k dh lnL;rk

एएसपीआईआरई भारत, दिल्ली की सदस्यता आधारित गैर सरकारी संगठन दिल्ली, झारखंड और उड़ीसा में स्कूली शिक्षा के लिए कार्य

vU; ykx

एंट्रीप के लिए न्यूपा का केन्द्र बिन्दु एंट्रीप न्यूजलेटर के संपादक

मौजूदा नीति और व्यवहार, एंट्रीप न्यूजलेटर स्कूल शिक्षा में लैंगिक मुद्दों पर एंट्रीप न्यूजलेटर संपादित। वॉल्यूमः 22 नंबर 2 जुलाई–दिसंबर, 2016, न्यूपा, नई दिल्ली।

पीजीडेपा पाठ्यक्रम 902 के लिये कक्षाएं,

एम.फिल. कोर्स कार्य (शोध कार्यप्रणाली) के लिये समन्वय और कक्षा, पाठ्यक्रम सं. सी.सी.–5

भारत में प्राथमिक स्कूल में बच्चों की भागीदारी में सुधार के लिए भागीदारी कार्रवाई अनुसंधान पर एक न्यूपा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना का आयोजन (छह चयनित राज्यों में)

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

l|ekk'k| Hk"k.k

çdk'ku

भूषण सुधांशु एवं अंकिता वर्मा, 2017, क्वालिटी एश्युरेंस इन हायर एजुकेशन – एन इंडियन एक्सपीरियेंस इन एडी. मशूद शाह एंड क्येन डू द राइज ऑफ क्वालिटी एश्युरेंस इन एशियन हायर एजुकेशन, एल्सेवियर

भूषण सुधांशु एडी. 2017 अ स्पेशियल इश्यू ऑन हायर एजुकेशन पॉलिसी, युनिवर्सिटी न्यूज, जनवरी, 2017, एआईयू नई दिल्ली, इसी खंड में अन्य लेख– 1. युनिवर्सिटी एंड कम्युनिटी पार्टनरशिप, 2. इम्प्रूविंग द क्वालिटी ऑफ रेगुलेशन, 3. डवलपिंग द बैस्ट टीचर्स, 4. गर्वनेंस रिफॉर्म्स फॉर क्वालिटी, 5. रेंकिंग एंड एक्रेडेशन इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट (अंकिता वर्मा के साथ)

भूषण सुधांशु एडी. 2016, एजुकेशन इक्विटी एंड डवलपमेंट, एडी. मौसमी दास, सव्यसांची कर, नंदन नवन, इकोनोमिक चैलेंजेज फॉर द कन्टम्परेरी वर्ल्डः एस्से इन ऑनर ऑफ प्रभात पटनायक, सेज, दिल्ली

भूषण सुधांशु एडी. 2016, टीचिंग लर्निंग सेंटर इन इंडिया, एडी. जेम्स अर्वानिताकिस, सुधांशु भूषण, नयनतारा पोथन, आरती श्रीवास्तव, द फ्यूचर ऑफ हायर एजुकेशन लर्निंग एंड टीचिंगः इंडियन एंड ऑस्ट्रेलियन क्रॉस कल्चर कोलाबोरेशन, पांडुलिपि को अंतिम रूप दिया गया और यू.जी.सी., मा.सं.वि. मंत्रालय को सौपा।

भूषण सुधांशु एडी. 2016, चैलेंजेज ऑफ हायर एजुकेशन पॉलिसीः अकाउंटेबिलिटी वर्सेज कैपाबिलिटी इन गोयल ओमिता, एजुकेशन एट द क्रॉस रोड, आईआईसी क्वार्टली, आईआईसी, दिल्ली

भूषण सुधांशु एडी. 2017 प्राइवेटाइजेशन एंड अर्फोडेबिलिटी इन हायर एजुकेशन इन ''डवलपिंग ए क्रेडिट मार्केट फॉर फाइनेंसिंग हायर एजुकेशन सैक्टर'' येस इंस्टीट्यूट, 2017

भूषण सुधांशु एडी. 2017, ''इमरजिंग इंफ्रास्ट्रक्चर इंटरफेस ऑफ सोशल साइंस एंड पब्लिक पॉलिसी इन इंडिया'' ''इमरजिंग इंटरफेसेस ऑफ सोशल साइंस एंड पब्लिक पॉलिसी इन इंडिया'' खंड में, एन.पी. चौबे एंड के.के. चक्रवर्ती, द्वारा संपादित,आईएएसएस, इलाहाबाद।

vu|lekku nLrkost@vkys[k@fVIi.kh

एलएस कॉलेज, मुजफ्फरपुर में 30 मई, 2016 को ''उच्च शिक्षा में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया'' पर एक आलेख प्रस्तुत किया

4 अगस्त, 2016 को ''उच्च शिक्षा वित्त पोषण क्षेत्र के लिए एक क्रेडिट बाजार का विकास' राष्ट्रीय संगोष्ठी में निजीकरण और उच्च शिक्षा में सामर्थ्य पर एक आलेख प्रस्तुत किया, आईआईसी।

सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में स्वायत्तता के मुद्दे पर एक कार्यशाला का आयोजन। कार्यशाला का शीर्षक था, ''भारत में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के साथ कार्यः स्वायत्तता एक विचार के रूप और इसका अभ्यास''

16–17 मार्च, 2017 के दौरान न्यूपा में ''शैक्षिक नीति के लिए चुनौतियां और संभावनाएंः सार्वजनिक क्षेत्र और शिक्षा'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 'नीति का आधार' 'सार्वजनिक तर्क' पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

23–24 मार्च, 2017 उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, न्यूपा पटना विश्वविद्यालय के अभिशासन पर एक आलेखः ''मुद्दे और चुनौतियां विश्वविद्यालयों के अभिशासन'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया।

''विश्वविद्यालय शिक्षा'' पर आलेखः नई नीति दिया का गठन, भारतीय ग्रामीण एवं औद्योगिक विकास अनुसंधान केंद्र (सीआरआरआईडी), चंडीगढ़ 9–10 दिसंबर, 2016 के दौरान आयोजित, सामाजिक विज्ञान संस्थानों के एसोसिएशन (आईएएसएसआई) का 17वां वार्षिक सम्मेलन।

28–30 जुलाई, 2016 के दौरान रांची में ''अवसर और चुनौतियांः झारखंड में समावेशी और सतत विकास'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''झारखंड में उच्च शिक्षा'' पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

''शिक्षा की गुणवत्ता'' की समस्याएं और मुद्देः बिहार के संदर्भ में सामाजिक अध्ययन पर एक आलेख प्रस्तुत। सिन्हा संस्थान, 27 मई, 2016।

çf'k{k.k

विभाग के सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समर्थन दिया।

jk"Vªh;@vUrjkZ"Vªh; laxks"Bh esa Hkkxhnkjh

8 जुलाई, 2016 को नई दिल्ली में यूकेआईईआरआई उच्च शिक्षा लीडरशिप प्रोग्राम गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया

20 जुलाई 2016 को, ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग में ए.आई.ई.सी. उच्च शिक्षा शिक्षण और अधिगम परियोजना, उच्च शिक्षा के भविष्य की एक सलाहकार बैठक में भाग लिया।

एक राष्ट्रीय कार्यक्रम, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 20–21 अक्टूबर, 2016 के दौरान ''शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन'' के तहत आयोजित किया।

29 दिसंबर, 2016 को आयोजित, तिरुपति में इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन सम्मेलन, प्रो ब्रह्मानंद स्मारक व्याख्यान के दौरान अध्यक्ष।

एस.जी.टी.बी. खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 01 मार्च, 2017 को ''प्रौद्योगिकी चालित उच्च शिक्षा में शिक्षकों की नई भूमिकाओं'' पर पैनल चर्चा में पैनलिस्ट।

पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी.टी. की एक राष्ट्रीय कार्यशाला में टीचिंग लर्निंग सेंटर विशेषज्ञ प्रस्तुति, 16–17 दिसंबर, 2016 के दौरान खालसा कॉलेज में आयोजित

24 नवंबर, 2016 को ''विश्वविद्यालय के विचार और राजनीतिक आर्थिक संदर्भ'' पर बिहार के 18वीं वार्षिक आर्थिक एसोसिएशन के सम्मेलन में समापन भाषण।

vUrjkZ"Vªh; Hkze.k

5–6 मई, 2016, के दौरान डिजिटल अभिलेखागार और डेटाबेस, रोम में आयोजित आपसी ज्ञान के एक स्रोत पर शैक्षिक संगोष्ठी में भाग लिया।

14–16 फरवरी, 2017 के दौरान सिडनी, ऑस्ट्रेलिया के लिए शिक्षण और अधिगमः ''उच्च शिक्षा के भविष्य'' पर पुस्तक परियोजना के लिए भारतीय लेखकों में से एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

fo'ks"kK lewg dk lnL;

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, एम.जी.ए. विश्वविद्यालय, वर्धा

2017–18 के दौरान बिहार आर्थिक संघ के सम्मेलन के अध्यक्ष

सदस्य शैक्षणिक परिषद, सी.यू.एच.पी., धर्मशाला

vkjrh JhokLro

çdk'ku

क्लासीफिकेशन ऑफ इंस्टीट्यूशन ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया, *यूनिवर्सिटी न्यूज, वॉल्यूम 54, नं. 25,* जून 20–26, 2016

एजुकेशन एंड स्किल्स गैप अमंग यूथः पर्सपैक्टिब्स फ्रॉम साउथ एशिया, *पनोरमाः एन इंटरनेशनल जर्नल ऑन गाँधीयन थॉट*, आईएसएसएन 2348–5000, 2016

सह–संपादित *''द फ्यूचर ऑफ हायर एजुकेशन लर्निंग एंड टीचिंग''* इंडियन एंड ऑस्ट्रेलियन क्रॉस कल्चर कोलाबोरेशन, 2017

जेपा के लिए पुस्तक समीक्षा ''हायर एजुकेशन स्टडीज इन ए ग्लोबल इन्वॉयरमेंट'', (बरबरा एम. केम और अल्रिच टैक्लर द्वारा संपादित)

l xk"Bh@lEesyu vkj dk;'kkykvk esa Hkkxhnkjh

''उच्च शिक्षा में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए नेतृत्व'' में भाग लिया, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला, आईआईएम उदयपुर, नई दिल्ली, अप्रैल 22–23, 2016 के दौरान आयोजित

भारत में सामाजिक उद्यमिता शिक्षा की मुख्य धारा, 31 जनवरी – 1 फरवरी 2017, भारत, अहमदाबाद उद्यमिता विकास संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में संसाधन व्यक्ति।

महिलाओं का त्वरित विकासः अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, ''नई शिक्षा नीति और नामोडी फ्रेमवर्क'' पर केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक द्वारा आयोजित, 12–14 जुलाई, 2016ः एक आलेख ऑनलाइन प्रस्तुत।

बॉण्ड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, द्वारा न्यूपा में आयोजित स्नातक रोजगार पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया 21 नवंबर 2016।

अंतर्राष्ट्रीय लेखक कार्यशाला पश्चिमी सिडनी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, 14–16 फरवरी, 2017।

अंतर्राष्ट्रीय लेखक कार्यशाला न्यूपा, 18–20 जुलाई, 2016 तक आयोजित।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में शासन पर एक केस अध्ययन प्रस्तुति, न्यूपा, 23–24 मार्च, 2017।

उच्च शिक्षा पर यूकेआईईआरआई नेतृत्व विकास कार्यक्रम में भाग लियाः डिजाइन से वितरण तक, ब्रिटिश काउंसिल नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 8 जुलाई 2016।

शिक्षक और प्रशिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी), 20–21 अक्टूबर, 2016, न्यूपा और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से जामिया मिलिया इस्लामिया में आयोजित, मानव संसाधन विकास मंत्रालय कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति।

इकॉनमिस्टः भारत की आर्थिक नीति, 30 जुलाई, 2016 जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में अर्थशास्त्रियों की बैठक का आयोजन।

पीजीटी अर्थशास्त्र के व्यावसायिक विकास धारणाओं में एक शोध अध्ययन, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी, द्वारा आयोजित और उपकरण के विकास हेतु कार्यशाला में भाग लिया, नवम्बर 29–30, 2016

2 सितंबर, 2016 को नई दिल्ली पर, ओपन डाटा विकास पहल में भाग लिया, विश्व बैंक की

संसाधन व्यक्ति, उच्च शिक्षा में वैश्विक परिप्रेक्ष्य अभिनव, आईसीटी, डिजिटल प्रौद्योगिकी और सामाजिक मीडिया, 27–28 अक्टूबर, 2016 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, चंडीगढ़ सेवा उद्योग की भारतीय चौंबर द्वारा आयोजित।

संसाधन व्यक्ति, ''शैक्षिक प्रशासन में नवाचार'' 5–7 मार्च, 2017, न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित नेशनल कांफ्रेंस और पुरस्कार प्रस्तुति

संसाधन व्यक्ति, स्किल इंडिया समिट में नेतृत्व भाषण, 18 जून, 2016, नई दिल्ली

राष्ट्रीय कार्यशाला ज्ञान संगम, 25–26 मार्च, 2017, रोहिणी, नई दिल्ली में भाग लिया

foHkkxh; dk;Øek dk vk;ktu

दो सप्ताह विशेष पाठ्यक्रम– उच्च शिक्षा– विश्वविद्यालय और उसके शासन 'सितंबर 19–30, 2016, एचआरडीसी, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़

दो सप्ताह विशेष पाठ्यक्रम– इक्विटी, वित्त पोषण और उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर विशेष पाठ्यक्रम, 12–23 दिसंबर, 2016, एचआरडीसी, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

çf'k{k.k lkexh vkSj ikBîØe fodkl

एम.फिल / पी–एच.डी. के लिए पाठ्यक्रम।

अनिवार्य पाठ्यक्रम, सीसी–2

वैकल्पिक पाठ्यक्रम, ओसी–1

lkoZtfud fudk;ksa ds fy, ijke'kZ@ vdknfed lgk;rk

एम.फिल. / पी–एच.डी. के लिए प्रवेश परीक्षा समिति, (न्यूपा) /

एम.फिल. / पी–एच.डी. परीक्षा के लिए मूल्यांकन समिति (न्यूपा)

एम.एड के लिए परीक्षक (जून, 2016) विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन।

U;wik ds ckgj ç[;kr fudk;ksa dh lnL;rk

निम्नलिखित निकायों की आजीवन सदस्य

प्रौढ़ शिक्षा संघ, आईटीओ, नई दिल्ली (1999)

भारतीय ज्ञानपीठ परिवार, नई दिल्ली (1999)

इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन (2004)

इंडियन सोसायटी ऑफ लेबर इकॉनोमिक (1998)

नेशनल बुक ट्रस्ट (1998)

उत्तर प्रदेश भारत स्काउट और गाइड (2003)

थियोसोफिकल सोसायटी, वाराणसी (2004)

सीईएसआई, (सेसी) नई दिल्ली (2010)

अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (2009)

भारतीय शिक्षक शिक्षा संघ (2015)

भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी (2016)

vU; lwpuk

पी–एच.डी. पर्यवेक्षण

पी–एच.डी. – अपराजिता गंतायत

पी–एच.डी. – अनुनीता मित्रा

पी–एच.डी. स्वाति वाघमारे।

uhrw Lukrdh

çdk'ku

vuqlaèkku nLrkost@vkys[k@uksV~l

क्लासीफिकेशन ऑफ इंस्टीट्यूशन ऑफ हायर एजूकेशन इन इंडिया, यूनिवर्सिटी न्यूज, वाल्यूम 54, नं. 25, जून 20–26, 2016

çf'k{k.k

दो सप्ताह विशेष पाठ्यक्रम– उच्च शिक्षा– विश्वविद्यालय और उसके शासन 'सितंबर 19–30, 2016, एचआरडीसी, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़

''विश्वविद्यालयों के शासन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: मुद्दे और चुनौतियां'' में समन्वय और भाग लिया 23–24 मार्च 2017, न्यूपा, नई दिल्ली।

jk"Vªh;@varjk"Vªh; laxks"Bh esa Hkkxhnkjh

çLrqrhdj.k

तृतीयक स्तर पर विज्ञान शिक्षा नीति–सुधार के लिए अनिवार्यता केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, 12–14

जुलाई, 2016 अमरकंटक द्वारा आयोजित ''नई शिक्षा नीति और नामोदी ढांचा'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में योगदान और आलेख प्रस्तुत।

एक आलेख प्रस्तुत 'तृतीयक क्षेत्र में संकाय विकासः ग्लोबल आचरण की समीक्षा' अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन 2016 ''शिक्षक शिक्षाः चुनौतियां, अवसर और रणनीतियाँ'' में दिसंबर 7–8, 2016 जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, कार्यशाला ''विषय आधारित नेटवर्क'' पर पंडित मदन मोहन मालवीय शिक्षक और प्रशिक्षण राष्ट्रीय मिशन, 20–21 अक्टूबर, 2016 जामिया मिलिया इस्लामिया में आयोजित, योजना के तहत न्यूपा और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से आयोजित कायक्रम में संसाधन व्यक्ति।

विश्वविद्यालय प्रशासन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, न्यूपा द्वारा आयोजित, 23–24 मार्च, 2017, न्यूपा, नई दिल्ली में ''विश्वविद्यालय अभिशासन– मैसूर विश्वविद्यालय के एक मामले का अध्ययन' पर आलेख प्रस्तुत किया।

Hkkxhnkjh

उच्च शिक्षा में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए नेतृत्व में भाग लिया, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला, आईआईएम उदयपुर, नई दिल्ली, अप्रैल 22–23, 2016 तक आयोजित

उच्च शिक्षा पर यूकेआईईआरआई नेतृत्व विकास कार्यक्रम में भाग लियाः डिजाइन से वितरण, ब्रिटिश काउंसिल नई दिल्ली द्वारा 8 जुलाई, 2016 को आयोजित किया।

अंतर्राष्ट्रीय लेखक कार्यशाला न्यूपा, 18–20 जुलाई, 2016 तक आयोजित किया।

स्नातक रोजगार पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया, 21 नवंबर 2016, बॉण्ड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया द्वारा न्यूपा में आयोजित।

पीजीटी अर्थशास्त्र के पेशेवर विकास की दिशा में धारणाओं पर एक शोध अध्ययन के लिए उपकरण के विकास के लिए एक दो दिवसीय कार्यशाला, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी, नवम्बर 29–30, 2016

'दो सप्ताह की उच्चतर शिक्षा पर विशेष पाठ्यक्रम– इक्विटी, वित्त पोषण और उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण' दिसंबर 12–23, 2016, एचआरडीसी, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे।

'स्वामी विवेकानंद के शैक्षिक विचार पर चर्चा में भाग लियाः नीति परिप्रेक्ष्य' न्यूपा में आयोजित (सेमिनार हॉल) 12 जनवरी, 2017, न्यूपा नई दिल्ली।

भाग लिया और सत्र 6 पर रिपोर्टिंग ''उच्च शिक्षा का बाहरी अनुदान' भारत पर्यावास केन्द्र, नई दिल्ली, 16–17 फरवरी 2017, उच्च शिक्षा के वित्त पोषण पर नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, संयुक्त रूप से सी.पी.आर.एच.ई., न्यूपा और भारत ब्रिटिश परिषद द्वारा आयोजित।

2–3 मार्च, 2017 न्यूपा (113) 'स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों और युवा सशक्तिकरण' नीति संगोष्ठी में भाग लिया।

5–7 मार्च, 2017, प्रवासी भारतीय भवन, नई दिल्ली में न्यूपा द्वारा आयोजित 'शैक्षिक प्रशासन में नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन', में भाग लिया ।

9–10 मार्च, 2017, न्यूपा द्वारा आयोजित 'भारत में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के साथ कार्य पर राष्ट्रीय कार्यशालाः एक विचार और इसके अभ्यास के रूप में स्वायत्तता'' में भाग लिया,

vU; 'k{kf.kd vkj 0;kolkf;d ;kxnku

i;o{k.k@eY;kdu

सुश्री विद्यागीता एन. को शोध प्रबंध कार्य के लिए मार्गदर्शन – तंजावुर जिला, तमिलनाडु में एडुसैट कार्यक्रम का एक विश्लेषण (पीजीडेपा)

श्री बिनोद भट्टराय (नेपाल) को शोध प्रबंध कार्य के लिए मार्गदर्शन– नेपाल में विश्वविद्यालयों के वित्त पोषणः एक तुलनात्मक विश्लेषण (आईडेपा)

çf'k{k.k vkj ikBîØe lkexh fodflr

'उच्च शिक्षा में अभिशासन' पर विकसित प्रशिक्षण मॉड्यूल

dkl l leUo;

कोर्स 212 के संयोजकः शोध कार्यप्रणाली और आईडेपा में सांख्यिकी

कोर्स 902 के संयोजकः पीजीडेपा में भारतीय शिक्षा– एक परिप्रेक्ष्य

f'k{k.k

आईडेपा में शोध कार्यप्रणाली और सांख्यिकीः पाठ्यक्रम 212 के संपादन में शामिल

कोर्स 902 के संपादन में शामिलः पीजीडेपा में भारतीय शिक्षा– एक परिप्रेक्ष्य

वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओसी–1 के संपादन में शामिलः एम.फिल. और पी–एच.डी. में उच्च शिक्षा में समकालीन कार्यक्रम

vU; xfrfofèk;k

एम.फिल. और पी–एच.डी. के लिए 'लिखित प्रवेश परीक्षा के लिए आयोजन समिति' के सदस्य।

एम.फिल./पी–एच.डी. टेस्ट के लिए मूल्यांकन समिति के सदस्य (न्यूपा)

सदस्य शैक्षणिक परिषद, न्यूपा

अध्ययन सदस्य बोर्ड, न्यूपा

गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर के लिए प्रश्नपत्र निर्माण

lnL;rk

आजीवन सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा संस्था

आजीवन सदस्य, तुलनात्मक और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा संस्था

lxhrk vxke

çdk'ku

'kkèk i=@if=dkvk e yi[k

एक्सप्लोरिंग एक्सेस एंड इक्विटी इन इंडियाज प्राईवेट हायर एजूकेशन इन इंडियाः चैलेंजेज एंड पॉसीबिलिटीज, डी. परीमल द्वारा संपादित, कनिष्का पबिल्शर्स डिस्ट्रब्यूटर्स, नई दिल्ली–110002 जनवरी, 2017 पृ. 283–296

पुस्तक समीक्षा, शीर्षक ग्लोबल अर्पच्युनिटीज एंड चैलेंजेज फॉर हायर एजूकेशन लीडर्सः ब्रीफ ऑन की थीम (लाउरा ई. रम्बले) जेपा, अप्रैल 2016 अंक (वाल्यूम 30, नं. 2, अप्रैल 2016, पीपी 172–178)

dk;'kkyk@lEeyu@çf'k{k.k dk;Øe

दो सप्ताह का उच्च शिक्षा में विशेष कोर्स समन्वितः समता अंतर्राष्ट्रीयकरण और निजीकरण 12–23 दिसंबर, 2016 एचआरडीसी, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र

मुद्दे और चुनौतियांः विश्वविद्यालय प्रशासन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, समन्वित 16–17 मार्च, 2017 न्यूपा, नई दिल्ली।

lxk"Bh] dk;'kkykvk vkj lEeyuk e Hkkxhnkjh

jk"Vh;

दो सप्ताह का उच्च शिक्षा में विशेष पाठ्यक्रमः 19–30 सितम्बर, 2016 उच्च शिक्षा में अभिशासन एचआरडीसी, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में भाग लिया।

पंडित मदन मोहन मालवीय शिक्षक और प्रशिक्षण राष्ट्रीय मिशन पर 20–21 अक्टूबर, 2016 के दौरान मिशन की योजना के अन्तर्गत न्यूपा और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यशाला में भाग लिया

मणिपुर, मिजोरम, मेघालय और नागालैंडः राज्य अनुभव, न्यूपा, स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग द्वारा नवम्बर 7–11, 2016 के दौरान ''प्राथमिक स्तर कार्यशाला में स्कूल प्रबंधन के विकेंद्रीकरण के क्षेत्र अनुभव के दौरान एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

नीति परिप्रेक्ष्य में स्वामी विवेकानंद के शैक्षिक विचार पर चर्चा बैठक में भाग लिया, 12 जनवरी, 2017 न्यूपा, नई दिल्ली।

17 जनवरी, 2017 सी.पी.आर.एच.ई., न्यूपा द्वारा आयोजित, उच्च शिक्षा में छात्र विविधता प्रबंध के लिए मॉड्यूल पर एक विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया।

भारतीय उच्च शिक्षा और निजीकरण के परिदृश्य को बदलना ''समकालीन भारत में शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन'' के दौरान एक आलेख प्रस्तुत किया। 22–24 फरवरी, 2017, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली भारत

2–3 मार्च, 2017 न्यूपा में शैक्षिक नीति विभाग द्वारा आयोजित ''स्वदेशी ज्ञान और संस्कृति'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

''शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और पुरस्कार समारोह'' 5–7 मार्च, 2017 प्रवासी भारतीय केन्द्र, न्यूपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

9–10 मार्च, 2017, न्यूपा द्वारा आयोजितः स्वायत्तता एक विचार और आचरण पर भारत में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के साथ कार्यः राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया

उत्तर–पूर्व (भारत) –सी.एल.एम.वी. व्यापार सम्मेलन, गुवाहाटी, असम में आईसीएसआई और कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, भारत सरकार, सेवा निर्यात संवर्धन परिषद (एसईपीसी), 24–25 मार्च, 2017, के साथ मंत्रालय द्वारा आयोजित

vrjjk"Vh;

8 जुलाई, 2016 को ब्रिटिश परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''रूपरेखा से वितरण तक'' प्रसव के लिएः उच्चतर शिक्षा पर यूकेरी नेतृत्व विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

21 नवंबर 2016 को स्नातक रोजगार पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया, बॉण्ड विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया द्वारा न्यूपा में आयोजित

भागीदारी, ''उच्च शिक्षा वित्त पोषण में नवाचार'' सी.पी. आर.एच.ई./न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की रिर्पोटिंग, 16–17 फरवरी 2017।

भागीदारी, ''उच्च शिक्षा और छात्र गतिशीलता का अंतर्राष्ट्रीयकरण'' पर एक आलेख प्रस्तुत किया प्रवासन और डायस्पोरा पर इंटरनैशनल सम्मेलनः उभरते विविधता और चुनौतियां 22–23 मार्च, 2017, अंतःविषय और अंतरराष्ट्रीय अध्ययन, इग्नू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित।

''राज्य विश्वविद्यालय के कार्यकरणः कलकत्ता विश्वविद्यालय का एक केस अध्ययन' पर आलेख प्रस्तुत, विश्वविद्यालयों के शासन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, न्यूपा, नई दिल्ली 23–24 मार्च 2017

vU; 'kf{kd xfrfofèk;k

U;ik çf'k{kvk dk i;Zo{k.k

तृतीय–पीजीडेपा भागीदार सुश्री निक्सी हिदरोम की शोध कार्य शीर्षक, ''बिष्णुपुर जिला, मणिपुर में सरकारी प्राइमरी स्कूल हेडमास्टर की भूमिका पर एक अध्ययन'' का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन।

33वें आईडेपा भागीदार डा. (सुश्री) डोविल गैलियूट (लिथुआनिया) के शोध प्रबंध कार्य शीर्षकः ''उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण माइक्लॉस रोमेरिस विश्वविद्यालय के कानून संकाय के लिए रणनीति का विकास'' का पर्यवेक्षण।

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

v#.k lh- egrk

çf'k{k.k dk;Øek dk vk;kstu@0;k[;ku

ईएसआईएस और यू–डाईस विभागः एन.आई.एल.ई.आर.आर. अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षुओं का परिचय, नई दिल्ली, 27 जुलाई, 2016 (आईएएमआर)।

प्राथमिक शिक्षा की योजना एवं निगरानी के लिए संकेतक प्रशिक्षण कार्यक्रमः 20–24 मार्च, 2017 (समन्वयकः ए.एन. रेड्डी)

– उद्घाटन भाषणः 20 मार्च, 2017
– 20 मार्च, 2017ः यू–डाईस विकास की कहानी
– 22 मार्च, 2017ः शिक्षा प्रणाली के आंतरिक क्षमता के संकेतक (2 सत्र)
– 23 मार्च, 2017ः स्कूल शिक्षा की स्थिति पर समूह कार्य (4 सत्र)
– समापन सत्र
– 33वां आईडेपा पाठ्यक्रमः ईएमआईएस पर सं. 210 (कोर्स प्रभारी)
– शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली का परिचयः 27 मार्च, 2016
– शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली का परिचयः 29 मार्च, 2016

ikBîØe leUo;d

कोर्स–201, आईडेपा समन्वयकः विषयगत संगोष्ठी

ikBîØe l|iknu

vkbMik

पाठ्यक्रम 212–शोध कार्यप्रणाली और सांख्यिकी संपादन

पीजीडेपा कार्यक्रम

पाठ्यक्रम 906 में शामिलः प्रतिभागी संगोष्ठी

पाठ्यक्रम 905 शोध कार्यप्रणाली और सांख्यिकी के संपादन में शामिल

पाठ्यक्रम 902 भारतीय शिक्षा के संपादन में शामिलः एक परिप्रेक्ष्य

,e-fQy- dk;Øe

वैकल्पिक पाठ्यक्रम (ओसी)–1 उच्च शिक्षा का संपादन

vrjk"Vh; çf'k{k.k e Hkkxhnkjh

भागीदारी विशेष पाठ्यक्रम कार्यक्रम (एस.सी.पी) शैक्षिक योजना एवं प्रबंधन आईआईईपी/यूनेस्को, पेरिस, 11 अप्रैल से 20 मई 2016।

çf'k{k.k lkexh vkj ikBîØe fodkl

उच्च शिक्षा के निजीकरण पर उच्च शिक्षा मॉड्यूल विकसित

U;ik lfefr d lnL;

परीक्षा समिति, न्यूपा के सदस्य

U;ik d ckgj ç[;kr fudk;k dh lnL;rk

पूर्वोत्तर भारत शिक्षा संस्था, शिलांग के आजीवन सदस्य

भारत के तुलनात्मक शिक्षा संस्था के आजीवन सदस्य

तुलनात्मक और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा संस्था के आजीवन सदस्य।

- स्कूल का परिचय रिपोर्ट कार्डः 30 मार्च, 2016
- यू–डाईस रिपोर्टर मॉड्यूल का परिचयः 31 मार्च 2016

श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए रणनीतिक योजना, वित्त पोषण और शिक्षा की गुणवत्ता विकास पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम में शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली का परिचय, मई 16–27,2016, न्यूपा, नई दिल्ली, 19 मई, 2016

श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए सामरिक योजना, वित्त पोषण और शिक्षा की गुणवत्ता विकास पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम में शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली का परिचय, न्यूपा, नई दिल्ली, 6 जुलाई, 2016

यू–डाईस के लिए योजनाः छात्र डेटा संग्रह पर बल देने के साथ, 2016–17, सर्व शिक्षा अभियान और आरएमएसए, न्यूपा, नई दिल्ली, (14–15 जुलाई, 2016), 14 जुलाई, 2016 राज्य एमआईएस अधिकारियों की राष्ट्रीय तकनीकी कार्यशाला

डेटा प्रबंधन और संबंधित मुद्दे (2 सत्र), शैक्षिक योजनाकारों के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, न्यूपा, 3 अगस्त, वर्ष 2016

cBd

संयुक्त सचिव और निदेशक, स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के साथ बैठक, छात्र डाटा संग्रह स्वरूप पर चर्चा

अपर सचिव के साथ बैठक, स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, बच्चों के लिए ट्रैकिंग सिस्टम, 26 मई, 2016

न्यूपा की शैक्षणिक परिषद की बैठक, 27 मई 2016

यूनिसेफ के साथ बैठक यू–डीआईएसई और छात्र डेटा संग्रह के लिए क्षेत्रीय कार्यशालाएं पर चर्चा हेतु, 31 मई, 2016 यूनिसेफ, नई दिल्ली।

निदेशक, स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के साथ बैठक और चर्चा यू–डाईस 2016–17 के लिए छात्र डाटा संग्रह स्वरूप, 25 जुलाई, 2016

यू–डाईस 2016–17 की तैयारी की समीक्षा करने के लिए निदेशक, स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, के साथ बैठक, 3 अक्टूबर, 2016।

यू–डाईस और छात्र डेटा संग्रह पर क्षेत्रीय कार्यशालाओं पर चर्चा समीक्षा हेतु निदेशक, स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, के साथ बैठक 1 जून, 2016।

यू–डाईस 2016–17 के लिए योजना बनाने पर चर्चा हेतु सचिव एवं संयुक्त सचिव, स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के साथ बैठक।

l;ä leh{kk fe'ku vkj ifj;ktuk etjh ckM ¼11 vçy] 2016 l 31 ekp] 2017 rd½

7वीं आरएमएसए संयुक्त समीक्षा मिशन, 19 अप्रैल, वर्ष 2016 होटल पार्क, नई दिल्ली में शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली पर एक प्रस्तुतिकरण दिया।

आरएमएसए के 7वें संयुक्त समीक्षा मिशन, 23 अप्रैल, 2016, होटल सम्राट, नई दिल्ली में समापन–सत्र में भागीदारी।

होटल पार्क, नई दिल्ली, 21 जुलाई, 2016 को 23वें सर्व शिक्षा अभियान के संयुक्त समीक्षा मिशन के उद्घाटन सत्र में भाग लिया, (21–28 जुलाई, 2016)।

भाग लिया, संयुक्त समीक्षा मिशन और प्रस्तुत यू–डाईसः 2016–17 और एसडीएमआईएस, स्कोप, नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 2016।

23वीं संयुक्त समीक्षा मिशन के समापन सत्र में भाग लिया, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, 28 जुलाई, 2016

ifj;ktuk etjh ckM

भाग लिया, यू–डाईस/स्कूल सांख्यिकी पूर्व अनुमोदन के बारे में बैठक हेतु, अतिरिक्त सचिव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, के साथ 29 अप्रैल, 2016।

शास्त्री भवन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली मई 3, 2016 को सर्व शिक्षा अभियान, आरएमएसए और यू–डाईस/स्कूल सांख्यिकी/न्यूपा की परियोजना मंजूरी बोर्ड की बैठक में भाग लिया

एम.फिल./पी–एच.डी. कार्यक्रम

शिक्षा अनुसंधान में सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग (डॉ सुमन नेगी के साथ एक सप्ताह का पाठ्यक्रम), के उपयोग पर एक गैर क्रेडिट पाठ्यक्रम का आयोजन किया, जुलाई 2016।

सुश्री वर्षा नेगी, एम.फिल. छात्रा ने सफलतापूर्वक मौखिक परीक्षा पूर्ण की। 27 जुलाई, 2016।

सफलतापूर्वक वर्ष 2016–17 के लिए परीक्षा केन्द्र अधीक्षक के रूप में एम.फिल. और पी–एच.डी. प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया

बृहद पैमाना आंकड़ा आधार का परिचय (2 सत्र), 5 अक्टूबर, 2016।

साक्षात्कार

सलाहकार, एमआईएस, टीएसजी, एडसिल के साक्षात्कार के लिए सदस्य चयन समिति नई दिल्ली, 2 सितंबर, 2016

विशेषज्ञ, चयन समिति, कैस के तहत प्रोफेसर, एनसीईआरटी, के पद के लिए, नई दिल्ली, 28 दिसंबर, 2016

सदस्य, एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रम के चयन के लिए साक्षात्कार बोर्ड 2016 (दो दिन)

पी–एच.डी. पर्यवेक्षण

निम्नांकित छात्र मेरी देखरेख में पी–एच.डी. कर रहे हैं:

सुश्री अंशुल सलूजाः परिवारों और स्कूल भागीदारी की सामाजिक–आर्थिक स्थितिः हरियाणा के फरीदाबाद जिले में गांवों का चयन का एक अध्ययन

सुश्री दीपीन्दू कौरः पंजाब में स्कूल शिक्षक भर्ती का अध्ययन

प्रस्तुति

कौशल विकास मंत्रालय को यू–डाईस पर प्रस्तुति, नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 2015।

वर्ष 2016–17: यू–डाइस के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुरोध पर, 2016–17 के दौरान इन–सिंक यू–डीआईएसई के साथ छात्र डेटा संग्रह की शुरूआत की जिसके लिए कई प्रावधानों को रखा गया कि छात्र डेटा को सफलतापूर्वक इकट्ठा किया जाए। इसके अलावा, 2 महीने के रिकार्ड अवधि में, छह क्षेत्रीय तकनीकी कार्यशालाएं यूनिसेफ के सहयोग से जिसका विवरण नीचे देखा जा सकता है। आयोजित की गई। इसके अलावा, यू–डाआईस और एसडीएमआईएस पर राज्य–विशेष कार्यशालाएं भी आयोजित की गई। निम्नलिखित उपयोगिताओं के लिए वर्ष के दौरान छात्र डेटा संग्रह विकसित किए गए:

- ऑन लाइन छात्र डाटाबेस प्रबंधन सूचना प्रणाली (एसडीएमआईएस) पोर्टल
- मौजूदा ऑफ लाइन यू–डाईस सॉफ्टवेयर में छात्र डेटा प्रविष्टि के लिए प्रावधान
- छात्र डेटा के थोक–अपलोड के लिए उपयोगिता
- स्वतंत्र एसडीएमआईएस उपयोगिता
- एसडीएमआईएस पोर्टल पर छात्र डेटा के अपलोड करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन एक्सेल टेम्पलेट

ईएमआईएस विभाग द्वारा विस्तृत व्यवस्था की गई है जिस पर 31–3–2017 को 100 मिलियन छात्रों के रिकॉर्ड की जानकारी एसडीएमआईएस पोर्टल के माध्यम से 35 मानकों के आधार पर विस्तृत डेटा के संग्रह के रूप में हुई

राष्ट्रीय स्तर तकनीकी कार्यशाला

छात्र डेटा संग्रह पर राष्ट्रीय तकनीकी कार्यशाला इन–सिंक यू–डाईस के साथ, सर्व शिक्षा अभियान और आरएमएसए, राज्य एमआईएस अधिकारियों के लिए, न्यूपा, नई दिल्ली, 14–15 जुलाई, 2016

क्षेत्रीय तकनीकी कार्यशालाएं

जिला एवं राज्य एमआईएस अधिकारियों के लिए वर्षों के दौरान यू–डाईस के साथ छात्र डेटा संग्रह पर छह क्षेत्रीय तकनीकी कार्यशालाएं आयोजित की गई है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

Ø- la-	jkT;@la?k jkT; {ks=	fnukad	LFkku	izfrHkkfx;ksa dh la[;k
1.	mÙkj&iwoZ {ks= अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम (8 राज्य)	अगस्त 22–23, 2016	गुवाहाटी	112
2.	dsUæh; {ks= उत्तर प्रदेश और बिहार (2 राज्य)	अगस्त 29–30, 2016	वाराणसी	122
3.	iwohZ {ks= पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ (4 राज्य)	सितंबर 8–9, 2016	रायपुर	117
4.	mÙkjh {ks= जम्मू एवं कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान (7 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र)	सितंबर 16–17, 2016	चंडीगढ़	137
5.	if'peh {ks= मध्यप्रदेश, गुजरात, दादरा नगर–हवेली, दमन और दीव, महाराष्ट्र और गोवा (6 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र)	सितंबर 19–20, 2016	अहमदाबाद	133
6.	nf{k.kh Hkkx आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, तमिलनाडु, लक्षद्वीप, पुडुचेरी और अंडमान और निकोबार द्वीप (8 राज्य)	सितंबर 26–27, 2016	बैंगलोर	125
	dqy 36 jkT;@la?k 'kkflr izns'k			**746**

jkT; Lrjh; dk;Z'kkykvksa dk vk;kstu fd;k

राज्य के अनुरोध पर, निम्नलिखित तकनीकी कार्यशालाएं राज्य स्तर पर आयोजित की गईः

छात्र डेटा संग्रह राज्य स्तरीय कार्यशाला, केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़, चंडीगढ़ सरकार के स्कूलों के लिए, यू–डाईस के साथः 4 अगस्त, 2016

छात्र डेटा संग्रह राज्य स्तरीय कार्यशाला, केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़, चंडीगढ़ के निजी स्कूलों के लिए, यू–डाईस के साथः 5 अगस्त, 2016

छात्र डेटा संग्रह राज्य स्तरीय कार्यशाला, मध्य प्रदेश, भोपाल के जिला एमआईएस समन्वयक के लिए, यू–डाईस के साथः 16–17 अगस्त, 2016

छात्र डेटा संग्रह राज्य स्तरीय कार्यशाला, ओडिशा, भुवनेश्वर के जिला एमआईएस समन्वयक के लिए, यू–डाईस के साथः 19–20 अगस्त, 2016

छात्र डेटा संग्रह राज्य स्तरीय कार्यशाला, हिमाचल प्रदेश, शिमला के जिला एमआईएस समन्वयक के लिए, यू–डाईस के साथ 13–14 अक्टूबर, 2016

छात्र डेटा संग्रह राज्य स्तरीय कार्यशाला, पुडुचेरी, पुडुचेरी के जिला एमआईएस समन्वयक के लिए, यू–डाईस के साथः 25–26 अक्टूबर, 2016

छात्र डेटा संग्रह राज्य स्तरीय कार्यशाला, महाराष्ट्र, मुंबई के जिला एमआईएस समन्वयक के लिए यू–डाईस के साथः 23–24 नवंबर, 2016

छात्र डेटा संग्रह राज्य स्तरीय कार्यशाला, जम्मू और कश्मीर, जम्मू के जिला एमआईएस समन्वयक के लिए, यू–डाईस के साथः 2–3 दिसंबर, 2016

छात्र डेटा संग्रह राज्य स्तरीय कार्यशाला, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के जिला एमआईएस समन्वयक के लिए यू–डाईस (आरएमएसए अधिकारियों के लिए), 5–6 दिसंबर, 2016

छात्र डेटा संग्रह राज्य स्तरीय कार्यशाला, उत्तर प्रदेश (एसएसए अधिकारियों के लिए), लखनऊ के जिला एमआईएस समन्वयक के लिए, यू–डाईस के साथ 4–5 जनवरी, 2017

;fulsQ vkSj ekuo lalk/ku fodkl ea=ky; ls Loh—fr

वर्ष 2017–18 के लिए यूनिसेफ और कार्य–योजना (एसडीएमआईएस सहित) सर्व शिक्षा अभियान, मानव संसाधन विकास मंत्रालय की परियोजना मंजूरी बोर्ड गतिविधियों को अनुमोदित किया गया।

इसके अलावा, यूनिसेफ से अतिरिक्त सहायता मिली जो ऑनलाइन छात्र पोर्टल, यू–डीआईएसई आंकड़ों के ऑनलाइन यू–डाईस सॉफ्टवेयर, डिजाइन और दृश्य मॉड्यूल के विकास को प्रदर्शित करने और उपयोग में आगे सुदृढ़ बनाने में शामिल हैं, ऑनलाइन अनुप्रयोगों को विकसित करने हेतु मिली।

सफलतापूर्वक सभी 36 राज्यों से समय पर डाटा एकत्र। समय अंतराल राष्ट्रीय स्तर पर एक साल से भी कम हुआ और केवल राज्यों/जिला/ब्लॉक स्तर पर कुछ ही महीने रह गया।

संयुक्त राष्ट्र की मदद से ऑनलाइन पंजीकरण के लिए सुनियोजित मोबाइल और डेस्कटॉप अनुप्रयोग के माध्यम से 11 अंकों यू–डाईस कोड प्राप्त करने के लिए गतिविधियां जो वर्ष के दौरान योजनागत है।

jkT;ksa dks fy, rduhdh lgk;rk

ब्लॉक/जिला/राज्य स्तर पर यू–डीआईएसई अधिकारियों को शीघ्र समर्थन सुनिश्चित करने के लिए 37 व्हाट्स–अप समूह बनाये गये। राज्यों को दैनिक आधार पर तकनीकी सहायता जारी रखने हेतु। इसके अलावा, गूगल समूहों (एसएसए इंडिया और आरएमएसए इंडिया समूहों) के माध्यम से भी समर्थन प्रदान किया गया। विकसित किया गया और अपलोड किए गए वीडियो में यू–डाईस के साथ छात्र डेटा संग्रह पर ध्यान केंद्रित किया और यूट्यूब जिसके 700 से अधिक सदस्य हैं, पर अपलोड की गई। वीडियो देश भर में यू–डाईस के हजारों उपयोगकर्ताओं द्वारा देखा गया है। इसके अलावा, ट्विटर और फेस बुक पर यू–डीआईएसई उपस्थिति सुनिश्चित करते हैं।

;w&Mhvkb,lb fQYVj

– प्रकाशित फ्लॉयर यू–डाईस पहल के रूप में शीर्षक से

Nk= iksVZy vkSj ;w&Mhvkb,lb osclkbV

विकसित ऑनलाइन विद्यार्थी पोर्टल और न्यूपा डाटा केंद्र में स्थित सर्वर पर अपलोड किया। सभी यू–डाईस वेबसाइट न्यूपा के सर्वर पर हैं जो धन की बचत के साथ वेबसाइटों को ब्रेक–डाउन नहीं होने देती। वर्ष के दौरान, निम्नलिखित यू–डाईस आधारित वेबसाइट नियमित आधार पर अद्यतन की गई जो दुनिया भर से हजारों उपयोगकर्ताओं के द्वारा देखी गई। शोधकर्ताओं ने सैकड़ों यू–डीआईएसई डेटा डाउनलोड किया।

- www-dise-in
- www-udise-in
- www-schoolreportcards-in
- www-student-udise-in

Ldwy fjiksVZ dkMZ

2005–06 से 2015–16 के वर्तमान वर्ष के साथ स्कूल रिपोर्ट कार्ड का ग्यारह वर्ष का डाटा अपलोड किया गया। प्रावधान है कि राज्य से प्राप्त नए डेटा सेट को

राष्ट्रीय स्तर पर इसकी प्राप्ति के बाद तुरंत अपलोड कर दिया जाए इससे डेटा एक ही साथ प्रस्तुत करने के लिए सभी राज्यों के इंतजार की आवश्यकता नहीं होती है।

fjikVj e,Mîy

सुधारित रिपोर्टर मॉड्यूल के माध्यम से ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सैकड़ों रिपोर्ट उत्पन्न की जा सकती हैं।

;&Mhvkb,lb vfufer MkVk

2015–16 डेटा अपलोड करने के साथ, उपयोगकर्ताओं को अब 2005–06 से 2015–16 के लिए डेटा डाउनलोड करने के लिए एक विकल्प उपलब्ध है। अनिर्मित यू–डीआईएसई स्कूलवार डेटा डाउनलोड करने के लिए वर्ष के दौरान सैकड़ों उपयोगकर्ता पंजीकृत हुए।

;&Mhvkb,lb l,¶Vo;j

वर्ष के दौरान कई सुधार ऑफलाइन यू–डीआईएसई सॉफ्टवेयर में किए गए थे।

çdk'ku

निम्नलिखित यू–डीआईएसई आंकड़ों के आधार पर प्रकाशन वर्ष के दौरान किया गया था।

- ग्रामीण भारत में प्राथमिक शिक्षाः विश्लेषणात्मक टेबल्स
- शहरी भारत में प्राथमिक शिक्षाः विश्लेषणात्मक टेबल्स
- भारत में प्राथमिक शिक्षाः हम कहाँ खड़े हैं ?, जिला रिपोर्ट कार्ड, जिल्द–I
- भारत में प्राथमिक शिक्षाः हम कहाँ खड़े हैं ?, जिला रिपोर्ट कार्ड, जिल्द–II
- भारत में प्राथमिक शिक्षाः हम कहाँ खड़े हैं? राज्य रिपोर्ट कार्ड
- भारत में प्राथमिक शिक्षाः यूईई की ओर प्रगति, विश्लेषणात्मक टेबल्स
- 2005–2006 से 2013–14 रुझान, यू–डीआईएसईः भारत में प्राथमिक शिक्षा
- भारत में प्राथमिक शिक्षाः विषयगत मानचित्रण डीआईएसई आंकड़ों के आधार पर
- भारत में प्राथमिक शिक्षाः एक ग्राफिक प्रस्तुति
- भारत में प्राथमिक शिक्षाः रुझान, 2005–06 से 2015–16
- भारत में माध्यमिक शिक्षाः एक ग्राफिक प्रस्तुति
- भारत में माध्यमिक शिक्षाः हम कहाँ खड़े हैं? राज्य रिपोर्ट कार्ड
- भारत में स्कूल शिक्षा (प्राथमिक और माध्यमिक स्तर डेटा प्रस्तुत करता है)

'kkèk vè;;u

छह अनुसंधान अध्ययन विशेष रूप से यू–डीआईएसई डेटा के आधार पर प्राथमिक शिक्षा पर न्यूपा द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान अध्ययन और भारत में आरटीई 2009 के भाग के रूप में (श्री एएन रेड्डी के साथ) नीचे दिए गए वितरण के आधार पर।

श्री आलोक रंजन चौरसिया, श्याम संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश, मध्य प्रदेश में प्राथमिक स्कूल नामांकन के सामाजिक वर्ग और लिंग प्रभावः डाईस से साक्ष्य

खराब, मध्यम और सर्वोत्तम जिलों का विश्लेषण यू–डीआईएसई और ब्लॉक वार संकेतकों के विश्लेषण द्वारा उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्राथमिक शिक्षा के आंतरिक क्षमता पर एक अध्ययन, डॉ अमित खन्ना, सीमेट, उत्तर प्रदेश।

विश्लेषण डीआईएसई डाटा के माध्यम से, श्री अंबरीश डोंगरे और विभु तिवारी, नीति अनुसंधान उत्तरदायी पहल केंद्र, चाणक्यपुरी, दिल्ली, शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत वंचित छात्रों के लिए 25 प्रतिशत आरक्षण नीति के कार्यान्वयन को समझना

छह प्रमुख आदिवासी जिलों में, डीआईएसई की रिपोर्ट विश्लेषणः झारखंड में आरटीई के क्रियान्वयन का एक अध्ययन, डॉ सुजीत कुमार चौधरी, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय।

उत्तर–पूर्व, भारत में प्राथमिक स्तर शिक्षा में आरटीई –2009 की ओर जकड़, डॉ अरविंद महतो और श्री राजीव दुबे, ग्रामीण प्रबंधन एवं विकास विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा।

प्राथमिक स्तर पर स्कूल छोड़ने की दर में रुझान का अध्ययन, 2008–09 से 2013–14 डाईस आंकड़ों के आधार पर, प्रोफेसर ए.बी.एल. श्रीवास्तव, दिल्ली

पूर्ण किए गए अध्ययन के आधार पर यू–डाईस डेटा के आधार पर वर्ष के दौरान प्रस्तुत, ''भारत में स्कूल शिक्षा पर शोध अध्ययन''

d- fcLoky

çf'k{k.k dk;Øe@dk;'kkykvk dk lpkyu@ vk;ktu

8–22 मई, 2016, न्यूपा, नई दिल्ली में श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता विकास और वित्तपोषण एवं सामरिक योजना पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम की रूपरेखा और संचालन।

26 जून से 10 जुलाई 2016 तक न्यूपा, नई दिल्ली में (प्रो. एस.एम.ए.आई जैदी और डा. एन.के. मोहंती के साथ) श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता विकास और वित्तपोषण एवं सामरिक योजना पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम की रूपरेखा और संचालन।

25 जुलाई से 7 अगस्त 2016 तक न्यूपा, नई दिल्ली में (प्रो. एस.एम.ए.आई जैदी और डा. एन.के. मोहंती के साथ) श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता विकास और वित्तपोषण एवं सामरिक योजना पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम की रूपरेखा और संचालन।

05–16 दिसंबर, 2016 तक न्यूपा, नई दिल्ली में (प्रो. एस.एम.ए.आई जैदी और डा. एन.के. मोहंती के साथ) श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता विकास और वित्तपोषण एवं सामरिक योजना पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम की रूपरेखा और संचालन।

माध्यमिक शिक्षा योजना के लिए परिणाम फ्रेमवर्क का उपयोग और निगरानी पर कार्यशाला की रूपरेखा और आयोजन (प्रो. एस.एम.ए.आई जैदी और डा. एन.के. मोहंती के साथ) 05–08 सितम्बर, 2016, गुवाहाटी, असम।

जिला माध्यमिक शिक्षा योजना का विकास के लिए राज्य स्तरीय संसाधन व्यक्तियों के प्रशिक्षण की रूपरेखा एवं आयोजन, (प्रो. एस.एम.ए.आई जैदी और डा. एन. के. मोहंती के साथ), 7–11 नवंबर, 2016 पटना, बिहार।

रूपरेखा और संचालन (प्रो. एस.एम.ए.आई. जैदी और डा. एन.के. मोहंती के साथ), राष्ट्रीय स्तर पर साझाकरण कार्यशाला, कार्य अनुसंधान और जिला स्तर पर माध्यमिक शिक्षा की योजना के लिए मॉडल से सीख 4–6 अक्टूबर, 2016, न्यूपा, नई दिल्ली।

रूपरेखा और संचालन (डा. एन.के. मोहंती के साथ), शिक्षक शिक्षा योजना के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम ओडिशा, एससीईआरटी, भुवनेश्वर, ओडिशा मार्च 27–30, 2017।

çf'k{k.k lkexh vkj ikBîØe fodkl ,o lpkyu

कोर्स समन्वयक के रूप में (प्रो. एस.एम.ए.आई जैदी और डा. एन.के. मोहंती के साथ) एम.फिल./पी.एच.डी. कार्यक्रम, 2016–17 के लिए अनिवार्य पाठ्यक्रम संख्या सीसी–6 में शिक्षा में उन्नत योजना तकनीक।

सह–संकाय के रूप में, आईडेपा कोर्स संख्या 204: शैक्षिक योजना, फरवरी 2017।

कोर्स समन्वयक के रूप में आईडेपा कोर्स सं. 205: शैक्षिक योजना की पद्धति और तकनीक का उपयोग मार्च 2017।

सह संकाय के रूप में पीजीडेपा कोर्स संख्या 903: शैक्षिक योजनाः संकल्पना, प्रकार और उपागम, सितम्बर 2016 में संचालित।

शैक्षिक नियोजन से संबंधित न्यूपा के कई अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों का संपादन एवं संचालन के साथ जुड़े।

संशोधित, (डा. एन.के. मोहंती के साथ) माध्यमिक शिक्षा में जिला योजना पर मिथ्याभ्यास, आरएमएसए पर बल के साथ, अगस्त 2016।

संशोधित, (डा. एन.के. मोहंती के साथ) यूपीई के लिए एक परिप्रेक्ष्य योजना विकसित करने के लिए पद्धति पर मिथ्याभ्यास, सितंबर 2016।

,e-fQy-@ih-,p-Mh-] Mhik vkj vkbMhik 'kkèk i;ok{k.k vkj eY;kdu

सुश्री निधि रावत द्वारा 'भारत में प्राथमिक शिक्षा में जीआईएस आधारित स्कूल मानचित्रण का एक अध्ययन' शीर्षक से पर्यवेक्षित पी.एच.डी. कार्य।

पर्यवेक्षित, पी.एच.डी. कार्य,'पश्चिम बंगाल में स्कूल आधारित प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिताः बर्दवान और पुरुलिया जिलों में चुनिंदा माध्यमिक विद्यालयों का एक अध्ययन'। श्री दीपेंद्र कुमार पाठक का पी.एच.डी. कार्य।

सुश्री वाणी कक्कड़ के एम.फिल. शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण, नीतियों, कार्यक्रमों और भारत में आचरण की एक महत्वपूर्ण समीक्षा : 'स्कूलों में शिक्षण और अधिगम में सुधार के लिए आईसीटी के उपयोग।

2016/17 के पीजीडेपा और आईडेपा प्रतिभागियों के शोध कार्य का पर्यवेक्षण किया।

ek-l-fo- e=ky;] ;-th-lh-] jkT; ljdkjk] vrjk"Vh; lxBuk vkj jk"Vh; lLFkkuk dk egRoi.k ijke'k vkj lykgdkjh lok, çnku dh xbi

श्री टीएसआर सुब्रमण्यन की अध्यक्षता में मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित नई शिक्षा नीति के विकास के लिए कमेटी के सचिव के रूप में, क्षेत्रीय परामर्श बैठकों के आयोजन और नई शिक्षा नीति समिति की रिपोर्ट के प्रारूपण और अंतिमकरण सहित अपनी गतिविधियों का समन्वय किया।

एक सदस्य के रूप में, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मा.सं.वि.मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 20–30 सितंबर, 2016 से आयोजित आरएमएसए के आठवें संयुक्त समीक्षा मिशन में भाग लिया।

20–30 सितंबर, 2016 को मा.सं.वि.मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित आर.एम.एस.ए. की आठवें जे. आर.एम. से पहले आर.एम.एस.ए., आर.एफ.डी. प्रस्तुत किया।

एनसीईआरटी, नई दिल्ली के 'स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मा.सं.वि.मंत्रालय, भारत सरकार के तहत मॉडल समझौता ज्ञापन को स्वायत्त निकायों के विकास हेतु समिति' के एक सदस्य के रूप में, मॉडल समझौता ज्ञापन को विकसित करने और अंतिम रूप देने में पर्याप्त रूप से मदद करी।

यूजीसी विशेषज्ञ समिति के एक सदस्य के रूप में, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान–डीम्ड विश्वविद्यालय, डिंडीगुल, तमिलनाडु का दौरा किया 12–15 दिसंबर 2016।

यूजीसी विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में, जैन विश्व भारती संस्थान के कामकाज की समीक्षा के लिए 19–21 जनवरी, 2017 तक राजस्थान के लाडनूं का दौरा किया।

आरएमएसए, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार के परिणाम फ्रेमवर्क और निगरानी दस्तावेज की तैयारी और अंतिम रूप देने में योगदान (डा. एन. मोहंती के साथ)। एसईएमआईएस 2009/10 और यूडाइस 2018 डेटा के विश्लेषण के आधार पर आरएफडी में सभी मात्रात्मक संकेतकों के लिए 2015 –16 डेटा प्रदान किया गया। साथ ही, आरएमएसए और माध्यमिक शिक्षा उप–क्षेत्र में अन्य संबंधित हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन के कारण पिछले रुझानों के विश्लेषण और भविष्य के संभावित परिवर्तनों के आधार पर आर एफडी में मात्रात्मक संकेतकों में से प्रत्येक के लिए लक्ष्य प्रदान किए ।

मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आरएमएसए के कार्यान्वयन की सुविधा के लिए आरएमएसए के तहत राज्य और जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं (परिप्रेक्ष्य और एडब्ल्युपी एंड बी) की तैयारी के लिए विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तकनीकी सहायता प्रदान की।

मई, 2016 से फरवरी, 2017 के दौरान एमएचआरडी, शास्त्री भवन, नई दिल्ली में आयोजित आरएमएसए की विभिन्न परियोजना अनुमोदन बोर्ड बैठकों में भाग लिया।

भारत में माध्यमिक शिक्षा में विकेंद्रीकृत योजना को बढ़ावा देने के लिए आरएमएसए और न्यूपा सहयोगी कार्यक्रमों में भाग लिया।

vU; 'k{kf.kd vkj 0;kolkf;d ;kxnku

प्रमुख के रूप में, परियोजना प्रबंधन इकाई, न्यूपा, निगरानी और समीक्षा के लिए शोध अध्ययन की तिमाही प्रगति रिपोर्ट तैयार की।

न्यूपा की अनुदान–सहायता समिति के सदस्य।

न्यूपा अनुसंधान रिपोर्ट प्रकाशन श्रृंखला 2015 को प्रारम्भ करने के लिए कार्यकारी समूह के संयोजक।

न्यूपा के कार्य की समीक्षा और सलाहकार समिति के सदस्य।

न्यूपा की प्रकाशन सलाहकार समिति के सदस्य।

सदस्य, न्यूपा नीति संक्षिप्त श्रृंखला के लिए संपादकीय समिति।

सदस्य, समिति, न्यूपा के एम.फिल./पी.एच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा हेतु रूपरेखा तैयार की।

एम.फिल./पी.एच.डी. कार्यक्रम 2016/17 में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा के आयोजन में सहायता।

vuqlèkku vè;;u

1. कार्यान्वित (प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी और डा. एन.के. मोहंती के साथ) आरएमएसए के तहत जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास पर कार्रवाई अनुसंधान में परियोजना, तमिलनाडु और ओडिशा में आरएमएसए के राज्य परियोजना कार्यालय के साथ विस्तृत चर्चा के बाद प्रथम चरण की हस्तक्षेप योजना बनाई गई। नमूना राज्य (और परियोजना जिलों) से संबंधित प्राथमिक डेटा एकत्र करने के अलावा कई राज्य और जिला स्तर की कार्यशालाएं आयोजित की गईं। कार्रवाई अनुसंधान के प्रथम चरण की मसौदा रिपोर्ट का आंकड़ा विश्लेषण तथा तैयारी।

2. जनवरी 2017 से न्यूपा में प्रभारी, यू–डाइस परियोजना में। तब से, यू–डाइस परियोजना की सभी गतिविधियों का प्रबंधन, संग्रह, एकत्रीकरण, भंडारण, विश्लेषण और स्कूल शिक्षा पर डेटा का प्रसार शामिल है ।

,uxyk ,u- jìh

çdk'ku

फाइनेंसिंग ऑफ हायर एजुकेशनः अ क्रिटिकल रिव्यू आफ ट्रेण्ड्स इन आन्ध्र प्रदेश' इन हायर एजुकेशन इन इंडियाः चैलेंजेज एंड पॉसीबलिटीज डी. परिमल द्वारा संपादित, कनिष्क, नई दिल्ली, 2017

रूरल ट्रांसफॉरमेशन आफ ए विलेज इन तेलंगाना, अ स्टडी ऑफ डोकर, 1970 से, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रूरल मैनेजमेंट वॉल्यूम 12 नंबर 2, पीपी। 143–178, अक्टूबर 2016 (सह–लेखक)

'टूवर्ड्स सस्टेनेबल इंडिकेटर्स आफ फूड एंड न्युट्रीशनल आउटकम्स इन इंडिया' इन वर्ल्ड जर्नल ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, वॉल्यूम. 13, नंबर 2, (2016) पीपी 128–142 (सह–लेखक)।

dk;&vkys[k@eksukxkQ

रिडिस्ट्रीब्यूटिंग टीचर्स यूजिंग लोकल ट्रान्सफर्स (सह–लेखक) भारतीय सांख्यिकीय संस्थान (आईएसआई) चर्चा पत्र 16–8, सितंबर 2016 (कार्यपत्र संख्या 16–08) का उपयोग करते हुए शिक्षकों का पुनर्वितरण।

आरटीई अधिनियम 2009 के बाद स्कूलों को बंद करने की स्थिति रिपोर्ट, (प्रो. विमला रामचंद्रन के साथ) राष्ट्रीय गठबंधन शिक्षा (एनसीई), 2016 द्वारा कमीशन

vuql/kku v/;;u

भारत में नियोजन शिक्षा के लिए जनसांख्यिकी परिवर्तन और निहितार्थ परियोजना नीति निर्माण में नीति के सुदृढ़ीकरण के हिस्से के रूप में नीति नियोजन और कार्यान्वयन (यूनेस्को/आईआईईपी परियोजना 188–आरएएस–0401 केईडीआई और आइएबी के साथ), जनसांख्यिकीय के शैक्षिक और शैक्षिक रुझानों के विश्लेषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई द्वितीयक आंकड़ों के आधार पर भारत के 20 प्रमुख राज्यों के आँकड़े

शैक्षिक संसाधन इकाई (यूनिसेफ द्वारा गठित) माध्यमिक विद्यालयों में किए गए लड़कों और लड़कियों के बीच

सहज संक्रमण के कारणों के बारे में समझ बढ़ाने के लिए नमूना अध्ययन और माध्यमिक डेटा विश्लेषण (दूसरों के साथ) की दिशा में योगदान

lEeyu@lxk"Bh e çLrqr fd, x, vkys[k

'स्वास्थ्य स्थिति और माध्यमिक शिक्षा में भागीदारी' पर सम्मेलन में आयोजित 'सतत विकास लक्ष्यों के संदर्भ में जनसंख्या और स्वास्थ्य' पर आलेख प्रस्तुत किया जनवरी 11–13, 2017 भुवनेश्वर।

एडीआरआई द्वारा आयोजित स्कूल शिक्षा सांख्यिकीः बदलती स्थिति और लगातार समस्याएं 'सामाजिक सांख्यिकी पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन' में आलेख प्रस्तुत किया 24–27 जून, 2016, पटना।

1–4 नवंबर 2016 को आइआइईपी, पेरिस में आयोजित शिक्षा योजना और कार्यान्वयन में शिक्षा मंत्रालय के मजबूत नेतृत्व पर अनुसंधान बैठक में जनसांख्यिकी परिवर्तन और शिक्षा पर भारत केस स्टडी प्रस्तुत किया गया।

8–9 सितंबर, 2016 को रायपुर में पूर्वी क्षेत्र के जिला और राज्य एमआईएस अधिकारियों के लिए यू–डाईस के साथ छात्र डेटा संग्रह में क्षेत्रीय तकनीकी कार्यशाला में भाग लिया।

lfefr;k dh lnL;

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा गठित 'भारत में स्कूली शिक्षा के लिए शिक्षकों की मांग और आपूर्ति पर तकनीकी सलाहकार/निगरानी समूह' के सदस्य।

केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी मंत्रालय और कार्यक्रम कार्यान्वयन, भारत सरकार द्वारा गठित शिक्षा सांख्यिकी से संबंधित संकेतकों के मानकीकरण की संकल्पना, अवधारणा, परिभाषाओं की एक समिति' के सदस्य।

,e-fQy-@ih-,p-Mh- ikB;Øe

एम.फिल./पी.एच.डी. के भाग के रूप में अनुसंधान में सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों का उपयोग करने के लिए कार्यशाला के लिए समन्वयक।

vkbMsik

पाठ्यक्रम के प्रभारी (1) शैक्षिक योजना में मात्रात्मक तकनीकों का उपयोग (2) आइडेपा के हिस्से के रूप में शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली (ईएमआईएस)।

शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग

utjek v[rj

vUrjk"Vªh; dk;Øe@lEesyuk esa Hkkxhnkjh

fMIykek dk;Øe

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 33वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम (आईडेपा), 1 फरवरी से 30 अप्रैल, 2017।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में तीसरा स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (पीजीडेपा) सितम्बर 1 – नवंबर 30, 2016।

अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक प्रशासकों के लिए प्रथम कार्यक्रम (आईपीईए) (17 जुलाई – अगस्त 11, 2016)

çf'k{k.k dk;Øe@ikBîØe fodkl

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन, 2015–16 में प्रथम पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम आयोजित। कार्यक्रम टीम के सदस्यों के साथ तैयारी, कार्यक्रम की पुस्तिका, ब्रोशर, पठन सामग्री और रिपोर्ट।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन, 2016–17 में दूसरा स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम टीम के सदस्यों के साथ तैयार कार्यक्रम की पुस्तिका, ब्रोशर, पठन सामग्री और रिपोर्ट।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 32वें अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा का आयोजन किया। 1 फरवरी, 2016–17 (आईडेपा)। कार्यक्रम टीम के सदस्यों के साथ तैयार कार्यक्रम की पुस्तिका, ब्रोशर, पठन सामग्री और रिपोर्ट।

पीजीडेपा के अंतर्गत पूर्ण परियोजना रिपोर्टों के आधार पर कार्यशाला का आयोजन किया। 10 – 21 अप्रैल, 2017।

मूल्यांकन, प्रस्तुति और पीजीडेपा के पुरस्कार, 27 जून से 1 जुलाई, 2017 तक आयोजित, पीजीडेपा के तहत पूर्ण परियोजना रिपोर्ट के आधार पर संगठित कार्यशाला।

lxfBr jkT; Lrjh; lEeyu

30 मई से 1 जून, 2016 श्रीनगर में डीईओ और बीईओ के लिए आयोजित राज्य सम्मेलन।

foHkkxh; çf'k{k.k dk;Øe dk vk;kstu

न्यूपा, नई दिल्ली में उच्च शिक्षा के लिए अल्पसंख्यक प्रबंधित संस्थानों के लिए आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम, दिसंबर 19–23, 2016।

संस्था निर्माण पर वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन, वरिष्ठ माध्यमिक मुस्लिम अल्पसंख्यक के प्रमुखों के लिए 2–6 जनवरी, 2017, न्यूपा, नई दिल्ली।

,e-fQy-@ih&,p-Mh- Ld,yl dk fy, ekxZn'kZu miyCèk djk;k x;k

शीर्षक ''चुरू, राजस्थान के प्राथमिक स्कूल में लोकतंत्र के लिए प्रधान नेतृत्व आचरण'' पर एम.फिल. छात्र सुश्री श्रेया तिवारी को मार्गदर्शन प्रदान किया।

पी–एच.डी. छात्र सुश्री मोनिका बिष्ट को मार्गदर्शन ''अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का एक अध्ययन–एनआरआई पूर्व छात्रों द्वारा डायस्पोरा परोपकार''

ihthMsik@vkbMsik fucèk dk fy, ekxZn'kZuA

''जम्मू कश्मीर के संघर्ष क्षेत्र श्रीनगर जिले में महिलाओं की शिक्षा'' विषय पर डेपा भागीदार सुश्री नफीस फातिमा को शोध प्रबंध के लिए मार्गदर्शन

द्वितीय पीजीडेपा भागीदार सुश्री श्वेता पांडेः एक तुलनात्मक अध्ययन प्रशासन, प्रबंधन और वायु सेना स्कूलों चंडीगढ़ में अभिनव' के लिए शोध प्रबंध हेतु मार्गदर्शन

डॉ संजय पिसुनेआ क्लाउडियो (फिलिपींस) 32वें आईडेपा प्रतिभागियों को शोध प्रबंध के लिए मार्गदर्शन ''प्रबंधन संबंधित तनाव और फिलीपींस के पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी के अकादमिक प्रशासक रणनीतियाँः 'तनाव प्रबंधन हस्तक्षेप के लिए आधार'।

पी–एच.डी. विषय पर जामिया मिलिया इस्लामिया के श्री जावेद हुसैन और श्री जर्नादन शर्मा के क्रमशः अध्ययन '+2 स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा को लागू करने में शिक्षा, दिल्ली निदेशालय के तहत स्कूलों को पेश आ रही स्थिति और समस्याओं का एक अध्ययन' तथा 'नियमित शिक्षक और बिहार के प्रारंभिक शिक्षक का कक्षा प्रदर्शनः एक तुलनात्मक अध्ययन' जनवरी 2017।

foHkkx d fy, ifj;ktuk,

शिक्षा के क्षेत्र में राज्य स्तरीय क्षमता निर्माण संस्थानों का एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन प्रो. नजमा अख्तर और डा. सविता कौशल द्वारा आयोजित।

प्रशिक्षण जरूरतों को पता करने के लिए शैक्षिक प्रशासक के भविष्य और वर्तमान की भूमिका और कार्य के मूल्यांकन हेतु गहन अध्ययन, डा. बी.के. पांडा और मोना सेदवाल।

ijke'k vkj vU; fo'ofo|ky;k vkj lLFkkuk ¼lkolt fud fudk;k½ dk vdknfed lgk;rk

19–21 अप्रैल 2016 से अंतरीप कार्यशाला में भाग लिया और 20 अप्रैल 2016 को सत्र में अध्यक्षता।

राज्य स्तरीय डीईओ और बीईओ के सम्मेलन, 30 मई से 1जून, 2016, श्रीनगर।

सुश्री श्रेया तिवारी एम.फिल. छात्र– मौखिक परीक्षा, 11 जुलाई, 2016।

उत्तराखंड पीजीडेपा प्रतिभागियों के साथ एक अंतरराज्यीय यात्रा के रूप में भ्रमण, 21–23 अक्टूबर, 2016

पीजीडेपा में दो सत्र ''स्कूल में नेतृत्व'' पर एक सत्र और ''स्कूलों में सुरक्षा प्रबंधन'' पर दूसरा सत्र, 24 अक्टूबर, 2016

28 नवंबर से 2 दिसंबर, 2016 को राज्य और जिला स्तर व्यवस्थापकों के लिए महिला शैक्षिक प्रशासक अभिविन्यास–सह कार्यशाला'' में ''महिला प्रशासक की नेतृत्व भूमिका'' न्यूपा में व्याख्यान, 28 नवंबर, 2016।

कुलपति, प्रभारी, न्यूपा 26–29 अक्टूबर, 2016।

कुलपति, प्रभारी न्यूपा 16–17 नवंबर, 2016

वायु सेना के प्रतिनिधियों के साथ बैठक, न्यूपा, नई दिल्ली में 12 जनवरी, 2017

कलिंग विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ ''शैक्षणिक सलाहकार समिति''।

6 फरवरी, 2016 को भारत पर्यावास केन्द्र में (प्रो प्रणति पांडा) शाला सिद्धि कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया

15 फरवरी, 2016 डीपीएस, ईस्ट ऑफ कैलाश में ग्रेटर नोएडा प्रबंध समिति की बैठक में भाग लिया।

16 फरवरी, 2016 एक पी–एच.डी. छात्र की मौखिक परीक्षा लेने के लिए जामिया मिलिया इस्लामिया का भ्रमण।

16 फरवरी, 2016 चयन समिति की बैठक में भाग लेने के लिये एएमयू, अलीगढ़ का भ्रमण।

vkbMik vkj ihthMik d fy; lefUor ikBîØe

(1) पीजीडेपा – शैक्षिक प्रबंधन पर पाठ्यक्रम स्वदेश आलेख प्रस्तुतियाँ पर पाठ्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में क्षमता निर्माण पर पाठ्यक्रम

(2) पीजीडेपा – शैक्षिक योजना और प्रबंधन में बेसिक पर पाठ्यक्रम

शैक्षिक प्रबंधन पर पाठ्यक्रम

प्रशिक्षण और शिक्षा में क्षमता निर्माण पर उन्नत पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यक्रम

çf'k{k.k lkexh& fofHkUu ikBîØek vkj dk;Øek d fy, fodflr

प्रशिक्षण रूपरेखा, मुस्लिम अल्पसंख्यक प्रबंधित विद्यालयों के प्रमुखों के लिए संस्था निर्माण पर पठन सामग्री।

प्रशिक्षण सीबीएसई सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर रूपरेखा और सामग्री, दो प्रबंधन विकास कार्यक्रम के लिए।

स्कूल प्रधानाध्यापकों के लिए अनुभव उपकरण साझा करना।

उच्च शिक्षा संस्थान के संस्थागत प्रमुखों के लिए अनुभव प्रोफार्मा साझा करना।

ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों और जिला शिक्षा अधिकारियों के मूल्यांकन हेतु उपकरण प्रशिक्षण आवश्यकताएं।

क्षमता निर्माण पर पाठ्यक्रम के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार और प्रशिक्षुओं के साथ साझा किया गया।

U;ik dh 'k{kf.kd ifj"kn

मार्च 2016 में आयोजित विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिषद की बैठक में भाग लिया।

U;ik d ckgj ç[;kr fudk;k dh lnL;rk

जेएसएस लॉ कॉलेज के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स पर यूजीसी नामिति (मैसूर विश्वविद्यालय)।

भारती विद्यापीठ डीम्ड विश्वविद्यालय, पुणे योजना एवं निगरानी बोर्ड पर यूजीसी नामिति।

जामिया मिलिया इस्लामिया के कार्यकारी परिषद में आगंतुक नामिति।

वायु सेना के केन्द्रीय विद्यालय के सदस्य, शासी निकाय।

कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए समिति एनसीईआरटी –सदस्य

स्वायत्त प्रबंधन कॉलेज–गीतम पर यूजीसी प्रतिनिधि (आंध्र प्रदेश)

कोबसे के सदस्य कार्यकारिणी समिति

विशेष निर्देश के साथ अल्पसंख्यक शिक्षा संस्थानों के लिए राष्ट्रीय आयोग (एनसीएमईआई) के मानद सदस्य, अल्पसंख्यक बालिका शिक्षा के मुद्दों का समर्थन करने हेतु।

चयन समिति हेतु आगंतुक नामित, शिक्षा संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए आयोजित, नार्थ कैम्पस।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सदस्य, महाराजा कॉलेज के स्वायत्त दर्जा के विस्तार के लिए प्रदर्शन और शैक्षिक उपलब्धियों का मूल्यांकन करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया, आंध्र विश्वविद्यालय, विजयनगर।

इंदौर विश्वविद्यालय, इंदौर के अकादमिक स्टाफ कॉलेज के सदस्य सलाहकार समिति

जी.जी.एस. इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के अध्ययन के सदस्य बोर्ड

जेडआईईटी के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन सलाहकार समिति के सदस्य

जनशक्ति जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, प्रयुक्त जनशक्ति अनुसंधान संस्थान, जिल्द XLVI, सं. 3

संहिता समिति के सदस्य

डीपीएस एजुकेशनल सोसायटी के सदस्य

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सदस्य, एमईएस, ममपॉड कॉलेज, मलप्पुरम, केरल को स्वायत्त दर्जा के विस्तार के लिए प्रदर्शन और शैक्षिक उपलब्धियों का मूल्यांकन करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया।

डीपीएस सीतापुर, हाथरस, अलीगढ़, राजनगर गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर, ग्रेटर नोएडा आदि के प्रबंधन के बोर्ड के सदस्य

विज्ञान और प्रौद्योगिकी, गुड़गांव वायएमसीए विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद के सदस्य।

chd ikMk

vk;kftr dk;Øe%

डिप्लोमा कार्यक्रम

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन, 2016–17 में तीसरा स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम टीम के सदस्यों के साथ तैयार करी कार्यक्रम की पुस्तिका, ब्रोशर, पठन सामग्री और रिपोर्ट।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन, 2017–18 में चौथा स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम टीम के सदस्यों के साथ तैयार कार्यक्रम की पुस्तिका, ब्रोशर, पठन सामग्री और रिपोर्ट।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 33वें अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा का आयोजन किया। फरवरी, 2016–17 (आईडेपा)। कार्यक्रम टीम के सदस्यों के साथ तैयार कार्यक्रम की पुस्तिका, ब्रोशर, पठन सामग्री और रिपोर्ट।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 34वें अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा का आयोजन किया। फरवरी, 2017–18 (आईडेपा)। कार्यक्रम टीम के सदस्यों के साथ तैयार कार्यक्रम की पुस्तिका, ब्रोशर, पठन सामग्री और रिपोर्ट।

17 जुलाई से 12 अगस्त 2017 शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (आईपीईए) में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया।

lxfBr jkT; Lrjh; lEeyu

1–3 मई, 2016 से श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर राज्य में डीईओ और बीईओ राज्य सम्मेलन का आयोजन किया।

ekxn'ku] ,e-fQy-@ih&,p-Mh- U;ik d 'kkèkNk=

सशस्त्र संघर्ष के दौरान सुरक्षा और स्कूली शिक्षा के पुनर्निर्माण पर एक अध्ययनः सुश्री एन रेबेका द्वारा मणिपुर के एक मामले का अध्ययन। अध्ययन पूर्ण।

श्री अजय कुमार द्वारा उत्तरा खंड के चमोली जिले में महिलाओं को सशक्त बनाने में विकेंद्रीकरण और पंचायत राज संस्थाओं के प्रभाव का एक अध्ययन, अध्ययन पूर्ण।

सुश्री ज्योत्सना का अध्ययन, उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में अनुसूचित जनजातियों के बीच शिक्षा का एक अध्ययन जारी है।

सुश्री पूनम चौधरी का अध्ययन, दिल्ली के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की प्रबंधन का एक अध्ययन। अध्ययन जारी है।

e,Mîy] ,ulhbvkjVh d fy, fodflr

प्रभावी विद्यालय के लिए मानचित्रण संसाधन।

संकल्पना और संस्थागत योजना की प्रक्रिया।

dk;Øe vkj ikBîØe dk fodkl

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (पीजीडेपा और आईडेपा) के लिए ''विकास हेतु क्षमता निर्माण'' पर एक उन्नत पाठ्यक्रम का विकास किया।

विकसित और चार सप्ताह की छोटी अवधि के प्रशिक्षण शिक्षा अधिकारियों के लिए प्रस्तुत शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (आईपीईए) में अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम शीर्षक से एक कार्यक्रम बनाया गया है और न्यूपा पर एक नियमित आधार पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विदेश मंत्रालय, भारत सरकार से मंजूरी मिल गई है। मौजूदा आईडेपा कार्यक्रम की तर्ज पर।

अनुसंधान परियोजना

अनुसूचित जाति के बच्चों के बीच शिक्षा – राजस्थान के दो गांवों का गहन अध्ययन –अध्ययन जारी है।

lfork dk'ky

çdk'ku

if=dkvk@iLrdk e y[k

स्कूल रेडीनैसः स्कूल सक्सस इन नवतिका जर्नल ऑफ अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन, में आलेख प्रकाशित जिल्द–7, सं. 3, अगस्त–अक्टूबर 2016, आईएसएसएन 2348–8824, आरएनआई नं. एचएआरईएनजी/2010/35200, पृष्ठ सं. 4 से 11

''यूजिंग इनोवेटिव टैक्नोलॉजीजः अन्कवरिंग द पोटेंशियल इन प्री–स्कूल एजुकेशन'' आलेख प्रकाशित। ''इफैक्टिव यूज ऑफ आईसीटी फॉर इफैक्टिव टीचिंग एंड लर्निंग'' आईएसबीएन 978–93–84845–16–2, प्रगमा पब्लिकेशन्स, हैदराबाद।

आलेख प्रकाशित रिसर्च बेस्ड वाकेशनल एजुकेशन प्रोग्राम्स थ्रू ओपन एंड डिसटेंन्स लर्निंग मोड विद स्पेशियल रिफ्रेंस टू ओपन स्कूलिंग इन द कम्यूनिकेशंस जर्नल ऑफ अप्लाईड रिसर्च इन ओपन एंड डिस्टेंस एजूकेशन, जिल्द 23, सं. 1, आईएसएसएन 0975–6558, पृष्ठ सं. 14 से 26

dk;Øe@ikBîØe fodkl

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन, 2016–17 में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम के समन्वयक। पृष्ठभूमि आलेख, पुस्तिका, ब्रोशर, पढ़न सामग्री तैयार की, इस कार्यक्रम की रिपोर्ट और चयनित पठन सामग्री (पाठ्यक्रम कोडः 901) कार्यक्रम निदेशक और वरिष्ठ कार्यक्रम समन्वयक के साथ।

आईपीईए कार्यक्रम की संकल्पना, तैयारी और वितरण 18 जुलाई से 12 अगस्त 2016, विभाग और संकाय सदस्यों के साथ–साथ शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (आईपीईए) पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित।

शैक्षिक प्रशासक के प्रथम अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के समन्वयक 18 जुलाई से 12 अगस्त, 2016 तक आयोजित।

19 से 23 दिसंबर, 2016 तक आयोजित, दिसंबर वर्ष 2016 उच्च शिक्षा के अल्पसंख्यक प्रबंधित संस्थानों के प्रमुखों के लिए संस्थागत विकास में अभिविन्यास कार्यक्रम के समन्वयक

पीजीडेपा से आयोजित परियोजना रिपोर्ट के आधार पर कार्यशाला समन्वित, 04–08 अप्रैल, 2016।

समन्वित कार्यशाला, उन्नत पाठ्यक्रम पीजीडेपा के अंतर्गत आयोजित 11–15 अप्रैल, 2016।

पीजीडेपा के लिए समन्वित उन्नत पाठ्यक्रम, कार्यशाला और डेपा और पीजीडेपा के पुरस्कार, मूल्यांकन और प्रस्तुति 27 जून से 01 जुलाई, 2016

न्यूपा प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में अंशदान

पाठ्यक्रम कोड 901 के सह–संकाय और संसाधन व्यक्ति, पीजीडेपा के लिए (शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में बेसिक) और पाठ्यक्रम कोड 901 पीजीडेपा (शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में बेसिक) के लिए दस सत्र का आयोजन किया

पाठ्यक्रम संयोजक और पाठ्यक्रम कोड 905 के संसाधन व्यक्ति पीजीडेपा के लिए, (परियोजना का काम और लेखन) और आयोजित बीस सत्र पीजीडेपा के पाठ्यक्रम कोड 905 (परियोजना का काम और लेखन)

25 जुलाई से 29 जुलाई और 8–9 अगस्त, 2016 शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईए) में 4 सत्र।

19–23 दिसंबर, 2016 से आयोजित उच्च शिक्षा के अल्पसंख्यक प्रबंधित संस्थानों के प्रमुखों के लिए संस्थागत विकास में अभिविन्यास कार्यक्रम में सात सत्र।

''दूरस्थ मोड के माध्यम से स्कूल शिक्षा'' मुस्लिम अल्पसंख्यक सीनियर सेकेण्डरी के प्रमुखों के लिए संस्थागत योजना पर वार्षिक कार्यक्रम 2–6 जनवरी 2017 को आयोजित।

पीजीडेपाः (एक परिप्रेक्ष्यः भारतीय शिक्षा) पाठ्यक्रम कोड 902 के चार सत्र

पीजीडेपा पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम कोड 211 के पाठ्यक्रम प्रभारी। आईडेपा के अनुसंधान कार्यप्रणाली पाठ्यक्रम कोड 211 के लिए ग्यारह सत्र, फरवरी 2017

आईडेपा पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम कोड 213 (परियोजना कार्य) के पाठ्यक्रम प्रभारी। 1 फरवरी 2017 से शुरू होने वाले कार्यक्रम के लिए निश्चित रूप से संशोधन और पाठ्यक्रम के लिए चार सत्र।

एक सत्र की अध्यक्षता ''राज्य केन्द्रशासित राज्य अनुभवः महाराष्ट्र, हरियाणा और चंडीगढ़'' में 7–11 नवंबर, 2016 से ''प्राथमिक स्तर पर स्कूल प्रबंधन के विकेंद्रीकरण के फील्ड अनुभव'' पर कार्यशाला

jk"Vªh;@varjk"Vªh; laxks"Bh@lEesyuksa esa Hkkxhnkjh

प्रस्तुत आलेख शीर्षक ''अभिनव प्रौद्योगिकियों का उपयोग करना पूर्व स्कूल शिक्षा में संभावित उजागरता'': हैदराबाद में 29–30 मई 2016 को आयोजित भविष्य की जरूरतों, शिक्षा बदलने की सोच का विकास करना, उस्मानिया यूनिवर्सिटी और आईसीटी के साथ आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ''ओडेल के माध्यम से कौशल विकासः नवाचार उद्यमिता, समावेशी और टिकाऊ आजीविका के लिए रोजगार'' स्ट्राइड इग्नू द्वारा आयोजित और एक आलेख शीर्षक ''यू–डाईस डाटा कैप्चर की उत्तरदाताओं की प्रौद्योगिकी आधारित क्षमता निर्माण प्रस्तुत, भारत भर में प्रारूपः एक अध्ययन, 9–11 मार्च 2017।

'ओडेल के माध्यम से कौशल विकासः समावेशी और टिकाऊ आजीविका के लिए नवाचार उद्यमिता, रोजगार' अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में समानांतर सत्र के रिपोर्टर, इग्नू 9–11 मार्च, 2017 को स्ट्राइड द्वारा आयोजित।

आलेख प्रस्तुत ''श्री अरविंद और माँ के अनुसार स्कूल शिक्षा का प्रबंधनः एक हस्तक्षेप का केस अध्ययन', 'लाइफ का अर्थ' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 16–18 मार्च, 2017 से आईसीपीआर, नई दिल्ली के सहयोग से एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन, एमिटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित।

भाग लिया और एक रिपोर्टर के रूप में कार्य 'मुद्दे और चुनौतियां' 'विश्वविद्यालयों का अभिशासन' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 23–24 मार्च 2017 न्यूपा, नई दिल्ली

अंतरीप कार्यशाला के लिए रिपोर्टर 19–21 अप्रैल, 2016, पूर्ण अधिवेशन के लिए आयोजितः शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधनः समकालीन तरीके और नवाचार। कार्यशाला में भाग लिया

भाग लिया और आलेख प्रस्तुत किया ''दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षक शिक्षाः चुनौतियां और वादे, समस्याएं और संभावनाएं'' प्रस्तुतः दूरस्थ शिक्षा और मुक्त अधिगम के माध्यम से शिक्षक शिक्षाः चुनौतियां और संभावनाएं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक विश्लेषण। 27–29 मार्च, 2017 से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित

ijke'kZ vkSj lkoZtfud fudk;ksa dks fy, vdknfed lgk;rk

ईपीजी पाठशाला के माध्यम से एम.एड. कार्यक्रम के लिए पांच मॉड्यूल की भाषा संपादन।

1) प्राचीन और मध्यकालीन भारत में शिक्षक शिक्षा के परिदृश्य

2) आधुनिक और समकालीन भारत में शिक्षक शिक्षा के परिदृश्य

3) भारत में प्रमुख दक्षताओं पर शोध

4) गुणात्मक अनुसंधान के बुनियादी सिद्धान्त

ईपीजी पाठशाला के एम.एड. कार्यक्रम के लिए चार वीडियो पाठ प्रदान किये गये।

1) प्राचीन और मध्यकालीन भारत में शिक्षक शिक्षा के परिदृश्य

2) आधुनिक और समकालीन भारत में शिक्षक शिक्षा के परिदृश्य

3) भारत में प्रमुख दक्षताओं पर शोध

4) गुणात्मक अनुसंधान के बुनियादी सिद्धांत

शैक्षिक अनुसंधान के ग्रीनर जर्नल और शैक्षिक अध्ययन के ग्रीनर जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य। Http. gjournal.org ISSN: 2354-225X

''कौशल विकास और रोजगार सृजन'' 8–26 अगस्त, 2016 से वी.वी. गिरि श्रम संस्थान द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में, 16 अगस्त 2016 ''ओपन स्कूलिंग/दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा'' पर दो सत्रों में भाग लिया।

''बचपन की देखभाल और शिक्षा'' (ईसीसीई के लिए यूनिट दो शीर्षक, ''बाल विकास'' के लिए दोनों प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक) पर मॉड्यूल की सामग्री के विकास पर बैठक में भाग लिया) प्राथमिक शिक्षा, एनसीईआरटी, विभाग द्वारा आयोजित 3–4 अगस्त, 2016।

शिक्षा और साक्षरता अध्ययन इंटरनेशनल जर्नल के लिएः आलेख मूल्यांकन'' भावनात्मक परिपक्वता पर घर का माहौल की भविष्यवाणी करने की शक्ति (आईजेईएलएस–449 पांडुलिपि आईडी) की समीक्षा की विषय ''बचपन की देखभाल और शिक्षा'' (ईसीसीई) में एक वर्ष के प्रमाण पत्र के लिए मुक्त विद्या वाणी कार्यक्रम के माध्यम से (लाइव पीसीपी/वेब रेडियो कार्यक्रम) 1 जून 2016 को आयोजित की ''एक ईसीसीई केंद्र की स्थापना'' पर व्याख्यान दिया।

çf'k{k.k dk;Øe esa Hkkxhnkjh

ihthMhik] vkbMhik] Ldiy yhMjf'ki çcëku fMIykek çfrHkkfx;k vkj ,e-fQy- Nk=k dk ekxn'ku

वियतनाम राष्ट्रीय शैक्षिक विज्ञान, हनोई, वियतनाम के स्कूली प्रयोग संस्थान में ''शिक्षक स्व–अध्ययन की आदतें का एक अन्वेषण'' शोध अध्ययन, आईडेपा भागीदार श्रीमती डिएन बुई थी (वियतनाम) के शोध प्रबंध के लिए मार्गदर्शन।

''भूटान में शिक्षकों के पेशेवर विकास के संबंध में सेवाकालीन कार्यक्रम स्कूल पर एक अनुवर्ती अध्ययन'' शोध अध्ययन आईडेपा भागीदार सुश्री चदोर वाग्मो (भूटान) के शोध प्रबंध के लिए मार्गदर्शन

उत्तराखंड से पीजीडेपा भागीदार सुश्री गीतिका जोशी को शोध प्रबंध ''उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के एक अध्ययन के लिए मार्गदर्शन

ekuk lnoky

çdk'ku

डायवर्सिफाइड टीचर ट्रेनिंग कोर्सेसः मल्टीपल इंस्टीट्यूशन एंड वरीड लेबल, जर्नल ऑफ एजूकेशन रिसर्च (एडूसर्च), में प्रकाशित वाल्यूम 7, सं.1, अप्रैल 2016, पृष्ठ 1–11, आईएसएसएनः 0976–1160

एक्सेस एंड इक्विटी इन हायर एजूकेशनः ए रिव्यू ऑफ साउथ एशियन रीजन इन हायर एजुकेशन इन इंडियाः चैलेंजेज एंड पॉसीबिलिटीज, डी. परीमाला द्वारा संपादित और कनिष्का पब्लिशर्स, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित 2017 पृष्ठ 327–337, आईएसबीएन 978–81–8457–745–7

lxks"Bh@lEesyu@dk;Z'kkykvksa esa Hkkxhnkjh

सीआईईटी, चाचा नेहरू भवन, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नई दिल्ली में 19–23 सितंबर, 2016 ''शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में उभरते मुद्दे पर अनुसूचित जाति बहुल जिलों के शिक्षक शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति।

शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 22–24 फरवरी 2017 के दौरान आयोजित समकालीन भारत में शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए एक सत्र की अध्यक्षता की। आठ प्रस्तुतियों दोपहर सत्र में प्रस्तुत 23 मार्च, 2017। सम्मेलन शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित किया गया था।

आमंत्रित अतिथि के रूप में अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 22–24 फरवरी, 2017 के दौरान आयोजित समकालीन भारत में शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए अध्यक्षता की। वैश्विक रुझान और भारतीय परिदृश्यः व्याख्यान का शीर्षक शिक्षा 2030 एजेंडा था। 23 फरवरी, 2017 को सम्मेलन शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया।

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर तीसरा राष्ट्रीय समीक्षा योजना कार्यशाला 21–22 फरवरी, 2017, यूएसआई परिसर, नई दिल्ली। कार्यशाला राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र (एनसीएसएल), राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित की गई।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सी.पी.आर.एच.ई.) द्वारा आयोजित की गयी – छात्र विविधता और उच्चतर में शिक्षा भेदभाव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 27–28 फरवरी, 2017 न्यूपा, कक्ष सं. 113. न्यूपा, नई दिल्ली।

स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों और युवा सशक्तिकरण नीति संगोष्ठी, 2–3 मार्च 2017 न्यूपा, कक्ष सं. 113. संगोष्ठी राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय के शैक्षिक नीति विभाग, द्वारा आयोजित, न्यूपा, नई दिल्ली।

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन 05–07 मार्च 2017 भारतीय प्रवासी केंद्र, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली। सम्मेलन राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय के शैक्षिक प्रशासन विभाग द्वारा आयोजित, न्यूपा, नई दिल्ली।

9–10 मार्च 2017, न्यूपा कक्ष सं. 113. संगोष्ठी शैक्षिक नीति विभाग, उच्चतर शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा विभाग के सहयोग रूप से आयोजित की गई। विचार और व्यवहार के रूप में स्वायत्तताः भारत में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के साथ कार्य पर राष्ट्रीय कार्यशाला राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र और शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः संभावनाएं और शैक्षिक नीति के लिये चुनौतियां 16–17 मार्च, 2017, न्यूपा कक्ष सं. 113, संगोष्ठी शैक्षिक नीति विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, (न्यूपा) नई दिल्ली द्वारा आयोजित।

dk;Z'kkyk,@lEesyu@çf'k{k.k dk;Øe lxfBr

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (आईडेपा) में बत्तीसवां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए समन्वयक, राष्ट्रीय

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), नई दिल्ली फरवरी – अप्रैल 2016, डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए उन्नीस देशों से छब्बीस प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया था।

शैक्षिक प्रशासकों के लिए पहला अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईए) के लिए कार्यक्रम संयोजक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), नई दिल्ली, 18 जुलाई 12 अगस्त 2016, कार्यक्रम के लिए ग्यारह देशों से बीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मुस्लिम अल्पसंख्यक प्रबंधित सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के प्रमुखों के लिए संस्था योजना पर वार्षिक कार्यक्रम के लिए समन्वयक 2–6 जनवरी, 2017, कार्यक्रम के लिए ग्यारह राज्यों से पैंतीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।

18–22 जनवरी 2017, आंध्र प्रदेश में आश्रम स्कूलों के प्रमुखों के लिए स्कूल सुधार कार्यक्रम में तीस प्रतिभागियों द्वारा भागीदारी। एलुरु, आंध्र प्रदेश में प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रोग्राम समन्वयक।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (आईडेपा) में तेंतीसवां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा के लिए प्रोग्राम समन्वयक। राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), नई दिल्ली फरवरी – अप्रैल, 2017, नई दिल्ली में डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए बीस देशों से छब्बीस प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

vU; 'k{kf.kd@0;kolkf;d ;kxnku

शैक्षिक मॉड्यूल के लिए शैक्षिक आगत प्रदान करने के लिए शैक्षिक संचार कंसोर्टियम (सीईसी), नई दिल्ली में 09 जून, 2016 को ई–सामग्री के पूर्वावलोकन में भाग लिया।

मध्य प्रदेश राज्य के लिए संयुक्त समीक्षा मिशन (जेआरएम), एक क्षेत्र समीक्षा मिशन, शिक्षक शिक्षा (सीएसएसटीई) पर केन्द्र प्रायोजित योजना टीम के सदस्य के रूप में, भारत सरकार से नामित, 17–24 अगस्त, 2016।

तृतीय वर्ष बीएलएड का मसौदा पर अपनी प्रतिक्रिया दी। स्कूल योजना और प्रबंधन, जनवरी 2017।

समावेशी गुणवत्ता की शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रिपोर्टरः रॉयल अध्यादेश के अवसर पर केरल मॉडल से सतत विकास लक्ष्य, 4 सबक, त्रावणकोर (केरल) 17–18 जून, 2017, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में। सम्मेलन सामाजिक विज्ञान संस्थान केरल सरकार और यूनिसेफ द्वारा आयोजित किया गया।

रूटलेज पर शिक्षा के लिए पांडुलिपि का मूल्यांकनः टेलर और फ्रांसिस पुस्तकें, सितंबर वर्ष 2016।

रूटलेज पुस्तक प्रस्ताव की समीक्षा, टेलर और फ्रांसिस पुस्तकें नवंबर वर्ष 2016।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस के लिए तीसरी कक्षा के लिए एक सामाजिक विज्ञान पुस्तक पांडुलिपि की समीक्षा की, जनवरी 2017

प्रख्यात निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी (सीईएसआई), भारत। सचिवालय, जाकिर हुसैन शिक्षा अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई महरौली रोड, नई दिल्ली।

शैक्षिक अनुसंधान अखिल भारतीय संघ (एआईएईआर), भुवनेश्वर, उड़ीसा, भारत, के आजीवन सदस्य।

भारतीय सामाजिक समिति के आजीवन सदस्य (आईएसएस), नई दिल्ली, भारत।

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र

jf’e nhoku

f'k{k.k

व्यावहारिक रूप से सभी न्यूपा और एनसीएसएल के कार्यक्रमों में स्कूल नेतृत्व पर आयोजित शिक्षण सत्र।

ie[k dk;Øek e l dN fuEufyf[kr g%

एम.फिल./पी–एच.डी. कार्यक्रमः शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर कोर पाठ्यक्रम

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमाः स्कूल लीडरशिप परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण क्षेत्र और अग्रणी स्कूल प्रशासन और प्रबंधन क्षेत्र

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमाः शैक्षिक प्रबंधन और प्रशासन पर पाठ्यक्रम

शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम : स्कूल लीडरशिप पर कोर्स

çf'k{k.k vkj jkT;k dk ijke'k

नेतृत्व कार्यक्रम, समीक्षा के माध्यम से संपर्क करने के लिए कार्यशाला, स्कूल लीडरशिप अकादमियों, कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर राज्यों के साथ विचार विमर्श, राज्य संसाधन समूह, स्कूल प्रमुखों के लिए डाटाबेस के निर्माण के लिए कार्यक्रमों के संचालन राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के लिए परामर्श प्रदान करना आदि।

विस्तार और नेतृत्व अकादमियों की स्थापना, स्कूल नेतृत्व विकास के लिए मार्ग हेतु राज्यों के लिए एक मार्गदर्शक दस्तावेज तैयार

स्कूल नेतृत्व विकास पर नए कोर्स की संकल्पना

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम की रूपरेखा

एनसीएसएल टीम द्वारा स्कूल लीडरशिप पर सभी दस्तावेजों की तैयारी

vu|lèkku dk;Øe

एम.फिल. अनुसंधान अध्ययन के लिए पारुल चौधरी को मार्गदर्शन जिसका शीर्षक था ''दिल्ली विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों में महिला प्रधानाध्यापकों की कार्य शैली पर एक अध्ययन''

पी–एच.डी. शोध अध्ययन के लिए गीता बहल को मार्गदर्शन ''नेतृत्व विकास और स्कूल सुधार दिल्ली के सीनियर सेकेंडरी स्कूलों का एक अध्ययन''

पी–एच.डी. शोध अध्ययन के लिए रश्मि वाधवा को मार्गदर्शन, जिसका शीषर्क ''भारत में उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश के अवधारक''।

सतीश कामरूप, मॉरीशस से आईडेपा प्रतिभागी के प्रोजेक्ट पर कार्य जिसका शीर्षक था ''मारीशस के फ्लक्क जिले में चयनित स्कूलों के शिक्षण स्टाफ को प्रेरित करने में स्कूलों के प्रमुखों की भूमिका का एक अध्ययन''

पीजीडेपा प्रतिभागी स्क्वाड्रन लीडर शमीम अख्तर, को मार्गदर्शन जिसका शीर्षक था ''स्कूल लीडरशिप का एक अध्ययन'' उप प्रधान सैनिक स्कूल तिलैया, झारखंड द्वारा प्रदर्शित।

शैक्षणिक और व्यावसायिक अंशदान

प्रमुख के रूप में सभी एनसीएसएल गतिविधियों अग्रणीः मार्गदर्शन और निजी भागीदारी प्रदान, न्यूपा और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के बीच समन्वय, एनसीएसएल द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रम, और मानव संसाधन विकास मंत्रालय कार्यशालाओं में अंतर्राष्ट्रीय

प्रतिनिधि के अध्ययन दौरे के लिए न्यूपा द्वारा आयोजित प्रस्तुतियां बनाना। समय–समय पर कई मुद्दों पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय को इनपुट प्रदान करना आदि, राष्ट्रीय नवाचार पर स्कूल शिक्षा 18–20 अप्रैल, 2017 में सम्मेलन (नवोन्मेश) नामक ''स्कूल प्रमुखों की एक अलग संवर्ग का निर्माण के लिए दिशानिर्देश'' पर महत्वपूर्ण नीति पत्र में शामिल।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय और न्यूपा पर विभिन्न समितियों के विशेष आमंत्री के रूप में बैठकों की श्रृंखला में भाग लेने हेतु सदस्य

p;u cBd@dk;'kkyk,¡ ekuo l1lkeku fodkl e=ky; e vk;kftr

l;ä leh{kk cBd

'प्राथमिक शिक्षा में नई पहल' मानव संसाधन विकास पर संसदीय स्थायी समिति की बैठक

भारत पर्यावास केन्द्र में स्कूल शिक्षा पर कार्यशाला

अप्रशिक्षित सेवा शिक्षक के लिए कार्य योजना पर कार्यशाला, डाईट और स्कूल लीडरशिप का सुदृढ़ीकरण, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, 17 जुलाई, 2017।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय से जुड़ी संसद के सलाहकार समिति की बैठक

नेतृत्व और अध्यापक प्रशिक्षण पर बैठक और कार्यशालाएं

2 जनवरी, 2017 मानव संसाधन विकास मंत्रालय में ऑरोविले फाउंडेशन के साथ बैठक

सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन के साथ बैठक

शिक्षा क्षेत्र में प्रधानमंत्री समीक्षा से उभरे निर्णय की कार्रवाई की समीक्षा बैठक

आरएमएसए की समीक्षा/मूल्यांकन के लिए परामर्श मूल्यांकन समिति

आरएमएसए की समीक्षा/मूल्यांकन के लिए परामर्श निगरानी समिति

U;ik dh p;fur cBd

शैक्षणिक परिशद

अध्ययन बोर्ड

पुस्तकें चयन समिति

पर्यवेक्षकों का आबंटन के लिए समिति (कैस)

शैक्षिक प्रशासन, क्षमता निर्माण विभाग, शैक्षिक योजना विभागः न्यूपा में विभिन्न विभागों के कई टास्क फोर्स की बैठकों

vU; dk;

समिति के सदस्य 'केन्द्रीय विद्यालयों में स्थानांतरण और प्रोत्साहन नीति'

luhrk p?k

çdk'ku

ट्रांसफोर्मिंग अरबन पब्लिक स्कूल्सः ए चैलेंज फॉर स्कूल लीडरशिप, जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन, वाल्यूम 42, सं. 1 मई 2016 पीपी 43–57, एनसीईआरटी

शहरी गरीब क्षेत्र में नेतृत्वकारी विद्यालय, परिप्रेक्ष्य न्यूपा, खंड 22, संख्या 1 अप्रैल 2015।

पोजिशनिंग स्कूल लीडरशिप इन इंडियन कॉन्टेक्स्टः रिव्यू एंड वे अहैड इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, वाल्यूम 5, मार्च 2016

vul ekku vè;;u

tkjh

भारत में शहरी मलिन बस्तियों में शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों की भागीदारी के महत्वपूर्ण मूल्यांकन पर अध्ययन। यह परियोजना भारत के दस शहरों में किया जा रहा है। घरों से डाटा सभी शहरों से एकत्र किया गया है और

डेटा प्रविष्टि किया जा रहा है। शोध पत्र लखनऊ शहर के लिए आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर तैयार किया जा रहा है और अटलांटा में सी.ई.आई.एस. सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए। स्कूल से डेटा संग्रह के लिए उपकरण तैयार किया गया है। संबंधित साहित्य की समीक्षा की और कुछ शहरों की यात्रा डेटा संग्रह कार्य के लिए की गई है। माध्यमिक डेटा के आधार पर चुनिंदा शहरों की प्रोफाइल तैयार की गई है।

भारत में शहरी मलिन बस्तियों में शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों की भागीदारी के महत्वपूर्ण मूल्यांकन पर अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक आयोजित 2 मई, 2017।

lEeyu@lxk"Bh e Hkkxhnkjh

11–23 अप्रैल, 2016, भारत सरकार प्रत्याशियों के रूप में संयुक्त समीक्षा मिशन में भाग लिया, जेआरएम के भाग के रूप में दिल्ली के स्कूलों का दौरा किया और शिक्षा का व्यवसायीकरण पर एक रिपोर्ट तैयार की।

1–2 मार्च, 2017, अधिकार आधारित विकास और सुशासन आचरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में' भारत में समुदाय भागीदारी से समुदाय संलग्नता तकः भारतीय संदर्भ में स्कूल हेड की बदलती भूमिका के लिए एक आलेख प्रस्तुत, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय।

''बुनियादी परिप्रेक्ष्यः भारत में शिक्षा और राजनीति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, में 'विकेंद्रीकरण के फ्रेमवर्क में सामुदायिक भागीदारीः स्थानीय स्वशासन की ओर'' आलेख प्रस्तुत, हैदराबाद विश्वविद्यालय में (फरवरी 24–25 2017)ः

61वीं वार्षिक तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी सम्मेलन (5–9 मार्च 2017), अटलांटा, संयुक्त राज्य अमरीका में लखनऊ की मलिन बस्तियों, उत्तर प्रदेश (भारत) से साक्ष्यः शहरों में शिक्षा का क्रियान्वयन, एक आलेख प्रस्तुत किया।

dk;'kkyk@ijke'k lxfBr

स्कूल लीडरशिप और विकास पर एक साल का पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कार्यक्रम (अगस्त 2016 से जुलाई 2017) के प्रधान समन्वयक

स्कूल नेतृत्व विकास, झारखंड में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना की सलाहकार बैठक, और स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑन–लाईन अभिविन्यास कार्यक्रम, झारखंड, 24–25 जनवरी, 2017 राज्य में एसआरजी कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति

मध्य प्रदेश में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना की सलाहकार बैठक, और मध्य प्रदेश राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 30–31 जनवरी, 2017

छत्तीसगढ़ में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना हेतु सलाहकार बैठक, और छत्तीसगढ़, राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम, 2–3 फरवरी, 2017।

स्कूल लीडरशिप अकादमी मिजोरम की स्थापना के लिए सलाहकार बैठक और राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम, 7–9 फरवरी, 2017।

राष्ट्रीय समीक्षा करने और स्कूल नेतृत्व विकास पर योजना और राष्ट्रीय समीक्षा कार्यशाला हेतु प्रधान समन्वयक, 21–22 फरवरी, 2017

vU; 'kf{kd vkj 0;kolkf;d ;kxnku

पीजीडेपा कार्यक्रम में प्रतिभागी संगोष्ठी में सहयोग

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अग्रणी भागीदारी हेतु प्रमुख क्षेत्र के लिए सत्र।

स्कूल नेतृत्व परिप्रेक्ष्य और स्कूल विकास योजना तैयार करने पर सत्र ''दस दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम एससीईआरटी, दिल्ली द्वारा आयोजित 3–13 जनवरी, 2017।

भागीदारी और जिला और मंडल शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में आयोजित एक राज्य स्तरीय सम्मेलन में सत्र, एनआईआईटी, वारंगल, तेलंगाना, 5–6 अक्टूबर, 2016।

पर्यवेक्षण और मूल्यांकन, पीजीडेपा निबंध, ओ.आर. प्रकाश, शीर्षक 'कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों की शिक्षण पद्धति पर सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण के प्रभाव का एक अध्ययन'

पर्यवेक्षण और मूल्यांकन पीजीडेपा निबंध, शीर्षक, ''विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के समावेशन में मुद्दे और रूकावटें, अकुआपेम, उत्तरी नगर पालिका, पूर्वी क्षेत्र घाना में चयनित स्कूलों की एक केस अध्ययन।

पर्यवेक्षण, सामाजिक बहिष्करण और स्कूली शिक्षाः दिल्ली और जयपुर की मलिन बस्तियों का एक तुलनात्मक अध्ययन पर पी–एच.डी. थीसिसः मधुमिता सिंह

vU; xfrfofèk;k

एम.फिल./पी–एच.डी. कार्यक्रम के लिखित टेस्ट स्क्रिप्ट के मूल्यांकन के लिए सदस्य समिति।

परीक्षा समिति के सदस्य, परीक्षा समिति के एक सदस्य के रूप में तीन एम.फिल. छात्र की मौखिक परीक्षा आयोजित

गृह आबंटन समिति के सदस्य

छात्र कल्याण समिति के सदस्य

हिंदी समिति के सदस्य

ijke'kZ vkSj lkoZtfud fudk;ksa dks fy, vdknfed lgk;rk

2016–17 के लिए चयन राज्यों के लिए पीएबी बैठकों में भाग लिया।

संकल्पना नोट प्रदान किया और मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा (आरटीई) अधिनियम 2009, बच्चों के अधिकार विस्तार पर केब उपसमिति की बैठक में भाग लिया, पूर्व स्कूल शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा, मई, 2016 और 19 अक्टूबर, 2016

d';ih voLFkh

çdk'ku

इंप्लीमेंटेशन ऑफ आरटीई एंड स्टे्टस ऑफ केजीबीवी इन गुजरात जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन, एनसीईआरटी, वाल्यूम 13, सं. 2, मई 2016

dk;Z'kkyk@ijke'kZ lxfBr

हिमाचल प्रदेश में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना की सलाहकार बैठक, 25 मई, वर्ष 2016

राजस्थान राज्य में स्कूल लीडरशिप विकास कार्यक्रम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) का क्षमता निर्माण, 27 जुलाई से 2 अगस्त, 2016।

उत्तराखण्ड में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना की सलाहकारी बैठक, 20 सितंबर, 2016

नागालैंड राज्य में स्कूल लीडरशिप विकास कार्यक्रम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) का क्षमता निर्माण, 21 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2016

हिमाचल प्रदेश में स्कूल लीडरशिप प्रोग्राम की समीक्षा और प्रतिक्रिया कार्यशाला, 6–7 अक्टूबर, 2016

राजस्थान राज्य में स्कूल लीडरशिप विकास कार्यक्रम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) का क्षमता निर्माण, 17–26 अक्टूबर 2016।

तृतीय समीक्षा और त्रिपुरा राज्य में स्कूल लीडरशिप पर प्रतिक्रिया कार्यशाला, 22–25 दिसंबर, 2016

स्कूल लीडरशिप के लिए जिला एवं ब्लॉक स्तर पर पदाधिकारियों के क्षमता निर्माण पर अभिविन्यास कार्यक्रम, 26–31 दिसंबर, 2016।

शिक्षा विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से प्रधानाचार्यों और डाईट में वरिष्ठ व्याख्याताओं के लिए

स्कूल नेतृत्व विकास पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन। 30 जनवरी से 3 फरवरी, 2017।

राजस्थान में स्कूल लीडरशिप प्रोग्राम की समीक्षा और प्रतिक्रिया कार्यशाला, 24—25 जनवरी, 2017

पूणे, स्कूल लीडरशिप अकादमी में स्थापना की सलाहकार बैठक, महाराष्ट्र राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 21 जनवरी, 2017

उत्तराखंड राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम की सलाहकार बैठक, 18 फरवरी, 2017

गुजरात राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 4 मार्च, 2017

स्कूल लीडरशिप अकादमी गोवा में स्थापना की सलाहकारी बैठक। राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 24 मार्च, 2017।

vU; 'kSf{kd vkj 0;kolkf;d ;kxnku

स्कूल लीडरशिप पर पाठ्यक्रम के लिए पीजीडेपा और आईडेपा कार्यक्रम में एक संबद्ध संकाय के रूप में

स्कूल लीडरशिप में परिप्रेक्ष्य, स्व—विकास और स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने के ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम में अग्रणी स्कूल प्रशासन पर विभिन्न सत्र (2—27 जून, 2016)

नागरिक शास्त्र शिक्षा और सामाजिक अध्ययन के लिए शिक्षक और शिक्षा कार्मिक विकास केंद्र (सी.ई.एस.एस.) माध्यमिक विद्यालयों के नागरिक विज्ञान शिक्षकों का प्रसंग, आगत, प्रक्रिया और उत्पाद में क्षमता आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का कार्यान्वयन'', रहमा त्रि वुलंदरी द्वारा प्रस्तुत।

पर्यवेक्षण और मूल्यांकन, ओखलकांडा, जिला, नैनीताल में प्राथमिक विद्यालयों में ''राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का मूल्यांकन'' सुश्री कमलेश्वरी मेहता द्वारा प्रस्तुत पीजीडेपा निबंध जिसका शीर्षक।

शिवानी बख्शी द्वारा निबंध जिसका शीर्षक ''छात्र संक्रमण में स्कूल समर्थन प्रणाली की भूमिकाः स्कूल शिक्षा में नीति और आचरण'' पर पर्यवेक्षण और एम.फिल. का मूल्यांकन किया।

laxks"Bh@lEesyu@dk;Z'kkykvksa esa Hkkxhnkjh

भाग लिया और एक पैनल चर्चा में प्रस्तुत ''कैसे शिक्षक शिक्षा विद्यालय हिंसा और धमकाना को संबोधित करने के लिए शिक्षकों को विकसित करता है'' अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''स्कूल शिक्षा और धमकानाः साक्ष्य से कार्रवाई, सियोल, दक्षिण कोरिया, 17—19 जनवरी, 2017।

शिक्षा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में शैक्षिक नेतृत्व और उच्च शिक्षा में प्रबंधन पर पाठ्यक्रम विकास पर दो दिवसीय कार्यशाला में एक विशेषज्ञ के रूप में योगदान किया 14—15 फरवरी, 2017

भाग लिया और एक आलेख प्रस्तुत 'फरवरी 11—12, 2016 सी.आई.ई, नई दिल्ली, शीर्षक 'मुद्दे और चुनौतियांः शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन में अवधारणाओं, संभावनाएं और चुनौतियांः' व्यावसायिक शिक्षण समुदाय के माध्यम से अधिगम यात्रा।

स्कूल नेतृत्व विकास पर वार्षिक समीक्षा और योजना कार्यशाला में भाग लिया, फरवरी 21—22, 2017

भाग लिया और एक आलेख प्रस्तुत, जिसका शीर्षक ''अग्रणी स्कूलः मुद्दे और चुनौतियां से बढ़ते हुए स्कूल शिक्षा में संभावित समाधान' सी.आई.ई., नई दिल्ली में वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाः शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन, मार्च 10—11, 2017।

vU; xfrfof/k;k¡

छात्र कल्याण समिति के सदस्य

न्यूपा छात्रावास के लिए सहायक महिला वार्डन

परामर्श और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

2016–17 के लिए चयन राज्यों के लिए स्कूल नेतृत्व विकास के लिए पीएबी बैठकों में भाग लिया।

हिमगिरी शिक्षा की समीक्षा (एचआईआर) आईएसएसएन 2321–6336 के सलाहकार संपादकीय बोर्ड के सदस्य

स्कूल शिक्षा जीएसईआरटी, गांधीनगर में गुणवत्ता में सुधार के लिए कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य

1 जुलाई, 2016 को स्प्रिंगडेटस स्कूल, करोल बाग में ग्रीष्म स्टाफ संगोष्ठी में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित, ''भविष्य हम चाहते हैं की दिशा में अग्रणीः सतत विकास लक्ष्यों के लिए शिक्षा''

21–23 नवम्बर, 2016 से दक्षिण दिल्ली नगर निगम स्कूलों के स्कूल प्रधानाध्यापकों का क्षमता निर्माण, अस्पायर, भारत के साथ सहयोग

एससीईआरटी / एसआईईई और उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, जम्मू–कश्मीर और राजस्थान से डाईट संकाय हेतु शैक्षिक नेतृत्व और संघर्ष प्रबंधन पर अभिविन्यास–सह–पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित। 01–02 दिसंबर, 2016, एनसीईआरटी, नई दिल्ली

सुशासन केंद्र, नैनीताल की उत्तराखंड प्रशासन अकादमी में संसाधन व्यक्ति, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित डाईट के शिक्षक शिक्षकों में प्रभावी शैक्षणिक नेतृत्व को बढ़ाने के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 9–11 जनवरी, 2017।

मेरठ में ऑरोविले फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम की समीक्षा, उत्तर प्रदेश, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुरोध पर, 25 जनवरी, 2017।

केन्द्रीय विद्यालय, आर.के. पुरम, सेक्टर 8 में 18 फरवरी, 2017 को बच्चों के लिए 44वें जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान, गणित और पर्यावरण प्रदर्शनी में निर्णयकर्त्ता के रूप में आमंत्रित।

''परियोजना नियोजन, क्रियान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन'' सिक्किम में आयोजित एनसीईआरटी द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित, 27 फरवरी से 1 मार्च, 2017।

''शिक्षकों के रूप में माता–पिताः एक सामाजिक एजेंसी के रूप में परिवार की भूमिका'' पर मॉडर्न स्कूल बाराखंभा रोड में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित, 30 मार्च, 2017।

एन मैथिली

गतिविधियाँ

कार्यान्वयन

आंध्र प्रदेश, केरल, पांडिचेरी, मेघालय और सिक्किम में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन।

एसएलडीपी पर सिक्किम में आयोजित समीक्षा और योजना कार्यशाला के दो चक्र।

आंध्र प्रदेश में एसएलडीपी पर समीक्षा और प्रतिक्रिया चक्र जो एसएलडीपी के कार्यान्वयन और योजना को बढ़ाने पर शामिल है।

केरल में एसएलडीपी पर एसआरजी के लिए 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

केरल में स्कूल नेतृत्व अकादमी के लिए परामर्श का आयोजन किया।

नेशनल रिव्यू और 35 राज्यों के लिए योजना कार्यशाला और एसएलडीपी पर संघ राज्य क्षेत्र समन्वित।

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, सिक्किम, मेघालय, और कर्नाटक के लिए आयोजित पीएबी बैठकों में न्यूपा का प्रतिनिधित्व किया।

जेआरएम, सीएसआर और स्कूल शिक्षा में गैर सरकारी संगठन की भागीदारी और व्यावसायिक शिक्षा और एमडीएम पर बैठकों मे न्यूपा का प्रतिनिधित्व।

शिक्षण

अग्रणी नवाचार, निर्णय, दल निर्माण और भागीदारी आईडेपा में पढ़ाया, शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय

कार्यक्रम, स्कूल प्रमुखों के लिए एसएलडीपी में एक महीने के ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम।

0;k[;ku vkj lxk"Bh

स्कूल नेतृत्व पर परिप्रेक्ष्य पर स्कूल प्रधानाध्यापकों के लिए दर्शन अकादमी फाउंडेशन पर एक व्याख्यान दिया।

स्कूल गुणवत्ता और इक्विटी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आलेख केरल सर्व शिक्षा अभियान, थिरूवंतापुरम द्वारा आयोजित किया गया।

मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारतीय मानव विज्ञान संघ द्वारा आयोजित क्षेत्र कार्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत में महिलाओं के स्कूल नेतृत्व पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

l= dh vè;{krk dh

पुडुचेरी, तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल राज्यों के लिए प्राथमिक स्तर पर स्कूल प्रबंधन के विकेंद्रीकरण के क्षेत्र अनुभव।

कर्नाटक राज्य के लिए प्राथमिक स्तर पर स्कूल प्रबंधन के विकेंद्रीकरण के क्षेत्र अनुभव।

lfHkFkk th-oh-

çdk'ku

शोध आलेखः 'रि–कंसैप्चुलाइजिंग टीचर्स कंटीनुअस प्रोफेशनल डवलपमेंट विदइन ए न्यू पैराडिज्म ऑफ चेंज इन द इंडियन कॉन्टेस्टः इन अनालिसिस ऑफ लिट्रेचर एंड पॉलिसी डाक्यूमेंट्स'

जर्नलः प्रोफेशनल डवलपमेंट इन एजुकेशन, (2017)

7 अप्रैल 2017, डीओआईः 10.1080/19415257.2017.1299029, आईएसएसएनः 1941–5257, ऑनलाइन प्रकाशित

lxk"Bh@lEeyu@dk;'kkykvk e Hkkxhnkjh

jk"Vh;

28 मार्च, 2017 एनसीएसएल–न्यूपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सलाहकार ग्रुप की बैठक समन्वित।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया और न्यूपा में राज्य संसाधन समूह के सदस्यों और लक्षद्वीप के शिक्षा अधिकारियों की क्षमता निर्माण 17–28 अप्रैल, 2017), व्यवस्थित शिक्षण सीखने की प्रक्रिया को बदलने के क्षेत्र में सत्र।

न्यूपा, नई दिल्ली में आयोजित बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और जम्मू एवं कश्मीर और झारखंड से माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों के लिए प्रबंधन में एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स में भाग लिया। 01–30 जून, 2016

आईडेपा के प्रतिभागियों के लिए विषय ''परिवर्तनशील शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के तहत आयोजित सत्र, न्यूपा, नई दिल्ली 29 जुलाई से 01 अगस्त, 2016।।

jkT;

समन्वय, एक दिन के अभिविन्यास कार्यक्रम में, तेलंगाना 3 मार्च 2017, एससीईआरटी में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर भाग लिया।

समन्वय, 21 मार्च, 2017, एससीईआरटी, असम में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर एक दिन के अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया।

एससीईआरटी में ओडिशा के शिक्षक शिक्षा संस्थानों में प्राचार्यों के लिए अध्यापक शिक्षा के लिए योजना पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया, भुवनेश्वर, 27–30 मार्च, 2017।

समन्वय और 10 दिन के एसआरजी प्रशिक्षण कार्यक्रम में ''असम में स्कूल नेतृत्व विकास'' पर भाग लिया, 2–11 मई, 2016।

स्कूल नेतृत्व विकास के लिए राज्य संसाधन समूह के क्षमता निर्माण पर एससीईआरटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में भाग लिया, 15–26 नवंबर, 2016

çf'k{k.k lkexh fodflr

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स, माध्यमिक विद्यालय प्रिंसिपलों के लिए संसाधन पुस्तक का सह–लेखन और संपादन।

,Fkkuh tklQ

lxk"Bh@lEeyu@dk;'kkykvk e Hkkxhnkjh

jk"Vh;

एसएलडीपी, एनसीएसएल न्यूपा, नई दिल्ली – तमिलनाडु, जम्मू–कश्मीर, झारखंड तृतीय राष्ट्रीय समीक्षा और योजना कार्यशाला, राज्य समन्वयक।

vrjjk"Vh;

''रिफ्लैक्सिव पेडागॉजीः इन्टैरोगेटिंग रिकॉगनिशन, क्रिटीक एंड पॉसीबिलिटी ऑफ एसीमिलेटेड एजुकेशनल पर्सपैक्टिब्स'' शीर्षक पर आलेख प्रस्तुत। 7वां अंतरराष्ट्रीय सीईएसआई सम्मेलन में ''कम्परेटिव एजुकेशनल डैस्टिनीजः विज़न, डिलेमास एंड चैलेंजेज' शीर्षक, 19–21 नवंबर, 2016, तिरूपति।

एजिलिटी एंड स्कूल लीडरशिप डवलपमेंट, एजिलिटी हैकथॉन ई–बुक, मैकनशे एजिलिटी हैकथॉन

çf'k{k.k dk;Øe@lEeyu@dk;'kkykvk dk vk;ktu

राष्ट्रीय व्यावसायिक विकास संसाधन सूत्रधार – राज्य संसाधन समूह के लिए स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम (एसएलडीपी) पर क्षमता निर्माण कार्यशाला, निम्नलिखित राज्य में, वे हैं:

झारखंड रांचीः 05–14 दिसंबर, 2016

जम्मू–कश्मीर जम्मूः 02–12 जनवरी, 2017

झारखंड रांचीः 24 जनवरी – 02 फरवरी, 2017

गोवा, पोरवोरिमः 27 फरवरी – 08 मार्च, 2017

तमिलनाडु, मदर टेरेसा महिला विश्वविद्यालय, कोडाइकनालः 16–25 जून, 2017

vU; 'kf{kf.kd vkj 0;kolkf;d ;kxnku

e,Mîy r;kjh

प्रमुख क्षेत्र निर्माण और प्रमुख दलों पर ऑनलाइन स्कूल नेतृत्व विकास के लिए मॉड्यूल

f'k{k.k

कोर्स 102 के सह–सुविधाकर्त्ता – स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (पीजीडीएसएलएम) और एक महीने के, शैक्षणिक वर्ष 2015–16 के लिए ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के लिए स्कूल नेतृत्व पर परिप्रेक्ष्य।

राष्ट्रीय अभिविन्यास कार्यशाला में ''गुणात्मक अनुसंधान में प्रतिबिम्ब पर सत्र, 25 अक्टूबर, 2016, ''अनुसंधान पद्धति शिक्षा के क्षेत्र में विषयगत बलः शिक्षा में समता। 17–28 अक्टूबर, 2016, न्यूपा, नई दिल्ली

Cy,x

एडिंग वैल्यू टू लाईफ एंड लिविंग

डिकोडिंग लर्निंगः टीचर लर्निंग, प्रो. कृष्ण कुमार एंड सोरेन कैर्केगार्ड

एन ऑड टू शक्तिमान – अ हार्स विद अ नेम

टू इमेल्स – वर्क टू फीड यूअर सूल

ट्रस्ट, कम्प्लेक्शिटी एंड एजिलिटी

लौस्ट एंड फाउण्ड – द स्टोरी ऑफ टू रिंग्स

क्रिएटिव पैडागॉजी एंड स्ट्रक्चरल कन्सट्रैन्ट्स

गोल्ड एंड एजुकेशन – इंडियाज फेवरेट्स?

माइण्डफुलनेस : द पावर ऑफ वर्ड्स

रिफ्लैक्सीविटीः टूवार्ड्स रिप्रजेंटेशन, लेगिटिमेशन, एंड प्रेक्सिस

लीडिंग स्कूल इंप्रूवमेंटः डिस्कोर्स विद हवट स्कूल्स नो एंड कैन डू

वन फैल स्वूपः पुल द प्लग ऑन पब्लिक एक्सपेंडिचर ऑन स्कूल एजुकेशन

इंगेजिंग विद स्कूल लीडरशिप बिहेवियर्स, परसैप्शन एंड कल्चर टू लीड सैल्फ एंड अदर्स

राज्य/संघशासित प्रदेश के लिए, मानव संसाधन विकास मंत्रालय की बैठकों में एनसीएसएल–न्यूपा के लिए भाग लिया पीएबी 2017।

झारखंड, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, केरल, नगालैंड, गोवा, पुडुचेरी, तमिलनाडु और त्रिपुरा।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

भारत तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी (सीईएसआई)

pk# fLerk efyd

çdk'ku

सुविथा, जी.वी. एंड सी.एस. मलिक, संपा. 2016, *वन मंथ सर्टिफिकेट कोर्स इन स्कूल लीडरशिप एंड मेंनेजमेंटः ए रिर्सोसबुक,* नेशनल सेंटर फॉर स्कूल लीडरशिप, न्यूपा, नई दिल्ली।

ikB;Øe vkj lkexh fodkl

विकसित ई–सामग्री, स्वयं शिक्षण सामग्री और दो पाठ्यक्रमों के लिए वीडियो संसाधन, स्वयं का विकास और स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में ऑनलाइन पाठ्यक्रम के लिए अग्रणी स्कूल प्रशासन।

dk;'kkykvk e lalkèku 0;fä

एनसीएसएल–न्यूपा के सहयोग से "शिक्षक संसाधन और शैक्षणिक सहायता, शिक्षा स्कूल, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय केंद्र की ओर से आयोजित डाईट प्रधानाध्यापकों के लिए नेतृत्व कार्यक्रम के लिए शैक्षिक संसाधन व्यक्ति, 01–03 फरवरी, 2017

महाराष्ट्र में राज्य संसाधन समूह का क्षमता निर्माण कार्यशाला के लिए शैक्षिक संसाधन व्यक्ति, 17–21 जनवरी, 2017

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में राज्य संसाधन समूह के क्षमता निर्माण कार्यशाला के लिए शैक्षिक संसाधन व्यक्ति, 15–24 नवंबर, 2016।

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स, जून 2016 में न्यूपा में आयोजित, संसाधन व्यक्ति।

ekfudk ctkt

çf'k{k.k dk;Øe@lEeyu@dk;'kkykvk dk vk;ktu

समूह की गतिविधियों में भाग और उनके कार्यवृत्त की तैयारी के अलावा स्कूल नेतृत्व पर निम्नलिखित राष्ट्रीय और राज्य स्तर के कार्यक्रम के आयोजन में शैक्षिक प्रशासनिक और प्रबंध सहायता प्रदान की।

राष्ट्रीय सलाहकार ग्रुप की बैठक, मार्च 2017।

तृतीय राष्ट्रीय समीक्षा, 36 राज्यों के लिए स्कूल नेतृत्व विकास पर योजना कार्यशाला (फरवरी, 2017)

एक महीने का स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर सर्टिफिकेट कोर्स

çf'k{k.k lkexh vkj ikBîØe fodflr vkj fu"ikfnr

पाठ्यक्रम और सामग्री के विकास में निम्नलिखित सहायता प्रदान कीः

स्कूल स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स के लिए संसाधन पुस्तक।

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में विकसित ई–सामग्री, दो पाठ्यक्रमों के लिए स्वयं शिक्षण सामग्री और वीडियो संसाधनः निर्माण और प्रमुख दल और अग्रणी भागीदारी पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम।

vU; 'kS{kf.kd vkSj 0;kolkf;d ;ksxnku

f'k{k.k

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स में स्कूल प्रमुखों का क्षमता निर्माण, न्यूपा, जून 2016 के दौरान शिक्षण सत्र में भाग लिया।

vU; xfrfof/k;k¡

राष्ट्रीय सलाहकार समूह (एनएजी) बैठक, गैर सरकारी संगठनों के साथ बैठक, इन–हाउस बैठक की तरह एनसीएसएल के विभिन्न बैठकों के लिए रिपोर्ट तैयार।

राष्ट्रीय समीक्षा योजना कार्यशाला (फरवरी, 2017) के लिए रिपोर्ट तैयार।

राज्य के अधिकारियों के लिए ई–डेटाबेस तैयार, राष्ट्रीय संसाधन समूह (एनआरजी), राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) और स्कूल प्रमुख।

एमएस एक्सेल में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की स्थिति आलेख पर यूडाईस 2013–2014 से स्कूल डेटा एकत्रित।

njD'kka ijohu

प्रशिक्षण कार्यक्रम / सम्मेलन / कार्यशालाओं का आयोजन

समूह की गतिविधियों में भागीदारी और उनके कार्यवृत्त की तैयारी के अलावा स्कूल नेतृत्व पर निम्नलिखित राष्ट्रीय और राज्य स्तर के कार्यक्रम के आयोजन में, शैक्षिक, प्रशासनिक और प्रबंध सहायता प्रदान की।

राष्ट्रीय सलाहकार ग्रुप की बैठक, मार्च 2017।

तृतीय राष्ट्रीय समीक्षा, राज्यों के लिए स्कूल नेतृत्व विकास पर योजना कार्यशाला, फरवरी, 2017।

एक महीने का स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर सर्टिफिकेट कोर्स

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और निष्पादित

पाठ्यक्रम और सामग्री के विकास में निम्नलिखित कार्यः

स्कूल नेतृत्व प्रबंधन पर एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स के लिए संसाधन पुस्तिका।

विकसित ई–सामग्री, स्वयं शिक्षण सामग्री और दो पाठ्यक्रमों के लिए वीडियो संसाधनः स्कूल नेतृत्व पर परिप्रेक्ष्य, स्कूल लीडरशिप और प्रबंधन में ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अग्रणी स्कूल प्रशासन।

vU; 'kS{kf.kd vkSj 0;kolkf;d ;ksxnku

f'k{k.k

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स में स्कूल प्रमुखों का क्षमता निर्माण, न्यूपा, जून 2016 के दौरान शिक्षण सत्र में भाग लिया।

vU; xfrfof/k

राष्ट्रीय सलाहकार समूह (एनएजी) बैठक, गैर सरकारी संगठनों के साथ बैठक, इन–हाउस बैठक की तरह एनसीएसएल के विभिन्न बैठकों के लिए रिपोर्ट तैयार।

राष्ट्रीय समीक्षा योजना कार्यशाला (फरवरी, 2017) के लिए रिपोर्ट तैयार।

राज्य के अधिकारियों के लिए ई–डेटाबेस तैयार, राष्ट्रीय संसाधन समूह (एनआरजी), राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) और स्कूल प्रमुख।

एमएस एक्सेल में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की स्थिति पत्र हेतु यू–डाईस 2013–2014 से स्कूल डेटा एकत्रित।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

,u-oh- oxhl t

i|dk'ku

i|Lrd| çdkf'kr

इंडियन हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2016ः इक्विटी (निधि सभरवाल और सी.एम. मलिश के साथ)ः सेज नई दिल्ली। (मुद्रणालय में)

गवर्नेंस रिफार्मस इन हायर एजुकेशन इन अफ्रीका, पेरिस, आईआईईपी/यूनेस्को, (2016)

vu|l|ekku vky|[k@çdkf'kr y|[k

'उच्च शिक्षा विकास के संकेतक' एलेन हैजलकॉन, हामिश कोट्स और अलेक्जेंडर सी मैककौरमिक, संपादक। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, प्रदर्शन और जवाबदेही पर शोध पुस्तिका। (आगामी)

शिक्षा अनुसंधान और उच्च शिक्षा के उद्भव के रूप में भारत में अध्ययन के क्षेत्र, जिशुन जंग, ह्यूगो होंटा, और अकियोशी योनेजवा (सं.) *एशिया में अध्ययन के क्षेत्र के रूप में उच्च शिक्षा अनुसंधान,* स्प्रिंगर। (आगामी)

उच्च शिक्षा संस्थानों की वरीयताः भारतीय अनुभव, एक आलेख *आई.आर.ई.जी. फोरम 2017ः में प्रस्तुतः विश्वविद्यालय बलदाता के रूप में उत्कृष्टता,* अकादमिक वरीयता और उत्कृष्टता पर आई.आर.ई.जी. वेधशाला और कतर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 12–14 मार्च 2017, दोहा, कतर।

''संकट और वादा?'' के बाद क्या बदलाव आया, विकासशील देशों में उच्च शिक्षा का विश्लेषण, *अफ्रीकी उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीय जर्नल,* जिल्द 3, सं. 1, 2016, पृ. 97–112।

''भारत के लिए एसडीजी और विदेशों में तृतीयक शिक्षा और प्रशिक्षण में भारतीय सहायता'', *नोरॉग न्यूज,* सं. 54, दिसंबर 2016, पृ. 82–83।

निजीकरण, एशिया में उच्च शिक्षा में निजी क्षेत्र और संस्थागत नेतृत्व, *आईएयू हौरीजोन्स,* जिल्द 21, सं. 4 अक्टूबर 2016 पृ. 29–29।

भारत में बाजार प्रबंधन और सार्वभौमीकरण, *इंटरनेशनल हायर एजुकेशन,* सं. 86, 2016, पृ.13–15।

उच्च शिक्षा में प्रशासन सुधारः अफ्रीका में चयनित देशों का अध्ययन, आईआईईपी अनुसंधान आलेख, आईआईईपी/यूनेस्को, पेरिस, 2016।

''भारत में उच्च शिक्षा के सार्वभौमिकरण पर संस्थागत स्वायत्तता और नेतृत्व'' *कॉलेज पोस्ट,* जिल्द.16, सं. 2, 2016, पृ. 3–12।

vu|l|/kku fj|ikV|

वर्गीज, एन.वी., पचौरी, ए. और मंडल, एस. (2016)। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन (पीएएमएमएनएमटीटी) मूल्यांकन रिपोर्ट, दिल्ली।

l|xk"Bh@l|Ee|yu@dk;|'kkykvk| e| Hkkxhnkjh jk"Vªh;

ज्ञान, कौशल और सतत विकासः सार्वभौमीकरण में उच्च शिक्षा की भूमिका पर ''नीतियाँ, संभावनाएं और भविष्य दिशाः सामाजिक क्षेत्र के मुद्दों और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर भारतीय दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत, 15–16 जुलाई, 2016, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर नई दिल्ली में सामाजिक विकास परिषद द्वारा आयोजित।

vrjjk"Vh;

''उच्च शिक्षा का बदलता परिदृश्यः विकसित और विकासशील देशों में परिवर्तन का विश्लेषण'', ''विकासशील अर्थव्यवस्था में उच्च शिक्षा, समस्याएं, नीतियों और परिप्रेक्ष्य, पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत। इंटर–यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर आल्टरनेटिव इकोनोमिक्स (आईयूसीएई), अर्थशास्त्र विभाग, केरल विश्वविद्यालय, 24–26 अक्टूबर 2016, तिरुवनंतपुरम (भारत)।

''गुणवत्ता एवं प्रत्यायन'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सीआईक्यूजी, उच्च शिक्षा और प्रत्यायन परिषद द्वारा आयोजित, 27–28 जनवरी 2017, वाशिंगटन।

''उत्कृष्टता पर विश्वविद्यालय बलदाता के रूप में, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, कतर विश्वविद्यालय, 12–14 मार्च 2017, दोहा।

विश्वविद्यालय गुणवत्ता आश्वासन इंटरनेशनल बोर्ड की बैठक, 29–31 अक्टूबर, 2016।

एशिया और प्रशांत में उत्प्रेरक शिक्षण और आजीवन अधिगम के रूप में बेहतर एमओओसी पर द्वितीय क्षेत्रीय विशेषज्ञ बैठक, सियोल, कोरिया गणराज्य, 10–11 अक्टूबर, 2016।

dk;'kkyk,@lEeyu@çf'k{k.k dk;Øe

आयोजित, उच्च शिक्षा में छात्र विविधता प्रबंध के लिए मॉड्यूल पर विशेषज्ञ समूह की बैठक, 17 जनवरी, 2017, न्यूपा (संयुक्त रूप से सी.एम. मलिश और निधि एस सभरवाल के साथ)।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सी.पी.आर.एच.ई.)/भारत, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) एवं ब्रिटिश काउंसिल के साथ ''उच्च शिक्षा के वित्त पोषण में नवाचार'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। भारत पर्यावास केन्द्र, नई दिल्ली, भारत, 16–17 फरवरी, 2017 (जिणुशां पाणिग्रही के साथ संयुक्त रूप से)।

आयोजित, राष्ट्रीय संगोष्ठी, 27–28 फरवरी, 2017, न्यूपा, 'छात्र विविधता और उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव' (संयुक्त रूप से सी.एम. मलिश और निधि एस सभरवाल के साथ)।

सी.पी.आर.एच.ई. द्वारा परियोजना पर विशेषज्ञ समिति की बैठक आयोजित ''रोजगार और भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगार क्षमता'' 26 अक्टूबर, 2016 (संयुक्त रूप से मोना खरे के साथ)।

आई.एच.ई.आर. 2017ः गुणवत्ता और उच्च शिक्षा में शिक्षण अधिगम, प्रथम सहकर्मी समीक्षा बैठक, 23 जून, 2016 (अनुपम पचौरी और सायंतन मंडल के साथ संयुक्त रूप में)।

आई.एच.ई.आर. 2017ः गुणवत्ता और उच्च शिक्षा में शिक्षण अधिगम, द्वितीय सहकर्मी समीक्षा बैठक, 29 सितम्बर, 2016 (अनुपम पचौरी और सायंतन मंडल के साथ संयुक्त रूप में)।

संगठित, सी.पी.आर.एच.ई. की कार्यकारी समिति बैठक, 28 मार्च, 2017।

ekuk [kj

çdk'ku

iLrd çdkf'kr

''टॉकिंग द स्किल मार्च फॉरवर्ड इन इंडिया–ट्रांजिशनिंग टू द वर्ल्ड ऑफ वर्क, (2016) इन मैथिस पिल्ज एड इंडियाः पर्सपेरेशन फॉर द वर्ल्ड ऑफ वर्क, स्प्रिंगर वीएस

ट्राईंगुलर मॉडल ऑफ आउटकम बेस्ड हायर एजुकेशन परफॉरमेंस, इंटरनेशनल सेमीनार ऑन टीचिंग–लर्निंग एंड न्यू टैक्नोलॉजी इन हायर एजुकेशन, नई दिल्ली 2016, (आगामी)

एजुकेशन एड एंड इंटरनेशनल कोपरेशन इन इंडियाः शिफ्टिंग डायनामिक्स, इंक्रिजिंग कोलाबोरेशन (2015) चैप्टर इन आई. ह्वेन चेंग, शेंग – जू चैन एड ''इंटरनेशनल एजुकेशनल एड इन डवलपिंग एशिया – पॉलिसीज़ एंड प्रैक्टिसेज'' स्प्रिंगर साइंस + विजनैस मीडिया सिंगापुर प्रा. लि.

''संचार कौशल ''एक कला, एक विधा'', व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयाम – दृष्टि बदलने से सृष्टि बदलेगी'' मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल (2015)

vu|lèkku nLrkot@çdkf'kr y[k

भारत में वित्त पोषण में प्राथमिक शिक्षा की चुनौतियांः पिछले रूझान और संभावित भविष्य (2016) बहुविषयक अध्ययन और शिक्षा पर अकादमिक, एआईसीएमएसई 2016 (ऑक्सफोर्ड) सम्मेलन की कार्यवाही आईएसबीएन सं. 978–1–911185–16–1 (ऑनलाइन)। एफएलई लर्निंग लिमिटेड, यूके

स्नातक रोजगार कौशल में असमानताएं, *भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2016ः इक्विटी*, (वर्गीज एन.वी., निधि सभरवाल और सी.एम. मलिश के साथ), सेज, नई दिल्ली (आगामी)

स्नातक रोजगारः भारत की चुनौती, उत्तरोत्तर 2015 विकास कार्यसूची, भारतीय आर्थिक जर्नल, दिसंबर 2015, पृ. 97–111।

lxk"Bh@lEeyu@dk;'kkykvk e Hkkxhnkjh

jk"Vh;

आईसीएसएसआर में उद्घाटन भाषण– प्रायोजित शोध कार्यप्रणाली कार्यशाला, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित,. 1 मार्च, 2017।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र, मुख्य व्याख्यान, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर में ''संपूर्ण जीवन के लिए आर्थिक विकास रणनीतियाँ'' (10–11 जून, 2016) (शताब्दी वर्ष इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन का समारोह)

आईसीएसएसआर में संसाधन व्यक्ति– प्रायोजित शोध कार्यप्रणाली कार्यशाला गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित, 01–10 मार्च, 2017।

पुस्तक विमोचन और चर्चा संगोष्ठीः ''भारतः काम की दुनिया के लिए तैयारी – शिक्षा प्रणाली और, स्कूल से कार्य संक्रमण, 2016 स्प्रिंगर प्रकाशन, आईआईएम में 12 फरवरी, 2016 को लेखक योगदान के रूप में जर्मनी के कोलोन विश्वविद्यालय के साथ भारतीय प्रबंधन संस्थान के साथ सहयोग में, बैंगलोर।

नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय (सभागार), नई दिल्ली में 9 दिसंबर को ''शैक्षिक प्रशासन में नवाचार'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में नवाचार (हरियाणा और सिक्किम) की प्रस्तुति पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

''ग्रामीण विकास में लैंगिक बजट पर राष्ट्रीय कार्यशाला'' 19–21 अगस्त, 2015, एनआईआरडी और पीआर, हैदराबाद।

भारत पर्यावास केन्द्र, लोधी रोड, नई दिल्ली में मानव संसाधन विकास, नई दिल्ली 19 जनवरी, 2016 को मंत्रालय द्वारा आयोजित स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने पर राष्ट्रीय कार्यशाला में गुणवत्ता में सुधार लाने पर गोलमेज सम्मेलन।

''भारत में प्रबंधन शिक्षा का भविष्य'' विशेषज्ञ समवर्ती सत्र/जूरी/ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन (एनआरसी), आईआईसी, नई दिल्ली–3

अध्यक्ष/सत्र अध्यक्ष/आमंत्रित वक्ता ''काशी विद्यापीठ में ''मानव संसाधन विकास में चुनौतियां'' राष्ट्रीय सम्मेलन में, वाराणसी, मानव संसाधन विकास उच्च शिक्षा पुनःनिर्माण हेतु – जानकारी के लिए, 28 मार्च, 2015।

vrjjk"Vh;

सत्र अध्यक्ष, क्वींस कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, ऑक्सफोर्ड, ब्रिटेन, 18 अगस्त 2016।

प्रस्तुत आलेख जिसका शीर्षक था ''भारत में वित्त पोषित प्राथमिक शिक्षा की चुनौतियां विगत रूझान और भविष्य की संभावना'' एआईसीएमएसई 2016 (ऑक्सफोर्ड) में: अकादमिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''अनुशासनात्मक अध्ययन और शिक्षा'', ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, ब्रिटेन, 18 –20 अगस्त, 2016।

आलेख ''अंतर्राष्ट्रीयकरण अनुसंधान के क्षेत्र में होनहार रुझान'', आसियान + 6 में उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण करने के लिए संकेतक पर विशेषज्ञ बैठक में पैनल सदस्य के रूप में प्रस्तुत, 3–4 नवंबर, 2016 बैंकॉक, थाईलैंड

अंतर्राष्ट्रीयकरण संकेतक – नक्शे या जाल? समूह प्रस्तुति और आसियान + 6 में उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण करने के लिए संकेतक पर विशेषज्ञ बैठक में सूत्रधार, 3–4 नवंबर, 2016 बैंकॉक, थाईलैंड

अतीत के रुझान और भविष्य की संभावना (2016) – भारत में प्राथमिक शिक्षा के वित्त पोषण की चुनौतियां। बहु अनुशासनिक अध्ययन और शिक्षा पर शैक्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कार्यवाही, ऑक्सफोर्ड, 18–20 अगस्त, 2016

हैदराबाद, हैदराबाद विश्वविद्यालय – पर्यटन और आतिथ्य पर विशेष ध्यान के साथ सेवाओं के विपणन में मानदंड बदलने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्षता और महत्वपूर्ण व्याख्यान, (आईसीसीपीएमएस) 10–12 जनवरी, 2017।

विकास का गुणी चक्र और भारत में शिक्षा और रोजगार: समान विकास के लिए संभावनाओं और भविष्य दिशा, विकास के लिए पथ, सामाजिक क्षेत्र के मुद्दों और सतत विकास लक्ष्यों पर भारतीय दृष्टिकोण। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर नई दिल्ली में सामाजिक विकास परिषद द्वारा आयोजित – (एसडीजी) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत 16 जुलाई, 2016।

''शिक्षा सहायता और भारत में अंतरराष्ट्रीय सहयोग: गतिशीलता स्थानांतरण, सहयोग में वृद्धि करना। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, 'सम्पूर्ण जीवन के लिए आर्थिक विकास की रणनीति' इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन और अर्थशास्त्र विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा आयोजित। 10–11 जून, 2016।

dk;Z'kkyk,@lEesyu@çf'k{k.k dk;Øe

बंगलौर विश्वविद्यालय, बंगलौर के सहयोग से शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक बजट पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला। मार्च, 2017

राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त और नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) में 07 जनवरी, 2016 को हाल ही में विकसित शिक्षा परिणाम रूपरेखा पर चर्चा के लिए एक दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श बैठक का आयोजन किया, नई दिल्ली संयुक्त रूप से व्यय प्रबंधन आयोग (ईएमसी), भारत सरकार।

संगठित, विशेषज्ञ समिति बैठक अक्टूबर 26, 2016 को सी.पी.आर.एच.ई. परियोजना ''रोजगार और उच्च शिक्षा के रोजगार में भारत के स्नातक'' पर बैठक।

राज्य टीम के लिए सी.पी.आर.एच.ई. में रोजगार परियोजना के लिए क्रियाविधि विज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया।

6 राज्यों और 6 विश्वविद्यालयों से 17 भागीदारों ने प्रतिनिधित्व किया।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/निष्पादन

निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के शिक्षण में शामिल:

एम.फिल./पी–एच.डी. – सीसी–3, सीसी–5 और ओसी 11

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में राष्ट्रीय डिप्लोमा (डेपा)

एम.फिल./पी–एच.डी. का पर्यवेक्षण[1]

[1]इसके अतिरिक्त, प्रत्येक वर्ष डेपा शोध कार्य का पर्यवेक्षण

ih&,p-Mh- odl ¼tkjh½

शॉविक मुखर्जी (रिसर्च स्कॉलर) – पश्चिम बंगाल के बर्दवान जिले में माध्यमिक स्तर विद्यालय में छाया शिक्षाः एक बहुस्तरीय विश्लेषण

सुमित कुमार (रिसर्च स्कॉलर) – भारत में उच्च शिक्षा के लिए ज्ञान आधारित उद्योग के स्थानिक वितरण और प्रवासन के बीच अंतर–संबंध।

,e-fQy- vè;;u

सुहैल अहमद मीर (रिसर्च स्कॉलर) – भारत में शिक्षा के क्षेत्र में अवसर की असमानता (प्रदान की गई)।

सुश्री संध्या दुबे – भारत में उच्च शिक्षा पहुंच पर विभिन्न स्तरों पर सार्वजनिक शिक्षा व्यय प्रभावः पैनल डेटा विश्लेषण (प्रस्तुत)

iBu lkexh fodkl%

सूचना गाइड, पठन सामग्री और शिक्षा के क्षेत्र में लिंग बजट पर कार्यशाला के लिए रिपोर्ट

शैक्षिक रूप से पिछड़े जिलों की पहचान (अनुसंधान मोनोग्राफ), के लिए वैकल्पिक तरीके, मोनोग्राफ का पहला मसौदा तैयार। अंतिम संशोधन और प्रगति पर संपादन कार्य।

ijke'k vkj lkotfud fudk;k d fy, vdknfed lgk;rk

प्रणाली संबंधी टिप्पणी तैयार 'शिक्षा प्रदर्शन सूचकांकः वैकल्पिक तरीके' (ईएमसी) व्यय प्रबंधन आयोग के अनुरोध पर, भारत सरकार, भारत शिक्षा प्रदर्शन सरकार के परिचालन में सुधार के लिए, लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने के माध्यम से व्यय को मापने के लिए। (2016 जनवरी)

विषय 'सरकारी–निजी भागीदारी, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी की खोज शिक्षा वित्त पोषण में शामिल है' स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता की राष्ट्रीय कार्यशाला के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वांछित मध्य जनवरी में आलेख तैयार, 2016, नई दिल्ली में एक दिवसीय आयोजन, राष्ट्रीय परामर्श बैठक, सार्वजनिक वित्त और नीति राष्ट्रीय संस्थान (एनआईपीएफपी), नई दिल्ली में 07 जनवरी, 2016 को हाल ही में विकसित शिक्षा परिणाम रूपरेखा पर चर्चा के लिए संयुक्त रूप से व्यय प्रबंधन आयोग (ईएमसी), भारत सरकार।

पद्धति टिप्पणी तैयार, ''शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लाकों के लिए पैरामीटर मापन और पहचान'' मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार के लिए, मापदंड जो एक ईबीबी को पुनर्परिभाषित करने के लिए वर्तमान परिदृश्य में अधिक उपयुक्त होगा के संदर्भ में सुझाव (जून, 2016)।

भारत में मध्याह्न भोजन योजना का राष्ट्रीय मूल्यांकन (एमडीएम), डॉ नरेश कुमार के साथ संयुक्त रूप से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के लिए परियोजना प्रस्ताव।

केन्द्र प्रायोजित परियोजना प्रस्ताव का मूल्यांकन संयुक्त रूप से 5 न्यूपा संकाय सदस्यों के साथ अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय द्वारा छात्रवृत्ति योजनाओं हेतु।

vU; 'kS{kf.kd vkj 0;kolkf;d ;ksxnku

1) चल रहे अनुसंधान परियोजनाः अनुसंधान समन्वयक/प्रधान अन्वेषक ''रोजगार और भारत में उच्च शिक्षा के स्नातकों का रोजगार''।

अध्ययन, उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार की मांग और आपूर्ति पक्ष पहलुओं का आकलन करता है।

xfrfofèk;k¡ i.k

शीर्षक ''रोजगार और भारत में उच्च शिक्षा के स्नातकों का रोजगार'' अध्ययन के लिए अनुसंधान विकसित।

प्रस्ताव विशेषज्ञों के लिए भेजा और विशेषज्ञ समिति की बैठक में प्रस्तुत किया गया।

मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान के साधन विकसित किए गए।

बाहरी विशेषज्ञों के एक समूह के साथ अनुसंधान उपकरणों पर एक चर्चा बैठक का आयोजन किया।

राज्य टीमों के साथ संगठित कार्यप्रणाली कार्यशाला

पायलट सर्वेक्षण पूर्ण किए गए।

आयोजित एफ.जी.डी. और डी.यू. कॉलेज में साक्षात्कार।

टेक महिंद्रा, नोएडा में एफ.जी.डी. और इंटरव्यू लिया।

दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एफ.जी.डी. और रिलायन्स लाईफ में साक्षात्कार लिया।

आयोजित एफ.जी.डी. और मुंबई विश्वविद्यालय में साक्षात्कार।

आयोजित एफ.जी.डी. और एन.एस.ई, सेबी मुंबई में साक्षात्कार।

मुंबई में एलआईसी, नाबार्ड, एक्सिस बैंक में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक।

समन्वयक, रखरखाव और न्यूपा वेब पोर्टल का प्रबंधन।

सदस्य, पर्यवेक्षकों का आबंटन के लिए समिति

सदस्य, एम.फिल. और पी–एच.डी. प्रवेश समिति

सदस्य, एम.फिल./पी–एच.डी. के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु प्रश्न–पत्र तैयार करने के लिए समिति।

डीएसी उच्च शिक्षा विभाग

डीएसी, शैक्षिक वित्त विभाग

डीएसी, शैक्षिक योजना विभाग

सदस्य – एम.फिल. पाठ्यक्रम संशोधन और पुनर्गठन समिति।

कुलपति द्वारा निर्देशित मंत्रालय में विभिन्न बैठकों में भाग लिया।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सलाहकार, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), धौलपुर हाउस, साक्षात्कार संचालन हेतु, नई दिल्ली।

सदस्य, सांख्यिकी मंत्रालय और पी एंड आई.सी.एस.ओ. शिक्षा के क्षेत्र में उप–समिति सेवा उत्पादन सूचकांक पर।

सदस्यः स्थायी अनुसंधान उप समिति सलाहकार समिति (आरएसी), राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय संस्थान (नोएडा)।

सदस्य, विभागीय सलाहकार बोर्ड, (डीएबी) योजना एवं निगरानी विभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, जयपुर, डी.ई. कार्यक्रम के लिए एस.एल.एम. के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ, दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो – यूजीसी

पुस्तक प्रस्ताव के समीक्षकः स्प्रिंगर्स के लिए, सिंगापुर।

संपादकीय सलाहकार बोर्ड हिमगिरी शिक्षा की समीक्षा आईएसएसएन 2321–6336

विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए बाहरी परीक्षक (पी–एच.डी. मूल्यांकन)

विभिन्न विश्वविद्यालयों और अन्य सरकार के लिए चयन समिति के सदस्य।

fufèk ,l lHkjoky

çdk'ku

iLrdi çdkf'kr

इंडिया हायर एजूकेशन रिपोर्ट 2016: इक्विटी (एन.वी. वर्गीज और मलिश, सी.एम.), सेजः नई दिल्ली, (*प्रेस में*)

vu|lékku nLrkoi t@çdkf'kr y[k

सभरवाल एन.एस. (2017) रोल ऑफ सोशल एक्सक्लूजन इन हूमन डवलपमेंट ऑफ एक्सक्लूडेड ग्रुप्स। भट्टाचार्य,

देवप्रिया और लानोस, ए.ओ. (सं.) सदर्न पर्सपैक्टिव्स ऑन द पोस्ट– 2015 इंटरनेशनल डवलपमेंट एजेंडा (पृ. 111–126), न्यूयार्कः रूटलेज.

टायर्नी डब्ल्यू.जी. और सभरवाल एन.एस. (2016)। अनालिसिस क्रप्शन इन इंडिया हायर एजुकेशन। *इंटरनेशनल हायर एजुकेशन*, सं. 87, पृ. 6–7

टायर्नी डब्ल्यू.जी. और सभरवाल एन.एस. (2016)। एकेडमिक फ्रीडम इन द वर्ल्ड्स लार्जेस्ट डेमोक्रेसी। *इंटरनेशनल हायर एजुकेशन*, सं. 86, पृ. 15–16

टायर्नी डब्ल्यू.जी. और सभरवाल एन.एस. (2016)। डिबेटिंग फ्रीडम इन इंडिया, *एएयूपी जर्नल ऑफ एकेडमिक फ्रीडम,* जिल्द 7

टायर्नी डब्ल्यू.जी. और सभरवाल एन.एस. (2016)। रिइमेजनिंग इंडियन हायर एजुकेशनः ए सोशल इकोलॉजी ऑफ हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस, *सीपीआरएचई रिसर्च पेपर 4, 2016*

सभरवाल एन.एस. और सी.एम. मलिश (2016): स्टूडेंट डायवर्सिटी एंड सिविक लर्निंग इन हायर एजुकेश्न इन इंडिया, *सीपीआरएचई रिसर्च पेपर 3, 2016*

सभरवाल एन.एस. और सी.एम. मलिश (2016): डायवर्सिटी एंड डिस्क्रिमिनेशन इन हायर एजुकेशनः ए स्टडी ऑफ इंस्टीट्युशंस इन स्लैक्टेड स्टेट ऑफ इंडियाः फाइनल रिपोर्ट, *सीपीआरएचई/न्यूपा, नई दिल्ली*

l xk"Bh@ lEesyu@dk;'kkykvks esa Hkkxhnkjh

jk"Vªh;

आलेख प्रस्तुत ''समावेशी सार्वजनिक क्षेत्र के रूप में उच्च शिक्षा संस्थानः कैसे एक सार्वभौमिकरण उच्च शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थी पहचान मायने रखता है? शिक्षा नीति विभाग, न्यूपा, 16–17 मार्च 2017, नई दिल्ली द्वारा आयोजितः ''संभावनाएं और चुनौतियां शैक्षिक नीति के लिएः सार्वजनिक क्षेत्र और शिक्षा'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत। (संयुक्त रूप से सी.एम. मलिश के साथ)।

आलेख प्रस्तुत ''छात्र विविधता, इक्विटी और भारत में उच्च शिक्षा में समावेशन'' ''छात्र विविधता और भारत में उच्च शिक्षा में भेदभाव'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत, सी.पी.आर.एच.ई.–न्यूपा द्वारा आयोजित, 27–28 फरवरी, 2017, नई दिल्ली। (संयुक्त रूप से सी.एम. मलिश के साथ)।

''समकालीन भारत में शिक्षा, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के केन्द्रीय शिक्षा संस्थान, 22–24 फरवरी, 2017 तक आयोजित, विविधता, असमानता और भेदभाव, भारत में उच्च शिक्षा का सार्वभौमिकरण चुनौतियां पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

''छात्र विविधता और उच्च शिक्षा, में नागरिकता अधिगम, नीति वार्ता पर प्रस्तुति, उच्च शिक्षा संस्थानों और समुदाय को सुदृढ़ करनाः दुनिया भर से सबक'', भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली। 25 अप्रैल, 2016।

संसाधन व्यक्ति के रूप में, इक्विटी, निजीकरण और अंतर्राष्ट्रीयकरण पर उच्च शिक्षा में विशेष कोर्स में सत्र का आयोजन किया। उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, न्यूपा द्वारा आयोजित, दिसम्बर 12–23, 2016, पुणे, सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठ, महाराष्ट्र

एक संसाधन व्यक्ति के रूप में, ''शिक्षा में अनुसंधान पद्धति'' शैक्षिक नीति विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन विश्वविद्यालय, 19 अक्तूबर, 2016 के कार्यशाला में 'सामाजिक विविधता और विश्वविद्यालय परिसर' पर एक सत्र।

एक संसाधन व्यक्ति के रूप में, ''लेखन कौशल'' कार्यशाला में लेखन और प्रकाशन रिसर्च पेपर पर एक सत्र, न्यूपा द्वारा आयोजित, 1 सितंबर वर्ष 2016।

vrjjk"Vªh;

''विविधता और भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव'' चयनित राज्यों का एक केस अध्ययन'' विकासशील अर्थव्यवस्था में उच्च शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत आलेखः समस्याएं, नीतियों और परिप्रेक्ष्य, वैकल्पिक अर्थशास्त्र (आईयूसीएई), इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, केरल, 24–26 अक्टूबर 2016 (सी.एम. मलिश के साथ संयुक्त रूप से)।

dk;Z'kkyk,@lEesyu@çf'k{k.k dk;Øe

अनुसंधान परियोजना, तीसरी अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया, ''नागरिक अधिगम और लोकतांत्रिक बातचीत के लिए उच्च शिक्षाः उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और भेदभाव का अध्ययन, 18 अक्टूबर 2016 न्यूपा, नई दिल्ली (सी.एम. मलिश के साथ संयुक्त रूप)।

शीर्षक, 'नागरिक अधिगम और लोकतांत्रिक बातचीत के लिए उच्च शिक्षाः उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और भेदभाव का एक अध्ययन' अनुसंधान परियोजना पर तीसरी शोध कार्यप्रणाली कार्यशाला का आयोजन किया। 7–8 जून 2016 न्यूपा (सी.एम. मलिश के साथ संयुक्त रूप)।

अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग कोचिंग योजनाएं पर एक अध्ययनः उच्च शिक्षा सफलता और सामाजिक गतिशीलता, 4 अक्टूबर, 2016 (सी.एम. मलिश के साथ संयुक्त रूप) परियोजना के लिए सबसे पहले अनुसंधान सलाहकार समिति का आयोजन किया।

''उच्च शिक्षा सफलता और सामाजिक गतिशीलता अनुसूचित जाति के लिए कोचिंग योजनाएं पर एक अध्ययन/एससीएसटी/ओबीसी और अल्पसंख्यक'' परियोजना शीर्षक के लिए एक चर्चा बैठक तथा सह–साधन कार्यशाला का आयोजन किया, 22 दिसंबर, 2016 न्यूपा (सी.एम. मलिश के साथ संयुक्त रूप)।

उच्च शिक्षा में छात्र विविधता प्रबंध के लिए मॉड्यूल पर विशेषज्ञ समूह की बैठक, 17 जनवरी 2017, न्यूपा (संयुक्त रूप से सी.एम. मलिश के साथ)।

उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्र विविधता और भेदभाव पर आयोजित, राष्ट्रीय संगोष्ठी, 27–28 फरवरी, 2017, न्यूपा (संयुक्त रूप से सी.एम. मलिश के साथ)।

''छात्र विविधता प्रबंध के लिए मॉड्यूल'' पर संगठित लेखक बैठक, 16 मार्च 2017, न्यूपा (सी.एम. मलिश के साथ संयुक्त रूप से)।

çf'k{k.k lkexh vkj ikBîØe fodflr@ fu"ikfnr

कार्यशाला के लिए सामग्री तैयार ''नागरिक अधिगम और लोकतांत्रिक बातचीत के लिए उच्च शिक्षाः छह राज्यों से 18 अनुसंधान दल के सदस्यों के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और भेदभाव का अध्ययन, बिहार, दिल्ली, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश। दिशा निर्देशों और मसौदा अनुसंधान रिपोर्ट की सामग्री समीक्षा हेतु और मसौदा अनुसंधान रिपोर्ट पर समेकित टिप्पणी में संशोधन करने के लिए। (सी.एम. मलिश के साथ संयुक्त रूप से)

मात्रात्मक और गुणात्मक विधियों आधारित अनुसंधान उपकरण विकसित शोध कार्यप्रणाली कार्यशाला की सामग्री ''उच्च शिक्षा सफलता और सामाजिक गतिशीलताः अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के लिए यूजीसी कोचिंग योजनाएं पर एक अध्ययन, 12 राज्यों पंजाब, उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा, बिहार, दिल्ली, केरल, गुजरात, झारखंड, महाराष्ट्र, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और मेघालय से 12 अनुसंधान दल के सदस्यों के लिए, संस्थानों की सामग्री में संस्था प्रोफाइल, छात्रों, का साक्षात्कार और फोकस समूह चर्चा शामिल है। (सी.एम. मलिश के साथ संयुक्त रूप से)

ijke'k vkj lkoltfud fudk;k d fy, vdknfed lgk;rk

एक संसाधन व्यक्ति के रूप में, ''शिक्षा के क्षेत्र में अंतर समूह असमानता और रोजगारः श्रम बाजार विश्लेषण में चरों पर विचार करने के लिए'', एक सत्र ''श्रम अध्ययन में अनुसंधान पद्धति'' वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान द्वारा आयोजित पाठ्यक्रम। 25 अप्रैल से 06 मई, 2016।

एक संसाधन व्यक्ति के रूप में, एससी–एसटी सामाजिक समूहों के एम.ए./एम.फिल. और पी–एच.डी. स्कॉलर्स के लिए अकादमिक लेखन में क्षमता निर्माण और दक्षताओं पर सत्र, सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, 27–31 जनवरी, 2017।

एम.फिल. शोध प्रबंध ''उच्च शिक्षा में दलित महिलाओं की स्थिति का एक अध्ययन के लिए बाहरी परीक्षकः राजधानी दिल्ली के विशेष संदर्भ में, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

एम.फिल. शोध प्रबंध राजस्थान के एक जिला स्तर का अध्ययन, व्यावसायिक प्रशिक्षण सामाजिक–आर्थिक समूह के बीच रोजगार पद्धति, क्षेत्रीय विकास केन्द्र, जेएनयू के लिए बाहरी परीक्षक।

सामाजिक व्यवस्था केन्द्र, जेएनयू के अध्ययन के लिए एम.फिल. शोध प्रबंध ''पश्चिम बंगाल में सामाजिक पृष्ठभूमि में उच्च शिक्षा में असमान प्राप्ति : एक सामाजिक विश्लेषण'' के लिए बाहरी परीक्षक।

एम.फिल. शोध प्रबंध ''स्कूल शिक्षा, पड़ोस स्कूलों और बेंगलुरू में रूपान्तरणः नियोलिबरल फ्रेमवर्क में माता पिता स्कूल पसंद का एक अध्ययन, क्षेत्रीय विकास केन्द्र, जेएनयू के लिये बाहरी परीक्षक।

एम.फिल. शोध प्रबंध के लिए बाहरी परीक्षक, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में ''जम्मू–कश्मीर में प्राथमिक उर्दू भाषा पाठ्यपुस्तकें में छिपा पाठ्यक्रम के रूप में लैंगिक मुद्दों का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण''।

vU; 'k{kf.kd vkj 0;kolkf;d ;kxnku

vu/lèkku vè;;u

अनुसंधान योजना पूर्ण ''नागरिक अधिगम और लोकतांत्रिक बातचीत'' उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधिता और भेदभाव का अध्ययन

6 राज्य दलों की रिपोर्ट और एक संश्लेषण रिपोर्ट इस परियोजना के एक भाग के रूप में तैयार की गई।

''विविधता और उच्च शिक्षा में भेदभावः भारत के चयनित राज्यों में संस्थानों का एक अध्ययन'', डॉ निधि एस. सभरवाल और डॉ सी.एम. मलिश, नई दिल्ली, सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा, 2016।

''विविधता और उच्च शिक्षा में भेदभावः बिहार में चयनित संस्थाओं का एक अध्ययन,'' प्रोफेसर आशा सिंह, डॉ. फजल अहमद और डॉ. बर्ना गांगुली, नई दिल्ली, सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा, 2016।

''विविधता और उच्च शिक्षा में भेदभावः उत्तर प्रदेश में चयनित संस्थाओं का एक अध्ययन,'' प्रोफेसर निधि बाला, डा श्रवण कुमार और डॉ रोमा स्मार्ट यूसुफ, नई दिल्ली, सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा, 2016।

''विविधता और उच्च शिक्षा में भेदभावः कर्नाटक में चयनित संस्थाओं का एक अध्ययन,'' डॉ श्रीजीत अलाथुर, प्रोफेसर ए.एच. सिक्युरेया और डॉ बी.वी. गोपालकृष्ण, नई दिल्ली, सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा, 2016।

''विविधता और उच्च शिक्षा में भेदभावः महाराष्ट्र में चयनित संस्थाओं का एक अध्ययन'', डॉ एच.ए. हुड्डा, डॉ ए.वी. तलमाले और डॉ ए.सी. बंकर, नई दिल्ली, सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा, 2016।

विविधता और उच्च शिक्षा में भेदभावः केरल में चयनित संस्थाओं का एक अध्ययन प्रोफेसर के.एक्स. यूसुफ, डॉ टी.डी. साइमन, डॉ राजेश, नई दिल्ली, सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा, 2016।

विविधता और उच्च शिक्षा में भेदभावः दिल्ली में चयनित संस्थाओं का एक अध्ययन, डॉ सी.वी. बाबू और डॉ सत्येंद्र ठाकुर, सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा, 2016

tkjh vu/lèkku ifj;ktuk

''उच्च शिक्षा सफलता और सामाजिक गतिशीलताः अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के लिए यूजीसी कोचिंग योजनाएं पर एक अध्ययन, डॉ सी.एम. मलिश और डॉ निधि एस सभरवाल।

vu|ie ipkjh

çdk'ku

iLrd çdkf'kr

वर्गीज़ एन.वी., पचौरी, ए. और मंडल, एस. (सं.) (आगामी) गुणवत्ता और भारत में उच्च शिक्षा में शिक्षण अधिगम, दिल्ली, सेज।

vuqlèkku nLrkost@çdkf'kr ys[k

पचौरी, ए. (एडी.) (आगामी) 'क्वालिटी एंड इन्टरनल क्वालिटी एश्युरेंस सैल' इन वर्गीज़, एन.वी., पचौरी, ए. एंड मंडल, एस. (एडी.) *इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2017: क्वालिटी एंड टीचिंग लर्निंग इन हयर एजुकेशन इन इंडिया,* दिल्लीः सेज।

पचौरी, ए. 2016 (पुस्तक समीक्षा *हायर एजुकेशन इन ग्लोब्लाइज्ड एराः एन इंडिया एक्पीरियंस,* खान, तमन्ना), *जर्नल ऑफ एजूकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनीस्ट्रेशन,* 30(4), पृ. 356–359।

पचौरी, अनुपम 2016 शिक्षा की पहुँचः एक सोचनीय विषय। पुस्तक समीक्षा – राईट टू एजुकेशन द नेक्स्ट फेजः पेपर्स एंड प्रोसीडिंग्स ऑफ अ कंसल्टेशन, (सं.) वी.एस. व्यास और अंजु चड्डा मिश्रा, शिक्षा विमर्श, 18 (5), पृ. 45–47, दिगंतरः जयपुर।

पचौरी, ए. एंड काजमी, एन. 2017. द नीड फॉर एक्पेंशन ऑफ आर्ट्स एजुकेशनल एंड विजुअल स्ट्डीज इन हायर एजुकेशन. ह्वाइट पेपर एज पार्ट ऑफ द आउटकम आफ द *'डे लिबरेट': करैन्ट इश्यूज इन इंडियन एजुकेशन सिस्टम'',* 18 मार्च, 2017. द ब्रिटिश काउंसिलः नई दिल्ली।

पचौरी, ए. (आगामी) 'शिफ्ट फ्रॉम 'पब्लिसिजेशन' टू प्राइवेटाइजेशनः इंप्लीकेशंस फॉर क्वालिटी ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया' के.बी. सक्सेना (एडी.) *प्राइवेट सैक्टर पार्टीसिपेशन इन पब्लिक सर्विसेज,* दिल्लीः सीएसडी।

पचौरी, ए. (आगामी) 'मल्टी–स्टेकहोल्डर पार्टनरशिप्स इन एजूकेशनः लैसन फ्रॉम राजस्थान', के.बी. सक्सेना (एडी.) *प्राइवेट सैक्टर पार्टीसिपेशन इन पब्लिक सर्विसेज,* दिल्लीः सीएसडी।

vuqla/kku fjikVZ i=.k

वर्गीज, एन.वी. पचौरी, ए. और मंडल, एस. 2016 रिपोर्ट ऑफ द इवाल्यूशन ऑफ पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) स्कीम फॉर एमएचआरडी, दिल्ली।

lxks"Bh@lEesyu@dk;Z'kkykvksa esa Hkkxhnkjh

jk"Vªh;

गोलमेज सम्मेलन चर्चा– 'डे'लिबरेट' में भाग लियाः भारतीय शिक्षा प्रणाली में वर्तमान मुद्दे'', 18 मार्च 2017, ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली।

''उच्च शिक्षा में वैश्विक रुझानः भारत के लिए निहितार्थ' गोल मेज सम्मेलन में भाग लिया (वक्ताः प्रो. साइमन मारगिन्सन) विश्व बैंक समूह, ब्रिटिश काउंसिल और उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र, न्यूपा, द्वारा आयोजित, हिंदुस्तान टाइम्स हाउस (प्रेस ब्लॉक), 18–20, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, 13 जनवरी, 2017।

27–28 फरवरी, 2017 सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा द्वारा आयोजित 'छात्र विविधता और भेदभाव' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

'भारतीय परिप्रेक्ष्य में सामाजिक क्षेत्र के मुद्दों और सतत विकास लक्ष्यों नीतियाँ, संभावनाएँ और भविष्य दिशा–निर्देश, भारतीय परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, 'इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में सामाजिक विकास परिषद द्वारा आयोजित, 15–16 जुलाई, 2016।

vrjjk"Vªh;

रिर्पोटर/'विश्वविद्यालयों के अभिशासन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लियाः मुद्दे और चुनौतियां, उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, 23–24 मार्च, 2017, न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित।

रिर्पोटर/''उच्च शिक्षा के वित्त पोषण में नवाचार'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र, न्यूपा/ब्रिटिश काउंसिल द्वारा 16–17 फरवरी, 2017 से भारत पर्यावास केन्द्र, नई दिल्ली में आयोजित।

dk;Z'kkyk,a@lEesyu@çf'k{k.k dk;Øe

आई.एच.ई.आर. 2017ः गुणवत्ता और उच्च शिक्षा में शिक्षण अधिगम, एन.वी. वर्गीज और सायंतन मंडल के

साथ पहली सहकर्मी समीक्षा बैठक। 23 जून, 2016।

आई.एच.ई.आर. 2017ः गुणवत्ता और उच्च शिक्षा में शिक्षण अधिगम, एन.वी. वर्गीज और सायंतन मंडल के साथ दूसरी सहकर्मी समीक्षा बैठक। 29 सितंबर, 2016।

çf'k{k.k lkexh vkj ikBîØe fodfl r

शोध पद्धति कार्यशाला सामग्री दस संस्थानों (चार राज्य विश्वविद्यालयों और इन विश्वविद्यालयों में से प्रत्येक के साथ एक संबद्ध कॉलेज और एक केंद्रीय विश्वविद्यालय और सम्बद्ध कॉलेजों में से एक) की अनुसंधान परियोजना भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ताः शोध टीमों के लिए विकसित किया गया हैः 1) संस्थागत स्तर पर आंतरिक और बाह्य गुणवत्ता आश्वासन का एक अध्ययन, अनुसंधान सामग्री में संस्थागत प्रोफाइल को विकसित करने के लिए प्रारूप; 2) संकाय के लिए सर्वेक्षण प्रश्नावली; 3) छात्रों के लिए सर्वेक्षण प्रश्नावली, साक्षात्कार; 4) संस्थागत नेतृत्व– के लिए साक्षात्कार प्रश्नावलीः क) कुलपति, ख) रजिस्ट्रार, ग) वित्त अधिकारी, घ) विश्वविद्यालय स्तर पर विभाग के प्रमुख, ङ) कॉलेज स्तर पर विभाग के प्रमुख, च) कॉलेज प्राचार्य, छ) कॉलेज लेखाकार; और 5) फोकस समूह चर्चा के लिए विषयगत फार्मेट (अ) संकाय, और (ब) छात्रों को संस्थानों में परिवर्तन को समझने के लिए बाहरी गुणवत्ता और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन। नई दिल्लीः सी.पी.आर.एच.ई.–न्यूपा।

ijke'k vkj lkoltfud fudk;k d fy, vdknfed lgk;rk

uhfr leFku

'पंडित मदन मोहन मालवीय शिक्षक और शिक्षण राष्ट्रीय मिशन का मूल्यांकन (पीएमएमएमएनएमटीटी)' एन.वी. वर्गीज और अनुपम पचौरी के साथ, मानव संसाधन विकास मंत्रालय मूल्यांकन परियोजना। परियोजना समन्वयक/प्रधान अन्वेषकः प्रोफेसर एन.वी. वर्गीज, डॉ अनुपम पचौरी और डॉ सायंतन मंडल, सी.पी.आर.एच.ई. /न्यूपा, नई दिल्ली।

vU; 'k{kf.kd vkj 0;kolkf;d ;kxnku

अनुसंधान परियोजना (जारी)ः अनुसंधान परियोजना समन्वयक/प्रधान अन्वेषक सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा प्रमुख अनुसंधान परियोजना (यूजीसी द्वारा प्रायोजित) ''भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ताः संस्थागत स्तर पर बाह्य और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का अध्ययन।

समन्वयक/आई.एच.ई.आर. 2017 के सह–संपादकः विषय पर भारत उच्च शिक्षा की रिपोर्ट 2017ः 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और शिक्षण प्रशिक्षण' प्रोफेसर एन.वी. वर्गीज़ और डॉ सायंतन मंडल के साथ सह–संपादित किया जा रहा है। एक अवधारणा नोट आई.एच.ई.आर. 2017 के सह संयोजक के सहयोग से विकसित किया गया। मसौदा अध्यायों की समीक्षा की गयी और विस्तृत प्रतिक्रिया अध्यायों में दी गई है। लेखकों द्वारा प्रस्तुत अंतिम अध्यायों की पांडुलिपि को अंतिम रूप देने के लिए कार्रवाई की जा रही है।

vu|lekku ifj;kstuk eVj@i;ko{kd

अनुसंधान मार्गदर्शन/राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र (एन.सी.एस.एल.) के स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन कार्यक्रम (2015–16) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, के एक भागीदार की परियोजना कार्य पर परामर्श सहायता। माध्यमिक विद्यालय में एक व्यावसायिक शिक्षण समुदाय का विकास : विद्यालय के छात्रों के प्रदर्शन में परिवर्तन लाने के लिए। जून, 2016।

vu|lekku@'kkek çcek ijh{kd

झारखंड के ग्रामीण सरकारी स्कूलों में बच्चों के बीच त्यागदर और अनुपस्थिति, एम.फिल. शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण। 2016 दिल्लीः डॉ बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय। अक्टूबर, 2016।

f'k{k.k

'शिक्षण पहुंच के मार्गः सहमति और शोधकर्ता की पहचान के निर्माण के मुद्दे', 'शिक्षा में अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला' में, 25 अक्टूबर, 2016 को डॉ नरेश कुमार, शैक्षिक नीति विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ।

'अकादमिक लेखन कार्यशाला' न्यूपा 2016 को प्रोफेसर सुरेश कुमार द्वारा समन्वित 'साहित्य की समीक्षा' पर 30 अगस्त, 2016 को आयोजित कार्यशाला सत्र और शिक्षण।

vU; laLFkkxr xfrfof/k;ksa esa fgLlk%

एम.फिल./पी–एच.डी. उम्मीदवारों के आवेदन की जाँच। न्यूपा 2016।

न्यूपा एम.फिल./पी–एच.डी. पर निरीक्षक। कार्यक्रम प्रवेश परीक्षा 2016।

''शोध कार्यप्रणाली कार्यशाला'' 17–28 अक्टूबर, 2016 के दौरान आयोजन पर टास्क फोर्स की बैठक, 17 अगस्त 2016 को डॉ नरेश कुमार, शैक्षिक नीति विभाग द्वारा आयोजित।

सितंबर 2016 में ''गैर शिक्षण गतिविधियों में शिक्षक और शिक्षा पर इसका प्रभाव पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय की टास्क फोर्स बैठक अध्ययन, डा. विनीता सिरोही, शैक्षिक प्रशासन विभाग, न्यूपा द्वारा आयोजित।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के रिसर्च साधन अध्ययन के लिए विकास बैठक – ''गैर शिक्षण गतिविधियों में शिक्षकों की भागीदारी और शिक्षा पर उसके प्रभाव'' 13 अक्टूबर 2016 को, डा विनीता सिरोही, शैक्षिक प्रशासन विभाग, न्यूपा द्वारा आयोजित।

dk;Z'kkyk,@cSBd esa l= dh vè;{krk

''भारत में प्राथमिक स्कूल में बच्चों की भागीदारी में सुधार'', स्कूल एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता की, न्यूपा, नई दिल्ली, 14–16 दिसंबर, 2016।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्यः अंतर्राष्ट्रीय और तुलनात्मक शिक्षा ब्रिटिश एसोसिएशन (बीएआईसीई)

आजीवन सदस्यः भारत तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी (सीईएसआई)

xfjek efyd

çdk'ku

vuqlaèkku nLrkost@çdkf'kr ys[k

''गवर्नेंस एंड मेंनेजमेंट ऑफ हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस इन इंडिया'', *सीपीआरएचई रिसर्च पेपर सीरिज 5,* फरवरी 2017।

laxks"Bh@lEesyu@dk;Z'kkykvksa esa Hkkxhnkjh

jk"Vªh;

भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट–2017, 23 जून, 2016 उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र, न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित लेखक बैठक में भाग लिया।

''सामाजिक क्षेत्र के मुद्दों और सतत विकास लक्ष्यः नीतियाँ, संभावनाएँ और भविष्य दिशा'' भारतीय परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, सामाजिक विकास परिषद द्वारा आयोजित, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, 15–16 जुलाई, 2016।

''भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट–2017,'' उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र, न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित लेखक बैठक में भागीदारी; 27 सितम्बर 2016।

''उच्च शिक्षा में वैश्विक रुझानः भारत के लिए निहितार्थ'' गोल मेज सम्मेलन में भाग लिया (वक्ताः प्रो. साइमन मारगिन्सन) विश्व बैंक समूह, ब्रिटिश काउंसिल और उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र, न्यूपा द्वारा आयोजित, हिंदुस्तान टाइम्स हाउस (प्रेस ब्लॉक), 18–20, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, 13 जनवरी, 2017।

सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा द्वारा आयोजित ''छात्र विविधता और भेदभाव'' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया; फरवरी 27–28, 2017।

''आर्थिक विकास में सामाजिक क्षेत्र की भूमिका'', अर्थशास्त्र और राजनीति विभाग, विश्व भारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत, 24 मार्च, 2017।

vrjjk"Vh;

''उच्च शिक्षा के वित्त पोषण में नवाचार'' भारत पर्यावास केन्द्र, नई दिल्ली 16–17 फरवरी, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रिपोर्ताज

dk;l'kkyk,@lEeyu@çf'k{k.k dk;Øe

सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा में ''प्रशासन और भारत में उच्च शिक्षा का प्रबंधन'' पर आयोजित विश्लेषण फ्रेमवर्क कार्यशाला, 11–12 अप्रैल, 2016। इस कार्यशाला में 4 राज्यों से 12 अनुसंधान दल के सदस्यों ने भाग लिया महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/निष्पादित

विश्लेषण ढांचा कार्यशाला, अप्रैल 11–12, 2016 को आयोजित की गई, डेटा एकत्र विश्लेषण और संरचना और राज्य रिपोर्टों के ढांचे के लिखे जाने के लिये सत्र। मात्रात्मक और गुणात्मक विश्लेषण और राज्य रिपोर्ट की विस्तृत अध्याय योजना परिचालित और चर्चा की गई। चार राज्यों से 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के बाद अंतिम अध्याय योजना सभी चार शोध टीमों को भेजी गई।

vU; 'k{kf.kd vkj 0;kolkf;d ;kxnku

न्यूपा में प्रथम वर्ष एम.फिल. छात्रों को ''भारत में उच्च शिक्षा का विकास'' पर एम.फिल व्याख्यान; 30 अगस्त 2016।

पुस्तक की समीक्षा, शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (जनवरी 2017) के जर्नल में प्रकाशितः ग्लोबल रीजनलिज़्म एंड हायर एजुकेशन पर पुस्तक के लिए – परियोजनाएं, प्रक्रियाएं, राजनीति, सुसान एल रॉबर्टसन, क्रिस ओल्ड्स, रोजर डेल और क्यू एन्ह डैंग द्वारा संपादित।

जारी ''प्रशासन और भारत में उच्च शिक्षा का प्रबंधन'' जो समझने के लिए है कि राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर शासन और उच्च शिक्षा कार्यों के प्रबंधन कैसे काम कर रहे हैं तथा किस प्रकार उच्च शिक्षा संस्थान शासित और प्रबंधित है, सी.पी.आर.एच.ई. अनुसंधान परियोजना। 11–12 अप्रैल, 2016 को आयोजित डेटा विश्लेषण पर कार्यशाला के लिए तैयार सामग्री राज्य स्तर रिपोर्टों के अंतिम मसौदा को सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा परियोजना में आठ चयनित संस्थानों द्वारा तैयार की जा रही है ''प्रशासन और भारत में उच्च शिक्षा का प्रबंधन'' जिसका संपादन और समीक्षा की जा रही है और अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने से पहले संशोधन के लिए टीमों को वापस भेजा जा रहा है। राष्ट्रीय संश्लेषण रिपोर्ट पूरी की जा रही है।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य–भारत पर्यावास केन्द्र

सदस्य–इंटरनेशनल सेंटर गोवा

ft.k'kk ikf.kxgh

çdk'ku

'kkek i=

शोध पत्र ''रिर्सोस एलोकेशन एंड इनोवेटिव मैथ्ड्स ऑफ फाइनेंसिंग हायर एजुकेशन इन इंडिया'' सीपीआरएचई शोध पत्र 6 फरवरी 2017, न्यूपा नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

iLrd leh{kk,

चेंजिंग लैंडस्केप ऑफ इन्टरनेशनल हायर एजुकेशनः एन इंडियन पर्सपैक्टिव (2015), के.बी. पावर, डा. डी.वाई. पाटिल विद्यापीठ, पूणे, आईएसबीएन–978.81926619–2–6, पृ. 245 रिव्यूड फॉर द जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा), न्यूपा, नई दिल्ली पब्लिस्ड इन जेपा वाल्यूम 30, सं. 2, अप्रैल, 2016।

lxk"Bh@lEeyu@dk;'kkykvk e Hkkxhnkjh

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुत आलेख

jk"Vh;

आलेख प्रस्तुत ''उच्च शिक्षा संस्थानों के अभिनव वित्तपोषण'' पर ''उच्च शिक्षा के लिए एक क्रेडिट बाजार

का विकास'' एक राष्ट्रीय सम्मेलन में, येस संस्थान द्वारा आयोजित, यस बैंक, 4 अगस्त, 2016 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, भारत के साथ सहयोग में।

vrjjk"Vªh;

''प्रवासी निवेशः संभावनाएँ और परिणाम'', 'प्रवासन और प्रवासीः उभरती विविधता और विकास की चुनौतियों' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत। इग्नू नई दिल्ली, 22–23 मार्च 2017।

समानता की समस्याः तुलनात्मक वादा और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा पर 61वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत ''भारत में शैक्षिक वित्त पोषण की गतिशीलता और नीति निहितार्थ'' तुलनात्मक और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी द्वारा आयोजित लोयोला विश्वविद्यालय, शिकागो, शेरेटन अटलांटा शहर, अटलांटा, जॉर्जिया, संयुक्त राज्य अमरीका के सहयोग से 05–09 मार्च, 2017 ।

''उच्च शिक्षा के वित्त पोषण में नवाचार'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत ''भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्तपोषण'' उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सी.पी.आर.एच.ई.)/ब्रिटिश काउंसिल, भारत के सहयोग से राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), भारत पर्यावास केन्द्र, नई दिल्ली, भारत, 16–17 फरवरी 2017, में आयोजित।

सामाजिक विज्ञान संस्थान के 17वें इंडियन एसोसिएशन (आईएएसएसआई) वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत ''भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का निजीकरण'', 'शिक्षा और विकासः मुद्दे, चुनौतियां और अवसर', 9–10 दिसंबर, 2016 सीआरआरआईडी द्वारा आयोजित, चंडीगढ़, भारत।

dk;Z'kkyk,@lEesyu@çf'k{k.k dk;Øe

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सी.पी.आर.एच.ई.)/ब्रिटिश काउंसिल, भारत, भारत पर्यावास केन्द्र के सहयोग से राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) के साथ ''उच्च शिक्षा के वित्त पोषण में नवाचार'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया, दिल्ली, भारत, 16–17 फरवरी, 2017 (संयुक्त रूप से एन.वी. वर्गीज के साथ)

18–19 अप्रैल 2016, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित ''धन के प्रवाह और उनके उपयोग का एक अध्ययनः भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों के वित्तपोषण'' पर विश्लेषण फ्रेमवर्क कार्यशाला का आयोजन।

çf'k{k.k lkexzh vkSj ikBîØe fodflr@fu"ikfnr

मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान उपकरण ''भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों के वित्त पोषणः धन के प्रवाह का एक अध्ययन और उनके उपयोग'' पर परियोजना विकसित।

''भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों के वित्तपोषण'' पर परियोजना के लिए शोध कार्यप्रणाली कार्यशाला के लिए मॉड्यूल का विकास किया।

परामर्श और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

vuqlaèkku ifj;kstuk ¼tkjh½

प्रधान अन्वेषक/अनुसंधान परियोजना समन्वयक/सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा प्रमुख अनुसंधान परियोजना के लिए (यूजीसी द्वारा प्रायोजित) ''भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों के वित्त पोषणः धन के प्रवाह का एक अध्ययन और उनके उपयोग''

''एकाग्रता और भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों की अधिक आपूर्ति'' एन.वी. वर्गीज के साथ, सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा पर एक मानव संसाधन विकास मंत्रालय परामर्श परियोजना समन्वय।

U;ik e f'k{k.k xfrfofèk;k

ikBîØe i<k;k x;k%

न्यूपा एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम (2016–17) के लिए – मात्रात्मक शोध कार्यप्रणाली, पेपर नंबरः सीसी–3।

03 अप्रैल, 2017 न्यूपा, नई दिल्ली – शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा), सत्र ''शिक्षा के लिए संसाधन जुटाव'' पर व्याख्यान दिया।

05 अप्रैल, 2017 न्यूपा, नई दिल्ली – शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा), सत्र ''शिक्षा के क्षेत्र में संसाधन की उपयोगिता'' पर व्याख्यान दिया।

पीजीडेपा पाठ्यक्रम के लिए न्यूपा में 08 नवंबर 2016 को ''स्कूल शिक्षा के वित्त पोषण के अभिनव तरीकों'' पर एक व्याख्यान दिया।

dk;Z'kkyk@vuqlaèkku ikBîØe Hkkxhnkjh

पाठ्यक्रम के लिए सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी (सीईयू) की ग्रीष्मकालीन विश्वविद्यालय कार्यक्रम में भाग लिया ''शिक्षा के लिए अभिनव वित्त पोषणः तर्क, विकल्प और निहितार्थ'' सी.ई.यू. और ओपन सोसायटी फाउंडेशन न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका के सहयोग से सी.ई.यू. परिसर में आयोजित किया गया, बुडापेस्ट, हंगरी; 25–29 जुलाई, 2016।

''स्नातक रोजगार'' 21 नवंबर 2016 को न्यूपा के सहयोग से बॉण्ड विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया की ओर से आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

lEesyu@laxks"Bh esa Hkkxhnkjh

''विश्वविद्यालयों के अभिशासनः मुद्दे और चुनौतियां'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित; 23–24 मार्च, 2017।

भाग लिया, एड–टेक तकनीकः: प्रभाव के लिए अभिनव; येस संस्थान, यस बैंक विचार–मंच; फरवरी 23, 2017, ताज महल होटल, मानसिंह रोड, नई दिल्ली में आयोजित।

''उच्च शिक्षा में वैश्विक रुझानः भारत के लिए निहितार्थ'' गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया (वक्ताः प्रो. साइमन मारगिन्सन) विश्व बैंक समूह, ब्रिटिश काउंसिल और उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र, न्यूपा के सहयोग से, हिंदुस्तान टाइम्स हाउस (प्रेस ब्लॉक), 18–20 में, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, 13 जनवरी, 2017।

''सामाजिक क्षेत्र के मुद्दों और सतत विकास लक्ष्यों नीतियाँ, संभावनाएँ और भविष्य दिशा भारतीय परिप्रेक्ष्य'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। सामाजिक विकास परिषद द्वारा आयोजित, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, 15–16 जुलाई 2016।

भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट–2017, 27 सितम्बर 2016 उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र, न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, लेखक बैठक में भाग लिया।

भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट–2017, 23 जून, 2016 उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र, न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित लेखक बैठक में भाग लिया।

''भारत में उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और भेदभाव'', सी.पी.आर.एच.ई.–न्यूपा, 27–28 फरवरी 2017, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

varjjk"Vªh; laxks"Bh@lEesyu esa U;wik ls ckgj vè;{krk

'समानता की समस्याः तुलनात्मक का वादा और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा' 61वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वित्त पोषण पर विशेष रुचि समूह के एक सत्र की अध्यक्षता की, लोयोला विश्वविद्यालय, शिकागो, शेरेटन अटलांटा शहर में, तुलनात्मक और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी के सहयोग द्वारा आयोजित अटलांटा, जॉर्जिया, 05–09 मार्च 2017।

laxks"Bh@lEesyu esa fjiksVZj

भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट–2017, 27 सितम्बर 2016, उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र, न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित लेखक बैठक में रिपोर्टर।

भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट–2017, 23 जून, 2016 उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र, न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित लेखक बैठक में रिपोर्टर।

U;ikl e vU; vkrfjd xfrfof/k;k

vUoh{k.k

वर्ष 2016–17 के एम.फिल. छात्रों के प्रथम सेमेस्टर परीक्षा हेतु अन्वीक्षण

mÙkj fyfi;ksa dk eY;kadu

शोध कार्यप्रणाली (सीसी–3) 2016–17, एम.फिल./पी–एच.डी. पाठ्यक्रम के उत्तर लिपियों का मूल्यांकन; राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

डायरेक्ट पी–एच.डी., पार्ट टाइम पी–एच.डी. और एम.फिल. कार्यक्रम 2016–17 के लिए प्रवेश परीक्षा की उत्तर लिपियों का मूल्यांकन, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

dk;Z'kkyk,@cSBd e l= dh v/;{krk

स्कूल एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, न्यूपा, नई दिल्ली, 14–16 दिसंबर, 2016 को विभाग द्वारा आयोजित ''भारत में प्राथमिक स्कूल में बच्चों की भागीदारी में सुधार'' पर कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता की।

U;ikl d ckgj çfr;kr fudk;k dh lnL;rk

सह–अध्यक्ष व्यक्ति (चयनित) तुलनात्मक और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा समिति, संयुक्त राज्य अमेरिका।

भारत तुलनात्मक शिक्षा समिति के आजीवन सदस्य (सीईएसआई)

efy'k lh-,e-

çdk'ku

iLrd çdkf'kr%

इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2016: इक्विटी (एन.वी. वर्गीज और निधि एस सभरवाल के साथ): नई दिल्ली। (मुद्रणालय में)

vu lèkku nLrkot@y[k çdkf'kr

हायर एजुकेशन, रिर्जवेशन एंड शिड्यूल कास्टः एक्सप्लोरिंग इंस्टीट्यूशनल हैविट्स ऑफ प्रोफेशनल इंजीनियरिंग कॉलेज इन केरल, *हायर एजुकेशन, 72(5),* 2016 (पीवी इलवारशन के साथ संयुक्त रूप से)।

स्टूडेंट डायवरसिटी एंड सिविक लर्निंग इन हायर एजुकेशन इन इंडिया. सीपीआरएचई रिसर्च पेपर सीरीज–3, सीपीआरएचई/न्यूपाः नई दिल्ली 2016 (संयुक्त रूप से निधि एस सभरवाल के साथ)

ifj;kstuk fjikVZ

विविधता और उच्च शिक्षा में भेदभावः भारत के चयनित राज्यों में संस्थानों का एक अध्ययन। सी.पी.आर.एच.ई. परियोजना, आईसीएसएसआर, को प्रस्तुत रिपोर्ट (निधि एस. सभरवाल के साथ संयुक्त रूप से) अक्टूबर, 2016।

lxks"Bh@lEesyu@dk;Z'kkykvks e Hkkxhnkjh

jk"Vªh;

''समावेशी सार्वजनिक क्षेत्र के रूप में उच्च शिक्षा संस्थानः सार्वभौमिकरण उच्च शिक्षा प्रणाली में छात्र पहचान कैसे मायने रखती है?'' शीर्षक से प्रस्तुतिः शैक्षिक नीति विभाग, न्यूपा, 16–17 मार्च 2017, नई दिल्ली द्वारा आयोजितः ''शैक्षिक नीति के लिए संभावनाएं और चुनौतियां सार्वजनिक क्षेत्र और शिक्षा'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आलेख प्रस्तुत। (संयुक्त रूप से निधि एस. सभरवाल के साथ)।

''छात्र विविधता, इक्विटी और भारत में उच्च शिक्षा में समावेशन'' पर आलेख प्रस्तुति ''छात्र विविधता और भारत में उच्च शिक्षा में भेदभाव'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया, सी.पी.आर.एच.ई.–न्यूपा द्वारा आयोजित, 27–28 फरवरी, 2017, नई दिल्ली। (संयुक्त रूप से निधि एस. सभरवाल के साथ)।

(संयुक्त रूप से निधि एस. सभरवाल के साथ एक संसाधन व्यक्ति के रूप में, शिक्षा में अनुसंधान पद्धति, पर कार्यशाला में ''सामाजिक विविधता और विश्वविद्यालय परिसर'' पर एक सत्र, शैक्षिक नीति विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 19 अक्तूबर, 2016।

vrjjk"Vªh;

2016 ''विविधता और भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभावः चयनित राज्यों का एक अध्ययन, विकासशील अर्थव्यवस्था में उच्च शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत आलेख ''समस्याएं, नीतियाँ और परिप्रेक्ष्य, वैकल्पिक अर्थशास्त्र इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर (आईयूसीएआई), केरल विश्वविद्यालय, (संयुक्त रूप से निधि एस सभरवाल के साथ) थिरूवंतापुरम, केरल, 24–26 अक्टूबर 2016

शिक्षक–छात्र बातचीत और अधिगम परिणामः एक प्रारंभिक निष्कर्ष। शिक्षण अधिगम और उच्च शिक्षा में नई प्रौद्योगिकियाँ, 25–26 फरवरी, 2016 नई दिल्ली, सी.पी.आर.एच.ई. और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत। (संयुक्त रूप से निधि एस सभरवाल के साथ)

dk;Z'kkyk@lEesyu@çf'k{k.k dk;Øe dk vk;kstu

(संयुक्त रूप से निधि एस सभरवाल के साथ) विविधता और भेदभाव पर सी.पी.आर.एच.ई.–आई.सी.सी.एस.एस.आर. परियोजना के लिए आयोजित तीसरी शोध पद्धति कार्यशाला; 7–8 जून 2016।

4 अक्टूबर 2016 को उच्च शिक्षा सफलता और सामाजिक गतिशीलता पर परियोजना के लिए अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन; (निधि एस सभरवाल के साथ संयुक्त रूप से)।

विविधता और भेदभाव पर सी.पी.आर.एच.ई.–आई.सी.सी. एस.एस.आर. परियोजना के लिए अनुसंधान सलाहकार समिति की आयोजित तीसरी बैठक, 18 अक्टूबर 2016; (निधि एस सभरवाल के साथ संयुक्त रूप से)

उच्च शिक्षा सफलता और सामाजिक गतिशीलता पर परियोजना, 22 दिसंबर 2016 (निधि एस सभरवाल के साथ संयुक्त रूप से) अनुसंधान उपकरणों पर आयोजित चर्चा बैठक और सह–कार्यशाला।

संगठित, उच्च शिक्षा में छात्र विविधता प्रबंध पर माड्यूल विकास (निधि एस सभरवाल के साथ संयुक्त रूप से) परियोजना के लिए प्रथम लेखक बैठक; 16 मार्च 2016

çf'k{k.k lkexzh vkSj ikBîØe fodflr@ fu"ikfnr

कार्यशाला के लिए सामग्री तैयार ''नागरिक अधिगम और लोकतांत्रिक बातचीत के लिए उच्च शिक्षाः उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और भेदभाव का अध्ययन छह राज्यों से 18 अनुसंधान दल के सदस्यों के लिए बिहार, दिल्ली, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश। दिशा निर्देशों की सामग्री रिपोर्ट और मसौदा अनुसंधान रिपोर्ट और मसौदा अनुसंधान रिपोर्ट की समीक्षा हेतु पर समेकित टिप्पणी में संशोधन के लिए (संयुक्त रूप से निधि एस सभरवाल के साथ)।

मात्रात्मक और गुणात्मक विधियाँ आधारित अनुसंधान उपकरण शोध कार्यप्रणाली कार्यशाला के लिए सामग्री हेतु विकसित, उच्च शिक्षा सफलता और सामाजिक गतिशीलताः अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के लिए यूजीसी कोचिंग योजनाएं पर एक अध्ययन 12 राज्यों पंजाब, उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा, बिहार, दिल्ली, केरल, गुजरात, झारखंड, महाराष्ट्र, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और मेघालय से 12 अनुसंधान दल के सदस्यों के लिए सामग्री में संस्था प्रोफाइल, छात्र साक्षात्कार और फोकस समूह चर्चा के लिए कार्यक्रम प्रश्नावली। (संयुक्त रूप से निधि एस सभरवाल के साथ)।

vU; 'k{kf.kd vkj 0;kolkf;d ;kxnku

सी.पी.आर.एच.ई. शोध पत्र श्रृंखला हेतु सह–संपादक

vu|lèkku vè;;u

पूरे किए गए अनुसंधान परियोजनाः

नागरिक अधिगम और लोकतांत्रिक बाचतीच के लिए उच्च शिक्षाः उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और भेदभाव का एक अध्ययन

vu|lèkku ifj;kstuk ¼tkjh½

उच्च शिक्षा सफलता और सामाजिक गतिशीलताः अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के लिए यूजीसी कोचिंग योजनाएं पर एक अध्ययन

lk;ru eMy

çdk'ku

iLrdk çdkf'kr

वर्गीज, एन.वी., पचौरी, ए. और मंडल, एस. (सं.) आगामी। *क्वालिटी एंड टीचिंग लर्निंग इन हायर एजुकेशन इन इंडिया*, दिल्ली सेज।

vu|lèkku nLrkost@çdkf'kr y[k

मंडल, एस. (2016 जुलाई), *टीचिंग लर्निंग प्रोसेस. इकोनोमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, जिल्द–51, सं. 29, पृ. 79–81।

मंडल, एस. (2016), रिव्यू आर्टिकल – क्लेयन, स्वेन एच. डी एंड गुंटर फैस्टेल (सं.) 2016ः *एकेडमिक स्पिन–ऑफ्स एंड टैक्नोलॉजी ट्रॉंसफर इन यूरोप*, एडवर्ड एल्गार पब्लिशिंग, चैल्टेन्हम, यूके, आईएसबीएन– 978 1 78471 737 7, पृ. 256, इन द *जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन* (जेपा), न्यूपा, अक्टूबर 2016।

मंडल, एस. (2016), *डवलपिंग बैस्ट टीचर्स इन इंडियन हायर एजुकेशनः ह्वट कैन वी लर्न फ्रॉम अदर्स?* इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशन रिसर्च? जिल्द–5, मार्च।

मंडल, एस. (2016), *डवलपिंग ऑफ एजुकेशन एंड स्किल ऑफ रूरल यूथ इन इंडिया.* कुरूक्षेत्र (ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार), अगस्त (प्रैस में)।

मंडल, एस. (2016), *नेशनल स्किल ड्राईव एंड द युनिवर्सिटीज ऑफ यस्टर ईयर्सः कैन लाईफलॉंग लर्निंग बी द अन्सर?* इंडियन जर्नल ऑफ एडल्ट एजुकेशन (73–87)।

iLrd vè;k;

मंडल, एस. (2018) टीचिंग एंड लर्निंग इन कंटंप्रेरी इंडियन हायर एजुकेशन इन वर्गीज, एन.वी., पचौरी ए. एंड मंडल एस. (एडी.) *इंडियन हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2017ः क्वालिटी एंड टीचिंग लर्निंग इन हायर एजुकेशन इन इंडिया,*, दिल्ली, सेज।

मंडल, एस. (2016), *अन्डरस्टेंडिंग टीचिंग–लर्निंग इन इंडियन हायर एजुकेशन*, इन मंडल, ए. (एडी.), पिवोटल इश्यू इन इंडियन एजुकेशन, कल्पज पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

fjiksVZ

एन.वी. वर्गीज एंड मंडल, एस. (2016) रिपोर्ट ऑन द इंटरनेशनल सेमीनार ऑन टीचिंग–लर्निंग एंड न्यू टैक्नोलॉजीज इन हायर एजुकेशन; सीपीआरएचई/न्यूपा, नई दिल्ली

एन.वी. वर्गीज, पचौरी, ए. एंड मंडल, एस. (2016) इवाल्यूशन ऑफ द पीएमएमएमएनएमटीटी स्कीम मा. सं.वि.मंत्रालय, भारत सरकार, सीपीआरएचई/न्यूपा, नई दिल्ली

lxks"Bh@lEesyu@dk;Z'kkykvksa esa Hkkxhnkjh

jk"Vªh;

शैक्षिक नीति विभाग, न्यूपा, 16–17 मार्च, 2017, नई दिल्ली द्वारा आयोजितः ''शैक्षिक नीति के लिए संभावनाएं और चुनौतियांः सार्वजनिक क्षेत्र और शिक्षा'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

''भारत में उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और भेदभाव'' में राष्ट्रीय संगोष्ठी, सी.पी.आर.एच.ई.–न्यूपा द्वारा आयोजित, 27–28 फरवरी, 2017, नई दिल्ली।

''विश्वविद्यालयों के शासनः मुद्दे और चुनौतियां, पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित; मार्च 23–24, 2017।

''उच्च शिक्षा में वैश्विक रुझानः भारत के लिए निहितार्थ'' गोल मेज सम्मेलन में भाग लिया (वक्ताः प्रो. साइमन मारगिन्सन) विश्व बैंक समूह, ब्रिटिश काउंसिल और उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र उच्च शिक्षा, न्यूपा द्व ारा आयोजित, हिंदुस्तान टाइम्स हाउस (प्रेस ब्लॉक), 18–20, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, 13 जनवरी, 2017।

''सामाजिक क्षेत्र के मुद्दे और सतत विकास लक्ष्य भारतीय परिप्रेक्ष्य'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, नीतियाँ, संभावनाएँ और भविष्य दिशा, ''सामाजिक विकास परिषद द्वारा आयोजित, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, 15–16 जुलाई, 2016।

vUrjjk"Vªh;

आजीवन अधिगम ए.सी.ई.एम. फोरम 2016 कोपेनहेगन, डेनमार्क में आयोजित 3–5 अक्टूबर 2016 को डेनिश शिक्षा स्कूल, आरहूस, डेनमार्क के विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित।

''उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सी.पी.आर.एच.ई.) न्यूपा द्वारा उच्चतर शिक्षा में वित्तपोषण में नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से, भारत, भारत पर्यावास केन्द्र, नई दिल्ली, भारत, 16–17 फरवरी 2017।

Hkkxhnkjh% fo'ks"k l=

आगन्तुक विद्वान डयूस्टो विश्वविद्यालय, बिलबाओ, स्पेन, आजीवन अधिगम (एमएएलएलएल) (कोर्स 10) पर व्याख्यान। छात्रवृत्ति यूरोपीय आयोग द्वारा वित्त पोषित।

संगोष्ठी प्रस्तुति ड्यूस्टो – विश्वविद्यालय–नीति और प्रबंधन (एमएएलएलएल): आजीवन अधिगम पर यूरोपीय मास्टर्स के छात्रों के साथ उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम पर विशेष व्याख्यान। अक्टूबर, 2016।

व्याख्यान के लिए आमंत्रित कियाः नीति और प्रबंधन (एमएएलएलएल): आजीवन अधिगम पर यूरोपीय मास्टर्स के छात्रों के साथ राष्ट्रीय योग्यता फ्रेमवर्क पर विशेष कक्षा। अक्टूबर, 2016, डयूस्टो – विश्वविद्यालय

संगोष्ठी – अंतर्राष्ट्रीय वयस्क संस्थान और आजीवन शिक्षा, नई दिल्ली – ''आजीवन अधिगम अनुसंधान के लिए आईसीटी संसाधन, आजीवन अधिगम और हाल ही में राष्ट्रीय उच्च शिक्षा नीतियों पर इसके प्रभाव के बदलते आयाम'' पर विशेष सत्र। अक्टूबर, 2016।

गोलमेज सम्मेलन – भारत, नई दिल्ली, यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल – यूरोप में अध्ययन – दुनिया में यूरोपीय उच्च शिक्षा के आकर्षण को बढ़ानाः भारत में यूरोपीय उच्च शिक्षा विशेषज्ञों (ईएचईई) के लिए सूचना संगोष्ठी। यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के सहयोग से ए.सी.ए. द्वारा आयोजित (शिक्षा और यूरोपीय संघ के संस्कृति महानिदेशालय द्वारा परियोजना का संचालन) नई दिल्ली, मार्च, 2016

संगोष्ठी प्रस्तुति–अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई, यूरोप में अध्ययन और रहने का अनुभव – अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई में संगोष्ठी प्रस्तुति। 18 सितंबर, 2016।

vu|lèkku ifj;kstuk

अनुसंधान परियोजना समन्वयक/सी.पी.आर.एच.ई. प्रधान अन्वेषक/न्यूपा प्रमुख अनुसंधान परियोजना ''भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम'' (यूजीसी द्वारा प्रायोजित)।

सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा में ''पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन का मूल्यांकन (पीएमएमएमएनएमटीटी)'' एन.वी. वर्गीज और अनुपम पचौरी के साथ, मानव संसाधन विकास मंत्रालय मूल्यांकन परियोजना समन्वय।

dk;Z'kkyk@lEesyu@çf'k{k.k dk;Øe dk vk;kstu

''शिक्षण और भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण'' पर आयोजित विश्लेषण फ्रेमवर्क कार्यशाला, 31 मार्च–1 अप्रैल, 2016 राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

संगठित, भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट– 2017, 27 सितम्बर 2016 उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र, न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित लेखक बैठक (एन.वी. वर्गीज और अनुपम पचौरी के साथ)।

संगठित, भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट–2017, 23 जून, 2016 के लेखक बैठक, उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र, न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (एन.वी. वर्गीज और अनुपम पचौरी के साथ)

dk;Z'kkyk@vu|lèkku ikB~;Øe Hkkxhnkjh

''स्नातक रोजगार'' 21 नवंबर 2016 को न्यूपा के सहयोग से बॉण्ड विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया की ओर से आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

vu|lèkku vè;;u

भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम

परामर्श और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

uhfr leFkZu

सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा में ''पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन का मूल्यांकन (पीएमएमएमएनएमटीटी)'' एन.वी. वर्गीज और अनुपम पचौरी के साथ, मानव संसाधन विकास मंत्रालय मूल्यांकन परियोजना। परियोजना समन्वयक, प्रधान अन्वेषकः प्रोफेसर एन.वी. वर्गीज, डॉ अनुपम पचौरी और डॉ सायंतन मंडल

vU; 'kSf{kf.kd vkSj 0;kolkf;d ;ksxnku

सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा वेबसाइट

सी.पी.आर.एच.ई./न्यूपा वेबसाईट के समन्वयक

जर्नल संपादन

बंगाली पत्रिका के सह–संपादक – जन शिक्षा भावना (जन शिक्षा और आजीवन अधिगम पर), त्रैमासिक, कोलकाता, भारत।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ (आईएईए), नई दिल्ली

ए.एस.ई.एम. शिक्षा और आजीवन ज्ञान के लिए रिसर्च केन्द्र (ए.एस.ई.एम. एल एल एल हब), नेटवर्क 5– कोर योग्यताएं

सत्येन मैत्रा जन शिक्षा समिति (एसएमजेएस), कोलकाता, भारत

भारतीय पाउलो फ्रेरे संस्थान (आई.पी.एफ.आई.), कोलकाता, भारत

vU;

''पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन योजना (पीएमएमएमएनएमटीटी) के क्रियान्वयन का मूल्यांकन'' हेतु परियोजना समन्यक

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक

i.krh ikMk

çdk'ku

iLrd@vè;k;

स्कूल एजुकेशन एंड अकाउन्टेबिलिटी इन इंडियाः मैपिंग करैन्ट पॉलिसीज एंड प्रैक्टि्स (2017) जैकब ऐश्ले II एंड पियरे तलोविजकी (एडी0): एजुकेशनल अकाउन्टेबिलिटी: अ रिस्पान्स टू क्रिटिक फरदरिंग द इंटरनेशनल प्वाइंट ऑफ ब्यू. इंटरनेशनल कांग्रेस फार स्कूल इफैक्टिवनेस एंड इंप्रूवमेंटः आस्ट्रेलिया

Ldly ekud vkj eY;kdu nLrkot

स्कूल स्व–मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश। (2016) स्कूल मानक और मूल्यांकन एकक, न्यूपाः नई दिल्ली

शाला सिद्धिः प्रगति और कार्यान्वयन पर राज्य विशिष्ट रिपोर्ट (2017)। स्कूल मानक और मूल्यांकन एकक, न्यूपाः नई दिल्ली

शाला सिद्धिः राज्य विशिष्ट स्कूल स्व मूल्यांकन ग्रेडिंग रिपोर्ट (2017)। स्कूल मानक और मूल्यांकन एकक, न्यूपाः नई दिल्ली

स्कूल प्रदर्शन विश्लेषण के बारे में राष्ट्रीय रिपोर्ट विकास, प्रगति और कार्यान्वयन, स्कूल मानक और मूल्यांकन एकक, न्यूपाः नई दिल्ली

lxk"Bh@lEeyu@dk;'kkykvk e Hkkxhnkjh

jk"Vh;

प्रस्तुत, शाला सिद्धि कार्यक्रम की उपलब्धि साझा की, 23वां संयुक्त समीक्षा मिशन; 21–28 जुलाई, 2016, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।

नीति दृष्टिकोण और चुनौतियांः भारत में स्कूल प्रदर्शन को बेहतर बनाने पर एक वक्ता के रूप में एक आलेख प्रस्तुत किया। (2017)। प्रस्तावित ''नई शिक्षा नीति–हमारी चिंताएं'' पर राष्ट्रीय परामर्श, सामाजिक विज्ञान स्कूल, जेएनयू, नई दिल्ली और भारत ज्ञान विज्ञान समितिया (बीजीवीएस), 31 मार्च, 2017, जेएनयू, नई दिल्ली, राष्ट्रीय शिक्षा गठबंधन (एनसीई) दिल्ली के सहयोग से आयोजित, 31 मार्च 2017।

संचालन समिति के सदस्य, आरएमएसए टीसीए कार्यक्रम के रूप में भाग लिया और अंतिम रिपोर्ट आरएमएसए टीसीए की समीक्षा की; 21 जून, 2016, शास्त्री भवन, नई दिल्ली।

7वीं जेआरएम, आरएमएसए में भाग लिया और शाला सिद्धि पर प्रस्तुतिकरण दिया, 11 अप्रैल, 2016, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।

शिक्षक शिक्षा पर विचार मंच के सदस्य के रूप में भाग लिया और डाइट संक्रमण पर एक आलेख प्रस्तुत कियाः क्षमता और संभावनाएं, 15 मार्च, 2016 एससीईआरटी और यूनिसेफ, ओडिशा।

8 अप्रैल, 2016 ''मास्टर संसाधन प्रशिक्षण और शिक्षक व्यावसायिक विकास, कनाडा शिक्षक संघ, सकातेचवन टीचर्स फाउण्डेशन, एजुकेशन इंटरनेशनल और एआईपीटीएफ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित समापन भाषण दिया।

अभिनव, सोशल मीडिया और डिजिटल प्रौद्योगिकी के माध्यम से बदल रहे परिदृश्य में शिक्षक, प्रशिक्षक और सलाहकार सशक्तीकरण के लिए मार्ग का निर्माण पर पूर्व चर्चा की बैठक में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। जून 7,2016, सीआईईटी, एनसीईआरटी, नई दिल्ली।

एक सुविधाप्रदाता के रूप में भाग लिया और एक दिन की कार्यशाला ''आदर्श स्कूल का विकास'', में आलेख प्रस्तुत, गुजरात, 25 मई, 2016 शिक्षा विभाग, गुजरात सरकार को प्रस्तुत किया।

केब की उप समिति की चौथी बैठक में भाग लिया, सरकारी स्कूलों में सुधार हेतु, 2 मई, 2016 ओडिशा।

एनसीएसएल राष्ट्रीय सलाहकार ग्रुप की बैठक में भाग लिया। (2016), न्यूपा, नई दिल्ली।

स्कूल मानक और मूल्यांकन श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता विकास सामरिक योजना पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, वित्त पोषण पर राष्ट्रीय कार्यक्रम में व्याख्यान, 18–30 मई, 16–28 मई, 4–16 जुलाई 2016, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता को दुरुस्त बनाने के लिए परामर्श बैठक श्रृंखला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। एनसीटीईः नई दिल्ली, (2016)।

विचार मंच सदस्य के रूप में भाग लिया और गुणवत्तायुक्त शिक्षक शिक्षा पर राज्य परामर्श में गुणवत्तायुक्त शिक्षक शिक्षा पर प्रस्तुतीकरण। 22 अप्रैल, 2015. ओडिशा सरकार और राज्य यूनिसेफ कार्यालय, ओडिशा।

''भारत में शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में असमानता, विविधता और गुणवत्ता; एससीईआरटी, 2 मार्च, 2017, केरल संकाय अधिकारिता कार्यक्रम में सत्र संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

महिला, राज्य और जिला स्तर प्रशासकों के लिए अभिविन्यास–सह कार्यशाला में स्कूल सुधार के लिए उपकरण स्कूल स्टैंडर्ड और मूल्यांकन पर एक व्याख्यानः 2 दिसंबर 2016 न्यूपा, नई दिल्ली।

एक वक्ता के रूप में आमंत्रित, स्कूल मानक और मूल्यांकन (शाला सिद्धि) पर एक सत्रः स्कूल सुधार के लिए एक प्रयास, शिक्षा और अधिगम, के लिए आईसीटी परिप्रेक्ष्य को अपनाना, अंतर्राष्ट्रीय फोरम की ओर एक पहल, 31 अक्टूबर–4 नवंबर 2016 आईबीई, जिनेवा।

vUrjjk"Vh;

इंटरनेशनल फोरम ऑफ रिसर्च्स ऑफ एजुकेशन तथा जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''शिक्षक शिक्षाः चुनौतियां, अवसर और रणनीतियों'' पर आलेख प्रस्तुत किया तथा सत्र की अध्यक्षता की, 07–08 दिसंबर, 2016।

''अध्यापक प्रबंधन'' पर सत्र की अध्यक्षता करी और ''शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधनः मौजूदा आचरण और नवाचार'' पर अंतरीप क्षेत्रीय कार्यशाला के समूह कार्य–सत्र में भारतीय स्कूल मूल्यांकन मॉडल को साझा किया। 19–21 अप्रैल, 2016।

vuqlèkku vè;;u vkj ifj;kstuk,

समन्वय और परियोजना प्रबंध ''स्कूल मिशन वक्तव्य 2017''. मा.स.वि.मंत्रालय भारत सरकार।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाओं/सम्मेलनों का आयोजन

राष्ट्रीय स्तर (न्यूपा) में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमः

स्कूल मानक और मूल्यांकन फ्रेमवर्क (एसएसईएफ) (हिंदी), 20–25 जून, 2016, न्यूपा, नई दिल्ली दस्तावेज़

शाला सिद्धि के अनुवाद के लिए कार्यशाला का आयोजन किया।

शाला सिद्धि दस्तावेजों–डैशबोर्ड और सूचना ब्रोशर (हिंदी), जून 27–30, 2016 न्यूपा, नई दिल्ली के अनुवाद के लिए कार्यशाला का आयोजन किया।

स्कूलों स्व–मूल्यांकन, 21–23 फरवरी, 2017, न्यूपा, नई दिल्ली के लिए दिशानिर्देश को अंतिम रूप देने पर कार्यशाला का आयोजन किया।

स्कूल स्व–मूल्यांकन, के लिए दिशानिर्देश का अनुवाद पर कार्यशाला का आयोजन किया, 07–10 मार्च, 2017, न्यूपा, नई दिल्ली ।

समन्वय, स्कूल मानक और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम शाला सिद्धि पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक का आयोजन किया, 06–07 फरवरी, 2017।

स्कूल स्व मूल्यांकन (शाला सिद्धि) पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रमः

196 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों, आंध्र प्रदेश के लिए स्कूल आत्म मूल्यांकन क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया, 02 नवंबर, 2016।

371 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों असम के लिए स्कूल आत्म मूल्यांकन क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 28–29 सितंबर, 2016।

संगठित और 170 प्रतिभागियों के लिए शाला सिद्धि (स्कूल आत्म मूल्यांकन), चंडीगढ़ पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम को अंजाम दिया; 16 नवंबर, 2016।

अक्टूबर 5–6, 2016, छत्तीसगढ़, 75 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों के लिए शाला सिद्धि पर स्कूल आत्म मूल्यांकन क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।

समन्वित और 26–27 अगस्त, 2016 को, दादर एवं नगर हवेली (60 प्रतिभागियों) और दमन एवं दीव (120 प्रतिभागियों) के लिए आयोजित शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम (स्कूल आत्म मूल्यांकन)।

3150 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों के लिए शाला सिद्धि (स्कूल आत्म मूल्यांकन) पर आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 06 अगस्त, 2016 दिल्ली।

221 प्रतिभागियों के लिए शाला सिद्धि, 22–23 सितंबर, 2016, गोवा में स्कूल आत्म मूल्यांकन क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया और समन्वय।

समन्वित, नवंबर 17, वर्ष 2016 में 30 भागीदार के लिए शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम (स्कूल आत्म मूल्यांकन) की अध्यक्षता की, हरियाणा।

संगठित और 110 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों, हिमाचल प्रदेश के लिए शाला सिद्धि (स्कूल आत्म मूल्यांकन) पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम को आयोजित किया; 10–11 नवंबर, 2016।

समन्वय और 56 प्रतिभागियों, 28–29 नवंबर, 2016 के दौरान जम्मू और कश्मीर के लिए शाला सिद्धि पर स्कूल आत्म मूल्यांकन क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।

समन्वित और 160 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों के लिए 08–09 दिसंबर, 2016, झारखंड में शाला सिद्धि (स्कूल आत्म मूल्यांकन) पर मदद हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम।

संगठित और 60 प्रतिभागियों के लिए शाला सिद्धि (स्कूल आत्म मूल्यांकन), केरल पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम को आयोजित किया; 28–29 नवंबर, 2016।

सहायता और 400 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों को 2–3 सितंबर, 2016 मणिपुर के लिए शाला सिद्धि पर स्कूल आत्म मूल्यांकन क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।

समन्वित और मिजोरम के 92 प्रतिभागियों के लिए शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम (स्कूल आत्म मूल्यांकन) 10–11 जनवरी, 2017, की अध्यक्षता की।

समन्वित और 114 प्रतिभागियों के लिए शाला सिद्धि 20–21 अक्टूबर, 2016, नागालैंड पर आयोजित स्कूल आत्म मूल्यांकन क्षमता निर्माण कार्यक्रम।

संगठित और 75 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों, 22–23 नवंबर, 2016, ओडिशा के लिए शाला सिद्धि (स्कूल आत्म मूल्यांकन) पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया

समन्वय और 35 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों, 15 नवंबर, 2016 को पंजाब के लिए शाला सिद्धि पर स्कूल आत्म मूल्यांकन क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।

120 प्रतिभागियों के लिए शाला सिद्धि (स्कूल आत्म मूल्यांकन), 27 अक्टूबर, 2016 राजस्थान पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन।

समन्वित और (स्कूल आत्म मूल्यांकन) 62 प्रतिभागियों के लिए शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम की अध्यक्षता की, 4–5 नवंबर, 2016, सिक्किम

समन्वय और 413 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों, 19 सितम्बर, 2016 को तमिलनाडु के लिए शाला सिद्धि पर स्कूल आत्म मूल्यांकन क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।

समन्वित और 125 प्रतिभागियों के लिए शाला सिद्धि (स्कूल आत्म मूल्यांकन) 04–05 सितंबर, 2016, तेलंगाना पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

संगठित और 55 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों 5–6 दिसंबर, 2016 त्रिपुरा के लिए शाला सिद्धि पर स्कूल आत्म मूल्यांकन क्षमता निर्माण कार्यक्रम में मदद की।

30 प्रतिभागियों, 24–25 अक्टूबर, 2016, उत्तर प्रदेश के लिए शाला सिद्धि पर स्कूल आत्म मूल्यांकन क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।

समन्वित और शाला सिद्धि (स्कूल आत्म मूल्यांकन) 65 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों के लिए, 23 अगस्त, 2016 उत्तराखंड पर आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम।

समन्वित और 52 प्रतिभागियों के लिए शाला सिद्धि (स्कूल आत्म मूल्यांकन), 16–17 दिसंबर, 2016, पश्चिम बंगाल पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम में समन्वय।

शाला सिद्धि के दस्तावेजों के अनुवाद के लिए तीन कार्यशालाएं समन्वित – एसएसई फ्रेमवर्क, डैश बोर्ड और सूचना विवरणिका हिंदी (फरवरी, मार्च–जून 2016)।

oc ikVy fodkl vkj çcëku dk;l'kkyk,

शाला सिद्धि, 2016, नीपा, नई दिल्ली के लिए उन्नत सुविधाओं के साथ वेब पोर्टल विकास श्रृंखला कार्यशाला का आयोजन किया।

çf'k{k.k lkexh vkj ikBîØe fodflr@ l|ikfnr

एक फाउंडेशन कोर्स, एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रम के लिए (कोर पाठ्यक्रम 2) पर भारत में शिक्षा विकसित किया।

विकसित सामरिक योजना और स्कूल मानक और मूल्यांकन (शाला सिद्धि), न्यूपा, नई दिल्ली पर राष्ट्रीय कार्यक्रम पर पर्यवेक्षण फ्रेमवर्क।

स्कूल स्व–मूल्यांकन, स्कूल मानक और मूल्यांकन एकक, न्यूपा, नई दिल्ली के लिए विकसित दिशानिर्देश।

vU; 'kf{kd xfrfofèk;k

समन्वय और एम.फिल के लिए कोर पाठ्यक्रम (सीसी–2) ''भारत में शिक्षा'' शिक्षण। और पी–एच.डी. कार्यक्रम।

4 पी–एच.डी. अनुसंधान विद्वान पर्यवेक्षण और एक एम.फिल. विद्वान का। स्कूल लीडरशिप, प्रशासन और शिक्षक शिक्षा प्रबंधन, शिक्षक पहचान और मूल्यांकन, समावेशी शिक्षा और शिक्षार्थियों मूल्यांकन के लिए शिक्षक तैयार करने हेतु।

ijke'k vkj lkotfud fudk;k d fy, vdknfed lgk;rk

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सदस्य के रूप में एनसीटीई के लिए विस्तारित अकादमिक सहायता, शिक्षक शिक्षा का पुनः निर्माण।

एनसीटीई की पत्रिका समिति के सदस्य के रूप में शिक्षक समर्थन पर जर्नल के विविध पहलुओं के लिए अकादमिक समर्थन।

शिक्षक शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (एम.एड. स्तर) (एनसीटीई और यूजीसी) के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए दिशा–निर्देश पर एनसीटीई के लिए अकादमिक सहायता।

शिक्षक शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए ओडिशा और एससीईआरटी, ओडिशा सरकार को अकादमिक सहायता।

बाहरी समीक्षक के रूप में, शैक्षिक नीति जर्नल, के.ई.आई.डी. कोरियाई जर्नल के सात अनुसंधान लेख की समीक्षा।

छह पी–एच.डी. और एक एम.फिल. शोध प्रबंध के लिए बाहरी मूल्यांकनकर्ता; दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, उत्कल विश्वविद्यालय, उस्मानिया विश्वविद्यालय आदि।

शिक्षक शिक्षा पर केन्द्र प्रायोजित योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षक शिक्षा अनुमोदन बोर्ड के सदस्य के रूप में शिक्षक शिक्षा पर विभिन्न राज्यों के लिए अकादमिक सहायता।

U;ik d ckgj ç[;kr fudk;k dh lnL;rk

सदस्य, जर्नल सलाहकार बोर्ड, एनसीटीई

सदस्य, एससीईआरटी, कार्यक्रम सलाहकार बोर्ड, नई दिल्ली।

सदस्य, शिक्षक शिक्षा अनुमोदन बोर्ड, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली

कार्यकारी बोर्ड सदस्य, आरएमएसए (टीसीए)

कार्यकारी बोर्ड सदस्य, शिक्षक शिक्षा में सुधार, यूनिसेफ और एससीईआरटी, पुणे।

शिक्षा नीति के.ई.आई.डी. जर्नल के अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड के सदस्य (के.जी.ई.पी.)

सदस्य, स्कूल प्रभावशीलता और सुधार पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस

सदस्य, शिक्षक शिक्षकों का भारतीय संघ

संस्थापक सदस्य, शिक्षा के क्षेत्र में शोधकर्ताओं का अंतरराष्ट्रीय मंच (आई.आर.ओ.आर.ई.)

सदस्य, छात्र संघ, शिक्षा केन्द्रीय संस्थान, नई दिल्ली

आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ।

ohjk xIrk

çdk'ku

o"k d nkjku çdkf'kr iLrd

एस.डी.ई.पी.ए, शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण राज्य संस्थान, उत्तराखंड के लिए मॉड्यूल

व्यावसायिक नीति निर्माण पर अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए मॉड्यूलय 21–25 नवम्बर, 2016 न्यूपा

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा में (उन्नत पाठ्यक्रम) के चरण–5 हेतु व्यावसायिक नीति निर्माण पर मॉडयूल

vuIlekku nLrkot@y[k çdkf'kr

''एजुकेशनल प्लानिंगः ड्रॉपआउट ऑफ सीडब्ल्यूएसएन एंड एसएलडी चिल्ड्रेन इन इंडिया'' आईएएफओआर जर्नल ऑफ द सोशियल साइंसः जिल्द–2, इश्यू 2, विन्टर 2016 प्रकाशन 20 दिसंबर, 2016, आईएसएसएनः 2187–0640 में लेख प्रकाशित।

हायर एजुकेशन रिव्यू 12 दिसंबर, 2016 मैग्जीन; 'पॉलिसी मेकिंग इन इंडिया' पीपी 74।

lxks"Bh@lEesyu esa Hkkxhnkjh

¼jk"Vªh;@varjk"Vªh;½

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन; एक सत्र, न्यूपा में अध्यक्षता और प्रस्तुतियों का मूल्यांकन।

स्वास्थ्य संवर्धन पर तीसरे वार्षिक लोक स्वास्थ्य संगोष्ठीः स्वास्थ्य जीवन सुनिश्चित करना और अच्छेपन से स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारक पर सत्र के लिए वक्ता' 9–10 मार्च, 2017, पीजीआई, चंडीगढ़

''चुनौतियों और संभावनाः अल्पसंख्यक शिक्षा'' पर अखिल भारतीय शैक्षिक सम्मेलन। 5 मार्च, 2017 अखिल भारतीय शैक्षिक आंदोलन, दिल्ली में शिक्षा में नवाचार के विषय पर सत्र

''स्कूल शिक्षा'', 22 मार्च, 2017, नागरिक समाज केन्द्र, दिल्ली, नीति गोलमेज।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 'विश्वविद्यालयों के अभिशासनः मुद्दे और चुनौतियां', 23–24 मार्च 2017, न्यूपा।

शाला सिद्धि का राष्ट्रीय सम्मेलन, 6–7 फरवरी 2017, न्यूपा

उच्चतर शिक्षा के वित्तपोषण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिना, 16–17 फरवरी 2017, सी.पी.आर.एच.ई., न्यूपा

माल्या अदिति इंटरनेशनल स्कूल, बैंगलोर, मध्यम और उच्च विद्यालय में विशिष्ट दिव्यांगता शिक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलनः नीति, शिक्षाशास्त्र और आचरण, 2 दिसम्बर, 2016

क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन, शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता पुर्नपरिभाषित पाठ्यक्रमः स्कूल के महत्वपूर्ण अवयवय 7 अक्टूबर, 2016; सीआईआई, चंडीगढ़

14–17 नवम्बर 2016 से पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यशाला

जम्मू में शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यशालाएं, 27–29 नवम्बर, 2016

छत्तीसगढ़ में शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यशालाएं, 4–6 अक्टूबर, 2016

उत्तर प्रदेश में शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यशालाएं, 24–25 अक्टूबर, 2016

मणिपुर में शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यशालाएं, 2–3 सितम्बर, 2016

गोवा में शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यशालाएं, 23–24 सितम्बर, 2016

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत 'शैक्षिक नियोजनः भारत में सी.डब्ल्यु.सी.एन. और एस.एल.डी. बच्चों का त्याग दर, यूरोपीय सामाजिक विज्ञान 2016 सम्मेलन, आधिकारिक सम्मेलन कार्यवाही, आईएसएसएनः 2188–1154; अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक फोरम 2016 अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक फोरम (आई.ए.एफ.ओ.आर.)

दमन और दीव में शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यशालाएं, 26–27 अगस्त, 2016

वार्षिक पी–एच.डी. संगोष्ठी; 4–5 अप्रैल, 2016, न्यूपा

एसएलडी और एसएलडी पर नीतियों के नामांकन पर कार्यशाला, पैनल चर्चा 9–10 अप्रैल, 2016 यूनेस्को और महात्मा गांधी शांति संस्थान

अंतरीप क्षेत्रीय कार्यशाला, 19–21 अप्रैल, 2016

ijke'kZ vkSj lkoZtfud fudk;ksa ds fy, vdknfed lgk;rk

सीबीएसई, शिक्षा अधिकारियों के लिए प्रश्नपत्र निर्माण; 18 अक्टूबर, 2016

संघ लोक सेवा आयोग; 15–23 जनवरी, 2017

पीएसजी कॉलेज, प्रबंधन बोर्ड बैठक

आईपी विश्वविद्यालयय 2 जून, 2016 अष्टवक्र संस्था का निरीक्षण

शिक्षा निदेशालय, दिल्ली 3 जून, 2016; स्कूल प्रबंधन समिति की शक्तियों पर परामर्श

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शाला सिद्धि पर पीएबी बैठक, 03 मई, 2016

एनसीईआरटी; आउटरीच कार्यक्रम के लिए एनसीईआरटी में योजना बैठक'' मुख्य धारा के स्कूलों में सी.डब्ल्यू.एस.एन. के समावेश हेतु, 05 मई, 2016।

हरियाणा संघ लोक सेवा आयोग; जीके प्रश्न–पत्र के लिए मूल्यांकनकर्ता, 30 दिन।

स्कूल शिक्षा विभााग, तेलंगाना 6 अप्रैल, 2016 शाला सिद्धि पर संदर्भित कार्यशाला, एक दिन।

महाराजा सूरजमल संस्थान, बी.एड कॉलेज की भर्ती के लिए चयन समिति के सदस्य, 28 अप्रैल, 2016

çf'k{k.k lkexh fodfl r

आईडेपा, 209 पाठ्यक्रम का समन्वय, न्यूपा, 14 मार्च से 17 अप्रैल, 2017

U;ik d ckgj ç[;kr fudk;k dh lnL;rk

कला और विज्ञान कोयंबटूर पीएसजी कॉलेज, शासी निकाय, सदस्य।

सिविल सेवा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, 15–23 जनवरी, 2017।

0;k[;ku fn,

व्याख्यानः गुणवत्ता, आकलन और मूल्यांकन पर जनशक्ति सूचना प्रणालीः स्कूल शिक्षा अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में, राष्ट्रीय श्रम अर्थशास्त्र अनुसंधान और विकास संस्थान (एनआईएलईआरडी), 19 जनवरी से 16 मार्च, 2017।

एससीईआरटी, दिल्ली सरकार, डीयूआरसीसी/सीआरसीसी के लिए 5 दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। सह–शिक्षा एसएसएस वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल लाजपत नगर, दिल्ली। शाला सिद्धि पर एक सत्र के लिए व्याख्यान। एससीईआरटी, दिल्ली, 7–13 मार्च, 2017

'शैक्षिक प्रबंधन' पर आईडेपा 209 पाठ्यक्रम व्याख्यान; न्यूपा 14–16 मार्च, 2017।

प्रशिक्षण, एनआईटी कुरुक्षेत्र के लिए शिक्षण की नैतिकता और योजना' पर व्याख्यान; 17 मार्च, 2017।

शाला सिद्धि, 30 मार्च, 2017, डाइट कड़कड़डूमा, दिल्ली में व्याख्यान

एनआईएलईआरडी (आईएएमआर) के दल के साथ शाला सिद्धि पर सत्र, 17 फरवरी 2017, न्यूपा।

शाला सिद्धि, 31 जनवरी, 2017, दिल्ली नगर निगम और नई दिल्ली नगर निगम और एससीईआरटी को दिल्ली के प्राचार्यों की क्षमता निर्माण।

नीति अनुसंधान विधियाँ, 23 जनवरी, 2017, जामिया मिलिया इस्लामिया में व्याख्यान

दिल्ली के सचिवालय में शाला सिद्धि प्रस्तुति, 5 दिसम्बर 2016 न्यूपा

राज्य स्तर शैक्षिक प्रशासक के लिए शैक्षिक प्रबंधन पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम में शाला सिद्धि पर सत्र; 5–9 दिसम्बर, 2016 न्यूपा

बी.ई.ओ. कार्यशाला में शाला सिद्धि पर प्रस्तुति, 16 दिसम्बर, 2016 न्यूपा

अल्पसंख्यक संस्थाओं में लड़कियों की शिक्षा पर पैनल चर्चा पर कार्यक्रम 21 दिसंबर, 2016, न्यूपा।

शाला सिद्धि पर व्याख्यान, 9 नवम्बर 2016; आईडेपा, न्यूपा

'प्राथमिक स्तर पर स्कूल प्रबंधन के विकेंद्रीकरण के क्षेत्र अनुभव' पर कार्यशाला में शाला सिद्धि पर व्याख्यान; 7–11 नवम्बर, 2016, न्यूपा।

14–17 नवम्बर, 2016 से पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यशालाएं

जम्मू में शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यशालाएं; 27–29 नवंबर, 2016।

सी.डब्ल्यू.एस.एन. के शिक्षा प्रबंधन पर पीजीडेपा में व्याख्यान, अक्टूबर, 2016 न्यूपा।

छत्तीसगढ़ में शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यशालाएं; 04–06 अक्टूबर, 2016

उत्तर प्रदेश में 24–25 अक्टूबर, 2016 को शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यशालाएं।

मणिपुर, शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यशालाएं; 02–03 सितम्बर, 2016।

23–24 सितम्बर, 2016 को गोवा में शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यशालाएं।

संकाय विकास कार्यक्रम, व्याख्यान; महाराजा सूरजमल संस्थान, 6 अगस्त, 2016।

दिल्ली शाला सिद्धि, के शुभारंभ में व्याख्यान; दिल्ली, एससीईआरटी, 5 अगस्त, 2016।

दमन और दीव में शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यशालाएं; 26–27 अगस्त, 2016

नीति अवधारणा पर व्याख्यान; शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, 18 जुलाई से 12 अगस्त 2016 तक; न्यूपा

शाला सिद्धि पर व्याख्यान; श्री नगर में बीईओ, डीईओ सम्मेलन; 30 मई–01 जून, 2016

'व्यावसायिक नीति में 20 व्याख्यान चरण–5 (उन्नत पाठ्यक्रम) शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा 2015–16) 8–14 अप्रैल, 2016

vu|lèkku i;Zo{k.k

मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के नीति विश्लेषणः शासन परिप्रेक्ष्य पर पी–एच.डी. छात्र संगीता डे का पर्यवेक्षण।

पी–एच.डी. छात्र का पर्यवेक्षण, सी.डब्ल्यू.एस.एन. नीतियों और आचरण पर दीपेंद्र सेखों के लिए पर्यवेक्षण।

कोहिमा जिला, नागालैंड के शैक्षिक ब्लॉक संसाधन केन्द्र समन्वयक की गतिविधियों और भूमिका का एक अध्ययन; निबंध शैक्षिक योजना में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और प्रशासन 2016–17 के लिए आवश्यकता हेतु आंशिक रूप में प्रस्तुत, रुकुनियोना मेरिना।

सुश्री निधि त्रिपाठी के लिए बाहरी परीक्षक, डा. गिरीश कुमार के निर्देशन में ''प्रतिभाशाली बच्चे, अप्रयुक्त राष्ट्रीय मानव संसाधनः लुप्त'' शोध प्रबंध का मूल्यांकनः 42वां अग्रिम, लोक प्रशासन, व्यावसायिक कार्यक्रम, 1 जुलाई, 2016 से 30 अप्रैल, 2017, आईआईपीए।

जंजीबार में स्कूल त्यागदर पाठ्यक्रमः उत्तर जिले के मक्वातोनी शिक्षक केंद्र का अध्ययन; श्री खामिस सिलिमा कोम्बो (तंजानिया), आईडेपा, न्यूपा

दलित और अल्पसंख्यक अध्ययन के लिए डॉ के.आर. नारायण केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया में तेमसुकाला शोध छात्रा की थीसिस का मूल्यांकन। ''शिक्षा और नगालैंड में पहचानः आधुनिक समय में नागा समाज के उद्भव की एक व्याख्या'' प्रो. अज़रा रज़ाक को मार्गदर्शन।

vU; vdknfed xfrfofèk;k

जीआईएसी की 32वीं और 35वीं बैठक; न्यूपा

एम.फिल. और पी–एच.डी. की बैठक के लिए संचालन समिति

विभागीय पदोन्नति समिति के सदस्य; 09 मई, 2016

शैक्षणिक परिषद की बैठक; 27 मई 2016

आई सी टी अनुप्रयोग

d- Jhfuokl

çdk'ku

पुस्तक अ डिस्कोर्स ऑन ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) इन इंडिया'' में अध्याय लिखा ''एजुकेशन इन इंमरजिंग इंडिया'' का संपादन किया। सेज पब्लिकेशंस, नई दिल्ली इन 2017 (प्रेस में)

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

''उच्च शिक्षा में मुक्त शैक्षणिक संसाधन की भूमिका (ओईआर): नीतियाँ, प्रथाएं और बाधाएं'', ''स्वामित्व से पहुंच तक हैं: डिजिटल प्रतिमान का इस्तेमाल'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और एक आलेख प्रस्तुत, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली और व्यावसायिक समाज लाइब्रेरी द्वारा आयोजित 19–20 मई, 2016।

''मुक्त शैक्षणिक संसाधनः उच्च शिक्षा में अवसर और सोच'' शीर्षक ''विकास करना और आईसीटी के साथ सीखनाः उच्च शिक्षा के भविष्य के लिए चुनौतियां: पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और एक आलेख प्रस्तुत, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 29–30 मई 2016।

आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया और एक आलेख प्रस्तुत ''स्कूल शिक्षा डेटा का विश्लेषण के लिए बिग डेटा एनालिटिक्स की भूमिका पर प्रस्तुतः बिग डाटा एनालिटिक्स में चुनौतियां'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला, रायलसीमा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, कुरनूल 24–25 जून, 2016।

''अभिनव, आईसीटी, डिजिटल प्रौद्योगिकी और सामाजिक मीडिया के साथ उच्च शिक्षा में वैश्विक परिप्रेक्ष्य'' पर सम्मेलन में अभिनव शिक्षण और अधिगम और क्लास रूम इंटरेक्शन को बढ़ाने के लिए आईसीटी की भूमिका पर आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया और एक आलेख प्रस्तुत, 27–28 अक्टूबर, 2016 चंडीगढ़।

''उच्च शिक्षा में मुक्त शैक्षणिक संसाधन (ओईआर) और वेब आधारित बुद्धिमान प्रणालीः नीतियों, प्रथाओं और बाधाओं का पर्यवेक्षण'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन 2016, शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र मेंः चुनौतियां, अवसर और रणनीतियों में भाग लिया और आलेख प्रस्तुत; दिसंबर 7–8, 2016 जामिया मिलिया इस्लामिया। नई दिल्ली।

भाग लिया और ''मूडल कक्षा इंटरेक्शन बढ़ाने के लिए अभिनव प्रौद्योगिकी पर एक आलेख प्रस्तुत, ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टेरी) पाचवाँ अंतर्राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय पर सम्मेलन; 13–16 दिसंबर, 2016 नई दिल्ली।

भाग लिया और विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए क्लाउड ईआरपी प्रौद्योगिकी की भूमिका पर एक आलेख प्रस्तुत कियाः विश्वविद्यालयों का अभिशासनः मुद्दे और चुनौतियां, न्यूपा, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 23–24 मार्च 2017 अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली पर एक अध्ययन।

व्याख्यान/कार्यशालाएं/एफ.डी.पी. का आयोजन

कौशल आधारित अभिविन्यास पाठ्यक्रम के लिए सभी धाराओं (मानविकी, वाणिज्य एवं विज्ञान) के संकाय सदस्यों के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण पर उच्च शिक्षा में आईसीटी के अनुप्रयोग पर 21 मई, 2016 को आयोजित कार्यशाला का आयोजन, यूजीसी–एचआरडीसी माहिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलान, दिल्ली।

सलवान पब्लिक स्कूल के लिए आयोजित एक दिन का संकाय अभिविन्यास कार्यक्रम, राजेन्द्र नगर, ''त्वरित अधिगम और नवीन शिक्षण और मुक्त शैक्षणिक संसाधन के साथ अधिगम'' 24 मई, 2016।

आयोजित, दो दिवसीय उन्नत स्तर कार्यशाला विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर, रायलसीमा विश्वविद्यालय, कुरनूल के संकाय सदस्यों के लिए, 3–4 जून, 2016 को आयोजित।

एक दिन की लंबी कार्यशाला, सभी धाराओं (मानविकी, वाणिज्य एवं विज्ञान, आदि) व्यावसायिक विकास केंद्र की ओर से आयोजित विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के लिए ग्लोबल स्टडीज में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों (सामाजिक विज्ञान और मानविकी) के लिए, 6 जून 2016 को आयोजित उच्च शिक्षा (सीपीडीएचई) में, यूजीसी–एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित।

दो दिवसीय कौशल आधारित सत्र ''मूडलः ऑन द क्लाउड'' 'उच्च शिक्षा में आईसीटी के उभरते रुझान' पर संकाय विकास कार्यक्रम के लिए हिमाचल प्रदेश के केन्द्रीय विश्वविद्यालय के एमओओसी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यशाला में भाग लिया, 10–11 जून, 2016; धर्मशाला।

एक दिन की लंबी कार्यशाला मूडल मूक प्लेटफार्म और ओपन एज्युकेशन रिसोर्सेस पर एमसीए छात्र और कंप्यूटर विज्ञान संकाय के लिए इस्लामिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी श्रीनगर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित; 14 जून, 2016।

जम्मू और कश्मीर कॉलेज शिक्षकों के लिए आईसीटी की भूमिका पर कार्यशाला में भाग लिया यूजीसी–एचआरडीसी कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, 15 जून, 2016।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (संस्थान), सूक्ष्म जीव विज्ञान संकाय विभाग, पूसा के लिए ऑनलाईन शिक्षण और मूल्यांकन मूडल सॉफ्टवेयर प्रयोग करने के लिए एक दिन की लंबी अवधि की संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन, 17 जून, 2016।

एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षकों के शिक्षण और सीखने में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) पर पाठ्यक्रम में भागीदारी यूजीसी–एचआरडीसी गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित; 4–5 जुलाई 2016।

एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षकों के शिक्षण और सीखने में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) पर पाठ्यक्रम में भागीदारी यूजीसी–एचआरडीसी नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, 22–23 जुलाई 2016।

कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षकों के यूजीसी–एचआरडीसी पांडिचेरी विश्वविद्यालय के लिए 22–23 अगस्त 2016 को आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया।

यूजीसी–एचआरडीसी जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए 3 सितंबर 2016 को आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया।

कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षकों के यूजीसी–एचआरडीसी गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया, 13 सितंबर 2016।

कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षकों के शारीरिक शिक्षा, यूजीसी–एचआरडीसी लक्ष्मीबाई नेशनल यूनिवर्सिटी, ग्वालियर द्वारा आयोजित एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया, 24 सितंबर, 2016।

ऑनलाइन शिक्षण, अधिगम और मूल्यांकन का मूडल सॉफ्टवेयर के प्रयोग पर अभिविन्यास कार्यक्रम, संकाय के लिए दो दिन की संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन, 01–02 अक्टूबर, 2016।

एक दिवसीय बैठक, स्थानीय कार्यक्रम और योजना प्रबंधन समिति (एलपीपीएमसी) में भागीदारी यूजीसी–एचआरडीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय 14 अक्टूबर, 2016 को आयोजित।

''मूडल ऑन द क्लास'' पर आयोजित दो दिवसीय कौशल आधारित सत्र पर ''उच्च शिक्षा में आईसीटी के उभरते रुझान'' संकाय विकास कार्यक्रम के लिए रायलसीमा विश्वविद्यालय कुरनूल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया, 15–16 अक्टूबर, 2016।

17–18 अक्टूबर, 2016 को आयोजित कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षकों के यूजीसी–एचआरडीसी पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ई–सामग्री विकास पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

''पंडित मंडन मोहन मालवीय शिक्षक और प्रशिक्षण'' के तहत संकाय विकास कार्यक्रम, के भाग के रूप में ऑनलाइन शिक्षण और अधिगम पर आयोजित दो दिन कौशल आधारित सत्र में भाग लिया। 14–15 नवंबर, 2016।

दो दिवसीय कौशल आधारित कार्यशाला 18–19 नवंबर, 2016 विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के लिए मूडल प्लेटफार्म के साथ एम.ओ.डी.सी. पाठ्यक्रम सभी धाराओं (मानविकी, वाणिज्य एवं विज्ञान) के लिए, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै में आयोजित।

30 नवंबर से 01 दिसंबर, 2016 को आयोजित, दो दिवसीय कौशल आधारित कार्यशाला, मूडल मंच के साथ एम.ओ.सी.पी. पाठ्यक्रम की रूपरेखा और संपादन और गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज (स्वायत्त) राजमुंदरी, ई.जी.डी. टी., आंध्र प्रदेश के लिए मुक्त शैक्षिक संसाधन।

02–03 दिसंबर, 2016 को आयोजित दो दिवसीय कौशल आधारित कार्यशाला, मूडल प्लेटफार्म के साथ एम.ओ.सी.सी. की रूपरेखा और संपादन और पीआर गवर्नमेंट कॉलेज (स्वायत्त) काकीनाडा, ई.जी.डी.टी., आंध्र प्रदेश के लिए मुक्त शैक्षिक संसाधन।

''राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान और शिक्षा प्रणाली में विभिन्न विषयों हेतु वैज्ञानिकों और विश्वविद्यालय के लेक्चरर के लिए ओपन दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल) में सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) और निर्देशात्मक मीडिया (आईएम), 06 दिसंबर 2016 को आयोजित, कौशल आधारित कार्यशाला आयोजित।

नेल्लोर में विक्रम सिम्हापुरी विश्वविद्यालय संकाय के लिए संकाय विकास पर 9–10 दिसंबर 2016 को आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला।

एक पैनल चर्चा शीर्षक ''बड़े पैमाने पर मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम'' डिजिटल पुस्तकालय 2016 विशेष घटनाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के भाग के रूप में 14 दिसंबर, 2016 को आयोजित में भाग लिया।

कौशल आधारित ''नवीन शिक्षण और अधिगम और प्रभावी क्लास रूम बातचीत के लिए आईसीटी की भूमिका'' 17 दिसंबर 2016 को आयोजित लक्ष्मीबाई कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) के संकाय सदस्यों के लिए आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला।

एशिया राष्ट्रमंडल मीडिया केंद्र (सीईएमसीए), 20 दिसंबर, 2016 को आयोजित मुक्त शैक्षणिक संसाधन (ओईआर) के लिए ड्राफ्ट नीति तैयार करने पर प्रायोजित कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

27 दिसंबर 2016 को इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल स्टडीज दिल्ली के संकाय सदस्यों के लिए एक दिवसीय संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित।

न्यूपा संकाय, स्टाफ कर्मचारियों और छात्रों के लिए 8–10 दिसंबर, 2016 को आयोजित कैशलेस लेनदेन के लिए संवेदीकरण कार्यशालाओं का आयोजन।

अभिनव शिक्षण और अधिगम तथा प्रभावी कक्षा–कक्ष विचार–विमर्श पर ग्रेटर नोएडा के शारदा विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए 3 जनवरी 2017 को आयोजित दिन भर की कौशल आधारित कार्यशाला आयोजित।

डीआरडब्ल्यू कॉलेज (स्वायत्त) गुडुर आंध्र प्रदेश के लिए मूडल प्लेटफॉर्म और ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज के साथ मूल पाठ्यक्रम की रूपरेखा और वितरण 5–6 जनवरी, 2017 को आयोजित दो दिवसीय कौशल आधारित कार्यशाला।

यूजीसी–एचआरडीसी रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा 9–10, 2017 को आयोजित कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए ई–सामग्री विकास पर एक रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।

19 जनवरी, 2017 को आयोजित सरकारी डिग्री कॉलेजों के संकाय सदस्यों के लिए कॉलेज शिक्षा के आंध्र प्रदेश कमिशनेट द्वारा आयोजित शिक्षाशास्त्र और ई–सामग्री के विकास पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

3–4 फरवरी, 2017 को यूजीसी–एचआरडीसी गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा आयोजित कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए संसाधन व्यक्ति आईसीटी – टीएंडएल के रूप में एक ओरिएंटेशन कोर्स में भाग लिया।

यूनेस्को की जीईक्यूएएफ से संबंधित राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला में दो दिनों के लिए एक सहकर्मी व्यक्ति के रूप में भाग लिया, सीआईईटी, नई दिल्ली, 15–16 फरवरी, 2017।

'आईसीटी और ई–शिक्षा उपकरणः उच्च शिक्षा और अनुसंधान में तकनीक' संगठित द्वारा। कु. मायावती गर्वमेंट गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा वित्त पोषित 22 फरवरी, 2017 को आयोजित एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के संसाधन व्यक्ति के रूप में प्रतिभाग।।

27–28 फरवरी, 2017 को आयोजित गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के लिए दो दिवसीय संकाय विकास कार्यशाला के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में प्रतिभाग।

3 मार्च, 2017 को आयोजित ओपन एजुकेशनल रिसोर्स (ओईआर) पर कॉमनवेल्थ मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सीईएमसीए) द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

18–19 मार्च, 2017 को आयोजित मैरिस स्टेला कॉलेज, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश के लिए दो दिवसीय संकाय विकास कार्यशाला के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में प्रतिभाग।

विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में अभिनव अनुसंधान, अनुप्रयुक्त विज्ञान और मानविकी विभाग, बुंदेलखंड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, झांसी, (यूपी) द्वारा आयोजित विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित टीईक्यूआईपी–ण्ण संकाय विकास कार्यक्रम के लिए एक दिवसीय कौशल आधारित कार्यशाला का आयोजन। 22 मार्च, 2017।

26 मार्च, 2017 को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के लिए एमओओसी पर एक दिवसीय संकाय विकास कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में प्रतिभाग।

पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत 'स्कूल स्तर पर मूल्यांकन में सुधार' पर एक दिवसीय कार्यशाला के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू के शैक्षिक अध्ययन विभाग, मेन कैंपस बागला रह्या सुचानी (बागला) जिला – सांबा, जम्मू द्वारा आयोजित, 29 मार्च, 2017।

vU; 'k{kf.kd vkj 0;kolkf;d ;kxnku

15 मई 2016 को आयोजित बैचलर ऑफ वोकेशनल प्रोग्राम (बी.वोक.) पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम की रूपरेखा के लिए विशेषज्ञ समिति स्कूल ऑफ वोकेशनल एजुकेशन इग्नू के एक सदस्य के रूप में भाग लिया।

शिक्षा प्रौद्योगिकी विभाग, एससीईआरटी दिल्ली द्वारा कक्षा 9 के गणित के ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम मंच, सामग्री और पाठ्यक्रम संरचना के लिए आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया, 1 जुलाई 2016।

शिक्षा प्रौद्योगिकी विभाग, एससीईआरटी दिल्ली ने छठी कक्षा के लिए शिक्षा में आईसीटी के लिए शिक्षकों मैनुअल का विवरण, 11 नवंबर 2016 को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया,

4 दिसंबर, 2016 को ईआरनेट इंडिया द्वारा कार्यान्वित परियोजना "सरकार/मंत्रालयों और संस्थानों के कर्मचारियों के लिए आईपीवीजी प्रशिक्षण कार्यक्रम" की परियोजना समीक्षा और संचालन समूह के सदस्य।

राष्ट्रीय अध्येता

,- eF;

çdk'ku

if=dkvk@iLrdk e yu[k

"तमिलनाडु उच्च शिक्षा नीति में प्रतिस्पर्धी राजनीति", द *इंडियन जर्नल ऑफ टैक्निकल एजुकेशन*, वॉल्यूम 39, नंबर 2, अप्रैल–जून, 2016, पीपी.1–18।

"कर्नाटक उच्च शिक्षा नीति में समावेश और निजीकरण के खतरे", *द इंडियन जर्नल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन*, वॉल्यूम 39, नंबर 3, जुलाई–सितंबर। 2016, पीपी 71–92।

"केरल में उच्च शिक्षा विकास पर नीतिगत संभाषणः समता और कम निजीकरण के लिए द्वंद्व", द *इंडियन जर्नल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन*, वॉल्यूम। 39, नंबर 4, अक्टूबर–दिसंबर, 2016, पीपी। 53–78।

''आंध्र की फीस प्रतिपूर्ति योजनाः आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में उच्च शिक्षा पर इरादा और अनपेक्षित प्रभाव'', *कॉलेज पोस्ट*, अप्रैल–जून, 2017, पीपी.3–9+25।

''एडल्ट एजुकेशन एंड सोशल एम्पावरमेंटः इंडियन एक्सपीरियंस'', इनः सिंह, अविनाश कुमार (एड.), *एजुकेशन एंड एम्पावरमेंट इन इंडियाः पॉलिसीज एंड प्रैक्टिस*, रूटलेज, लंदन, 2016. पीपी। 224–48।

''भारत में अकादमिक पेशे में तरक्कीः उच्च शिक्षा में शिक्षकों की उच्च गतिशीलता'' (संयुक्त लेखक), लिबिंग वांग और वेस्ले टेटर (सं.) *रिकॉलिब्रेटिंग करिअर्स इन एकेडमियाः प्रोफेशनल एडवांसमेंट पॉलिसिज एंड प्रैक्टिस इन एसिया–पैसिफिक*, यूनेस्को, बैंकॉक कार्यालय, 2017, पीपी 105–40।

पुस्तक समीक्षाः अय्यर, आर.वी. वैद्यनाथ (2016) द होली ग्रेलः इंडियाज क्वेस्ट फॉर यूनिवर्सल एलीमेंट्री एजुकेशन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली। जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, वॉल्यूम XXXI, नंबर 2, अप्रैल 2017, पीपी. 169–73।

l xk"Bh@ l Ee yu@ dk;'kkykvk e Hkkxhnkjh

न्यूपा, 5–7 मार्च 2017 को शैक्षिक प्रशासन विभाग द्वारा आयोजित 'शैक्षिक प्रशासन में नवाचार' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति, किया जाता है।

सार्वजनिक क्षेत्र और शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत शैक्षिक नीति के लिए संभावनाएं और चुनौतियां, 16–17 मार्च, 2017, न्यूपा।

सामाजिक विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षाः टु सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल 4" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत, 17–18 जून, 2017।

उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, न्यूपा, द्वारा 7–8 सितंबर, 2017 को आयोजित "उच्च शिक्षा का भविष्यः आर्थिक और सामाजिक संदर्भ" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।

इंटरनेशनल ऑटम स्कूल 2017 में संसाधन व्यक्ति, वयस्क, सतत शिक्षा और विस्तार विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 16–30 सितंबर, 2017।

उच्च शिक्षा और व्यावसायिक विकास विभाग, न्यूपा द्वारा आयोजित 'उप–कुलपतियों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास' पर कार्यशाला, 7–8 दिसंबर, 2017।

सीपीआरएचई, न्यूपा द्वारा 19 दिसंबर, 2017 को आयोजित उच्च शिक्षा के वित्तपोषण में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

U;ik d ckgj ç[;kr fudk;k dh lnL;rk

भारत तुलनात्मक शिक्षा समिति के सदस्य

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ

परिशिष्ट

परिशिष्ट–I

न्यूपा परिषद के सदस्य

(31 मार्च, 2017 के अनुसार)

न्यूपा परिषद का संघटन

vè;{k

1. श्री प्रकाश जावडेकर
   माननीय, मानव संसाधन विकास मंत्री
   भारत सरकार
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110 001

mik/;{k

2. प्रो. जंध्याला बी.जी. तिलक
   कुलपति (प्रभारी)
   न्यूपा, नई दिल्ली–110 016

inu lnL;

3. श्री के.के. शर्मा
   सचिव, भारत सरकार
   उच्च शिक्षा विभाग,
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   नई दिल्ली–110 001

4. सुश्री रीना रे
   सचिव, भारत सरकार
   स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   नई दिल्ली–110 001

5. प्रो. वेद प्रकाश
   अध्यक्ष
   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
   नई दिल्ली–110 002

6. डा. ऋषिकेश सेनापति
   निदेशक
   राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
   नई दिल्ली–110 016

7. सुश्री दर्शना एम. डबराल, जे. एस तथा एफ. ए
   वित्त सलाहकार
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   भारत सरकार,
   नई दिल्ली–110 001

i[;kr f'k{kkfon

v/;{k] U;ik ifj"kn }kjk ukfer

8. प्रो. एच.सी. वर्मा
भौतिक विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर

9. प्रो. विनय कुमार पाठक
कुलपति,
डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय
लखनऊ

10. प्रो. मोहम्मद अख्तर सिद्दकी
भूतपूर्व अध्यक्ष, एनसीटीई
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली

U;ik ifj"kn d v/;{k }kjk
ifjØeokj jkT; ifrfuf/k eukuhr
(पांच क्षेत्रों से एक–एक सदस्य)

11. अपर मुख्य सचिव, (उच्च शिक्षा)
कर्नाटक सरकार, बंगलुरू

12. अपर मुख्य सचिव,
स्कूली शिक्षा विभाग
मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल

13. अपर मुख्य सचिव, (स्कूली शिक्षा)
हरियाणा सरकार, चंडीगढ़

14. आयुक्त एवं सचिव,
(मुख्य सचिव का प्रतिनिधित्व)
मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग
मेघालय सरकार, शिलांग

15. सचिव, (स्कूली शिक्षा)
झारखण्ड सरकार, रांची

U;ik ldk;
¼v/;{k] U;ik ifj"kn }kjk ukfer½

16. प्रो. एन.वी. वर्गीज
अध्यक्ष, सीपीआरएचई, न्यूपा
नई दिल्ली–110016

परिशिष्ट-II

प्रबंधन बोर्ड के सदस्य

(31 मार्च, 2017 के अनुसार)

1. न्यूपा के कुलपति, – अध्यक्ष–पदेन
2. अध्यक्ष, न्यूपा परिषद द्वारा नामित तीन सदस्य
3. मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार का एक नामिती
4. राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का संकायाध्यक्ष; तथा
5. संकाय के दो सदस्य (राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, सह–प्रोफेसर या सहायक प्रोफेसर) परिक्रामी और योग्यता/उपयुक्तता–सह–वरिष्ठता के आधार पर नामित

कुलसचिव, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय प्रबंधन बोर्ड के सचिव होंगे

परिशिष्ट–III

वित्त समिति के सदस्य

(31 मार्च, 2017 के अनुसार)

1. प्रो. जंध्याला बी.जी. तिलक — *अध्यक्ष – पदेन*
   कुलपति, (प्रभारी)
   न्यूपा, नई दिल्ली

v/;{k] U;kl ifj"kn }kjk ukfer

2. श्री इन्द्रपाल सिंह
   आई.ए. एंड ए.एस. (सेवानिवृत्त)
   भारत के उप नियंत्रक तथा महालेखा
   नियंत्रक तथा महालेखा कार्यालय, नई दिल्ली

3- dqyifr }kjk ukfer ,d lnL;

ek-l-fo- e=ky; d ifrfuf/k

4. श्री फज़ल महमूद
   वित्तीय सलाहकार
   मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110 001

5. सुश्री उषा त्यागराजन (जुलाई 2016 तक) *सचिव*
   वित्त अधिकारी
   डा. सुभाष शर्मा
   वित्त अधिकारी (प्रभारी) (अगस्त 2016 से)
   न्यूपा, नई दिल्ली–110 016

vU; lnL;

6. श्री बसवराज स्वामी *विशेष आमंत्रिती*
   कुलसचिव,
   न्यूपा, नई दिल्ली–110 016

परिशिष्ट-IV

अकादमिक परिषद के सदस्य

(31 मार्च, 2017 के अनुसार)

1. प्रो. जंध्याला बी.जी. तिलक – *अध्यक्ष*
   कुलपति, (प्रभारी)
   न्यूपा, नई दिल्ली

2. डा. (श्रीमती) नज़मा अख्तर – सदस्य
   प्रोफेसर और अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली

3. डा. सुधांशु भूषण – सदस्य
   प्रोफेसर और अध्यक्ष
   उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली

4. डा. नलिनी जुनेजा – सदस्य
   प्रोफेसर और अध्यक्ष
   स्कूल एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली

5. डा. एस.एम.आई.ए. जैदी – सदस्य
   प्रोफेसर और अध्यक्ष
   शैक्षिक योजना विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली

6. डा. अरुण. सी. मेहता – सदस्य
   प्रोफेसर और अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली

7. डा. ए.के. सिंह – सदस्य
   प्रोफेसर और अध्यक्ष
   शैक्षिक नीति विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली

8. डा. कुमार सुरेश – सदस्य
   प्रोफेसर और अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशासन विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली

9. डा. (श्रीमती) वीरा गुप्ता – सदस्य
   सह–प्रोफेसर,
   स्कूल मानक एवं मूल्यांकन इकाई
   न्यूपा, नई दिल्ली

10. डा. (श्रीमती) नीरू स्नेही – सदस्य
    सहायक प्रोफेसर,
    उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
    न्यूपा, नई दिल्ली

11. प्रो. रश्मि दिवान — आमंत्रिति
अध्यक्ष, राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र
न्यूपा, नई दिल्ली

12. प्रो. के. बिस्वाल — आमंत्रिति
अध्यक्ष, पीएमयू, न्यूपा, नई दिल्ली

13. प्रो. एन.वी. वर्गीज — आमंत्रिति
निदेशक, सीपीआरएचई, न्यूपा, नई दिल्ली

14. प्रो. नीलम सूद — आमंत्रिति
स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग,
न्यूपा, नई दिल्ली

16. प्रो. प्रणति पांडा, अध्यक्ष — आमंत्रिति
स्कूल मानक एवं मूल्यांकन इकाई
न्यूपा, नई दिल्ली

16. प्रो. के. श्रीनिवास — आमंत्रिति
पीएमयू, न्यूपा, नई दिल्ली

17. प्रो. सुदर्शन अयंगर — आमंत्रिति
प्लाट नं. 3, एआरसीएच कैम्पस,
नगरिया ओजरपाडा रोड,
धरमपुर—396 050
जिला—वलसाड, गुजरात, भारत
मो. 9898636916
ई—मेलः sudarshan54@gmail.com

18. प्रो. फुरकॉन कमर — विशेष आमंत्रिति
महासचिव
भारतीय विश्वविद्यालय संघ
एआईयू भवन, 16 कॉमरेड इन्द्रजीत गुप्ता
मार्ग, (कोटला मार्ग) नई दिल्ली—110002
फोन : 23236105
ई—मेलः sgoffice@aiu.ac.in

19. प्रो. अतुल शर्मा — विशेष आमंत्रिति
अध्यक्ष, ओकेडीआईएससीडी, गोहाटी
264, रामा अपार्टमेंट, सैक्टर—11,
पॉकेट—2, द्वारका, नई दिल्ली—110075
फोन : 09873097723
ई—मेलः sarmaatul@yahoo.com

20. श्री बसवराज स्वामी — *सचिव*
कुलसचिव
न्यूपा, नई दिल्ली—110 016

परिशिष्ट-V

अध्ययन बोर्ड के सदस्य

(31 मार्च, 2017 के अनुसार)

1. प्रो. जंध्याला बी.जी. तिलक, – *अध्यक्ष*
   कुलपति
   राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय
   नई दिल्ली

2. प्रो वीना आर. मिस्त्री – सदस्य
   बी–5, सीएस पटेल एन्क्लेव,
   3 प्रताप गंज, बढोदरा, 390 002

3. प्रो. एस. होम चौधरी – सदस्य
   ए–47/9 अपर रिपब्लिक
   एजवल–796 001

4. प्रो. बसंत भट्ट – सदस्य
   डीन एवं प्रोफेसर
   क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर

5. डा. (श्रीमती) नजमा अख्तर – सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली–110016

6. डा. सुधांशु भूषण – सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   उच्च शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली 110 016

7. डा. नलिनी जुनेजा – सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली 110 016

8. डा. एस.एम.आई.ए. जैदी – सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक योजना विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली 110 016

9. डा. अरुण सी. मेहता – सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग (एमिस)
   न्यूपा, नई दिल्ली 110 016

10. डा. ए.के. सिंह – सदस्य
    प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
    शैक्षिक योजना विभाग
    न्यूपा, नई दिल्ली–110 016

11. डा. कुमार सुरेश – सदस्य
    प्रोफेसर और अध्यक्ष
    शैक्षिक प्रशासन विभाग
    न्यूपा, नई दिल्ली

12. प्रो. रश्मि दिवान — सदस्य
राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र
न्यूपा, नई दिल्ली–110 016

13. प्रो. के. बिस्वाल — सदस्य
परियोजना प्रबंधन ईकाई
न्यूपा, नई दिल्ली–110 016

14. प्रो. एन.वी. वर्गीज — सदस्य
निदेशक, सीपीआरएचई
न्यूपा, नई दिल्ली 110 016

15. डा. (श्रीमती) वीरा गुप्ता — सदस्य
सह–प्रोफेसर (वरिष्ठतम)
न्यूपा, नई दिल्ली–110 016

15. नीरू स्नेही — सदस्य
सह–प्रोफेसर (वरिष्ठतम)
न्यूपा, नई दिल्ली–110 016

परिशिष्ट-VI

संकाय और प्रशासनिक स्टाफ

(31 मार्च, 2017 के अनुसार)

d|yifr

प्रो. जंघ्याला बी.जी. तिलक

'kf{kd ;kstuk foHkkx

एस.एम.आई.ए. जैदी, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
पी. गीता रानी, सह–प्रोफेसर
एन.के. मोहंती, सहायक प्रोफेसर
सुमन नेगी, सहायक प्रोफेसर

'kf{kd iz'kklu foHkkx

कुमार सुरेश, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
विनीता सिरोही, सह–प्रोफेसर
मंजू नरूला, सहायक प्रोफेसर
वी. सुचारिता, सहायक प्रोफेसर

'kf{kd foÙk foHkkx

जंध्याला बी.जी. तिलक, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
मोना खरे, प्रोफेसर
वेटुकुरी पी.एस. राजू, सहायक प्रोफेसर

'kf{kd uhfr foHkkx

अविनाश के. सिंह, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
मनीषा प्रियम, सह–प्रोफेसर
एस.के. मलिक, सहायक प्रोफेसर
नरेश कुमार, सहायक प्रोफेसर

fo|ky; vkSj vukSipkfjd f'k{kk foHkkx

प्रो. नलिनी जुनेजा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
नीलम सूद, प्रोफेसर
प्रणति पांडा, प्रोफेसर
रश्मि दिवान, प्रोफेसर
मधुमिता बंद्योपाध्याय, सह–प्रोफेसर
सुनीता चुघ, सह–प्रोफेसर
कश्यपी अवस्थी, सहायक प्रोफेसर

mPp vkSj 0;kolkf;d f'k{kk foHkkx

प्रो. सुधांशु भूषण, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
आरती श्रीवास्तव, सह–प्रोफेसर
नीरू स्नेही, सहायक प्रोफेसर
संगीता अंगोम, सहायक प्रोफेसर

'kf{kd izcU/ku lwpuk iz.kkyh foHkkx

अरुण सी. मेहता, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
के. बिस्वाल, प्रोफेसर
ए.एन. रेड्डी, सहायक–प्रोफेसर

'kf{kd izf'k{k.k ,oa {kerk fodkl foHkkx

प्रो. नज़्मा अख्तर, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
बी.के. पंडा, प्रोफेसर
सविता कौशल, सहायक प्रोफेसर
मोना सेदवाल, सहायक प्रोफेसर

dI;Vj dn

के. श्रीनविास, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व केंद्र

रश्मि दीवान, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
सुनीता चुग, सह–प्रोफेसर
एन. मैथिली, सहायक प्रोफेसर
सुविथा जी.वी., सहायक प्रोफेसर

jk"Vh; mPp f'k{kk uhfr vu|l/kku dn

प्रो. एन.वी. वर्गीज, प्रोफेसर एवं निदेशक
मोना खरे, प्रोफेसर
निधि सदाना सभरवाल, सह–प्रोफेसर
अनुपम पचौरी, सहायक प्रोफेसर
गरिमा मलिक, सहायक प्रोफेसर
जिनुशा पाणिग्रही, सहायक प्रोफेसर
मलिश सी.एम., सहायक प्रोफेसर
सांयतन मंडल, सहायक प्रोफेसर

Ldy ekud ,o eY;kdu ,dd

प्रो. प्रणति पंडा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
वीरा गुप्ता, सह–प्रोफेसर
रश्मिता दास स्वैन, सह–प्रोफेसर

ifj;ktuk ic/ku ,dd

प्रो. के. बिस्वाल, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
के. श्रीनिवास, प्रोफेसर

ekykuk vcy dyke vktkn ihB

——

lykgdkj ¼vkb-,-vkb-b-ih-,- ifj;ktuk½

के. रामचन्द्रन, प्रोफेसर

प्रशासनिक और अकादमिक सहयोग

कुलसचिव
बसवराज स्वामी

सामान्य और कार्मिक प्रशासन
जी. वीराबाहु, प्रशासनिक अधिकारी
जय प्रकाश धामी, अनुभाग अधिकारी
बी.आर. पहवा, अनुभाग अधिकारी (प्रभारी)

अकादमिक प्रशासन
पी.पी. सक्सेना, अनुभाग अधिकारी

वित्त और लेखा
उषा त्यागराजन, वित्त अधिकारी
चंद्र प्रकाश, अनुभाग अधिकारी

प्रशिक्षण कक्ष
जय प्रकाश धामी, अनुभाग अधिकारी (प्रभारी)

प्रकाशन एकक
प्रमोद रावत, उप प्रकाशन अधिकारी

हिंदी कक्ष
सुभाष सी. शर्मा, हिंदी संपादक और सहायक हॉस्टल वार्डन

पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र
पूजा सिंह, पुस्तकालयाध्यक्षा
डी.एस. ठाकुर, प्रलेखन अधिकारी

कंप्यूटर केंद्र
नवीन भाटिया, कंप्यूटर प्रोग्रामर

VII
वार्षिक लेखा
2016-17

तुलन पत्र

31 मार्च 2017 तक

(राशि ₹ में)

fuf/k dk lkzr@ns;rk,a	vuqlwph	pkyw o"kZ	foxr o"kZ
पूंजीकृत निधि	1	-	-
मौजूदा देनदारियां और प्रावधान	2	58,39,38,955	53,13,77,769
योग		58,39,38,955	53,13,77,769
आस्तियों का आवेदन/परिसम्पत्तियां	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
स्थायी परिसंपत्तियां	3	19,74,26,332	19,48,12,521
चालू परिसंपत्तियां	4	20,57,18,655	15,61,70,841
ऋण अग्रिम एवं जमा राशियां	5	4,74,51,931	4,46,18,391
पूंजी निधि	-	13,33,42,037	13,57,76,016
योग		58,39,38,955	53,13,77,769
लेखा की महत्वपूर्ण नीतियां	14		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियां	15		

ह./—
¼lqHkk"k pUn 'kek½
वित्त अधिकारी (प्रभारी)

ह./—
¼clojkt Lokeh½
कुलसचिव

ह./—
¼,u-oh- oxhZt½
कुलपति

आय और व्यय लेखा
31 मार्च 2017 तक

(राशि ₹ में)

fooj.k	vuqlwph	pkyw o"kZ	foxr o"kZ
v- vk;			
शैक्षणिक प्राप्तियां	6	4,48,958	7,62,267
अनुदान/सब्सिडी	7	26,74,81,987	29,00,33,668
अर्जित ब्याज	8	21,03,203	17,19,060
अन्य आय	9	62,84,363	1,16,35,551
योग (अ)		27,63,18,511	30,41,50,546
c- O;;			
कर्मचारियों के भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)	10	17,85,99,027	18,63,55,661
अकादमिक व्यय	11	5,83,87,433	7,10,62,701
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	12	2,40,67,185	3,58,28,584
मरम्मत एवं रखरखाव	13	1,54,44,699	2,42,57,316
मूल्यह्रास	3	1,74,85,313	1,41,48,313
;ksx ¼c½		**29,39,83,656**	**33,16,52,575**
iwath fuf/k esa gksus okyh jgh vf/k'ks"k@¼?kkVk½		**(1,76,65,145)**	**(2,75,02,029)**

ह./–
¼lqHkk"k pUn 'kek½
वित्त अधिकारी (प्रभारी)

ह./–
¼clojkt Lokeh½
कुलसचिव

ह./–
¼,u-oh- oxhZ t½
कुलपति

अनुसूची 1 से 5
समाप्त वित्तीय वर्ष का तुलन पत्र
31 मार्च 2017 तक

अनुसूची 1

कोष/पूंजी निधि

(राशि ₹ में)

fooj.k	pkyw o"kZ (2016-17)	foxr o"kZ (2015-16)
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(13,57,76,016)	(12,64,47,700)
जमाः राशि/पूंजी निधि में योगदान	2,00,95,929	1,77,15,867
जमाः उपहार/दान में प्राप्त आस्तियां	3,195	13,370
जमाः प्रयोजित परियोजना निधि से खरीदी गई आस्तियां	-	4,44,476
जमाः आय/व्यय खाते से स्थानांतरित व्यय से अधिक आय	-	-
;ksx	**(11,56,76,892)**	**(10,82,73,987)**
घटायाः आय और व्यय खाते से स्थानांतरित घाटा	1,76,65,145	2,75,02,029
o"kZ ds vUr esa 'ks"k	**(13,33,42,037)**	**(13,57,76,016)**

अनुसूची 2

वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान

(राशि ₹ में)

fooj.k	pkyw o"kZ (2016-17)	foxr o"kZ (2015-16)
v- orZeku nsunkfj;k		
प्रतिभूति राशि	6,33,858	6,13,858
पत्रिकाओं की सदस्यता शुल्क (अग्रिम)	1,35,910	1,32,830
बकाया देयताएं	24,58,883	22,62,542
वेतन	85,46,217	86,29,801
प्रायोजित परियोजना की प्राप्तियां (कुल व्यय)	12,92,35,573	9,04,20,155
अग्रिम में प्राप्त आय (वर्ष 2015–16 का अप्रयुक्त अनुदान)	5,46,41,734	5,95,21,650
;ksx ¼v½	**19,56,52,175**	**16,15,80,836**
Ck- izko/kku		
पेंशन	33,53,83,881	31,94,13,220
उपदान	3,42,43,138	3,26,12,512
अवकाश नकदीकरण	1,86,59,761	1,77,71,201
;ksx ¼c½	**38,82,86,780**	**36,97,96,933**
;ksx ¼v+c½	**58,39,38,955**	**53,13,77,769**

अनुसूची 2 (क)
प्रायोजित परियोजनाएं

(राशि ₹ में)

क्र.सं.	परियोजना का नाम	प्रारंभिक जमा		वर्ष के दौरान प्राप्तियां/वसूली	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	जमा शेष	
		निकासी	जमा				निकासी	जमा
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)	-	3,07,505	91,78,595	94,86,100	46,80,744	-	48,05,356
2	डाईस की स्थापना और संचालन (यूनीसेफ़) डा. के. बिस्वाल	-	15,38,042	28,60,880	43,98,922	31,41,032	-	12,57,890
3	सर्वशिक्षा अभियान पर परियोजना (मा.सं.वि. मंत्रालय)	-	1,15,217	3,727	1,18,944	5,750	-	1,13,194
4	14 राज्यों में सर्व शिक्षा अभियान के संदर्भ में स्कूल प्रबंधन तथा पर्यवेक्षण में ग्रा.शि.स./डी.टी.ए./एस.एम. डी.सी./नगरीय निकायों की भूमिका का अध्ययन, एडसिल (प्रो. ए.के. सिंह)	-	6,57,467	-	6,57,467	94,096	-	5,63,371
5	माध्यमिक शिक्षा सूचना प्रणाली प्रबंधन (सेमिस) मा.सं.वि. मंत्रालय (प्रो. ए.सी. मेहता)	-	20,25,925	-	20,25,925	5,67,031	-	14,58,894
6	बुरूण्डी में भारत अफ्रीका शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (दक्षिण अफ्रीका)		23,99,395	-	23,99,395	48,243	-	23,51,152
7	प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक (एडसिल) डॉ. के. सुजाता	(13,63,560)	-	-	(13,63,560)	-	(13,63,560)	-
8	महात्मा गाँधी शान्ति शिक्षा संस्थान (एम.जी. आई.ई.पी.)		7,88,458	62,29,032	70,17,490	49,17,490	-	21,00,000
9	नेतृत्व कार्यक्रम (मा.सं.वि. मंत्रालय) डा. रश्मि दीवान	(21,32,773)	-	1,07,05,880	85,73,107	94,43,702	(8,70,595)	-

10	नीति अनुसंधान केन्द्र (यूजीसी) (प्रो. एन.वी. वर्गीज)		1,87,20,532	2,59,58,292	4,46,78,824	1,55,77,842	-	2,91,00,982
11	राष्ट्रीय अध्येयता (आईसीएसएसआर) प्रो. एहसानुल हक	(66,725)	-	2,24,000	1,57,275	1,57,275	-	-
12	प्रशासनिक उपरिव्यय प्रभार/बचत खाता पर ब्याज	-	1,43,57,169	32,85,670	1,76,42,839	(187)	-	1,76,43,026
13	विविधता, भेदभाव और असमानता के साथ लेनदेन (डा. निधि सदाना – सीपीआरएचई)	-	13,07,562	6,40,000	19,47,562	1,92,366	-	17,55,196
14	केन्द्रीय योजना विद्यालय मानक शिक्षा कार्यक्रम (प्रो. प्रणति पांडा)		4,51,34,747	-	4,51,34,747	2,73,16,104	-	1,78,18,643
15	यूनेस्को क्षेत्रीय केन्द्र (के. सुजाता)		4,53,413	4,94,588	9,48,001	-	-	9,48,001
16	श्रीलंका कार्यक्रम		5,35,757	61,05,622	66,41,379	53,12,185	-	13,29,194
17	आरएमएसए के अन्तर्गत विद्यालय मानक		20,78,966	-	20,78,966	3,50,486	-	17,28,480
18	वरिष्ठ अध्येता – डॉ. ए. मैथ्यू (आईसीएसएसआर)		-	4,36,000	4,36,000	3,98,667	-	37,333
19	राज्य का राजनीतिक अध्ययन – डॉ. ए. मैथ्यू (आईसीएसएसआर)			10,00,000	10,00,000	3,34,988	-	6,65,012
20	पंडित मदन मोहन मालवीय			4,45,00,000	4,45,00,000	28,61,678	-	4,16,38,322
21	टीचिंग एंड रिसर्च आस्ट्रेलिया (यूजीसी) डा. सुधांशु भूषण			-	-	12,95,075	(12,95,075)	-
22	आईईपीए (विदेश मंत्रालय)			-	-	9,62,079	(9,62,079)	-
23	आईआईईपी – यूनेस्को (के. सुजाता)			45,84,360	45,84,360	6,62,833	-	39,21,527
	;kx	**(35,63,058)**	**9,04,20,155**	**11,62,06,646**	**20,30,63,743**	**7,83,19,479**	**(44,91,309)**	**12,92,35,573**

अनुसूची 2 (ख)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त अनुपयुक्त अनुदान

(राशि ₹ में)

fooj.k	pkyw o"kZ (2016-17)	foxr o"kZ (2015-16)
v- ;kstuk vuqnku ekuo lalk/ku fodkl ea=ky;		
शेष राशि अग्रानीत	5,95,21,650	4,77,63,185
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्तियां (अनुदान)	10,10,87,000	14,25,28,000
;ksx ¼v½	**16,06,08,650**	**19,02,91,185**
घटाकरः राजस्व व्यय के लिए उपयोग	8,58,70,987	11,30,53,668
घटाकरः पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग	2,00,95,929	1,77,15,867
;ksx ¼c½	**10,59,66,916**	**13,07,69,535**
vuiz;qDr vxkuhr ¼v&c½	**5,46,41,734**	**5,95,21,650**
c- vuqnku ;kstukrj ekuo lalk/ku fodkl ea=ky;		
शेष राशि अग्रानीत	-	-
वर्ष के दौरान प्राप्तियां (अनुदान)	18,16,11,000	17,69,80,000
;ksx ¼l½	**18,16,11,000**	**17,69,80,000**
घटाकरः राजस्व व्यय के लिए उपयोग	18,16,11,000	17,69,80,000
घटाकरः पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग	-	
;ksx ¼n½	**18,16,11,000**	**17,69,80,000**
vuiz;qDr vxkuhr ¼l&n½	-	-
egk;ksx ¼v+c½	**5,46,41,734**	**5,95,21,650**

अनुसूची 3

अचल संपत्तियां

(राशि ₹ में)

Ø-l-	vkfLr;k 'kh"k	eY;âkl dh nj	vFk 'k"k	Lkdy Cykd ifjo/ku ;ktuk	ifjo/ku ;kturj	vU;	dVkrh	Tkek 'k"k (4+5+6-7+8)	o"k dk fy, eY;âkl vFk 'k"k	o"k dk fy, eY;âkl ifjo/ku ij o"k dk nkjku eY;âkl	dVkrh@ lek;ktu	dqy eY;âkl (10+11-13)	fuoy Cykd 31.03.17 (8-12)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	भूमि	0%	23,07,892	-	-	-	-	23,07,892	-	-	-	-	23,07,892
2	भवन	2%	12,32,96,605	11,67,720	-	-	-	12,44,64,325	24,65,932	23,354	-	24,89,287	12,19,75,038
3	कार्यालय उपकरण	7.50%	1,05,06,328	13,15,615	-	-	-	1,18,21,943	7,87,975	98,671	-	8,86,646	1,09,35,297
4	कम्प्यूटर और उपकरण	20%	51,86,766	2,02,203	-	-	-	53,88,969	10,37,353	40,441	-	10,77,794	43,11,175
5	फर्नीचर और फिक्सचर	7.50%	66,17,382	3,28,556	-	-	-	69,45,938	4,96,304	24,642	-	5,20,945	64,24,993
6	वाहन	10%	15,00,137	-	-	-	-	15,00,137	1,50,014	-	-	1,50,014	13,50,123
7	पुस्तकालय पुस्तकें	10%	78,85,101	12,52,895	-	-	-	91,37,996	7,88,510	1,25,290	-	9,13,800	82,24,196
8	जर्नल	10%	3,00,47,684	22,04,524	-	-	-	3,22,52,208	30,04,768	2,20,452	-	32,25,221	2,90,26,987
	;kx ¼v½		18,73,47,895	64,71,513	-	-	-	19,38,19,408	87,30,856	5,32,850	-	92,63,706	18,45,55,702
9	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	37,06,742	1,97,294	-	-	-	39,04,036	14,82,697	78,918	-	15,61,614	23,42,422
10	ई–जर्नल	40%	29,38,403	1,34,30,317	-	-	-	1,63,68,720	11,75,361	53,72,127	-	65,47,488	98,21,232
	;kx ¼c½		66,45,145	1,36,27,611	-	-	-	2,02,72,756	26,58,058	54,51,044	-	81,09,103	1,21,63,653
11	कंप्यूटर तथा अन्य	20%	4,08,340	-	-	-	-	4,08,340	81,668	-	-	81,668	3,26,672
12	फर्नीचर फिक्सचर और फिटिंग	7.50%	4,11,140	-	-	-	-	4,11,140	30,836	-	-	30,836	3,80,305
	;kx ¼l½		8,19,480	-	-	-	-	8,19,480	1,12,504	-	-	1,12,504	7,06,977
	egk;kx ¼v+c+l½		19,48,12,520	2,00,99,124	-	-	-	21,49,11,644	1,15,01,417	59,83,894	-	1,74,85,313	19,74,26,332

अनुसूची 4

चालू परिसम्पत्तियां

(राशि ₹ में)

Ø- l-	fooj.k	pky o"k (2016-17)	foxr o"k (2015-16)
	1. LVkd		
1.	प्रकाशनार्थ	3,71,853	3,47,993
2.	इन्वेंटरी	4,37,289	6,07,698
	2. udnh ,o cd cpr		
1.	भारतीय स्टेट बैंक (34778757702) (चालू खाता)	9,006	9,638
2.	बैंक बचत (बचत खाता)	20,48,78,248	15,51,75,985
3.	हस्तगत डाक टिकट	22,259	29,527
	;kx	**20,57,18,655**	**15,61,70,841**

अनुसूची 5

ऋण, अग्रिम और जमा

(राशि ₹ में)

Ø- l-	fooj.k	pky o"k (2016-17)	foxr o"k (2015-16)
	1- delpkfj;k dk vfxle ¼xlj&C;kt½		
1.	त्यौहार अग्रिम	64,800	1,34,100
	2- delpkfj;k dk nh?kkof/k d fy, vfxle ¼C;kt½		
1.	मोटर कार	12,000	48,000
2.	कम्प्यूटर अग्रिम	5,700	36,700
	3- vfxle vkj udn eY; ;k oLr d :i e olyh ;kX; vU; jkf'k;k		
1	पूंजी लेखा	4,06,93,626	3,75,15,329
2	संकाय/स्टाफ को अन्य अग्रिम	12,00,090	14,93,000
3	चिकित्सा अग्रिम	2,48,439	1,91,997
4	संकाय को यात्रा भत्ता अग्रिम	6,09,816	14,55,863
	4- iol Hkxrku 0;;		
1.	बीमा	10,272	45,892
2.	अन्य व्यय	-	10,782
	5- tek		
1.	एल.पी. गैस	77,348	77,348
2.	जल मीटर	1,650	1,650
3.	विद्युत	17,500	17,500
4.	अन्य	1,800	1,800
	6- iknHkr vk;		
1.	ऋण एवं अग्रिम	17,581	25,372
	7- vU; & ;thlh@ik;kftr ifj;ktukvk l ikI; orleku ifjlifÙk;k		
1.	प्रायोजित परियोजनाएं में शेष ऋण	44,91,309	35,63,058
	;kx	**4,74,51,931**	**4,46,18,391**

अनुसूची 6

शैक्षणिक प्राप्तियां

(राशि ₹ में)

Ø- l-	fooj.k	pkyw o"kZ (2016-17)	foxr o"kZ (2015-16)
	Nk=ksa ls 'kqYd		
	'kS{kf.kd		
1.	छात्र शुल्क	1,75,500	4,70,123
	;ksx ¼v½	1,75,500	4,70,123
	fcØh		
1.	प्रकाशन बिक्री	1,98,158	1,99,544
2.	प्रास्पैक्टस की बिक्री	75,300	92,600
	;ksx ¼c½	**2,73,458**	**2,92,144**
	egk;ksx ¼v+c½	**4,48,958**	**7,62,267**

अनुसूची 7

अनुदान/सहायता अनुदान (प्राप्त अशोध्य अनुदान)

(राशि ₹ में)

fooj.k	;ktuk	;kturj	pky o"k (2016-17)	foxr o"k (2015-16)
	Ekk-l-fo- e=ky; Hkkjr ljdkj	Ekk-l-fo- e=ky; Hkkjr ljdkj	dy	dy
शेष अग्रानीत	5,95,21,650	-	5,95,21,650	4,77,63,185
जोड़करः वर्ष के दौरान प्राप्तियां	10,10,87,000	18,16,11,000	28,26,98,000	31,95,08,000
;kx	**16,06,08,650**	**18,16,11,000**	**34,22,19,650**	**36,72,71,185**
घटाकरः परिसंपत्तियों के प्रयोग पर व्यय (अ)	2,00,95,929	-	2,00,95,929	1,77,15,867
'k"k	**14,05,12,721**	**18,16,11,000**	**32,21,23,721**	**34,95,55,318**
घटाकरः परिसंपत्तियों के प्रयोग पर राजस्व व्यय (ब)	8,58,70,987	18,16,11,000	26,74,81,987	29,00,33,668
'k"k l@,Q ¼l½	**5,46,41,734**	-	**5,46,41,734**	**5,95,21,650**

अनुसूची 8

अर्जित ब्याज

(राशि ₹ में)

Ø- l-	fooj.k	pky o"k (2016-17)	foxr o"k (2015-16)
1.	vulfpr cdk e cpr [kkrk ij		
	अ) योजनेतर	11,75,350	8,04,878
	ब) योजना	6,03,253	5,45,343
	द) ओवरहेड प्रशासनिक निधि खाता	2,97,462	3,52,235
	य) छात्रावास खाता	13,913	13,341
2.	_.kk ij		
	अ. कर्मचारी/स्टाफ (अग्रिमों पर ब्याज)	13,225	3,263
	; kx	**21,03,203**	**17,19,060**

अनुसूची 9

अन्य आय

(राशि ₹ में)

Ø- l-	fooj.k	pkyw o"kZ (2016-17)	foxr o"kZ (2015-16)
	v- Hkkfe ,oa Hkouksa ls vk;		
1.	छात्रावास किराया	36,72,170	68,32,825
2.	लाईसेंस शुल्क	2,85,428	1,90,038
3.	जल प्रभार की वसूली	10,131	6,194
	;ksx v	**39,67,729**	**70,29,057**
	c- vU;		
1	रायल्टी से आय	26,665	27,370
2	अन्य प्राप्तियां	61,844	99,140
3	स्टाफ कार प्रयोग	4,204	3,202
4	योजनाओं के लिए सांस्थानिक प्रभार	13,80,696	9,95,420
5	वैतनिक छुट्टियाँ/पेंशन अंशदान	-	25,01,151
6	अनुपयोगी वस्तुओं की बिक्री	-	4,64,311
7	निविदा फार्म की बिक्री	-	6,000
8	पेंशनरों के लिये चिकित्सा प्रतिपूर्ति प्रवेश शुल्क	4,61,400	91,200
9	चिकित्सा योजना के लिए योगदान	3,81,825	4,18,700
	;ksx c	**23,16,634**	**46,06,494**
	egk;ksx ¼v+c½	**62,84,363**	**1,16,35,551**

अनुसूची 10

कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ

(स्थापना व्यय)

(राशि ₹ में)

Ø- l-	fooj.k	pky o"k (2016-17)			foxr o"k (2015-16)		
		;ktuurj	;ktuk	;kx	;ktuurj	;ktuk	;kx
1	वेतन और मजदूरी	3,90,16,330	18,147	3,90,34,477	4,52,11,774	18,75,729	4,70,87,503
2	बोनस और भत्ते तथा समयोपरि भत्ता	6,65,64,939	11,46,082	6,77,11,021	7,00,86,157	25,61,259	7,26,47,416
3	नई पेंशन योजना में योगदान	17,70,139	-	17,70,139	16,63,356	-	16,63,356
4	कर्मचारी कल्याण व्यय (वर्दी)	1,08,400	-	1,08,400	85,368	-	85,368
5	अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी)	25,95,689	-	25,95,689	16,38,261	-	16,38,261
6	चिकित्सा भत्ता प्रतिपूर्ति	83,84,365	-	83,84,365	54,11,256	-	54,11,256
7	बाल शिक्षा भत्ता	9,82,096	-	9,82,096	6,82,028	-	6,82,028
8	यात्रा भत्ता	1,45,382	-	1,45,382	1,11,520	-	1,11,520
9	अन्य (सरकारी अंशदान–सीपीएफ)	67,864	-	67,864	65,880	-	65,880
10	सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ	-	-	-	9,31,470	-	9,31,470
a)	पेंशन	4,70,04,572	-	4,70,04,572	4,35,01,394	-	4,35,01,394
b)	ग्रेज्युटी	61,34,841	-	61,34,841	69,84,102	-	69,84,102
c)	अवकाश नकदीकरण	46,60,181	-	46,60,181	55,46,107	-	55,46,107
	;kx	**17,74,34,798**	**11,64,229**	**17,85,99,027**	**18,19,18,673**	**44,36,988**	**18,63,55,661**

अनुसूची 10क

कर्मचारी सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ

(राशि ₹ में)

Ø- l-	fooj.k	Ik'ku	xP;qVh	vodk'k udnhdj.k	;ksx
1	01–04–2016 को अथ शेष राशि (अ)	31,94,13,220	3,26,12,512	1,77,71,201	36,97,96,933
2	घटाकरः वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ब)	3,10,33,911	45,04,215	37,71,621	3,93,09,747
3	31–03–2017 को उपलब्ध बचत राशि (अ–ब) स	28,83,79,309	2,81,08,297	1,39,99,580	33,04,87,186
4	वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31–03–2017 को आवश्यक प्रावधान (द)	33,53,83,881	3,42,43,138	1,86,59,761	38,82,86,780
v-	pkyw o"kZ esa fd;s tkus okys iko/kku ¼n&l½	**4,70,04,572**	**61,34,841**	**46,60,181**	**5,77,99,594**

अनुसूची 11
शैक्षणिक व्यय (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति)

(राशि ₹ में)

Ø- l-	fooj.k	pkyw o"kZ (2016-17)			foxr o"kZ (2015-16)		
		;kstukrj	;kstuk	;kx	;kstukrj	;kstuk	;kx
1	क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में भागीदारी (संकाय के लिए यात्रा भत्ता)	-	47,07,053	47,07,053	-	59,69,585	59,69,585
2	क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में भागीदारी (भागीदार के लिए यात्रा भत्ता)	-	76,12,767	76,12,767	-	78,56,837	78,56,837
3	संगोष्ठी/कार्यशालाओं पर व्यय (अकादमिक कार्यक्रमों में व्यय)	-	48,52,343	48,52,343	-	48,72,208	48,72,208
4	आगंतुक संकाय हेतु भुगतान (संसाधन/व्यक्ति को मानदेय)	-	5,13,592	5,13,592	-	9,14,679	9,14,679
5	विश्वविद्यालय के अनुसंधान अध्ययन	-	2,00,35,471	2,00,35,471	-	3,07,83,793	3,07,83,793
6	छात्रों को छात्रवृत्ति (एम.फिल. और पी–एच.डी.)	-	1,06,52,992	1,06,52,992	-	77,74,764	77,74,764
7	छात्रवृत्ति/पुस्तकें व परियोजना अनुदान	-	2,72,422	2,72,422	-	2,79,885	2,79,885
8	प्रकाशन व्यय (मुद्रण से प्राप्त)	-	17,52,494	-	-	15,47,225	-
	(1) जोड़करः पिछले वर्ष का स्टाक	-	3,47,993	17,28,634	-	2,97,804	14,97,036
	(2) घटाकरः प्रकाशनार्थ का स्टॉक	-	(3,71,853)		-	(3,47,993)	
9	सदस्यों के लिए शुल्क	-	2,75,198	2,75,198	-	1,03,063	1,03,063
10	अन्य (फोटोकॉपी प्रभार)	-	4,15,255	4,15,255	-	3,02,263	3,02,263
11	गैर–सरकारी संगठन को अनुदान	-	57,91,537	57,91,537	-	62,43,391	62,43,391
12	एनईआर (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सहित)	-	15,30,170	15,30,170	-	44,65,197	44,65,197
	;kx	-	**5,83,87,433**	**5,83,87,433**	-	**7,10,62,701**	**7,10,62,701**

अनुसूची 12

प्रशासनिक और सामान्य व्यय

(राशि ₹ में)

Ø- l-	fooj.k	pkyw o"kZ (2016-17) ;kturj	;ktuk	;kx	foxr o"kZ (2015-16) ;kturj	;ktuk	;kx
v	vk/kkj lajpuk						
1	विद्युत प्रभार	84,93,297	4,96,350	89,89,647	93,63,263	5,36,937	99,00,200
2	जल प्रभार	23,84,580	12,06,754	35,91,334	34,60,681	-	34,60,681
3	किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)	3,96,977	-	3,96,977	4,25,676	3,200	4,28,876
4	सुरक्षा प्रभार	-	15,58,294	15,58,294	-	8,30,316	8,30,316
5	वैधानिक व्यय	-	-	-	2,500	-	2,500
c	lapkj			-			
1	डाक तथा तार	-	5,25,043	5,25,043	-	4,38,736	4,38,736
2	टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट प्रभार	10,32,798	1,43,737	11,76,535	9,80,767	1,70,726	11,51,493
l	vU;			-			
1	स्टेशनरी	-	16,89,002	16,89,002	-	8,78,358	8,78,358
2	पोषाहार व्यय	-	11,71,032	11,71,032	-	47,68,831	47,68,831
3	पेट्रोल / तेल / व्यय	3,26,445	-	3,26,445	4,25,870	-	4,25,870
4	बीमा	93,019	-	93,019	47,275	-	47,275
5	किराए पर टैक्सी	-	5,10,143	5,10,143	-	7,68,590	7,68,590
6	लेखा परीक्षा शुल्क	-	-	-	84,880	-	84,880
7	मजदूरी प्रभार	-	9,69,786	9,69,786	-	7,96,021	7,96,021
8	विज्ञापन प्रभार	-	23,19,410	23,19,410	-	37,68,617	37,68,617
9	अखबार प्रभार	1,57,979	9,357	1,67,336	1,16,051	14,457	1,30,508
10	अन्य (पाठ्यक्रम शुल्क / प्रशिक्षण)	-	5,750	5,750	-	2,000	2,000
11	विविध व्यय	75,095	5,01,705	5,76,800	50,470	5,51,261	6,01,731
12	प्रभार (अन्य खाते)	-	-	632	-	-	73,43,101
	;kx	**1,29,60,190**	**1,11,06,363**	**2,40,67,185**	**1,49,57,433**	**1,35,28,050**	**3,58,28,584**

अनुसूची 13

मरम्मत एवं रखरखाव

(राशि ₹ में)

Ø-l-	fooj.k	pkyw o"kZ (2016-17)			foxr o"kZ (2015-16)		
		;kstuk rj	;kstuk	;kx	;kstuk rj	;kstuk	;kx
1	भवन का रख–रखाव	-	32,29,615		-	7,07,517	1,59,29,009
2	संपदा रखरखाव इलेक्ट्रिकल (एआरएमओ)	-	59,32,069	91,61,684	-	1,52,21,492	
3	फर्नीचर तथा फिक्सर का रख–रखाव	-	-	-		1,97,722	1,97,722
4	कार्यालय उपकरणों का रखरखाव	-	21,23,986	21,23,986	-	29,87,794	29,87,794
5	वाहनों के रख–रखाव (स्टाफ कार)	2,31,737	-	2,31,737	2,31,387	-	2,31,387
6	गृह व्यवस्था सेवाएं	-	38,98,642	38,98,642	-	43,97,954	43,97,954
7	बागवानी	-	28,650	28,650	-	5,13,450	5,13,450
	;kx	**2,31,737**	**1,52,12,962**	**1,54,44,699**	**2,31,387**	**2,40,25,929**	**2,42,57,316**

अनुसूची 14
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1- Yk[kk fuek.k dk vkèkkj

1.1 जब तक कि विधि का उल्लेख न किया जाए और सामान्यतया आमतौर पर कहा गया है कि लेखे ऐतिहासिक लागत परिपाटी के अंतर्गत लेखांकन के प्रोदभूत विधि पर तैयार किए जाते हैं।

2- jktLo ekU;rk

2.1 विद्यार्थियों से शुल्क, निविदा फार्म की बिक्री, प्रवेश फार्म की बिक्री, बचत बैंक खाते पर रॉयल्टी और ब्याज नकद आधार पर लेखांकन किए जाते हैं।

2.2 छात्रावास किराया से आय नकदी आधार पर लेखांकन किया जाता है।

2.3 हालांकि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन की पूरी अदायगी के बाद शुरू होता है, गृह निर्माण पेशगी, वाहन और कंप्यूटर की खरीद के लिए कर्मचारियों को ब्याज सहित अग्रिम की वसूली प्रोद्भूत आधार पर की जाती है।

3- vpy ifjlaifÙk;k vkj eY;âkl

3.1 अचल संपत्ति भाड़ा, शुल्कों और करों और अधिग्रहण स्थापना और परिचालन से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च आवक सहित अधिग्रहण की लागत से निर्धारित किया जाता है।

3.2 उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों पर मुद्रित बिक्री मूल्य को मूल्यवान माना जाता है। उपहार में प्राप्त जिन पुस्तकों मे मूल्य पुस्तक में मुद्रित नहीं होते, उनका मूल्यांकन के आधार पर मूल्य निर्धारित किया जाता है। उन्हें पूंजी कोष में जमा करके संस्था की अचल संपत्ति के साथ विलय कर लिया जाता है। मूल्यह्रास संबंधित परिसंपत्तियों की लागू दरों पर निर्धारित किया जाता है।

3.3 अचल परिसंपत्ति का मूल्य मूल्यह्रास में घटाकर निकाला जाता है। अचल परिसंपत्तियों का अवमूल्यन निम्नलिखित दरों के अनुसार सीधे तौर पर किया जाता है।

1	भवन	2%
2	कार्यालय उपकरण	7.5%
3	कंप्यूटर और अन्य सहायक सामग्री	20%
4	फर्नीचर फिक्चर और फिटिंग्स	7.5%
5	वाहन	10%
6	पुस्तकालय में पुस्तकें	10%
7	जर्नल्स	10%
8	ई–जर्नल	40%
9	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%

3.4 समीक्षाधीन वर्ष के अन्तर्गत वर्ष के लिये जमा पर मूल्यह्रास स्वायत संगठनों के लिये पसंदीदा विद्धि है। इसके अतिरिक्त संपत्तियों का संग्रह पूरे वर्ष के लिए रहा, इससे मूल्यह्रास बराबर रहा।

3.5 वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है। एक परिसंपत्ति जिसका पूर्णतः मूल्यह्रास हो चुका हो इसे तुलन पत्र में रु. 1 की एक अवशिष्ट मूल्य पर अंकन किया जाएगा और आगे उसका पुनः मूल्यह्रास नहीं किया जाएगा। इसके बाद, मूल्यह्रास के परिवर्धन पर लागू मूल्यह्रास की दर से गणना की गई।

3.6 इलेक्ट्रानिक पत्रिकाओं (ई–जर्नल्स) पर व्यय की अधिकता को देखते हुए लाइब्रेरी में इसे पुस्तकों से अलग किया गया है। पुस्तकालय की पुस्तकों के संबंध में उपलब्ध कराए गए 10 प्रतिशत के अवमूल्यन के सापेक्ष 40 प्रतिशत की एक उच्च दर पर ई–जर्नल्स के संबंध में मूल्यह्रास प्रदान किया गया।

3.7 कंप्यूटर और सहायक सामग्री को अर्जित सॉफ्टवेयर के व्यय से अलग किया गया है क्योंकि यह कोई ठोस वस्तु नहीं होती और इसकी लुप्तशीलता की दर अपेक्षाकृत उच्च होती है। उच्च स्तर के साफफ्टवेयर का अवमूल्यन दर 40 प्रतिशत है जबकि कंप्यूटर और सहायक सामग्री का अवमूल्यन दर 20 प्रतिशत है।

4- LVkd

5.1 31 मार्च 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के आधार पर स्टॉक की मूल्य सूची के अनुसार स्टेशनरी, प्रकाशन और अन्य स्टॉक की खरीद को राजस्व व्यय के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। जबकि सामान्य प्रशासन अनुभाग से प्राप्त जानकारी से वस्तु सूची के अनुसार राजस्व व्यय को कम करके शेष स्टॉक का मूल्य अंकन किया जाता है।

5- lsokfuo`Ùk ykHk

5.1 सेवानिवृत्त लाभ यानी, पेंशन, ग्रेच्युटी लाभ और अवकाश नकदीकरण पिछले वर्ष के लेखा (2015–16) वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया जाता है। इसलिए इस वर्ष वर्तमान प्रावधान की गणना पिछले वर्ष के मूल्यांकन का 5 प्रतिशत बढ़ाकर की गई।

5.2 विश्वविद्यालय के जो कर्मचारी अन्य नियोक्ता संस्थानों से आये हैं और जिन्हें विश्वविद्यालय में समाहित कर लिया गया है, उनके नियोक्ता संस्थानों से प्राप्त पेंशन और ग्रेच्यूटी लाभ पूंजीकृत मूल्य के रूप में पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण का वास्तविक भुगतान संबंधित प्रावधानों के खातों में डेबिट कर रहे हैं। अन्य सेवानिवृत्ति लाभ अर्थात् नई पेंशन योजना, सेवानिवृत्ति पर गृह नगर के लिए यात्रा बिल, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए चिकित्सा प्रतिपूर्ति, (वर्ष के अंत में वास्तविक भुगतान सह बकाया बिल) प्रोद्भूत रूप में लेखांकित किया गया है।

6- ljdkjh vkSj ;w-th-lh- vuqnku

6.1 सरकारी अनुदान और यू.जी.सी. अनुदान प्राप्ति के आधार पर लेखांकित किया गया है।

6.2 पूंजीगत व्यय की दिशा में प्रयुक्त सरकारी अनुदान पूंजीगत निधि में स्थानांतरित किया जाता है।

6.3 राजस्व व्यय (वास्तविक आधार पर) को पूरा करने के लिए प्राप्त सरकारी अनुदान को प्रयुक्त मानकर उसे उस वर्ष की आय के रूप में लिया गया है जिसमें वह प्राप्त हुआ है।

6.4 अनुपयुक्त अनुदान (इस तरह के अनुदान का भुगतान अग्रिमों सहित) को आगामी वर्ष में लिया गया है और उसे तुलनपत्र में देयताएं के रूप में प्रस्तुत किया गया।

7- ih&,p-Mh- vkSj ,e-fQy- ds Nk=ksa ds fy, Nk=ko`fÙk

7.1 पी–एच.डी. और एम.फिल. के छात्रों को छात्रवृत्ति मानव संसाधन विकास मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) द्वारा प्रदान किए गए योजना अनुदान से भुगतान की जा रही हैं और इस विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खर्च के रूप में लेखांकित किया जाता है।

8- fpfdRlk va'knku

8.1 चिकित्सा अंशदान न्यूपा की चिकित्सा योजना के अनुसार योजनेतर खाते में जमा किया जाता है। चिकित्सा प्रतिपूर्ति गैर–योजना खाते से भुगतान किया जाता है।

9- xSj ljdkjh laxBuksa dks vuqnku

9.1 समान उद्देश्य वाले गैर–सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता/अनुदान योजना के खाते के अंतर्गत व्यय के रूप में लेखांकित की जा रही है।

10- csdkj oLrqvksa dh fcØh

10.1 सेवा में प्रयुक्त न होने वाली और पुरानी वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त आय को ''अन्य आय'' में दर्शाया जाता है, क्योंकि बेकार वस्तुओं का मूल्य का पहले ही पूर्ण अवमूल्यन हो जाता है।

अनुसूची 15

खातों में आकस्मिक देयताएं और टिप्पणियाँ

1- vpy lifÙk;k

1.1 अचल संपत्तियां केवल योजना अनुदान से खरीदी गई है, जबकि वाहन गैर–योजना अनुदान से लिए गए हैं। अनुसूची 3 में वर्ष के दौरान संबंधित अचल संपत्तियों में योजना निधि (₹2,00,99,124), और लाइब्रेरी में किताबें और विश्वविद्यालय को तोहफे के मूल्य (₹3,195), की अन्य सपत्तियाँ शामिल की गई हैं। आस्तियां कैपिटल फंड में जमा करके स्थापित की गई हैं।

1.2 31.03.2017 के तुलन–पत्र और पहले के वर्षों के तुलन–पत्र में साफ तौर पर योजना के धन से बनाई गई अचल आस्तियों और योजना निधि तथा अन्य निधि से बनाई गई अचल आस्तियों को अलग–अलग प्रदर्शित नहीं किया गया है। योजना और गैर–योजना निधि से वर्ष 01.04.2016 से 31.03. 2017 तक सवंर्धित और उन परिवर्धनों पर संबंधित अवमूल्यन को अलग रूप में प्रदर्शित किया गया है (अनुसूची–3)।

2- ektnk nunkfj;k vkj ikoèkku

2.1 व्यय जो 31 मार्च, 2017 को देय थे जिनका भुगतान नहीं किया गया को देयता और वेतन देय के रूप में प्रदान किया गया है।

2.2 आयकर अधिनियम 1961 के तहत कोई कर योग्य आय न होने की स्थिति में, आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं माना गया है।

2.3 क्रेडिट पर जमा हुए अवकाश के नकदीकरण के एवज में एकमुश्त भुगतान के प्रति दायित्व और कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों के प्रावधानों के प्रति देयता के लिए प्रावधान पिछले साल के अनुमान के आधार पर निर्धारित थे। इस साल, 31.03.2017 की स्थिति के अनुसार वास्तविक मूल्यांकन किया गया था और पहले किए गए प्रावधानों में पिछले सालों को कवर करने के लिए, पूर्व की अवधि 2016–17 के व्यय को भुगतान किया गया था। वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर 31.03.2017 को और मौजूदा खाते में किए गए भुगतान और शुद्ध प्रावधानों को आगे 2016–17 के प्रावधानों के लिए आय भुगतान और व्यय खाता द्वारा वर्ष 2017–18 के खातों से भुगतान किए गए थे।

3- ektnk ifjlifÙk;k] _.k] vfxe vkj tek

3.1 विश्वविद्यालय की राय में मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋण, अग्रिम और जमाओं पर आमतौर पर कम से कम तुलन–पत्र में दिखायी गयी कुल राशि के बराबर मूल्य है।

4- Hkfo"; fufèk [kkrk

4.1 सरकार से संबंधित निर्देश के अनुसार भविष्य निधि खाते के रूप में विश्वविद्यालय द्वारा उन निधियों को सदस्यों के स्वामित्व में प्रस्तुत किया गया हैं, विश्वविद्यालय के खाते से भविष्य निधि खाते को अलग किया जाता है। हालांकि प्राप्ति और भुगतान खाता (उपचय के आधार पर) आय और व्यय खाता और भविष्य निधि खाते का तुलन–पत्र विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखा में संलग्न है।

5- U;i i'ku ;ktuk [kkrk

5.1 नई पेंशन योजना के तहत सभी कर्मचारियों को पीआरए सं. प्राप्त है। नियोक्ता और कर्मचारी अंशदान नेशनल सिक्योरिटी डिपॉजटरी लि. (एनएसडीएल) में सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी (सीआरए) द्वारा नियमित रूप से स्थानान्तरण कर रहे हैं। उनमें

से संबंधित नियोक्ता और कर्मचारी योगदान की स्थानांतरित होने की कोई राशि बकाया नहीं है।

6- l|okfuo'fÙk ykHk

6.1 सेवानिवृत्ति लाभ यानी पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय कर्मचारियों की पिछले नियोक्ता से प्राप्त पेंशन और उपदान के कैपिटल के मूल्य, संबंधित प्रावधान खातों में जमा किया गया है।

7- vu|nku

7.1 पिछले वर्षों में योजना अनुदान को आय के रूप में लिया गया, केवल वे पूंजीगत व्यय के लिये उपयोग किये जाते थे, बैंक शेष के योजना अनुदान खाते और अग्रिम द्वारा जिनका अनुदान कोष और बकाया समायोजन द्वारा भुगतान किया गया। इन्हें वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को तुलन पत्र की परिसंपत्तियों में दर्शाया गया। 31.3.2017 को अनुपयुक्त अनुदान को आगे बढ़ाया गया और तुलन पत्र मे देयताओं के रूप में दर्शाया गया।

8- बचत बैंक खातों में शेष के विवरण चालू परिसंपत्तियों की अनुसूची 'अ' में संलग्न हैं।

9- पिछले वर्ष के आंकड़े आवश्यकतानुसार फिर से वर्गीकृत किये गए हैं।

10- अंतिम खातों में आंकड़े निकटतम रुपए में अंकित किया गया हैं।

11- अनुसूची 1 से 13 को संलग्न किया गया है और यह 31 मार्च 2017 के तुलन–पत्र और इस तिथि को समाप्त वित्तीय वर्ष के आय और व्यय लेखा का अभिन्न भाग होता है।

तुलन पत्र
31 मार्च 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

n; rk,	pky o"k		foxr o"k	ifjlifÙk;k	pky o"k	foxr o"k
vFk'k"k		14,91,81,700	13,35,19,059	fuo'k		
thih,Q	-			जीपीएफ/ सीपीएफ निवेश	14,43,70,593	14,09,05,284
वर्ष में अंशदान	1,84,12,372		2,13,57,132	31 मार्च, 2017 को अर्जित ब्याज	16,50,504	24,08,712
ब्याज जमा	1,06,10,165		1,06,72,724			
घटाया: निकासी	(1,65,59,102)	1,24,63,435	(2,25,39,466)			
lhih,Q	-			cd e udnh		
वर्ष के दौरान अंशदान	72,000		69,500	एसबीआई खाता नं. 10137881013	1,67,94,580	5,86,77,04
ब्याज जमा	47,620	1,19,620	39,504			
fo'ofo|ky; v'knku ¼lhih,Q½	-					
ब्याज जमा		45,036	41,625			
मार्च 2017 के लिए अंशदान		67,864	65,880			
C;kt fjtoZ	-					
व्यय पर आय से अधिक		9,38,022	59,55,742			
		16,28,15,677	**14,91,81,700**		**16,28,15,677**	**14,91,81,700**

ह./–
¼lHkk"k pUn 'kek½
वित्त अधिकारी

ह./–
¼clojkt Lokeh½
कुलसचिव

ह./–
¼,u-oh- oxhZt½
कुलपति

भविष्य निधि खाता

आय और व्यय लेखा

31 मार्च 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

0;;	pkyw o"kZ	foxr o"kZ	vk;	pkyw o"kZ		foxr o"kZ
C;kt Js;%						
thih,Q [kkrs	1,06,10,165	1,06,72,724	निवेश/बचत खाते पर अर्जित ब्याज	1,23,99,051		1,57,06,370
सीपीएफ खाते	47,620	39,504	जोड़ें: मार्च 2017 को अर्जित ब्याज	66,91,337		74,49,545
			घटाया: मार्च 2016 के लिए उपार्जित ब्याज	74,49,545	1,16,40,843	-64,46,320
विश्वविद्यालय के अंशदान पर ब्याज (सीपीएफ)	45,036	41,625	प्राप्त विश्वविद्यालय अंशदान (सीपीएफ)		67,864	65,880
fo'ofo|ky; va'knku ¼lhih,Q½	67,864	65,880				
व्यय पर आय से अधिक	9,38,022	59,55,742				
	1,17,08,707	**1,67,75,475**			**1,17,08,707**	**1,67,75,475**

ह./–
¼lqHkk"k pUn 'kek½
वित्त अधिकारी

ह./–
¼clojkt Lokeh½
कुलसचिव

ह./–
¼,u-oh- oxhZt½
कुलपति

भविष्य निधि खाता

प्राप्ति और भुगतान लेखा

31 मार्च 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

ikfIr ;k			Hkqxrku		
	pkyw o"kZ 2016-17	foxr o"kZ 2015-16		pkyw o"kZ 2016-17	foxr o"kZ 2015-16
प्रारंभिक जमा	58,67,704	1,73,07,848	thih,Q vfxze@vkgj.k	1,65,59,102	2,25,39,466
जीपीएफ अंशदान	1,84,12,372	2,13,57,132	सीपीएफ अग्रिम/आहरण		
सीपीएफ अंशदान	72,000	69,500	वर्ष के दौरान निवेश	4,79,46,329	5,89,81,020
सीपीएफ विश्वविद्यालय अंशदान	67,864	65,880			
निवेश नकदीकरण	4,44,81,020	3,28,81,460			
ब्याज प्राप्ति	1,23,99,051	1,57,06,370	tek 'ks"k	1,67,94,580	58,67,704
	8,13,00,011	**8,73,88,190**		**8,13,00,011**	**8,73,88,190**

ह./–
¼lqHkk"k pUn 'kekZ½
वित्त अधिकारी

ह./–
¼cl ojkt Lokeh½
कुलसचिव

ह./–
¼,u-oh- oxhZ t½
कुलपति

आय और व्यय लेखा

31 मार्च 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

ikfIr;k	pkyw o"k	foxr o"k	Hkqxrku	pkyw o"k	foxr o"k
ikjfHkd tek			0;;		
1 cpr cd [kkrk	15,52,15,150	10,23,36,658	1. स्थापना व्यय	15,99,96,423	15,78,84,877
ek-l-fo-e- ls ikIr vunku] Hkkjr ljdkj			2. शैक्षणिक व्यय	5,26,70,722	6,47,93,989
			3. प्रशासनिक व्यय	1,73,56,659	3,61,19,064
(अ) योजनेतर	18,16,11,000	17,69,80,000	4. मरम्मत और रख–रखाव	1,54,33,917	84,08,033
(ब) योजना	10,10,87,000	14,25,28,000			
'k{kf.kd ikfIr;k	16,83,536	7,80,735	Qyksf'ki dk lcU) esa Hkqx-rku	1,06,52,992	77,74,764
ik;kftr ifj;kstukvk@;kstukvks dk lcU) esa ikfIr;k	11,62,06,646	7,27,89,328	ik;kftr ifj;kstukvk@;kstukvks dk lcU) esa Hkqxrku	7,83,19,479	5,35,60,398
ikIr C;kt			lhihMCY;Mh ds fy, vpy lEifŸk vkj vfxze ij 0;; अचल संपत्तियां		
1. बैंक वचत खाता					
(क) योजना	6,03,253	5,45,343	(अ) योजना	2,00,95,929	1,58,70,183
(ख) गैर–योजना	11,75,350	8,04,878	(ब) गैर–योजना	-	-
(ग) केनरा बैंक	-	-	2. सीपीडब्ल्यूडी को अग्रिम	31,78,297	76,51,629
(घ) ओवरहेड प्रशासनिक निधि	2,97,462	3,52,235	o/kkfud Hkqxrku lfgr vU; Hkqxrku		
(ङ) छात्रावास खाता	13,913	13,341	प्रभार (अन्य खाते)	632	2,501
2. ब्याज अग्रिमों पर ब्याज	21,016	39,052	tek vkj vfxze	6,44,928	18,85,997
vU; vk;	36,72,170	1,06,55,095	ikl.k	4,06,94,278	4,26,82,577
tek vkj vfxze	2,92,300	3,45,700	'ks"k lekiu		
ikl.k	4,06,94,278	4,26,83,377	cd cdsy	20,48,87,254	15,51,85,623
o/kkfud ikfIr;k lfgr fofo/k ikfIr;k			gLrxr Mkd	22,259	29,527
1. ओवरहैड प्रशासनिक निधि खाता 1108	13,80,696	9,95,420			
;kx	**60,39,53,769**	**55,18,49,162**	;kx	**60,39,53,769**	**55,18,49,162**

ह./–
¼lHkk"k pUn 'kek½
वित्त अधिकारी

ह./–
¼clojkt Lokeh½
कुलसचिव

ह./–
¼,u-oh- oxht½
कुलपति

बैंक खातों में शेष राशि

31 मार्च 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

Ø-l-	c|d [kkr|	pky| o"k (2016-17)	foxr o"k (2015-16)
1	भारतीय स्टेट बैंक (10137881320) योजनेतर	4,16,63,463	2,53,89,034
2	सिंडिकेट बैंक (91392010001112) योजना	1,31,51,503	1,93,02,907
3	सिंडिकेट बैंक (91392010001092) परियोजना	12,47,44,264	8,68,57,096
4	सिंडिकेट बैंक (91392010001108) ओवरहैड प्रशासनिक निधि	2,49,51,610	2,32,73,453
5	सिंडिकेट बैंक (91392015365) छात्रावास	3,56,577	3,42,664
6	सिंडिकेट बैंक खाता 25536	10,832	10,832
7	भारतीय स्टेट बैंक (34778757702) चालू खाता	9,006	9,638
	;kx	**20,48,87,254**	**15,51,85,623**

गैर-सरकारी संगठन को अनुदान की सूची

वर्ष 2016-17 के लिए

(राशि ₹ में)

Ø- l-	,uthvks dk uke	tkjh jkf'k
1	अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी	6,00,000.00
2	महिला सशक्तिकरण संस्था	1,50,000.00
3	अखिल भारत दलित	1,50,000.00
4	संघर्षोत्तन	1,50,000.00
5	इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस	2,66,715.00
6	न्यू शिव शक्ति भिवानी	4,50,000.00
7	सोसायटी फार एजुकेशनल एंड इकानोमिक डवलपमेंट	7,75,000.00
8	विवेकानन्द कॉलेज	3,00,000.00
9	स्वरूप निष्ठा वैलफेयर सोसायटी	1,50,000.00
10	पीपुल काउंसिल आफ ऐजुकशन	1,50,000.00
11	इंडियन एकेडेमी सोसियल सर्विस इलाहाबाद	4,00,000.00
12	साई एजुकेशनल रूरल, कुरनूल	1,50,000.00
13	अनुराधा एजुकेशनल सोसायटी, कुरनूल	1,50,000.00
14	ग्राम प्रगति, अनन्तपुर	1,50,000.00
15	कुण्डु एरिया रूरल डवलपमेंट	1,50,000.00
16	सेंटर फार बजट एंड पॉलिसी	8,35,193.00
17	एसएफटी ट्रेनिंग सेंटर	1,50,000.00
18	लर्निंग इन जियो हुमानिटी	4,50,000.00
19	जे.एन.यू., नई दिल्ली	64,629.00
20	साल्वेशन, नई दिल्ली	1,50,000.00
	;ksx	**57,91,537.00**

निवेश का विवरण

01.04.2016 से 31.03.2017 तक की अवधि के लिए

Ø- l-	c\d dk uke	,QMh l-	tkjh djus dh frfFk	ifjiDork frfFk	dqy jkf'k	C;kt dh nj (%)	ifjiDork eY;
1	सिंडिकेट बैंक	197811	07.09.2016	07.09.2017	40,00,000.00	7.50	43,08,543.46
2	सिंडिकेट बैंक	197812	07.09.2016	07.09.2017	30,00,000.00	7.50	32,31,407.60
3	सिंडिकेट बैंक	197821	17.09.2016	17.09.2017	50,00,000.00	7.50	53,85,679.33
4	सिंडिकेट बैंक	197828	25.09.2016	25.09.2017	70,00,000.00	7.50	75,39,951.06
5	सिंडिकेट बैंक	969781	04.10.2016	04.10.2017	35,00,000.00	7.50	37,69,975.53
6	सिंडिकेट बैंक	197860	30.10.2016	30.10.2017	90,00,000.00	7.50	96,94,222.79
7	सिंडिकेट बैंक	197861	30.10.2016	30.10.2017	90,00,000.00	7.50	96,94,222.79
8	सिंडिकेट बैंक	197862	30.10.2016	30.10.2017	90,00,000.00	7.50	96,94,222.79
9	केनरा बैंक	032400/037953	30.11.2016	30.11.2017	70,00,000.00	7.10	75,10,388.00
10	केनरा बैंक	032401/037954	30.11.2016	30.11.2017	70,00,000.00	7.10	75,10,388.00
11	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 139900/23143	26.11.2016	30.12.2017	1,63,91,447.00	6.00	1,74,94,519.00
12	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/1066/ pu54420	01.01.2016	31.12.2017	98,86,403.00	7.00	1,05,96,830.00
13	सिंडिकेट बैंक	197895	05.01.2017	05.01.2018	65,00,000.00	6.80	69,53,399.28
14	सिंडिकेट बैंक	407156/969620	26.01.2017	26.01.2018	35,00,000.00	6.80	37,44,138.07
15	सिंडिकेट बैंक	969825	28.01.2017	28.01.2018	50,00,000.00	6.80	53,48,768.68
16	सिंडिकेट बैंक	197964	05.02.2017	05.02.2018	20,00,000.00	6.80	21,39,507.47
17	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/1543	16.02.2017	16.02.2018	1,40,54,243.00	4.50	1,46,97,437.00
18	सिंडिकेट बैंक	970252	26.02.2017	26.02.2018	75,00,000.00	6.80	80,23,153.02
19	सिंडिकेट बैंक	970000/970075	20.05.2016	20.05.2017	76,14,235.73	7.50	82,01,566.40
20	केनरा बैंक	032137/037230	10.06.2016	10.06.2017	70,00,000.00	7.50	75,39,951.00
21	एसबीआई एसपीएल जमा	812	27.06.1981	-	14,24,264.00		14,24,264.00
				;ksx	**14,43,70,592.73**		**15,45,02,535.27**

नकदीकरण 2016-17

Ø- l-	cSd dk uke	,QMh l-	tkjh djus dh frfFk	ifjiDork frfFk	dqy jkf'k	C;kt dh nj ¼%½	ifjiDork ewY;
1	सिंडिकेट बैंक	970075	20.05.2015	20.05.2016	70,00,000.00	8.50	76,14,235.73
2	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 139900/23143	22.10.2015	26.11.2016	1,51,90,576.00	7.00	1,63,91,447.00
3	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 1066/pu54420	01.01.2016	31.12.2016	91,78,418.00	7.50	98,86,403.00
4	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/1543	16.02.2016	16.02.2017	1,31,12,026.00	7.00	1,40,54,243.00
				; kx	**4,44,81,020.00**		

वर्ष 2016-17 के दौरान किये गये एफडी (सावधि जमा)

Ø- l-	cSad dk uke	,QMh l-	tkjh djus dh frfFk	ifjiDork frfFk	dqy jkf'k	C;kt dh nj ¼%½	ifjiDork eY;
1	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 1066/pu54420	01.01.2016	31.12.2017	98,86,403.00	7.00	1,05,96,830.00
2	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 139900/23143	26.11.2016	30.12.2017	1,63,91,447.00	6.00	1,74,94,519.00
3	सिंडिकेट बैंक	970000/970075	20.05.2016	20.05.2017	76,14,236.00	7.50	82,01,566.40
4	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/1543	16.02.2017	16.02.2018	1,40,54,243.00	4.50	1,46,97,437.00
		;ksx			**4,79,46,329.00**		**5,09,90,352.40**

नकदीकरण 2016-17

Ø-l-	cSad dk uke	,Q-Mh- l-	tkjh djus dh frfFk	ifjiDork dh frfFk	jkf'k	C;kt dh nj	ifjiDork eY;
1	सिंडिकेट बैंक	970075	20.05.2015	20.05.2016	70,00,000.00	8.50	76,14,235.73
2	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/139900/23143	22.10.2015	26.11.2016	1,51,90,576.00	7.00	1,63,91,447.00
3	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/1066/pu54420	01.01.2016	31.12.2016	91,78,418.00	7.50	98,86,403.00
4	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/1543	16.02.2016	16.02.2017	1,31,12,026.00	7.00	1,40,54,243.00
		;ksx			**4,44,81,020.00**		

निवेश विवरण 2016-17

अथ शेष	14,09,05,284.00
वर्ष के दौरान किये गये निवेश	4,79,46,329.00
d|y fuos'k	**18,88,51,613.00**
वर्ष के दौरान किये गये नकदीकरण	4,44,81,020.00
'k|) fuos'k ¼vr 'ks"k½	**14,43,70,593.00**

शेष परीक्षण

1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017 तक

fooj.k	vFk'k"k	gLrkUrj.k		var 'k"k
		fudklh	tek	
i¡thxr y[kk	**108273986.46 Dr**	**27502028.65**	**20099124.00**	**115676891.11 Dr**
पूंजीगत निधि	108273986.46 Dr	27502028.65	20099124.00	115676891.11 Dr
pkyw nkf;Ro	**527814710.51 Cr**	**376267000.00**	**427899935.33**	**579447645.84 Cr**
राशि लेनदार	15973.00 Cr			15973.00 Cr
राशि लेनदार – सी.पी.एफ.	15973.00 Cr			15973.00 Cr
बिलों से कटौती		466576.00	466576.00	
ठेकेदार से आयकर – योजना		375749.00	375749.00	
ठेकेदार से आयकर – परियोजना		88765.00	88765.00	
ठेकेदार पर आयकर – योजनेतर		2062.00	2062.00	
वेतन से कटौती		40227702.00	40227702.00	
जी.पी.एफ. अंशदान (पुर्नप्राप्ति)		18440372.00	18440372.00	
सामूहिक बीमा योजना		86120.00	86120.00	
आयकर (वेतन) – योजनेतर		14442245.00	14442245.00	
आयकर (वेतन) – योजना		21200.00	21200.00	
आयकर (वेतन) – परियोजना		1449450.00	1449450.00	
एल.आई.सी.		452271.00	452271.00	
नई पेंशन स्कीम से वसूली		1793739.00	1793739.00	
सोसायटी वसूली		3542305.00	3542305.00	
fof'k"V ifj;kstuk	86857096.51 Cr	87583570.00	125470737.33	124744263.84 Cr
प्रावधान	369796933.00 Cr		18489847.00	388286780.00 Cr
प्रावधान – ग्रेच्युटी	32612512.00 Cr		1630626.00	34243138.00 Cr
प्रावधान – अवकाश वेतन	17771201.00 Cr		888560.00	18659761.00 Cr
प्रावधान – पेंशन	319413220.00 Cr		15970661.00	335383881.00 Cr
बकाया देनदारियाँ	2231605.00 Cr	2231605.00	2427946.00	2427946.00 Cr
भुगतान के रूप में	14964.00 Cr			14964.00 Cr
वेतन देय	8629801.00 Cr	8629801.00	8546217.00	8546217.00 Cr
सुरक्षा जमा समायोजित	613858.00 Cr	28000.00	48000.00	633858.00 Cr
जर्नल की सदस्यता शुल्क (अग्रिम)	132830.00 Cr	132830.00	135910.00	135910.00 Cr
निधि हस्तांतरण – योजना		7500000.00	7500000.00	
निधि हस्तांतरण – योजनेतर		58000000.00	58000000.00	
निधि हस्तांतरण – ओवरहैड एडमिन. खाता		37500000.00	37500000.00	
परियोजना खाते से निधि हस्तांतरण		28000000.00	28000000.00	

fooj.k	vFk'k"k	gLrkUrj.k		vr 'k"k
		fudklh	tek	
अनुपयुक्त अनुदान – योजना	59521650.00 Cr	105966916.00	101087000.00	54641734.00 Cr
vpy laifÙk;k	**194812521.15 Dr**	**20113842.00**	**17500031.00**	**197426332.15 Dr**
1027 – जर्नल की खरीद	3615306.00 Dr			3615306.00 Dr
2025 – फर्नीचर और साजो–सामान	6617382.34 Dr	328556.00	520945.00	6424993.34 Dr
2026 – अन्य कार्यालय उपकरण	10506327.82 Dr	1315615.00	886646.00	10935296.82 Dr
2027 – पुस्तकालयों की पुस्तकें	7885100.95 Dr	1263885.00	924790.00	8224195.95 Dr
2028 – कंप्यूटर तथा अन्य सामग्री	5186765.90 Dr	205931.00	1081522.00	4311174.90 Dr
2029 – जर्नल की खरीद	26432377.95 Dr	2204524.00	3225221.00	25411680.95 Dr
2030 – ई–जर्नल की खरीद	2938403.24 Dr	13430317.00	6547488.00	9821232.24 Dr
2055 – कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	3706742.00 Dr	197294.00	1561614.00	2342422.00 Dr
अचल परिसंपत्ति – प्रायोजित	819481.00 Dr		112504.00	706977.00 Dr
भूमि	2307892.03 Dr			2307892.03 Dr
कार्यालय भवन	123296604.99 Dr	1167720.00	2489287.00	121975037.99 Dr
स्टाफ कार की खरीद	1500136.93 Dr		150014.00	1350122.93 Dr
or'eku ifj laifÙk;k	**197226174.25 Dr**	**623035953.75**	**571582851.05**	**248679276.95 Dr**
स्टाफ को अग्रिम	3140860.00 Dr	17375455.00	18457970.00	2058345.00 Dr
2033 – विविध अग्रिम	1493000.00 Dr	15173260.00	15466170.00	1200090.00 Dr
अग्रदाय – योजना		20000.00	20000.00	
चिकित्सा अग्रिम	191997.00 Dr	1436799.00	1380357.00	248439.00 Dr
संकाय/स्टाफ का यात्रा भत्ता अग्रिम	1455863.00 Dr	745396.00	1591443.00	609816.00 Dr
vftr C;kt	25372.00 Dr		7791.00	17581.00 Dr
ऋण तथा अग्रिम पर अर्जित ब्याज	25372.00 Dr		7791.00	17581.00 Dr
boVjh	607698.00 Dr	437289.00	607698.00	437289.00 Dr
इंवेंटरी – स्टेशनरी	607698.00 Dr	437289.00	607698.00	437289.00 Dr
पूर्व प्रदत्त व्यय	56674.00 Dr	10272.00	56674.00	10272.00 Dr
प्रीपेड – बीमा	45892.00 Dr	10272.00	45892.00	10272.00 Dr
प्रीपेड – अन्य	10782.00 Dr		10782.00	
वसूली योग्य – स्टाफ	218800.00 Dr	108000.00	244300.00	82500.00 Dr
कार अग्रिम	48000.00 Dr		36000.00	12000.00 Dr
कंप्यूटर अग्रिम	36700.00 Dr		31000.00	5700.00 Dr
त्योंहार अग्रिम	134100.00 Dr	108000.00	177300.00	64800.00 Dr
जमा (परिसंपत्तियां)	37515329.00 Dr	13276486.00	10098189.00	40693626.00 Dr
सी.पी.डब्ल्यू.डी. को जमा–सिविल/इलैक्ट्रिकल	37515329.00 Dr	13276486.00	10098189.00	40693626.00 Dr
विविध देनदार	98298.00 Dr			98298.00 Dr
रोकड़ हाथ में		7875532.00	7875532.00	

fooj.k	vFk'k"k	gLrkUrj.k		vir 'k"k
		fudklh	tek	
रोकड़ – योजनेतर		641023.00	641023.00	
रोकड़ – योजना		3956023.00	3956023.00	
रोकड़ – परियोजना		3278486.00	3278486.00	
बैंक खाते	155185623.25 Dr	583558807.75	533857177.05	204887253.95 Dr
1000 – एस.बी.आई. – 10137881320 – योजनेतर	25389033.63 Dr	279995205.43	263720776.50	41663462.56 Dr
2000 – सिंडीकेट बैंक – 91.1112 – योजना	19302906.83 Dr	115276476.46	121427880.55	13151502.74 Dr
3000 – सिंडीकेट बैंक – 91.1092 – परियोजना	86857096.51 Dr	148960755.33	111073588.00	124744263.84 Dr
4000 – चालू खाता – 34778757702	9638.00 Dr	134300.00	134932.00	9006.00 Dr
6000 – हॉस्टल खाता	342663.58 Dr	13913.45		356577.03 Dr
8000 – केनरा बैंक	10832.10 Dr			10832.10 Dr
9000 – प्रशासन निधि खाता 1108	23273452.60 Dr	39178157.08	37500000.00	24951609.68 Dr
हस्तगत डाक टिकट	29527.00 Dr	22259.00	29527.00	22259.00 Dr
हस्तगत प्रकाशन	347993.00 Dr	371853.00	347993.00	371853.00 Dr
viR;{k vk;		**101429734.00**	**377748244.95**	**276318510.95 Cr**
pky [kkrk e tek		134300.00	134300.00	
4002 – छात्रों से फीस		134300.00	134300.00	
प्राप्तियां – योजनेतर		208434.00	188360634.43	188152200.43 Cr
पेंशन भोगी चिकित्सा प्रवेश शुल्क			461400.00	461400.00 Cr
स्वास्थ्य योजना अंशदान (सीजीएचएस)		1150.00	382975.00	381825.00 Cr
मा.सं.वि. मंत्रालय से प्राप्त अनुदान – योजनेतर			181611000.00	181611000.00 Cr
छात्रावास किराया			3672170.00	3672170.00 Cr
ब्याज वाली पेशगियों पर ब्याज		8015.00	21240.00	13225.00 Cr
बचत खाता पर ब्याज			1175350.00	1175350.00 Cr
विविध प्राप्तियां			61844.00	61844.00 Cr
लाइसेंस शुल्क की वसूली		4809.00	290237.00	285428.00 Cr
जल प्रभार की वसूली		1000.00	11131.00	10131.00 Cr
रॉयल्टी			26665.43	26665.43 Cr
विवरणिका की बिक्री			75300.00	75300.00 Cr
प्रकाशन की बिक्री		137460.00	335618.00	198158.00 Cr
छात्र शुल्क		56000.00	231500.00	175500.00 Cr
स्टाफ़ कार का प्रयोग			4204.00	4204.00 Cr
प्राप्तियां – प्रशासन निधि खाता 1108			1678157.08	1678157.08 Cr
9001 – प्राप्तियां शीर्ष 1108			1380695.50	1380695.50 Cr

fooj.k	vFk'k"k	gLrkUrj.k		vr 'k"k
		fudklh	tek	
बचत पर ब्याज – प्रशासन ओवरहैड खाता 1108			297461.58	297461.58 Cr
प्राप्तियां – योजना		101087000.00	187561239.99	86474239.99 Cr
मा.सं.वि. मंत्रालय से अनुदान – योजना		101087000.00	186957987.00	85870987.00 Cr
बचत खाता से ब्याज – योजना			603252.99	603252.99 Cr
प्राप्तियां – हॉस्टल टेलीफोन बूथ			13913.45	13913.45 Cr
viR;{k 0;;		**314336827.05**	**20353170.47**	**293983656.58 Dr**
अवमूल्यन		17485313.00		17485313.00 Dr
अवमूल्यन – भवन		2489287.00		2489287.00 Dr
अवमूल्यन – कंप्यूटर		1077794.00		1077794.00 Dr
अवमूल्यन – कंप्यूटर सॉफ्टवेयर		1561614.00		1561614.00 Dr
अवमूल्यन – ई–जर्नल		6547488.00		6547488.00 Dr
अवमूल्यन – फर्नीचर		520945.00		520945.00 Dr
अवमूल्यन – जर्नल		3225221.00		3225221.00 Dr
अवमूल्यन – पुस्तकालय पुस्तकें		913800.00		913800.00 Dr
अवमूल्यन – कार्यालय उपकरण		886646.00		886646.00 Dr
अवमूल्यन – अन्य (प्रायोजित)		112504.00		112504.00 Dr
अवमूल्यन – वाहन		150014.00		150014.00 Dr
व्यय – चालू खाता		632.00		632.00 Dr
4003 – विविध व्यय		632.00		632.00 Dr
गैर–योजना – व्यय		203279096.50	12652372.00	190626724.50 Dr
स्थापना व्यय – गैर–योजना		189953417.00	12518619.00	177434798.00 Dr
1001 – अधिकारियों को वेतन		29804380.00	2410540.00	27393840.00 Dr
1002 – स्थापना के लिए भुगतान		12607070.00	984580.00	11622490.00 Dr
1003 – वेतन – भत्ते		70999387.00	5305640.00	65693747.00 Dr
1004 – समयोपरि भत्ता		46838.00		46838.00 Dr
1005 – चिकित्सा प्रतिपूर्ति		8384365.00		8384365.00 Dr
1006 – अवकाश यात्रा रियायत		2678586.00	82897.00	2595689.00 Dr
1007 – बोनस		824354.00		824354.00 Dr
1008 – अंशदाता के पी.एफ. पर ब्याज		67864.00		67864.00 Dr
1009 – वर्दी		129600.00	21200.00	108400.00 Dr
1010 – नई पेंशन योजना (सरकारी अंश)		2470357.00	700218.00	1770139.00 Dr
1011 – ग्रेच्यूटी		6967170.00	832329.00	6134841.00 Dr
1012 – पेंशन		49185787.00	2181215.00	47004572.00 Dr
1013 – अवकाश नकदीकरण		4660181.00		4660181.00 Dr
1014 – यात्रा भत्ते		145382.00		145382.00 Dr

fooj.k	vFk'k"k	gLrkUrj.k		vUr 'k"k
		fudklh	tek	
1016 – ट्यूशन शुल्क		982096.00		982096.00 Dr
कार्यालय व्यय – योजनेतर		13325679.50	133753.00	13191926.50 Dr
1023 – बीमा		103841.00	10822.00	93019.00 Dr
1024 – स्टाफ कार की मरम्मत		231737.00		231737.00 Dr
1025 – समाचार पत्र प्रभार		159075.00	1096.00	157979.00 Dr
1026 – पेट्रोल ऑयल तथा ल्यूब्रीकेन्ट प्रभार		326445.00		326445.00 Dr
1028 – दर/किराया तथा टैक्स		402786.00	5809.00	396977.00 Dr
1029 – टेलीफोन प्रभार		1035289.00	2491.00	1032798.00 Dr
1030 – जल प्रभार		2491527.00	106947.00	2384580.00 Dr
1031 – विद्युत प्रभार		8499885.00	6588.00	8493297.00 Dr
1032 – विविध आकस्मिकताएं		75094.50		75094.50 Dr
;ktuk & 0;;		93571785.55	7700798.47	85870987.08 Dr
1- LFkkiuk 0;;&;ktuk		1192259.00	28030.00	1164229.00 Dr
2001 – अधिकारियों का वेतन		18147.00		18147.00 Dr
2003 – भत्ते तथा मानदेय		1174112.00	28030.00	1146082.00 Dr
2- dk;kZy; 0;; & ;ktuk		27149235.00	829910.00	26319325.00 Dr
2005 – विज्ञापन		2319410.00		2319410.00 Dr
2006 – पोषाहार प्रभार		1171032.00		1171032.00 Dr
2008 – पोस्टेज तथा टेलीग्राम		547302.00	22259.00	525043.00 Dr
2009 – स्टेशनरी/भंडार वस्तुएं		2126291.00	437289.00	1689002.00 Dr
2011 – टेलीफोन / टेलीग्राम प्रभार		143737.00		143737.00 Dr
2016 – बागवानी		28650.00		28650.00 Dr
2019 – उपकरणों का रख–रखाव		2159360.00	35374.00	2123986.00 Dr
2020 – भवन का रख–रखाव/हॉस्टल		9161684.00		9161684.00 Dr
2021 – समाचार पत्र प्रभार		9357.00		9357.00 Dr
2022 – विद्युत प्रभार		499350.00	3000.00	496350.00 Dr
2024 – अन्य विविध प्रशासनिक व्यय		827443.00	325738.00	501705.00 Dr
2031 – हाऊस कीपिंग सेवाएं		3898642.00		3898642.00 Dr
2035 – सुरक्षा व्यय		1558294.00		1558294.00 Dr
2037 – दैनिक मजदूरी प्रभार		976036.00	6250.00	969786.00 Dr
2038 – स्थानीय यात्रा/टैक्सी प्रभार		510143.00		510143.00 Dr
2040 – जल प्रभार		1206754.00		1206754.00 Dr
2054 – पाठ्क्रम शुल्क/प्रशिक्षण		5750.00		5750.00 Dr
3- vdknfed 0;; & ;ktuk		23411113.55	3033850.47	20377263.08 Dr
2007 – मुद्रण प्रभार		2100487.00	371853.00	1728634.00 Dr

fooj.k	vFk'k"k	gLrkUrj.k		vr 'k"k
		fudklh	tek	
2010 – छात्रवृत्ति, पुस्तकें तथा परियोजना (डेपा)		272422.00		272422.00 Dr
2012 – अकादमिक कार्यक्रम व्यय		5492033.00	639690.00	4852343.00 Dr
2013 – संकाय को यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता		6532444.00	1825391.47	4707052.53 Dr
2014 – भागीदारों को यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता (अ.ज./अ.ज. जाति सहित)		7771182.55	158416.00	7612766.55 Dr
2015 – संसाधन व्यक्तियों को मानदेय (अ.ज./अ.ज. जाति सहित)		552092.00	38500.00	513592.00 Dr
2036 फोटोकॉपी प्रभार		415255.00		415255.00 Dr
2039 – सदस्यता और सदस्यता अंशदान शुल्क		275198.00		275198.00 Dr
4- fo'ofo|ky; v/;;u@,u-th-vk- & ;ktuk		40289008.00	3809008.00	36480000.00 Dr
2041 – एम.फिल./पी.एच.डी. छात्रों को अध्येतावृत्ति		10662592.00	9600.00	10652992.00 Dr
2051 – एन.जी.ओ. को अनुदान		5791537.00		5791537.00 Dr
2064 – स्कूल शिक्षा में पहुंच, भागीदारी तथा अधिगम		195516.00		195516.00 Dr
2073 – मौलाना अबुल कलाम आजाद चेयर		33000.00		33000.00 Dr
2076 – राजस्थान के अनु.जा. के बच्चे–डा. पांडा		136854.00		136854.00 Dr
2081 – अध्ययन के लिए अनुदान सहायता		1317006.00		1317006.00 Dr
2083 – डी.ई.ओ. तथा बी.ई.ओ. क्षमता निर्माण सम्मेलन		5749759.00	1114781.00	4634978.00 Dr
2084 – शैक्षिक दस्तावेजों का डिज़िटल भंडारण (डा. मैथ्यू)		812465.00		812465.00 Dr
2086 – राष्ट्रीय साधन – मेरिट छात्रवृत्ति		17000.00		17000.00 Dr
2087 – बच्चों की भागीदारी पर सुधार लाने पर कार्यशाला		2213179.00	139581.00	2073598.00 Dr
2090 – ऑटोनामी आफ इंडियन हायर स्कूल		273744.00	857.00	272887.00 Dr
2091 – शैक्षिक प्रशासन में राष्ट्रीय नवाचार		1255116.00		1255116.00 Dr
2092 – बच्चों के शिक्षा का महत्वपूर्ण मूल्यांकन		1336602.00	320000.00	1016602.00 Dr
2093 – निजी फ्रेंचाइजी – पूर्व स्कूल शिक्षा		114452.00	17000.00	97452.00 Dr
2094 – तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण – आर.एस. त्यागी, राज्यों को अग्रिम		1394467.00	2100003.00	705536.00 Cr
2095 – तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण – आर.एस. त्यागी		3228034.00	25161.00	3202873.00 Dr
2097 – शिक्षा ऋण का मूल्यांकन – डा. गीता रानी		18097.00		18097.00 Dr

fooj.k	vFk'k"k	gLrkUrj.k		vr 'k"k
		fudklh	tek	
2098 – डीडी सेकेण्डरी एजूकेशन रमसा – डा. जैदी		738311.00		738311.00 Dr
2099 – विद्यालय प्रमुख का कार्य – डा. रश्मि दीवान		30000.00		30000.00 Dr
2102 – गैर नामांकित और विद्यालय त्यागी मुस्लिम बच्चे		290581.00	3406.00	287175.00 Dr
2103 – उच्च शिक्षा के विशेष कारक – स्पाशियल पर्सपेक्टिव		128452.00		128452.00 Dr
2104 – जियो–स्प्रिटल विकास हेतु पायलट परियोजना		39977.00		39977.00 Dr
2106 – स्कूल सुधार हेतु उन्नत प्रशिक्षण – डा. मधुमिता		157884.00		157884.00 Dr
2109 – परियोजना व्यवस्था एकक – डा. के. बिस्वाल		222150.00		222150.00 Dr
2110 – कार्यान्वयन पर अध्ययन 25%		176323.00		176323.00 Dr
2112 – लैंगिक स्तर पर शिक्षा एटलस – प्रो. सुमन			10619.00	10619.00 Cr
2113 – तुलनात्मक शैक्षिक लाभ – मोना खरे		615529.00		615529.00 Dr
2114 – नई शिक्षा नीति के लिए प्रारूप समिति		899147.00	8000.00	891147.00 Dr
2115 – नीति एवं प्रक्रियाएं बच्चे – वीरा गुप्ताप		467893.00		467893.00 Dr
2116 – प्रधान मंत्री जम्मू एवं कश्मीर – डा. वी.पी.एस. राजू		239123.00		239123.00 Dr
2117 – वेब लर्निंग पोर्टल – मोना खरे		124482.00	30000.00	94482.00 Dr
2118 – पब्लिक प्राइवेट मिक्स सेकेण्डरी एजुकेशन – एन.के. मोहंती		346345.00		346345.00 Dr
2119 – केन्द्रीय अवधि मूल्यांकन क्षेत्र – वी.पी.एस. राजू		302000.00		302000.00 Dr
2120 – आस्ट्रेलिया में शिक्षण और अनुसंधान – विनीता		31935.00		31935.00 Dr
2121 – शिक्षकों की भागीदारी		141129.00		141129.00 Dr
2122 – केन्द्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति		97258.00		97258.00 Dr
2123 – जीवनी पुस्तकों का प्रकाशन – आरती श्रीवास्तव		50357.00	30000.00	20357.00 Dr
डेपा वेतन		640712.00		640712.00 Dr
5- mÙkj&iwohZ {ks=		1530170.00		1530170.00 Dr
2052 – उत्तर–पूर्वी क्षेत्र		1530170.00		1530170.00 Dr
लाभ और हानि खाता	27502028.65 Dr		27502028.65	
egk;ksx		**1462685385.45**	**1462685385.45**	

लेखा परीक्षा रिपोर्ट

लेखापरीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के लेखे पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

1. हमने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, पूर्व में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, के 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखाओं, प्राप्ति और भुगतान लेखाओं की नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, अधिकार और सेवा शर्तों) के अधिनियम 1971 की धारा 20(1) के अधीन सलंग्न तुलन–पत्र की लेखापरीक्षा कर ली है। हमें वर्ष 2020–21 तक की लेखा परीक्षा का कार्य सौंपा गया है। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी नीपा के प्रबंधन की है। हमारी जिम्मेदारी इन वित्तीय विवरणों पर लेखापरीक्षा के आधार पर अपने विचार व्यक्त करने की है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण के व्यवहार्य से एकरूपता, लेखाकरण के मानदंडों और पारदर्शिता के मानकों इत्यादि के संबंध में लेखाकरण व्यवहार पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां शामिल हैं। पृथक निरीक्षण रिपोर्टों/नि.म.ले. की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के द्वारा आवश्यकतानुसार विधि, नियमों और विनियमों (स्वामित्व और नियामक) के अनुपालन और वित्तीय संचालन और कार्य निष्पादन सहित कार्यदक्षता संबंधी पक्षों इत्यादि पर लेखा परीक्षा की टिप्पणियां प्रस्तुत की जाती है।

3. हमने आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखापरीक्षा के मानदंडों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि वित्तीय विवरणों के अधिक यथार्थ विवरणों से युक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम योजना तथा लेखा परीक्षा का निष्पादन करें। लेखा परीक्षा में, परीक्षण के आधार पर वित्तीय विवरणों की राशि तथा प्रकटीकरण के साक्ष्यों का लेखा परीक्षण होता है। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखाकरण के सिद्धांतों, महत्वपूर्ण आकलनों की समीक्षा के साथ–साथ प्रस्तुत किए गए संपूर्ण वित्तीय विवरणों का मूल्यांकन शामिल है। हमें विश्वास है कि लेखापरीक्षा हमारे विचारों को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हम अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर प्रतिवेदन करते हैं कि–

(i) लेखापरीक्षा उद्देश्य के लिए हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार हमने समस्त सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

(ii) तुलन–पत्र और आय एवं व्यय लेखे/प्राप्तियां एवं भुगतान लेखे मानव संसाधन मंत्रालय भारत सरकार के आदेश सं. 29–4/2012 एफ.डी., दिनांक 17 अप्रैल 2015 द्वारा निर्धारित प्रपत्र में सही प्रकार से तैयार किए गए हैं तथा लेखा बहियों के अनुसार हैं।

(iii) हमारी राय के अनुसार राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय ने समुचित रूप से लेखा पुस्तिकाओं और संबंधित दस्तावेजों का रखरखाव किया है जो कि ऐसी पुस्तिकाओं की जांच–पड़ताल से पता चलता है।

(iv) हम पुनः प्रतिवेदन करते हैं कि :

v- r|yu i=

v-1- n|;rk,|

v-1-1- or|eku n|;rk,| ,o| i|ko/kku ¼vu|l|ph &2½ #- 58-39 djkM+

उपरोक्त में वर्ष 2016–17 के लिए रु. 10.56 लाख की व्यय हेतु देयताएं (अनुलग्नक.–III) सम्मिलित नहीं है, जिनका वर्ष के दौरान भुगतान नहीं किया गया। इससे वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान में रु. 10.56 लाख का अवमूल्यन हुआ और पूंजीगत निधि में बढ़ाकर दर्शाया गया।

v-2- ifj l|ifÙk;k|

v-2-1- vpy ifj l|ifÙk;k| ¼vu|l|ph&3½ #- 19-74 djkM+

उपरोक्त में रु. 23.07 लाख की भूमि का मूल्य सम्मिलित है, परन्तु रिकार्ड के अनुसार एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा नीपा को भूमि रु. 20.91 लाख में स्थानान्तरित की गई। इस प्रकार पूंजीगत निधि और अचल संपत्ति को रु. 2.16 लाख रूपये बढ़ाकर दर्शाया गया है।

v-2-2- _.k] vfxze rFkk tek ¼vu|l|ph&5½ #- 4-75 djkM+

उपरोक्त में आयकर विभाग से वसूली योग्य रु. 19.70 लाख का टी.डी.एस. सम्मिलित नहीं है (2014–15 : रु. 0.78 लाख, 2015–16: रु 11.04 लाख और 2016–17 : रु. 7.88 लाख), इससे ऋण, अग्रिम तथा जमा और पूंजीगत निधि का रु. 19.70 लाख रुपये का अवमूल्यन हुआ।

c- Hkfo"; fuf/k r|yu i=

निम्नांकित तुलन–पत्र को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के द्वारा निर्धारित प्रपत्र के अनुसार नहीं दर्शाया गया हैः–

i. तुलनपत्र के देयताओं में रु. 14.92 करोड़ का अथशेष में ब्याज जमा का संचयी शेष तथा पिछले वर्षों के स.भ. निधि तथा अ.भ. निधि की देयताएं सम्मिलित हैं। स.भ. निधि में रु.1.25 करोड़ की राशि तथा अं.भ. निधि के अंतर्गत रू 1.20 लाख की राशि चालू वर्ष के लिए स.भ. निधि तथा अं.भ निधि की देयताएं हैं।

ii. तुलनपत्र के अंतर्गत दर्शाया गया रु. 9.38 लाख का ब्याज जमा चालू वर्ष के लिए है और पिछले वर्षों का संचयी शेष इसमें सम्मिलित नही है।

इस प्रकार लेखा स.भ. निधि तथा अं.भ. निधि की वास्तविक देयताओं और तुलन पत्र की तिथि तक नीपा के पास उपलब्ध ब्याज जमा के संचयी शेष की जांच नहीं कर पाया है।

l- vk; rFkk 0;;

l-1- vk;

l-1-1- vu|nku@lgk;rk vu|nku ¼vu|l|ph 7½ & #- 26-75 djkM+

i) मा.सं.वि. मंत्रालय के द्वारा निर्धारित प्रपत्र के अनुसार राजस्व व्यय के लिए उपयोग किए गए अनुदान (सेवानिवृति लाभ प्रावधान को छोड़कर तथा सेवानिवृति लाभ पर वास्तविक व्यय को सम्मिलित कर) को उपरोक्त अनुसूची में आय के रूप दर्शया जाना चाहिए था। इस प्रकार राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया अनुदान रू. 17.21 करोड़ (अनुलग्नक–II) होना चाहिए था परंतु इसे उपरोक्त अनुसूची में रु. 18.16 करोड़ दर्शाया गया है जिससे अनुदान/सहायता अनुदान की अतिरंजना हुई और परिणाम स्वरूप इसके कारण पूंजीगत निधि की भी अतिरंजना हुई तथा वर्तमान देयताओं और प्रावधानों–अनुपयुक्त सहायता अनुदान का रु. 95 लाख का अवमूल्यन हुआ।

n- lkekU;

n-1- रु. (–)13.33 करोड़ का कोष/पूंजीगत निधि को मा.स.वि. मंत्रालय के लेखा प्रारूप का उल्लंघन करते हुए देयताओं के बजाए परिसम्पतियों में दर्शया गया है।

n-2- मा.सं.वि. मंत्रालय द्वारा निर्धारित लेखा प्रपत्र के अनुसार अचल संपत्ति की अनुसूची के अंतर्गत दर्शाये जाने वाली परिसंपत्तियों को आगे योजना, योजनेत्तर, अमूर्त संपत्ति, एकस्त, सर्वाधिकार तथा अन्य को उप–अनुसूची में वर्गीकृत किया जाना चाहिये था। परन्तु नीपा द्वारा ऐसा नहीं किया गया।

n-3- निम्नांकित सूचना/रिकार्ड लेखा को प्रस्तुत नहीं गई–

i) रू 4.07 करोड़ के पूंजीगत लेखा पर बकाया अग्रिम का कार्य के अनुसार विवरण प्रदान नहीं किया गया।

ii) मा.सं.वि. मंत्रालय को प्राप्त अनुपयुक्त अनुदान को आगे बढ़ाने हेतु अनुमोदन।

;- lgk;rk vuqnku

न्यूपा ने रु. 28.27 करोड़ का सहायता अनुदान प्राप्त किया, (योजना रू रु. 10.11 करोड़ तथा योजनेत्तर रु.18.16 करोड़) जिसमें से रु. 3.28 करोड़ (योजना रु. 0.65 करोड़ तथा योजनेत्तर रु. 2.63 करोड़) मार्च 2017 में प्राप्त हुए। न्यूपा के पास अथ शेष रु. 5.95 करोड़ (योजना) था। न्यूपा ने कुल रु. 34.22 करोड़ में से रु. 27.81 करोड़ (योजना रु. 10.60 करोड़ तथा योजनेत्तर रु. 17.21 करोड़) का उपयोग किया। 31 मार्च 2017 को न्यूपा के पास रु. 6.41 करोड़ (योजनाः रु. 5.46 करोड़ तथा योजनेत्तर रु. 0.95 करोड़) का बचत शेष था।

न्यूपा ने वर्ष के दौरान मा.सं.वि. मंत्रालय से विशिष्ट परियोजनाओं के लिए रु. 6.14 करोड़ का अनुदान प्राप्त किया और इन परियोजनाओं में रु. 4.80 करोड़ का अथ शेष था। कुल राशि रु. 10.94 करोड़ में से रु. 4.55 करोड़ वर्ष के दौरान इन परियोजनाओं पर व्यय किए गए और 31 मार्च, 2017 को रु. 6.40 करोड़ बचत शेष था।

(V) पिछले अनुच्छेदों में टिप्पणी के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि इस लेखा रिपोर्ट में तुलन–पत्र तथा आय एवं व्यय/प्राप्तियां तथा भुगतान लेखा के विवरण लेखा पुस्तिका के अनुसार है।

(VI) हमारे विचार से और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय विवरण जो लेखाकरण की नीतियां और लेखों पर टिप्पणियां के अधीन माने गये हैं, उपर्युक्त महत्वपूर्ण विवरणों तथा इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट में अनुलग्नक भाग–I में प्रस्तुत अन्य दूसरी सामग्री के संदर्भ में आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखाकरण के सिद्धांतों के अनुसार सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैः

(अ) जहाँ तक यह 31 मार्च 2017 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय के तुलन पत्र की स्थिति से संबंधित हैं : तथा

(ब) जहाँ तक यह इसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए घाटे के आय तथा व्यय लेखे से संबंधित हैं।

भारत के नियंत्रक तथा महानिदेशक, लेखापरीक्षा की ओर से और कृते

g-@-
egkfun'kd] y[kkijh{kk dUnh; 0;;

LFkku % ubl fnYyh
fnukd % 01-10-2019

ukV % ÞiLrqr ifrosnu ey:i ls vXkth e fyf[kr iFkd y[kkijh{kk ifrosnu dk fgnh vuokn gA ;fn ble dkb folXkfr ifjyf{kr gkrh g rk vXkth e fyf[kr ifrosnu ekU; gkXkAß

अनुलग्नक–I

1- vkrfjd y[kk ijh{kk 0;oLFkk dh i;kIrrk

- संस्थान में अलग से कोई आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग नहीं है। न ही आंतरिक लेखा परीक्षण मंत्रालय द्वारा किया जाता है।
- विश्वविद्यालय द्वारा आंतरिक लेखा परीक्षा नहीं की जा रही है।

2- vkrfjd fu;=.k 0;oLFkk dh i;kIrrk

निम्नांकित क्षेत्र में न्यूपा के आंतरिक नियंत्रण को सुदृढ़ करना होगाः

- 31 मार्च 2017 तक 2000–01 से 2011–12 की अवधि के दौरान 31 बाह्य लेखा परीक्षा पैरा के उत्तर प्राप्त नहीं हुए।
- कई मामलों में भुगतान से पहले वाउचर पर वित्त अधिकारी ने प्रतिहस्ताक्षर नहीं किए।

3- lifÙk;k dk Hkkfrd fujh{k.k

- 31.03.2012 तक फर्नीचरों और फिक्सचर तथा कंप्यूटरों इत्यादि का भौतिक सत्यापन किया गया है।
- जुलाई 2012 तक पुस्तकों और प्रकाशनों का भौतिक निरीक्षण कर लिया गया था।

4- bUoUVjh dh Hkkfrd tkp

- स्टेशनरी, तथा उपभोग वस्तुओं का भौतिक सत्यापन 31 मार्च 2012 तक कर लिया गया है।

5- lkfofèkd HkXkrku e fu;ferrk

- लेखा के अनुसार, दिनांक 31 मार्च 2017 तक पिछले छः महीने से कोई भी सांविधिक देयता का भुगतान बाकी नहीं था।

अनुलग्नक–II

योजनेत्तर राजस्व व्यय का कार्यचालन

vk; rFkk 0;; ys[kk 'kh"kZ	¼jkf'k :- esa½
आय तथा व्यय लेखा के अनुसार स्थापना व्यय (अनुसूची 10)	17,74,34,798
आय तथा व्यय लेखा के अनुसार प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय (अनुसूची 12)	1,29,60,190
आय तथा व्यय लेखा के अनुसार रखरखाव तथा मरम्मत (अनुसूची 13)	2,31,737
	19,06,26,725
उपरोक्त में सम्मिलित सेवानिवृत्त लाभ प्रावधान को घटाकर	5,77,99,594
जमाः सेवानिवृत्त लाभ पर वास्तविक व्यय	3,93,09,747
	17,21,36,878

अनुलग्नक–III

2016–17 के बिल जिनका भुगतान 2017–18 में हुआ

Ø- l-	fcy frfFk	okmpj l- rFkk frfFk	Hkqxrku ftl dks fd;k x;k	;kx ¼jkf'k #- e½
1.	24.01.2017	सीबी 86 दिनांक 02.05.2017	ग्लोबल इन्फोकॉम लि.	52,172
2.	फरवरी और मार्च 2017 के विभिन्न विल	सीबी 54 दिनांक 20.04.2017	अनिल ऑफसेट एंड पैकेजिंग	30,613
3.	17.2.2017	सीबी 53 दिनांक 20.04.2017	गुरुसन्स कम्यूनिकेशन प्रा.लि.	56,043
4.	27.2.2017	सीबी 37 दिनांक 18.04.2017	इंस्टीट्यूट फार स्टडीज़ इन इंडस्ट्रियल डवलपमेन्ट	1,24,000
5.	15.3.2017	सीबी 33 दिनांक 18.04.2017	मेघा कलर लैब एंड डिजीटल स्टूडियो	10,350
6.	28.2.2017 को दो बिल	सीबी 28 दिनांक 17.04.2017	मिन्सी इन्टरप्राइजेज	20,863
7.	23.3.2017	सीबी 25 दिनांक 17.04.2017	संजय शूज़	6,240
8.	20.1.2017	सीबी 13 दिनांक 11.04.2017	काम्पटैक्स टैक्नोलॉजी प्रा.लि.	10,925
9.	1.3.2017	सीबी 14 दिनांक 11.04.2017	पिंक हाउस कीपिंग	28,551
10.	20.12.2016	सीबी 06 दिनांक 10.04.2017	यूनिलाईन एनर्जी सिस्टम प्रा.लि.	16,870
11.	22.03.2017	सीबी 157 दिनांक 29.05.2017	अशोक ट्रवल एंड टूर्स (आई.टी.डी.सी.)	1,40,292
12.	नवंबर 2016 और फरवरी 2017 के चार बिल	सीबी 131 दिनांक 18.05.2017	पिंक हाउस कीपिंग	5,59,461
		;kx		10]56]380

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय

17–बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली–110 016 (भारत)

दूरभाष : 91-011-26544800, 26565600

फैक्स : 91-011-26853041, 26865180

ई–मेल : nuepa@nuepa.org

वेबसाईट : http://www.nuepa.org